हस्तलिखित हिंदी पुस्तकों

का

संक्षिप्त विवरण

[सन् १९००-१९५५ ई० तक]

प्रथम खंड

नागरीप्रचारिणी सभा, काशी

सं० २०२१ वि०

मुद्रक : नागरी मुद्रण, ना० प्र० सभा, काशी ।

प्रथम संस्करण, ५१०० प्रतियाँ, सं० २०२१ वि० ।

मूल्य [illegible]) प्रति भाग

संपादन उपसमिति

* श्री कृष्णदेवप्रसाद गौड़—संयोजक

** श्री डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
** श्री डा० जगन्नाथप्रसाद शर्मा
* श्री डा० राय गोविंदचंद्र
*** श्री पं० शिवप्रसाद मिश्र
*** श्री डा० भोलाशंकर व्यास
** श्री देवकीनंदन केडिया

** श्री पं० विद्याभूषण मिश्र—संयो०
*** श्री पं० इंद्रचंद्र नारंग
* श्री डा० भगीरथ मिश्र
*** श्री पं० करुणापति त्रिपाठी
*** श्री पं० सुधाकर पांडेय
* श्री डा० त्रिभुवनसिंह

* संवत् २०२१ वि० से
** संवत् २०१८ से २०२० वि० तक
*** संवत् २०१८ से अब तक

आमुख

काशी नागरीप्रचारिणी सभा की स्थापना १८९३ ई० में हुई थी। इस समय तक हिंदी में न तो कोई अच्छा कोश था, न व्याकरण, उचित रीति से संपादित प्राचीन ग्रंथ भी अलभ्य थे और फलतः साहित्य के उच्चस्तरीय पठन पाठन की कोई व्यवस्था भी नहीं थी। अपनी स्थापना के समय ही सभा की दृष्टि इन त्रुटियों की ओर गई और उनकी पूर्ति करने का निश्चय उसने किया। ऐसा ही एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य था हिंदी के उन प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों की ढूँढ़ खोज और उद्धार करना जो भिन्न भिन्न गाँवों और नगरों में बस्तों में बँधे पड़े कीड़े मकोड़ों का भोज्य बनते जा रहे थे। ऐसी कितनी सामग्री नष्ट होकर सदा के लिये लुप्त हो चुकी, इसका कोई लेखा जोखा भी आज उपलब्ध नहीं है। ऐसी जो कुछ भी सामग्री शेष रह गई हो उसका पता लगाने और उसकी सूचना जिज्ञासुओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों की खोज का कार्य इस सभा ने सन् १९०० में आरंभ किया था और तब से लेकर अब तक अनवरत रूप से वह यह कार्य करती आ रही है।

इसी खोज का परिणाम है कि अनेक अज्ञात लेखकों का और ज्ञात लेखकों के अनेक अज्ञात ग्रंथों का परिचय हिंदी जगत् को मिला और आरंभ से लेकर अब तक प्रवहमान साहित्यधारा के विस्तार और गहराई का स्वरूप स्थिर किया जा सका। सभा की यह खोज ही हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास प्रस्तुत करनेवाले विद्वानों के लिये मूलाधार रही है। हिंदी के प्राचीन साहित्य का अध्ययन अनुशीलन करनेवाले विद्वानों के लिये तो खोज के ये विवरण पग पग पर अनिवार्यतः आवश्यक हो जाते हैं।

सन् १९०० से लेकर अब तक की खोज की रिपोर्टों के रूप में लगभग दस सहस्र पृष्ठों की सामग्री प्रस्तुत हो चुकी है। संदर्भ के रूप में इस प्रभूत राशि का उपयोग करना स्वभावतः अत्यंत श्रमसाध्य और असुविधाजनक है। अतः सन् १९२३ में सभा ने १९११ तक की प्रकाशित खोज रिपोर्टों का एक संक्षिप्त विवरण प्रकाशित करके अध्येताओं का कार्य सरल कर दिया था। तब से लेकर अब तक यह कार्य बहुत आगे बढ़ चुका। अतएव १९०० से १९५५ ई० तक हुई खोज की रिपोर्टों का यह संक्षिप्त विवरण पुनः अध्येताओं के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। हमें विश्वास है, प्राचीन साहित्य का अध्ययन अनुशीलन करनेवाले साहित्यरसिकों के लिये यह विवरण यथावत् उपयोगी सिद्ध होगा।

कार्तिक पूर्णिमा,
सं० २०२१ वि०

कमलापति त्रिपाठी
सभापति,
नागरीप्रचारिणी सभा,
काशी

प्रकाशकीय

नागरीप्रचारिणी सभा ने अपनी स्थापना के साथ ही न केवल हिंदी साहित्य एवं देवनागरी लिपि के प्रचार प्रसार के लिये उद्योग आरंभ किया, अपितु ऐसे गुरु गंभीर आयोजन भी आरंभ किए जिनके कारण हिंदी साहित्य का केवल अभ्युदय एवं विकास मात्र ही नहीं हुआ, प्रत्युत उसके विकास की वह दृढ़ वैज्ञानिक भित्ति निर्मित हुई, जिसके बल पर हिंदी का साहित्य दिनोत्तर समृद्ध होता चला जा रहा है। परंपरा से प्राप्त हिंदी साहित्य की अतुल संपदा देश की अराजक अनिश्चित राजनीतिक स्थिति के कारण या तो नष्ट भ्रष्ट हो चुकी थी, अथवा बेठनों में पड़ी पड़ी एकांत धरती में गड़े धन की भाँति निरर्थक कालोन्मुख हो रही थी। अंग्रेजी राज्य की पूर्ण स्थापना के उपरांत सन् १८६८ ई० से संस्कृत के ग्रंथों की खोज का कार्य बंगाल, बंबई एवं मदरास के प्रेसीडेंसी शासनों ने आरंभ किया। इस संदर्भ में बंगाल एशियाटिक सोसायटी की तत्कालीन सेवाएँ अभिनंदनीय हैं।

संस्कृत की पुस्तकों की खोज तो आरंभ हुई पर हिंदी की पुस्तकों की खोज की ओर किसी ने भी, सभा की स्थापना के पूर्व तक, ध्यान नहीं दिया। अपनी स्थापना के साल भर बाद ही, सन् १८९४ ई० में, हिंदी पुस्तकों की खोज की दिशा में सभा ने सक्रिय चरण उठाए। संयुक्त प्रांत की सरकार से उसने जहाँ एक ओर इस कार्य के लिये आर्थिक सहायता की याचना की, वहीं दूसरी ओर संस्कृत पुस्तकों की खोज में मिली हिंदी पुस्तकों की सूची के प्रकाशन का आग्रह भी बंगाल एशियाटिक सोसायटी से किया। सन् १८९५ में एक वर्ष में प्राप्त ६०० हिंदी ग्रंथों की सूची प्रकाशित कर सोसायटी ने इस कार्य की इतिश्री कर दी। किंतु सभा अपने प्रयत्न में निष्ठापूर्वक लगी रही और अंततोगत्वा सन् १८९९ ई० में संयुक्त प्रांत से प्राप्त ४०० रु० वार्षिक अनुदान से यह महत्वपूर्ण कार्य आरंभ किया। आधुनिक हिंदी के निर्माता डा० श्यामसुंदरदास के संयोजकत्व में सन् १९०० से अलग विभाग की स्थापना कर सभा ने खोज कार्य को व्यवस्थित किया। तब से निरंतर यह कार्य सभा निष्ठापूर्वक करती चली आ रही है।

तत्कालीन प्रशासकीय स्थिति के कारण सन् १९२५ तक ये खोज रिपोर्टें अंग्रेजी में सरकार द्वारा प्रकाशित होती रहीं। किंतु इसके पश्चात् सभा ने खोज विवरणों का प्रकाशन स्वयं हिंदी में आरंभ किया और सन् १९४३ तक के खोज विवरण अब तक

प्रकाशित हो चुके हैं। इन खोज विवरणों के प्रकाशन का व्यय बराबर उत्तर प्रदेश शासन देता रहा है। सन् ४३ के बाद के खोज विवरण भी संपादित हो चुके हैं और उत्तर-प्रदेश सरकार से इनके लिये अनुदान की याचना भी की जा चुकी है। आशा है, उत्तर प्रदेश सरकार इस उपयोगी कार्य के प्रति पूर्ववत् अनुदान देकर हिंदी-हित-चिंतन में योग देगी।

विस्तृत खोज विवरणों के प्रकाशन के साथ ही साथ सभा इनके संक्षिप्त विवरण भी प्रकाशित करती रही है। प्रारंभिक ११ वर्षों का संक्षिप्त विवरण डा० श्यामसुंदरदास जी के संपादन में प्रकाशित हुआ था। उसके बाद सभा ने ४४ वर्षों की खोज विवरण प्रकाशित करने का आयोजन किया था जिसका कुछ अंश छप भी चुका था। किंतु इस कार्य में यथासामर्थ्य व्यय करने के बाद भी सभा इसे पूर्णतः मूर्त रूप न दे सकी। अंततोगत्वा केंद्रीय सरकार के ३०,०००) के अनुदान से ५५ वर्षों का यह संक्षिप्त खोज विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यदि केंद्रीय सरकार की यह समयोचित सहायता न मिली होती तो अभी यह कार्य कथमपि पूरा न होता। सरकार ने केवल सहायता ही नहीं दी, अमूल्य हितकारी सुझाव भी प्रस्तुत किए एवं शासन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बराबर सहयोग भी दिया, विशेषकर भूतपूर्व शिक्षामंत्री श्री डा० कालूलाल जी श्रीमाली, वर्तमान उपशिक्षामंत्री माननीय श्री भक्तदर्शन जी एवं संयुक्त सचिव श्री रमाप्रसन्न जी नायक और उपसचिव श्री प्रेमनाथ जी धीर ने। सभा उनके प्रति कृतज्ञ है।

इन ५५ वर्षों में सभा ने खोज संबंधी कार्यों में लगभग १ लाख १४ हजार रुपए व्यय कर ६५६० ग्रंथकारों एवं १५८८२ ग्रंथों के विवरण एकत्र किए। ये ग्रंथ १०वीं शताब्दी से लेकर वर्तमान शताब्दी तक के हैं। साहित्य एवं साहित्यशास्त्र की सभी विधाओं के अतिरिक्त संगीत, नीति, वैद्यक, धनुर्विद्या, आचार, ज्योतिष, शालिहोत्र, लेखाशास्त्र, पाकशास्त्र, पशुचिकित्सा, कामशास्त्र, भूगोल, तंत्र, मंत्र, यंत्र, रसायन, शिकार, वनस्पति, रत्नपरीक्षण, वास्तुविद्या आदि विषयों के भी महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रंथों के विवरण इस खोज के परिणामस्वरूप उपलब्ध हो सके।

खोज के संबंध में सभा के कार्यकर्ता देश के विभिन्न अंचलों में नाना प्रकार की कठिनाइयों का सामना करते हुए गाँव गाँव और कस्बे कस्बे जा जाकर गत ६४ वर्षों से कार्य करते चले आ रहे हैं और हिंदी के गंभीर विद्वान् सभा के संपादक सहायकों के सहयोग से उन प्राप्त विवरणों का संशोधन संपादन करते हैं। इन कार्यकर्ताओं और विद्वानों के प्रति सभा कृतज्ञ है। उन विद्वानों तथा उन ग्रंथकारों के प्रति भी सभा कृतज्ञ है जिन्होंने खोज विवरणों में परिष्कार एवं सुधार के लिये समय समय पर सुझाव दिए। उन कृतिकारों के प्रति सभा हृदय से कृतज्ञ है जिनकी कृतियों से संशोधन संपादन के कार्य में योगदान मिला है।

यद्यपि हिंदी में खोज का यह कार्य जिस व्यापक पैमाने पर होना चाहिए, नहीं हुआ, तो भी सभा द्वारा किया गया इस क्षेत्र में यह प्रयास हिंदी अनुसंधान एवं अनुशीलन जगत् का मूलाधार रहा है। इन खोज विवरणों के आधार पर ही 'मिश्रबंधु विनोद' एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल का 'हिंदी साहित्य का इतिहास' जैसे प्रमाणिक और श्रेष्ठ ग्रंथ प्रस्तुत हो सके। १६ खंडों में प्रकाशित हो रहे 'हिंदी साहित्य के बृहत् इतिहास' के लेखन में भी इसका योगदान महत्वपूर्ण है। अनुशीलन के क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसा शोध-प्रबंध या गंभीर ग्रंथ हो जिसमें इसका उपयोग न हुआ हो।

आशा है, इस महत्वपूर्ण संदर्भग्रंथ के प्रकाशन से हिंदी अध्ययन एवं अनुशीलन जगत् का हित होगा।

कार्तिक पूर्णिमा
सं० २०२१ वि०,

सुधाकर पांडेय
प्रकाशन मंत्री,
नागरीप्रचारिणी सभा,
काशी।

———

संकेत सूची

अनु०	अनुमान से
अप्र०	अप्रकाशित (खो० वि० सन् १९४१-४३ के अप्रकाशित विवरण पत्र)
उप०	उपनाम
खो० वि०	खोज विवरण
गो०	गोस्वामी
टि०	टिप्पणी
ठा०	ठाकुर
दि०	दिल्ली खोज विवरण सन् १९३१
पं०	पंजाब खोज विवरण सन् १९२२-२४
परि०	परिशिष्ट
प्रा०	प्राप्तिस्थान
मा० वि० हिं०	दी माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर आफ हिंदुस्तान
मि० वि०	मिश्र बंधु विनोद
मु० का० सं०	मुद्रण काल संवत्
र० का० सं०	रचना काल संवत्
लि० का० सं०	लिपि काल संवत्
वि०	विषय
सं०	संवत्
सं० का० सं०	संग्रह काल संवत्
सं० वि०	संक्षिप्त विवरण
स्व०	स्वर्गीय
स्वा०	स्वामी
हि०	हिजरी

००	सन् १९००	का वार्षिक खोज विवरण
०१	,, १९०१	,, ,, ,,
०२	,, १९०२	,, ,, ,,
०३	,, १९०३	,, ,, ,,
०४	,, १९०४	,, ,, ,,
०५	,, १९०५	,, ,, ,,
०६	,, १९०६–८	,, त्रैवार्षिक ,,
०९	,, १९०९-११	,, ,, ,,
१२	,, १९१२-१४	,, ,, ,,
१७	,, १९१७-१९	,, ,, ,,
२०	,, १९२०-२२	,, ,, ,,
२३	,, १९२३-२५	,, ,, ,,
२६	,, १९२६-२८	,, ,, ,,
२९	,, १९२९-३१	,, ,, ,,
३२	,, १९३२-३४	,, ,, ,,
३५	,, १९३५-३७	,, ,, ,,
३८	,, १९३८-४०	,, ,, ,,
४१	,, १९४१-४३	,, ,, ,,
सं० ०१	संवत् २००१–२००३ (सन् १९४४-४६)	,,
सं० ०४	,, २००४–२००६ (,, १९४७-४९)	,,
सं० ०७	,, २००७–२००९ (,, १९५०-५२)	,,
सं० १०	,, २०१०–२०१२ (,, १९५३-५५)	,,

[इस संक्षिप्त विवरण में खोज विवरणों के संकेतित सन् या संवत् के साथ आई हुई दूसरी संख्या वह क्रमांक सूचित करती है जहाँ संबद्ध ग्रंथ या ग्रंथकार के विवरण उस खोज विवरण में दिए गए हैं। जैसे → १७–८९ का तात्पर्य यह है कि सन् १९१७-१९ के खोज विवरण की ८९वीं क्रमसंख्या देखें।]

———

उपोद्घात

अंग्रेजी शासन ने आधुनिक पद्धति पर प्राचीन ग्रंथों की खोज की ओर १९वीं शती से ही ध्यान दिया।

सन् १८६८ ई० में सरकार द्वारा संस्कृत के हस्तलिखित प्राचीन ग्रंथों की देशव्यापी खोज आरंभ हुई। बंगाल एशियाटिक सोसाइटी तथा बंबई और मद्रास की सरकारें इस कार्य में अग्रगण्य थीं। अनेक शोधसंस्थाओं और विद्वानों द्वारा भी खोज में उपलब्ध ग्रंथों के संरक्षण तथा प्रकाशन की स्थायी व्यवस्था की गई थी। पर इन प्रयत्नों की सीमा हिंदीतर ही रही। हिंदी के प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों की खोज की ओर किसी का ध्यान न था। हिंदी ग्रंथों की इस उपेक्षा की ओर काशी नागरीप्रचारिणी सभा के अधिकारियों का ध्यान गया।

पर उस समय सभा की ऐसी आर्थिक स्थिति न थी कि वह इस काम को सुचारुरूप से संपन्न कर लेती, क्योंकि इसके लिये पर्याप्त धन अपेक्षित था। फिर भी संस्कृत हस्तलिखित ग्रंथों की खोज के अनुकरण पर सभा कुछ प्रयत्न करती रही। २२ मई सन् १८९४ ई० को सभा ने संयुक्तप्रांत (अब उत्तरप्रदेश) शासन को इस कार्य में आर्थिक सहायता के लिये लिखा। साथ ही बंगाल एशियाटिक सोसाइटी से भी साग्रह निवेदन किया कि संस्कृत ग्रंथों की खोज में यदि हिंदी के ग्रंथ मिलें तो उनकी भी सूची प्रकाशित कर दी जाय। एशियाटिक सोसाइटी ने सालभर तक यह कार्य किया। फलतः १८९५ ई० में हिंदी की ६०० हस्तलिखित पुस्तकों की सूची प्रकाशित की गई। इससे सभा के खोजकार्य को आगे बढ़ाने में बड़ी सहायता मिली।

अपनी कठिनाइयों के कारण सोसाइटी ने अगले वर्ष से ही सूची का प्रकाशन बंद कर दिया। पर इस कार्य को अग्रसर करने के लिये सभा बराबर प्रयत्नशील रही। अंततोगत्वा सन् १८९९ ई० में उस समय के संयुक्तप्रांत शासन से ४०० रु० वार्षिक अनुदान प्राप्त हुआ। इस अनुदान के साथ खोज सामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था का आश्वासन भी सरकार से मिला। इस दिशा में अन्य प्रयत्न भी सफल हुए। देश के राजा, महाराजा, सेठ तथा हिंदी के अन्यान्य प्रेमी शुभचिंतकों ने भी खोजकार्य के लिये दान दिया।

इसी अल्प धन के सहारे सभा में (सन् १९०० ई०) विधिवत् खोजविभाग की स्थापना हुई। सर्वप्रथम डा० श्यामसुंदरदास इसके संचालक एवं निरीक्षक चुने गए। प्रारंभिक खोजकार्य के दो वर्षों के खोजविवरण प्रकाशित हुए। इन खोज विवरणों

की देश विदेश में सराहना, प्रशंसा एवं प्रसिद्धि हुई। इस कार्य की गरिमा से प्रभावित होकर तत्कालीन शासन ने सन् १६०२ ई० में सभा को ५०० रु० का वार्षिक अनुदान दिया।

सभा ने समस्त हिंदी भाषी प्रदेशों में यथासंभव खोजकार्य कराने का बहुत पहले से ही निश्चय कर लिया था। उसकी इच्छा थी कि हस्तलिखित ग्रंथ एकत्र किए जायँ, उनकी सुरक्षा की व्यवस्था हो और सुविधानुसार उनका प्रकाशन हो। सरकारी अनुदान के बल पर खोजकार्य चलता रहा। प्रतिवर्ष खोज का वार्षिक संक्षिप्त विवरण तैयार होता था और प्रति तीसरे वर्ष विस्तार के साथ खोज का परिणाम सरकार को सूचित करना पड़ता था। उत्कृष्ट एवं नवोपलब्ध खोजसामग्री का ब्यौरा भी नागरीप्रचारिणी पत्रिका में प्रकाशित किया जाता था।

बाद में सरकारी सहायता बंद होने के कारण खोज का कार्य रुका रहा, यद्यपि सभा कुछ दिनों तक स्वयं अपने बल पर यह कार्य करती रही। सं० १६५०–७१ वि० में अर्थसंकट के कारण कई वर्षों तक के लिये खोजकार्य रुक गया।

खोजकार्य में सभा को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। धनाभाव तो था ही, खोज का कार्य करनेवाले प्रशिक्षित व्यक्ति भी नहीं मिलते थे। जिनके पास हस्तलिखित ग्रंथ थे, उनमें बहुत से ऐसे थे जो ग्रंथ देने की बात कौन कहे, दिखाते भी नहीं थे। खोज करनेवालों को बाहर रहने में भी कठिनाई होती थी। वेतन तो अल्प था ही।

इन कठिनाइयों का सामना करते हुए खोज का कार्य चलता रहा। सभा ने प्रत्येक प्राचीन हस्तलिखित पुस्तक को विवृत करके सभा में देने पर ।।) पारितोषिक देने की भी घोषणा की। इस योजना से कुछ लाभ अवश्य हुआ, किंतु उद्देश्य की पूर्ति में अधिक सहायक न होने के कारण यह योजना भी समाप्त हो गई। अंत में सभा ने अनुभव किया कि अपने अन्वेषकों द्वारा ही खोज का कार्य सुचारु रूप से चलाया जा सकता है।

अपने अपूर्ण साधनों से सभा कई वर्षों तक खोज का कार्य करती रही। हिंदी प्रांतों बिहार, राजपूताना, मध्यभारत, (मध्यप्रदेश), पंजाब तथा बृहद हिंदू रियासतों में एक साथ कार्य करने का विचार भी किया गया। अनेक कठिनाइयों के कारण यह योजना भी वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध न हो सकी।

सन् १६१४ ई० के आसपास विषम आर्थिक परिस्थिति उत्पन्न हो गई। इससे बहुत दिनों तक खोजकार्य न हो सका। संयुक्त प्रांत शासन से आर्थिक सहायता के लिये बार बार लिखा पढ़ी की गई। संचित खोज सामग्री के बारे में भी सूचना भेजी गई। इसका प्रभाव सरकार के ऊपर पड़ा। कार्य की गुरुता तथा परिणाम के महत्व की ओर सरकार का ध्यान गया। और सन् १६१६ ई० में १००० रु० का अनुदान दिया। अगले वर्षों में सभा जैसे जैसे अपने कार्य में सफल होती गई वैसे वैसे अनुदान भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया। ५ वर्षों में सभा द्वारा बहुत प्रभाव-

शाली ढंग से खोजकार्य किया गया। इससे सरकार अत्यधिक प्रभावित हुई। फलतः सन् १९२२ ई० में २००० रु० का वार्षिक अनुदान मिलने लगा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से सरकारी अनुदान में आशातीत सफलता मिली। पहले विदेशी शासन के अनुदान से खोजविवरण अंग्रेजी में प्रकाशित होते थे। स्वदेशी शासन के अनुदान तथा प्रोत्साहन से खोजविवरण हिंदी में प्रकाशित किए जाने लगे। अब सभा स्वयं ही खोज विवरणों को हिंदी में प्रकाशित कर रही है। अंग्रेजी में अनूदित खोज विवरणों के हिंदी रूपांतर प्रकाशित किए गए। १९२५ ई० से आगे के सभी खोजविवरण हिंदी में प्रकाशित किए जा रहे हैं। अब शासन से खोजकार्य के लिये अनुदान मिलता है। खोजविवरणों के प्रकाशनार्थ भी अतिरिक्त अनुदान मिलता है। सं० २०१२ वि० से उत्तरप्रदेश शासन द्वारा सभा को ५००० रु० का वार्षिक एवं स्थायी अनुदान मिल रहा है।

खोजकार्य में भी अब कठिनाइयाँ कम हो गई हैं। विदेशी शासनकाल में ही सभा के २५ वर्षीय खोजविवरण प्रकाशित हुए थे। उस समय के सरकारी प्रबंध में सरकारी प्रेस में बहुत दिनों तक विवरण पड़े रहते थे और प्रकाशन विलंब से होता था।

आरंभिक खोज के समय विवरण लेने का कोई नियमानुसार ढंग न था। कोई कार्यक्षेत्र भी निश्चित नहीं था। संपूर्ण हिंदी प्रांतों में जहाँ जिस साधन के द्वारा प्राचीन सामग्री मिल जाती थी उसे सहर्ष स्वीकार करके संचित कर लिया जाता था। व्यक्तिगत, सार्वजनिक संग्रह, राजपुस्तकालयों तथा बड़े बड़े नगरों और उपनगरों के पुस्तकालयों तक ही खोजकार्य के क्षेत्र की सामान्य सीमा मान ली गयी थी।

इस छिटफुट खोज में कुछ नई बातें सामने आईं। उनको दृष्टि में रखकर खोज क्षेत्र सीमित स्थान में नियत किया गया। क्षेत्र सीमित कर देने से कई लाभ हुए। जिस स्थान में निवास करनेवाले कवि का काव्य विवृत किया जाता था वहाँ उसके बारे में परंपरा से कही सुनी जानेवाली बातों का संग्रह किया जा सकता था। उसके बारे में उल्लेख करने योग्य सभी प्रकार के ज्ञातव्य एवं निरपेक्ष वृत्त जाने जा सकते थे। उसकी वंशपरंपरा एवं लिखित तथा मौखिक समग्र सामग्री तथा विवरण एकत्र किए जा सकते थे। रचना तथा रचयिता के संबंध में दूर दूर और समीप की प्रतिक्रिया एवं प्रभाव की जानकारी भी पाई जा सकती थी। इन बातों से संबंध रखनेवाली अन्य शोध-सामग्री भी संगृहीत की जा सकती थी। एक ही नियत क्षेत्र में काम कराने से उपर्युक्त लाभ के अतिरिक्त एक क्षेत्र के काम के बारे में पूरी जानकारी भी मिल जाती थी। कभी यहाँ कभी वहाँ काम करने से किसी क्षेत्र के बारे में पूर्ण खोज के विश्वास का सदा अभाव बना रहता था। इस अनुभव से सभा ने नियत कार्यक्षेत्र के बारे में नया निश्चय किया।

सन् १९१७ से त्रैवार्षिक अवधि में एक जिले की खोज की सीमा बाँध दी गई। इस प्रकार दूर दूर के हिंदी प्रधान प्रांतों में खोज करने का कार्य समाप्त हो गया। जिले-

बार खोजक्षेत्र भी संयुक्तप्रांत (उत्तरप्रदेश) में ही चुना गया, क्योंकि अनुदान की व्यवस्था इसी प्रदेश में थी।

जिस प्रकार खोजक्षेत्र के बारे में परिवर्तन किया गया, उसी प्रकार खोज-विवरणों के प्रकाशनक्रम में भी परिवर्तन कर दिया गया। प्रारंभिक प्रकाशनक्रम में विवरण प्रतिवर्ष अलग अलग प्रकाशित हुआ करते थे। उधर खोज का कार्य भी बराबर आगे चलता रहता था। पहले वर्ष की प्रकाशन सामग्री के विपरीत खोज सामग्री अगले वर्ष भी मिल जाया करती थी। ऐसे ही कुछ और भी कारण थे जिससे संशोधन परिवर्द्धन की समस्या प्रतिवर्ष के प्रकाशन में आती रहती थी। व्यर्थ के श्रम और समय से बचने के लिये खोज विवरणों का प्रकाशन क्रम ५ वर्ष की प्रारंभिक खोज के बाद त्रैवार्षिक कर दिया गया। त्रैवार्षिक प्रकाशन से सभी खोज विवरणों के समन्वय का अवसर मिलने लगा। बार बार खटकनेवाली अनेक त्रुटियाँ भी दूर हो गईं।

पहले इस बात की चर्चा आ चुकी है कि खोज के प्रारंभिक प्रकाशन से पर्याप्त प्रसिद्धि और सुझाव मिले थे। अनेक वैज्ञानिक सुझाव तथा संशोधन आदि के आँकड़े भी संचित किए गए थे। सबसे अधिक वैज्ञानिक सुझाव जार्ज ग्रियर्सन के थे। सभा ने उनको सहर्ष स्वीकार किया और खोज की अपनी कार्यपद्धति में तदनुसार आमूल परिवर्तन कर लिया। आज भी उसी परिवर्तित पद्धति पर खोजकार्य हो रहा है। जार्ज ग्रियर्सन[1] के सुझाव के अनुसार विवरण लेने में अन्य निम्नांकित बातों का भी समावेश किया गया—

"ग्रंथ और ग्रंथकार का नाम, ग्रंथकार का निवास स्थान, ग्रंथ किस पर लिखा है, पत्रसंख्या, औसत पत्रों की इंचों में लंबाई चौड़ाई, औसत प्रतिपृष्ठ पंक्तियों की संख्या, ग्रंथ कहीं प्रकाशित है या नहीं, यदि हाँ तो कहाँ, पूरे ग्रंथ की अनुष्टुप छंदसंख्या, पूर्ण, अपूर्ण, रूप, गद्य या पद्य, अक्षर, रचनाकाल, लिपिकाल, ग्रंथस्वामी का पूरा पता, ग्रंथ के आदि, मध्य तथा अंत का अपेक्षित उद्धरण, पूर्ण विवरण के साथ विषय, ग्रंथकार का वृत्त, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक ज्ञातव्य विवरण के साथ साथ ग्रंथ का मौलिक महत्व एवं उससे संबंधित तुलनात्मक खोजसामग्री, प्राप्त हस्तलिखित ग्रंथों का संग्रह, संरक्षण, प्रकाशन, त्रैवार्षिक क्रम से खोज विवरणों का संपादन प्रकाशन।" यथासमय सभा ने यह भी निश्चय किया कि सं० १६३७ वि० के बाद की हस्तलिखित रचनाएँ विशेष परिस्थिति को छोड़कर विवृत न की जाँय।

जार्ज ग्रियर्सन के सुझाव मान लेने पर सभा के खोजकार्य में काफी विस्तार हो गया। इसके पूर्व भी विभिन्न परिस्थितियों में यथासमय परिष्कार एवं परिवर्द्धन किया जाता रहा। कम से कम ६ वर्षों तक के लिये विद्वान अनुभवी निरीक्षकों का कार्यकाल चुना गया। योग्य और टिकनेवाले कष्टसहिष्णु अन्वेषक नियुक्त किए

---

१. देखें परिशिष्ट १

गए। अन्वेषकों के समान योग्य निरीक्षक के विषय में भी विचार किया गया। परंतु आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह विचार पूरा न हो सका। निरीक्षक अन्वेषक के पारस्परिक व्यवहार, संबंध, नियम एवं कर्त्तव्य की सीमा बाँधी गई। तदनुसार अन्वेषक ६ मास तक बाहर काम करता था और ३ मास अपने निरीक्षक के साथ खोज विवरणों के संपादन में सहायक हुआ करता था।

आगे चलकर सभा का खोजकार्य संबंधी संपादन प्रकाशन आदि विधिवत चलने लगा। इस कार्य का प्रभाव अन्यान्य हिंदी प्रधान प्रांतों पर भी पड़ा। तदर्थ पंजाब प्रांत में खोज के लिये ५०० रु० वार्षिक अनुदान मिलने लगा। दिल्ली के चीफ कमिश्नर ने भी इसी हेतु ५०० रु० का वार्षिक अनुदान दिया। पंजाब में बहुत दिनों तक खोजकार्य चलता रहा। बाद में अनुदान रुक जाने के कारण वहाँ का कार्य स्थगित कर दिया गया। दिल्ली के अनुदान की भी यही दशा हुई। अतएव दिल्ली प्रांत में केवल ८ महीनों तक ही कार्य हो सका जिसमें २०७ ग्रंथ विवृत किए गए। पंजाब और दिल्ली की खोज-विवरणिकाएँ क्रमशः सन् १६३१ ई० और सन् १६३६ ई० में डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल और जगद्धर शर्मा गुलेरी के संपादन द्वारा सभा से प्रकाशित की गईं।

सभा द्वारा खोजकार्य की ३० वर्षीय अवधि में हिंदी उत्थान की बहुमूल्य सामग्री एकत्र की जा चुकी थी। हिंदी का इतिहास और समालोचना शास्त्र भी लिखना संभव हो गया। मिश्रबंधु विनोद तथा हिंदी साहित्य के अन्य इतिहास इस खोज सामग्री के आधार पर लिखे गए। १६२६ ई० तक की खोजसामग्री का सदुपयोग आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने इतिहास में किया। सभा की खोजसामग्री का अन्यान्य स्थानों के हिंदी अनुशीलनकर्ताओं एवं शोधार्थियों ने विशेष उपयोग किया।

समुचित खोज के अभाव में हिंदी साहित्य का काल विभाजन भी त्रुटिपूर्ण था। सिद्धों, नाथों, योगियों, निर्गुनियों, निरंजनियों, जैनियों, धामियों, प्रेमकथानक आदि की कड़ियाँ हिंदी साहित्य की बृहद परंपरा में समाविष्ट नहीं की जा सकी थीं।

हिंदी समालोचना शास्त्र में अनेक तत्वों और व्यक्तियों का सामंजस्य नहीं किया जा सका था जैसे अकबरकालीन गंग के बारे में तो भूरि भूरि प्रशंसा की गई थी। पर उन्हीं के समान अपरिमित प्रतिभा संपन्न दूसरे गंग की चर्चा तक न थी। 'जोगलीला'' के स्रष्टा (व्रजनिवासी) उदयराम थे। ''जोगलीलाकार'' उदयनाथ कवींद्र को मान लिया गया था। आलम को अकबर और मुअज्जमशाह दोनों के समसामयिक माना गया था। आलम दो नहीं एक ही थे और वे अकबर के समय में थे। सतनामी पंथ के प्रदर्शक जग-जीवन साहब को दादू का अनुयायी और शिष्य माना गया था। वे विसेसरपुरीवाले बुल्लासाहब के शिष्य थे। इस प्रकार अनेक ऐसे तथ्य सभा की खोज में पाए गए

जिनके द्वारा समय समय पर भ्रांतियाँ दूर की गईं। नवनवोपलब्धि से प्राचीन हिंदी साहित्य की श्रीवृद्धि होती रही।

सभा द्वारा खोजकार्य का प्रभाव केवल हिंदी साहित्य और समालोचना शास्त्र तक ही सीमिति नहीं रहा। भारतीय शिक्षा एवं शिक्षण परंपरा पर भी प्रभाव पड़ा। साधारण शिक्षण संस्थाओं से लेकर विश्वविद्यालयीय शिक्षण पद्धति तक प्रभावित हुई। सभा की खोज में प्राप्त नए नए हिंदी ग्रंथ रत्नों का प्रकाशन और प्रचार किया गया। हिंदी की विविध विधाओं का पठनपाठन आरंभ हो गया।

सभा के सर्वप्रथम खोज निरीक्षक डा० श्यामसुंदरदास थे। सभा के दूसरे निपुण खोज निरीक्षक डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल थे। आज भारत में शायद ही कोई ऐसा विश्वविद्यालय मिलेगा जहाँ हिंदी विभाग न हो, और हिंदी की विविध विधाओं पर शोध-प्रबंध न लिखे जाते हों। भारत और भारत के बाहर के समस्त हिंदी चिंतकों का सभा की खोजसामग्री से संबंध हो गया है। प्रतिवर्ष देशविदेश से शोधछात्रों के आने का क्रम लगा रहता है। ६४ वर्षों से सभा द्वारा हिंदी खोज का कार्य निरंतर होता आ रहा है।

अब पहले के समान हिंदी हस्तलिखित पुस्तकों की खोज और विवरण आदि लेने का कार्य कठिन नहीं रहा। सभा द्वारा खोजकार्य के अनुकरण एवं उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में अन्य संस्थाएँ भी कार्य करने लगीं। उनके प्रयत्न से प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों की सूचियाँ प्रकाशित हुईं। संक्षिप्त रूप में खोज विवरण और प्राचीन ग्रंथ भी प्रकाशित किए गए।

सभा का खोजकार्य अपने ढंग का है। इन शोध संस्थानों से भी सभा के खोज कार्य के बहुत से उद्देश्यों को पूर्ण करने में सहायता ली गई है। वस्तुतः सभा की खोज का बहुत बड़ा परिमाण संचित हो चुका है। हिंदी के उत्थान एवं विकास में उसका बहुत बड़ा योगदान है।

नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा ५५ वर्षों तक जिन जिन स्थानों में खोज हुई है, उनमें हिंदी के प्रायः सभी प्रांत न्यूनाधिक रूप में संमिलित हैं। सबसे अधिक व्यवस्थित और नियमित रूप से खोज उत्तरप्रदेश में होती आ रही है। ६५ वर्षों की खोज में १८ खोज विवरण (५ वार्षिक १३ त्रैवार्षिक) प्रकाशित किए जा चुके हैं। १८ खोज विवरणों के अतिरिक्त ४ खोज विवरण विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक क्रम से संपादित एवं उत्तरप्रदेश सरकार के अनुदानाश्रित अप्रकाशित पड़े हैं। ५५ वर्षों में २२ खोज विवरणों द्वारा प्राप्त खोज सामग्री बड़े बड़े जिलों नगरों आदि स्थानों में पाई गई है। जिन स्थानों की खोज से उपर्युक्त २२ खोज विवरण प्रस्तुत किए गए हैं उनके नाम ये हैं —

बनारस	काँगड़ा	एटा	गढ़वाल	बहराइच
रीवाँ*	पन्ना*	इटावा	नैनीताल	बाराबंकी
जयपुर*	चरखारी*	अलीगढ़	अलमोड़ा	रायबरेली
नागौद*	दतिया*	बुलंदशहर	सीतापुर	प्रतापगढ़
लखनऊ	छतरपुर*	मेरठ	गोंडा	दिल्ली*
काल्पी	आजमगढ़	मुजफ्फरनगर	धर्मशाला*	बलिया
आगरा	प्रयाग	सहारनपुर	गुलेर*	इलाहाबाद
मथुरा	फतहपुर	देहरादून	हरिपुर*	कालाकाँकर
जोधपुर*	झाँसी	बिजनौर	नगरोटा*	भरतपुर*
कलकत्ता*	जालौन	मुरादाबाद	नाहन*	हरदोई
अयोध्या	कानपुर	बरेली	पटियाला*	खीरी
बाँदा	उन्नाव	पीलीभीत	नारनौल*	जौनपुर
मिर्जापुर	फर्रुखाबाद	शाहजहाँपुर	फैजाबाद	बस्ती
गोरखपुर	मैनपुरी	बदायूँ	सुलतानपुर	गाजीपुर आदि

इसमें गाँवों की नामावली छोड़ दी गई है। ऊपर के पुष्पांकित खोजक्षेत्रों के नाम उत्तरप्रदेश से बाहर के हैं। ५५ वर्षों की अवधि में जितने स्थानों में खोज कार्य हुआ है वह बहुत थोड़ा है। कुछ स्थानों को छोड़कर शेष जिन स्थानों की खोज के आधार पर २२ खोज विवरण प्रस्तुत किए गए हैं वे उत्तर प्रदेश के ही हैं।

वस्तुतः हिंदी की बहुत बड़ी गहराई के तथ्य को सदियों से छिपा रखनेवाले राजपूताना, मध्यप्रदेश, हैदराबाद, गुजरात आदि स्थानों में तथा बड़ी बड़ी हिंदू रियासतों में सभा के ढंग से काम नहीं किया गया है। रूढ़िगत संकीर्णताएँ खोज के मार्ग में अत्यधिक अवरोधक रही हैं। किंतु अब वे संकीर्णताएँ शिथिल हो चुकी हैं, यद्यपि मठों मंदिरों एवं राजदरबारों में जो विशाल संग्रह भरा पड़ा है उसको दिखाने में अभी भी संकोच किया जाता है। जैनियों, वैष्णवों के मंदिरों में विवरण लेने की सुविधा प्राप्त होने लगी है। बंद है पन्ना राजदरबार जहाँ, विवरण लेने की असुविधा आज तक बनी है। शताब्दियों से हिंदी की मूल्यवान खोज सामग्री सड़ गलकर नष्ट होती आ रही है। बड़े बड़े हिंदी साहित्य भंडारों तथा गाँव गाँव में बिखरी-छिपी हिंदी निधियों को बचाया जा सकता है।

सभा द्वारा खोज की संपूर्ण संचित सामग्री तथा अनुभव से अनेक तथ्य ज्ञात हुए हैं। वैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति द्वारा खोज का व्यापक कार्य शेष है। प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों के विवरणों में अनेक रचनाएँ संदिग्धपरिचय, भ्रष्टपाठ और कालविकृत हैं। उनके समाधान में विलंब हो रहा है। बहुत सी अज्ञात रचनाएँ और अज्ञातनामा ग्रंथकार, पदकार, शब्दकार, संदर्भकार मिले हैं। खोज में उपलब्ध रचनाओं का ध्वनि, रस, रीति, अलंकार आदि काव्य सौष्ठव की दृष्टियों से अनुशीलन बाकी है। बहुत

पहले जो ग्रंथ विक्रत किए गए थे वे अब मूलतः लुप्त हो गए हैं। उनके ग्रंथ स्वामी भी चल बसे हैं। ऐसी चिंतनीय खोज सामग्री के अध्ययन की सुविधा नहीं रही।

सभा द्वारा ५५ वर्षीय हिंदी खोज कार्य में प्रचुर विषयों की सामग्री वितृत की गई है। तथोक्त अवधि में सभा के खोज कार्य पर ११३८४१. ७२ रु० व्यय किए गए। परिणामतः १५५८२ ग्रंथों के विवरण लिए गए। उनमें ६५६० ग्रंथकारों की संख्या थी। सभा संग्रहालय को २१३७ ग्रंथ मिले।

ग्रंथों एवं ग्रंथकारों की विक्रमाब्दीय समय सारणी इस प्रकार है—

शताब्दी	वि० १०	वि० ११	वि० १२	वि० १३	वि० १४	वि० १५	वि० १६	वि० १७	वि० १८	वि० १९	वि० २०	अज्ञात	योग
ग्रंथकार	१	१	८	२	५८	१७	३६३	८२२	१२७०	१३६८	१३६	२५११	६५६०
ग्रंथ	१	१	१०	२	८५	१७२	१०८८	१६१०	२६६५	२६६६	२६५	६६५७	१५५८२

प्रस्तुत समय सारणी से ज्ञात होता है कि १४ वीं शताब्दी से लेकर १६ वीं शताब्दी तक पर्याप्त मात्रा में हिंदी के ग्रंथ लिखे गए। २० वीं शताब्दी के प्रारंभ से छपाई होने लगी थी। अतएव हिंदी में हस्तलिखित ग्रंथों के लिखने की परिपाटी बंद सी हो गई। इस प्रकार १४वीं शताब्दी से १६वीं शताब्दी तक का समय हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों का स्वर्णकाल कहा जाय तो अनुचित न होगा। वैसे हिंदी में लिखित साहित्य का आभास ४ थी शताब्दी से मिलता है।

५५ वर्षों की खोज में उपलब्ध ग्रंथों के निम्नलिखित विषय हैं—

भक्ति	अलंकार	वैराग्य	तंत्र	रत्नपरीक्षा
कोश	महाकाव्य	आत्मज्ञान	मंत्र	बागबानी
कथा	वेदांत	नाटक	यंत्र	लोकोक्ति
स्वरोदय	जैनागम	उपन्यास	संग्रह	माहात्म्य
योग	ज्योतिष	काव्य	रसायन	स्वप्नविचार
पुराण	शालिहोत्र	शकुन	दर्शन	वार्ता
चरित	शृंगार	मुनीमी	सामुद्रिक	विरुदावली
उपदेश	नीति	पाकशास्त्र	रमल	यात्रा
वैद्यक	इतिहास	पशुचिकित्सा	पहेली	वास्तुविद्या
रीति	संगीत	धार्मिक	व्याकरण	भजन
पिंगल	वंशावली	षट्ऋतु	मृगया	मुकरी
स्तुति	सदाचार	नखशिख	मनोरंजन	विविध आदि
धनुर्विद्या	प्रेम	कामशास्त्र	वनस्पति शास्त्र	
	राजनीति	भूगोल		

संक्षिप्त विवरण

५५ वर्षों में सभा के द्वारा जो खोजकार्य हुआ है, प्रसंगानुसार अब तक उसी की संक्षिप्त चर्चा की गई है। इस खोजकार्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि में जिन्होंने सहायता दी है सभा उनकी आभारी है। विशेषरूप से उत्तरप्रदेश सरकार, हिंदीप्रेमी समाज, खोज विभाग के निरीक्षक गण, गाँवों के रईस, जमींदार, ग्रंथस्वामी, अध्यापक समाज, व्यापारी, राजकर्मचारी आदि सभी के प्रति सभा चिरऋणी रहेगी। उनकी यथासमय की सहायता से ही हिंदी सेवा का इतना बड़ा कार्य हो सका।

प्रारंभिक पाँच वर्षों की खोज के अनंतर, जिसमें वार्षिक खोज विवरण प्रकाशित किए गए—त्रैवार्षिक खोज विवरणों का प्रकाशन किया जाता रहा है। त्रैवार्षिक खोज विवरणों के अध्ययन से बराबर नई बातों की जानकारी होती रही। अनेक कवियों तथा लेखकों के बारे में ऐसी नई बातें ज्ञात हुईं जो पहले के विवरणों में नहीं थीं। विभिन्न खोज विवरणों में बिखरी हुई नवोपलब्धियों को एक कड़ी में मिलाने के लिये अनुसंधायकों को समस्त खोज विवरण जो अलग अलग प्रकाशित थे—देखने पड़ते थे। इसके साथ ही किसी कृतिकार की समस्त कृतियों को देखने के लिये भी खोज विवरणों का अलग अलग देखा जाना आवश्यक था। इससे अनुसंधायकों को अनावश्यक श्रम तो करना ही पड़ता था, समय भी नष्ट होता था और कठिनाई भी होती थी।

११ वर्षों में ८ खोजविवरण प्रकाशित किए जा चुके थे। इस अवधि में १४५० कवियों और आश्रयदाताओं के साथ २७५६ ग्रंथ विवृत किए गए थे। सर्वप्रथम इसी खोजसामग्री के आधार पर संक्षिप्त विवरण संपादित करने का लक्ष्य बनाया गया। इसके संपादन और प्रकाशन का भार डा० श्यामसुंदरदास के ऊपर सौंपा गया। यह संक्षिप्त विवरण सं० १९८० वि० में प्रथम भाग के रूप में प्रकाशित हुआ। प्रति ६वें वर्ष संक्षिप्त विवरण प्रकाशित करने का निश्चय भी किया गया।

सं० वि० प्रथम भाग के प्रकाशित होते ही उपर्युक्त कठिनाइयाँ दूर हो गईं। खोज संबंधी परिमार्जित सामग्री का भी पता लगा। अनेक भूलों का भी खंडन किया गया। उदाहरणस्वरूप भागवत दशमस्कंध के निर्माता भूपति कवि, लालकवि, चंदहित, चंदलाल, रतनकवि, कवींद्र, गौरी कवि, मानसिंह, शुभकरण, अनाथदास, रतनपाल, आदि कवि और भूषण मतिराम चिंतामणि जटाशंकर इन चारों के पारस्परिक संबंध के बारे में पाई जानेवाली भाँति भाँति की भ्रांतियाँ दूर की गईं। एक कवि के नाम पर दूसरे कवि की प्रसिद्धि पानेवाली रचना का खंडन किया गया। आश्रित कवियों एवं आश्रयदाताओं के संबंध में फैली भ्रांतियाँ भी दूर की गईं। संक्षिप्त विवरण प्रथम भाग के द्वारा जो लाभ हुआ उसका विस्तृत विवरण उसकी भूमिका में दे दिया गया है। पुनरुक्ति और स्थान संकोच के कारण उसके बारे में यहाँ नहीं लिखा जा रहा है।

सभा द्वारा खोज कार्य के १९२५ ई० तक के विवरण पूर्व की भाँति अंग्रेजी में छप चुके थे। आगे चलकर वे प्रकाशित विवरण अप्राप्य हो गए। सं० वि० का

प्रकाशन भी समाप्तप्राय हो गया। सर्वत्र प्रकाशित खोजसामग्री का आसानी के साथ मिलना कठिन हो गया। उधर आगे का खोज कार्य भी बराबर जारी रहा। अतएव पर्याप्त मात्रा में विवरण संचित हो गए जिससे अनेक तथ्यों में संशोधन और परिवर्तन हुआ। इस नवीन सामग्री के सर्वसुलभ न होने के कारण हिंदी के विद्वानों और अनुसंधायकों के अध्ययन में पुनः कठिनाई पड़ने लगी।

ऐसी स्थिति में पूर्व प्रकाशित सं० वि० का संशोधन परिवर्द्धन आदि के साथ विस्तार से पुनः प्रकाशन आवश्यक हो गया। २० वर्ष पूर्व प्रकाशित सं० वि० की पद्धति में भी परिवर्तन अपेक्षित समझा गया।

पर्याप्त मात्रा में खोज विवरण भी इकट्ठे किए जा चुके थे। उनका प्रकाशन स्वयं सरकार किया करती थी। सरकारी तौर पर प्रकाशन बहुत देर और चिरकालिक उपेक्षा के साथ होता था। अर्थाभाव के कारण सभा खोजविवरणों का संपादन प्रकाशन नहीं करा सकती थी। खोज का अनुदान भी बड़ी देर में मिला करता था। इन विवशताओं की स्थिति में हिंदी सेवा का काम आगे बढ़ाने और अध्येताओं की कठिनाइयों को दूर करने के लिये सभा ने नया निश्चय किया।

प्रकाशन के लिये सरकारी प्रेस में चिरकाल से पड़े हुए १९२६-२८ ई० के खोजविवरण को सभा ने बड़े खेद के साथ वापस मँगा लिया। यह खोजविवरण बड़ी नष्ट भ्रष्टावस्था में मिला। सभा ने निश्चय किया कि खोजविवरणों का प्रकाशन वह स्वयं करेगी। अंग्रेजी (ईस्वी) त्रैवार्षिक क्रम के बजाय विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक क्रम से विवरण छपेंगे। उनका प्रकाशन केवल हिंदी में होगा। अंग्रेजी में संपादित खोजविवरण हिंदी में अनूदित करके प्रकाशित किए जाएँगे। विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक संवत्सर क्रम में पहले की अपेक्षा ४ मास के अधिक खोजविवरण संमिलित करने पड़े। ऐसे निश्चय की पक्की रूपरेखा सं० २००८ वि० में तैयार की गई।

पर खोज विवरणों को प्रकाशित करने के लिये सभा के पास अपेक्षित द्रव्य न था। खोज विवरणों के अप्रकाशित पड़े रहने से हिंदी की बड़ी हानि हो रही थी। विवश होकर सभा ने नया मार्ग निकाला और त्रैवार्षिक खोज विवरणों के प्रकाशन के बजाय संपूर्ण खोज विवरणों की विस्तृत रूप से एक अनुक्रमणी (संक्षिप्त विवरण) तैयार करने का विचार किया। सन् १९०० ई० से १९४३ ई० तक ४४ वर्षों की खोज सामग्री प्रस्तुत अनुक्रमणी के लिये तैयार थी।

४४ वर्षों की खोज सामग्री पर तैयार होनेवाला यह संक्षिप्त विवरण हिंदी का कार्य करनेवालों और अनुसंधित्सुओं के लिये अत्यंत उपयोगी था। नई पद्धति होने से इसमें सूचनाएँ भी अधिक संकलित की गई थीं और रचनाकारों एवं रचनाओं विषयक सामग्री भी अधिक उपलब्ध हो गई थी।

योजना की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद कार्य आरंभ हो गया और रचनाओं, रचनाकारों तथा आश्रयदाताओं की अनुक्रमणी तैयार की जाने लगी।

१० माघ संवत् १९९९ वि० को सभा की प्रबंध समिति ने संक्षिप्त विवरण के विषय में पुनः निश्चय किया। अनंतर उसी निश्चय के अनुसार संपादन कार्य आरंभ हुआ।

४४ वर्षीय इस दूसरे संक्षिप्त विवरण में १३७३७ प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों के विवरण संमिलित थे। १५०० के लगभग ग्रंथ भी प्राप्त किए जा चुके थे। ४४ वर्षों के खोज कार्य पर सभा का तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त ६३८६४॥≡)॥। २$\frac{१}{२}$ व्यय हुआ, जिसका ब्योरा यह है--

२८६४ ॥≡)॥। २$\frac{१}{२}$ सभा
५७४००.............उत्तरप्रदेश सरकार
१५००.............पंजाब सरकार
५००.............दिल्ली चीफ कमिश्नर
१६००.............जनता

६३८६४ ॥≡)॥। २$\frac{१}{२}$

अर्थाभाव के कारण इस संक्षिप्त विवरण का कुछ अंश ही छप सका। आगे के अनेक वर्षों तक संक्षिप्त विवरण का प्रकाशन स्थगित रहा। इससे शोधकर्ताओं को अत्यंत कठिनाई का अनुभव होने लगा।

अप्रकाशित संक्षिप्त विवरण के प्रकाशन के विषय में बार बार विचार होता रहा। सभा की स्वर्णजयंती (सं० २००० वि०) के समय इसके प्रकाशन की रूपरेखा पुनः तैयार की गई और केंद्रीय शासन से इसके प्रकाशनव्यय की प्रार्थना की गई।

सभा द्वारा माँगी गई अनुदान राशि को सरकार ने संशोधित शर्त के साथ स्वीकार किया। उसने कुछ सुझाव भी दिए, जिनका संक्षिप्त विवरण के संपादन में परिपालन किया गया। सं० २०१४ वि० में केंद्रीय शासन से ५ किस्तों में भुगतान होनेवाले ३०,००० रु० के अनुदान की स्वीकृत मिली।

अबकी बार की बृहद् योजना में सन् १९०० से १९५५ तक की खोज सामग्री संमिलित की गई। तदनुसार कुछ दिनों तक कार्य चला, किंतु कतिपय कारणों से फिर शिथिलता आ गयी।

मार्गशीर्ष सं० २०१७ वि० में संक्षिप्त विवरण के लिये सुदृढ़ व्यवस्था अपनाई गई और नये सिरे से कार्य आरंभ हुआ। इस बात की चर्चा की जा चुकी है कि इसके पूर्व भी संक्षिप्त विवरण को प्रस्तुत करने के लिये दो बार प्रयत्न किए गए थे, जिनमें प्रथम प्रयत्न तो पूरा हो गया था, पर दूसरी बार कुछ अंश ही छप कर रह गया था। सन् १९०० से १९५५ तक के इस संक्षिप्त विवरण में पूर्व के संक्षिप्त विवरणा की सामग्री का समाहार था। इस प्रकार कुल मिलाकर रचनाओं और रचनाकारों के विषय में प्रभूत मात्रा में सामग्री संचित हो गई थी। यह सामग्री खंडखंड तो थी ही, संशोधन सापेक्ष भी थी—

विशेष रूप से मूल खोज विवरणों के संदर्भ में, जिनके आधार पर संक्षिप्त विवरण का निर्माण हो रहा था। इस प्रकार दो कार्य प्रमुख रूप से सामने आए—

(१) खंडखंड सामग्री को एक क्रम में समन्वित करना और (२) समस्त सामग्री का मूल खोज विवरणों से मिलान करना।

प्रारंभ में दूसरा कार्य अर्थात् संक्षिप्त विवरण में प्रस्तुत की जानेवाली समस्त सामग्री का खोज विवरणों से मिलान किया गया। इस कार्य में ध्यान यह रखा गया कि रचनाकारों और उनकी समस्त रचनाओं को एक साथ रखकर खोज विवरणों से मिलान किया जाय--रचनाकारों का मिलान खोज विवरणों के परिशिष्ट सं० २ की परिचय टिप्पणियों से और रचनाओं तथा उनके रचनाकाल, लिपिकाल विषय तथा प्राप्ति स्थान आदि का मिलान खोज विवरणों के परिशिष्ट सं० ३ के ग्रंथ विषयक विवरणों से। इसके लिये सन् १६०० से १६४३ तक के संक्षिप्त विवरण की समस्त सामग्री, जो कापियों में थी, परचियों के रूप में तैयार की गयी और प्रत्येक रचनाकार तथा प्रत्येक रचना के लिये अलग अलग परचियाँ लिख ली गईं। सन् १६४४ से ५५ तक की परचियाँ पहले से तैयार थीं--थोड़ी सी ही परचियाँ इस क्रम में तैयार करनी पड़ीं।

प्रारंभिक दौर में इस प्रकार संपूर्ण सामग्री परचियों के रूप में तैयार कर ली गई।

फिर खोज विवरणों से मिलान का कार्य आरंभ हुआ। पद्धति आदि के विषय में जो कठिनाई सामने आई उसको खोज उपसमिति के सामने रखा गया, और उसका निराकरण प्राप्त किया गया।

प्रस्तुत संक्षिप्त विवरण की रचना प्रक्रिया में मिलान का कार्य ही सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम था, क्योंकि इससे अनेक भ्रांतियों का परिमार्जन हुआ और तथ्यों में परिवर्तन तथा परिवर्द्धन हुए। मूल खोज विवरणों पर निर्भर रहते हुए भी यत्रतत्र से जो तथ्य मिले, उनका भी यथास्थान उपयोग किया गया। रचनाओं और रचनाकारों को एक साथ रखकर मिलान करने के फलस्वरूप उन समस्त परचियों को अलग कर दिया गया जो किंचित् नामांतर से पुनरुक्त हो गई थीं।

मिलान कार्य समाप्त हो जाने के बाद खंड खंड सामग्री को एक क्रम में समन्वित किया गया अर्थात् १६०० से १६४३ और १६४४ से १६४६ तथा १६५० से १६५५-- इन तीन खंडों में बँटी हुई सामग्री का एक साथ अकारादि क्रम लगाकर व्यवस्थित किया गया।

संवत् २०१७ से २०२१ की अवधि में यह कार्य हुआ।

मिलान और अकारादिक्रम का महत्वपूर्ण कार्य समाप्त हो जाने के बाद प्रेस कापी तैयार करने और अंतिम रूप से संक्षिप्त विवरण की सामग्री में समन्वय करने का कार्य शुरू किया गया।

क्रमशः यह कार्य भी समाप्त हुआ और फिर प्रेस कापी तैयार हो जाने के बाद प्रकाशन प्रारंभ हो गया।

सन् १६००–१६५५ के इस 'बृहद्' संक्षिप्त विवरण की सामग्री को आधिक्य के कारण दो खंडों में प्रस्तुत किया गया है। खोज विषयक अन्य जानकारी के परिशिष्ट दूसरे खंड में रखे गए हैं।

कार्य के चौथे वर्ष में श्री पं० विद्याभूषण जी मिश्र के विदेश चले जाने के कारण खोज विभाग का निरीक्षण मुझे सौंपा गया। मेरी देख रेख में यह संक्षिप्त विवरण सभा से सांगोपांग एवं बृहदाकार प्रकाशित किया जा रहा है।

प्रस्तुत संक्षिप्त विवरण सभा के १६००–१६५५ के खोज कार्य का ऐसा संक्षेप है जिसमें मूल खोज विवरणों की तात्विक बातों को समाहार के साथ ले लिया गया है। सभा से प्रकाशित खोजविवरणों को देखने में यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह सभा की खोज का आकर ग्रंथ है जो विशाल खोज का संश्लिष्ट रूप में दिग्दर्शन कराएगा। जो खोज विवरण अब दुर्लभ हो गए हैं, उनके विषय में भी सम्यक् सूचनाएँ होने से यह और भी उपयोगी हो गया है। इस संक्षिप्त विवरण को प्रस्तुत करने में बहुत कुछ करना पड़ा है, जिसका उल्लेख संक्षेप में किया गया है। डा० श्यामसुंदरदास के संपादन में प्रथम बार संक्षिप्त विवरण (प्रथम भाग) प्रकाशित हुआ, जो ११ वर्षीय खोज के आधार पर था। अनंतर काफी अंतराल के बाद ४४ वर्षों की खोज सामग्री के आधार पर दूसरी बार संक्षिप्त विवरण तैयार करने का आयोजन हुआ, जब कुछ अंश ही छपकर रह गया।

तीसरी बार संक्षिप्त विवरण अपने विशाल रूप में प्रकाशित हो रहा है। इसके विशाल कलेवर में पूर्व के सभी प्रयास परिवर्तन और परिवर्द्धन के साथ संमिलित हो गए हैं। प्रथम संक्षिप्त विवरण में सूचनाएँ कम थीं। ४४ वर्षों के संक्षिप्त विवरण में उन्हें बढ़ा दिया गया। पुनः १६०० से ५५ तक के संक्षिप्त विवरण में और वृद्धि की गई। परिमार्जन तो हुआ ही। इस प्रकार काफी सावधानी से कार्य किया गया है। किंतु फिर भी सुधार की गुंजायश संभव है। इस दिशा में जो सामग्री या सुझाव उपलब्ध होंगे, उनका यथा योग्य आगे के प्रकाशन में उपयोग किया जाएगा।

वस्तुतः यह संक्षिप्त विवरण सन् १६००–१६५५ तक की अवधि में सभा द्वारा किए गए खोज कार्य की बृहदानुक्रमणी ही है। इसमें संमिलित की गई खोज सामग्री के तीन भाग हैं—

(१) रचनाकार
(२) रचना
(३) आश्रयदाता

रचनाकार के साथ खोज में उपलब्ध अद्यावधि संश्लिष्ट परिचय है। इसके अनंतर अनुक्रम के साथ उसकी समस्त रचनाओं की नाम सूची है।

रचना के साथ रचना के नाम के बाद ये बातें हैं—गद्य में है या पद्य में, रचनकार का नाम, रचनाकाल, लिपिकाल, विषय और उक्त रचना का प्राप्ति स्थान। यदि किसी रचनाकार के अनेक हस्तलेख हैं तो उनको लि० का० या खोज विवरणों के प्रकाशन क्रम से उपस्थित किया गया है, और सभी के प्राप्ति स्थान भी दिए गए हैं, जिससे अनुसंधायक संक्षिप्त विवरण के आधार पर ही यथास्थान हस्तलेख को प्राप्त कर सके।

रचनाओं और रचनाकारों के विषय में कुछ ऐसे तथ्य भी मिले जो खोज विवरणों में अशुद्ध रूप में प्रकाशित हैं। जैसे सन् १६२६ के खोज विवरण में 'भानुकीर्ति' भाऊ कवि के रूप में हैं। अथवा कोई कोई रचना आश्रयदाता के नाम पर प्रकाशित है। ऐसी भ्रांतियों का निराकरण परवर्ती खोज या अन्यत्र की शोध सामग्री से करके टिप्पणियों के अंतर्गत दे दिया गया है।

अज्ञातनामा ग्रंथों का पूर्ण परिचय भी अनुक्रम में दिया गया है।

आश्रयदाताओं का संक्षिप्त परिचय भी आवश्यक रूप से दिया गया है, क्योंकि आश्रयदाता रचनाओं के प्रेरक ही नहीं होते थे, रचना की प्रकृति को प्रभावित भी करते थे। ऐसी स्थिति में उनके परिचय का शोध महत्व हो जाता है।

इसके अतिरिक्त भी यदि कुछ ज्ञातव्य बातें पाई गई हैं, तो उनका यथावकाश समावेश किया गया है।

संपूर्ण सामग्री अनुक्रम में होने से, उसके देखने में किसी प्रकार की कठिनाई भी नहीं है।

इस रूप में प्रस्तुत यह संक्षिप्त विवरण हिंदी साहित्य के विद्वानों, विद्यार्थियों तथा अनुसंधायकों के लिये अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा, ऐसी मेरी धारणा है।

कृष्णदेव प्रसाद गौड़

निरीक्षक, खोज विभाग,

नागरीप्रचारिणी सभा,

वाराणसी।

———

खोज में उपलब्ध

हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों

का

संक्षिप्त विवरण

[सन् १९०० से १९५५ ई० तक]

अंककौतूहल (पद्य)—अन्य नाम 'संक्षेपलीलावती'। पीतमदास कृत। र० का० सं० १८८८। वि० गणित।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिसरबलिया, डा० रुद्रनगर (बस्ती)। →सं० ०४–२०६।

अंकलिश्लोक—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। →०२–६१ (बारह)।

अंकावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १९१३। वि० ज्ञान।
प्रा०—श्री मथुराप्रसाद शिवप्रसाद साहु, आजमगढ़। →०९–३२३ ए।

अंगद (शास्त्री)—जवाँमर्दपुर निवासी। विश्वामित्रपुर के राजा जयकृष्ण के पुत्र गिरिप्रसाद के आश्रित।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (गद्य)→२६–१६।

अंगद जी—संभवतः नाभादास जी के 'भक्तमाल' में उल्लिखित रायसेनगढ़ के राजा सलाहदी के काका अंगद जी।
पद (पद्य)→सं० ०७–१।

अंगद जी (गुरु)—जन्म सं० १५६१ (१५६७)। सं० १६०९ में विपाशा नदी के तीरवर्ती मेराडाल के पास कडूर नामक स्थान में मृत्यु। गुरु नानक के बाद सिखों के गुरु पद पर आसीन हुए। इनकी कुछ रचनाएँ 'गुरुग्रंथ साहब' में भी संकलित हैं।
जन्मसाखी (गद्यपद्य)→२३–११।

अंगदपैज (**पद्य**)—ईश्वरदास (इसरदास) कृत । लि० का० सं० १८०६ । वि० अंगद रावण संवाद।
प्रा०—श्री रामअनंद त्रिपाठी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। →सं० ०१–२३ ।
(प्रस्तुत प्रति सं० १७०६ में लिखी गई प्रति की प्रतिलिपि है)।

अंगदपैज (**पद्य**)—लाल (कवि) कृत । वि० अंगद रावण संवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३७३ क ।

अंगदरावण-संवाद (**पद्य**)—नैन (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। →४१–१३० ख ।

अंगदरावण-संवाद (**पद्य**)—परधान कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१–२१३ ।

अंगदर्पण→'नखशिख' (गुलामनबी उप० रसलीन कृत)।

अंगदवीर (**पद्य**)—अन्य नाम 'सत्तररेखता' । देवीदास कृत । वि० रावण की सभा में अंगद की वीरता का वर्णन ।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलबारा, सदावर्ती, आजमगढ़ ।→४१–११२ ।

अंगदसंवाद (**अनु०**) (**पद्य**)— रचयिता अज्ञात । वि० अंगद रावण संवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७–२१७ ।

अंगदसिंह—कनपुरिया (कलचुरि ?) क्षत्री । सरयूदास के पिता । शंकरगंज (रायबरेली) के निवासी । →२६–४३० ।

अँगनेराय—उप० रसाल । बिलग्राम (हरदोई) के बंदीजन । सं० १८८६ के लगभग वर्तमान ।
बारहमासा (पद्य) →१२–१५१; २६–१७ ।

अंगस्फुरण (**गद्य**)—केशवप्रसाद कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का० सं० १६३१ । वि० ज्योतिष के अनुसार अंगस्फुरण के शुभाशुभ लक्षण ।
प्रा०—पं० काशीराम ज्योतिषी, डा० रिजौर (एटा)। →२६–१६३ ए ।

अंग्रेजजंग (**पद्य**)—अन्य नाम 'संग्राम राजा बलभद्रसिंह चहलारी' । मथुरेश (कवि) कृत । र० का० सं० १६१५ । लि० का० सं० १६४२ । वि० अंग्रेजों से युद्ध ।
प्रा०—भैया हनुमानसिंह, वरदहा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३–२७५ ।

अंग्रेजीहिंदी-फारसी-बोली (**गद्य**)—लल्लूलाल कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० कोश ।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६–१६२ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी । →०६–१७४ ए ।

अंजननिदान (गद्यपद्य)—आनंदसिद्धि कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री गिरिधारीलाल चौबे, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।
→२६–१४।

अंजननिदान (गद्य)—वंशीधर कृत। र० का० सं० १६३१। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—ठा० पीतमसिंह, वेहना का नगरा, डा० अलीगंज (एटा)। →२६–२६ बी।
(ख) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—पं० बेनीदीन तिवारी, माधोपुर, डा० बिलराम (एटा)। →२६–२६ ए।
(ग) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—ठा० मानसिंह, पाली (हरदोई)। →२६–२६ डी।
(घ) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० शिवशर्मा वैद्य, बासूपुर, डा० फरौली (एटा) →२६–२६ सी।

अंजननिदान टीका (पद्य)—रामनाथ (नागर) उप० राम कवि कृत। र० का० सं० १८३४। वि० अंजननिदान नामक वैद्यक ग्रंथ की टीका। →पं० २२–६४।

अंजनासुंदरी कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७६२। वि० अंजनी के गर्भ से हनुमान का जन्म।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–३२५।

अंजनीदास—(?)
सूरजपुराण (पद्य) →सं० १०–१।

अंजीररास (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० धामी पंथ का विवेचन।
(क) लि० का० सं० १७५१।
प्रा०—अमीरुद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय, केसरबाग, लखनऊ। →२३–३१८।
(ख) लि० का० सं० १८४०।
प्रा०—बाबा सुदर्शनदास आचार्य, गोंडा। →२०–१२६।
(ग) लि० का० सं० १८५३।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१–२१६।

अंजुलिपुराण (गद्य)—अन्य नाम 'ईजुलपुराण' और 'वैद्यकफरासीसी'। कनाय साहब कृत। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८४७।
प्रा०—ठा० हरिनामसिंह, दाईपुर, डा० अतरौली (अलीगढ़)। →२६–६६बी।
(ख) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—श्री देवीदयाल आयुर्वेदाचार्य, जगनेर (आगरा)। →२६–६६ ए।
(ग) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—पं० काशीप्रसाद सर्राफ, विजावर। →०६–१६६ (विवरण अप्राप्त)। (एक अन्य प्रति गौरीशंकर कवि, दतिया के पास है)।

(घ) प्रा०—बाबू मनोहरदास रस्तोगी, धुंधीकटरा, मिरजापुर। →०२–११३।

(ङ) प्रा०—श्री गयाप्रसाद पाठक, मई, डा० किराकत (जौनपुर)। →सं० ०१–३०।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ के रचयिता को भूल से फरासीसी हकीम माना गया है, जो रचयिता के पिता थे।

अंतःकरणप्रबोध (गद्य)—गुसाँई जी कृत। वि० भक्ति और ज्ञान।

प्रा०—पं० रमनलाल, श्रीनाथजी का मंदिर, राधाकुंड, मथुरा। →३५–३२ ए।

अँतरिया की कथा (पद्य)—मेड़ईलाल (अवस्थी) कृत। र० का० सं० १६०५। वि० अँतरिया (इकतरा) ज्वर की कथा।

प्रा०—पं० त्रिभुवनदत्त, फकरपुर (बहराइच)। →२३–२७७।

अंतर्लापिका (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० चित्रकाव्य।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४–६६।

अंतर्लापिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कूटकाव्य।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१–३२६।

अंबरदास→'अमरदास' ('भक्तविरुदावली' के रचयिता)।

अंबरीषचरित्र (पद्य)—चिंतामणिदास कृत। वि० राजा अंबरीष की कथा।

प्रा०—महंत ब्रजलाल, सिराथू (इलाहाबाद)। →०६–५१।

अंबाआरती (पद्य)—शिवानंद (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला दरबारीलाल, डा० बरालोकपुर (इटावा)। →३८–१४२।

अंबिकाचरित्र (पद्य)—भगीरथप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १६६६। वि० देवी चरित्र।

प्रा०—श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी, निगोहाँ, डा० तिनेरा (रायबरेली)। →सं० ०४–२५२।

अंबिकादत्त (व्यास)—काशी निवासी दुर्गादत्त व्यास के पुत्र। हिंदी के प्रसिद्ध लेखक। १६वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में वर्तमान। →०६–७६।

अंबिकास्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५३। वि० भगवती की स्तुति।

प्रा०—श्री रोशनलाल बोहरे, सुरीर (मथुरा)। →३५–११२।

अंबुसागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६६२।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नौबस्ता, लखनऊ। →सं० ०७–११ क।

(ख) प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथीमठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)। →सं० ०४–४४६।

टि० खो० वि० सं० ०४–४४६ में भूल से इसे अज्ञात कृत मान लिया गया है।

अंशाअंशगहनगुण (पद्य)—पतितदास कृत। र० का० सं० १६३५। लि० का० सं० १६४८। वि० उपदेश।

प्रा०—महाराजा श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)। →२६–३४६ ए।

अकबर—प्रसिद्ध मुगल सम्राट। राज्यकाल सं० १६१३ से १६६२ तक। भगवतरसिक कृत 'निश्चयात्मक ग्रंथ उत्तरार्ध' के १२६ भक्तों में से एक यह भी हैं। तानसेन, नरहरि भट्ट, बाण कवि, चिंतामणि, जयतराम, परमानंद और गंग भाट के आश्रयदाता। →००–३२; ०१–१२; ०३–११; ०६–१३४; ०६–१५०; ०६–२३५; १७–८८।

अकबरसंग्रह (पद्य)→३२–३ (श्री मयाशंकर याज्ञिक द्वारा संगृहीत)।

अकबरअली (सैयद)—निधान कवि के आश्रयदाता। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान। →१२–१२४; २३–३०४; २६–३३४।

अकबर खाँ—अजयगढ़ निवासी। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।

योगदर्पणसार (पद्य)→०६–१।

अकबरनामा (पद्य)—सेवक कृत। वि० मुगलवंश का इतिहास (सं० १४१४ से १८८८ तक)।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–३२६ (विवरण अप्राप्त)।

अकबरसंग्रह (पद्य)—अकबर कृत। (श्री मयाशंकर याज्ञिक द्वारा संगृहीत)। वि० विविध।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२–३।

अकलिनामा (पद्य)—अन्य नाम 'चकत्ताशत'। रचयिता अज्ञात। वि० बाबर से लेकर औरंगजेब तक का इतिहास तथा अन्य फुटकल विषय।

(क) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—ठा० श्रीचंद वैद्य, लभौआ, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। →३२–२३४ ए।

(ख) लि० का० सं० १६२१।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२–२३४ बी।

अकार के कवित्त (पद्य)—आलम और शेख कृत। लि० का० सं० १८२१–१८५५ तक। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१८ ग।

अक्रूरपुरी—काशी निवासी। संभवतः १७ वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।

ब्रह्मापिंड (पद्य)→२६–६; दि० ३१–५।

अक्षर अनन्य—उप० अनन्य। कायस्थ। जन्म सं० १७१०। दतिया रियासत के अंतर्गत सेनुहरा के निवासी। कुछ दिनों तक दतिया के राजा पृथ्वीसिंह के दीवान रहे। फिर विरक्त होकर पन्ना में रहने लगे। सुप्रसिद्ध महाराज छत्रसाल के गुरु। सं० १७५४ तक वर्तमान।

अनन्यपंचासिका (पद्य)→०६–२ ई।

अनन्यप्रकाश (पद्य)→०६–८ ए।

अनुभवतरंग (पद्य)→०६–२ ए; २६–७ डी।

उत्तमचरित्र (पद्य)→०६–२ एच; २३–७ डी, ई, एफ, जी; २६–१४ ए, जी; २६–७ आई; सं० ०४–१ ग; सं० १०–२।

कविता (पद्य)→०६–२ एफ।

ज्ञानबोध (पद्य)→०६–२ डी; २३–७ ए; सं० ०४–१ क।

ज्ञानयोग सर्व उपदेश (पद्य)→४१–४७१ (अप्र०)।

ज्ञानयोग सिद्धांत (पद्य)→२६–७ ई।

देवशक्ति पचीसी (पद्य)→०६–२ जी; ०६–८ सी।

प्रेमदीपिका (पद्य)→०५–१; ०६–२सी; २०–४ ए; २६–१४ बी, सी, डी; २६–७ एफ, जी, एच।

ब्रह्मज्ञान (पद्य)→०६–८ डी।

भवानीस्तोत्र (पद्य)→०६–२ आई।

योगशास्त्र (पद्य)→०६–२ के।

राजयोग (पद्य)→०५–२; ०६–२ बी; २०–४ बी; २३–७ बी, सी; २६–७ ए, बी, सी; सं० ०४–१ ख।

विज्ञानयोग (पद्य)→२३–७ एच।

विवेकदीपिका (पद्य)→०६–८ बी।

वैराग्यतरंग (पद्य)→०६–२ जे।

शिक्षा (पद्य)→२०–४ सी।

सिद्धांतबोध (पद्य)→२६–१४ ई, एफ।

अक्षरखंड की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ सी।

अक्षरभेद की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ बी।

अक्षरशब्द प्रपाटिका (पद्य)—भागवतशरण (पांडेय) कृत। वि० धर्मोपदेश।
प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्राइमरी स्कूल, कुरहीं, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६–५३ ए।

अखंडदास—अचलदास के गुरु। सं० १६०० के पूर्व वर्तमान।→२६–२।

अखंडप्रकाश (पद्य)—सदाराम कृत। वि० अध्यात्म।

(क) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–२७२ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० रघुराज वैद्य त्रिपाठी, सुहौली (आजमगढ़)।→सं० ०१–४३७।

अखंडबोध (पद्य)—जानकीदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०६–१३५।

अखंडानंद—किसी रामदास के शिष्य। सं० १८६३ में वर्तमान।

अष्टदृष्टिभेद (पद्य)→३२–५ ए।

अष्टावक्रगीता (पद्य)→३२–५ बी।

अखरावट (पद्य)—मलिकमुहम्मद जायसी कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—मौलवी सेखअब्दुल्ला, धुनियाटोला, मिरजापुर।→०२–१०८।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४—२८७ क।

(ग) प्रा०-महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४–२८७ ख।

अखरावट या अखरावटी→'अखरावत' (कबीरदास कृत)।

अखरावत (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद शर्मा, बरतरा, डा०कोटला (आगरा)।→२६–१७८ ए।

(ख) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—श्री देवकीनंदन शुक्ल, रामपुरगधरौली, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)। →२६–२१४ ए।

(ग) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—श्री रामसिंह, मकरंद, डा० बेहरा (बहराइच)।→२३–१६८ ए।

(घ) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१—४७७ क (अप्र०)।

(ङ) प्रा०—श्री रेवतीराम, रुनकुता (आगरा)।→२६–१७८ बी।

(च) प्रा०—पं० चंद्रशेखर तिवारी, बाह (आगरा)।→२६–१७८ सी।

(छ) प्रा०—पं० रामलाल शर्मा, डा० उरावर (मैनपुरी)।→३२–१०३ बी।

(ज) प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत मूढ़ैत, नंदपुर, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी)।→ ३२—१०३ सी।

(झ) प्रा०—श्री विन्देश्वरीप्रसाद जायसवाल, मडियाहूँबाजार (जौनपुर)। →सं० ०४–२४ क।

अखरावती (पद्य)—नेवाज कृत। र० का० सं० १८७०। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास, अहियापुर, इलाहाबाद।→०६–२१७।

अखरावती→'अखरावत' (कबीरदास कृत)।

अखरावती→'अखरावली' (रामसेवक महात्मा कृत)।

अखरावती या अखरावत→'अखरावट' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत)।

अखरावली (पद्य)—गजाधरदास कृत। र० का०सं० १८८६। लि० का० सं० १८-८५। वि० योग।
प्रा० - पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।
→२६–१२१।

अखरावली (पद्य)—अन्य नाम 'अखरावती', 'शब्दअखरावली बानी' और 'शब्दमंगलबालम'। रामसेवक (महात्मा) कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—श्री रामनाथ हलवाई, इन्हौना (रायबरेली)। →सं० ०४–३४३।
(ख) लि० का० सं० १६३८।
प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी)। →२६–२६२।
(ग) लि० का० सं० १६४५।
प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)। →०६–२५८।

अखैराम—मथुरा जिले के अंतर्गत चूननगर (?) के निवासी। गर्ग गोत्रीय ब्राह्मण। भरतपुर नरेश सुजानसिंह (सूरजसिंह) के आश्रित। भागवत के अनुवादक भीष्म के वंशज। सं० २८१२ के लगभग वर्तमान। →१७–२५; २६–४६।
प्रेमरस सागर (पद्य) →३८–१ सी।
मुहूर्तचिंतामणि (पद्य) →३८–१ ए।
रत्नप्रकाश (पद्य) →१२–२; ३८–१ डी।
लघुजातक (पद्य) →३८–१ बी।
विक्रमबत्तीसी (पद्य) →३२–४ बी; सं० ०१–२।
वृंदावनसत (पद्य) →३२–४ सी।
स्वरोदय (पद्य) →३२–४ ए।
हस्तामलकवेदांत (पद्य) →१७–४।

अखैराम –सुप्रसिद्ध स्वामी चरणदास के शिष्य गुरुछौना इनके गुरु थे। सं० १८३२ के लगभग वर्तमान।
गंगामाहात्म्य (पद्य) →सं० ०१–१।

अगरदास→'अग्रदास' ('रामजेवनार' के रचयिता)।

अगरवाल –वास्तविक नाम अज्ञात। जैन। पिता का नाम मालू। माता का नाम गौरी। वनगिरि (बड़गढ़) निवासी।
आदित्यवार कथा (पद्य) →२३–३।

अगरवाल—वास्तविक नाम अज्ञात। जैन मतावलंबी अग्रवाल। जन्मस्थान आगरा।

सं० १४११ के लगभग वर्तमान।

प्रद्युम्न चरित्र (पद्य) →२३–२।

अगहन माहात्म्य (गद्य)—वैकुंठमणि (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० अगहन मास के स्नानादि का माहात्म्य।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़। →०६–५ बी।

अगाधअचिरज जोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० ब्रह्म विवेचन।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →३५–३६·ए।

अगाधबोध (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० निर्गुण ज्ञान।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →३५–४६ बी।

अगाधबोध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० अध्यात्म।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७–३ (परि० ३)।

अगाधमंगल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० योगाभ्यास।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) →०६–१४३ ए।

अगुनसगुन निरूपन कथा (पद्य)—शिवानंद कृत। र० का० सं० १८४६। लि० का० सं० १८६०। वि० वेदांत।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०३–७७।

अग्निभू—(?)

भक्तिभयहर स्तोत्र (पद्य) →००–६५।

अग्यारी विलास (पद्य)—रखनराम कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०४–३१५।

अग्रअली—सखी संप्रदाय के वैष्णव।

अष्टयाम (पद्य) →०६–२।

अग्रज्ञान (पद्य)—दरिया साहब कृत। लि० का० सन् १३४२ साल। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० हरिहर, सरपोका, डा० इटवा (बस्ती)। →सं० ०४–१५४ क।

अग्रदास—(?)

रामजेवनार (पद्य)→सं० ०४–२।

अग्रदास (स्वामी)—वैष्णव। कृष्णदास पयहारी के शिष्य। नाभादास के गुरु। गलता, आमेर (जयपुर) निवासी। सं० १६३२ के लगभग वर्तमान। →०२–५७; ०२–६४; ०६–२०२; ०६–२११; १७–११७; २०–१११।

कुंडलिया (पद्य) →०३–६०; ०६–१२१ बी; १७–१; २०–१ ए।

ध्यानमंजरी (पद्य) →००–७७; ०६–१२१ ए; २०–१ बी; पं० २२–१; २३–४;

२६–४ ए, बी, सी; २६–३ ए, बी, सी; दि० ३१–३ ।

पद (पद्य) →सं० ०७–२ ।

अग्रनारायण—वैष्णवदास (दृष्टांतकार) के समकालीन । रामानुज संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।

भक्तरसबोधिनी टीका (गद्यपद्य) →०४–८८ ।

टि० प्रस्तुत टीका के अंत में वैष्णवदास का दृष्टांतकार के रूप में उल्लेख है ।

अग्रस्वामी—संभवतः युगलप्रिया (जीवाराम) के गुरु । →१७–६० ।

गुरु अष्टक (पद्य) →सं० ०१–३ ।

अघनासन (पद्य)—दीनदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६४२ । वि० सतनामी संतों का चरित्र वर्णन ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) । →सं० ०४–१५६ ख ।

अघविनास (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० शाहिमऊ (रायबरेली) । →सं० ०४–१०५ घ ।

(ख) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) । →२३–१७५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर) । →२३–१७५ बी ।

(घ) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०४–१०५ ख ।

(ङ) लि० का० सं० १६८७ ।

प्रा०—श्री रामनाथ हलवाई, इन्हौंना (रायबरेली) । →सं० ०४–१०५ क ।

(च) लि० का० सं० २००० ।

प्रा०—मुं० बोधप्रसाद श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४–१०५ ग ।

अघासुरबध लीला (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत । लि० का० सं० १६१७ । वि० कृष्ण द्वारा अघासुर का वध ।

प्रा०—पं० बेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० बिलराम (एटा) । →२६–५७ एफ ।

अघासुरमारन लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा । →३२–२२३ ए ।

अघोरि मंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अघोर मंत्रों की प्रयोग विधि।
प्रा०—पं० जगाधर शर्मा, कोटला (आगरा)। →२६–३३२।

अचलकीर्ति—जैन आचार्य। नारनौल (दिल्ली) निवासी। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।
विषापहार स्तोत्र (पद्य)→००–१०३; दि० ३१–१; ३२–१।

अचलकीर्ति—फिरोजाबाद निवासी।
अठारह नाते (पद्य)→सं० ०१–४।

अचलदास—जन्मस्थान बराहिमपुर (बैसवाड़ा)। सूरजपुर, बहरेल (बाराबंकी) की गद्दी के वैष्णव महंत। अखंडदास के शिष्य। सं० १६२७ में देहांत।
अनुभव प्रकाश (पद्य)→२६–२ बी।
अमरावली (पद्य)→२६–२ ए।
नामसागर (पद्य)→२६–२ सी।
रत्नसागर (पद्य)→२६–२ ई।
रामावली (पद्य)→२६–२ डी।
शब्दगुंजार (पद्य)→२६–२ एफ।
शब्दसागर (पद्य)→२६–२ जी।

अचलदास—ज्ञानदास के गुरु। सं० १६३३ के पूर्व वर्तमान। →२६–२०६।

अचलदास खीची री बात (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४३। वि० अचलदास का युद्ध में मरना और उनकी दो स्त्रियों का सती होना।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१–३२७।

अचलसिंह—वीरसाहि के पुत्र। सबलसाहि के पौत्र। डोंडियाखेरा के राजा। शंभुनाथ त्रिपाठी और दयानिधि के आश्रयदाता। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान। →०६–२३४; ०६–६२; ०६–२७४; २०–१७३; २३–८६; २३–३७१; २६–४२१; सं० ०१–४०८; सं० ०४–३७७।

अचलसिंह—अलीपुर (बुंदेलखंड) के जागीरदार। तीर्थराज के आश्रयदाता। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान। →०६–११५; २०–१६४; २३–४२८; २६–४८१।

अजगरनाथ—अजगरा (वाराणसी) निवासी। सं० १६०४ के लगभग वर्तमान।
हरसूब्रह्म मुक्तावली (पद्य)→सं० ०१–५।

अजब उपदेश (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री रामचंद सैनी, बेलनगंज, आगरा। →३२–१०३ ए।

अजबदास—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। कायस्थों की पलिया (सुलतानपुर) में जन्म। वैष्णव। पिता का नाम अशदास। पुत्र का नाम जानकीदास, जो अच्छे कवि थे। सं० १६४० में अयोध्या में देहांत।
भूलना (ककहरा) (पद्य)→१२–१; २३–६ ए, बी; २६–५ ए, बी; सं० ०४–३ क।

दोहा और कवित्त (पद्य)→सं० ०४–३ ख ।

शब्दावली (पद्य)→२६–५ सी ।

अजबदास के झूलना→'झूलना (ककहरा)' (अजबदास कृत) ।

अजबेश—नरहरि भाट के वंशज । महापात्र । पिता का नाम शिवनाथ, जो अच्छे कवि थे । रीवाँ नरेश महाराज जयसिंह तथा महाराज विश्वनाथसिंह के आश्रित । सं० १८६२ के लगभग वर्तमान । इनके वंशज असनी (फतेहपुर) में वर्तमान हैं । →२०–१८२ ।

बघेलवंश वर्णन (पद्य)→०१–१५ ।

बिहारी सतसई की टीका (गद्य)→२०–३ ।

अजमति खाँ यश वर्णन (पद्य)—बलदेव (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८७२ (लगभग) । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ । →४१–१५० ख ।

अजयपाल→'अजैपाल' ('सबदी' के रचयिता) ।

अजयराज (?)—सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान ।

भाषा सामुद्रिक (पद्य)→२६–४ ए; दि० ३१–४ ।

विजय विवाह (पद्य)→२६–४ बी ।

अजापुत्र राजेंद्र की चौपाई (पद्य)—धर्मदत्त कृत । र० का० सं० १५६१ । वि० राजेंद्र की कथा ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली । →दि० ३१–२८ ।

अजामिल कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अजामिल चरित्र ।

प्रा०—श्री छोटकधर द्विवेदी, अढ़नी, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४६६ ।

अजामिल चरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत । वि० अजामिल की कथा ।

प्रा०—महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद) । →०६–३५ सी ।

अजामेल (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८३६ । वि० अजामिल की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७–२१८ ।

अजीतसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश महाराज जसवंतसिंह के पुत्र । राज्यकाल सं० १७३५–८१ । ये अपने को हिंगुलाज देवी का अवतार कहते थे ।

अजीतसिंह (महाराज) जी रा कह्या दुहा (पद्य)→०२–८५ ।

गुणसागर (गद्यपद्य)→०२–८३ ।

दुर्गापाठ (भाषा) (पद्य)→०२–४० ।

दुहा श्री ठाकुराँ रा (पद्य)→०२–८६ ।

निर्वाणि दुहा (पद्य)→०२–८४ ।

भवानी सहस्रनाम (पद्य)→०२–८७ ।

अजीतसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश। महाराज जयसिंह के पिता। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान। →००–४१; १७–५३।

अजीतसिंह (महाराज) जी रा कह्या दुहा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि० जोधपुर के महाराज अजीतसिंह की जन्म कथा।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८५।

अजीतसिंह (मेहता)—जैसलमेर राज्य के दीवान। सं० १९१८ के लगभग वर्तमान।
विद्याबत्तीसी (पद्य)→२६–६ ई, एफ, जी; २६–५ सी।
शिक्षाबत्तीसी (पद्य)→२६–६ ए, बी, सी, डी; २६–५ ए, बी।

अजीतसिंह (राजा)—तिलोई (प्रतापगढ़) के राजा। अध्यापक शंकरदत्त के आश्रयदाता। सं० १९२९ के लगभग वर्तमान।→२६–४२५।

अजीतसिंह (राजा)—पटियाला नरेश राजा कर्मसिंह के भाई। गोपालराय भाट के आश्रयदाता। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान। →१२–६२।

अजीतसिंह फते (ग्रंथ) (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। र० का० सं १८५३। वि० रीवाँ नरेश अजीतसिंह और यशवंतराव पेशवा के युद्ध का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १९४२।
प्रा०—श्री कवि दिनेश, रीवाँ।→००–४१।
(ख) मु० का० सं० १९०२।
प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–१६२।

अजीरन मंजरी (पद्य)—निंब (कवि) कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० अजीर्ण रोग की चिकित्सा।
प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२९–२५२ बी।

अजीर्ण मंजरी (गद्य)—दत्तराम (माथुर) कृत। र० का० सं० १९२१। वि० अजीर्ण रोग की चिकित्सा।
(क) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—वैद्य रामभूषण जी, जमुनिया (हरदोई)।→२६–७९ ए।
(ख) लि० का० सं० १९४५।
प्रा०—हकीम रामदयाल, मुबारकपुर, डा० लहरपुर (सीतापुर)।→२६–६२ ए।

अजैपाल (अजयपाल)—संभवतः लखमण या लक्ष्मणनाथ (बालनाथ या बालगुदाई) के गुरु। गढ़वाल के राजा (?)।
सबदी (पद्य)→सं० १०–३।

अजैपाल—गोरखनाथ के साथ संगृहीत।→४१–१।

अटकपचीसी (पद्य)—देवीदत्त कृत। र० का० सं० १८०६। वि० शृंगार।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८५।

(ख)→पं० २२-२६।

अठपहरा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्तों की दैनिक परिचर्या।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७७ टी (विवरण अप्राप्त)।

अठारह नाते (पद्य)—अचलकीर्ति कृत। वि० धर्म।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४।

अठारहनाते को चोढ़ाल्यो (पद्य)—लोहट कृत। वि० जैन धर्म।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३८१।

अठारह पुराण और पचीस अवतारों के नाम (पद्य)—महेशदत्त कृत। लि० का० सं० १९३९। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामविलास, मदारनगर, डा० बंथर (उन्नाव)।→२६-२८५।

अड़न जी (भाई)—कृपाराम के गुरु। सेवापंथी संप्रदाय के अनुयायी।→०२-११।

अढ़ाईदीप की पूजा (पद्य)—जवाहिरलाल कृत। र० का० सं० १८८७। वि० जैन धर्मानुसार पूजापाठ का विधान।
(क) लि० का० सं० १९०८।
प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-१८६।
(ख) लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मुहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४-१२१।

अढ़ाईदीप पूजन→'अढ़ाईदीप की पूजा' (जवाहिरलाल कृत)।

अढ़ाईपर्व पूजा (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैनों की अढ़ाई पर्व पूजा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२-५८ ए।

अणभै विलास (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८४५। लि० का० सं० १९०१। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबा परमानंददास, मुरसानकुटी, डा० मुरसान (अलीगढ़)।→२६-२८१ जी।

अतनलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५४ एफ।

अतरियादेव की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८८३। वि० अतरियादेव की प्रार्थना।
प्रा०—पं० मधुसूदन वैद्य, पुराना सीतापुर, सीतापुर।→२६-१ (परि० ३)।

अतिवल्लभ—राधावल्लभी संप्रदाय के वैष्णव। सं० १७३२ के लगभग वर्तमान।
मंत्रध्यान पद्धति (पद्य)→१२-८ ए।
वृंदावन अष्टक (पद्य)→१२-८ बी।

अथ श्री महाराजा श्री अजीतसिंह जी कृत दुहा श्री ठाकुराँ रा→'दुहा श्री ठाकुराँ रा' (अजीतसिंह कृत)।

अदहमनामा (पद्य)—इलाहीबख्श (रमजान शेख) कृत। र० का० सं० १६२६। वि० प्रेम कहानी।
प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब, इस्लामिया मकतब, पाइकनगर (प्रतापगढ़)। →२६–१८४ ए।

अद्भुत ग्रंथ (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर। →सं० ०१–४५१ ख।

अद्भुत रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १६३१। वि० रामजानकी की कथा।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर। →०५–२८।

अद्भुत रामायण (पद्य)—बहोरन (द्विज) कृत। वि० सीता जी द्वारा सहस्रबाहु रावण के मारे जाने का वर्णन।
प्रा०—श्री महादेव मिश्र, बटसरा, डा० कसिया (गोरखपुर)। →सं० ०१–२३६।

अद्भुत रामायण (पद्य)—भवानीलाल कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८६६। वि० राम रावण युद्ध और महामाया सीता का चंडी रूप में क्रोध।
प्रा०—ठा० डूँगरसिंह, मदैम, डा० रय्या (मथुरा)। →३५–१२।

अद्भुत रामायण (पद्य)—रामजी (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८४३। लि० का० सं० १६१२। वि० बाल्मीकि रामायण का अनुवाद।
प्रा०—पं० सतीप्रसाद मिश्र, भोगाँव (मैनपुरी)। →३५–८१।

अद्भुत रामायण (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। र० का० सं० १८३०। वि० राम कथा।
प्रा०—ठा० महाराज दीनसिंह, प्रतापगढ़। →०६–२६५।

अद्भुत रामायण→'जानकीविजय रामायण' (प्रसिद्ध कृत)।

अद्भुत रामायण→'शक्तिप्रभाकर' (गोकुल कायस्थ कृत)।

अद्भुतलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। →१२–१५४ जे।

अद्भुत विलास (पद्य)—ताहिर कृत। र० का० सं० १६५५। वि० इंद्रजाल।
(क) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१–१४० क।
(ख) प्रा०—श्री पौहारीशरण चौबे, मलौली, डा० हैंसरबाजार (बस्ती)। →सं० ०४–१४०।

अद्वैत प्रकाश (पद्य)—बलिराम (बली) कृत। वि० वेदांत।
(क) लि० का० सं० १७८७।
प्रा०—श्री अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सदावर्ती, आजमगढ़। →४१–५२३ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १८३३।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद । →४१–५२२ (अप्र०) ।

(ग) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या । →१७–१७ ।

(घ) प्रा०—पं० गोपालदत्त, शीतलाघाटी, मथुरा । →३८–१५६ ए ।

अधीन—वास्तविक नाम भागीरथीप्रसाद । बाँकीभौली (अवध) निवासी ।

शंभु पचीसी (पद्य) →२३–४६ ।

अध्यात्मगर्भसार स्तोत्र→'योगसारार्थ दीपिका' (वासुदेव सनाढ्य कृत) ।

अध्यात्म पंचाध्यायी (पद्य)—नंददास कृत । वि० श्रीकृष्ण की महिमा । → पं० २२–७२ ए ।

अध्यात्म पंचासिका (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० आत्मविचार ।

प्रा०—लाला बाबूराम जैन, करहल (मैनपुरी) । →३२–५८ बी ।

अध्यात्म प्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७५५ । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—पं० चंद्रभाल, पर्वतपुर, डा० सूरतगंज (बाराबंकी) । →२३–४१२ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़) । →२६–४६५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—लक्ष्मण किला, अयोध्या । →१७–१८३ ए ।

(घ) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—ठा० रामअधार, मिथौरा (बहराइच) । →२३–४१२ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६–२४० सी (विवरण अप्राप्त) ।

(दो अन्य प्रतियाँ—एक लि० का० सं० १६०७ की पं० भगवानदीन, अजयगढ़ के पास और दूसरी दतियानरेश के पुस्तकालय में है ।)

(च) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—महंत जवाहिरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच) । →२३–४१२ डी ।

(छ) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या (फैजाबाद) । → २०–१८७ बी ।

(ज) लि० का० सं० १६४५ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५–६७ ।

(झ) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–४१२ ई ।

(ञ) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी कान्यकुब्ज, अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१८७ ए ।

(ट) प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–४१२ ए ।

(ठ) प्रा०—पं० गजाधर चौबे, बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६–४६५ बी ।

(ड) प्रा०—श्री चंडीप्रसाद, पंडिया, डा० चिताही (बस्ती) । →सं० ०७–१६५ ।

(ढ) प्रा०—पं० रामस्वरूप, यंगफ्रेंड एण्ड कंपनी, चाँदनी चौक, दिल्ली । →दि० ३१–८० ए ।

अध्यात्म प्रकाश→'अमर प्रकाश' (रचयिता अज्ञात) ।

अध्यात्म बारहखड़ी या भक्त्यक्षरमालिका बावनी स्तवन (पद्य)—दौलतराम (जैन) कृत । लि० का० सं० १६१८ । वि० जैनेंद्र के सहस्रनाम ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–६० क ।

अध्यात्मबोध (पद्य)—साधुशरण कृत । लि० का० सं० १८०६ । वि० वेदांत ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–२८२ ।

अध्यात्मबोध→'अनभैप्रमोद (ग्रंथ)' (स्वा० गरीबदास कृत) ।

अध्यात्म रामायण (गद्य)—उमादत्त (त्रिपाठी) कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० अध्यात्म रामायण का अनुवाद ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे वाजपेयी, भीखमपुर, डा० नेमगाँव (खीरी) । →२६–४८८ ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—किशोरीदास (महंत) कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० अध्यात्म रामायण का अनुवाद ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ । →०६–६१ बी ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—गुलाबसिंह कृत । लि० का० सं० १६१३ । वि० दशरथ और वशिष्ठ का पुत्रोत्पत्ति विषयक प्रश्नोत्तर ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५३ ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । वि० अध्यात्म रामायण के अयोध्याकांड का अनुवाद ।

प्रा०—श्री भवानी हलवाई, चौपड़बाजार, समथर ।→०६–७६ एस ।

अध्यात्म रामायण (बाल तथा अयोध्याकांड) (पद्य)—माधवदास कृत । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२८४ ।

अध्यात्म लीला (पद्य)—मोहनदास कृत । वि० कृष्ण का उद्धव को उपदेश देना ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–५४७ (अप्र०) ।

अध्यात्म लीलावती (गद्यपद्य)—संत या संतन (कवि) कृत । वि० गणित ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–३६७ ।

अनंगरंग टीका (उत्तरार्ध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कोकशास्त्र ।
प्रा०—श्री राधाचंद्र वैद्य, बड़ेचौबे, मथुरा । →१७–५ (परि० ३) ।

अनंत (कवि)—संभवत डा० ग्रियर्सन द्वारा उल्लिखित शृंगारी कवि अनंत ।
कवित्त संग्रह (पद्य)→२३–१७ ।

अनंतचतुर्दशी की कथा (पद्य)—हरिकृष्ण (पांडेय) कृत । र० का० सं० १८५५ ।
लि० का० सं० १६८२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री मुखचंद जैन, नरहौली, डा० चंद्रपुर (आगरा) ।→३२–८० ए ।

अनंतदास—वैष्णव साधु । विनोददास के शिष्य । सं० १६४५ के लगभग वर्तमान ।
कबीरसाहब की परिचई (पद्य)→०६–५ बी; २३–१८ ए; सं० ०७–३ क ।
त्रिलोचनदास की परिचई (पद्य)→०६–५ सी; सं० ७–३ ख ।
धनाजी की परिचई (पद्य)→४१–२; सं० ०७–३ ग ।
नामदेव आदि की परची संग्रह (पद्य)→०१–१३३; २३–१८ बी;
सं० ०७–३ घ, ङ ।
पीपाजी की परिचई (पद्य)→०६–१२८ ए; २३–१८ सी; सं० ०१–६;
सं० ०७–३ च, छ ।
राँकाबाँका की परिचई (पद्य)→४१–२; सं० ०७–३ ज ।
रैदास की परिचई (पद्य)→०६–१२८ बी; ०६–५ ए; सं० ०७–३ झ, ञ ।
सेऊसमन की परिचई (पद्य)→३२–६; ४१–२; सं० ०४–४; सं० ०७–३ ट ।

अनंतराम—जयपुर नरेश महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित । १८वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान ।
वैद्यक ग्रंथ की भाषा (गद्य) →०६–६ ।

अनंतराय—कौलापुर (पाटन) के राजा । सं० १३४७ के लगभग वर्तमान । →०१–२६ ।

अनंतरायसाँखला री वार्ता (गद्यपद्य)—कैवाट (सरवरिया) कृत । र० का० सं० १८५४ । वि० कौलापुर (पाटन) के राजा अनंतराय का वृत्तांत ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–२६ ।

अनंतव्रत कथा (गद्य)—हरिवंशराय कृत । लि० का० सं० १८३४ । वि० अनंत भगवान के व्रत की कथा ।
प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई) ।
→२६–१४८ एफ ।

अनंद→'नंद और मुकुंद' ('आसनमंजरी सार' आदि के रचयिता) ।

अनंदराम→'आनंदराम' ('रामसागर' के रचयिता)।
अनन्य→'अक्षर अनन्य' ('अनन्य पंचासिका' आदि के रचयिता)।
अनन्यअली—सं० १७८२ के लगभग वर्तमान। छोटे छोटे १०० ग्रंथों के रचयिता।
अनन्यअली की बानी (पद्य)→१२-६।
अनन्यअली की बानी (पद्य)—अनन्यअली कृत। र० का० सं० १७८२। लि० का० सं० १६६७। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६।
अनन्य चंद्रिका (पद्य)—दयाराम (भाई) कृत। वि० भगवान की सेवा पद्धति।
प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१४६ घ।
अनन्य चिंतामणि (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १६५७। वि० रामभक्ति।
(क) प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-२७६ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-६६ एच।
अनन्य निश्चयात्मक (ग्रंथ) (पद्य)—अन्य नाम 'निश्चयात्मक ग्रंथ (उत्तरार्ध)'। भगवतरसिक कृत। वि० वैष्णव संप्रदाय के सिद्धांत और ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००-२६; ००-३२।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५२६ (अप्र०)।
अनन्य पंचासिका (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानपचासा'। अक्षर अनन्य कृत। लि० का० सं० १६५८। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६-२ ई।
अनन्य प्रकाश (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—बाबा लक्ष्मीगिरि गोसाँईं, छपट्टी (मैनपुरी)।→०६-८ ए।
अनन्यमाल (पद्य)—हित उत्तमदास कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० भगवतमुदित कृत 'रसिक अनन्यमाल' के आधार पर हितहरिवंश और उनके शिष्यों का चरित्र वर्णन।
प्रा०—गो० हितरूपलाल, श्री राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३८-१५८।
अनन्य मोदिनी (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० राधाकृष्ण की अनन्य भक्ति।
(क) लि० का० सं० १८२६ (लगभग)।
प्रा०—बाबा वंशीदास, श्री नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा)।→४१-५१६ क (अप्र०)।
(ख) प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)।→२६-२७३ ए।
अनन्य रसिक→'भगवतरसिक' ('अनन्य रसिकाभरण' आदि के रचयिता)।
अनन्य रसिकाभरण (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००-३१।

अनन्य सभामंडल सार (पद्य)—गुलाबलाल (गोस्वामी) कृत । वि० राधावल्लभी संप्रदाय की रसिक अनन्यता ।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर ।
→०६–१०० ।

अनन्यसार→'रसिक अनन्यसार' (जतनलाल कृत) ।

अनभय बानी (पद्य)—लैलीनराम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७—१७७ क ।

अनभै कृत्याध्यात्म→'साखी' (दादूदयाल कृत) ।

अनभैप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)—अन्य नाम 'अध्यात्मबोध'। गरीबदास (स्वामी) कृत । वि० सृष्टितत्व और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७०६ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ ०२–६५ ।
(ख) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२४ क ।
(ग) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७–३० क ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४८७ (अप्र०) ।

अनभौ प्रकाश (पद्य)—बदलीदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८५० (लगभग) । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १६५० ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–२२६ ।
(ख) लि० का० सं० १६८६ ।
प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) ।→३५–७ ।
(ग) लि० का० सं० १६६२ ।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकट्टरा (बाराबंकी) ।
→सं० ०४–२२६ ख ।
(घ) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछराँवा (रायबरेली) ।→सं० ०४–२२६ क ।

अनभौ प्रकाश→'अनुभव प्रकाश' (दीप कृत) ।

अनभौप्रोच्त (गद्य)—शंकराचार्ज कृत । लि० का० सं० १६५१ । वि० ब्रह्मज्ञान ।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ । →सं० ०७–१८४ क ।

अनभौशास्त्र (ग्रंथ) →'साखी' (दादूदयाल कृत) ।

अनरुद्धसिंह—'कलाभास्कर' ग्रंथ के प्रणेता रणजीतसिंह के पिता । संभवतः कुशल मिश्र के आश्रयदाता ।→०६–१०२ ।

अनरुद्धसिंह—क्षत्री। ज्योधरी (आगरा) निवासी। ठा० अजबसिंह के पुत्र। कुशल मिश्र के आश्रयदाता। →००–५७।

अनरुद्धसिंह (राजा)—बुद्धराव के पिता। सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान। →००–८३; १७–६३।

अनवर खाँ—राजगढ़ (भोपाल) के पठान सुलतान या नवाब मुहम्मद खाँ के छोटे भाई। शुभकरन कवि के आश्रयदाता। 'अनवर चंद्रिका' की रचना इन्हीं के नाम पर हुई है। →०४–३१; ०६–१३०; २६–४६०।

अनवर चंद्रिका (पद्य)—शुभकरन (कवि) कृत। र० का० सं० १७७१। वि० बिहारी सतसई की टीका।

(क) लि० का सं० १८१३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–५६५ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—पं० श्रीपाल, खजुरी, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर)। →२३–४०६।

(ग) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०६–१३० (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४–३१।

(ङ) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—पं० मधुसूदन वैद्य, सीतापुर। →२६–४६०।

अनहद विलास (पद्य)—गूँगदास कृत। र० का० सं० १८५८। लि० का० सं० १६०१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७—३४ क।

अनाथ→'अनाथदास' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता)।

अनाथदास—उप० नाथ। अन्य नाम अनाथ, जनअनाथ या अनाथपुरी। अंतर्वेद के निवासी। स्वामी रामानंद की शिष्य परंपरा में हरिदास मौनी के शिष्य। सं० १७२६ के लगभग वर्तमान।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→०६–१३१; १२–७; २०–८ ए; २६–१५ एच; ४१–३ क, ख; सं० ०७–४ क।

रामरत्नावली (पद्य)→०६–१२६ ए।

विचारमाला (पद्य)→०६–१२६ बी; ०६–२६५; ०६–७; २०–८ बी; पं० २२–७ ए, बी; २३–१६; २६–१५ ए, बी; २६–१५ ए से जी तक; सं० ०७–४ ख, ग।

अनाथपुरी→'अनाथदास' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता)।

अनिन्य मोदिनी→'अनन्य मोदिनी' (प्रियादास कृत)।

अनुगीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाभारत के अश्वमेधपर्व (अनुगीता) का अनुवाद।

प्रा०—पं० रामदत्त शर्मा, बह्मनीपुर (इटावा)।→३५—११३।

अनुपानवंगको (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० औषधि अनुपान।

प्रा०—मुं० विहारीलाल पटवारी, रतौली, डा० नारखी (आगरा)।→२६–३३८।

अनुप्रास (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७७७। लि० का० सं० १८७४। वि० अनुप्रास के भेद।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–३०४ बी।

अनुभवआनंद सिंधु (पद्य)—सदाराम कृत। लि० का० सं० १८७३। वि० संसार की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का वर्णन।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–२७२ सी।

अनुभव ग्रंथ (पद्य)—अन्य नाम 'एकादशपुराण'। ज्ञानदास कृत। र० का० सं० १६२७। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमंदिर, डा० सहादतगंज (लखनऊ)।→ २६–२०६ ए।

अनुभवज्ञान (पद्य)—नोहरदास कृत। वि० रामनाम की महिमा।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→२०–१२२।

अनुभवतरंग (पद्य)—अन्य नाम 'अनुभवतरंग सिद्धांत'। अक्षर अनन्य कृत। वि० आत्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १८२०।

प्रा०—पं० गोकुलप्रसाद, मिहावा, डा० इरादतनगर (आगरा)।→२६–७ डी।

(ख) प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६–२ ए।

अनुभवतरंग सिद्धांत→'अनुभवतरंग' (अक्षर अनन्य कृत)।

अनुभवपर प्रदर्शिनी टीका (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १६०५। वि० कबीरदास की १२ पुस्तकों— आदिमंगल या बीजक, रमैनी, शब्द, ककहरा, वसंत, चौंतीसी, विप्रबत्तीसी, बेलि, चाचरि, हिंडोल, बिरहली और साखी की टीका।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–२२।

अनुभव प्रकाश (पद्य)—अचलदास कृत। वि० ईश्वर महिमा और भक्ति निरूपण।

प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमंदिर, सहादतगंज, लखनऊ।→२६–२ बी।

अनुभव प्रकाश (पद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत। वि० वेदांत।

(क) प्रा०—पं० पूनमचंद, जोधपुर।→०१–७२।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–१५।

अनुभव प्रकाश (गद्य)—दीप कृत। वि० अध्यात्म।

(क) लि० का० सं० १९१३ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५८ क।

(ख) लि० का० सं० १९५८ ।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–६२ ।

(ग) लि० का० सं० १९८२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५८ ख ।

अनुभव प्रमोद→'अनभै प्रमोद (ग्रंथ)' (स्वा० गरीबदास कृत) ।

अनुभव बानी (पद्य)—दरिया साहब कृत । वि० गुरु महिमा और ब्रह्मज्ञान का महत्व ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–४३ ।

अनुभवरस अष्टयाम तथा चतुर्थ अष्टयाम (पद्य)—हित हीरासखी कृत । वि० श्री राधाकृष्ण की अष्टयाम सेवा ।

प्रा०—पं० भगवतप्रसाद ज्योतिषरत्न, राधाकुंड, मथुरा ।→३८–६५ ए, बी ।

अनुभव सागर (पद्य)—नवल कृत । लि० का० सं० १८२७ । वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–९८ ।

अनुभव हुलास (पद्य)—भगवान (?) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० अनुभव ज्ञान द्वारा ब्रह्म विचार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८–६ ।

अनुभव हुलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दर्शन ।

प्रा०—श्री छिंगामल पुजारी, मंदिर श्री राधाकृष्ण जी, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२९–३३७ ।

अनुभौ हुलास→'अनुभव हुलास' (रचयिता अज्ञात) ।

अनुरागबाग (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । र० का० सं० १८८८ । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) लि० का० सं० १८९२ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–४० ।

(ख) लि० का० सं० १९०६ ।

प्रा०—पं० गंगासागर त्रिवेदी, सफदरगंज, बाराबंकी ।→२३–१०४ ए ।

(ग) प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१०४ बी ।

अनुराग भूषण (पद्य)—भीषमदास कृत । र० का० सं० १८९२ । लि० का० सं० १८९२ (१७५६ शाके) । वि० प्रेम के द्वारा ब्रह्म ज्ञान ।

प्रा०—बाबा प्रागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली) ।→३५–१४ बी ।

अनुरागरस (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत । वि० भक्ति, नीति, गुण, दोष और उपदेश आदि ।

(क) लि० का० सं० १९२८ ।

प्रा०—पं० रामलाल गौड़, बादलपुर, डा० हाथरस (अलीगढ़)।→२६-२४७ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, बेहटा, गोकुल (हरदोई)।→२६-२४७ बी।

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, बहोरी के वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-२६६।

अनुरागलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हितसंप्रदाय के सिद्धांत और सेवाभाव वर्णन।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। →०६-७३ जी।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१७४ क।

अनुराग विलास ? (पद्य)—चंद कृत। वि० कृष्ण के मथुरा चले जाने पर गोपियों का विरह।

प्रा०—पं० रामानंद, दौलतपुर, डा० नोझील (मथुरा)। →३८-२१।

अनुराग विलास (पद्य)—दिग्विजयसिंह कृत। वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।

प्रा०—श्री सुदर्शनसिंह रईस, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)। →२६-१०६।

अनुरागविवर्द्धक रामायण (पद्य)—बनादास कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाईस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१-२३० क।

अनुराग सागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ एफ।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-११ ख।

(ग) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—लाला गंगादीन, डा० गुलामअलीपुर (बहराइच)।→२३-१६८ बी।

(घ) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर)।→०६-१७७ के (विवरण अप्राप्त)।

अनूपगिरि (गोसाँई)→'हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि' ('रसरंग' के रचयिता)।

अनूपगिरि हिम्मतबहादुर की बिरदावली→'हिम्मतबहादुर विरुदावली' (पद्माकर कृत)

अनूप प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अनूपगिरि हिम्मतबहादुर का इतिहास।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।
→०५–६२ ।

अनूपसिंह—बीकानेर नरेश महाराज कर्णसिंह के पुत्र । लालचंद्र कवि के आश्रयदाता ।
→०२–७६ ।

अनेकप्रकाश (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८१ । वि० ज्ञान, योग और भक्ति आदि ।
(क) प्रा०—महंत हितलाल, मंदिर दरभंगा, नयाघाट, अयोध्या ।→२०–२६ ए ।
(ख) प्रा०—पं० अच्युतकुमार, उत्तरपाल (रायबरेली) ।→२३–७४ ए ।

अनेकार्थ→'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेकार्थ नाममाला→'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेकार्थ नामावली (गद्यपद्य)—संभवतः जोधपुर निवासी जालंधरनाथ के किसी भक्त की या जोधपुर के तत्कालीन महाराज मानसिंह की रचना । वि० पर्याय शब्दकोश ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६६ ।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—उदौत (कवि) कृत । वि० कोश ।
प्रा०—श्री सीताराम दसौंधी, मईडीह, डा० मडियाहूँ (जौनपुर) ।
→सं० ०४–२२ ।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'अनेकार्थ', अनेकार्थ नाममाला' और 'अनेकार्थ (भाषा)' । नंददास कृत । र० का० सं० १६२४ । वि० अनेकार्थक कोश ।
(क) लि० का० सं० १७७६ ।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ) ।
→२६–३१६ जी ।
(ख) लि० का० सं० १८१२ ।
प्रा०—पं० देवकीनंदन, खनिया, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर) ।
→२३–२६४ ए ।
(ग) लि० का० सं० १८१३ ।
प्रा०—श्री स्वामी ब्रह्मचारी जी, द्वारा लाला ललिताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर) । →२६–३१६ ई ।
(घ) लि० का० सं० १८१४ ।
प्रा०—पं० श्रीराम शर्मा, मई, डा० बटेश्वर (आगरा) ।→२६–२४४ ए ।
(ङ) लि० का० सं० १८२७ ।
प्रा०—श्री विश्वनाथ, कैमहरा (खीरी) ।→२६–३१६ ए ।
(च) लि० का० सं० १८५२ ।
प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा) ।→२६–२४४ सी ।
(छ) लि० का० सं० १८५८ ।
प्रा०—पं० लक्ष्मणवल्लभ पांडेय, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→२०–११३ ई ।

(ज) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—ठा० यदुनाथबख्शसिंह रईस, हरिहरपुर ।→२३–२६४ बी ।

(झ) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सीकरा, डा० तंबोर (सीतापुर) ।
→२६–३१६ बी ।

(ञ) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—श्री रामदास वैद्य, बाबुलपुर, डा० मेड़ू (अलीगढ़) ।→२६–२४४ बी ।

(ट) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–११३ डी ।

(ठ) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—श्री ललिताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर) ।→२६–३१६ एफ ।

(ड) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ) ।
→२६–३१६ एच ।

(ढ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर । →०२–५८ ।

(ण) प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर) । →
०६–२०८ डी ।

(त) प्रा०—पं० सत्यनारायण, कठगर, रायबरेली ।→२३–२६४ सी ।

(थ) प्रा०—ठा० यदुनाथबख्शसिंह, हरिहरपुर (बहराइच) ।→२३–२६४ डी ।

(द) प्रा०–ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ) ।
→२६–३१६ सी ।

(ध) प्रा०–पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
→२६–३१६ डी ।

अनेकार्थमंजरी नाममाला→'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेकार्थ मानमंजरी →'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेमानंद (स्वामी)—सं० १८३७ के लगभग वर्तमान ।

अष्टावक्र (भाषा) (पद्य)→पं० २२–८ बी ।

नाटकदीप (पद्य)→०१–४६; पं० २२–८ ए ।

अन्नकूट लीला→'महामहोत्सव' (ईश या व्यंकटेश कवि कृत) ।

अन्योक्ति कल्पद्रुम→'अन्योक्तिमाला' (दीनदयाल गिरि कृत) ।

अन्योक्तिमाला (पद्य)—अन्य नाम 'अन्योक्ति कल्पद्रुम' । दीनदयाल (गिरि) कृत । र०
का० सं० १६१२ । वि० अन्योक्ति काव्य ।

(क) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१०४ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० गंगासागर त्रिवेदी, सफदरगंज, बाराबंकी ।→२३–१०४ डी ।

(ग) प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, धेनुगावाँ (बस्ती) ।→सं० ०४–१५७ क ।

अपभ्रंश की रचना (सूक्तिकाव्य) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सूक्ति काव्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४४७ ।

अपराधसूदन स्तोत्र (भाषा) (पद्य)—युवराजसिंह कृत । लि० का० सं० १६५१ ।

वि० शंकर स्तुति ।

प्रा०—भैया संतबख्शसिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३–१६७ ए ।

अपरोक्ष सिद्धांत (पद्य)—जसवंतसिंह (महाराज) कृत । वि० कर्म और आत्मतत्व विचार ।

(क) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—श्री विश्वनाथ, कैमहरा, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–२०१ ए ।

(ख) प्रा०—पं० पूनमचंद, जोधपुर ।→०१–७१ ।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–१४ ।

अपरोक्षानुभव ग्रंथ (भाषा) (गद्यपद्य)—ज्ञानदास कृत । र० का० सं० १८६८ । वि० मोक्ष, वैराग्य इत्यादि । (शंकराचार्य की संस्कृत पुस्तक 'अपरोक्षानुभूति' का अनुवाद)

प्रा०—पं० रामसिंह, मंडौली, डा० शाहदरा (दिल्ली) ।→दि० ३१–४७ ।

अबजदीकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७६ । वि० शकुन ।

प्रा०—पं० रामाधार, महुवा, डा० बाह (आगरा) ।→२६–३३० ।

अब्दुर्रहमान (मिर्जा)—उप० प्रेमी । फरुखसियर के समकालीन और आश्रित मंसबदार । सं० १७७० के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→०३–५० ।

अब्दुर्रहीम खानखाना—उप० रहीम । हिंदी और फारसी के प्रसिद्ध कवि । जन्म सं० १६१० । मृत्यु सं० १६८३ । अकबर के दरबारी और जागीरदार । बान कवि के आश्रयदाता ।→०६–१३४ ।

बरवैनायिका भेद (पद्य)→०६–१ ।

मदनाष्टक (पद्य)→२०–१४० ।

अब्दुलमजीद—दिल्ली निवासी । सं० १८३० के पूर्व वर्तमान ।

कलेशभंजनी (पद्य)→२६–१ ए, बी; २६–१ ।

अब्दुललतीफ—(?)

ग्राइबुलजुगद (पद्य)→सं० ०७–५ ।

अब्दुलहादी (मौलवी)—सं० १६१० के लगभग वर्तमान । इन्होंने ऋतुराज कवि को 'गुलिस्ताँ' का 'बसंतबिहार नीति' नामक हिंदी अनुवाद करने में सहायता दी थी ।→०४–१ ।

अभयराम—कुलपति मिश्र के पूर्वज। आगरा निवासी।→००–७२।

अभय विलास (पद्य)—पृथ्वीराज (साँदू) कृत। वि० जोधपुर के महाराज अभयसिंह का गुणगान।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१३६।

अभयसिंह—जोधपुर नरेश। राज्यकाल सं० १७८१–१८०५। कवि माधवराम के आश्रय-दाता। रसचंद, रसपुंज, सेवक प्रयाग, मुंशी माईदास, झीबा, सामंतसिंह, रतनू बीरभाण, देवीचंद महात्मा, सेवक पेमचंद, सेवक शिवचंद, अनंदराम, सेवक गुलालचंद, कविया करणीदान, मथेना भीकचंद और साधू पृथ्वीराज भी इन्हीं के समय में वर्तमान थे।→०२–४०; ०२–७२।

अभयसोम—सं० १७२० के लगभग वर्तमान।

मानतुंगमानवती चउपई (पद्य)→४१–४।

अभिप्राय दीपक (पद्य)—शिवलाल (पाठक) कृत। वि० रामायण की कथा।

(क) लि० का० सं० १९०२।

प्रा०—श्री रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६–४४६।

(ख) लि० का० सं० १९२५।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–११२।

अभिमन्यु कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उत्तरा अभिमन्यु की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३२८।

अभिमन्युबध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३२९।

अभिलाष बत्तीसी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। वि० विनय।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–३६ बी।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →०६–४३ एफ।

अभिलाषमाला (पद्य)—किशोरीशरण कृत। वि० राधाकृष्ण विनय।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→ ०६–१५३।

अभिलाषलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति।

प्रा०—बाबू संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५४ पी।

अभैमात्रा—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२–६१ (नौ)।

अभैसिंघ रा कवित्त (पद्य)—बख्ता (खड़िया) कृत। वि० अभयसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–४०।

अमनशाह—मखदूमशाह दरियाबादी के पिता। सं० १७६३ के पूर्व वर्तमान।→२६–२८७।

अमरकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शब्दकोश ।

प्रा०—श्री सुधाकर, मदनपुर, डा० उसकाबाजार (बस्ती) ।→सं० ०४–४४८ ।

अमरकोश (नामप्रकाश) (पद्य)—भिखारीदास कृत । र० का० सं० १७६५ । वि० अमरकोश का अनुवाद ।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़, प्रतापगढ़ ।→सं० ०४–२६१ क ।

अमरकोष (पद्य)—अन्य नाम 'उमरावकोष' । सुवंश (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६४ । वि० 'अमरकोष' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) । →२६–४७५ बी ।

(ख) लि० का० सं० १९२६ ।

प्रा०—ठा० अर्जुनसिंह, संडीला, डा० मछरहट्टा (सीतापुर) ।→२६–४७५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९३४ ।

प्रा०—पं० नीलकंठ, चौक, अयोध्या ।→२०–१९१ ।

(घ) लि० का० सं० १९४२ ।

प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, बृजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३–४२२ डी ।

(ङ) लि० का० सं० १९४२ ।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→सं० ०४–४१६ क ।

(च) लि० का० सं० १९४८ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतपुर । →०५–८८ ।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'नामरत्नमाला कोश' । गोकुलनाथ (भट्ट) कृत । र० का० सं० १८७० । वि० संस्कृत अमरकोष का अनुवाद ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी । →००–२ ।

(ख) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–६६ ए ।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)—शिवप्रसाद (कायस्थ) कृत । र० का० सं० १८७४ । वि० संस्कृत अमरकोष का भाषांतर ।

(क) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा०—भैया, संतबख्शसिंह, गुथाबर (बहराइच) ।→२३–३९७ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—बाबू पद्मबक्शसिंह, लवेदपुर, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३९४ ए ।

(ग) प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३९७ ए ।

टि० प्रस्तुत अनुवाद रचयिता ने अपने आश्रयदाता भिनगा के राजा शिवसिंह की

आज्ञा से तथा उन्हीं के नाम से किया था। इसीलिये खो० वि० २३–३६७ ए, बी पर राजा शिवसिंह का नाम रचयिता के रूप में आया है।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)—हरिजू (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६२। लि० का० सं० १८६१। वि० अमरकोष का अनुवाद।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६–११२।

अमरकोष (भाषानुवाद) (गद्य)—महेशदत्त कृत। र० का० सं० १६३१। लि० का० सं० १६४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० जयरामसिंह, वजीरनगर, डा० माधोगंज (हरदोई)। →२६–२२० ए।

अमरचंद्रिका (पद्य)—अमरसिंह कृत। वि० 'बिहारी सतसई' की टीका।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३ ए।

टि० प्रस्तुत खोज विवरण में इनके 'सुदामाचरित्र' का भी नामोल्लेख है।

अमरचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'बिहारी सतसई की टीका'। सूरति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६४। वि० 'बिहारी सतसई' की टीका।

(क) लि० का० सं० १८३२।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर)।→०६–३१४ सी।

(ख) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–४७४ आई।

(ग) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२४३ सी (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १६६८।

प्रा०—ठा० बलवंतसिंह, लोमामऊ, डा० संडीला (हरदोई)।→२६–४७४ ए।

(ङ) लि० का० सं० १६७३।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३–४१६ सी।

अमरतिलक (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० 'अमरकोष' का अनुवाद।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६–६१ ए, बी।

अमरदास—लखनऊ निवासी। सं० १८१५ के लगभग वर्तमान।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)→सं० ०१–७।

अमरदास—अन्य नाम अंबरदास। जन्म सं० १७१२।

भक्त विरुदावली (पद्य)→०६–१२०; २०–५; २६–८ ए, बी, २६–६ ए, बी।

अमरदास—रघुनाथदास और रूपदास के गुरु। सेवादास के शिष्य। सं० १८३२ के पूर्व वर्तमान।→०६–२३६; ०६–२६८; सं० ०७–१५८।

अमरनाथ—सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।

संग्रह (पद्य)→पं० २२–३।

अमरप्रकाश (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८३६। वि० 'अमरकोष' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०५–८६ ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ०३–७४ ।

अमरप्रकाश (गद्य)—अन्य नाम 'अध्यात्मप्रकाश' । रचयिता अज्ञात । वि० आध्यात्मिक ज्ञान ।

प्रा०—मास्टर रामस्वरूप जी, माँट (मथुरा) ।→३८–१६६ ।

अमरबोध शास्त्र (पद्य)—परसुराम कृत । वि० आध्यात्मिक रूपकों में माया वर्णन ।

प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । →३२–१६३ ए ।

अमरमूल (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ब्रह्मज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर) ।→०६–१७७ जे (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ) ।→ सं० ०७–११ ग ।

अमरराज तिलक→'राजनीतिशतक भाषा कुंडलिया' (श्रीकृष्ण चैतन्यदेव कृत) ।

अमरलोक अखंडधाम→'अमरलोक लीला' (स्वामी चरणदास कृत) ।

अमरलोक निजधाम लीला→'अमरलोक लीला' (स्वामी चरणदास कृत) ।

अमरलोक लीला (पद्य)—अन्य नाम 'अमरलोक अखंडधाम', 'अमरलोक निजधाम लीला' तथा 'अमरलोक वर्णन' । चरणदास (स्वामी) कृत । वि० गोलोक और राधाकृष्ण प्रेम वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६–६५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—पं० राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव) ।→२६–७८ ए ।

(ग) प्रा०—महंत जगन्नाथदास कबीरपंथी, मऊ (छतरपुर) ।→०६–१४७ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–३८ ए ।

(ङ) प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६–६५ बी ।

अमरलोक वर्णन→'अमरलोक लीला' (स्वामी चरणदास कृत) ।

अमरविनोद (गद्यपद्य)—अमरसिंह कृत । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—पं० रामदुलारे वैद्य, मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६–१० ए।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—ठा० शिवपालसिंह, रामनगर, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६–७ ए।

(ग) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—ठा० जोधसिंह, मिछलिया, डा० ईसानगर (खीरी)।→२६–७ बी।

(घ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद वैद्य, बकौठी, डा० सिकंदरापुर (सीतापुर)। →२६–१० बी।

(ङ) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० गणपति द्विवेदी, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→ २६–७ सी।

(च) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—लाला कन्हैयालाल, बहुराजपुर, डा० कासगंज (एटा)।→२६–१० सी।

(छ) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० यशोदानंद, काँथा (उन्नाव)।→२३–१० ए।

(ज) प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़ावपुरा, डा० त्रिलबलिया (बहराइच)।→२३–१० बी।

अमर-वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—बाबू मनोहरलाल, बरोस, डा० खनोली (मथुरा)।→३५–१११।

अमरसार (पद्य)—दरिया साहब कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–५५ ए।

अमरसिंह—कायस्थ। राजनगर (छतरपुर) निवासी। जन्म सं० १८२०। मृत्यु सं० १८६७। कुँवर सोनेजू के दीवान।

अमरचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–३ ए।

अमरविनोद (गद्यपद्य)→२३–१० ए, बी; २६–७ ए, बी, सी; २६–१० ए, बी, सी।

टि० खो० वि० ०६–३ में इनके 'सुदामाचरित्र' का भी नामोल्लेख है।

अमरसिंह—सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

स्वप्नभेद (पद्य)→सं० ०४–५।

अमरसिंह—पटियाला नरेश। राज्यकाल सं० १८२२–१८३८। केशवदास के आश्रयदाता। →पं० २२–५५।

अमरसिंह—महाराज हिंदूपति के चचेरे भाई और यशवंतसिंह के पिता। पन्ना (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १८२१ के पूर्व वर्तमान।→०६–११६।

अमरसिंह—जोधपुर के दीवान सूरति मिश्र के आश्रयदाता। अठारहवीं शताब्दी के तीसरे चरण में वर्तमान।→२३–४१६।

अमरसिंह—गड़वारा (जौनपुर) निवासी साहबदीन के पिता। सं० १६०५ के पूर्व वर्तमान।→०४–३०; ०४–३६।

अमरसिंह (राणा)—मेवाड़ के महाराणा। दयालदास के आश्रयदाता। सं० १६७१ के लगभग वर्तमान।→००—६४।

अमरावली (पद्य)—अचलदास कृत। र० का० सं० १६०८। वि० रामनाम महिमा।
प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमंदिर, सआदतगंज, लखनऊ।→२६–२ ए।

अमरावली (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० सं० १८६२। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबा परागसरनदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→ ३५–१४ ए।

अमरेश (अमरचंद)—दीवान। नाथूलाल जैन के आश्रयदाता।→सं० १०–७२।

अमरेशकुमार—साहपुर के राजकुमार। सं० १६२३ के लगभग वर्तमान।
राधाकृष्णरूपयुगल विलास (पद्य)→सं० ०१–८।

अमरेश विलास (पद्य)—नीलकंठ कृत। र० का० सं० १६६८। लि० का० सं० १८०८। वि० 'अमरुक शतक' के १०८ श्लोकों का अनुवाद। आदि में राजा वीरसिंह की प्रशस्ति।
प्रा०—पं० शिवराम का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा)।→०३–१।

अमल की कविता (पद्य)—चंडीदान कृत। अफीम खानेवालों की दशा का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–६४।

अमान—गुमान कवि के भाई। महोबा निवासी। सं० १८३८ के लगभग वर्तमान। →०५–२३।

अमानसिंह—पन्ना नरेश राजा सभासिंह के पुत्र। अपने बड़े भाई हिंदूपति द्वारा निहत। राज्यकाल सं० १८०६–१८१५। करण भट्ट और हंसराज बख्शी के आश्रयदाता। →०४–१५; ०६–४५; ०६–५७; ०६–१००; २६–१६५।

अमीर—मुसलमान। संभवतः १६ वीं शताब्दी में बुंदेलखंड के किसी राजा के आश्रित।
रिसाला तीरंदाजी (पद्य)→०६–४।

अमीर खाँ—दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के कृपापात्र। सं० १७८८–१८०० तक इलाहाबाद के सूबेदार। देव कवि के आश्रयदाता।→०६–१५५।

अमीरदास—संभवतः भोपाल निवासी। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।
दूषणोल्लास (पद्य)→०६–१२४ बी।
सभामंडन (पद्य)→०६–१२४ ए।

अमृत (कवि)—अमेठी के राजा (?) महेंद्र हिम्मतसिंह देव के आश्रित। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→१७–६।

अमृत उपदेश (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८४४। लि० का० सं० १९००। वि० ईश्वरोपदेश।

प्रा०—बाबा बिहारीदास, रत्नगढ़ी, डा० त्रिसवाँ (अलीगढ़)। →२६–२८१ ई।

अमृतखंड (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८४१। लि० का० सं० १९५२। वि० श्री रामचंद्र का जीवन चरित्र और पिंगल।

प्रा०—पं० लक्ष्मणशरणदास, कामदकुंज, श्री तुलसीपत्र कार्यालय, अयोध्या।→ २०–१४५ ए।

अमृतधारा (पद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत। र० का० सं० १७२८। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १९०४।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–१३६ (विवरण अप्राप्त)। (सं० १९२६ की एक अन्य प्रति गौरहारनरेश के पुस्तकालय में है।)

(ख) लि० का० सं० १९०४।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६–४८।

(ग) प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)। →२६–३६ डी।

अमृतनाद विंदूपनिषद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य संमेलन प्रदर्शनी, इंदौर। → १७–४ (परि० ३)।

अमृत मंजरी (गद्य)—काशीनाथ कृत। लि० का० सं० १८३१। वि० वैद्यक।

प्रा०—पं० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीकनटोला, फतेहपुर।→२०–७८।

अमृत मंजरी (पद्य)—जयदेव (?) कृत। वि० स्त्रियों के जाति भेद और नवरस।

प्रा०—श्री वंशीधर, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२–८१।

अमृतराख (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रमंत्र।

प्रा०—स्वामी निर्भयानंद, कुटी, स्वामी जी अमेठी, डा० अमेठी (लखनऊ)। →२६–३३५।

अमृतराय—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १९१९ के लगभग वर्तमान। ये 'महाभारत' के नौ अनुवादकों में से एक हैं।→०४–६७।

अमृतलाल—जैन। रतनपुरी निवासी। सं० १९०७ के लगभग वर्तमान।

आत्मविचार वैराग (गद्य)→४१–५।

अमृत संजीवनी (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत। लि० का० सं० १९५६। वि० वैद्यक। (संस्कृत से अनूदित)।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६–१२ बी।

अमृतसागर (गद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० सं० १८३६। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—सेठ गोविंदराम भगतराम मारवाड़ी, अमिलिहा (उन्नाव)। →२६–३५२ ए।
(ख) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, धनकौली, डा० मवई (उन्नाव)।→२६–३५२ बी।
(ग) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—श्री देवीप्रसाद शास्त्री, सकटिया, डा० महोली (सीतापुर)।→२६–३५२सी।
(घ) लि० का० सं० १९००।
प्रा०—श्री रामलाल शर्मा वैद्य, निहालगंज, डा० धूमरी (एटा)।→२६–२७२।
(ङ) लि० का० सं० १९२३।
प्रा०—पं० गणपति द्विवेदी, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६–३५२डी।
(च) प्रा०—ठा० हिम्मतसिंह, बड़ाकुआँ, रायबरेली।→२३–३२२ ए।

अमृतसागर (पद्य)—लेखराजसिंह कृत। वि० वैद्यक।
प्रा०—ठा० विजयपालसिंह अध्यापक, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। →३२–१३५ ए, बी, सी।

अमृतसागर की प्रकृति तथा वैद्यक वचनिका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—कुँवर महादेवसिंह वर्मा, चंद्रसेनी, होलीपुरा (आगरा)।→२६–३३६।

अमोलक—आगरा के निकट के निवासी। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।
खवास खाँ की कथा (पद्य)→पं० २२–४; २३–१२; २६–६।

अमोलक (दानाध्यक्ष)—सुंदर के आश्रयदाता। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।→ पं० २२–१०६।

अयोध्या (गिरि)—(?)
पद (पद्य) →सं० ०१–६।

अयोध्याकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

अयोध्याकांड की टीका→'भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत)।

अयोध्या पचीसी (और) मिथिला पचीसी (पद्य)—मेदराम (बारैठ) कृत।
लि० का० सं० १९७६। वि० अयोध्या और मिथिला की महिमा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →४१–२०२।

अयोध्याप्रसाद—राजकिशोरलाल के पिता। घनश्यामपुर (जौनपुर) निवासी।→ ०६–२४२।

अयोध्याप्रसाद (बाजपेयी)—उप० औध। पिता का नाम नंदकिशोर। भाइयों के नाम लक्ष्मणप्रसाद, चतुर्भुज और भारत। संतनपुरवा (रायबरेली) के निवासी। अंतिम समय अयोध्या में बीता। महाराज हरिदत्तसिंह, रियासत बौंड़ी (बहराइच), राजा सुदर्शनसिंह, चंदापुर, महाराज दिग्विजयसिंह, बलरामपुर (गोंडा), पांडेय कृष्णदत्त, गोंडा और मुनीश्वरबख्शसिंह, रियासत मल्लाँपुर ने इनको भूमि और धन आदि देकर सम्मानित किया था। महाकवि पद्माकर से इनका परिचय था।

जन्म सं० १८६० । मृत्यु सं० १६४२ । वंशज चंदापुर (बहराइच) और बाजपेयी का पुरवा (बहराइच) में वर्तमान हैं ।

अवधशिकार (पद्य)→२३-२४ ए, ई; २६-२१ ।

रघुनाथशिकार (पद्य)→२३-२४ बी; सं० ०४-६ ।

रागरत्नावली (पद्य)→२३-२४ सी ।

साहित्यसुधा सागर (पद्य)→२३-२४ डी ।

सुंदरशिकार (पद्य)→२३-२४ ई ।

टि० छंदानंद, शंकरशतक, अजाज्या, और चित्रकाव्य नामक इनके ग्रंथ अनुपलब्ध हैं ।

अयोध्याबिंदु (पद्य)—देव स्वामी कृत । लि० का० सं० १६३३ । वि० राम कथा ।

प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, बहोरिका पुरवा बाजपेयी, डा० सिसैया (बहराइच) । →२३-६३ ।

अयोध्याबिंदु (पद्य)—रामदेव कृत । वि० रामचरित ।

(क) प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या ।→०६-२४६ ।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१४५ ।

अयोध्या माहात्म्य (गद्य)—उमापति कृत । र० का० सं० १६२४ । लि० का० सं० १६२४ (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-३१ ।

अयोध्या माहात्म्य (पद्य)—खैरातीलाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, भुसौलामाफी, डा० लोटन (बस्ती) ।→ सं० ०४-५० ।

अयोध्या माहात्म्य (पद्य)—सहायराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० शिवकुमार उपाध्याय, द्वारा श्री इंद्रजीतसिंह वकील, बाह (आगरा) । →२६-३०१ ।

अरण्यकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत) ।

अरसअइनि बानी (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) ।→सं० ०४-३०६ क ।

अरसअरिल ककहरा (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३०६ ख ।

अरसअरिल बानी (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३०६ ग ।

अरसआशिक गदा (पद्य)—अहमकसाह कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—मुं० देवनरायण श्रीवास्तव, रामपुरटंडेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं० ०४–६।

अरसआशिक विनय (पद्य)—महाआनंदसाह कृत। वि० साँईं मत के अनुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं० ०४–२६० क, ख।

अरसनाम ककहरा (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं० ०४–३०६ घ।

अरसपिया पाती (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—मुं० केवलबहादुर श्रीवास्तव, उप० मलूक, पूरेविंधाप्रसाद दीवान, डा० तिलोई (रायबरेली)। →सं० ०४–३०६ ङ।

अरसभक्ति बोध (पद्य)—मोहन (साँईं) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९६३।
प्रा०—मुं० केवलबहादुर श्रीवास्तव, उप० मलूक, पूरेविंधाप्रसाद दीवान, डा० तिलोई (रायबोली)।→सं० ०४–३०६ छ।
(ख) प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०४–३०६ च।

अरिमिर्दनसिंह (राजा)—हरिदास कवि के आश्रयदाता। सं० १८११ के लगभग वर्तमान।
→०४–७२।

अरिल्ल (पद्य)—चंदजू (गोसाँईं) कृत। वि० कृष्ण और गोपियों का प्रेम।
(क) लि० का० सं० १७८६।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१६।
(ख) लि० का० सं० १८१८।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१०६।

अरिल्ल (पद्य)—पहलवानदास कृत। र० का० सं० १८७० (लगभग)। लि० का० सं० १६८०। वि० ज्ञान, भक्ति आदि।
प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।
→२६–३४० ए।

अरिल्ल (पद्य)—वाजिंद कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→२६–३२७ ए।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१३१ क।

अरिल्ल भक्तमाल (पद्य)—ब्रजजीवनदास कृत। वि० भक्त माहात्म्य।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।
→०६–३४ बी।

अरिल्लाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-१२१ (ग्यारह)।

अरिल्लें (पद्य)—अन्य नाम 'रसनिधि की अरिल्ल और माँझ'। पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० कृष्ण का रूप माधुर्य।
(क) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—गो० गोविंददास, दतिया।→०५-७३।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ एल।

अरिल्लें (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि० सदाचार।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०६ बी (विवरण अप्राप्त)।

अरुणमणि—गोवर्द्धनदास के पुत्र। देवीदास के भाई। सं० १७५८ के पूर्व वर्तमान।
चाणक्य राजनीति (गद्यपद्य)→२३-२१।

अरुभद्र—जहाँगीर के समकालीन। सं० १६७८ में वर्तमान।
कोकसामुद्रिक (पद्य)→२६-१७।

अर्कप्रकाश (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रावण (?) कृत संस्कृत 'अर्कप्रकाश' (वैद्यक) का अनुवाद।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-१०४। (प्रस्तुत पुस्तक की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है।)

अर्जनक्षमा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० विनय।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ जी।

अर्जपत्रिका (पद्य)—बनादास कृत। र० का सं० १९०८। वि० भक्ति विषयक संस्कृत ग्रंथ 'हरिमंजरी' का अनुवाद।
प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०-११ ए।

अर्जुन—नरवर (ग्वालियर राज्य) के राजा माधवसिंह के आश्रित। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।
भर्तृहरिसार (पद्य)→०६-१३१।

अर्जुन—उप० ललित।
अर्जुन के कवित्त (पद्य)→०६-६।

अर्जुन के कवित्त (पद्य)—अर्जुन (ललित) कृत। वि० महाभारत के योद्धाओं का पराक्रम वर्णन।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-६।

अर्जुनगीता (पद्य)—आनंद कृत। र० का० सं० १८३५ के लगभग। वि० संस्कृत ग्रंथ 'अर्जुनगीता' का अनुवाद।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१४।

अर्जुनगीता (पद्य)—अन्य नाम 'गीताज्ञान' और 'रामरतन गीता'। कुशलसिंह कृत। वि० भगवद्गीतांतर्गत कृष्णार्जुन संवाद।

(क) लि० का० सं० १८२२ ।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३४७ बी ।
(ख) लि० का० सं० १८३७ ।
प्रा०—पं० गयाप्रसाद तिवारी, दोस्तपुर (सुलतानपुर) ।→२३–३४७ ए ।
(ग) लि० का० सं० १८८७ ।
प्रा० - ठा० जयबख्शसिंह, मिठौरा, डा० केसरगंज (बहराइच) ।→२३–२३१ ।
(घ) लि० का० सं० १८९६ ।
प्रा०—ठा० चंद्रभानसिंह, रतसड़ (बलिया) ।→४१–३० ख ।
(ङ) लि० का० सं० १८९९ ।
प्रा०—श्री महाबली जी, तिलैंड़ा, डा० बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–३८ क ।
(च) लि० का० सं० १९२२ ।
प्रा०—श्री गयादीनसिंह, नौहर, हुसेनपुर, डा० रखहा (प्रतापगढ़) ।
→२६–२५४ ए ।
(छ) लि० का० सं० १९४१ ।
प्रा०—पं० भानुदत्त, सुनई, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→२०–५७ ।
(ज) प्रा०—श्री राघवराम अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६–२५४ बी ।
(झ) प्रा०—पं० राजाराम, पंडित का पुरवा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।
→४१–३० क ।
(ञ) प्रा०—श्री शिवदासराय, लिलकर, डा० सिकंदरपुर (बलिया) ।
→४१–४८१ (अप्र०) ।
(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२० ।
टि० खो० वि० २०–५७ पर गुरुप्रसाद को और २३–३४७ पर रामरतन को भूल से रचयिता मान लिया गया है ।

अर्जुनगीता (पद्य)—रामप्रसाद कृत । र० का० सं० १९१२ । लि० का० सं० १९१३ । वि० कृष्णार्जुन संवाद ।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह एम० ए०, सिविलजज, सुलतानपुर ।→सं० ०१–३५० ।

अर्जुनगीता (पद्य)—सूरदास कृत । लि० का० सं० १९३९ । वि० विविध शापों के कारण तथा भक्ति विषयक उपदेश ।
प्रा०—श्री व्रजभूषणसिंह, झुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–४७२ ।

अर्जुनगीता→'भगवद्गीता' (जनभुवाल कृत) ।

अर्जुनदास—भगवानदास निरंजनी के गुरु । क्षेत्रवास निवासी । सं० १७२२ के पूर्व वर्तमान । →०६–१३६ ।

अर्जुनदेव (गुरु)—ये सिख परंपरा में पाँचवे गुरु थे । पिता श्री रामदास के बाद गुरु

पद पर आसीन हुए। 'गुरुग्रंथसाहब' के संग्रहकर्ता। सं० १६३८–१६६३ तक वर्तमान। →२६–१६।

अर्जुन विलास (पद्य)—मदनगोपाल कृत। र० का० सं० १८७६। वि० व्याकरण, नीति, न्याय, ज्योतिष, काव्य और वैद्यक आदि।

(क) लि० का० सन् १२७० फसली।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–२७८।

(ख) लि० का० सं० १९२१।

प्रा०—प्रसेंडीनरेश का पुस्तकालय, परसेंडी (सीतापुर)।→२३–२५०।

अर्जुनसिंह—संभवतः वाराणसी (बनारस) निवासी। किसी नारायण नामक गुरु के शिष्य।

कृष्ण रहस्य (पद्य)→०६–१०।

अर्जुनसिंह (राजा)—लक्ष्मणसिंह प्रधान के आश्रयदाता। सं० १८६० में वर्तमान। संभवतः मदनगोपाल के आश्रयदाता भी यही थे।→०६–६६; २३–२५०।

अर्द्धकथानक (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। र० का० सं० १६९८। लि० का० सं० १८००। वि० आत्मचरित।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–८४ क।

अर्थपंचक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १९३७। वि० राम महिमा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२०६ क।

अर्थपंचक विवेक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विशिष्टाद्वैत के अनुसार ईश्वर, जीव तथा प्रकृति निरूपण।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग।→४१–३३०।

अर्बुद विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। लि० का० सं० १९१४। वि० वैद्यक।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–२८ ई।

अलंकार (पद्य)—गुविंद कृत। वि० अलंकार विवेचन।

प्रा०—नगरपालिका संग्राहलय, इलाहाबाद।→४१–५४ क।

अलंकार (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १८४०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२–१९७ बी।

(ख) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६८ क।

अलंकार→'काव्यनिर्णय' (भिखारीदास 'दास' कृत)।

अलंकार ग्रंथ (पद्य)—अन्य नाम 'चित्रचंद्रिका (?)'। ईश्वर (कवि) कृत।

र० का० सं० १६१७। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० चंद्रभाल ओझा, प्रधानाध्यापक, ब्राह्मण हाईस्कूल, गोरखपुर।→ सं० ०१–२४।

(ख)→पं० २२–११७ ए।

अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)—सुखदान (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—गो० गोपीकृष्ण, बिहारीजी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→ ४१–२६०।

अलंकार आभा (पद्य)—चतुर्भुज (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६७७।

प्रा०—पं० मदनमोहनलाल आयुर्वेदाचार्य, भरतपुर।→३८–२७।

(ख) प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–३६।

अलंकार आशय (गद्यपद्य)—उत्तमचंद (भंडारी) कृत। वि० अलंकार, ध्वनि आदि।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–१८।

अलंकार कलानिधि (पद्य)—श्रीकृष्ण भट्ट (कलानिधि) कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री वंशीधरलाल, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२–१७६ ए।

अलंकार चंद्रोदय (पद्य)—रसिकसुमति कृत। र० का० सं० १७८५। लि० का० सं० १६६१। वि० अलंकार।

प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६–२६५।

अलंकार चिंतामणि (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० अलंकार।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद, चरखारी।→०६–६१ ई। (कवि की स्वहस्त-लिखित प्रति)

अलंकार दर्पण (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शनभवन, सूरजकुंड, प्रयाग।→ ४१–४६० (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदार, कटरा, सीतापुर।→१२–६८।

अलंकार दर्पण (पद्य)—देवीदत्त (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६१०। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री छोटेलाल मिश्र, हंसराजपुर, डा० होलागढ़ (इलाहाबाद)।→ सं० ०१–१६३ ख।

अलंकार दर्पण (पद्य)—रतन (कवि) कृत। र० का० सं० १८२७। लि० का० सं० १९०१। वि० अलंकार।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़।→०६–१०३।

अलंकार दर्पण (पद्य)—विश्वनाथ कृत। र० का० सं० १८७२। वि० अलंकार।

प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर)।→१२–१९५ बी।

अलंकार दर्पण (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १८६८। लि० का० सं० १९५४। वि० अलंकार।

प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी।→०६–४६ सी।

अलंकार दर्पण (पद्य)—हरिनाथ कृत। र० का० सं० १८२७। लि० का० सं० १९१४। वि० अलंकार।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१७० (विवरण अप्राप्त)।

अलंकार दीपक (गद्यपद्य)—दिलेराम कृत। र० का० सं० १८४५। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१–२०४।

अलंकार दीपक (पद्य)—शंभुनाथ (मिश्र) कृत। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–२७।

(ख) लि० का० सं० १९०४।

प्रा०—पं० शिवाधार पांडेय, प्राध्यापक, म्योर कालेज, इलाहाबाद। →१७–१६७।

(ग) लि० का० सं० १९५८।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०६–२३३ (विवरण अप्राप्त)।

अलंकारनिधि (पद्य)—जुगलकिशोरी (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८०५। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज, बलरामपुर (गोंडा)।→०६–१४२।

अलंकार पंचाशिका (पद्य)—मतिराम कृत। र० का० सं० १७४७। वि० अलंकार। →पं० २२–६४ ए।

अलंकार प्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री मगन उपाध्याय भट्ट, मथुरा।→१७–७८ ए।

अलंकार प्रदीप (पद्य)—भोगीलाल कृत । बि० अलंकार ।
प्रा०—पं० मातादीन द्विवेदी, कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२३–५६ ।

अलंकारबोध संग्रह (गद्य)—दौलतराम कृत । वि० अलंकार ।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–३५ ए ।

अलंकार भ्रम भंजन (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६२२ ।
प्रा०—श्री रावणलाल हरिचंद चौधरी, कोसी (मथुरा) ।→१७–६५ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६२२ ।
प्रा०—श्री रामनिवास पोद्दार, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२–७३ ए ।
(ग) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५–१२ ।

अलंकार भ्रम भंजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अलंकार ।
प्रा०—महाराज श्री महेंद्रमानसिंह, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा) । →२६–३३३ ।

अलंकार मणि मंजरी (पद्य)—ऋषिनाथ (ब्रह्मभट्ट) कृत । र० का० सं० १८३० । वि० अलंकर ।
(क) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—पं० राजीवलोचन वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१६६ ।
(ख) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—राय अंबिकानाथसिंह, नायन रियासत, डा० सूची (रायबरेली) ।→ सं० ०४–२३ क, ख ।

अलंकार महोदधि (पद्य)—कालीप्रसादसिंह (भैया) कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० अलंकार ।
प्रा० –भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा ।→२३–२०२ ।

अलंकारमाला (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७६६ । लि० का० सं० १८०५ । वि० अलंकार ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१०४ ।
(इसी पुस्तकालय में सं० १८१६ की एक प्रति और है ।)

अलंकार मुक्तावली (गद्यपद्य)—धीरसिंह (महाराज) कृत । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १८५२ ।
प्रा०—राजा भगवानबख्श, अमेठी (सुलतानपुर) । →२३–१०२ ।
(ख) लि० का० सं० १८५२ ।
प्रा०—ददन सदन, अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–१७४ ।

(ग) लि० का० सं० १६०८ ।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर । →०५–३५ ।

अलंकार रत्नाकर (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'भाषाभूषण' । दलपतिराम (राय) कृत ।
र० का० सं० १७६१–६८ । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३–८२ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर) ।→१२–१८ ।
(ग) लि० का० सं० १६३४ ।
प्रा०—मुं० व्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़ । →२६–८६ बी ।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१३ ।
(ङ) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→१२–४५ ।
(च) प्रा०—महाराजा श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–८६ ए ।
(छ) →२३–८२ बी ।

अलंकार रत्नावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सोदाहरण अलंकार वर्णन ।
प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०–१५० ।

अलंकार वर्णन (पद्य)—भूप (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० शंकरदेव, सेई, डा० छाता (मथुरा) ।→३८–१४ ।

अलंकार वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३३१ ।

अलंकार शिरोमणि →'टिकैतराय प्रकाश' (बेनी कवि कृत) ।

अलंकार शृंगार (टीका सहित) (गद्यपद्य)—शिवदास कृत । लि० का० सं० १६४२ ।
वि० अलंकार ।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।
→सं० ०४–३८२ ।

अलंकारसाठि दर्पण (पद्य)— जगतसिंह कृत । र० का० सं० १८६४ । लि० का० सं० १८६४ । वि० अलंकार ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रप्रसादसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१७६ ए ।

अलंकारादर्श (पद्य)—विश्वनाथ कृत । र० का० सं० १८७२ । लि० का० सं० १६२४ ।
वि० अलंकार ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर) । →१२–१६५ ए ।

अलंकृतमाला (पद्य)—शंकरदयाल कृत । वि० अलंकार ।
प्रा०—पं० परमेश्वरदत्त, दरियाबाद (बाराबंकी) ।→०६–२८० ।

अलकनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ह।

अलखप्रकाश→'दोहावली' (बाबा मंगलदास) कृत।

अलखबानी (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१६४ डी (विवरण अप्राप्त)।

अलफ खाँ—जान कवि (न्यामत खाँ) के पिता।→सं० ०१–१२६।

अलफनामा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ।→सं० ०७–११ घ।

अलबेलीअलि (?)—संभवतः जयपुर के पास तरछटी गाँव के निवासी गौड़ ब्राह्मण। अनंतर वृंदावन में रहने लगे। जन्म सं० अनुमानतः १८१०। गो० वंशीअलि के शिष्य। संस्कृत एवं गान विद्या में निपुण।

अलबेलीअलि ग्रंथावली (पद्य)→३५–२ ए।

गुसाईंजी कौ मंगल (पद्य)→३५–२ बी।

विनय कुंडलिया (पद्य)→३५–२ सी।

अलबेलीअलि ग्रंथावली (पद्य)—अलबेलीअलि कृत। वि० राधा जी की लीला।

प्रा०—श्री राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३५–२ ए।

अलबेलेलालजी के छप्पय (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८४५। वि० श्रीकृष्ण के शृंगार का वर्णन।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२–१६७ ए।

अलबेलेलालजी को नखसिख→'नखशिख' (सेवादास कृत)।

अलाबख्श—फाजिलशाह के भाई। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।→०५–५६।

अलिफनामा (पद्य)—इमामुद्दीन (शाह) कृत। वि० ईश्वर महिमा, गुरु महिमा और भक्ति।

प्रा०—श्री चेतनशाह, औलियापुरा, डा० सफदरगंज (बाराबंकी)।→२३–१७२।

अलिफनामा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ डी, ई।

अलिफनामा (पद्य)—दरिया साहब कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० ईश्वर महिमा।

प्रा०—श्री मुन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→२६–८८।

अलिफनामा (पद्य)—रामसहाई कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४–३४१।

अलिफनामा→'वजहननामा' (वजहनशाह) कृत।

अलिफनामा (भाषा) (पद्य)—आनंदगिरि कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० उपदेश। (ककहरे के ढंग पर फारसी वर्णमाला के अनुसार)।→पं० २२–६।

अलिरसिकगोविंद→'रसिकगोविंद' ('युगलरसमाधुरी' के रचयिता)।

अलिसियारसिक→'रामरत्न' ('सियालाल समय रसवर्द्धिनी कवित्तदाम' के रचयिता)।

अलीबहादुर खाँ—नवाब़ जुलफिकारखाँ के पिता। बुंदेलखंड के शासक। सं० १६०३ के पूर्व वर्तमान।→०४–२०।

अलीमुहिब्ब खाँ—उप० प्रीतम। आगरा निवासी। सुप्रसिद्ध कवि सूरति मिश्र के शिष्य। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।

खटमल बाईसी (पद्य)→०३–७०।

रसधमार (पद्य)→सं० ०१–१०।

अलीरँगीली—(?)

रासपंचाध्यायी (पद्य)→सं० ०१–११।

अवगत उल्लास (पद्य)—अन्य नाम 'आत्मप्रकाश' और 'सर्वसार संग्रह'। दयालनेमि कृत। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१–६७।

अवतार गीता (पद्य)—अन्य नाम 'अवतार चरित्र' और 'विजैअवतार गीता'। नरहरिदास (बारहट) कृत। र० का० सं० १७३३। वि० अवतारों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१८० क।

(ख) लि० का० सं० १८१२।

प्रा०—श्री रामचंद्र टंडन, एम० ए०, एल० एल० बी०, १०, साउथरोड, इलाहाबाद।→सं० ०१–१८० ख।

(ग) लि० का० सं० १८३३।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८८।

(घ) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर)।→०६–२१०।

अवतार गीता (पद्य)—माधवदास कृत। वि० अवतारों की कथाएँ तथा ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कटेला चिलबलिया (बहराइच)।→२३–२५४।

(ख) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—पं० गणेशीलाल उपाध्याय, नगीना (बिजनौर)।→१२–१०४ ए।

अवतार चरित्र (पद्य)—शिव कृत। वि० भगवान के चौबीस अवतारों का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–३८१।

अवतार चरित्र→'अवतार गीता' (नरहरिदास बारहट कृत)।

अवतार चेतावनी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० विभिन्न अवतारों का वर्णन।
प्रा०—बिजावर नरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–१०० जे।

अवतारमालिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अवतारों की कथाएँ।
प्रा०—श्री तुलसीदासजी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग।→४१–३३२।

अवधप्रसाद—कायस्थ। टीकमगढ़ निवासी। मानिकलाल के पुत्र और प्रयागीलाल के बड़े भाई।→०५–५१।

अवधप्रसाद (बाबा)—सोमवंशी क्षत्रिय। महात्मा दूलनदास (सतनामी) के वंशज। तदीपुर (रायबरेली) में सं० १८८० के लगभग जन्म। पुरइन ग्राम (बस्ती) के निवासी। सं० १९६६ में ६७ वर्ष की अवस्था में देहावसान।
जगजीवन अष्टक (पद्य)→३५–५ ए।
रत्नावली (पद्य)→३५–५ बी।
विनय शतक (पद्य)→३५–५ सी; सं० ०४–७।

अवधबिहारीलाल—कायस्थ। दिखौली (सुलतानपुर) निवासी। प्रतापगढ़ राजकीय विद्यालय के अध्यापक। सं० १९३७ के लगभग वर्तमान।
आल्हखंड (पद्य)→२६–१९ ए, बी।
नामरहित ग्रंथ (पद्य)→२६–१९ डी, ई।
बारहमासा (पद्य)→२६–१९ सी।

अवध विलास (पद्य)—लालदास कृत। र० का० सं० १७३२। वि० रामकथा—जन्म से वनवास तक।
(क) लि० का० सं० १८५१।
प्रा०—बाबू गंगाबख्शसिंह, सिसैया (बहराइच)।→२३–२३९ ए।
(ख) लि० का० सं० १९०५।
प्रा०—श्रीमती महंतिन लक्ष्मणदासी, कुटी बाबा झामदास, डा० जगेश्वरगंज (सुलतानपुर)।→२३–२३९ बी।
(ग) लि० का० सं० १९०७।
प्रा०—निंबार्क पुस्तकालय, माधवदास का मंदिर, नानपारा (बहराइच)।→२३–२३९ सी।
(घ) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—मुंशी अशरफीलाल, पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर नरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०९–१६९।
(ङ) लि० का० सं० १९३४।
प्रा०—श्री रामदुलारे मिश्र, गनेशपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–२६२ ए।
(च) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–३२।
(छ) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट),

छतरपुर ।→०६–१६० सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ज) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१०७ ।

अवधशिकार (पद्य)—अन्य नाम 'सुंदरशिकार' और 'रघुनाथसवारी' । अयोध्याप्रसाद (बाजपेयी) कृत । र० का० सं० १६०० । वि० श्रीरामचंद्र का शिकार और सवारी वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—लाला सुक्खीलाल रामप्रसाद, कसेराबाजार, नवाबगंज (बाराबंकी) । →२०–३४ ई ।

(ख) लि० का० सं० १६५८ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुंजौली, डा० बौड़ी (बहाराइच) ।→२३–२४ ए ।

(ग) प्रा०—श्री रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६–२१ ।

अवधि सागर (पद्य)—जानकीरसिकशरण कृत । र० का० सं० १७६० । वि० सीताराम की आठों पहर की लीलाएँ ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–८५ ।

(ख) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०–६७ ।

अवधू—जैन सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान ।

बारहअनुप्रेक्षा भावना (पद्य)→१७–१० ।

अवधू की बाराखड़ी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।→३५–४६ ए ।

अवधूत गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० योग और ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँड़िया (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४६७ ।

अवधूत गीता (भाषा टीका) (पद्य)—संज्यानाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० अवधूत गीता का अनुवाद ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१–४३३ ।

अवधूत भूषण (पद्य)—देवकीनंदन कृत । र० का० सं० १८५६ । वि० अलंकार और पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—पं० मन्नू मिश्र, निलगवाँ, डा० नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३–६० ए ।

(ख) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→०६–६५ बी ।

अवधूतसिंह—तिकमाँ निवासी । शाक्त । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।

मांसदशक (पद्य)→१७-११ बी।

सदाशिव पंजर (पद्य)→१७-११ सी।

सुरापच्चीसी (पद्य)→१७-११ डी।

हुक्का सुराहिया (पद्य)→१७-११ ए।

अवधेश—(?)।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-८।

अवपद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७४। वि० शकुन विचार।
प्रा०—पं० राजकुमार, चिलबिला रणजीतपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।
→२६-२ (परि० ३)।

अवलिपदतनाँमा (पद्य)—खेमदास कृत। लि० का० सं० १७६७। वि० बीबी राबिया और एक दरवेश के प्रश्नोत्तर रूप में ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२७ क।

अवलियाखान—बहमन के गुरु। सन् ११२१ हिजरी के लगभग वर्तमान।→सं० ०४-२३४।

अवलिसिलूक (ग्रंथ) (गद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ क।

अशरफ जहाँगीर—मलिकमुहम्मद जायसी के गुरु।→००-५४।

अशरफ जहाँगीर (सैयद)—कड़ा (इलाहाबाद) निवासी। बारण कवि के गुरु।→→०४-७६।

अशौचविचार भाषा तथा मुंडन नखच्छेद निर्णय (गद्य)—वत्सा (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० धर्मशास्त्रानुसार सूतक, मुंडन और नखच्छेद का निर्णय।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३८३।

अश्वचिकित्सा (पद्य)—गिरिधारीलाल कृत। र० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६२७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—मास्टर रामप्रसाद, कोटला (आगरा)।→२६-११६।

अश्वचिकित्सा→'शालिहोत्र' (दयानिधि कृत)।

अश्वमेध (भारत) (पद्य)—वीरभान (चौहान) कृत। वि० जैमुनिपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री लालबहादुरसिंह, शिवपुर, डा० जफराबाद (जौनपुर)।
→सं० ०१-३६५।

अश्वमेध (भाषा) (पद्य)—टहकन कृत। र० का० सं० १७२६। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२-११० ए, बी।

अश्वमेध चपेटिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६३४। वि० अश्वमेध यज्ञ।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, हरदोई।→२६-५ (परि० ३)।

अश्वमेध जैमनीय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाभारतांतर्गत राजा युधिष्ठिर के यज्ञ का वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–३३३ ।

अश्वमेध पर्व (पद्य)—घनश्यामदास कृत । र० का० सं० १८९५ । लि० का० सं० १९१४ । वि० महाभारत के अश्वमेध पर्व का अनुवाद ।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→०६–३६ ए ।

अश्वविनोद→'शालिहोत्र' (ताराचंद या चेतनचंद कृत) ।

अष्टक (पद्य)—गुलाबलाल (गोस्वामी) कृत । वि० गोस्वामी हित हरिवंश जी की स्तुति ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६७ ।

अष्टक (पद्य)—जमुनादास कृत । लि० का० सं० १९६८ । वि० राधाकृष्ण की प्रेम क्रीड़ाएँ ।

प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →३८–६९ ।

अष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'हिताष्टक' । नागरीदास कृत । वि० हित हरिवंश जी की प्रशंसा ।

प्रा०—गो० युगलवल्लभ राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–११९ ए ।

अष्टक (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० सेवक जी की गो० हित हरिवंश जी के प्रति भक्ति ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–१३७ बी ।

अष्टक (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । लि० का० सं० १९५३ । वि० कृष्ण की भक्तवत्सलता ।

प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी ।→०६–१०० के ।

(एक अन्य प्रति बिजावरनरेश के पुस्तकालय में है) ।

अष्टक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० गो० हितहरिवंश जी की वंदना ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५४ टी ।

अष्टक (पद्य)—रसिकमुकुंद कृत । वि० राधावल्लभ की वंदना ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →१२–१५६ ।

अष्टक (पद्य)—श्रीकृष्णदास कृत । लि० का० सं० १९६८ । वि० राधाजी की भक्ति ।

प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →३८–८३ ।

अष्टक (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१९३ क ।

अष्टक (पद्य)—हरिवंशअली कृत । वि० राधाकृष्ण श्रृंगार एवं वंदना ।

प्रा०—पं० हृदयराम, अगरवाला, डा० छाता (मथुरा) ।→३८–६३ ।

अष्टकर्मदहन विधान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५६। वि० कर्मों के विधान।

प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा।→१७–७ (परि० ३)।

अष्टक संग्रह (पद्य)—अनेक कवियों के संस्कृत और हिंदी अष्टकों का संग्रह। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद। →४१–४३६ (अप्र०)।

अष्टकाल (गद्यपद्य)—रासमंजरी कृत (टीका)। वि० राधाकृष्ण की आठों पहर की क्रीड़ाएँ। (गो० रूपसनातन के संस्कृत ग्रंथ 'अष्टकाल' का अनुवाद)।

प्रा०—पं० दीपचंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→४१–२३२।

अष्टकाल की लीला (पद्य)—दत्तसखि कृत। र० का० सं० १८३६। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—श्री दौलतराम पांडेय, सहिजादपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१–१४७।

अष्टकाल समय ज्ञान विधि (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० राधाकृष्ण विषयक शृंगार।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–९९ बी।

अष्टछाप—स्वा० वल्लभाचार्य जी के उपरांत उनके पुत्र स्वा० विट्ठलनाथ जी ने अष्टछाप के नाम से कृष्ण भक्ति के आठ कवियों की प्रतिष्ठा की—१–सूरदास, २–कुंभनदास, ३–परमानंददास, ४–कृष्णदास, ५–छीतस्वामी, ६–गोविंदस्वामी, ७–चतुर्भुजदास, ८–नंददास। ये सभी कृष्ण भक्ति के सरस और सुंदर कवि थे तथा १६ वीं शताब्दी में वर्तमान थे।

अष्टछाप के कवियों की वार्ता (पद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० अष्टछाप की कवियों का जीवनवृत्त।

प्रा०—डा० दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–७६।

टि० प्रस्तुत पुस्तक रचयिता कृत चौरासी वैष्णवों की वार्ता के अंतर्गत है।

अष्टछाप संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य) कृत। वि० हिंडोरा, बारहमासी, जन्माष्टमी आदि।

प्रा०—पं० देवकीनंदन, चंद्रसरोवर, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–११६।

अष्टजाम प्रकाश→'अष्टयाम प्रकाश' (गोकुल कायस्थ कृत)।

अष्टजाम सेवाप्रकरण (पद्य)—जयदयाल कृत। लि० का० सं० १८७३। वि० राधा कृष्ण की सेवाविधि।

प्रा०—पं० झिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती)।→सं० ०४–११६।

अष्टदृष्टि भेद (पद्य)—अखंडानंद कृत। वि० दर्शनशास्त्र विषयक आठ प्रकार की दृष्टियों का वर्णन।

प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–५ ए।
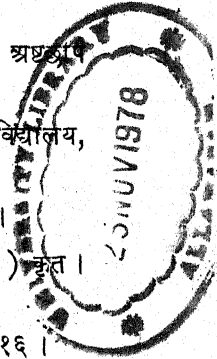
अष्टदेश (भाषा) (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत। वि० राधाकृष्ण श्रृंगार वर्णन (आठ भाषाओं में)।

प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर।→ ६–१२२ बी (विवरण अप्राप्त)।

अष्टपदी जोग (ग्रंथ) (पद्य ?)—हरिदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १५२० से सं० १५४० के बीच में। वि० वेदांत।→पं० २२–३७ ए।

अष्टपदी रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–४६ डी।

अष्टपदी बनयात्रा (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १९३७। वि० ब्रज वर्णन।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, सरैयाँ भवानीतेरी, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। →२६–४७१ ए।

अष्टपाहुड़ ग्रंथन की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १८६७। वि० अष्टपाहुड़ (दर्शन, सूत्र, चारित्र, बोध, भाव, मोक्ष, लिंग और शील) का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८९८।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ क।

(ख) लि० का० सं० १९३७।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ ख।

(ग) लि० का० सं० १९५६।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ ग।

(घ) लि० का० सं० १९७२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ घ।

अष्टमुदरा (?)—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। →०२–६१ (सात)।

अष्टयाम (पद्य)—अग्रअली कृत। लि० का० सं० १९३२। वि० राम जानकी की आठ पहर की दिनचर्या।

प्रा०—श्री मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)। →०६–२।

अष्टयाम (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० सं० १८७८। वि० चरखारी के राजा विक्रमसाहि की दिनचर्या।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–७० जे।

अष्टयाम (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० सीताराम की आठ पहर की दिनचर्या।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–८३ ए।

अष्टयाम (गद्य)—जीवाराम महंत (युगलप्रिया) कृत। वि० श्री सीताराम की अष्टयाम लीला।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–९० बी।

अष्टयाम (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि० राधाकृष्ण की आठ पहर की दिनचर्या ।
(क) लि० का० सं० १८४४ ।
प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ ।→००–५३ ।
(ख) लि० का० सं० १८७७ ।
प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या ।→२०–३६ बी ।
(ग) लि० का० सं० १८७७ ।
प्रा० – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–८६ ए ।
(घ) लि० का० सं० १८८३ ।
प्रा०—पं० रेवतीराम शर्मा, कन्हवा कोटकी, डा० जारखी (आगरा) । →२६–८० डी ।
(ङ) लि० का० सं० १८८४ ।
प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, बाह, डा० बाह (आगरा) ।→२६–८० ए ।
(च) लि० का० सं० १८८५ ।
प्रा०—ठा० चंद्रिकाबख्शसिंह, बड़ागाँव, डा० काकोरी (लखनऊ) ।→२६–८० सी
(छ) लि० का० सं० १६१३ ।
प्रा०—पं० रामाधीन मिश्र, नौआबाद, डा० बासूपुर (प्रतापगढ़) ।→२६–६५ ए ।
(ज) लि० का० सं० १६४२ ।
प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–८६ बी ।
(झ) प्रा०—पं० रामदेव ब्रह्मभट्ट, नुनरालाम्हा, डा० बनी (सुलतानपुर) । →२३–८६ सी ।
(ञ) प्रा०—श्री बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३–८६ डी ।
(ट) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर । →२३–८६ ई ।
(ठ) प्रा०—बाबू अंबिकाप्रसाद बजाज, गणेशगंज, लखनऊ ।→२३–८६ एफ ।
(ड) प्रा०—श्री रामाज्ञा शर्मा, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) । →२६–८० बी ।

अष्टयाम (पद्य)—नाभादास (नारायणदास) कृत । वि० रामचंद्रादि चारों भाइयों की आठ पहर की दिनचर्या ।
(क) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—लाला रामाधीन वैद्य, बाराबंकी ।→२३–२८६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६०७ ।
प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–१११ ।

अष्टयाम (पद्य)—रसमंजरी (नारायणदास) कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० श्री रामचंद्र की आठ पहर की दिनचर्या ।
प्रा०—पं० गुलजारीलाल मिश्र, शाहाबाद (हरदोई) ।→१२–१५२ ।

अष्टयाम (पद्य)—रामगोपाल कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० श्री सीताराम की आठ पहर की लीला।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७–१४६।

अष्टयाम (पद्य)—रूपमंजरी कृत। वि० राधाकृष्ण की आठ पहर की लीला।
प्रा०—गो० रणछोड़लाल, मुजफ्फरगंज, मिरजापुर। →०६–२६६।

अष्टयाम (पद्य)—शीलमणि कृत। वि० सीता राम और लक्ष्मण आदि की दिनचर्या।
प्रा०—महंत लक्ष्मणशरणदास, कामदकुंज, अयोध्या। →२०–१७७।

अष्टयाम (पद्य)—हरिआचार्य कृत। लि० का० सं० १९०३। वि० सीताराम की दिनचर्या।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–२६२ (विवरण अप्राप्त)।

अष्टयाम (आह्निक) (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १८९४। वि० राम और सीता की दिनचर्या।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–२७६ ई (विवरण अप्राप्त)।

अष्टयाम का आह्निक (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८८७। वि० सीताराम की दिनचर्या।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ। →००–४३।

अष्टयाम प्रकाश (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १९१९। वि० बलरामपुर के राजा दिग्विजयसिंह की दिनचर्या आदि विविध विषय।
(क) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, रईस तालुकेदार, सीतापुर। →२६–१४३ ए।
(ख) लि० का० सं० १९२१।
प्रा०—श्री रामसिंह, मकरंदा, डा० बेहड़ा (बहराइच)। →२३–१२९।

अष्टयाम समय प्रबंध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८३०। वि० श्री राधाकृष्ण की सेवा विषयक कृत्यों के आठ पहरों का वर्णन।
प्रा०—पं० भगवतप्रसाद ज्योतिषरत्न, राधाकुंड, मथुरा। →३८–१६४ बी।

अष्टयाम सेवा विधि (पद्य)—अन्य नाम 'हृदयमानसी पूजा'। रामचरणदास कृत। वि० श्री रामचंद्र की सेवा करने की विधि।
(क) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—श्री बब्बनप्रसाद दूबे, बेलवाना, डा० बड़ेरी (जौनपुर)। → सं० ०४–३२७ ज।
(ख) लि० का० सं० १८६१।
प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा, फतेहपुर। →२०–१४५ जी।
(ग) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)। →०६–२४५ एफ।

(घ) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—पं० विष्णुदत्त (पुत्ती महाराज), मौली, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६–३७८ ए।

(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–३७८ बी।

अष्टसखागण→'अष्टछाप'।

अष्टांगजोग (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० अष्टांग योग का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, फरौली (एटा)।→०६–६५ सी।

(ख) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५–१७।

(ग) प्रा०—पं० रामप्रसाद पुजारी, रामेश्वर का मंदिर, बुलंदशहर।→ १२–३६ बी।

(घ) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–४५।

अष्टांगजोगरतन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सन् १२३६ (?) के लगभग। वि० अष्टांग योग।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१५१।

अष्टांगजोग साधन विधि→'गोरखशत' (गोरखनाथ कृत)।

अष्टांगयोग (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७४७। वि० कबीरपंथी मतानुसार अष्टांग योग का वर्णन।

प्रा०—काशी हिंदूविश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४६ सी।

अष्टांगयोग (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० योगाभ्यास।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–१६६ (विवरण अप्राप्त)।

अष्टाक्षरमंत्र की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी मंत्रों की व्याख्या।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ग, घ।

अष्टादश रहस्य (पद्य)—कृपाराम कृत। र० का० सं० १८०६। वि० अठारह प्रकार के साधु, गुरुमहिमा तथा वेदादि का गुणगान।

प्रा०—लाला रामाधीन वैद्य, नवाबगंज, बाराबंकी।→२३–२२६।

अष्टावक्र (पद्य)—मोहन (सहजसनेही) कृत। र० का० सं० १६६७। लि० का० सं० १७१४। वि० तत्वविचार, अद्वैत वेदांत, और मायावाद।

प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा)।→०३–४।

अष्टावक्र (भाषा) (पद्य ?)—अनेमानंद (स्वामी) कृत। वि० वेदांत। → पं० २२–८ बी।

अष्टावक्र (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अष्टावक्र वेदांत का अनुवाद।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–२१६।

अष्टावक्र (भाषा)→'वेदांत रहस्य' (रचयिता अज्ञात)।

अष्टावक्र गीता (पद्य)—अखंडानंद कृत। र० का० सं० १८६३। वि० राजा जनक और अष्टावक्र का संवाद। ('अष्टावक्र गीता' का अनुवाद)।
प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–५ बी।

अष्टावक्र वेदांत की भाषा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२०। वेदांत।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)।→२६–४ (परि० ३)।

अष्टावक्रोक्ति (भाषा) (पद्य)—सदासुख (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० वेदांत।→२०–१७०।

अष्टोत्तर वैष्णव धौल (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के पुष्टिमार्गी भक्तों के नाम।
प्रा०—श्री कीरतराम हलवाई, शमशाबाद (आगरा)।→३२–५६ डी।

असगरहुसेन—पूरा नाम हकीम शेखमुहम्मद असगरहुसेन। सं० १६३२ के लगभग वर्तमान।
यूनानीसार (गद्य)→२६–१८; २६–१८।

अस्कंधगिरि (कुँवर)—राजा हिम्मतबहादुर के शिष्य। गोसाँईं समाज के संचालक और आचार्य। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।
रसमोदक (पद्य)→०५–३२।

अस्फुट कवित्त (पद्य)—गोपाललाल कृत (संग्रह)। सं० का० सं० १६१२। वि० देव, गिरधर, प्रताप आदि अनेक कवियों द्वारा वर्णित यमुना, रामचंद्र आदि की स्तुतियाँ।→पं० २२–११६ ए।

अस्वपति रिषीसुर—(?)
शालिहोत्र (गद्य)→४१–६।

अहमकसाह—गुरु का नाम मोहनसाँईं। साँईं मत के अनुयायी।
अरसआशिक गदा (पद्य)→सं० ०४–६।

अहमद—(?)
अहमदी बारहमासी (पद्य)→३२–२।

अहमद→'ताहिर' ('अद्‌भुतविलास' आदि के रचयिता)।

अहमदी बारहमासी (पद्य)—अहमद कृत। वि० विरह मिलन वर्णन।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–२।

अहमदुल्ला—उप० दत्तण। भहरियाबाद निवासी। मुहम्मदशाह के समकालीन। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।

दत्तण विलास (पद्य)→१७–३।

अहरावन लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत। लि० का० सं० १६१०। वि० अहिरावण की कथा।

प्रा०—पं० मेदीराम, जोधपुर, डा० फरैह (मथुरा)।→३८–१५६ ए।

अह्लाददास—चंदेलवंशी क्षत्री। स्वा० जगजीवनदास के भतीजे। कोटवा (बाराबंकी) के निवासी। सं० १७२८ के लगभग वर्तमान।

ज्ञानचेटक (पद्य)→सं० ०१–१२।

बानी या शब्द (पद्य)→सं० ०४–१० क।

शब्द झूलना (पद्य)→३५–१; सं० ०४–१० ख।

अहलाददास—अयोध्या से पूर्व महुली राजयांतर्गत मताश्रम नगर के निवासी। संभवतः महुली के सूर्यवंशी राजा सर्कराज और उनके पुत्र राजा शमशेरबहादुरपाल के आश्रित। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।

सियाराम गुणानुवाद (पद्य)→सं० ०४–११।

अह्लाददास—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८८४ के लगभग वर्तमान।

तीरथ के पंडा (पद्य)→सं० ०४–११६।

अह्लाद साहब→'अह्लाददास' ('ज्ञानचेटक' आदि के रचयिता)।

अहिल्यापूर्व प्रसंग (पद्य)—नरहरिदास (बारहट कृत)। वि० गौतम की पत्नी अहिल्या की कथा।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–५०।

अहोरवा अष्टक (पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत। र०का०सं० १८८६ (लगभग)। लि० का० सं० १६४०। वि० अहोरवा देवी की स्तुति।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–२४ बी।

आंदोलरहस्य दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० रामजानकी लीला।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१३४ आई।

आकाशपंचमी की कथा (पद्य)—खुशालचंद कृत। र० का० सं० १७८५। लि० का० सं० १६५५। वि० जैनधर्म की एक कथा।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–२११ ए।

आचार्यजी की बधाई (पद्य)—विविध कवि (हरिजीवन, गोपालदास, आसकरन आदि) कृत। वि० वल्लभाचार्य जी का जन्मोत्सव।

प्रा०—भगत मनीराम वैश्य, आन्योर, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–१०६।

आचार्यजी की वंशावली (पद्य)—केशवकिशोर कृत। वि० श्रीवल्लभाचार्य जी की वंशावली।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५७।

आचार्यजी की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की वंशावली—जन्मतिथियों के साथ।

प्रा०—पं० केदारनाथ ज्योतिषी, मारूँगली, मथुरा।→३५–११०।

आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप→'महाप्रभु को स्वरूप' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता→'महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून की निजवार्ता तथा घरूवार्ता→'महाप्रभून की निज वार्ता तथा घरूवार्ता' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२१। वि० वल्लभ संप्रदाय के आचार्य महाप्रभुओं की वंशावली।

प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा।→१७–१ (परि० ३)।

आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता → 'महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता' (हरिराय कृत)।

आजम खाँ—आजमगढ़ के संस्थापक। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के आश्रित। हरिजू मिश्र और सभाचंद के आश्रयदाता। सं० १७८६ के लगभग वर्तमान। →०६–११२; ०६–२७०।

शृंगार दर्पण (पद्य)→०६–११।

आजमशाह—बादशाह औरंगजेब के पुत्र। नेवाज कवि के आश्रयदाता। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान।→०३–७५; १७–१२६।

आठप्रहर मूलचेत प्रसंग (भा० १–२) (पद्य)—जुगतानंद कृत। वि० आठ प्रहरों के कृत्यों का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं० ०१–१३२।

आठों सात्विक (पद्य)—सुखसखी कृत। लि० का० सं० १८५१। राधाकृष्ण के हावभाव।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–३०६ बी।

आतम—मारवाड़ निवासी। सं० १७८१ के पूर्व वर्तमान।→२३–२२।

हरिरस (पद्य)→०२–३६।

आतम (कवि)—गोड़वा ग्राम (हरदोई) के निवासी।

शिवविनय पचीसी (पद्य)→२३–२२।

आतम प्रश्नातम (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अध्यात्म ।
प्रा०—गुसाँई रामस्वरूपदास, कुटी सठयाँव, डा० जहानागंजरोड (आजमगढ़) । →सं० ०१–४६८ ।

आतमप्रबोध→'आत्मप्रबोध' (वेंकटेश स्वामी) कृत ।

आतमबोध—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।→०२–६१ (पंद्रह) ।

आतमबोध→'आत्मबोध' (हरिनाम कृत) ।

आत्मकर्म (पद्य)—पलटूदास कृत । वि० ज्ञान ।
(क) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—पं० जयमंगलप्रसाद वाजपेयी, रमुआपंथुआ (फतेहपुर) ।→२०–१२४ ए ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२०३ क ।

आत्मज्ञान (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६६ क ।

आत्मदर्शन (पद्य)—नाथूराम (जैन) कृत । लि० का० सं० १६८७ । वि० आत्मज्ञान ।
प्रा०—श्री ज्योतिप्रसाद जैन, यूनियन मेडिकल स्टोर, कैसरबाग, लखनऊ । →सं० ०७–१०० ।

आत्मप्रकाश (पद्य)—आत्माराम कृत । मु० का० सं० १६३५ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० जयरामसिंह, तिहिसा, डा० सेमरी महमूदपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०१–१३ ।

आत्मप्रकाश→'अवगतउल्लास' (दयालनेमि कृत) ।

आत्मप्रकाश→'आत्मविचार (प्रकाश)' (रघुवरदास कृत) ।

आत्मप्रबोध (गद्य)—वेंकटेश (स्वामी) कृत । वि० वेदांत ।
(क) लि० का० सं० १६५० ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–३४१ (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठा० रघुराजसिंह, मादुरभासोन, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़) । →२६–४६४ ।

आत्मबोध (पद्य)—बनादास कृत । वि० आत्मज्ञान और वैराग्य ।
प्रा०—पुजारी मोहनदास, भवहरणकुंज, अयोध्या ।→२०–११ बी ।

आत्मबोध (पद्य)—हरिनाम कृत । वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी, सभा, वाराणसी ।→४१–३२० ख ।

आत्मबोध टीका (गद्य)—परमानंद कृत । वि० आत्मज्ञान ।
प्रा०—श्री महानंद पांडे वैद्य, पंडित का पुरा (गढ़वा), डा० हँड़िया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–२०१ क ।

आत्मविचार→'माणकबोध' (माणक कृत) ।

आत्मविचार (प्रकाश) (पद्य)—रघुवरदास कृत । र० का० सं० १८०३ । लि० का० सं० १८८९ । वि० वेदांत ।
प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, विलारा, डा० बिसावर (मथुरा) ।→३५–७८ ।

आत्मविचार वैराग (गद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानबहोत्तरी' । अमृतलाल कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का सं० १६२६ । वि० जैनागम के अनुसार मोक्ष के साधन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५ ।

आत्मसंबंध दर्पण (गद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । लि० का० सं० १६३० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१३४ ई ।

आत्मानुशासन की भाषा वचनिका (गद्य)—सूमाज (जैन) कृत । लि० का० सं० १६६४ । वि० आत्मतत्व ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१३२ ।

आत्मानुशासन ग्रंथ की भाषा टीका (गद्य)—टोडरमल कृत । र० का० सं० १८१८ । वि० आत्मज्ञान ।
(क) लि० का० सं० १८२५ ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१३४ ।
(ख) लि० का० सं० १८८२ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→१०–४६ क ।
(ग) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ़ ।→२६–४८२ ।
(घ) लि० का० सं० १६१८ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–४६ ख ।
(ङ) लि० का० सं० १६५५ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→ सं० १०–४६ ग ।
(च) लि० का० सं० १६५७ ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–४६ घ ।

आत्माराम—जूनिया नगर के निवासी । इनकी गुरुपरंपरा इस प्रकार है—
दादू > गोरखप्रकाश > वेणीदास > गंगाराम > भगतराम > नारायणदास > दौलतिराम > आत्माराम ।
आत्मप्रकाश (पद्य)→सं० ०१–१३ ।

आत्माराम—उप० राम । उज्जैन निवासी । जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के आश्रित । सं० १७७१ के लगभग वर्तमान ।
जयसिंह प्रकाश (पद्य)→४१–७ ।

आत्माराम—भद्रकाशी (काँगड़ा, पंजाब) निवासी। गोविंदराम सौम के मित्र। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।

बिहारी सतसई की टीका (संस्कृत में)→पं० २२–६।

आत्माराम—स्वा० चरणदास के शिष्य। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।→०१–७०; २०–२६।

स्वातिग सुभलछिन (पद्य)→४१–८।

आत्माराम—संभवतः राजस्थानी।

परचुरण पद (पद्य)→सं० ०४–१२ क।

ब्रजलीला (पद्य)→सं० ०४–१२ ख।

आदित्य कथा (पद्य)—भानुकीर्ति कृत। र० का० सं० १६७८। वि० आदित्यवार कथा का विधान और फल।

प्रा०—पं० शिवकुमार उपाध्याय, बाह, डा० बाह (आगरा)।→२६–४१।

टि० खो० वि० में प्रस्तुत रचना को भूल से भाऊ कृत मान लिया गया है।

आदित्य कथा (बड़ी) (पद्य)—भाऊ (कवि) कृत। लि० का० सं० १७६५। वि० सूर्यनारायण के व्रत की कथा।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–११४।

टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से गौरी कृत मान लिया गया है।

आदित्यवार कथा (पद्य)—अगरवाल कृत। वि० जैनधर्म की एक कथा।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–३

आदिनाथ स्तवन (पद्य)—विजयतिलक (उपाध्याय ?) कृत। वि० जैनधर्म का स्तोत्र।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–६३।

आदिनाथ स्तोत्र→'भक्तामर स्तोत्र (भाषा)' (हेमराज जैन कृत)।

आदि पर्व→'महाभारत'।

आदिपुराण (पद्य)—जिनेंद्रभूषण कृत। र० का० सं० १८३२। लि० का० सं० १६११। वि० जैन आदिपुराण की कथा।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१६३ ए।

आदिपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन आदिपुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री दिगंबर जैनमंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→सं० ०४–४४६।

आदिपुराण की बालबोध भाषा वचनिका (गद्यपद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८२४। वि० जैन आदिपुराण का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४–१६८ क।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।

→सं० ०४—१६८ ख ।

(ग) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३—८५ ए ।

(घ) लि० का० सं० १६७० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरपुरनगर ।

→सं० ४०—६० ख ।

आदिमंगल (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० कबीर कृत बीजक की टीका ।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या →०६—३२६ ए ।

आदिरामायण (पद्य)—अन्य नाम 'माधवमधुर रामायण' । माधवदास कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचौराघाट (आगरा) ।→२६—२१७ ।

आदिबाणी जुगलसत सिद्धांत (पद्य)—श्रीभट्ट कृत । वि० निंबार्क संप्रदायानुसार कृष्णभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१—२७१ ।

आदिविज्ञान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अद्वैत दर्शन ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७—२ (परि० ३) ।

आदिशक्ति के कवित्त (पद्य)—मोहन (कवि) कृत । वि० आदिशक्ति देवी की स्तुति ।

प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुरकलाँ, डा० अजगैन (उन्नाव) ।

→२६—३०५ ए ।

आदिसर रेखता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६६७ । वि० जिन भगवान की स्तुति ।

प्रा० – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१—३३४ ।

टि०—श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक सहस्रकीर्ति कृत है ।

आधार (मिश्र)—सं० १६०८ के पूर्व वर्तमान ।

धातुमारन विधि (पद्य)→२६—२ ए ।

मदनुस्सफा (गद्य)→२६—२ डी ।

वैद्यक (कठिन रोगों की औषधि) (गद्य)→२६—२ बी ।

वैद्यकजोग संग्रह (गद्यपद्य)→२३—१ ए, बी, सी; २६—३ ए, बी, सी; ४१—४७४ (अप्र०) ।

वैद्यकविलास संग्रह (गद्य)→२६—२ सी ।

आनंद—अन्य नाम गंगाराम और कृष्णानंद। सारस्वत ब्राह्मण। काशी निवासी। जन्म-भूमि दिल्ली। ये पहले दिल्ली से वृंदावन गए। अनंतर काशी में रहने लगे। सं० १८३५ के लगभग वर्तमान।

अर्जुन गीता (पद्य)→सं० ०१–१४।
आनंदानुभव (पद्य)→०३–३७।
दानलीला (पद्य)→०६–४ बी।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→०६–४ सी।
भगवद्गीता (पद्य)→०६–४ ए।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→२०–७।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→४१–६।

आनंद—वास्तविक नाम दुर्गासिंह। दिकोलिया (सीतापुर) निवासी। सं० १६१७ के लगभग वर्तमान।

प्रह्लाद चरित्र (पद्य)→२३–१०६।

आनंद→'सिंधु (कवि)' ('दिनमनि वंशावली गुणकथन' के रचयिता)।

आनंद (अनंद)→'नंद और मुकुंद' ('आसनमंजरी सार' आदि के रचयिता)।

आनंद (कवि)—(?)

आनंद विलास (पद्य)→सं० ०१–१५ क।
ककावली (पद्य)→सं० ०१–१५ ख।

आनंदकिशोर—बेतिया के राजा। रामप्रसाद कथिक के आश्रयदाता। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।→२६–३८६।

आनंदकिशोर→'नवलकिशोर' ('रागमाला' के रचयिता)।

आनंदगिरि (स्वामी)—पंजाबी। परिव्राजक स्वामी मलूकगिरि (दीक्षागुरु) के शिष्य। इनके विद्यागुरु पंडितराज मोहनलाल (मोहनगिरि यति) थे। कोई स्वामी आत्मगिरि इनके सहायक थे। सं० १६१५ में वर्तमान।

अलिफनामा (भाषा) (पद्य)→पं० २२–६।
आनंदामृतवर्षिणी (गद्य)→३२–८।
परमानंदप्रकाशिका टीका (गद्य)→सं० १०–५।

आनंदघन—अन्य नाम घनानंद। कायस्थ। जन्म सं० १७१५। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के मीर मुंशी। अंतिम समय में वृंदावन में रहने लगे थे। संभवतः नादिरशाह के आक्रमण में सं० १७६६ में हत। गुरु का नाम हरिदास। रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह ने अपने 'भक्तमाल' में इनका वर्णन किया है।

आनंदघन के कवित्त (पद्य)→००–७६; ०६–१२५; २६–१२ ए; ४१–१० ख।
आनंदघनजू की पदावली (पद्य)→२६–१२ बी; दि० ३१–६।
इश्कलता (पद्य)→१२–४ए; ३२–७ ए।

कवित्त (पद्य)→२६–११५ डी; ४१–४६२ क, ख (अप्र०); सं० ०४–१४ क ।
कवित्त संग्रह (पद्य)→३२–७ बी, डी ।
कृपाकंद निबंध (पद्य)→०३–६६ ।
जमुनाजस (पद्य)→४१–१० क ।
प्रीतिपावस (पद्य)→१७–८ ए; २६–११५ ए ।
वियोगबेलि (पद्य)→१७–८ बी; २६–११५ सी ।
वृंदावनसत (पद्य)→३२–७ ई ।
सुजानविनोद (पद्य)→२३–१४ ।
सुजानहित (पद्य)→१२–४ बी; २६–११५ बी; सं० ०४–१४ ख, ग ।
स्फुट कवित्त (पद्य)→३२–७ सी ।

आनंदघन (मुनि)—जैन साधु ।
आनंदघन चौबीस स्तवन (पद्य)→४१–११ ।

आनंदघन के कवित्त (पद्य)—आनंदघन कृत । वि० राधाकृष्ण की लीला तथा शृंगार ।
(क) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)→२६–१२ ए ।
(ख) प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा ।→००–७६ ।
(ग) प्रा०—दातियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१२५ (विवरण अप्राप्त) ।
(घ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–१० ख ।

आनंदघन चौबीस स्तवन (पद्य)—अन्य नाम 'जिनचौबीसी' । आनंदघन (मुनि) कृत । वि० वैराग्य ।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१–११ ।

आनंदघनजू की पदावली (पद्य)—आनंदघन कृत । वि० श्री राधाकृष्ण लीला ।
(क) प्रा०—श्री शारदाप्रसाद, सतना ।→२६–१२ बी ।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल, दी यंग फ्रेंड ऐंड कं०, चाँदनी चौक, दिल्ली । →दि० ३१–६ ।

आनंदचंद (जैन)—(?)
राजिल पचीसी (पद्य)→सं० १०–६ ।

आनंददशा विनोद (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।
(क) प्रा०—भारतेंदु हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी ।→००–१३ (छोटे छोटे १४ ग्रंथों का संग्रह) ।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६–७३ सी ।

आनंददास—निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव ।

आनंद विलास (पद्य)→१२–३ ।

आनंददास—(?)

सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०१–१७ ।

आनंददास परमहंस→'आनंद' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' के रचयिता) ।

आनंदप्रकाश (पद्य)—आनंदसिंह (गुरु) कृत । र० का० सं० १६१४ । लि० का० सं० १६३४ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री रामनाथलाल, वाराणसी ।→२३–१६ ।

आनंदमंगल (पद्य)—मनीराम कृत । लि० का० सं० १८२६ । वि० भागवत दशमकंध का अनुवाद ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२६० (विवरण अप्राप्त) । (एक प्रति इस पुस्तकालय में और है) ।

आनंदमंजरी (पद्य)—रणकरण ? (राय) कृत । लि० का० सं० १८२८ । वि० भगवती की स्तुति ।

प्रा०—श्री राधावल्लभ, खैराबाद, डा० राजेपुर (उन्नाव) ।→२६–३६८ ।

आनंदमसीह—ये पहले हिंदू थे । सं० १८८० में ईसाई हो गए । इनके अन्य कुटुंबी अपने पहले धर्म में ही रहे । इनके पुत्र ने 'यंत्रराज विवरण' नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की थी ।→०१–५१ ।

आनंदरघुनंदन नाटक (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० रामचंद्र जी का चरित्र । (ब्रजभाषा का पहला नाटक) ।

(क) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–३८ ।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—लाला सुखीलाल रामप्रसाद कसेरा, बाजार नवाबगंज, बाराबंकी ।→२३–४४५ बी ।

(ग) प्रा०—पं० रामनेत, मंत्री, दरबार, टीकमगढ़ ।→०६–२४६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–४४५ ए ।

आनंदरस (पद्य)—शीलमणि कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० रामनाम की महिमा ।

प्रा०—भैया यदुनाथसिंह रईस, रेहुआ, डा० बौंरी (बहराइच) ।→२३–३८७ ।

आनंदरस कल्पतरु (पद्य)—रामप्रसाद (कथिक) कृत । र० का० सं० १८७७ । वि० नायिकाभेद की भाँति नायक भेद वर्णन ।

प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया) ।→२६–३८६ ।

आनंदरसवल्ली (पद्य)—बटुकनाथ कृत । लि० का० सं० १८७५ । वि० पिंगल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→५१–२५१ ख ।

आनंदराम—सं० १७६१ के लगभग वर्तमान ।

भगवद्गीता सटीक (गद्यपद्य)→०१–८४; ०६–१२७; १२–५; १७–६ ए, बी, सी; २३–१५ ए, बी, सी; २६–१३; २६–१२ ए से जे तक; सं० ०७–६ ।

आनंदराम(अनंदराम)—जयपुर निवासी। जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान। विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–७२ (बारह) ।

रामसागर (पद्य)→०१–५६ ।

आनंद रामायण (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १८८०–१८६० । वि० अयोध्याकांड से उत्तरकांड तक की राम कथा ।

प्रा०—लाला रामसिंह, कृपालपुर (रीवाँ) ।→०१–६ ।

आनंदलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६–७३ डी ।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–५०७ क (अप्र०) ।

आनंदलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५४ डी ।

आनंदलहरी (पद्य)—कृष्णसिंह कृत । लि० का० सं० १७६४ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—श्री ईश्वरीप्रसाद वैद्य, होलीपुरा (आगरा) ।→३२–१२६ ।

आनंदलहरी (पद्य)—केशवगिरि कृत । वि० दुर्गास्तुति ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१४८ ।

आनंदलहरी (पद्य)—मोहन कृत । लि० का० सं० १७८६ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३०७ क ।

आनंदलहरी (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)—रतन कृत । वि० भागवत के दशमस्कंध का अनुवाद ।

प्रा०—पं० कृष्णलाल, नसीठी, डा० माट (मथुरा) ।→३८–१२६ ।

आनंदलाल—कामवन (भरतपुर) निवासी । शोभाराम महाराज के आश्रयदाता । →सं० ०१–४२४ ।

आनंदलाल (गोस्वामी)—हित हरिवंश जी के वंशज । गो० चतुरशिरोमणि के पुत्र । प्रवीन कवि के आश्रयदाता ।→सं० ०४–२१५ ।

आनंदलाल (नंदलाल) –(?)

देवीचरित्र (पद्य)→सं० ०७–७ ।

आनंदवर्द्धन बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८३०। वि० राधाकृष्ण लीला तथा भक्ति।

प्रा०—लाला नानकचंद, मथुरा।→१७–३४ डी।

आनंदवर्द्धिनी (पद्य)—अन्य नाम 'बानी'। फकीरदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८८५। वि० ईश्वराराधना के भजन।

(क) लि० का० सं० १९२७।

प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० बेहड़ा (बहराइच)।→२६–११९ ए।

(ख) लि० का० सं० १९३४।

प्रा०—बाबा रामदास, हरसूपुर, डा० नानपारा (बहराइच)।→२९–९७ बी।

(ग) लि० का० सं० १९४०।

प्रा०—श्री जवाहरदास महंत, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट बेहरा (बहराइच)। →२३–१११ ए।

आनंद विलास (पद्य)—आनंद (कवि) कृत। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१५ क।

आनंद विलास (पद्य)—आनंददास कृत। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन, मथुरा।→१२–३।

आनंद विलास (पद्य)—जसवंतसिंह कृत। र० का० सं० १७२४। वि० वेदांत।

(क) प्रा०—पं० पूनमचंद, जोधपुर।→०१–७३।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–१७।

आनंद सागर (पद्य)—पूरनप्रताप (खत्री) कृत। र० का० सं० १८२४। वि० वेदांत (नाटक रूप में)।

प्रा०—पं० शंभुदयाल अध्यापक, वाजिदपुर (बाराबंकी)।→२३–३२४।

आनंद सिंधु (पद्य)—व्रजचंद कृत। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३०।

आनंदसिंह (गुरु)—आजमगढ़ निवासी। सं० १९१४ के लगभग वर्तमान।

आनंदप्रकाश (पद्य)→२३–१६।

आनंदसिद्धि—सं० १८८५ के पूर्व वर्तमान।

अंजननिदान (गद्यपद्य)→२९–१४।

आनंदांबुनिधि (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १९११। वि० भागवत का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १९१८।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, रमेश पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। →२६–३७१ ए।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०३–१७ ए।

आनंदानुभव (पद्य)—आनंद कृत। र० का० सं० १८४२। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–३७।

आनंदामृतवर्षिणी (गद्य)—आनंदगिरि कृत। र० का० स० १६१५ (?)। लि० का० सं० १६१७ (?)। वि० गीता और वेद का तुलनात्मक ज्ञान।
प्रा०—श्री ओंकारनाथ शर्मा वैद्य, अवैधोंपुरा, डा० किरावली (आगरा)। →३२–८।

आनंदाष्टक (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–११७ झ।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–११७ ञ।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। सं० ०१–१७४ ख।
टि० खो० वि० ४१–११७ ञ की प्रति में 'भजनाष्टक' भी संमिलित है।

आनंदी (कवि)—(?)
गीत संग्रह (पद्य) →२६–१३।

आनंदीदीन (आनंदी)—अहमामऊ (लखनऊ) के पास के निवासी। वहीं के जमींदार ठा० जंगबहादुरसिंह के मंदिर के पुजारी।
प्रार्थना (पद्य)→२६–११ बी।
हनुमतयश (पद्य)→२६–११ ए।

आन्हिक→'अष्टयाम (आन्हिक)' (कृपानिवास कृत)।

आन्हिकतिलक प्रकाश (गद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० राम के आठों याम के जीवन का वर्णन।
प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, धेनुगवाँ (बस्ती)।→सं० ०४–३६६।

आपत बत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अमल (अफीम) के अवगुणों का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३३५।

आबाल चिकित्सा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० बाल चिकित्सा।
प्रा०—पं० रेवतीराम चतुर्वेदी, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–३३१।

आभास प्रथम पद को तथा पद (गद्यपद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० वृंदावन की शोभा, राधाकृष्ण शृंगार तथा हित हरिवंशजी की वंदना।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२५७ क।

आभास रामायण (पद्य)—प्रेमरंग कृत। र० का० सं० १८५८। वि० बाल्मीकि रामायण के आधार पर रामचरित्र वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१–२२२ ख।

(ख) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१४४ ।

(ग) प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–२२२ क ।

आभूषण मंत्र (गद्य)—रामानंद (स्वामी) कृत । वि० मंत्र ।

प्रा०—माई रामदास, कुटी महेरू, डा० बेलाखारा (रायबरेली)।→ सं० ०४–३४६ क ।

आयामल्ल—कृष्ण कवि के आश्रयदाता । सं० १७६२ के लगभग वर्तमान ।

→पं० २२–५६ ।

आयुर्वेद विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा) । लि० का० सं० १६०७ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६–२८ बी ।

(एक प्रति श्री गौरीशंकर कवि, दतिया के पास भी है) ।

आरण्यकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत) ।

आरतमोचन (पद्य)—भगवानदास कृत । र० का० सं० १८८५ । वि० रामभक्ति ।

प्रा०—श्री गुरुप्रसाद, धरमपुर, डा० परशुरामपुर (बस्ती) ।→सं० ०४–२५१ ।

आरती (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० गुरु की आरती उतारने की विधि ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ एच ।

आरती (पद्य)—गरीबदास कृत । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—ठा० मुलूकसिंह, कुड़ाखर, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–२७ ।

आरती (पद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० निरंजन की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३६ ख ।

आरती (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६४८ । वि० जगजीवनदास के गुरु की आरती ।

प्रा०—ठा० गंगादीन, उहरपुर, डा० बरनापुर (बहराइच) ।→२३–१७५ सी ।

आरती (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० राम तथा अन्य अवतारों की स्तुति ।

प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–१६६ सी ।

आरती (पद्य)—दत्त जी कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० निरंजन की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७६ ।

आरती (पद्य)—नखना जी कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० भगवान की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१२६ क ।

आरती (पद्य)—संतदास कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० गुरु और भगवान की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१८८ ।

आरती जगजीवन (पद्य)—रामसहाय कृत । लि० का० सं० १६४८ । वि० जगजीवनदास की स्तुति और उनके शिष्यों की नामावली ।

प्रा०—ईश्वरी गंगादीन मुराव, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। →२३-३५०।

आरती मंगल संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२६। वि० भजन संग्रह।

प्रा०—हिंदी साहित्य समिति, भरतपुर।→१७-६ (परि० ३)।

आराधना कथा कोश (पद्य)—बख्तावरमल या रतनलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र और सम्यक तप का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६३७।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-८२ क।

(ख) लि० का० सं० १६५७।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं १०-८२ ख।

आरामचंद्र (पंडित)—काशी निवासी। मनियार कवि गुरुभाव से इनकी सेवा करते थे।→०३-४७।

आर्जा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० फलित एवं गणित ज्योतिष।

प्रा०—श्री गंगाप्रसाद पांडे, अशोकपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)। → २६-३ (परि० ३)।

आलम—कविता काल सं० १६४०-१६८० तक। ये ब्राह्मण थे। पर शेख नाम की एक रंगरेजिन स्त्री पर आसक्त होने के कारण मुसलमान हो गए। अकबर बादशाह के समकालीन। कुछ लोगों के अनुसार आलम और शेख एक ही हैं।

अकार के कवित्त (पद्य)→सं० ०१-१८ ग।

आलम कवि की कविता (पद्य)→०६-३

आलम के कवित्त (पद्य)→२३-२६ बी, सी; सं० ०४-१५ क।

आलमकेलि (पद्य)→०३-३३।

कविता संग्रह (पद्य)→सं० ०१-१८ ख।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-१५ ख।

कवित्त चतुःशती (पद्य)→सं० ०१-१८ क।

कवित्त शेखसाँईं (पद्य)→सं० ०४-१५ घ।

कवित्त संग्रह (पद्य)→४१-१२।

छप्पय (पद्य)→२३-६ ए।

माधवानल कामकंदला (पद्य)→०४-६; २३-८; २६-८; ४१-४७५ (अप्र०); सं० ०१-१८ ङ, च, छ, ज, झ, ञ; सं० ०४-१५ ङ, च।

रसकवित्त (पद्य)→सं० ०४-१५ ग।

संग्रह (पद्य)→२३-६ डी।

सुदामचरित्र (पद्य)→३५–४; सं० ०१–१८ घ ।

स्यामसनेही (पद्य)→३२–६; सं० ४–१५ छ ।

आलम (चाँदसुत सैयद)—ब्रज निवासी । पिता का नाम चाँद (?) । संभवतः विक्रम की अठारहवीं शताब्दी के तीसरे या चौथे चरण में वर्तमान ।

संजीवन (वैद्यक) (गद्यपद्य)→३५–३ ।

आलम कवि की कविता (पद्य)—आलम कृत । वि० विविध ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–३ ।

आलम के कवित्त (पद्य)—आलम कृत । वि० भक्ति और शृंगार ।

(क) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३–६ बी, सी ।

(ख) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाईजिन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४–१५ क ।

आलमकेलि (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि० का० सं० १७५३ । वि० राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर, वाराणसी ।→०३–३३ ।

आलुमंदारु स्तोत्रस्य गूढ़ शब्द दीपिका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । लि० का० सं० १६७६ । वि० आलुमंदारु स्तोत्र की टीका ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह, डा० बाह (आगरा) ।→२६–३० एफ ।

आलोयण बत्तीसी (पद्य)—समयसुंदर कृत । र० का० सं० १६६८ । वि० जैन धर्मोपदेश ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१–७६ ।

आल्हा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० आल्हा और पृथ्वीराज की लड़ाई ।

प्रा०—श्री खेचरीराम ब्रह्मभट्ट, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) । →२६–३३४ ।

आल्हाखंड (पद्य)—अवधविहारीलाल कृत । वि० आल्हा ऊदल की कथा ।

(क) प्रा०—श्री व्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़ ।→२६–१६ ए ।

(ख) प्रा०—ठा० कड़ेदीनसिंह, पनियागार, डा० कटरा मेदिनीगंज (प्रतापगढ़) । →२६–१६ बी ।

आल्हाखंड (पद्य)—इलियट (सी० ई०) द्वारा संगृहीत । लि० का० सं० १६३० । वि० आल्हा ऊदल की कथा ।

प्रा०—लाला नारायणदास हलवाई, महेवा (खीरी) ।→२६–११८ ।

आल्हाखंड (आल्हा निकासी) (पद्य)—हजारीलाल (लाला) कृत । वि० आल्हा-ऊदल की कथा ।

प्रा०—ठा० रामलालसिंह, शेरपुरलबल, डा० निगोहा (लखनऊ) ।→ २६–१५२ ।

आल्हाखंड रामायण (पद्य)—ललिताप्रसाद कृत। र० का० सं० १६५४। वि० राम कथा।
प्रा०—श्री ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़।→२६–२६५।

आल्हा भारत (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६२२। लि० का० सं० १६२३। वि० महाभारत की कथा।
प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, बन अधिकारी, दतिया।→०६–७६ ओ।

आल्हा रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६२२। लि० का० सं० १६३७। वि० रामकथा।
प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, बन अधिकारी, दतिया।→०६–७६ एन।

आल्हासिंह—पटियाला नरेश। चंद्रशेखर के आश्रयदाता। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।→०३–१०२।

आशलदीन—रामप्रसाद कथिक के भाई। बेतिया (बिहार) निवासी। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।→२६–३८६।

आशानंद→'लालचदास (हलवाई)' ('हरिचरित्र' के रचयिता)।

आश्चर्य अद्भुत (ग्रंथ) (गद्य)—रामदास कृत। वि० अध्यात्म।
प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–१७६ ए।

आश्रमवासिक पर्व→'महाभारत (भाषा)' (सबलसिंह चौहान कृत)।

आश्रय के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री बिहारीलाल, नई गोकुल (मथुरा)।→३५–११५।

आषाढ़भूत चरित्र→'आषाढ़भूत चौपाई' (कनकसोम कृत)।

आषाढ़भूत चौपाई (पद्य)—अन्य नाम 'आषाढ़भूत चरित्र'। कनकसोम कृत। र० का० सं० १६३८। वि० आषाढ़भूत नाम के किसी जैन महापुरुष का चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७८२।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२० क।
(ख) लि० का० सं० १८३१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२० ख।

आषाढ़भूत स्तवन (पद्य)—मुनि (साहब) कृत। वि० किसी आषाढ़ मुनि की प्रशस्ति।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली।→दि० ३१–६०।

आसकरन—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–५७ (तीन)।

आसन को मंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विष उतारने के समय का आसन मंत्र।
प्रा०—पं० श्रीनारायण, भाड़री, डा० शिकोहाबाद, मैनपुरी।→३५–११४।

आसनमंजरी सार (पद्य)—नंद और मुकुंद कृत। लि० का० सं० १८२८। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—लाला ज्ञानीराम पटवारी, दयानगर, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ़)। →२६-११ एच।

आसानंद—संभवतः राजस्थान निवासी। निर्गुन मतावलंबी कोई सिद्ध संत।
पद (पद्य)→सं० १०-७।

आसानदेव—प्रतापसाहि सेंगर (डहार देश, बघेलखंड के राजा) के आश्रित एक प्रसिद्ध कवि। →सं० ०१-१७२।

इंद्रकुमारी (बाई)—चरणदास जी के गुरु की पुत्री। श्यामादासी बाई की बहिन। सं० १८१० के लगभग वर्तमान। चरणदास ने इनके पढ़ने के लिये एक ग्रंथ की रचना की थी। →१२-३७।

इंद्रजाल (पद्य)—आनंद (अनंद) कृत। लि० का० सं० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर। →२३-१३ ए।

इंद्रजाल (पद्य)—कीनाराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० नृसिंह चौबे, मोहल्ला गोसाँईदास का पुरा, गाजीपुर। →सं० ०७-१८।

इंद्रजाल (पद्य)—देवदत्त कृत। वि० तंत्र मंत्रादि।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-१०८।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—राजाराम कृत। वि० औषधिशास्त्र (विशेषतः बंध्या चिकित्सा) और तंत्र मंत्र।
प्रा०—पं० भवानीबख्श, डलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। →२३-३३६।

इंद्रजाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-६ (पारि० ३)।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० श्रीदाम, जौंधरी (आगरा)। →२६-३६०।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दीनदयाल द्वारकाप्रसाद मिश्र, कागारोल (आगरा)। →२६-३६१।

इंद्रजाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० औषध, तंत्र और मंत्र।
प्रा०—पं० महेशप्रसाद मिश्र, लिदहावरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)। →४१-३३६।

इंद्रजाल (मंत्रावली) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० विंध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक, संस्कृत पाठशाला, गोंडा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। →२६-६ (परि० ३)।

इंद्रजाल विद्या (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →२६-६ (परि० ३)।

इंद्रजीत—भट्टारक जिनेंद्रभूषण के शिष्य। सं० १८४० के लगभग वर्तमान।
उत्तरपुराण (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–१६।

इंद्रजीत—(?)
भजन खिमटा (पद्य)→२०–६१।

इंद्रजीतलाल—कायस्थ। टीकमगढ़ निवासी। प्रयागीलाल के पितामह और माणिकलाल के पिता।→०५–५१।

इंद्रजीतसिंह—ओड़छा नरेश मधुकरशाह के कनिष्ठ पुत्र। केशवदास के आश्रयदाता।
→००–५२; ०३–८६; ०६–५८।

इंद्रदत्त—(?)
पद संग्रह (पद्य)→४१–१३।

इंद्रमती—कवि प्राणनाथ की पत्नी। सं० १७०७ के लगभग वर्तमान। इनकी कविताएँ इनके पति के साथ 'पदावली' में संगृहीत हैं।→०६–२२५।

इंद्रावत (पद्य)—नूरमुहम्मद कृत। र० का० सं० १७६६। वि० सूफी प्रेम कथा।
(क) लि० का० सं० १६५६।
प्रा०—मौलवी अब्दुल्ला, धुनियाटोला, मिरजापुर।→०२–१०६।
(ख) प्रा०—शेख अब्दुलहमीद साहब, चितारा, डा० सुरहन (आजमगढ़)।
→सं० ०१–१६८।

इंद्रावती→'प्राणनाथ' (धमामीपंथ के प्रवर्तक)।

इआरी साहब→'यारी साहब' ('यारीसाहब के शब्द' के रचयिता)।

इआरी साहब के शब्द→'यारीसाहब के शब्द' (यारी साहब कृत)।

इकतार की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मुखिया,फुलरई, डा० बलरई (इटावा)।→३५–४६एन।

इकतालीस शिक्षापत्र टीका→'शिक्षापत्र टीका' (गोपेश्वर कृत)।

इच्छादास—कुशल मिश्र के गुरु। सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।→१७–१०१।

इच्छागिरि—लायुपुर (गोमती के तीर) के निवासी। अतीथ। बनारसगिरि के नाती। आगरा (अकबराबाद) के पंडित डालचंद (काव्य-गुरु) के शिष्य। कूड़ा जहानाबाद के सूबा राजइलाहीखान के आश्रित। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान।
कामकला सार (पद्य)→सं० ०४–१७।

इच्छागिरि (गोसाईं)—सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।
शालिहोत्र (पद्य)→०६–१२१ बी।
टि० खो० वि० में भूल से इन्हें इच्छाराम माना गया है।

इच्छाराम—ब्राह्मण। रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। वीरराघव वेदांत महागुरु के शिष्य। लखनपुर निवासी। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।
गोविंदचंद्रिका (पद्य)→०६–२६३ ए; २३–१७१; २६–१५७।

प्रपन्न प्रेमावली (पद्य)→०६–१२१ ए।
हनुमंत पचीसी (पद्य)→०६–२६३ बी।

इच्छाराम—वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
नित्यपद (नि–पद) (पद्य)→३५–४२।

इच्छाराम—(?)
शालिहोत्र (गद्य)→१७–७६।

इतिहास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अध्यात्म विचार।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–३० (परि० ३)।

इतिहास (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'इतिहास समुचय' और 'इतिहाससार समुचय'। लालदास (वैश्य) कृत। र० का० सं० १६४३। वि० महाभारत (शांतिपर्व) की कथा।
(क) लि० का० सं० १७२३।
प्रा०—लाला रामदयाल, नंदापुरवा, डा० नेरी (सीतापुर)।→२६–२६३ ए।
(ख) लि० का० सं० १७४०।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→२०–२६; ४१–५५६ (अप्र०)।
(ग) लि० का० सं० १७४५।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–१३३।
(घ) लि० का० सं० १८३३।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१–१०।
(ङ) लि० का० सं० १८७२।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१७६।

इतिहास समुच्चय→'इतिहास (भाषा)' (लालदास वैश्य कृत।)

इतिहाससार समुच्चय→'इतिहास (भाषा)' (लालदास वैश्य कृत)।

इमामुद्दीन (शाह)—सैदनपुर (वाराबंकी) निवासी फकीर।
अलिफनामा (पद्य)→२३–१७२।

इरशादनामा (गद्यपद्य)—शाह बुरहानउद्दीन जानाँ कृत। लि० का० सं० १६६५। वि० सूफीमत का प्रतिपादन।
प्रा०—डा० मुहम्मदहफीज सैयद, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–१६३।

इलाहीबख्श—उप० रमजानशेख। सं० १८६६ में वर्तमान।
अदहमनामा (पद्य)→२६–१८४ ए।
खुरशैद बेनजीर (पद्य)→२६–१८४ सी।
रमजाननामा (पद्य)→२६–१८४ डी।
सदाफकीरी (पद्य)→२६–१८४ ई।
हश्रनामा (पद्य)→२६–१८४ बी।

इलियट (सी० ई०)—फरुखाबाद के कलक्टर। आल्हाखंड के संग्रहकर्ता।
आल्हाखंड (पद्य)→२६–११८।

इश्कगर्क (ग्रंथ) (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।
→सं० ०४–२०५ क।

इश्कचमन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३–२६०।
(ख) प्रा०—बाबू काशीप्रसाद, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१३१।

इश्कनामा (पद्य)—अन्य नाम 'विरही सुभान दंपति विलास'। बोधा (कवि) कृत।
वि० प्रेम।
(क) प्रा०—स्वामी रामवल्लभशरण, सद्गुरुसदन, अयोध्या।→१७–३०।
(ख) प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–२१।

इश्कपंचा (पद्य)—मुसाफिर कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल, मड़ियाहूँ बाजार (जौनपुर)।→
→सं० ०४–३०५।

इश्कमाल (पद्य)—अन्य नाम 'माँझभक्तमाल'। व्रजजीवनदास कृत। वि० भक्तों का
माहात्म्य।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→
०६–३४ आई।

इश्करंग (पद्य)—ललनपिया कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६४०।
वि० शृंगार।
प्रा०—पं० शिवनारायण, बड़ैला, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–२६४।

इश्कलता (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
(क) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—श्री रामचंद्र सेनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–७ ए।
(ख) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर।→१२–४ ए।

इश्कलतिका (पद्य)—शीलमणि कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० श्री सीताराम की
शोभा और प्रेम।
प्रा०—बाबू रामसुंदरसिंह जमींदार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१७१।

इश्कशतक (पद्य)—बखतसिंह (राजा) कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२२८।

इष्टभजन पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञान।
प्रा०—लाला नानकचंद, मथुरा।→१७–३४ एच।

इसरदास→'ईश्वरदास' ('अंगदपैज' आदि के रचयिता)।

ईजुलपुराण→'अंजुलिपुराण' (कनाय साहब कृत)।

ईश—(?)
शिवअंबिका स्तोत्र (पद्य)→सं० ०१–२०।

ईश (कवि)—अन्य नाम व्यंकटेश। गोकुल निवासी तैलंग ब्राह्मण मोहन भट्ट के पुत्र। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी और संभवतः उक्त संप्रदाय के गो० दामोदर महाराज के शिष्य। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान।
महामहोत्सव (पद्य)→३२–६०; सं० ०१–१६।

ईशूधर्म प्रकाश (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत। वि० ईसाई धर्म का विवेचन।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, शर्मनप्रेस, इटावा।→३८–८४ क्यू।

ईश्वर (कवि)—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह और धौलपुर के महाराणा भगवंतसिंह के आश्रित। सं० १९१३–३० के लगभग वर्तमान।
अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२–११७ए; सं० ०१–२४।
नरेंद्रभूषण (पद्य)→पं० २२–११७ बी।
भक्तिरत्नमाला (पद्य)→२६–१५८ ए, बी।
मनप्रबोध (पद्य)→२६–१५८ सी।

ईश्वरदास—अन्य नाम इसरदास। दिल्ली के आसपास जोगिनीपुर के निवासी। शाह सिकंदरलोदी (सं० १५४६–७४ वि०) के समकालीन।
अंगदपैज (पद्य)→सं० ०१–२३।
भरतविलास (पद्य)→२३–१७३; २६–४८५ ए; सं० ०१–२१ क, ख, ग, घ; सं० ०१–१४३ घ, ङ, च; सं० ०४–१८ क, ख, ग; सं० ०४–१४६।
सत्यवती कथा (पद्य)→सं० ०१–२२।

ईश्वरदास—खरे सक्सेना कायस्थ। पिता का नाम लोकमणिदास। निवास स्थान आगरा। सं० १७५६ में वर्तमान। प्रस्तुत ग्रंथ गोपाचल (ग्वालियर) में निर्मित।
ग्रहफल विचार (पद्य)→२६–१५६।

ईश्वरदास—अन्य नाम संभवतः रामप्रसाद।
महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→२६–१८५।

ईश्वरदास (गोसाँई)—सं० १६२६ के पूर्व वर्तमान।
युधिष्ठिर यज्ञ (पद्य)→सं० ०४–१६।

ईश्वरदास (गढ़वी)→'ईसरदास (गढ़वी)' ('गुणहरीरस' के रचयिता)।

ईश्वरनाथ—सं० १६११ के पूर्व वर्तमान।
सत्यनारायण की कथा (पद्य)→२६–१६०।

ईश्वरनाथ (गर्ग)—सरेठी निवासी। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।

रणभूषण (पद्य)→२३-१७४।

ईश्वर पच्चीसी (पद्य)—अन्य नाम 'कलि पच्चीसी'। पद्माकर कृत। वि० ईश्वर वंदना।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—मुं० देवीप्रसाद, जोधपुर।→०१-८५।

(ख) लि० का० सं० १९७६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५१२ (अप्र०)।

ईश्वरपार्वती संवाद (मूलस्तंभ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सृष्टि की उत्पत्ति और प्रलय का वर्णन।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल, दलेलनगर (इटावा)।→३८-१७५।

ईश्वरसेवा सिद्धांत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० माध्व संप्रदाय की सेवा विधि।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-३३७।

ईश्वरीप्रसाद (त्रिपाठी)—कश्यप गोत्रीय ब्राह्मण। पीरनगर (लखनऊ ?) के निवासी। सं० १९१६ के लगभग वर्तमान।

रामविलास रामायण (पद्य)→२६-१८६; २६-१६१ ए से डी तक।

ईश्वरीप्रसाद (बोहरे)—धौलपुर निवासी।

मदनविनोद निघंटु (गद्य)→३२-९२ ए।

वैद्यजीवन (गद्य)→३२-९२ बी।

ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह (महाराज)—काशी नरेश। राज्यकाल सं० १८९२-१९४६। काष्ठजिह्वा स्वामी (देव) के शिष्य। सरदार कवि, बंदन पाठक, गणेशप्रसाद और दर्शनलाल के आश्रयदाता। इन्हीं के कहने से महाराज रघुराजसिंह ने 'रामस्वयंवर' की रचना की थी।→०१-७; ०१-१४; ०३-९२; ०६-१७९; ०९-५६; ०९-८३; ०९-२८३; २०-१७४; २०-२०१; २६-९७।

ईसख (मिरजा)—साहि सहरुख के वंश में निजामत खाँ के पुत्र। वासुदेव ब्राह्मण के शिष्य। सं० १८५९ के पूर्व वर्तमान।

ईसख प्रकाश (पद्य)→३८-६७।

ईसख प्रकाश (पद्य)—ईसख (मिरजा) कृत। लि० का० सं० १८५९। वि० सामुद्रिक।

प्रा०—पं० हनुमानप्रसाद, नेरा, डा० बलदेव (मथुरा)।→३८-६७।

ईसरदास (गढ़वी)—पीतांबरदास के शिष्य।

गुणहरीरस (पद्य)→३२-९१ ए, बी।

टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये चारण थे तथा रोहडिया शाखा से संबद्ध थे। जोधपुर के समीप भाद्रेस के निवासी थे। इनका जन्म सं० १५९५ में हुआ था और मृत्यु सं० १६७५ में। चालीस वर्ष तक ये जामनगर में रहे थे और वहाँ के राज परिवार से इन्हें यथेष्ट सम्मान भी मिला था। ये परम भगवद्भक्त कवि थे।

ईसवी खाँ (नवाब)—नरवर (ग्वालियर) के राजा छत्रसिंह के आश्रित। सं० १८०६ के लगभग वर्तमान।
रसचंद्रिका (गद्यपद्य)→४१–१४ क, ख; सं० ०४–२०।

ईसाधर्म वर्णन सार (पद्य)—केवलकृष्ण कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८–८४ पी।

ईस्वरनंद—(?)
बानी (पद्य)→सं० ०७–८।

उग्र→'नारायणदास' ('रामाश्वमेध' के रचयिता)।

उग्रगीता (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० अध्यात्म।
(क) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–१७७ एच (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—श्रीमती महंतिन लक्ष्मणदासी, बाबा झामदास की कुटी, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)।→२३–१६८ पी।
(ग) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—लाला गंगादीन काँदू, गुलामअलीपुरा (बहराइच)।→२३–१६८ क्यू।
(घ) प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६–२१४ ई।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ ख (अप्र०)।

उग्रज्ञान (पद्य)—जगजीवन (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १६४०। वि० भक्ति और ज्ञान।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)।
→२६–१६२ के।

उग्रज्ञान मूलसिद्धांत दशमात्रा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर)।→०६–१७७ एल (विवरण अप्राप्त)।

उछवमाला→'उत्सवमाला' (नागरीदास कृत)।

उजागर प्रकास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२३। वि० ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)।
→सं० ०१–४६६।

उजियारेलाल—सनाढ्य ब्राह्मण। वृंदावन निवासी। नवलशाह के पुत्र और नंदलाल के पौत्र। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान।
गंगालहरी (पद्य)→१७–१९९।
जुगल प्रकाश (पद्य)→३२–२२४।

उडुदाय प्रदीप→'पाराशरी जातक' (परमसुख दैवज्ञ कृत)।

उड्डीस (गद्य)—वीरभद्र कृत। वि० तंत्र मंत्र।
प्रा०—पं० श्यामचरण ज्योतिषी, करौंदिया, डा० हलिया (मिरजापुर)।→२६–४९७।

उड्डीसतंत्र (गद्य)—नित्यनाथ कृत। वि० तंत्र मंत्र।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—श्री रतनसिंह, मनी, डा० किरावली (आगरा)।→२६–२५५ ई।
(ख) लि० का० सं० १९३९।
प्रा०—पं० नत्थीभट्ट, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१७–१२६।
(ग) प्रा०—ठा० सूरजबख्शसिंह, कठवर (रायबरेली)।→सं० ०४–१९२।

उड़दाय प्रदीप→'पारासरी (भाषा)' (हनुमंत कवि कृत)।

उत्कंठामाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, बेलेजलीगंज, मिरजापुर।→०२–१०४ (चार)।
टि० प्रस्तुत पुस्तक के साथ अन्य संगृहीत पुस्तकें हैं—१. श्री राधारमनविहार माधुरी, २. भँवरगीत, ३. बंसीबटविलास माधुरी, ४. वृंदावनकेलि–माधुरी, ५. वृंदावनविहार माधुरी, ६. दानमाधुरी, ७. मानमाधुरी, ८. संग्रह।

उत्कंठा माधुरी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। र० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण का विहार।
(क) प्रा०—गो० गिरधारीलाल, झाँसी।→०६–४३ बी।
(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३५ एफ।

उत्तमकाव्य प्रकाश (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'उत्तमव्यंग्य काव्य प्रकाश' और 'ध्वनि प्रकाश'। विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० व्यंग्य काव्य।
(क) लि० का० सं० १८९५।
प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ। →सं० १०–१२२।
(ख) लि० का० सं० १८९६।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–५३।

उत्तमचंद—राजा दिलीपसिंह के आश्रित। सं० १७६० के लगभग वर्तमान।
दिलीपरंजिनी (पद्य)→१७–२०१।

उत्तमचंद—श्रीवास्तव कायस्थ। रामप्रसाद के पिता। सतपुरा (दिल्ली) निवासी। सं० १७७९ के पूर्व वर्तमान।→१७–१५४।

उत्तमचंद (भंडारी)—जन्म सं० १८३३। मृत्यु सं० १८६४। राजा मानसिंह (?) और जोधपुर नरेश महाराज भीमसिंह (?) के मंत्री।

अलंकार आशय (गद्यपद्य)→०२–१८।

नाथचंद्रिका (पद्य)→०१–६६।

टि० रचयिता की तीन पुस्तकें और हैं—तारकतत्व, नीति की बात तथा रतना (रत्न) हमीर की बात।→०१–६६; ०२–१८।

उत्तमचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'दुर्गापाठ (भाषा)' और 'सुंदरीचरित्र'। अक्षर अनन्य कृत। वि० दुर्गासप्तशती का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० केदारनाथ, संस्कृताध्यापक, सनातनधर्म उच्चतरमाध्यमिक विद्यालय, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–२।

(ख) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—बाबा बैजनाथसहाय, रामनगर, डा० नौखेड़ा (एटा)।→२६–७ आई।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद, थहेल्या, डा० खैरीघाट (बहराइच)।→२३–७ डी।

(घ) लि० का० सं० १६१४।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रघुनाथपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–७ई।

(ङ) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बौंड़ी (बहराइच)। →२३–७ एफ।

(च) लि० का० सं० १६३३।

प्रा०—महंत ज्ञानदत्त मिश्र, शंकरपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–१४ ए।

(छ) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—लाला हरलाल, चौकी नवीस, चरखारी।→०६–२ एच।

(ज) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—श्री जवाहिरलाल पेशकार, दरबार चरखारी, चरखारी।→२६–१४ जी।

(झ) प्रा०—पं० यशोदानंद तिवारी, काँथा (उन्नाव)।→२३–७ जी।

(ञ) प्रा०—श्री लाल श्री कंठनाथसिंह, धेनुगावाँ (बस्ती)।→सं० ०४–१ ग।

उत्तमदास—अन्य नाम उमरावसिंह। जाति के कायस्थ। पिता का नाम धनिलाल या धनपति जो कवि थे। बदाऊँ (वेदामऊ) में अगरिया नगरी के निवासी। छोटे भाई का नाम वसंतराय। सं० १६०४ के लगभग वर्तमान।

छंदमहोदधि पिंगल (गद्यपद्य)→सं० ०४–२१।

उत्तमदास—(?)

सामुद्रिक (पद्य)→२०–२००।

उत्तमदास (मिश्र)—हीरामणि मिश्र के पुत्र।
शालिहोत्र (पद्य)→०६–३४० बी।
स्वरोदय (पद्य)→०६–३४० ए।

उत्तमनीति चंद्रिका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'ध्रुवाष्टक' और 'ध्रुवाष्टक नीति'। विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० रचयिता के आचार और नीति संबंधी 'ध्रुवाष्टक' ग्रंथ की विस्तृत व्याख्या।
(क) लि० का० सं० १९०४।
प्रा०—राव साहब बहादुर, चरखारी।→०६–२४९ ए (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।
→०६–२४९ डी (विवरण अप्राप्त)।

उत्तममंजरी (पद्य)—जगतसिंह कृत। वि० 'बिहारी सतसई' के १८ दोहों की टीका।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३–१७९ ओ।

उत्तम व्यंग्य काव्य प्रकाश→'उत्तम काव्य प्रकाश' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत)।

उत्तम सबदा (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ज[1]।

उत्तरकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

उत्तरपुराण (पद्य)—खुशालचंद (खुस्याल) कृत। र० का० सं० १७९९। वि० जैन उत्तरपुराण (राम कथा) का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–४८ ख।
(ख) लि० का० सं० १८८२।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–२० क।
(ग) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।
→सं० ०४–४८ क।

उत्तरपुराण (पद्य)—देवदत्त (कवि) कृत। लि० का० सं० १८९७। वि० जैन उत्तरपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबरजैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–१६४।

उत्तरपुराण (भाषा) (पद्य)—इंद्रजीत कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८९७। वि० जैन उत्तरपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–१६।

उत्थापन पचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। बि० विविध कवियों का संग्रह।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१०२ (परि० ३)।

उत्पत्ति अगाधबोध (पद्य)—प्रेम कृत। लि० का० सं० १८५२। वि० ब्रह्मज्ञान और वैराग्य आदि।

प्रा०—श्री गणेशीलाल स्वर्णकार, माट (मथुरा)।→३२–१६६।

उत्पत्ति अहेत जोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० अध्यात्म।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–३६ जी।

उत्पलारण्य माहात्म्य->'ब्रह्मावर्त माहात्म्य' (शिवदत्त रामप्रसाद कृत)।

उत्सव के पद (पद्य) - विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णलीला रामनवमी और रथयात्रा आदि का वर्णन।

प्रा०—श्री महाप्रभूजी की बैठक, चंद्रसरोवर, डा० गोवर्धन (मथुरा)। →३५–३१३।

उत्सव के प्रकार (गद्यपद्य)—गोविंद द्वारा संगृहीत। वि० वैष्णव संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–६५।

उत्सव निर्णय (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांतानुसार उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२०७ ङ।

उत्सव प्रणालिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३१। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३३८।

उत्सव मणिमाल (पद्य)—रूपरसिक कृत। वि० वसंत, होली, वर्षा, राधाकृष्ण विवाह आदि का वर्णन।

प्रा०—पं० हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (मथुरा)। →३८–१३१ बी।

उत्सवमाला (पद्य)—अन्य नाम 'उछवमाला'। नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। लि० का० सं० १६४२। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–११२; ४१–५०६ (अप्र०)

उत्सवमाला (पद्य)—विभिन्न कवियों (सूरदास, कृष्णदास, बिहारिनदास, नागरीदास, रूपरसिक, और रूपलालहित आदि) की कृतियों का संग्रह। वि० कृष्णचरित्र विषयक साँझी, होली और शारदोत्सव आदि।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१–४४० (अप्र०)।

उत्सव मालिका (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० वर्ष भर के कृष्णोत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री प्रभूदयाल कीर्तनिया, तुलसी चबूतरा, मथुरा।→३५–३१४।

उत्सव मालिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३४०।

उत्सव मालिका (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सेवाभाव और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२०७ क।

उत्सव मालिका और सेवा प्रकार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सव और सेवा प्रकार का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३३६।

उत्सव मालिका श्री विट्ठलेश्वररायजी के घर की (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५००।

उत्सव विधान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदायांतर्गत वर्षोत्सव।

प्रा०—श्री रामस्वरूव पटवारी, बरौली, डा० बलदेव (मथुरा)।→३५–३१५।

उत्सवसेवा प्रणाली (उत्सव निर्णय सहित) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांतानुसार उत्सव और सेवाभाव का वर्णन।

(क) प्रा० श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२–१३६ए।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२०७ च।

उत्सवावली (गद्यपद्य)—रसिकगोविंद कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० चैतन्य महाप्रभु के शिष्यों और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—पं० प्यारेलाल, नीवगाँव, डा० आयराखेड़ा (मथुरा)।→३५–३१।

उदय (?)—उदयपुर निवासी। सं० १७२५ के लगभग वर्तमान।

ककावली (पद्य)→४१–१५।

उदय (?)—सं० १७३६ के पूर्व वर्तमान।

ज्ञानबत्तीसी (पद्य)→३८–१५५।

उदय—(?)

रामरघुनाथ स्तोत्र (पद्य)→सं० ०१–२६।

उदय→'उदयनाथ' (कवींद्र)' ('रसचंद्रोदय' के रचयिता)।

उदय (कवि)—पूरा नाम उदयराम। वैश्य। ब्रज निवासी। सं० १८५२ में वर्तमान। उदयनाथ कवींद्र से भिन्न। स्व० श्री गयाशंकरजी याज्ञिक के अनुसार 'नंददास जड़िया तो उद[illegible] पालसिया'।

अघासुरमारन लीला (पद्य)→३२–२२३ ए।
अहरावन लीला (पद्य)→३८–१५६ ए।
उदय ग्रंथावली (पद्य)→३५–१०२ बी।
कृष्ण परीक्षा (पद्य)→३५–१०२ ए।
गिरवरधर लीला (पद्य)→३२–२२३ डी।
गिरवर विलास (पद्य)→३२–२२३ ई।
चीरचिंतामणि (पद्य)→३२–२२३ बी।
चीरहरन लीला (पद्य)→३५–१०२ सी।
चोरमिहचनी (पद्य)→३८–१५६ बी।
जुगलगीत (पद्य)→३२–२२३ जी।
जोगलीला (पद्य)→००–६८; ०६–२०० डी; ३२–२२३ एफ।
दानलीला (पद्य)→३२–२२३ सी।
दामोदरलीला (पद्य)→सं० ०१–२५।
मोहनीमाला (पद्य)→३२–२२३ एच।
रामकरुना नाटक (पद्य)→३२–२२३ आई, जे, के।
वंशी विलास (पद्य)→३२–२२३ ओ।
सुमरणमंगल (पद्य)→३२–२२३ एल।
सुमिरनसिंगार (पद्य)→३२–२२३ एम।
स्यामसगाई (पद्य)→३२–२२३ एन।
हनुमान नाटक (पद्य)→३५–१०२ डी।

उदय ग्रंथावली (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। र० का० सं० १८५२। वि० लेखक के 'कृष्ण प्रतीत परीक्षा', 'रामकरुना' और 'दानलीला' ग्रंथों का संग्रह। प्रा०—पं० इंद्र मिश्र, ब्रह्मपुरी, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३५–१०२ बी।

उदयचंद (चौबे)—आगरा निवासी। सं० १८३० के लगभग वर्तमान।
स्वरोदय (पद्य)→२३–४३४।

उदयनाथ—नेमिसार या रतौली (सीतापुर) के निवासी। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।
सगुनविलास (पद्य)→१२–१६१; २३–४३६; २६–४८६।

उदयनाथ (कवींद्र)—उप० उदय। त्रिवेदी आस्पद के ब्राह्मण। बानपुरा (दोआब) निवासी। सं० १७७७ के लगभग वर्तमान। कालिदास त्रिवेदी के पुत्र और दूलह कवि के पिता। अमेठी नरेश गुरुदत्तसिंह के आश्रित।
छंदपचीसी (पद्य)→१७–१६८।
रसचंद्रोदय (पद्य)→०३–४२; ०३–११८; ०४–२८; ०५–३; ०६–२४६; १२–१६२; २३–६० सी; २३–४३५ ए, बी।

उदयराज—जैन। सोनागिरि (?) के राजा उदयसिंह चौहान के आश्रित। 'राजस्थान में हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों की खोज' (द्वितीय भाग, पृ० १४२) के अनुसार जन्म सं० १६३१, पिता का नाम भद्रसार, माता का नाम हरषा, भाई सूरचंद्र, निवास स्थान जोधपुर और पुत्र का नाम सूदन। सं० १६७६ के लगभग वर्तमान।
उदैराज दोहावली (पद्य)→४१–१६।
गुण बावनी (पद्य)→४१–१७।

उदयराज—(?)
भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)→२६–४८७।

उदयराज—छोटेलाल के भाई।→सं० ०४–१०४।

उदयराम→'उदय (कवि), ('अघासुरमारन लीला' आदि के रचयिता)।

उदयसिंह—कलेस्वर (गोरखपुर) के राजा। सं० १६२८ के पूर्व वर्तमान। →सं० ०१–४८।

उदादास—गोरखनाथ की शिक्षाओं से प्रभावित उनके 'चेला' और 'हुकुमी बच्चा'। साध संप्रदायवालों के अनुसार कबीर के अवतार जो बिजेसर (नारनौल, दिल्ली के पास) में उदादास नाम से प्रसिद्ध हुए। 'मालिक' के 'हुकुम' और 'संदेशवाहक' के रूप में भी ख्यात।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–६ क, ख, ग, घ।

उदाहरण मंजरी (गद्यपद्य)—लल्लूभाई कृत। र० का० सं० १८३३। वि० अलंकार ('भाषाभूषण' में वर्णित अलंकारों से उदाहृत)।
(क) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, राधारमण घेरा, वृंदावन (मथुरा)। →२६–२११।
(ख) लि० का० सं० १८४०।
प्रा०–पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि का गली, वाराणसी।→०६–१७३।

उदितकीर्ति प्रकाश (पद्य)—ब्रजलाल (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह का यश वर्णन।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–६३। (कवि की हस्तलिखित प्रति)।

उदितनारायणसिंह (महाराज)—अन्य नाम उदितप्रकाशसिंह। काशी नरेश। राज्यकाल सं० १८४२–१८६२। महाराज बरिबंडसिंह के पुत्र। गोकुलनाथ, मणिदेव भट्ट, गोपीनाथ, ब्रह्मदत्त, ब्रजलाल और रामसहायदास के आश्रयदाता।→०३–१५; ०३–४६; ०४–१६; ०४–६५; ०६–२५६; २६–२६३।
गीतशत्रुंजय (पद्य)→०४–१०६।

उदित प्रकाशसिंह→'उदितनारायणसिंह (महाराज)' (काशी नरेश)।

उदैराज दोहावली (पद्य)—उदयराज कृत। वि० संयोग वियोग और नखशिख।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१६।

उदोत (कवि)—काशी निवासी। जन्म स्थान टीकमगढ़, ग्वारियर। सनाढ्य ब्राह्मण। पिता का नाम संभवतः स्याम मिश्र। बुजुक (बिहार प्रांत के सूबा) के मंत्री सथमलराम के पुत्र पूरनमल्ल के आश्रित। औरंगजेब बादशाह (सं० १७१५–६४ वि०) के समय में वर्तमान। किसी रामसिंघ ने इन्हें 'उदोत कवि' की उपाधि दी थी।
अनेकार्थ मंजरी (पद्य)→सं० ०४–२२।

उद्योतसिंह (महाराज)—उप० निर्मलप्रकाश। गोंडा के राजा। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।
भगवत बानी (पद्य)→२०–१२१।

उद्योतसिंह (महाराज)—ओड़छा नरेश। राज्यकाल सं० १७४६–१७६२। कुँवर पृथ्वीराज (पृथ्वीसिंह) के पिता। घनराम और कोविद (चंदमणि) के आश्रयदाता।→०३–३८; ०६–११; ०६–३५; ०६–६२।

उधवाप्रसंग (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–११४ ग।

उपखान विवेक→'उपाख्यान विवेक' (पहलवानदास कृत)।

उपखाने सहित दशम की लीला→'भागवत (दशमस्कंध चरित्र उपाख्यान सहित)' (जगतानंद कृत)।

उपदंश चिकित्सा (गद्य)—रामचंद्र कृत। र० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६४०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—हकीम रामदयाल, मुबारकपुर, डा० लहरपुर (सीतापुर)।→२६–३७६।

उपदंश चिकित्सा (गद्य)—हजारीलाल कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री नानकचंद श्रीवास्तव, कमलागढ़ी, डा० वजीदपुर (अलीगढ़)।→२६–१५१।

उपदंशारि (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत। वि० उपदंश चिकित्सा (संस्कृत से अनूदित)।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६–१२ ए।

उपदेश (पद्य)—सतगुरुप्रसादशरण (स्वामी) कृत। वि० श्री राम की भक्ति और उनकी बाललीला।
प्रा०—श्री हनुमानशरण वैष्णव साधु, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–१७५।

उपदेश अष्टक (पद्य)—दामोदरदेव कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० आचार संबंधी उपदेश।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२४ सी।

उपदेश चितावनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२-१०३ सी[२]।

उपदेश दोहा (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० उपदेश।
(क) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३२३ जे।
(ख)→पं० २२-११२ एफ।

उपदेश दोहा (पद्य)—अन्य नाम 'व्यासजी के उपदेश'। व्यास जी कृत।
वि० उपदेश।→पं० २२-११४।

उपदेशनीति शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ख।

उपदेशसिद्धांत रत्नमाला ग्रंथ की वचनिका (गद्य)—भागचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १९१२। लि० का० सं० १९१५। वि० जैन सिद्धांत।
प्रा०—श्रादिनाथ जी का मंदिर, श्राबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-९६ क।

उपदेशावली (पद्य)—कुंदनदास कृत। लि० का० सं० १८९३। वि० राम भजन का उपदेश।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमौली, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२०७ ए।

उपदेशावली (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ डी।

उपनिषद भाष्य (गद्य) रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७७६। लि० का० सं० १८६६। वि० दाराशिकोह की आज्ञा से सं० १७१२ में संस्कृत से फारसी में अनूदित पुस्तक का अनुवाद। इसमें निम्नलिखित उपनिषद हैं—
१. उपनिषद को षडंग, २. शुकोपनिषद, ३. शिवसंकल्पोपनिषद, ४. शतरुद्री उपनिषद, ५. मैत्रायणी उपनिषद, ६. बृहदारण्यक, ७. कराली, ८. षड्वल्ली, ९. मुंडक, १०. कठोपनिषद, ११. कैवल्य, १२. अमृतविंदु, १३. अथर्व्यशिर, १४. आत्मप्रबोध, १५. सर्वोपनिषद, १६. नीलरुद्र, १७. तेजोविंदु, १८. हंसोपनिषद, १९. अथर्व्यशिखा, २०. नृसिंहतापनीय उपनिषद।
(क) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-३३।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-४१।

उपमालंकार नखशिख वर्णन (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख वर्णन'। बलबीर कृत।
वि० नखशिख।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, हिम्मतपुर, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६-३८ ए।
(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—पं० वंशगोपाल, दीनापुर, डा० उमरगढ़ (एटा) ।→२६–२२ सी ।

(ग) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—पं० सुखनंदन बाजपेयी, कुतुबनगर (सीतापुर) ।→२३–३४ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—पं० जनार्दन, खाले का बाजार, लखनऊ ।→२६–३८ बी । ।

(ङ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–२७ ।

उपवन विनोद (पद्य)—भोज (भोजराज) कृत । र० का० सं० १८८४ । लि० का० सं० १६०४ । वि० बागवानी । ('शार्गंधर' के कुछ भागों का अनुवाद) ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–१५ बी ।

उपसुधानिधि सटीक (पद्य)—हित चंदलाल (गोस्वामी) कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० राधा जी की वंदना ।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–३६ ए ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–३५ ए ।

उपाख्यान विवेक (पद्य)—अन्य नाम 'मसलेनामा' । पहलवानदास कृत । र० का० सं० १८६५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–१३१ ।

(ख) लि० का० सं० १६५६ ।

प्रा०—श्री रतननारायण, जगदीशवापुर, डा० इन्हौना (रायबरेली) ।→ सं० ०४–२०४ क ।

(ग) लि० का० सं० १६७० ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–३४० सी ।

(घ) लि० का० सं० १६६८ ।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद, भीखीपुर, डा० राजाफत्तेपुर (रायबरेली) ।→ सं० ०४–२०४ ख ।

(ङ) प्रा०—भैया तालुकदारसिंह नायब, राज्य देवतलिया (गोंडा) । → ०६–२२१ ।

(च) प्रा०—मुं० विंदेश्वरीप्रसाद, पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) विभाग, बाराबंकी । →२३–३०८ ।

(छ) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछराँवा (रायबरेली) ।→सं० ०४–२०४ ग ।

उपाख्यान सहित दशमस्कंध चरित्र→'भागवत (दशमस्कंध चरित्र उपाख्यान सहित)' (जगतानंद कृत) ।

उपालंभ शत (पद्य)—भवानीप्रसाद (शुक्ल) कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० परमेश्वर को उपालंभ ।

प्रा०—पं० बनवारीलाल, हाथरस (अलीगढ़)।→१७–२४ बी।

उपालंभ शतक (पद्य)—रसरूप कृत। वि० उद्धव गोपी संवाद।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर।→०६–२६१।

(ख) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→ २६–४०३।

उपासना शतक (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० वैराग्य और धर्म आदि।

प्रा —पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद)।→२०–१४५ सी।

उभयप्रबोधक रामायण (पद्य)—बनादास कृत। र० का० सं० १८३४। वि० राम कथा।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०–११ सी।

उमरायसिंह—पैगू (मैनपुरी) निवासी।

संग्रह (गद्यपद्य)→३२–२२५।

उमराव—अन्य नाम जनउमराव।

भक्तगीतामृत (पद्य)→४१–१८।

उमराव (गिरि)—देवकीनंदन के आश्रयदाता कुँवर सरफराज गिरि के पिता।→ ०१–५७।

उमरावकोष→'अमरकोष' (सुवंश शुक्ल कृत)।

उमरावपुरी (गोसाँई)—शंकर दीक्षित के गुरु। सं० १६३२ के पूर्व वर्तमान।→ २६–४१६।

उमराव वृत्ताकर (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १८६८। वि० पिंगल।

प्रा०—बाबू महावीरबख्शसिंह, रईस, कोठाराकलाँ (सुलतानपुर)।→ २३–४२२ ई।

उमरावसिंह—भिनगा के रईस चौधरी शिवसिंह के पुत्र। बिसवाँ (विश्वनाथपुर) के जागीदार। युवराजसिंह के पिता। सुवंश शुक्ल के आश्रयदाता। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।→ ०५–८८; २०–१६१; २३–१६७; २३–२०२; २६–४७५।

उमरावसिंह→'उत्तमदास' ('छंदमहोदधि पिंगल' के रचयिता)।

उमा—स्वामी रामचरण (रामसनेही पंथ के प्रवर्तक) के शिष्य रामजन की शिष्या। सं० १८३६ के लगभग वर्तमान।

पद (पद्य)→३८–१५७।

उमादत्त (त्रिपाठी)—(?)

अध्यात्म रामायण (गद्य)→२६–४८८।

उमादास—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह और कर्मसिंह के आश्रित। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान। ये महाभारत के अनुवादकों में से एक हैं।

कुरुक्षेत्र माहात्म्य (पद्य)→०४–६३ ।
नवरत्न (पद्य)→०४–६५ ।
पंचयज्ञ (पद्य)→०४–६७ ।
पंचरत्न (पद्य)→०४–६६ ।
महाभारत (भाषा) (पद्य)→०४–६७ ।
माला (पद्य)→०४–६४ ।

उमादास—(?)
नवरत्न कवित्त (पद्य)→सं० ०१–२७ ।

उमापति—अयोध्या निवासी प्रसिद्ध पंडित । सं० १६२४ के लगभग वर्तमान ।
अयोध्या माहात्म्य (गद्य)→ ०१–३१ ।

उम्मेदसिंह—शाहिपुर के सरदार । टेकचंद के आश्रयदाता । सं० १८२२ के लगभग वर्तमान ।→१७–१६३ ।

उम्मेदसिंह (व्यास)—जन्म सं० १८५३ । गंगाप्रसाद व्यास के पिता । कृष्णभक्त । चित्रकूट निवासी । 'नखशिख' और 'लीला (कृष्णचरित्र)' नामक दो अनुपलब्ध ग्रंथों के रचयिता ।→१७–५६ ।

उरगनौ (पद्य)—नल्हु (कवि) कृत । लि० का० सं० १७७२ । वि० यात्रा के शकुन और वियोग दुःख वर्णन द्वारा नायिका का नायक को विदेश जाने से रोकना ।
प्रा०—पं० सियाराम शर्मा, करैहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–१५० ।

उरदाम—वास्तविक नाम दामोदर चौबे । ग्वाल कवि के समकालीन । मथुरा (गताश्रम टीला) के निवासी ।
उरदाम प्रकाश (पद्य)→१७–२०० ।

उरदाम प्रकाश (पद्य)—उरदाम (दामोदर चौबे) कृत । लि० का० सं० १६४७ । वि० शृंगार ।
प्रा०—कवि नवनीत चौबे, मथुरा ।→१७–२०० ।

उरांतप (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→०२–२५ (नौ) ।

उर्वशीमाला या उर्वशीनाममाला→'नाममाला' (शिरोमणि मिश्र कृत) ।

उल्था करीमा की→'नीतिप्रकाश' (बलदेव माथुर कृत) ।

उल्था श्री सत्यनारायण→'सत्यनारायण (उल्था)' । (विश्वेश्वर कवि कृत) ।

उषा अनिरुद्ध का ब्याह (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० सं० १८५६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—सेठ कौशल्यानंदन, शृंगारहाट, अयोध्या ।→२०–१४४ ।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)—भारतशाह कृत । र० का० सं० १७६७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद, गोतमियाँ, अजयगढ़ ।→०६–१४ ए ।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)—रामदास कृत। र० का० सं० १७०१ । वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४३ ।

प्रा०—श्री रामप्रसाद गौतमियाँ, अजयगढ़।→०६–२१२ ए (विवरण अप्राप्त)। (दो प्रतियाँ क्रमशः सं० १८६१ की दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में और सं० १६४६ की बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर में हैं)।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–१६६ ।

(ग) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—मुंशी छेदीलाल, खेरागढ़ (आगरा)।→२६–२५६ ।

टि० खो० वि० २६–२५६ की प्रति में पहाड़ कवि कृत 'विश्राम छंद' भी संमिलित हैं।

उषा अनिरुद्ध विवाह (पद्य)—चिंतामणि गुपाल कृत। लि० का० सं० १८०२ । वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) →३८–३२ ।

उषा कथा (पद्य)—लालदास कृत। लि० का० सं० १८६६ । वि० उषा और अनिरुद्ध विवाह की कथा।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर पांडेय, असनी (फतेहपुर)।→०६–१७० ए।

उषा चरित्र (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० अवधविहारी मिश्र, धनौली (बाराबंकी)।→२३–२२७ ए।

उषा चरित्र (पद्य)—जनकिशोर कृत। र० का० सं० १७६४ । लि० का० सं० १८१६ । वि० उषा अनिरुद्ध विवाह की कथा।

प्रा०—श्री विहारीजी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१–२६ ।

उषा चरित्र (पद्य)—परशुराम कृत। र० का० सं० १६३० (लगभग)। वि० उषा अनिरुद्ध की कथा।

(क) लि० का० सं० १८२५ ।

प्रा०—पं० भवानीबक्स, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। →२३–३११ ।

(ख) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—पं० मनिया मिश्र वैद्य, सुभानपुर (कानपुर)।→२६–३४४ ।

(ग) लि० का० सं० २८७२ ।

प्रा०—पं० शिवकंठ मिश्र, गोपामऊ (हरदोई)।→२६–२६४ ए।

(घ) प्रा०—पं० बाबूलाल शर्मा, लिपिक (क्लर्क), विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय, मेरठ। →१२–१२७।

(ङ) प्रा०—पं० सीताराम शर्मा, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–२६४ बी।

उषा चरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उषा अनिरुद्ध की कथा।

प्रा०—सार्वजनिक पुस्तकालय, सादाबाद (मथुरा) ।→३२–२८३।

उषा चरित्र→'उषा अनिरुद्ध की कथा' (रामदास कृत)।

उषा चरित्र (बारहखड़ी) (पद्य)—कुंजजन कृत। र० का० सं० १८३१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० शिवरत्न तिवारी, दुरगौड़ा (गोंडा) ।→२०–६१।

(ख) लि० का० सं० १९४६।

प्रा०—लाला कुंजलाल, बिजावर ।→०६–२८२ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–२५२ बी।

(घ)→पं० २२–५८।

उषा हरण (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० उषा और अनिरुद्ध का विवाह।

प्रा०—पं० बाबूशंकर, सादाबाद (मथुरा) ।→३८–३६।

उसमान—उप० मान। गाजीपुर निवासी। हुसेन (शेख) के पुत्र। सं० १६७० के लगभग वर्तमान।

चित्रावली (पद्य)→०४–३२।

ऊदा जी—दौलतराव सिंधिया के सरदार। खांडेराव के पौत्र और रानराव के पुत्र। पद्माकर भट्ट के आश्रयदाता। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान। →०५–४३।

ऊधवलीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र० का० सं० १९६०। लि० का० सं० १९६०। वि० उद्धव और गोपियों का संवाद।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामबिहारीलाल का मंदिर, पीलीभीत ।→१२–६३ डी।

ऊधोजी की बारहखड़ी→'गोपीकृष्ण की बारहखड़ी' (संतदास कृत)।

ऊधोदास—लालदास के पिता। आगरा निवासी। सम्राट अकबर के समकालीन। सं० १६४३ के पूर्व वर्तमान ।→०१–१०; ०२–२६।

ऊधौ पचीसी (पद्य)—मलूक (?) कृत। वि० उद्धव और गोपियों का संवाद।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१–१८७।

ऊमास्वामी (आचार्य)—श्री ज्योतिप्रसाद जी के अनुसार मूल संस्कृत ग्रंथ के रचयिता जैन आचार्य।

तत्वार्थाधिगम मोक्षशास्त्र (गद्य)→सं० ०७–१० क, ख ।

ऊषा कथा→'उषा अनिरुद्ध की कथा' (रामदास कृत) ।

ऊषा चरित्र (पद्य)—मुरलीदास कृत । लि० का० सं० १८८८ । वि० उषा अनिरुद्ध कथा ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३०१ क ।

ऊषा चरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ऊषा अनिरुद्ध कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४५० ।

ऊषा लीला (पद्य)—सुंदरलाल कृत । लि० का० सं० १६४० । वि० उषा अनिरुद्ध विवाह की कथा ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, डा० बेहटा गोकुल (हरदोई) । → २६–३१८ सी ।

ऋतुराज—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । सं० १६१० के लगभग वर्तमान ।

बसंतबिहार नीति (पद्य)→०४–१ ।

ऋतुराज मंजरी (पद्य)—हृषिकेश कृत । वि० राधाकृष्ण की लीला ।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–१६० ए ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१–२६ ।

ऋतुराज शतक (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० वसंत वर्णन ।

प्रा०—ठा० दीनपालसिंह राठौर, झाझामऊ, डा० उमरगढ़ (एटा) ।→ २६–१०१ सी ।

ऋतुविनोद (पद्य)—गुरुदासशरण (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६६६ । वि० ऋतुओं का वर्णन ।

प्रा०—साधु हनुमानशरण, कामदकुंज, अयोध्या ।→२३–१४४ ।

ऋतुसंबंधी कवित्त→'षटऋतुसंबंधी कवित्त' (ग्वाल कवि कृत) ।

ऋषभदास→'नंदलाल और ऋषभदास' (जयपुर निवासी) ।

ऋषभदेव—(?)

रमल प्रश्नावली (पद्य)→२६–४०८ ।

ऋषभदेव की कथा (पद्य)—जयसिंह जू देव कृत । वि० भगवान ऋषभदेव की कथा ।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ→००–१५१ ।

ऋषिकेश—आगरा निवासी । सं० १८०८ के लगभग वर्तमान ।

कालज्ञान (पद्य)→३८–१२७ ।

स्वरोदय (षटप्रकाश) (पद्य)→०६–२२१; १७–१६५; सं० ०१–२८ ।

ऋषिकेश—वृंदावन निवासी।

ऋतुराज मंजरी (पद्य)→३२–१६० ए; सं० ०१–२६।

शनि कथा (पद्य)→३२–१६० बी।

ऋषिचिंतु→'चिंतामणि' ('ब्रह्ममाला और योगसिंधु' के रचयिता)।

ऋषिनाथ—ब्रह्मभट्ट। बनारस के राजा बरिबंडसिंह के दीवान दोहाराम के पुत्र रघुबर और भानजे सदाराम के आश्रित। असनी के निवासी। काशीराज के भाई देवकीनंदनसिंह के भी आश्रित। कवि सेवकराम के पितामह। सं० १८३० के लगभग वर्तमान।→०४–१८; ०६–२८६।

अलंकार मणिमंजरी (पद्य)→२०–१६६; सं० ०४–२३ क, ख।

ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। लि० का० सं० १७८३। वि० ऋषिपंचमी की कथा (भविष्योत्तरपुराण से अनूदित)।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया→०६–६४ डी।

ऋषि पंचमी की कथा (पद्य)—गणपति कृत। र० का० सं० १८६०। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा० –श्री रामभरोसे, निगोहाँ, डा० तिनेरा (रायबरेली)।→सं० ०४–५८।

ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)—घासीराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री बटल उपाध्याय, नलबंदीपुर (समथर)।→०६–३७।

ऋषिराय ब्रह्महुलास—जैन।

सुदर्शन (सेठ) की चौपाई (पद्य)→दि० ३१–१५।

एकांतपद (पद्य)—गोविंददास कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० राधाकृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री नत्थी भट्ट, दसबिस्सा, गोवर्धन (मथुरा)।→१७–६३।

एकात्तर मंजरी (पद्य)—वीरभाण कृत। र० का० सं० १७६६। वि० माधवाचार्य कृत संस्कृत 'वेदात्तर रत्नमाला' का अनुवाद।

प्रा०—पं० रामचंद्र पटवारी, व्याना (भरतपुर)।→३८–१७।

एकात्तरी→'शब्दावली' (तोंबरदास कृत)।

एकादश (भाषा)→'भागवत'।

एकादशपुराण→'अनुभव ग्रंथ (ज्ञानदास कृत)।

एकादशस्कंध (भाषा)→'भागवत (एकादश स्कंध)' (चतुरदास कृत)।

एकादशी कथा (पद्य)—जगदीशजन कृत। लि० का० सं० १८४६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामअकबाल उपाध्याय, सेलहरा, डा० अतरौलिया (आजमगढ़)।→सं० ०१–१२०।

एकादशी कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६११। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा० – पं० मिश्रीलाल, गढ़वार, डा० पारना (आगरा) ।→२६–३६६ ।

एकादशी कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० बारह मासों की एकादशी कथा ।

प्रा०—पं० रामगोपाल, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–२२ (परि० ३) ।

एकादशी कथा→'एकादशी माहात्म्य' (सूरजदास कृत) ।

एकादशी महाफल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० एकादशी व्रत का माहात्म्य ।

प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कुराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६–७ (परि० ३) ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—अमरदास कृत । र० का० सं० १८१५ । लि० का० सं० १८६६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविल जज, सुलतानपुर ।→सं० ०१–७ ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—कर्तानंद कृत । र० का० सं० १८३१ । वि० चौबीसों एकादशियों के व्रत, कथा विधान और उनके फलादि का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—श्री बनवारीलाल पुजारी, बाह्मनटोला मंदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा) ।→२६–१८६ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—श्री सूर्यपाल, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–१८६ ए ।

(ग) प्रा०—पं० रेवतीराम शर्मा, कमतरी (आगरा) ।→२६–१८६ सी ।

(घ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१८६ डी ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—कृष्णदास कृत । लि० का० सं० १८५० । वि० एकादशी व्रत कथा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–६४ सी ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर राज्य, नौगवाँ (आगरा) ।→ २६–२२६ ।

एकादशी माहात्म्य (गद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० देवीप्रसाद सनाढ्य, डा० शमसाबाद (आगरा) ।→२६–२३० ए ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । लि० का० सं० १७७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२१८ ई (विवरण अप्राप्त ।

एकादशी माहात्म्य (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह, डा० बाह (आगरा)।→२६–३० जी।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–११७।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सहज कृत। लि० का० सं० १६००। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मदनराम, सरसा, डा० छोटी कोसी (मथुरा)।→३८–१३३।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सुदर्शन (विप्र) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६२२।
प्रा०—मुंशी रामजिआवनलाल, अध्यापक, टाउन स्कूल, फतेहपुर (बाराबंकी)। →२३–४०८।
(ख) प्रा०—पं० रघुवर पाठक पुजारी, बिसवाँ (सीतापुर)।→१२–४७।
(ग) प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–४६३।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'एकादशी कथा'। सूरजदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १७८५।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदाबर्ती, आजमगढ़।→४१–५७४ क (अप्र०); सं० १०–१३३ क।
(ख) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कटैलिव, डा० चिलबलिया (बहराइच)।→ २३–४१७ बी।
(ग) लि० का० सं० १६१४।
प्रा०—श्री भागवतलाल, प्रतापगढ़।→२६–४७३ ए।
(घ) लि० का० सं० १६२३।
प्रा०—पं० जगन्नाथ, महोरी, तहसील करछना (इलाहाबाद)।→१७–१८७ बी।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१३३ ख।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—हीरामनि कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० कालीप्रसाद, असवा, मटेरा (बहराइच)।→२३–१६७।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरोली कटारा (आगरा)।→२६–३७०।

एकादशी माहात्म्य (भाषा) (पद्य)—प्रवीणराय (?) कृत। र० का० सं० १८८१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० होतीलाल वैद्य, श्री बलदेव (मथुरा)।→३५–७५।

एकादशी व्रत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला रघुवरदयाल, बिलहना, डा० दौकैली (आगरा) ।→२६–३७१ ।

एकादशीव्रत कथा (पद्य)—माधवराम कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० सुदर्शन पाठक, पुरा गंगाधर, टिकरिया, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–२५७ ।

एकीभाव (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० जैनमत का धर्म ग्रंथ ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१०१ ।

एकोतरा सुमिरण (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० ओंकार और ईश्वर के भजन की महिमा ।

प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल, काँदू, गुलाम अलीपुर (बहराइच) ।→२३–१६८ सी ।

ओंकार (भट्ट)—अस्थ (मालवा) निवासी । भूपाल राज्य के एजेंट विल्किंसन के आश्रित १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

भूगोलसार (गद्य)→०६–२१६ ।

ओधवनी अरज (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गोपी उद्धव संवाद ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–५०१ ।

ओनामासी, बाराखड़ी, पंचपाटी, धातुरूप और लघुचाणक्य राजनीति (पद्य ?)—रचयिता अज्ञात । वि० राजनीति आदि ।

प्रा०—श्री गोस्वामी जी, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट, हुसैनगंज, लखनऊ ।→२३–५२३ ।

ओरछा समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत) ।

ओरीलाल (शर्मा)—संभवतः उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।

चौताल पचासा (पद्य)→२६–२० ।

रमलताजक (पद्य)→०६–२१८; पं० २२–७६ ।

ओषधि तथा मंत्र और सगुनौती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७४१ । वि० वैद्यक और मंत्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५०२ ।

ओषा चरित्र→'उषा चरित्र' (रचयिता अज्ञात) ।

ओषाहरण (पद्य)—परमाणंद कृत । र० का० सं० १५१२ । लि० का० सं० १६१३ । वि० ऊषा अनिरुद्ध विवाह वर्णन ।

प्रा०—पं० बलभद्र, दानोपुर, डा० बरसड़ी (जौनपुर) ।→सं० ०४–१६६ ।

ओषाहरण→'उषाहरण' (देवीदास कृत) ।

औतार सिद्धी (ग्रंथ) (गद्य)—यमुनाशंकर (नागर) कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० अवतारों की सिद्धि का वर्णन ।

प्रा०—ठा० परशुसिंह, रामनगर, डा० बारा (सीतापुर) ।→२६-३२६ ए ।

औध→'अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी)' ('अवधशिकार' आदि के रचयिता) ।

औरंगजेब—प्रसिद्ध मुगल सम्राट । राज्यकाल सं० १७१५-१७६४ । मतिराम, वृंद कवि, सुंदर, कालिदास और पायंदबेग के आश्रयदाता ।→००-४०; ०१-६५; ०२-३; २०-७५; पं० २२-८३ ।

औरंगजेब विलास (पद्य)—पायंदबेग कृत । वि० संगीत ।→पं० २२-८३ ।

औषधियाँ (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० रामप्रसाद पांडे, घुरहा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) । → २६-११ (परि० ३) ।

औषधियाँ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० औषधियों के नुसखे ।
प्रा०—कुँवर एवजसिंह, पथौली, डा० मिढ़ाकुर (आगरा) । →२६-३३६ ।

औषधियाँ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० औषधि शास्त्र ।
प्रा०—पं० गौरीशंकर, मढ़ेपुरा (इटावा) ।→३५-१२० ।

औषधि यूनानी सार (गद्य)—शिवगोपाल कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १६०० । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री शिवदयाल वैद्य, नीमकापुर, डा० जलाली (अलीगढ़) ।→२६-३०६ ।

औषधियों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—पं० ताराचंद मुनीम, द्वारा मुरलीधर महादेवप्रसाद, सिरसागंज (मैनपुरी) ।→२६-६ (परि० ३) ।
(ख) प्रा०—पं० गोरेलाल गोपालप्रसाद उपाध्याय, सिरसागंज (मैनपुरी) । →२६-६ (परि० ३) । (दो प्रतियाँ) ।

औषधियों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० दामोदरप्रसाद, ओखरा, डा० नारखी (आगरा) ।→२६-३४० ।

औषधियों के नुसखे (गद्य)—बख्तावर (चतुर्वेदी) कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० देवकीनंदन शर्मा, रवनिया, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर) । →२३-२७ ।

औषधिरोग निदान (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० पूरनसिंह, सोराँव (इलाहाबाद) ।→४१-३४१ ।

औषधि वर्ग नाममाला (पद्य)—दुर्गालाल (कायस्थ) कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री राधेबिहारीलाल शायर, जूही, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़) । → २६-१११ एं ।

औषधि विधि (गद्य)—धनंतर (धन्वतरि) कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-७० ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—बाबूराम (पांडे) कृत । र० का० सं० १८०२ । लि० का० सं० १८०२ । वि० वैद्यक ।

प्रा० —पं० भगवानदत्त, बेनीपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–२२ ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—राधेकृष्ण कृत । र० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।

प्रा० —पं० माताप्रसाद दूबे, चंदनपाड़ा, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) । →२०–१३७ ।

औषधि संग्रह (गद्य)– हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—डा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़वापुर, डा० चिलबलिया (बहराइच) । →२३–१६६ ए ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा शास्त्र ।

प्रा०—पं० राघोराम, सहायक अध्यापक, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । →२६–१० (परि० ३) ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा शास्त्र ।

प्रा०—बाबू रुद्रनारायणसिंह, अध्यापक, गवर्नमेंट हाईस्कूल, प्रतापगढ़ । → २६–१० (परि० ३) ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० औषधियों और मंत्रों का संग्रह ।

प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरकनगर, निगोहाँ (लखनऊ) ।→२६–३४१ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा) ।→३५–११७ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल अध्यापक, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५–११८ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० डालचंद शर्मा, लखुना (इटावा) ।→३५–११६ ।

औषधि संग्रह कल्पवल्ली (गद्यपद्य)—राधाकृष्ण (द्विवेदी) कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।

प्रा०—आशुतोष पुस्तकालय (संस्थापक, वृंदावन द्विवेदी), चाँदोपारा, डा० जलालपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–३३६ ।

औषधिसार (पद्य)—छत्रसाल (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८४४ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२१ ए ।

औषधिसुधातरंगिणी (गद्य)—गदाधर (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० वैद्यक निघंटु ।

(क) मु० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—श्री गंगारतन दूबे, गौरा रुपई, डा० अँवारा पश्चिम (रायबरेली) । →सं० ०४–६२ क ।

(ख) मु० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—श्री रामकरन शर्मा (डाक्टर), गभीरन बाजार, डा० रानीपुर (जौनपुर)। →सं० ०४-६२ ख।

औषिक पर्व (पद्य)—मणिदेव (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० महाभारत के औषिक पर्व की कथा।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-२६३ ए।

औसेरीलाल—सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।

यशोधर चरित्र (पद्य)→२३-२३।

कंगल या गंगल (भाट)—भूपति के पूर्वज।→३८-१३।

कंजदृग—अन्य नाम दृगकंज। जैन कवि। मैनपुरी निवासी। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।

वारांगकुमार चरित्र (पद्य)→२३-१०५।

कंठ→'नीलकंठ' ('नायिकाभेद' के रचयिता)।

कंठमाल (विशुनपद कृपाराम जी) (पद्य)—कृपाराम (?) कृत। वि० हरिभक्तों की महिमा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३८।

कंठाभरण→'कविकुल कंठाभरण' (दूलह कृत)।

कंठाभरन टीका (गद्य)—मतिराम कृत। वि० दूलह कवि कृत 'कंठाभरण' की टीका।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२६८।

कंथड़बोध—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२-६१ (छै)।

कंदुकक्रीड़ा (पद्य)—लोक (कवि) कृत। लि० का० सं० १८०५। वि० कृष्ण जी की अपने साथियों के साथ गेंद खेलने की लीला।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-२१३।

कंद्रपकलोल (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ ग।

कंश की सभा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कंश की मथुरा के सौंदर्य का वर्णन।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा)।→३८-१७६।

कंसचौंतीसी→'कृष्णचौंतीसी' (परमानंदकिशोर कृत)।

ककहरा (पद्य)—गंगादास कृत। वि० भक्ति औ ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-२६।

ककहरा (पद्य)—जीवनदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४१।

ककहरा (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-११४ च।

ककहरा (पद्य)—नामदेव कृत। वि० शिव विवाह।

प्रा०—श्री कल्लू पांडे, गोराजू, डा० पच्छिमसरीरा (इलाहाबाद)।→ सं० ०१–१६० ।

ककहरा (पद्य)—भीखा साहब कृत । लि० का० सं० १८३८ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१७४ क ।

ककहरा (पद्य)—रामसहाय कृत । लि० का० सं० १६३७ । वि० उपदेश ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०६–२५६ ।

ककहरा (पद्य)—अन्य नाम 'राधाब्रजराज जस'। लाल (कवि) कृत । र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६०७ । वि० गोपियों का विरह शृंगार ।
प्रा०—श्री साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ़, डा० खजुरौ (रायबरेली)। →सं० ०४–३५४ ख ।

ककहरा (पद्य)—शिवप्रसाद (महंत) कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० उपदेश और सतगुरु महिमा ।
प्रा०—श्री गंगादीन ईश्वरी, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)।→ २३–३६५ ।

ककहरा→'सुदामाजी की बारहखड़ी' (सुदामा कृत)।

ककहरा अरल के (पद्य)—पलटूदास कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनके गाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४–२०३ ख ।

ककहरानामा→'कहरनामा' (नवलदास कृत)।

ककहरा रसखान→'रसखान संग्रह' (रसखान कृत)।

ककाबत्तीसी (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–८३ ।

ककाबत्तीसी (पद्य)—लैलीनराम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१७७ ख ।

ककाबत्तीसी (पद्य)—सूरतराम कृत। वि० भक्ति ।
प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३५–६७ बी ।

ककाबत्तीसी→'ककावली' (उदय कृत)।

ककावली (पद्य)—आनंद (कवि) कृत। वि० रासलीला वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१५ ख ।

ककावली (पद्य)—अन्य नाम 'ककाबत्तीसी'। उदय (?) कृत। र० का० सं० १७२५ । वि० उपदेश (ककारादि क्रम से)।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर। →४१–१५ ।

ककोरा रामायण→'रामायण सूचनिका' (रसिकगोविंद कृत)।

कक्का पैंतीसी (पद्य)—चेतन कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–६६ क ।

कजानामा (गद्यपद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १६२३। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री भोलानाथ (उप० भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)। →
सं० ०१–१६४।

कटारमल्ल—(?)
निघंटुहारीत (गद्यपद्य)→३२–१११।

कठिन औषधि संग्रह (पद्य)—जयलाल (गौड़) कृत। लि० का० सं० १८५५।
वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री जगजीवनलाल वैद्य, नौनेरा, डा० हाथरस (अलीगढ़)। →
२६–१७४ एफ।

कड़खा (पद्य)—रामदास (मौनी) कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भगवद्भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६७ क।

कड़खे (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० निर्गुण भक्ति।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। →
सं० ०४–२०५ ख।

कणेरी (कणेरीपाव)—अन्य नाम कन्हपा या कर्णपाद। नाथ सिद्ध। जालंधरपाद के
शिष्य। 'आदिनाथ नाती मछिंद्रनाथ पूता'। सिद्धों की वाणी में भी संगृहीत।
→४१–१६; ४१–१६ (आठ); सं० १०–४१; सं० १०–१०३।
सबदी (पद्य)→सं० १०–८।

कथा अरदसेर पातिसाह की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का०
सं० १६६०। लि० का० सं० १७८४। वि० अरदसेर पातसाह की कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ण।

कथा कँवलावतो की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६७०।
लि० का० सं० १७७८। वि० राजकुमार इंदवदन और राजकुमारी कँवलावती
की प्रेम कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ च।

कथा कनकावती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६७५।
लि० का० सं० १७७८। वि० राजकुमार परमरूप और राजकुमारी कनकावती
की प्रेम कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ र।

कथा कलंदर की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १७०२।
वि० कलंदर की कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ प।

कथा कलावंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६७०।
लि० का० सं० १७७८। वि० राजकुमार पुरंदर और राजकुमारी कलावंती की
कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ट ।

कथा कामरानी व पीतमदास की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६९१ । लि० का० सं० १७८४ । वि० राजकुमार पीतमदास और राजकुमारी कामरानी की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ त ।

कथा कामलता की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६७८ । लि० का० सं० १७७८ । वि० राजा रसाल और रानी कामलता की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ भ ।

कथा कुलवंती को (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६९३ । लि० का० सं० १७७७ । वि० एक सौदागर की स्त्री कुलवंती की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ म ।

कथा कौतूहली की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६७५ । लि० का० सं० १७७८ । वि० राजकुमार सरवंगी और राजकुमारी कौतूहली की प्रेम कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ल ।

कथा खिजिरखाँ शाहजादे व देवलदे की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६९४ । लि० का० सं० १७७८ । वि० शाहजादा खिजर और राजकुमारी देवलदे की प्रेमकथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ य ।

कथा चंद्रसेन राजा सीलनिधान (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६९१ । लि० का० सं० १७८४ । वि० राजा चंद्रसेन और राजकुमारी शील-निधान की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ढ ।

कथा चित्रगुप्त की (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चित्रगुप्त की कथा ।

प्रा०—श्री महाराजदीन जी, जमुनीपरि, डा० हनुमानगंज (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–५०३ ।

कथा छबिसागर की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १७०६ । लि० का० सं० १७७८ । वि० रामपुरी की राजकुमारी छबिसागर और जैतपुरी के राजकुमार गुनसागर के विवाह की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ञ ।

कथा छीता की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६९३ । लि० का० सं० १७८४ । वि० देवगिरि की राजकुमारी छीता और पच्छिम देश के राजकुमार राम के विवाह की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ज ।

कथा नलदमयंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सन् १०७२ हि० । लि० का० सं० १७७८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ घ।

कथा निरमल की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १७०४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ फ।

कथा पुहुपबरिषा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६८५। लि० का० सं० १७७८। वि० राजकुमार सुरपति और राजकुमारी सुकेसी की प्रेम कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ङ।

कथामृत (पद्य)—गिरिधरदास (गोपालचंद) कृत। लि० का० सं० १६११। वि० मच्छ, कच्छप, नृसिंहादि की पौराणिक कथाएँ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४६।

कथा मोहनी की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६६४। लि० का० सं० १७८४। वि० राजकुमार मोहन और राजकुमारी मोहनी की कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ड।

कथा रूपमंजरी (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६८५। लि० का० सं० १७८४। वि० राजकुमार ज्ञानसिंधु और राजकुमारी रूपमंजरी की प्रेम कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ठ।

कथा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सौ कथाओं का संग्रह।

प्रा०—पं० रामरत्न शुक्ल, दरियाबाद (उन्नाव)।→२६–१३ (परि० ३)।

कथा संग्रह (महाभारत) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाभारत की कथाएँ।

प्रा०—पं० बद्रीसिंह, सालिगपुर, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३५–१८०।

कथा सतवंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६७८। लि० का० सं० १७७७। वि० मनसूर सौदागर और उसकी स्त्री सतवंती की कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ब।

कथा सीलवंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १६८४। लि० का० सं० १७७७। वि० एक जौहरी की स्त्री शीलवंती की कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ भ।

कथा सुदामा→'सुदामाचरित्र' (नरोत्तमदास कृत)।

कथा सुभटराइ की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १७२०। लि० का० सं० १७८५। वि० राजकुमार सुभटराइ की कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ व।

कदम—बालकदास के गुरु ।→०६–१३३ ।

कनककीर्ति—जैन । सं० १६६३ के लगभग वर्तमान ।
द्रौपदी चौपाई (भाषा) (पद्य)→दि० ३१–४८ ।

कनकमंजरी (पद्य)—काशीराम कृत । लि० का० सं० १८३४ । वि० रत्नपुर के धनधीर शाह की पत्नी कनकमंजरी की कथा ।
प्रा०—भट्ट दिवाकरराम का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा) ।→०३–७ ।

कनकसिंह—सं० १८५५ के पूर्व वर्तमान ।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→२६–१८२ ।

कनकसिंह—(?)
बभ्रुवाहन कथा (पद्य)→२६–२२१; ४१–४७६ (अप्र०) ।

कनकसोम—माणिकसागर के शिष्य । सं० १६३८ के लगभग वर्तमान ।
आषाढ़भूत चौपाई (पद्य)→४१–२० क, ख ।

कनाय साहब—फरासीसी हकीम के पुत्र ।
अंजुलिपुराण (गद्य)→०२–११३; ०६–१६६; २६–६६ ए, बी; सं० ०१–३० ।

कन्नौज समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत) ।

कन्हपा या कर्णपाद→'कणेरी (कणेरीपाव)' ।

कन्हैयाजू का जन्म (पद्य)—नजीर कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—मुंशी पद्मसिंह कायस्थ, कैथा, डा० कोटला (आगरा) ।→२६–२५१ ए ।

कन्हैयाबखशपाल—सूर्यवंशी क्षत्रिय । पूर्वज कुमायूँ निवासी । बाद में महुलीगढ़ चले आये थे ।
कन्हैया रत्न मंजरी (पद्य)→२६–२२२ ।

कन्हैया रत्न मंजरी (पद्य)—कन्हैयाबखशपाल कृत । वि० नायिकाभेद और रसादि ।
प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्रधानाध्यापक प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़) ।→२६–२२२ ।

कन्हैयालाल—कायस्थ । टीकमगढ़ निवासी । प्रयागीलाल के चाचा । सं० १८३० के पूर्व वर्तमान ।→०५–५१ ।

कन्हैयालाल (भट्ट)—उप० कान्ह । जयपुर निवासी । मथुरा में भी रहते थे । किसी सरदार नरेश के आश्रित ।
श्लेषार्थ विंशति (पद्य)→सं० ०१–३१ ।

कन्हैयालाल (लाला)—गोपाल वंशीय अग्रवाल वैश्य । साढ़ूपुर (मैनपुरी) के निवासी ।
वैद्यसुधासागर (गद्य)→३२–१०६ ।

कपाली स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–४०४।

कपिलदेव की कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० कपिल मुनि की कथा।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१४६।

कपीश विनय (पद्य)—अन्य नाम 'हनुवंत विनय'। मोहन (कवि) कृत। वि० हनुमान जी की स्तुति।
(क) प्रा०—लाला कन्नूमल, गौरिकलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव)। → २६–३०५ ई।
(ख) प्रा०—बाबा झब्बूदास, बादशाहनगर (लखनऊ)।→२६–३०५ एफ।

कपूर (मिश्र)→'शिवराम (मिश्र)' (मोहनदास मिश्र के पिता)।

कपूरचंद—उप० चंद। ब्राह्मण। दिल्ली निवासी। सं० १७०० के लगभग वर्तमान।
रामायण (भाषा) (पद्य)→०३–६६; २६–२२४।

कपोत लीला (पद्य)—मोहनदास कृत। लि० का० सं० १८३३। वि० दत्तात्रेय के २४ गुरुओं में से एक कपोत का वर्णन।
प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद, फतेहपुर (बाराबंकी)।→२३–२८१।

कबीर (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० राधा का नखशिख।
प्रा०—पं० राधाकृष्ण, पुरीभोजतिवारी, डा० अलीपुरबाजार (सुलतानपुर)। →२३–४१६ सी।

कबीर अष्टक (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ईश्वर प्रार्थना।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ डबल्यू।

कबीर और धर्मदास की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० आत्मज्ञान का संवाद।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१७७ आई (विवरण अप्राप्त)।

कबीर और निरंजन ज्ञान गुष्टि (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद)।→सं० ०१–३२ ख।

कबीर और शंकराचार्य की गोष्ठी (गद्यपद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८१२ (लगभग)। वि० कबीर का शंकराचार्य को तत्वज्ञान का उपदेश देना।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२१ ङ।

कबीर की कथा→'कबीरसाहब की परिचई' (अनंतदास कृत)।

कबीर की बानी→'बानी' (कबीरदास कृत)।

कबीर की साखी→'साखी' (कबीरदास कृत)।

कबीर के दोहे→'दोहे' (कबीरदास कृत)।

कबीर के द्वादशपंथ (पद्य)—धर्मदास कृत। वि० कबीर के मुख्य उद्देश्य की सिद्धि के बारह उपाय।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–१५८ (विवरण अप्राप्त)।

कबीर के बीजक की टीका (गद्यपद्य)—पूरणदास कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १६३८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत ललितादास कबीरपंथी, नौगाँग कैंट।→०६–२०६ (विवरण अप्राप्त)।

कबीर के वचन (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० जवाहरलाल, डा० इरादतनगर (आगरा)।→२६–१७८ टी।

कबीर को माँझयो (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ ग (अप्र०)।

कबीर गोरख की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और गोरख का आध्यात्मिक वाद विवाद।

(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ पी, यू।

(ख) प्रा०—श्री वासुदेव हकीम, बसई, डा० ताँतपुर, खेरागढ़ (आगरा)।→२६–१७८ आई।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ छ (अप्र०)।

कबीरजी की परचई→'कबीरसाहब की परचई' (अनंतदास कृत)।

कबीरजी की साखी→'साखी' (कबीरदास कृत)।

कबीरजी के पद (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६६६।

प्रा०—बाबा हरिहरदास, डा० छर्रा (अलीगढ़)।→२६–१७८ एन।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–५२।

(ग) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरी गद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)।→३२–१०३ एन।

कबीरदास—जुलाहे। काशी निवासी। प्रसिद्ध महात्मा और कबीरपंथ के संस्थापक। जन्मकाल सं० १४५५। मृत्युकाल सं० १५०५। रामानंद के शिष्य। धर्मदास के गुरु।→०१–१३३; ०२–६४; ०६–१५८।

अंबुसागर (पद्य)→सं० ०७–११ क।

अक्षरखंड की रमैनी (पद्य)→०६–१४३ सी।

अक्षरभेद की रमैनी (पद्य)→०६–१४३ बी।

अखरावत (पद्य)→२३–१६८ ए; २६–२१४ ए; २६–१७८ ए, बी, सी; ३२–१०३ बी, सी; ४१–४७७ क (अप्र०); सं० ०४–२४ क।

सतनाम (पद्य)→०६–१४३ क्यू'।
सतकबीर बंदी छोर (पद्य)→०६–१७७ एफ।
सतसंग को अंग (पद्य)→०६–१४३ आई'।
सप्तपदी रमैनी (पद्य)→३५–४६ यू।
साँसगुंजार (पद्य)→०६–१४३ जे'; २६–१७८ वी; सं० ०७–११ न।
साखी (पद्य)→०१–३५; ०२–५३; ०६–१७७ ओ; ०६–१४३ वी; पं० २२–५१जी; ३२–१०३ ओ, वाई, जेड, ४१–४७७ घ, ङ (अप्र०); सं० ०७–११ फ, ब; सं० १०–६ ङ।
साध को अंग (पद्य)→०६–१४३ एच'।
साधु महातम (पद्य)→२६–१७८ क्यू।
सारभेद (पद्य)→सं० ०४–२४ ङ।
सीयाजोग (ग्रंथ) (पद्य)→पं० २२–५१ डी।
सुक्रतध्यान (पद्य)→सं० ०१–३२ ज; सं० ०७–११ भ।
सुखनिदान (पद्य)→४१–२१ ज।
सुखसागर (पद्य)→४१–२१ घ।
सुमिरन साठिका (पद्य)→२३–१६८ एन।
सुरतिशब्द संवाद (पद्य)→२०–७४ सी; २६–१७८ आर।
सोलहकला तिथि (पद्य)→३५–४६ डबल्यू।
स्वरोदय (पद्य)→४१–२१ झ।
हंसमुक्तावली (पद्य)→०६–१७७ एन।
हनुमतबोध (पद्य)→सं० ०१–३२ झ।
हिंडोल (पद्य)→३५–४६ एम।

टि० उपर्युक्त ग्रंथों में सभी को कबीरदास कृत नहीं मानना चाहिए। संभव है कुछ ग्रंथों की रचना कबीरदास के भक्तों ने की हो और उन्हें कबीर के नाम पर प्रचारित किया हो।

कबीर देवदत्त गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १६१३।
प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल काँदू, गुलामअलीपुर (बहराइच)। → २३–१६८ एच।

(ख) प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथीमठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२४ ख।

कबीर दोहावली→'दोहे'। (कबीरदास कृत)।

कबीर नानक गोष्ठी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८३४। वि०, नानक और कबीर का ब्रह्मज्ञान संबंधी वार्तालाप।

प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–४५१ ।

कबीर परिचय की साखी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६४२। वि० उपदेश।

प्रा०—महंत जानकीदास, मऊ, छतरपुर।→०६–१७७ ओ (विवरण अप्राप्त)।

कबीरबत्तीसी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० वेदांत।→पं० २२–५१ ए।

कबीरबीजक→'बीजक' (कबीरदास कृत)।

कबीरभेद (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७४७। वि० काया (शरीर) और ईश्वर का महत्व।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४६ पी।

कबीरमंगल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० जीवन का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—बाबू निरंजनलाल, सादाबाद (मथुरा)। →३५–४६ क्यू।

कबीरमाड्यो (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८३४। वि० ज्ञान चर्चा।

प्रा०—स्वामी ब्रह्मचारी जी, द्वारा ललिताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर)। →२६–२१४ सी।

कबीर रैदास संवाद (पद्य)—रैदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, महेगवा, डा० मरदह (गाजीपुर)। → सं० ०१–३६६।

कबीर रैदास संवाद (पद्य)—सैन (सैना) कृत। वि० कबीर और रैदास का निर्गुण और सगुण ब्रह्म के संबंध में वाद विवाद।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३०२।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७–२०५ क।

कबीर सतक या कबीराष्टक→'कबीरस्तको' (रचयिता अज्ञात)।

कबीर सागर (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७२३। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत मंगलदास, मठिया रामकोला, डा० टीकमपार (गोरखपुर)। → सं० ०१–३२ क।

कबीरसाहब और गोरख की गोष्ठी→'कबीरगोरख की गोष्ठी' (कबीरदास कृत)।

कबीरसाहब का सब्द (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० निर्गुण मतानुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ।→सं० ०७–११ ङ।

कबीरसाहब की चेतावनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।

(क) प्रा०—बाबू रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा। →३२-१०३ जी।

(ख) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी, मेउली, डा० जगनेर (आगरा)। →३२-१०३ एच।

कबीरसाहब की परिचई (पद्य)—अन्य नाम 'कबीर की कथा'। अनंतदास कृत। र० का० सं० १६४५। वि० कबीरदास का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३ क।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-५ बी।

(ग) प्रा०—पं० नारायणदत्त, नारायनपुर, डा० सिधौली (सीतापुर)।→ २३-१८ ए।

कबीरसाहबजी की आरती (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० परमात्मा की आरती।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-११ च।

कबीरसाहिब के पदों की टीका अर्थ सहित (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला मानसिंह लोहिया, ब्याना (भरतपुर)। →३८-१७७।

कबीर सुरति योग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कर्मभेद से फलाफल का विचार।

प्रा०—श्री दुर्गादास साधु, हाजी गुर्ज, डा० नगराम पुरवा (लखनऊ)।→ २६-१७८ एस।

कबीरस्तको (कबीर सतक या कबीराष्टक ?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६५ (?)। वि० कबीर नाम महात्म्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-२२०।

कबीर स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—पं० गोपाल, बंदी, डा० दाऊजी (मथुरा)।→३२-१०३ पी।

कबीर स्वरोदय (पद्य)—प्रागदास कृत। वि० श्वास प्रश्वास द्वारा शुभाशुभ फल वर्णन।

प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य, माट (मथुरा)। →३२-१६७ बी।

कबूतरनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० कबूतर का पालनपोषण और उसके रोगादि का उपचार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ घ[1]।

कमरुद्दीन खाँ—अन्य नाम मीर मुहम्मद फाजिल। बादशाह मुहम्मदशाह के वजीर। सं० १८०५ में अहमदशाह अब्दाली द्वारा निहत। गंजन के आश्रयदाता। सं० १७८५ के लगभग वर्तमान। →०३-६५; १७-६२; २६-१२६।

कमरुद्दीन खाँ हुलास (पद्य)—गंजन कृत। र० का० सं १७८५। वि० यमुना, दिल्ली, राजमहल, वजीर वंश, षटऋतु, रस और नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १७८५।

प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य संमेलन प्रदर्शनी, इंदौर ।→१७–६२ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६५ ।

(सं० १८६१ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)

(ग) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नया गाँव, माडल हाउस, लखनऊ। → २६–१२६ ।

(घ) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। →सं० ०४–५७ ।

कमल→'कमलाजन' ('दस्तूरमालिका' के रचयिता) ।

कमलकलश सूरि—जैन । सं० १८४२ के पूर्व वर्तमान ।

महावीर स्तवन (पद्य)→२०–७७ ।

कमलदास (वैष्णव)—सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानमाला (गद्य)→२६–२१६ ए, बी ।

कमलध्वज→'पृथ्वीराज (राठौर)' (कल्याणमलराव के पुत्र) ।

कमलनयन—सक्सेना कायस्थ । काशीराम के पुत्र । करौल के राजा रणजीतसिंह के राज्य कालमें सं० १८३५ के लगभग वर्तमान । इन्होंने अपने पुरोहित शंभुराम के लिए ग्रंथ की रचना की थी ।→०३–७; २३–२०६ ।

कमलप्रकाश (पद्य)→१७–६४ ।

कमलनयन—इटावा परगने के अंतर्गत भीमगाँव क्षेत्र में मैनपुरी (?) के निवासी । पिता का नाम हरचंदराय । भाई का नाम छत्रपति । नंदराम और स्यामलाल क्रमशः चाचा और चचेरे भाई । सं० १८७० के लगभग वर्तमान ।

जिनदत्त चरित्र (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–२५; सं० १०–१० ।

कमलनयन—उप० रससिंधु । गोकुल (मथुरा) निवासी । पिता का नाम गोकुलकृष्ण । बूँदी के महाराज रामसिंह के आश्रित ।

रामसिंह मुखारविंद मकरंद (पद्य)→१२–६० ।

कमलनेत्र (भगवान) (पद्य)—दत्तदास कृत । वि० कृष्ण के नेत्रों की प्रशंसा ।

(क) प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर) । →२६–६१ ए ।

(ख) प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। →२६–६१ बी ।

कमल प्रकाश (पद्य)—कमलनयन कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री राधाचंद्र वैद्य, बड़े चौबे, मथुरा ।→१७–६४ ।

कमलाकर (भट्ट)—रामकृष्ण भट्ट के पुत्र। नारायण भट्ट के पौत्र। सं० १६२७ के पूर्व वर्तमान।

गोत्रप्रवर दर्पण (गद्य)→२६–२२० ए, बी; २६–१८१ बी।

भृगुगणगोत्र (गद्य)→२६–१८१ ए।

कमला जन—संभवतः कौंच या जालौन निवासी। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।

दस्तूरमालिका (पद्य)→०६–५६; २६–२१८।

कमलानंद—संभवतः सौ डेढ़ सौ वर्ष पूर्व वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→३५–५२।

कमाल—कबीर के पुत्र। काशी निवासी। माता का नाम लोई। काशी में हरिश्चंद्र घाट के समीप 'कमाल की इमली' नामक स्थान अब भी प्रसिद्ध है जहाँ ये उपदेश दिया करते थे। संभवतः सं० १५६४ के लगभग वर्तमान।→सं० १०–६।

कमालजी की वाणी (पद्य)→३२–१०५।

पद (पद्य)→सं० ०७–१२; सं० १०–११।

कमाल—संभवतः गुरु दत्तात्रेय अवधूत के उपासक। सं० १८३३ के पूर्व वर्तमान।

सिद्धांतजोग (पद्य)→२३—२०३।

कमालजी की वाणी (पद्य)—कमाल कृत। वि० ज्ञान।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–१०५।

करखा (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२८८ क।

करण (भट्ट)—वंशीधर पांडेय के पुत्र। क्रमशः पन्ना के महाराज सभासिंह, अमानसिंह और हिंदूपति के आश्रित। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।

रसकल्लोल (पद्य)→०४–१५; १७–६५; २३–२०४ ए, बी।

साहित्यचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–५७

करणसिंह—चित्तौर के महाराणा अमरसिंह के पुत्र। शाहजादा खुर्रम (शाहजहाँ) द्वारा राणा अमरसिंह के पराजित होने पर ये दिल्ली दरबार में उपस्थित हुए थे और बादशाह जहाँगीर ने इनका बहुत सत्कार किया था। सं० १६७१ से १६७६ तक दिल्ली में रहे। दयालदास के आश्रयदाता।→००–६४; ०१—३०; ०६–६१।

करणसिंह—बीकानेर नरेश राठौर अनूपसिंह के पिता।→०२–७६।

करणीदान→'करनीदान (चारण)'।

करणेश (महापात्र)—राजा बलभद्रसिंह के आश्रित। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।

बलभद्र प्रकाश (पद्य)→२६–२२५।

करताराम—ब्राह्मण। सिंधुवा (गोरखपुर) निवासी। पडरौना के राजा प्रबलराय और रमनीराय के आश्रित। सं० १८५४ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→४१–२२ क, ख; सं० ०१–३४; सं० ०४–२६ क, ख, ग; सं० ०७–१३ ।

करताराम—संभवतः शालिहोत्र के रचयिता करताराम । → सं० ०१–३४; सं० ०४–२६ ।
दधिलीला (पद्य)→सं० ०१–३३; सं० ०४–२७ ।

करनाभरण (पद्य)—हरिगोविंद वाजपेयी या गोविंद सुकवि कृत । र० का० सं० १७६७ । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १८६१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० १०–१४० क ।
(ख) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—ठा० रामसिंह, रामकोट (सीतापुर) ।→२३–१३७ ।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० १०–१४० ख ।
(घ)→पं० २२–३४ ।

करनीदान (कवि)—चारण । जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित । सं० १७८७ के लगभग वर्तमान । विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में भी संगृहीत ।→ ०२–७२ (पाँच) ।
विरुदशृंगार (पद्य)→०१–१०५; २६–१८५; ४१–४७८ (अप्र०) ।
सूरज प्रकाश (पद्य)→४१–२४ ।

करनीसार जोग (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८३८ ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५–१०० सी ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७–७० क ।

करमअली—सं० १७३६ (१०६८ हि०) के लगभग वर्तमान ।
निजउपाय (पद्य)→२६–१८४ ।

करमखंड की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—पं० छेदालाल तिवारी, उरई ।→०६–१४३ एक्स ।

करि कल्पद्रुम (पद्य)—अन्य नाम 'करि चिकित्सा' । रघुनाथसिंह कृत । र० का० सं० १८८३ । वि० हाथियों के भेद और चिकित्सा ।
(क) लि० का० सं० १६२० ।
प्रा०—पं० जनार्दन, भिटौरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–३२६ ।
(ख) लि० का० सं० १६५३ ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकोलिया (सीतापुर) । →१२–१४१ ।

करि चिकित्सा→'करि कल्पद्रुम' (रघुनाथसिंह कृत)।

करीमशाह—छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। फाजिलशाह के पिता।→०५–५६।

करीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० फारसी ग्रंथ करीमा का अनुवाद।
प्रा०—श्री बैजनाथप्रसाद हकीम, मड़ियाहू बाजार (जौनपुर)। → सं० ०४–१६५ क।

करुणा के पद→'विनय के पद' (ब्रजदूलह कृत)।

करुणानंद (भाषा) (पद्य)—रसिकलाल (रसिकसुजान) कृत। र० का० सं० १७२४। वि० कृष्णभक्ति विषयक संस्कृत ग्रंथ करुणानंद का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १७७१।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५७।
(ख) लि० का० सं० १८१७।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३३०।

करुणा पचीसी (पद्य)—प्रेमनिधि कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० विनय।
प्रा०—श्री लक्ष्मीकांत कोठीवाल, वसुआपुर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–३५७।

करुणा पचीसी (पद्य)—माधवदास कृत। वि० ईश्वर विनय।
प्रा०—गो० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१०४ सी।

करुणा बत्तीसी (पद्य)—माधवदास कृत। वि० भक्ति और विनय।
(क) लि० का० सं० १८४१।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–५४३ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—पं० जैगोपाल शर्मा, सराय हरदेवा, डा० जलेसर (एटा)। → २६–२१५ डी।
(ग) लि० का० सं० १८७६।
प्रा०—राय परमानंद, सीमरी, डा० पटियाली (एटा)।→२६–२१५ ई।
(घ) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, विक्रमपुर, डा० ओयल (खीरी)।→२६–२७५ ए।
(ङ) प्रा०—श्री पुजारी जी, मंदिर बेरू, बेरू (जोधपुर)।→०१–७८।
(च) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६–२७५ बी।
(छ) प्रा०—पं० अनंदीलाल दूबे, बमरौली कटारा, डा० ताजगंज (आगरा)। →२६–२१५ बी।

(ज) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–२१५ सी ।

करुणाबेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८०४ । वि० राधाकृष्ण की प्रार्थना ।

प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६६ एच ।

करुणाभरण नाटक (पद्य)—लछिराम कृत । वि० कृष्ण चरित्र ।

(क) लि० का० सं० १७४३ ।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००–७४ ।

(ख) लि० का० सं० १७७२ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६२ ।

(ग) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०–दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२८५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–१७३ ।

करुणा विरह (प्रकाश) (पद्य)—सेवादास कृत । र० का० सं० १८२२ । वि० गोपी विरह वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद मिश्र, मुहल्ला हाथीपुर, लखीमपुर (खीरी) ।→२६–३०४ ।

(ख) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद अवस्थी, बनवाँपारा, डा० जैतपुर बाजार (बहराइच) ।→२३–३८२ ।

(ग) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर) ।→१२–१७३ ।

करुणाष्टक (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत । लि० का० सं० १६६० । वि० स्तुति ।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैलासरैया, डा० बोरी (बहराइच) ।→२३–१७८ ए ।

करुणाष्टक (पद्य)—माधोदास कृत । वि० कृष्णस्तुति ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–१६४ ।

करुणाष्टक (पद्य)—रमणविहारी (रमणेश) कृत । वि० स्तुति ।

प्रा०—पं० रामअधार मिश्र, नगर डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–३८८ ए ।

कर्ण पर्व→'महाभारत' ।

कर्णाभरण नाटक→'करुणाभरण नाटक' । (लछिराम कृत) ।

कर्णार्जुन (कर्नआरजुनी) युद्ध→'महाभारत (कर्णार्जुन युद्ध)' (ठाकुर कवि कृत) ।

कर्तानंद—फरुखाबाद (आगरा) निवासी। चरणदास की शिष्या सहजोबाई के शिष्य। सं० १८३२ में वर्तमान।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)→२६-१८६ ए, बी, सी, डी।

कर्मकांड (गद्य)—हेमराज कृत। वि० जैन कर्मकांड।

प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहटौली, डा० चंद्रपुर (आगरा)।→३२-८७ बी।

कर्मदहन की पूजा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१४। वि० भक्ति।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व-विद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७-२२१।

कर्मबत्तीसी (पद्य)—राजसमुद्र कृत। र० का० सं० १६६६। वि० कर्म की प्रधानता का वर्णन।

प्रा०—स्वामी रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१-७०।

कर्मबत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७६५। वि० जैनमतानुसार जीव और कर्म का वर्णन।

प्रा०—विद्या प्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-१०७।

कर्मरेख की चौपाई (पद्य)—जसवंत जी (स्थविर) कृत। र० का० सं० १६६४। लि० का० सं० १९२४। वि० भाग्याभाग्य का वर्णन।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-४२।

कर्मविपाक (पद्य)—गंगाराम (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १७३६। लि० का० सं० १८७१। वि० संस्कृत ग्रंथ 'कर्मविपाक' का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४४।

कर्मविपाक (पद्य)—शंकर कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० पाप पुण्य विचार।

प्रा०—श्री रामनारायण चौबे, मलौली चौबे, डा० धनघटा (बस्ती)।→सं० ०४-३७३।

कर्मविपाक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रामशरण वैद्य, विद्यापुर, डा० किरावली (आगरा)।→३२-२०३।

टि० प्रस्तुत पुस्तक को भूल से शिवलाल कृत मान लिया गया है।

कर्मविपाक (४६ वाँ अध्याय) (पद्य)—चिंतामणि कृत। वि० कर्मफल वर्णन (पद्मपुराण के आधार पर)।

प्रा०—पं० सुखदेव शर्मा, शेरगढ़ (मथुरा)।→३८-३१।

कर्मविवाक (पद्य)—सूरज कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० ज्योतिष।

प्रा०—भैया तालुकदारसिंह, नायब, देवटहा (गोंडा)→०६-३०५।

कर्मशतक (पद्य)—गोपालदास (चाणक) कृत। वि० कलि में कर्म की प्रधानता का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–५७ क।

कर्मसिंह—पटियाला नरेश महाराज अजीतसिंह के भाई। कवि निहाल, उमादास, भूपति और गोपालराय भाट के आश्रयदाता। सं० १८६३ के लगभग वर्तमान। →०३–१०५; ०४–२; ०४–६३; १२–६२।

कलँगी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२–१६१ सी।

कलाधर वंशावली विधान (पद्य)—दुर्गालाल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १९१६। लि० का० सं० १९४३। वि० सोमवंशी क्षत्रियों की वंशावली।
प्रा०—श्री राधेबिहारीलाल शायर, जूही, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़)।→२६–१११ बी।

कलानिधि—अन्य नाम कृष्ण कवि कलानिधि, लाल कलानिधि और श्रीकृष्ण भट्ट। जगन्नाथ (जगदीश) के पिता। जयपुर नरेश जयसिंह (द्वितीय), महाराज कुमार प्रतापसिंह तथा बूँदी नरेश रावराजा बुद्धसिंह के आश्रित। सं० १७६६ (?) के लगभग वर्तमान। 'राधागोविंद संगीत सार' में भी ये संगृहीत हैं। →१२–१११; १७–७८।
अलंकार कलानिधि (पद्य)→१२–१७९ ए।
दुर्गाभक्ति तरंगिणी (पद्य)→सं० ०१–४२७।
नखशिख (पद्य)→००–११२; ०५–४; १२–१७९ बी; २३–१९९।
नवसई (पद्य)→१७–९३ एच।
वाल्मीकि रामायण (पद्य)→१७–९३ बी, सी, डी।
रामचंद्रोदय (लंकाकांड) (पद्य)→३८–१४६।
रामायण सूचनिका (पद्य)→१७–९३ ई।
वृत्तचंद्रिका (पद्य)→००–८३; १७–९३ जी।
शृंगाररस माधुरी (पद्य)→१७–९३ ए; १२–१७९ सी; ३२–२०६।
समस्यापूर्ति (पद्य)→१७–९३ एफ।
साँभरयुद्ध (पद्य)→०६–३०१।

कलाप्रवीन—उप० प्रवीन। सं० १८३८ के लगभग वर्तमान।
प्रवीन सागर (पद्य)→०६–३०७।

कलाभास्कर (पद्य)—रणजीतसिंह कृत। र० का० सं० १९००। लि० का० सं० १९३२। वि० मल्ल विद्या।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१०२।

कलिकाल चरित्र (पद्य)—गंगाप्रसाद कृत। वि० कलिकाल वर्णन।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–५७।

कलिकाल वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बेलामऊ, डा० अजगैन (उन्नाव) → २६–१४ (परि० ३)।

कलिचरित्र (पद्य)—बाण (कवि) कृत। र० का० सं० १६७४। वि० कलियुग वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–१३४ (विवरण अप्राप्त)।

कलिचरित्र (पद्य)—रसिकराय कृत। वि० कलियुग का प्रभाव वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० १–३२६।

कलिचरित्र (पद्य)—सभाचंद कृत। र० का० सं० १७००। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६–२७०।

कलिजुग कथा (पद्य)—गुनदेव कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३२–६६।

कलिजुग के कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कलिजुग लीला'। गोविंदलाल कृत। वि० कलियुग वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—मौलाना रसूल खाँ काजी, गाँगीरी, डा० सलेमपुर (अलीगढ़)।→ २६–१२५ बी।
(ख) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० शिवविहारी गौड़, जैतपुर, डा० पिलवा (एटा)।→२६ १२५ ए।
(ग) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १–६६।

कलिजुग लीला→'कलिजुग के कवित्त' (गोविंदलाल कृत)।

कलिपचीसी→'ईश्वर पचीसी' (पद्माकर कृत)।

कलिप्रताप बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८६४। वि० कलिदोष वर्णन।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ ख।

कलियुग रासो (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत। वि० कलियुग के दूषित जीवन का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर।→०६–१२२ डी (विवरण अप्राप्त)।
(कवि की स्वहस्तलिखित प्रति)
(ख) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–२६३ बी।

कलीराम—माथुर चतुर्वेदी। मथुरा निवासी। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→३८–७८।

कलेक्टर ? (आगरा)—सं० १६०३ में वर्तमान।

हिदायतनामा (गद्य)→३२-४६ ।

कलेशभंजनी (गद्य)—अन्य नाम 'तोफतुलगुर्बा'। अब्दुलमजीद कृत। वि० वैद्यक (फारसी से अनूदित)।

(क) लि० का० सं० १८३० ।

प्रा०—श्री रामरत्न वैद्य, बोझारा इमदादी, डा० बिसवाँ (सीतापुर)→२६-१ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० गणपति द्विवेदी वैद्य, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर) ।→ २६-१ बी ।

(ग) प्रा०—पं० प्रागदत्त दूबे, सिकंदरपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई) ।→ २६-१ ।

कल्किअवतार कथा (पद्य)—अन्य नाम 'कल्किचरित्र'। प्राणनाथ (त्रिवेदी) कृत। र० का० सं० १७६५ । वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-२६ ।

(ख) प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद, थैलिया, डा० खैरीघाट (बहराइच) ।→ २३-३२० ।

कल्किचरित्र→'कल्किअवतार कथा'। (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत)।

कल्प ग्रंथ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६५ । वि० कल्प (वृद्धावस्था से तरुणावस्था में परिवर्तन) के विषय में कबीर और महादेव का संवाद।

प्रा०—टा० बद्रीप्रसाद वैद्य, चौबच्चा, मथुरा ।→३८-१७८ ।

कल्याण (पुजारी)—राधावल्लभी संप्रदाय के वैष्णव। वनचंद्र अथवा आचार्य श्री सुंदरवर जी के शिष्य। वृंदावन निवासी। १७ वीं शती में वर्तमान।

कल्याण पुजारी की बानी (पद्य)→१२-८६; ४१-२३ ।

कल्याण (भट्ट)—प्राणनाथ भट्ट के पिता। सं० १८७७ के पूर्व वर्तमान।→१७-१३५ ।

कल्याणदास—(?)

सुदामाचरित्र (पद्य)→३५-५० ।

सुदामाजी के सवैया (पद्य)→सं० ०१-३५ ।

कल्याणदास—प्रसिद्ध कवि केशवदास के भाई (?)। हरसेवक के प्रपितामह।→ ०६-५१ ।

कल्याण पुजारी की बानी (पद्य)—कल्याण (पुजारी) कृत। वि० राधाकृष्ण की रासलीला तथा संप्रदाय के सिद्धांत।

(क) प्रा०—राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-८६ ।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-२३ ।

कल्याणमंदिर (भाषा) (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। वि० स्तुति (संस्कृत के 'कल्याणमंदिर' का अनुवाद)।

(क) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१०४ ।

(ख) प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १० खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर ।→ सं० १०–८४ ख ।

(ग) प्रा०—श्री प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३१–११ ए ।

कल्याणमल (राव)—पृथ्वीराज राठौर और बीकानेर नरेश महाराज राव रायसिंह के पिता। सं० १५६८ में सिंहासनासीन और अंत में राज्य का भार अपने ज्येष्ठ पुत्र राव रायसिंह को सौंपा। सं० १६०६ तक वर्तमान ।→००–८७; दि० ३१–६६ ।

कल्याणसिंह—चौहान वंशीय क्षत्री। महाराज महासिंह और महाराज उदोतसिंह के वंशज। अटेर (ग्वालियर) के राजा। इन्हीं के वंश ने भदौरिया क्षत्रिय के नाम से ख्याति प्राप्त की थी। छत्रसिंह (छत्र कवि) के आश्रयदाता। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।→०६–२३; दि० ३१–२१; २३–४४ ।

कल्यानदास—(?)

बहुलालीला (पद्य)→सं० ०१–३६ ।

कल्यानदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (चौवन)।

कल्यानराइ—(?)

जलभेद (गद्य)→३५–५१ ।

कल्लोलकेलि (पद्य)—मोहन (सहजसनेही) कृत। वि० संयोग शृंगार।

(क) लि० का० सं० १७८६ ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३०७ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—पं० राधाचंद्र वैद्य, बड़े चौबे, मथुरा ।→१७–११२ ।

कवरपुरंदर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कवर पुरंदर की कथा।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१५२ ।

कविकुल कंठाभरण (पद्य)—अन्य नाम 'कंठाभरण'। दूलह कृत। र० का० सं० १८०७। वि० अलंकार।

(क) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—राजा ललिताबख्शसिंह, नीलगाँव राज्य (सीतापुर) ।→२३–१०७ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—भिनगीनरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१०७ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर (गोंडा) ।→०६–७७ ।

(घ) लि० का० सं० १०३४ ।

प्रा०—पं० बुद्धिसागर, गंगापुर (गोंडा) ।→२०–४५ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, सैदपुर, डा० नीलगाँव (सीतापुर) । →२३–१०७ सी ।

(च) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—बाबू हनुमानप्रसाद, हरदपुर (रायबरेली) ।→२३–१०७ डी ।

(छ) लि० का० सं० १६५४ ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–४५ ए ।

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३–४३ ।

(झ) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६–१६२ (विवरण अप्राप्त) ।

कविकुल कल्पतरु (पद्य)—चिंतामणि कृत । र० का० सं० १७५१ । वि० काव्य के गुण दोष ।

(क) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—ठा० गणेशसिंह, कठैला, डा० फखरपुर (बहराइच) ।→२३–८० बी ।

(ख) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, बहराइच ।→२३–८० सी ।

(ग) प्रा०—पं० रामनाथ शर्मा, चौड़ा रास्ता, जयपुर ।→००–१२७ ।

कविकुल कुमुद कलाधर (पद्य)—शिवनरेशसिंह कृत । र० का० सं० १६३१ । मु० का० सं० १६४६ । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय, शेखपुरा, डा० तेजीबाजार (जौनपुर) । →सं० ०४–३८४ ।

कविकुल तिलक प्रकाश (पद्य)—महीपति (महीप) कृत । र० का० सं० १७६६ । वि० साहित्यशास्त्र ।

प्रा०—ददनसदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१–२८२ ।

कविकौतुक (पद्य)—दुखभंजन कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६०७ । वि० ज्योतिष के अनुसार शुभाशुभ विचार ।

प्रा०—ठा० विंध्याबख्शसिंह, ठिकरा, डा० धनौली (बाराबंकी) ।→२३–१०६ । (कवि की स्वहस्तलिखित प्रति) ।

कविजीवन (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १६१८ । लि० का० सं० १६२८ । वि० पिंगल ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–७६ एम ।

कवितरंग (पद्य)—सीताराम (वैद्य) कृत । र० का० सं० १७६० । वि० वैद्यक (तिब्बसाहबी का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—श्री फतेहचंद दूबे, सरैया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–४४१ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—शिवाश्रम पुस्तकालय, नौरतनपुर, डा० उमरगढ़ (एटा) ।→२६–३०७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—लाला हरिकृष्णराय वैद्य, जाजमऊ, डा० हाथरस (अलीगढ़) । →२६–३०७ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री रामजीवन वैद्य, पाँचौली, डा० मारहरा (एटा) ।→२६–३०७ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६०८ ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे शर्मा, कफारा, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६–४४१ बी ।

(च)→पं० २२–६० ए ।

कविता (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० विविध ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२ एफ ।

कविता (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत । लि० का० सं० १६४८ । वि० उपदेशादि ।

प्रा०—पं० श्रीकृष्ण, महिगलगंज (सीतापुर) ।→२६–६० बी ।

कविता कल्पतरु (पद्य)—सागर (कवि) कृत । र० का० सं० १७८८ । लि० का० सं० १७८६ । वि० साहित्यशास्त्र ।

प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, धेनुगावाँ (बस्ती) ।→सं० ०४–४०६ ।

कवितारस बिनोद (पद्य)—जनराज (वैश्य) कृत । र० का० सं० १८३३ । लि० का० सं० १६०६ । वि० रसादि काव्यांग ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२–६६ ।

कवितावली (पद्य)—अन्य नाम 'बारहखड़ी' । जनकराजकिशोरीशरण कृत । वि० राम विहार ।

(क) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–१८१ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव, झाँसी ।→०६–१३४ सी ।

कवितावली (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्त रामायण' । तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० संक्षिप्त रामकथा ।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–४८ डी ।

(ख) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह, लवेदपुर (बहराइच) ।→२३–४३२ जेड़ ।

(ग) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३-१२५ ।

(घ) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-४३२ वाई ।

(ङ) लि० का० सं० १९०० ।

प्रा०—बरगदिया बाबा, हिंडोलने का नाका, लखनऊ ।→२६-४८४ एफ[1] ।

(च) लि० का० सं० १९०१ ।

प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, तालुकेदार, अग्रेसर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर) ।→ २३-४३२ ए[2] ।

(छ) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—पं० देवीदयाल मिश्र, ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) । → २०-१९८ एफ ।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-४३२ बी[1] ।

(झ) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, सैदपुर (गाजीपुर) ।→ २६-४८४ ई[1] ।

(ञ) प्रा०—श्री रामजी अध्यापक, डा० नारखी (आगरा) । → २६-३२५ आर[2] ।

(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५०० क (अप्र०) ।

कवितावली (पद्य)—दूलनदास कृत । र० का० सं० १८२७ (लगभग) । लि० का० सं० १९८५ । वि० विविध ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)→ २६-९३ ए ।

कवितावली (पद्य)—परमेश्वरीदास कृत । वि० सीताराम की आठपहर की लीलाएँ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१३२ ।

कवितावली (पद्य)—सरयूदास कृत । लि० का० सं० १९८० । वि० धर्माचरण करने और कुकर्मों से बचने का उपदेश ।

प्रा०—श्री जानकीसिंह, उमरवल (सुलतानपुर) ।→२६-४३० ।

कवितावली (पद्य)—सहजराम कृत । वि० राम कथा ।

प्रा०—पं० रामजीवनलाल, दौलतपुर, डा० बिलहर (बाराबंकी) । → २३-३६७ ए ।

कवितावली (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—श्री मगन उपाध्याय, मथुरा ।→१७-३७ (परि० ३) ।

कवितावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति, प्रेम, विरह, वसंत आदि ।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा) ।→३५-२०२ ।

कवितावली अरगजा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध (अनेक कवियों का संग्रह)।
प्रा०—श्री सुदर्शनसिंह रईस तालुकेदार, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६–१५ (परि० ३)।

कवितावली पूर्ति प्रभाकर (पद्य)—सूर्यनारायणलाल कृत। लि० का० सं० १६४५। वि० समस्या पूर्तियों का संग्रह।
प्रा०—श्रीमती पं० रामनारायण दूबे, डा० नगराम (लखनऊ)।→२६–३२०।

कवितावली रामायण (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० रामचरित्र वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६७२।
प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या।→१७–१४३ बी।
(ख) प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या।→०६–२४५ जे।

कवितावली रामायण→'कवितावली' (गो० तुलसीदास कृत)।

कवितावली संग्रह (पद्य)—विविध कवि (मतिराम, चिंतामणि, आलम आदि) कृत। वि० षटऋतु, नखशिख आदि।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद कारिंदा, बसरेहर (इटावा)।→३५–२०३।

कविता संग्रह (पद्य)—आलम और शेख कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१८ ख।

कवित्त (पद्य)—अवधेश कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री रतीपाल द्विवेदी, पच्छिमबिसारा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं० ०४–८।

कवित्त (पद्य)—आनंदघन (घनानंद)। कृत। वि० शृंगार और भक्ति।
(क) प्रा०—श्री श्रवणलाल हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→२६–११५ डी।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४६२ क, ख (अप्र०)।
(ग) प्रा०—श्री भवानीशंकर याज्ञिक, हाइजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ।→सं० ०४–१४ क।

कवित्त (पद्य)—आलम कृत। वि० भक्ति और शृंगार।
प्रा०—श्री भवानीशंकर याज्ञिक, हाइजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ।→सं० ०४–१५ ख।

कवित्त (पद्य)—काशीप्रसाद (शुक्ल) कृत। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—पं० कृष्णकुमार शुक्ल, रामदयाल का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–३१ क।

कवित्त (पद्य)—काशीराम कृत। लि० का० सं० १७८७ (लगभग)। वि० शृंगार।
प्रा०—पं० अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सदावर्ती, आजमगढ़।→४१–२५।

कवित्त (पद्य)—केवलदीन (द्विज) कृत । वि० स्तुति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५६ ।

कवित्त (पद्य)—केशोराम कृत । वि० शिक्षा ।
प्रा०—श्री विष्णुदेवमणि त्रिपाठी, ग्राम तथा डा० रामपुर कारखाना (गोरखपुर)। →सं० ०१–६१ ।

कवित्त (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० सिखों के अकाली दल और गुरुगोविंदसिंह की प्रशंसा ।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१–५० ग ।

कवित्त (पद्य)—गोविंद (कवि) कृत । वि० किसी कायम खाँ का यश वर्णन ।
प्रा०—श्री शिवमंगलप्रसाद, झकरासी, डा० मुंशीगंज (रायबरेली) ।→ सं० ०४–८० ।

कवित्त (पद्य)—घिसियावनदास (बाबा) कृत । वि० रामकृष्ण चरित्र बर्णन ।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद, जैतूपुर (रायबरेली) ।→सं० ०४–८८ क ।

कवित्त (पद्य)—छैल कृत । वि० राजाराम कायस्थ और फतेह मुहम्मद के यश का वर्णन तथा शेखमुहम्मद द्वारा सिगड़ीगढ़ जीतने का उल्लेख ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–११७ ।

कवित्त (पद्य)—जयकृष्ण (कवि) कृत । वि० शृंगार । इसमें निम्नलिखित कवि संगृहीत हैं—
१. रसपुंज, २. रसचंद, ३. भूषण, ४. रामराय, ५. कुंदन, ६. मकरंद, ७. बलभद्र, ८. वृंद, ९. काशीराम ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६८ ।

कवित्त (पद्य)—जानकीदास कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१२५ क ।

कवित्त (पद्य)—दुखहरन कृत । वि० जीव की मुक्ति के लिये भगवान से प्रार्थना ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०५ क ।

कवित्त (पद्य)—दूलनदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १९५३ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री रामप्रताप श्रीवास्तव, रामपुर टंढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४–१६३ क ।

कवित्त (पद्य)—धारू कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१७२ ।

कवित्त (पद्य)—नाथ (कवि) कृत । वि० वर्णाश्रम धर्म का मंडन ।
प्रा०—श्री विश्वनाथ दूबे, रेकवारेडीह, डा० मऊ (आजमगढ़) । → सं० ०१–१८८ ।

कवित्त (पद्य)—नित्यानंद 'सुकवि' कृत । वि० राम और कृष्ण की वीरता का वर्णन ।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१–१२६ ।

कवित्त (पद्य)—पंचमसिंह कृत । वि० श्रृंगार ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–८५ ।

कवित्त (पद्य)—परसन (विप्र या द्विज) कृत । र० का० और लि० का० सं० १८८० से १८६० तक । वि० रामकृष्ण और शिवभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२०३ ङ, च ।

कवित्त (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । वि० श्रृंगार, भक्ति आदि ।
(क) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–६५ बी ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–६५ एम ।

कवित्त (पद्य)—प्रधान कृत । वि० भले बुरे पंचों और वैद्यों का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२१४ ।

कवित्त (पद्य)—प्रयागदत्त कृत । वि० किसी जदुनाथसिंह की वीरता और दानशीलता का वर्णन ।
प्रा०—श्री जगदेव पांडेय, पूरेवेद, डा० अमोढ़ा (बस्ती) ।→सं० ०४–२१४ क ।

कवित्त (पद्य)—प्रेमदास (प्रेम) कृत । वि० रामभक्ति ।
प्रा०—पं० झारखंडे पांडेय, सौरंभ (गाजीपुर) ।→सं० ०७–१२२ ।

कवित्त (पद्य)—प्रेमनिधि कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—चौधरी मातादीन, कंजरा, डा० करहल (मैनपुरी) ।→३८–१११ ।

कवित्त (पद्य)—बालकराम कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—बोहरे रोशनलाल, सुरीर (मथुरा) ।→३८–३ ।
(ख) लि० का० सं० १६०८ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१३२ ।
(ग)→पं० २२–११ ।

कवित्त (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि० श्रृंगार ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–८६ ।

कवित्त (पद्य)—भावन (भवानीप्रसाद) कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० श्रृंगार, भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । →सं० ०४–२६० क ।

कवित्त (पद्य)—मनसाराम कृत । वि० भक्ति आदि ।
प्रा०—पं० बामाभूषण शुक्ल, रायबरेली ।→२३–२७३ ।

कवित्त (पद्य)—महाराज कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० शंकरलाल, ग्राम तथा डा० महरौली (दिल्ली)।→दि० ३१-५५।

कवित्त (पद्य)—माधवप्रसाद कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० वाणीभूषण, रायबरेली।→२३-२५५।

कवित्त (पद्य)—रंगपाल कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० भक्ति।
प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लालाबाजार (प्रतापगढ़)।
→सं० ०४-३१३।

कवित्त (पद्य)—रघुनाथ (कवि) कृत। वि० रामजन्म और किसी बख्तावरसिंह एवं शारदाप्रताप नामक राजा के यश का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३१७।

कवित्त (पद्य)—रघुवरदयाल कृत। वि० संसार की निस्सारता एवं गंगा महिमा।
प्रा०—ठा० बल्देवसिंह, धौरी, डा० माल (लखनऊ)।→सं० ०७-१५६ क।

कवित्त (पद्य)—रज्जब कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६० क।
(ख) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१११।
(ग) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। सं० ०१-३१७।

कवित्त (पद्य)—रसखान कृत। लि० का० सं० १६७६। वि० शृंगार और भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२१६ क।

कवित्त (पद्य)—रसिकराइ कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-२१६।

कवित्त (पद्य)—रामगरीब (चौबे) कृत। लि० का० सं० १६१७। वि० समाज सुधार।
प्रा०—श्री चंद्रभाल ओझा एम० ए०, एल० टी०, प्रधानाध्यापक, ब्राह्मण हाई स्कूल, गोरखपुर।→सं० ०१-३४१।

कवित्त (पद्य)—रामचंद्र कृत। वि० रामभक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३४३।

कवित्त (पद्य)—रामचरण कृत। वि० गुरु की महिमा।
(क) प्रा०—पं० छुब्बलाल तिवारी, ग्राम तथा डा० मदनपुर (मैनपुरी)।
→३२-१७५ जे।
(ख) प्रा०—पं० पूरनमल, मौजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी)।→३२-१७५ के।
(ग) प्रा०—लाला जयकुमार गुप्त, डा० फरीहा (मैनपुरी)।→३२-१७५ एल।

कवित्त (पद्य)—रामबक्स (विप्र) कृत। वि० कृष्ण भक्ति तथा राम के जीवन की प्रमुख घटनाओं का वर्णन।

प्रा०—पं० खचेराराम ब्रह्मभट्ट, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)। → २६–२८७ ए, सी।

कवित्त (पद्य)—रामसखे कृत। वि० विविध।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१५८ बी।

कवित्त (पद्य)—लछुराम कृत। वि० श्रीकृष्ण जी की स्तुति।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२८७ ए (विवरण अप्राप्त)।

कवित्त (पद्य)—लछिमन कृत। वि० शारदा और अन्नपूर्णा की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–३५३।

कवित्त (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८३२ (?)। वि० काशी नरेश के पूर्वजों की प्रशंसा।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–११४।

कवित्त (पद्य)—देवमणि कृत। वि० शृंगार और भक्ति।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→४१–१८४।

कवित्त (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि० शृंगार आदि।

(क) प्रा०—पं० वाणीभूषण, रायबरेली।→२३–३७१ ए।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–३७७ क।

कवित्त (पद्य)—शिवराम कृत। वि० भगवान कृष्ण के जन्म से पूतनावध तक की कथा।

प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, मथुरा दरवाजा, कामवन (भरतपुर)। →४१–२६४।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में गुसाईं चंदलाल कृत 'भागवतसार पचीसी', सुखदेव कृत 'अध्यात्म प्रकाश', अकबर और बीरबल के परिहास तथा जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब विषयक कहानियाँ भी लिपिबद्ध हैं।

कवित्त (पद्य)—शिवाराम कृत। वि० किसी हरदयालसिंह की प्रशस्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१८५।

कवित्त (पद्य)—संगमलाल कृत। वि० विविध।

प्रा०—पं० वाणीभूषण, रायबरेली।→२३–३७२।

कवित्त (पद्य)—सिद्धदास कृत। र० का० सं० १८१०। वि० भक्ति, ज्ञान, वैराग्य आदि।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→ २६–४३७ ए।

कवित्त (पद्य)—सुवरण कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और शृंगार।

प्रा०—श्री जगेसर दूबे, मदरिया, डा० तरकुलवा (गोरखपुर)।→सं० ०१–४५७।

कवित्त (पद्य)—सूरदया कृत। वि० धर्म और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६०।

कवित्त (पद्य)—सेनापति कृत। वि० शृंगार।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२३१ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→ ४१–२६७ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार ।
प्रा०—श्री श्यामसुंदरलाल अग्रवाल, ग्राम तथा डा० जगनेर (आगरा) ।→ २६–४०८ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—पं० वेदनिधि चतुर्वेदी, ग्राम तथा डा० पारना (आगरा) ।→२६–४०६ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० गंगाधर, कोटला (आगरा) ।→२६–४१० ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार रस ।
प्रा०—पं० रघुवरदयाल, रजौरा, डा० मदनपुर (मैनपुरी) ।→३५–१८१ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति का उपदेश ।
प्रा०—तुं० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३५–१८४ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामचरित्र और शृंगार वर्णन ।
प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–५०४ ।

कवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० लाड़लीप्रसाद, बलरई (इटावा) ।→३५–१८२ ।

कबित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० भक्ति, विनय और शृंगार ।
प्रा०—बौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१८३ ।

कवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—चौधरी मलिखानसिंह, कुरसेना, डा० जसवंतनगर (इटावा)। → ३५–१८५ ।

कवित्त (दयादेव के) (पद्य)—दयादेव कृत । लि० का० सं० १८१३ (लगभग) । वि० विप्रलंभ शृंगार ।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१–६५ ।

कवित्त (नरहरि महापात्र के) (पद्य)—नरहरि कृत । वि० लोहे और सोने का संवाद आदि ।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–१२० ।

कवित्त (निपटजी के) (पद्य)—निपटनिरंजन कृत । वि० ज्ञान, भक्ति, वैराग्य आदि ।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७–१२८ ।

कवित्त (फुटकर) (पद्य)—ठाकुर (कवि) कृत । वि० भक्ति और शृंगार ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२१६ ।

कवित्त (फुटकर) (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७–३५ (परि० ३) ।

कवित्त (श्री माताजी रा) (पद्य)—रसपुंज कृत । वि० दुर्गास्तुति ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–८१ ।

कवित्त (श्री विंध्याचलदेवीजी को) (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० विंध्यवासिनी देवी की स्तुति ।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१–५० ख ।

कवित्त (हजरतअली के) (पद्य)—नैन (कवि) कृत । वि० हजरतअली की खैबर (?) की लड़ाई तथा उनकी करामतों का वर्णन ।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़) ।→ ४१–१३० का ।

कवित्त (हनुमानजी के) (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१–५० क ।

कवित्त कुसुम वाटिका (पद्य)—मृगेंद्र कृत । र० का० सं० १९१७ । वि० षट्ऋतु तथा राधाकृष्ण का नखशिख वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५० ।

कवित्त चतुःशती (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि० का० सं० १७१२ । वि० शृंगार ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१८ क ।

कवित्त चयन (पद्य)—गहरगोपाल कृत । वि० वल्लभ कुल के गुसाइयों तथा राजाओं का वर्णन आदि ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–५६ ए ।

कवित्त चयन (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (रसलीन, देव, अमान हरि आदि) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–१८६ ।

कवित्त तथा भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—श्री प्यारेलाल जाट, मुड़ियापुरा, डा० किरावली (आगरा) । → २९–४१२ ।

कवित्त दोहरा संग्रह (पद्य)—विविध कवि (आलम, कृष्णदास, तुलाराम, गंग, रघुनाथ, रसिक, मुकुंद और मंडन आदि) कृत । वि० शृंगार रस ।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१–४४१ (अप्र०) ।

कवित्त दोहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट मथुरा।→१७–३४ (परि० ३)।

कवित्त दोहा संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृंगार और भक्ति। (लगभग २४ कवियों का संग्रह)।
प्रा०—डा० दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–५०५।

कवित्त पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (४२ कवि) कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–४४२ (अप्र०)।

कवित्त प्रबंध (गद्यपद्य)—माणिकदास कृत। वि० वेदांत तथा उपासना।
प्रा०—श्री आरतराम, महामंदिर जोधपुर।→०१–१३२।

कवित्त भाषा दूषण विचार (पद्य)—अन्य नाम 'भाषा काव्यप्रकाश'। बलभद्र कृत। र० का० सं० १७१४। वि० काव्य के लक्षण और गुण दोष।
(क) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–१६।
(ख) प्रा० ठा० महाबीरबक्शसिंह, कोठाराकलाँ (सुलतानपुर)।→२३–२६।

कवित्त रत्नमालिका (पद्य)—रामनारायण कृत। र० का० सं० १८२७। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री लछमनदास, जोधपुर।→०१–६३।
टि० रचयिता के अतिरिक्त अन्य कवि भी संगृहीत हैं।

कवित्त रत्नाकर (पद्य)—सेनापति कृत। र० का० सं० १७०६। वि० शृंगारादि स्फुट।
(क) लि० का० सं० १६३८।
प्रा०—पं० मंगलीप्रसाद, हिंदी शिक्षक, कन्नौज।→०६–२८७।
(ख) लि० का० सं० १६४१।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–४३३ बी।
(ग) प्रा०—ठा० गणेशसिंह, करैला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–३७६ बी।
(घ) प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र, रतनपुर, डा० अलीगंज (खीरी)।→२६–४३३ ए।
(ङ) लि० का० सं० १८८४।→२३–३७६ ए।

कवित्त राजनीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत)।

कवित्त रामायण (पद्य)—चंद (कवि) कृत। वि० राम कथा।
(क) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—लाला बेनीराम, गंगागंज, डा० सलेमपुर (अलीगढ़)।→२६–६३।

(ख) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—बाबा रघुबरदास, मानपुर, डा० बेवर (मैनपुरी) ।→३२–३६ ।

(ग) प्रा०—श्री श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–४१ ।

कवित्त रामायण (पद्य)—मंगलदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १६६३ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२७३ ख ।

कवित्त रामायण (पद्य)—लाल (कवि) कृत । वि० धनुषयज्ञ वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२३८ ।

कवित्त रामायण (पद्य)—सेनापति कृत । वि० रामकथा ।

प्रा०—श्री चुन्नीलाल अग्रवाल, ताजपुरा, मथुरा ।→२२–१६६ ए ।

कवित्त रामायण (पद्य)—हरिदास (सूर्यबक्स सतई) कृत । र० का० सं० १८६६ । लि० का० सं० १८६६ । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—मुं० राजकिशोर भगवानदास, जायस (रायबरेली) ।→२६–१४१ ।

कवित्त रामायण→'कवितावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

कबित्त लिलहारी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण की लिलहारी लीला का बर्णन ।

प्रा०—पं० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३५–१८७ ।

कबित्त बसंत→'षटऋतु संबंधी कवित्त' (ग्वाल कबि कृत) ।

कवित्त बिचार (पद्य)—चिंतामणि कृत । बि० पिंगल ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–३१ ।

कवित्त विरह (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० बिरह वर्णन ।

प्रा०—पं० वैजनाथ शर्मा, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५–७७ डी ।

कवित्त श्रृंगार पचीसी सटीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'श्रृंगार पचीसी तिलक समेत' । गोपाल (बक्सी) कृत । र० का० सं० १८८५ । वि० श्रीकृष्ण और गोपियों की प्रेमक्रीड़ा ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री राजा भगवानबक्शसिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→२३–१३२ ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—महाराज कुमार रणंजयसिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०७–३७ ।

कवित्त शेखसाँईं (पद्य)—आलम कृत । बि० भक्ति और श्रृंगार ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाइजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ । →सं० ०४–१५ घ ।

कवित्त संकलन (पद्य)—मोतीराम कृत । (सेनापति, देव, पद्माकर और रसखान आदि कवियों का संग्रह) । वि० भरतपुर नरेश बलवंत, जसवंत और जवाहिर की प्रशंसा आदि ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–१४६।

कवित्त संग्रह (पद्य)—अनंत (कवि) कृत। वि० शृंगार रस।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३–१७।

कवित्त संग्रह (पद्य)—आनंदघन कृत। वि० राधाकृष्ण की शोभा और शृंगार।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–७ बी।

(ख) प्रा०—श्री श्रवणलाल हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→३२–७ डी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—आलम और शेख कृत। र० का० सं० १८वीं शताब्दी। वि० शृंगार।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहबाद।→४१–१२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—किशोर कृत (और संगृहीत)। वि० स्वरचित तथा पद्माकर, मंडन, भूधर, महबूब और परसाद का विविध विषयक संग्रह।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३–२१२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० शृंगार, गजोद्धार, कलियुग एवं शांत रसादि का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० गंगाराम शर्मा, ग्राम तथा डा० उमराबर (मैनपुरी)।→२३–७३ बी।

(ख) प्रा०—चौधरी प्रसादराम शर्मा, भरथना (इटावा)।→३५–३३ डी, एफ।

(ग) प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३५–३३ ई।

(घ) प्रा०—पं० सोहनपाल, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)।→३८–५५ डी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १९६०। वि० भक्ति, शृंगार और उपदेश।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैलासरैया, डा० चौरी (बहराइच)।→२३–१७८ बी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—दुर्गादत्त कृत। वि० विनय और उपदेश।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ शर्मा, वैद्य, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६–७६।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बीरबल (राजा) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३–६७।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बेधा (?) कृत। र० का० सं० १८५८ के लगभग। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—श्री लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, वाजपेयीखेड़ा, डा० बेहटा (रायबरेली)।→सं० ०४–२४२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि० बेनी, शिव, परमेश और शंभु आदि कवियों का संग्रह ।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३७ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बैजू (कवि) कृत । सं० का० सं० १८७५ । लि० का० सं० १८८० । वि० विविध ।
प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६–२५ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—मोहन कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३–२८० ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचौराघाट (आगरा) ।→२६–२६६ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—सीताराम (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३७ । वि० कृष्णलीला एवं ऋतुवर्णन आदि ।
प्रा०—पं० चंद्रभाल शुक्ल, गोनी, डा० अतरौली (हरदोई) ।→२६–४३६ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—हुलासी (?) कृत । वि० भक्ति और वैराग्य । (अन्य संगृहीत कवि रसखानि, दयानिधि, आलम, छत्रसाल, टोडर, भूषण और सुंदर आदि) ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–४४४ (अप्र०) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—भारती भवन, इलाहाबाद ।→१७–३६ (परि० ३) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→ २६–१६ (परि० ३) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, किशोर और जगन्नाथ आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० सत्यनारायण त्रिपाठी, बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६–१७ (परि० ३) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर, चिंतामणि, कालिदास और मकरंद आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० रमाकांत त्रिपाठी, बंडा, डा० गढ़वारा (प्रतापगढ़) । → २६–१७ (परि० ३) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह, चँदरावल, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–४११ ।

कबित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (रसखान, किशोर और आलम तथा अन्य दुर्लभ कवि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२४३ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (हरिचंद, ठाकुर, रघुनाथ आदि प्रसिद्ध एवं दुर्लभ कवि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२४४ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (भवानीराम, तुलसीदास और श्रीपति आदि ज्ञाता-ज्ञात कवि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→ ३२–२४५ ।

कबित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (सेनापति, पद्माकर और कविसिंह आदि ज्ञाताज्ञात कवि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—पं० लक्ष्मण भट्ट, बीच चौक, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२४६ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (ग्वाल, मतिराम और देव आदि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कठबारी, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२–२४७ ।

कबित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार और वैराग्य ।

प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा) ।→३५–१८८ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० प्रेम, भक्ति और शृंगार ।

प्रा०—सारख, डा० वरनाहल (मैनपुरी) ।→ ३५–१८९ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—पं० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→ ३५–१९० ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।

प्रा०—पं० लल्लूमल महेरे, बाउथ, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१९१ ।

कबित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार, करुण तथा शांत रसादि का वर्णन ।

प्रा०—चौ० जनकसिंह उर्फ तिलकसिंह रईस, जायमई, डा० भदान (मैनपुरी) । →३५–१९२ ।

कबित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (परशुराम, गदाधर भट्ट, गोकुलनाथ आदि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—पं० चक्रपाणि दूबे, बलरई (इटावा) । →३५–१९३ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, रसखान, बलदेव आदि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—मुं० बच्चनलाल, चकवाखुर्द, डा० वसरेहर (इटावा) →३५–१९४ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (देव, पद्माकर, मतिराम आदि) कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री रघुवरदास, सूरजनगर, डा० नौगवाँ (आगरा)।→३५–१६५।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (देव, ठाकुर, घनानंद आदि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—पं० रामदत्त शर्मा, बह्मनीपुर, इटावा।→३५–१६६।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (नीलकंठ, सेनापति, आलम, कालिदास, मतिराम और देव आदि तीस कवि) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर, नंदगाँव (मथुरा)।→४१–४४३ (अप्र०)।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अलबेली अलि, रसखान, जैकृष्ण और हितध्रुव) कृत। वि० शृंगार और शांतरस।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। → ४१–४४५ (अप्र०)।

कवित्त संग्रह बसंत के (पद्य)—किशोदास (द्विज) कृत। वि० वसंत, फाग, होरी आदि के कवित्त।

प्रा०—राय अंबिकानाथसिंह (लालसाहिब), नाइन स्टेट, डा० सूची (रायबरेली)। →सं० ०४–३५।

कवित्त सवैया (पद्य)—खुसियाल कृत। वि० पहेली, ऊषा अनिरुद्ध का प्रेम और गणेश वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४७।

कवित्त सवैया (पद्य)—मेंड़ेलाल कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६१०। वि० भक्ति और स्तुति।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–३०१।

कवित्त सवैया संग्रह (पद्य)—लालू (भट्ट) कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३७६।

कवित्त सवैया संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री बाबूलाल शर्मा, पथवारी का नुक्कड़, धूलियागंज (आगरा)।→ ३२–२५०।

कवित्तसागर रामचरित्र संग्रह (पद्य)—सेख, देव, चंद, केशव, ठाकुर और तुलसी आदि का संग्रह ग्रंथ। वि० रामचरित्र और रामभक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४४६ (अप्र०)।

कवित्तसार (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२७–१८ (परि० ३)।

कवित्तसार (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर, भगवंत और पजनेश आदि शताधिक कवि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–२४८ ।

कवित्तसार संग्रह (पद्य)—गुविंद (गोविंद) द्वारा संगृहीत। वि० ऋतु वर्णन। अन्य संगृहीत कवि देव, कालिदास, केशवदास, ठाकुर, भवानी, घासीराम आदि।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५४ ख ।

कवित्त हजरत अली शाह मरदान सेरे खुदा सलबातुलाह अले हवाल ही वोसलम की हाल गढ़ खैबर की लड़ाई का तथा कवित्त हजरत अली के माजिजा के (पद्य)—नैन (कवि) कृत। वि० हजरत अली की खैबर की लड़ाई तथा हजरत अली के माजिजा।

प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। → ४१–१३० क।

कवित्तादि (पद्य)—दयाकृष्ण कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति।

प्रा०—पं० परमानंद शर्मा, ग्राम तथा डा० बलदेव (मथुरा)।→१७–४६ ए।

कवित्तादि (पद्य)—सर्वसुखदास कृत। लि० का० सं० १८८०। वि० राधावल्लभी भक्ति।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२७८।

कवित्तादि प्रबंध (पद्य)—प्रेमसखी कृत। वि० सीताराम प्रेम वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१३७ बी।

कवित्तावली (पद्य)—रामसखे कृत। वि० रामकथा और दानलीला आदि।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१५८ ई।

कवित्तावली→'कवितावली' (गो० तुलसीदास कृत)।

कवित्तावली→'कवितावली रामायण' (रामचरणदास कृत)।

कवित्तावली भक्तविलास (पद्य)—वासुदेव (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—ठा० दीपनारायणसिंह, महमूदपुर, डा० सेमरी महमूदपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०१–३८५।

कवित्तों का संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।

प्रा०—पं० श्यामलाल भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३५–१६८।

कवित्तों का स्फुट संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सूरत, जानराय और घनानंद आदि ज्ञाताज्ञात कवियों का संग्रह।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–२४६।

कवित्तों की किताब (पद्य)—विविध कवि (केशव, देव, मतिराम आदि) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० श्रीराम दूबे, ग्राम तथा डा० मदान (मैनपुरी)।→३५–२००।

कवित्तों की किताब (पद्य)—विविध कवि (देव, पद्माकर, मतिराम आदि) कृत। वि० शृंगार, भक्ति, विनय आदि।

प्रा०—पं० गौरीशंकर, लभौआ, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५-२०१

कवित्तों की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्ति, शृंगार, प्रेम आदि।

प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, धातरी, डा० तिलियानी (मैनपुरी)।→३५-१९९।

कविदर्पण (पद्य)—अन्य नाम 'दूषणदर्पण'। ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८९१। काव्य दोष निदर्शन।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०९-१०२।

(ख) प्रा०—पं० नवनीत चौबे कवि, मारूगली, मथुरा।→१७-६५ सी।

कविप्रमोद रस (पद्य)—मान जी (मुनि) कृत। र० का० सं० १७४६। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री लल्लूलाल मिश्र, मवैया (फतेहपुर)।→२०-१०१।

कविप्रिया (पद्य)—केशवदास कृत। र० का० सं० १६५८। वि० कवि शिक्षा।

(क) लि० का० सं० १७२४।

प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-४८३।

(ख) लि० का० सं० १७३७।

प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२३३ सी।

(ग) लि० का० सं० १८७९।

प्रा०—श्री शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसइया (बहराइच)।→२३-२०७ ए।

(घ) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह, तालुकेदार, लवेदपुर (बहराइच)।→२३-२०७ बी।

(ङ) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—श्री कुंजीलाल भट्ट, औंड़ेला, डा० किरावली (आगरा)।→२९-१९२ ई।

(च) लि० का० सं० १९०६।

प्रा०—पं० ओंकारनाथ पांडेय, अध्यापक संस्कृत पाठशाला, चचेहरा डा० कौठानौरिया (प्रतापगढ़)।→२६-२३३ डी।

(छ) लि० का० सं० १९१०।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़।→२६-२३३ बी।

(ज) प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ।→००-५२।

(झ) प्रा०—भारती भवन, इलाहाबाद।→१७-९९ सी।

(ञ) प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर)।→२०-८२ बी।

(ट) प्रा०—पं० लक्ष्मण मिश्र, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३-२०७ सी।

(ठ) प्रा०—पं० भगवंतप्रसाद, मौढ़ा, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२९-१९२ डी।

कविप्रिया का तिलक (गद्यपद्य)—धीर कृत। र० का० सं० १८७०। लि० का० सं० १९३७। वि० 'कविप्रिया' की टीका।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६।

कविप्रिया की टीका (गद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८६७। लि० का० सं० १८६७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर)। → २०–३५ बी।

कविप्रियाभरण (गद्यपद्य)—अन्यननाम 'कविप्रिया सटीक'। हरिचरणदास कृत। र० का० सं० १८३५। वि० 'कविप्रिया' (के कठिन पद्यों) की टीका।
(क) लि० का० सं० १८३७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–५८।
(ख) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०—पं० रामबरन उपाध्याय, टेलिग्राफ निरीक्षक, फैजाबाद।→०६–१०८।
(ग) प्रा०—श्री लालबिहारी दूबे, लछीपुर, डा० नेहस्था (रायबरेली)। →सं० ०४–४३१ क।

कविप्रियाभरणाख्या→'कविप्रियाभरण' (हरिचरणदास कृत)।

कविप्रिया सटीक (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—श्री जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२–१८६।
(ख) प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, माधोपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–४१६ ए।

कविप्रिया सटीक→'कविप्रियाभरण' (हरिचरणदास)।

कवि बल्लु→'रामबल्लु' ('भागवत भाषा' के रचयिता)।

कविमुखमंडन (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० अलंकार।
पा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–३५।

कवित्तरत्नमालिका (पद्य)—रामनारायण ब्राह्मण (रसरासि) कृत। र० का० सं० १८२७। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री लक्ष्मनदास, जोधपुर।→०१–६३।

कविराज (महापात्र)→'शिवराज (महापात्र)' ('रससागर' के रचयिता)।

कविराम→'राम (कवि)'।

कविलाल→'लाल (कवि)' ('अंगदपैज' के रचयिता)।

कविवल्लभ (पद्य)—हरिचरणदास कृत। र० का० सं० १८३५। वि० काव्य के दोषों का विवेचन।
(क) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—टीकनगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२५५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४३१ ख ।

कविविनोद (पद्य)—कृष्णदत्त कृत । र० का० सं० १९२८ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री नाथू बनिया, पुरानी बस्ती कटनी (जबलपुर) ।→२६–२०० ।

कविविनोद (पद्य)—मान कवि या मुनिमान कृत । र० का० सं० १७४५ । वि० वैद्यक ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—कुँवर महताबसिंह, रियासत चंदवारा डा० मानिकपुर (मथुरा) ।→३५–६६ ।

(ख) लि० का० सं० १८९१ ।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फिराजाबाद (आगरा) ।→२६–१३३ ए ।

(ग) प्रा०—श्री सुरेंद्रनाथ चौबे, लंगड़पुर, डा० पीरनगर (गाजीपुर) ।→सं० ०१–२९२ ख ।

टि० खो० वि० २६–१३३ पर भूल से रचयिता का नाम गुरुप्रसाद मान लिया गया है ।

कविविनोद नाथ भाषा निदान चिकित्सा→'कविविनोद' (मान कवि या मुनिमान कृत) ।

कविसर्वस्व (गद्यपद्य)—जयगोविंद (वाजपेयी) कृत । लि० का० सं० १७९५ । वि० काव्य प्रयोजन, रसालंकार और नायिकाभेद आदि ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर, कामवन (भरतपुर) ।→३८–७३ ।

कविहृदय विनोद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि० देव स्तुति, शांत और शृंगारादि वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—सेठ अयोध्याप्रसाद, शृंगार हाट, अयोध्या ।→२०–५८ सी ।

(ख) प्रा०—पं० झम्मनराम, चौक, लखनऊ ।→२३–१४६ ए ।

(ग) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–१३५ बी ।

कवींद्र→'उदयनाथ' (बानपुरा निवासी) ।

कवींद्र→'कवींद्र सरस्वती' ('वसिष्ठसार' के रचयिता) ।

कवींद्र सरस्वती—उप० कवींद्राचार्य सरस्वती । ऋग्वेदीय आश्वलायन शाखा के ब्राह्मण । पहले गोदावरी तट पर पश्चात् काशी में निवास । सं० १६८७ से १७१४ के लगभग वर्तमान ।

वसिष्ठसार (पद्य)→०६–२७६; १०–७६ ए, बी; पं० २२–५३; २६–१६० ए, बी; ४१–२७७; सं० ०७–१४।

समरसार (पद्य)→०४–३६।

कवींद्राचार्य सरस्वती→'कवींद्र सरस्वती' ('वसिष्ठसार' के रचयिता)।

कशफुलवजूद अर्थात ब्रह्म निरूपण (पद्य)—बुरहानशाह कृत। वि० ब्रह्म निरूपण।

प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, १३, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–१६२क।

कसौंदी की लड़ाई (पद्य)—भेदीराम कृत। लि० का० सं० १६४५। वि० गजमोतिन और मलहान के विवाहांतर्गत कसौंदी की लड़ाई।

प्रा०—लाला रामस्वरूप, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२–२३।

कहरनामा (ककहरानामा) (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १८१८। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)।→सं० ०१–१८४।

(ख) लि० का० सं० १६८२।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–२४६ बी।

कहरा (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६–३२६ ई।

कहरानामा (पद्य)—गोसाईंदास कृत। लि० का० सं० १६६८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)। →सं० ०४–८५ क।

कहरानामा (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१०–१८१४ (लगभग)। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)।→२६–१६२जी।

(ख) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)। →सं० ०४–१०५ च।

(ग) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)।→२६–१६२ ई।

(घ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)।→ २६–१६२ एफ।

कहरानामा (पद्य)—मलिकमुहम्मद जायसी कृत । वि० ईश्वर स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १७७० ।

प्रा०—आमंद भवन पुस्तकालय, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–२८६ ए ।

(ख) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–२८७ ख।

कहानियों का संग्रह (गद्य)—मोतीलाल कृत । लि० का० सं० १६३० । वि० सौ कहानियों का संग्रह ।

प्रा०—पं० रामभरोसे, देवकली, डा० मारहरा (एटा) ।→२६–२३३ ।

कहारनामा या कहारनाम→'कहरानामा' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत) ।

कांताभूषण (पद्य)—रतनेश कृत । लि० का० सं० १८७१ । वि० नायक नायिका भेद ।

प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१६५ ।

काकराम—(?)

रामविवाह ? (पद्य)→सं० ०१–३७ ।

काजिमअली जवान—सं० १८५७ के लगभग वर्तमान । इन्होंने लल्लू जी लाल की सहायता से व्रजभाषा की सिंहासनबत्तीसी का खड़ी बोली में अनुवाद किया था ।

सिंहासन बत्तीसी (गद्य)→०६–१८० ।

काजी कादन जी और अन्य साधु (माणिक और सालूर)—संभवतः मुसलमान ।

साखी (पद्य)→सं० १०–१२ ।

काजी महमूद—कोई संत । संभवतः पंजाब निवासी ।

पद और साखी (पद्य)→सं० १०–१३ ।

काजी महमूद बहरी→'महमूद बहरी (काजी)' ।

कादंबरी (पद्य)—बलदेव कृत । र० का० सं० १८४१ । लि० का० सं० १८४१ । वि० संस्कृत 'कादंबरी' का अनुवाद ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५–५८ ।

कादंबरी (गद्य)—रामचंद्र (बसु) कृत । र० का० सं० १६२४ । वि० संस्कृत 'कादंबरी' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—श्री हनुमंतसिंह, दुनियाँकलाँ, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–३७५ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—श्री रामनारायण शास्त्री, ज्ञानपुर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→ २६–३७५ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—श्री बेचूसिंह रईस, कासिमपुर, डा० मछरहट्टा (सीतापुर) ।→ २६–३७५ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री विष्णुभरोसे, बाटमपुर (उन्नाव) ।→२६–३७५ डी ।

कान्यकुब्ज दर्पण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४८। वि० कान्यकुब्ज वंशावली।
प्रा०—पं० रामदयाल शुक्ल, निगोहाँ (लखनऊ)।→२६–४०३।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—धरणीधर कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)।→२०–४२ बी।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—नारायणप्रसाद कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्रीमती रानी कुँअरि, भू० पू० अध्यापिका, कन्या पाठशाला, सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२–१५४।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—बाजीलाल (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–३६।
(ख) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—पं० गयादीन शुक्ल, मानपुर, डा० तंबौर (सीतापुर)।→२६–२८।

कान्ह (कवि)—अन्य नाम कान्हर। वृंदावन निवासी। सं० १८०२ के लगभग वर्तमान।
देवीविनय (पद्य)→०६–२७७।
नखशिख (पद्य)→०३–६०; ३२–१०७ बी।
रसरंग (पद्य)→२६–१८३; ३२–१०७ ए; सं० ०४–२८।

कान्ह कवि या लघु कान्ह—पाली शहर निवासी। मनीराम के वंशज। अलवर नरेश विनेश के दरबारी हरिनाथ के आश्रित। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।
हरिनाथ विनोद (पद्य)→सं० ०१–३८।

कान्ह (द्विज)—सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।
ज्योतिस्सारावली (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–२६।

कान्ह और व्यास—(?)
बिहारी सतसई (गोवर्द्धन सतसैया को सार) (पद्य)→सं० ०१–३६।

कान्ह को बारहमासी→'बारहमासा' (लखनसेनि कृत)।

कान्ह जी—साध संप्रदाय के अनुयायी।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–१५।

कान्हर→'कान्ह (कवि)' (रसरंग' आदि के रचयिता)।

कान्हरदास (बाबा)—गोकुलपुरा (आगरा) निवासी। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान।
पद रामायण (पद्य)→२६–२२३ ए, बी, सी।

कान्हाँ जी—कोई प्राचीन संत।
पद (पद्य)→सं० ०७–१६।

काफिरबोध (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ ग।
(ख)→०२–६१ (तेरह)।

कामकला सार (पद्य)—अन्य नाम 'कोककला सार'। इच्छागिरि कृत। र० का० सं० १८३७। लि० का० सं० १६२२। वि० कामशास्त्र।
प्रा०—श्री ब्रह्मदत्त शुक्ल, स्थान व डा० बहेरागोविंदपुर (रायबरेली)।→ सं० ०४–१७।

कामदानाथ—रघुनाथ मिश्र के पुत्र और शिवप्रसाद मिश्र के पितृव्य। फतेहपुर जिले के हाजीपुर ग्राम के निवासी। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।
पाक संग्रह (गद्यपद्य)→२०–७६।

कामरत्न (गद्य)—नाथ कृत। लि० का० सं० १८४०। वि० कामशास्त्र और रसादि औषधियों का वर्णन।
प्रा०—पं० शारदाप्रसाद दूबे, नवगवाँ, डा० लँभुआ (सुलतानपुर)। → सं० ०४–१८७।

कामरूप का किस्सा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजकुमार कामरूप (गोरखपुर) और राजकुमारी कामकला (सारन) की प्रेम कहानी।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३४२।

कामरूप की कथा (पद्य)—हरिसेवक (मिश्र) कृत। वि० राजकुमार कामरूप (वाराणसी) और राजकुमारी कामलता (सिंहलद्वीप) की कथा।
(क) प्रा०—प्रा० बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–६०।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–५१ बी।

कायम खाँ—संभवतः मालुवा के सूबेदार वंगस (सं० १७८०) के पुत्र। गोविंद कवि के आश्रयदाता।→सं० ०४–८०।

कायस्थोत्पत्ति कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६०६। लि० का० सं० १६०६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल शर्मा, मिसरान, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–४१३।

कायापाँजी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६०४। वि० योग।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६२ बी।

कायापाखी (पद्य)—धर्मदास कृत। लि० का० सं० १८७४। वि० कबीरपंथ के सिद्धांत।
प्रा०—बाबू अमीरचंद गुप्त, प्रबंधक, बी० डी० गुप्त एंड कंपनी, चौक, बहराइच। →२३–१०० ए।

कायाबेलि (पद्य)—दादूदयाल कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० काया में समस्त ब्रह्मांड का दर्शन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–८१ क।

कायाविलास (पद्य)—संतदास (हजारीदास) कृत। लि० का० सं० १९६६। वि० शारीरिक वायुओं और इंद्रियों के संबंध में गुरु शिष्य संवाद।
प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर (बाराबंकी)।→२६–४२७ ए।

कार्तिकतरंग (पद्य)—रामदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की कार्तिक लीलाओं का वर्णन।
प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद शुक्ल 'शंकर', अवकाशप्राप्त न्यायाधीश, प्रभुटाउन, रायबरेली।→सं० ०४–३३२।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत। र० का० सं० १७४२। वि० कार्तिक महीने का धार्मिक महत्व वर्णन।
(क) लि० का० सं० १९७३।
प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा)।→२९–३६ सी।
(ख) लि० का० सं० १८८१।
प्रा०—पं० हरवंशलाल, आयरा खेड़ा, डा० राया (मथुरा)।→३८–१० बी।
(ग) लि० का० सं० १९०६।
प्रा०—पं० प्यारेलाल शर्मा, बसई मुहम्मदपुर (आगरा)।→२९–३६ बी।
(घ) लि० का० सं० १९२६।
प्रा०—पं० लखमीचंद गौड़, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २९–३६ ए।
(ङ)→पं० २२–१३।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रंगीलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—लाला गंगाबख्श, पिंडौरा (हरदोई)।→२६–२९३ ए।
(ख) लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—लाला हरसुखराय, गंगाधरपुर, डा० जैथरा (एटा)।→२९–२९३ बी।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—राघोदास (राघवदास) कृत। र० का० सं० १८४८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)। →सं० ०१–३३१ क।
(ख) प्रा०—श्री शिवबालकराम मिश्र, कपूरीपुर, डा० करहियाबाजार (रायबरेली)।→सं० ०४–३२२।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रामकृष्ण कृत। र० का० सं० १७४२। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १९०६।

प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, ब्राह्मनटोला, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा)। →२६–२८८ बी।

(ख) प्रा०—पं० शालिग्रम शर्मा, महुवा, डा० जैतपुरकलाँ (आगरा)।→ २६–२८८ ए।

(ग) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→१६–२८८ सी

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—बसंतराज कृत। र० का० सं० १६२५। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, लखनपुर, डा० मगरैर (उन्नाव)।→२६–४६२ ए।

(ख) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—पं० बलदेवप्रसाद तिवारी अंता, डा० ककवन (कानपुर)।→ २६–४६२ बी।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० महोलीराम सरैंधी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६–४०५।

कार्त्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा० - पं० जयगोविंद मिश्र, सरहैदी, डा० जगनेर (आगरा)।→२६–४०६।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० बाबूराम वैद्य, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड डिस्पेंसरी, कोटला (आगरा)।→ २६–४०७।

कार्तिक माहात्म्य कथा→'कार्तिक माहात्म्य' (भगवानदास निरंजनी कृत)।

कालचक्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जन्म के नक्षत्रों से अवस्था की सीमा निश्चित करना।

प्रा०—श्री वासुदेवसहाय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २६–१६ (परि० ३)।

कालज्ञान (पद्य)—ऋषिकेश कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० कृष्णप्रसाद, कटयारा, डा० माट (मथुरा)।→३८–१२७।

कालज्ञान (पद्य)—अन्य नाम 'कालज्ञान ग्रंथमाला'। रामचरण (स्वामी) कृत। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १७६१।

प्रा०—श्री सूरतिसिंह, शिविरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६–३७६।

(ख) लि० का० सं० १७६४।

प्रा०—श्री महंत गोपालदास, डिडवाना, जोधपुर।→२३–३४० बी।

(ग) लि० का० सं० १७६४।

प्रा०—पं० नगेशर, बुबकापुर, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–३४० सी।
(घ)→पं० २२–६२।

कालज्ञान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१०। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद तिवारी, रहीमाबाद (लखनऊ)।→सं० ०७–२२२।

कालज्ञान ग्रंथमाला→'कालज्ञान' (स्वा० रामचरण कृत)।

कालिका (सेठ)—शाहजहाँपुर निवासी। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।
रतनविलास (पद्य)→२६–२१६।

कालिकाचरण—सं० १६११ के पूर्व वर्तमान।
कृष्णक्रीड़ा (पद्य)→२६–२१७ ए, बी, सी; २६–१७६ ए, बी।

कालिकाप्रसाद—(?)
नखशिख (पद्य)→२३–२०१।

कालिकाष्टक (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि० काली जी की महिमा।
प्रा०—श्री महेश्वरीप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)।→४१–४७ क।

कालिकाष्टक (पद्य)—दलपति (मथुरिया) कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० कालिका देवी की वंदना।
प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२–४४।

कालिदास—(?)
बसंतराज (पद्य)→सं० ०१–४० क, ख।

कालिदास—(?)
भ्रमरगीता (पद्य)→०६–१४४।

कालिदास (त्रिवेदी)—अंतर्वेद निवासी। उदयनाथ (कवींद्र) के पितामह। बादशाह औरंगजेब तथा जंबू नरेश जगजीतसिंह के आश्रित। सं० १७५१ के लगभग वर्तमान।→०३–४२; १२–१६२; १७–१६८; २३–४३५।
जंजीराबंद (पद्य)→०४–५; ०६–१७८ ए; २३–२०० डी।
राधामाधव मिलन बुधविनोद (पद्य)→०१–६८।
वधूविनोद (पद्य)→०६–१७८ बी; २०–७५; पं० २२–५२; २३–२०० ए, बी, सी; ४१–४७६ (अप्र०)।

कालीचरण—भोजपुर के राजकुमार रामेश्वरसिंह के आश्रित। सं० १६०२ के लगभग वर्तमान।
वृंदावन प्रकरण (पद्य)→०४–८१।

कालीदत्त (नागर)—उरई (जालौन) के नागर ब्राह्मण। सं० १६२१ के पूर्व वर्तमान।
छविरतनम् (गद्यपद्य)→२६–२१५ ए।
रसिक विनोद (गद्यपद्य)→२६–२१५ बी, सी, डी।

कालो दमन (पद्य)—रामनाथ (पंडित) कृत। वि० श्रीकृष्ण की कालीदमन लीला का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→ २६–३८५।

(ख) प्रा०—पं० अमरनाथ शुक्ल, नउआ डाँडी, बादशाहपुर (जौनपुर)।→ सं० ०४–३३३।

कालीनाथन लीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, धनुवाँ (इटावा)।→३५–१६ बी।

कालीप्रसन्न—(?)

नरक के पापी (गद्य)→२६–१८०।

कालीप्रसाद (वैद्य)—डलमऊ (रायबरेली) निवासी। सं० १६१७ के लगभग वर्तमान।

वैद्य प्रकाश (गद्य) →सं० ०४–३०।

कालीप्रसादसिंह (भैया)—पिता का नाम शिवसिंह बिसेन। भिनगा राज के आश्रित।

अलंकार महोदधि (पद्य)→२३–२०२।

काली विजय (पद्य)—शंभुनाथ (द्विज) कृत। र० का० सं० १६१२। वि० काली विजय वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरासंसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)।→ सं० ०४–३७८ ग।

(ख) मु० का० सं० १६३५।

प्रा०—श्री सरजूप्रसाद दूबे, लच्छीपट्टी, डा० सेंगरामऊ (जौनपुर)।→ सं० ०४–३७८ क।

(ग) प्रा०—श्री केदारनाथ शुक्ल, छपियाशुक्ल, डा० हरैया (बस्ती)।→ सं० ०४–३७८ ख।

कालू—संभवतः बुंदेलखंड के निवासी।

कालू की साखी (पद्य)→३२–१०४।

कालू—(?)

गोपीचंदजी की महिमा के पद (पद्य)→सं० ०७–१७ क।

भरथरीजी की महिमा के पद (पद्य)→सं० ०७–१७ ख।

कालू की साखी (पद्य)—कालू कृत। वि० नीति के उपदेश।

प्रा०—श्री दाताराम महंत, मेवली (आगरा)।→३२–१०४।

काव्य अंग (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० काव्य के अंग तथा लक्षण आदि का वर्णन।

प्रा०—श्री रमणलाल हरीचंद चौधरी, कोसी (मथुरा)।→१७–३८ (परि० ३)।

काव्य कलाधर (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत। र० का० सं० १८०२। वि० अलंकार, नायिकाभेद आदि।
(क) लि० का० सं० १८३५।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१४।
(ख) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—पं० गंगाचरण भट्ट, परसहटा, डा० भैगलगंज (सीतापुर)। → २६-३६६ बी।
(ग) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० त्रिभुवनदास अवस्थी, कोटरा (सीतापुर)।→२६-३६६ सी।
(घ) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—ठा० नरेशसिंह, भज्जूपुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६-३६६ डी।
(ङ) प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-२३५ ए।
(च) प्रा०—महाराज राजेंद्रप्रसादसिंह, भिनगा राज्य, बहराइच। → २३-३२६ डी।

काव्यकला विलास→'काव्य विलास' (प्रतापसाहि कृत)।

काव्य कल्प तरु (पद्य)—अन्य नाम 'वंशावली तिलोई राज्य'। सीताराम (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १६२२। वि० तिलोई के राजाओं का इतिहास और वंशावली।
(क) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—तिलोईनरेश का पुस्तकालय, तिलोई (रायबरेली)।→२६-४४०।
(ख) प्रा०—श्री माताप्रसाद उपाध्याय, जगतपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०४-४१३ क।

काव्य कल्प द्रुम (पद्य)—बैजनाथ (कूर्म) कृत। र० का० सं० १६३५। लि० का० सं० १६४७। वि० पिंगल। (बोपदेव कृत संस्कृत 'काव्य कल्प द्रुम' का अनुवाद)।
प्रा०—पं० भगवतप्रसाद, सराय नूरमहल, डा० टूँडला (आगरा)।→२६-२०।

काव्यगुण निरूपण→'काव्यविनोद' (प्रतापसाहि कृत)।

काव्यदूषण प्रकाश (पद्य)—शिवसिंह कृत। वि० काव्य दोष वर्णन।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-३६७ एफ।

काव्य निर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। र० का० सं० १८३३। वि० काव्य के लक्षण और भेद।
(क) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६१।

(ख) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा०—पं० शिवदत्त वाजपेजी, मोहनलालगंज, लखनऊ ।→२६–६१ ई ।

(ग) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—ठा० गुरुदेवबख्शसिंह, अहमामऊ, डा० गोसाईंगंज (लखनऊ)।→ २६–४४ ।

(घ) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह, अमेठीराज्य (सुलतानपुर) ।→२३–५५ डी ।

(ङ) लि० का० सं० १६०५ ।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह तालुकेदार, नीलगाँव (सीतारापुर) । → २३–५५ ई ।

(च) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० रामशंकर, खरगपुर (गोंडा)।→२०–१७ ए ।

(छ) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—कुँवर नरहरदत्तसिंह, संडीला, डा० मछरेहटा (सीतापुर)। → २६–६१ एफ ।

(ज) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–६१ जी ।

(झ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—श्री रामबहादुरसिंह, बड़वा (प्रतापगढ़) ।→२६–६१ एच ।

(ञ) लि० का० सं० १६५३ ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१७ बी ।

(ट) प्रा०—मुंशी ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़ ।→२६–६१ आई ।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२६१ ख ।

(ड)→पं० २२–२२ ।

टि० खो० वि० सं० ०४–२६१ ख काव्यनिर्णय का आठवाँ उल्लास है ।

काव्यपीयूष रत्नाकर→'पीयूष रत्नाकर' (जनन्नाथ 'सुखसिंधु' कृत) ।

काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)—धनीराम कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १६०४ ।

वि० संस्कृत 'काव्यप्रकाश' का अनुवाद ।

प्रा०—पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० वटेश्वर (आगरा) ।→२३–६६ ।

काव्य प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नायिका भेद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३४३ ।

टि० प्रस्तुत पुस्तक के प्रारंभ में ममारख कवि के कुछ छंद और अंत में किसी अन्य अज्ञात कवि का एक छंद संगृहीत है ।

काव्य प्रभाकर (पद्य)—रामरात (रामजन ?) कृत । र० का० सं १८८० । वि० संस्कृत 'काव्यप्रकाश' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६०४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६-३६१ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६६३ ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-३६१ बी ।
(ग) प्रा०—पं० गौरीशंकर साहित्याचार्य, निपनिया, रीवाँ ।→०६-३१५ (विवरण अप्राप्त) ।

काव्य मंजरी (पद्य)—पदुमनदास कृत । र० का० सं० १७३६ । वि० भावों और रसों आदि का वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१४ ।

काव्य रत्नाकर (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १८६७ । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६२५ ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-३१६ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-३५२बी ।

काव्यरस (पद्य)—जयसिंह (राजा) कृत । लि० का० सं० १८०२ । वि० रस और अलंकार ।
प्रा०—पं हरिकृष्ण वैद्य, 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) ।→ ३८-७४ ।

काव्य रसायन (पद्य)—अन्य नाम 'शब्द रसायन' । देवदत्त (देव) कृत । वि० नायिकाभेद, अलंकारादि काव्यांग ।
(क) लि० का० सं० १८६७ ।
प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, श्री ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३-८६ आर ।
(ख) लि० का० सं० १८७३ ।
प्रा०—ठा० लखपतसिंह, गुदौरिया, डा० जरवलरोड (बहराइच) ।→ २३-८६ओ ।
(ग) लि० का० सं० १६३२ ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→२३-८६पी ।
(घ) लि० का० सं० १६३३ ।
प्रा०—श्री ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ़ ।→२६-६५डी ।
(ङ) लि० का० सं० १६५५ ।
प्रा०—बाबू रामनारायण, नवाबगंज, बाराबंकी ।→०६-६४ ई ।
(च) लि० का० सं० १६५८ ।

प्रा०—लाला जमुनाप्रसाद, किंतुरा, डा० बदाऊँसराय (बहराइच)।→ २३–८६ क्यू।

(छ) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–२६।

(ज) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–१५६ (विवरण अप्राप्त)।

(झ) प्रा०–पं० कन्हैयालाल, महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०–३६ ई।

काव्य विनोद (पद्य)—अन्य नाम 'काव्यगुण निरूपण'। प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १८६६। वि० काव्यांग वर्णन।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद, चरखारी।→०६–६१एच।

काव्य विलास (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८८६। वि० लक्षणा, व्यंजना और भावादि का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—कवि काशीप्रसाद, चरखारी।→०६–६१बी।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५१६ (अप्र०)।

(ग) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—श्री जनार्दन, खाले की बाजार, लखनऊ।→२६–३५१ए।

(घ) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—श्री कन्नूमल, गौरियाकलाँ; डा० फतेहपुर (उन्नाव)।→२६–३५१बी।

(ङ) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, इटावा।→२६–३५१सी।

(च) लि० का० सं० १६४८।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–३५१डी।

(छ) लि० का० सं० १६८३।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल मिश्र, अध्यापक मिडिल स्कूल, कबीरचौरा, वाराणसी।→ २६–३५१ ई।

(ज) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–४६।

काव्य शृंगार (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८८२। वि० जन्म से विवाह तक की राम कथा।

प्रा०—ठा० जगदंबासिंह जमींदार, धनुहाँ, डा० तिलोई (रायबरेली)।→ २६–३७८ जी।

काव्य संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।

प्रा०—पं० लल्लूमल शर्मा, बाउथ, डा० बलरई (इटावा)→३५–१६७।

काव्य सरोज (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७७७ । वि० काव्य रीति ।
(क) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२३–४०४ ए ।
(ख) प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–३०४ ए ।
(ग) प्रा०—ठा० वीरसिंह, भूदरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–४०४ बी ।
(घ) प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–४५६ ।

काव्य सिद्धांत (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । वि० काव्य रीति और नायिकाभेद ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–२४३ ई (विवरण अप्राप्त)

काव्य सुधाकर (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७७७ । वि० काव्यांग वर्णन ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–४०४ सी ।

काव्याभरण (पद्य)—अन्य नाम 'चंदन सतसई' । चंदन (कवि) कृत । र० का० सं० १८४५ । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–४० ।
(बिहारी सतसई की पद्धति पर इनकी एक पुस्तक 'चंदन सतसई' भी है) ।
(ख) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक' लखनऊ ।→२३–७३ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–७७ ।
(घ) लि० का० सं० १६४४ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→ सं० ०४–६० ।

काव्याभरण सटीक (गद्य)—शंकरसिंह कृत । लि० का० सं० १८७८ । वि० अलंकार ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़गावाँ (सीतापुर) । →१२–१६८ ए ।

काव्यामृत प्रवाह (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत । वि० कृष्ण की लीला और छै ऋतुओं का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—पं० श्यामलाल भट्ट, गंगाखेड़ा, डा० माल (लखनऊ) ।→२६–१०१ बी ।
(ख) लि० का० सं० १६५१ ।
प्रा०—ठा० नरेशसिंह, भज्जूपुरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२६–१३३ ए ।

काव्यार्णव (पद्य)—संग्रामसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० पिंगल, रस, काव्यदोष, भूगोल, खगोल आदि ।

(क) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—महाराज दीनसिंह, प्रतापगढ़ ।→०६–२७६ ।

(ख) प्रा०—पं० महावीर पांडे, संग्रामपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। →२६–४२३ ।

काशिराज→'काशीराज' ('चित्रचंद्रिका' के रचयिता) ।

काशिराज प्रकाशिका (गद्यपद्य)—सरदार कृत । वि० 'कविप्रिया' की टीका ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५६ ।

काशिराज वंशावली (गद्यपद्य)—प्रयागदत्त (पाठक) कृत । र० का० सं० १६३० । लि० का० सं० १६३० । वि० काशी के नरेशों की वंशावली ।

प्रा०—पं० नर्मदाप्रसाद पाठक, सेहुरा, डा० बिल्हौर (कानपुर) ।→२६–३५४ ।

काशी और चिंतामणि—(?)

ज्ञान सुहेला (पद्य)→०६–२७८ ।

काशीकांड (पद्य)—खेमदास (ख्यामदास) कृत । र० का० सं० १८२७ । वि० काशी का आध्यात्मिक वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६५६ ।

प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) । →२६–१६५ ए ।

(ख) लि० का० सं० २००१ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) । →सं० ०४–४६ ।

काशीखंड (भाषा) (पद्य)—जयनारायण कृत । वि० संस्कृत काशीखंड का अनुवाद ।

प्रा०—कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→०६–१२६ ।

काशीखंड कथा (पद्य)—विश्वेश्वरदास कृत । वि० काशीखंड (स्कंदपुराणांतर्गत) का अनुवाद ।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१–२५३ ।

काशीगिरि—उप० बनारसी । काशी निवासी प्रसिद्ध लावनीबाज । सं० १६३६ के पूर्व वर्तमान ।

कृष्ण और शिव का अर्द्धांग स्वरूप (पद्य)→३८–७६ ।

ख्याल मरहठी (पद्य)→२६–२२७ बी; २६–१८७ ।

गंगालहरी (पद्य)→२६–२२७ ए ।

काशीगिरि—(?)

भगवद्गीता (पद्य)→३२–१०८; सं० ०१–४१ ।

काशीदास—(?)

ज्योतिष (भाषा) (गद्यपद्य)→२६–२२६ ।

काशीनाथ—सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।
अमृतमंजरी (गद्य)→२०–७८।
भरथरी चरित्र (पद्य)→२६–२२६ ए, बी, सी; २६–१८८; ३२–१०६।

काशीनाथ—प्रसिद्ध कवि केशवदास के पिता।→००–५२।

काशीनाथ (भट्टाचार्य)—(?)
शीघ्रबोध (भाषा) (गद्य)→२६–२२८ ए, बी, सी, डी।

काशी पंचरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० काशी का माहात्म्य।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६१।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१५७ ख।

काशीप्रसाद (शुक्ल)—रामदयाल का पुरवा (प्रतापगढ़) के निवासी।
कवित्त (पद्य)→सं० ०४–३१ क।
भगवती स्तुति (पद्य)→सं० ०४–३१ ख।
शीतलाष्टक (पद्य)→सं० ०४–३१ ग।

काशीयात्रा (गद्य)—माधवप्रसाद कृत। वि० काशी की षोडश यात्राओं में आनेवाले मंदिरों और पुण्य स्थानों का वर्णन।
प्रा०—सं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१७८।

काशीराज—वास्तविक नाम बलवानसिंह। महाराज चेतसिंह के पुत्र। काशी निवासी। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।
चित्रचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–१४५; २३–२०५; २६–१८६ ए।
मुष्टिप्रकाप्रश्न (गद्य)→२६–१८६ बी।

काशीराम—सक्सेना कायस्थ। जन्म सं० १७१५। कमलनयन के पिता। औरंगजेब के सूबेदार नियामत खाँ के आश्रित (?)। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान।→१७–६४।
कनकमंजरी (पद्य)→०३–७।
परशुराम संवाद (पद्य)→२३–२०६।

काशीराम—पाठक ब्राह्मण। काशी निवासी। सं० १६७० के लगभग वर्तमान।
लग्नसुंदरी (पद्य)→३२–११० ए।
जैमिनीयसूत्राणि सटीक (गद्य)→३२–११० बी।

काशीराम—संभवतः 'परशुराम संवाद' के रचयिता काशीराम।→२३–२०६।
कवित्त (पद्य)→४१–२५।

काशीराम—जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' नामक ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–६८ (नौ)।

काशीराम—गंगादास ('शब्द या बानी' के रचयिता) के गुरु।→सं० ०१–६६।

काशी वर्णन (पद्य)—रामप्रगाश (गरि) कृत । वि० काशीस्थ विश्वनाथ का वर्णन ।
प्रा०—श्री रामनरेश गिरि, हुरहुरी, डा० केराकत (जौनपुर) ।→सं० ०१-३४६क ।

काष्ठजिह्वा (स्वामी)—उप० देह, और देव कवि या देव स्वामी । काशी नरेश महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के गुरु तथा आश्रित । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान ।
अयोध्याबिंदु (पद्य)→२३-६३ ।
जानकीबिंदु (पद्य)→२६-६७; ४१-५०५ (अप्र०) ।
पदावली (पद्य)→०१-१४ ।
रामलगन (पद्य)→०६-१७६ ।
रामायण परिचर्या (पद्य)→०४-६६ ।

कासिदनामा (पद्य)—हैदर कृत । वि० एक प्रेमी का प्रेमिका के पास संदेश भेजना ।
(क) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—लाला बेनीराम, गंगागंज, डा० सलेमपुर (अलीगढ़) ।→२६-१३६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६०० ।
प्रा०—लाला दिलखुसराय, नगरा भगत, डा० पटियारी (एटा) ।→२६-१३६बी ।
(ग) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—लाला रामनारायण, नसीरपुर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६-१६२ ए ।
(घ) लि० का० सं० १६१६ ।
प्रा०—ठा० अजयपालसिंह, गंगीमऊ, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२६-१६२ बी ।

कासिम—मुसलमान कवि । पिता का नाम अमान उल्ला । दरियाबाद (बाराबंकी) निवासी । सं० १७८८ के लगभग वर्तमान ।
हंसजवाहिर (पद्य)→०२-१११; २६-२८७; सं० ०४-३२ ।

कासिम—पिता का नाम वाजिद ।
रसिकप्रिया सटीक (पद्य)→०६-१४७ ।

कासिम—घनश्याम ('रागमाल' के रचयिता) के आश्रयदाता ।→सं० ०१-१०२ ।

कासीदास—आगरा निवासी । किसी जगतराइ के आश्रित । बादशाह औरंगजेब के समकालीन । सं० १७२२ के लगभग वर्तमान ।
सम्यक कौमुदी (भाषा) (पद्य)→सं० ०४-३३ ।

किंकर (किंकरप्रभु)—(?)
गोपीबलदाऊ की बारामासी (पद्य)→२६-२४१ ।
महेश्वर महिमा (पद्य)→३८-८२ ।

किताब सिकंदरी→'मुदनुस्सफा' (आधार मिश्र कृत) ।

कितावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० प्रार्थना ।
प्रा०—भट्ट मगनलाल जी, तुलसी चौतरा, मथुरा ।→१७-४० (परि० ३) ।

किनाराम→'कीनाराम' (महात्मा)।

किवत (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६६ ख।

किवत→'सवइया' (मुकनदास कृत)।

किशनसिंह—जैन। साँगानेर निवासी। सं० १७८४ में वर्तमान।
क्रियाकोश (भाषा) (पद्य)→३२-११६ ए, बी, सी, डी।

किशोर—जन्म सं० १८०१ के लगभग। ये 'फुटकर कवित्त' में भी संगृहीत हैं। →
०२-५६ (चार)।
कवित्त संग्रह (पद्य)→२३-२१२।

किशोरजन→'जनकिशोर' ('उषा चरित्र' के रचयिता)।

किशोरदास—अयोध्या निवासी। संभवतः १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
रामलीला प्रकाशिका (बालकांड) (पद्य)→२०-८४।

किशोरदास—(?)
गीता (भाषा टीका) (गद्य)→सं० ०१-४३।

किशोरदास (चौबे)—ओड़छा के राजा विक्रमाजीत (लवुजन) के आश्रित। इन्होंने तथा सरूपसिंह ने 'लघुसतसैया' की टीका की थी।→०६-६७।

किशोरदास (द्विज)—ब्राह्मण। छतरपुर रियासत के निवासी।
कवित्त संग्रह वसंत के (पद्य)→सं० ०४-३५।

किशोरदास (महंत)—टीकमगढ़ निवासी। स्वामी हरिदास के अनुयायी। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।
अध्यात्म रामायण (पद्य)→०६-६१ बी।
गणपति माहात्म्य (पद्य)→०६-६१ ए।
निजमत सिद्धांत (पद्य)→१२-६३।
पचीसी (पद्य)→२३-२१३।

किशोरीअली—वंशीअलि के शिष्य। सखी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान।
किशोरीअली के पद (पद्य)→१२-६४।
भक्ति महिमा (पद्य)→३२-१२० बी।
भागवत महिमा (पद्य)→३२-१२० ए।
सत्संग महिमा (पद्य)→३२-१२० सी।
सारचंद्रिका (पद्य)→०६-१५१; १७-६७; ३२-१२० डी।

किशोरीअली के पद (पद्य)—किशोरीअली कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६४।

किशोरीदास—वास्तविक नाम मनोहरदास। गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी। 'भक्तमाल' के टीकाकार प्रियादास के गुरु। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।
किशोरीदासजी की बानी (पद्य)→२६–१६८।
नंदजी की वंशावली (पद्य)→२३–२१४ ए।
राधारमण रस सागर लीला (पद्य)→०६–१६१; १२–१०६; १७–६८; ४१–१८६।
वंशावली बृषभानुराय की (पद्य)→०६–१५२; २३–२१४ बी।
हरिकीर्तन (पद्य)→३२–१२१।

किशोरीदास—संभवतः राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
किशोरीदास के पद (पद्य)→००–५६।

किशोरीदास के पद (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० वर्षोत्सव में राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा)।→००–५६।

किशोरीदासजी की बानी (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० कृष्ण और महाप्रभु चैतन्य की भक्ति।
प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)।→२६–१६८।

किशोरीलाल—(?)
वैराग्य छंदावली (पद्य)→३५–५५बी।
शृंगार छंदावली (पद्य)→३५–५५ ए।

किशोरीलाल (गोस्वामी)→'किशोरीशरण' ('अभिलाषमाला' के रचयिता)।

किशोरीशरण—अन्य नाम किशोरीलाल (गोस्वामी)। व्रजवासी। वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
अभिलाषमाला (पद्य)→०६–१५३।

किशोरीशरण→'जनकराजकिशोरीशरण' ('सिद्धांत मुक्तावली' के रचयिता)।

किष्किंधाकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

किष्किंधाकांड सटीक→'रामानंद लहरी' (रामचरणदास कृत)।

किसन (जनकिसन)—(?)
रुक्मिणी विवाह (पद्य)→४१–२७।

किसन असतुति करी—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। → ०२–६१ (पच्चीस)।

किसनलाल—संभवतः भरतपुर के राजा रामसिंह के आश्रित।
वियोगमालती (पद्य)→सं० ०१–४२।

किसनसिंह →'कृस्नहरि' ('त्रेपनक्रिया भाषा' के रचयिता)।

किसनिया—कदाचित राजस्थानी।

किसनिया रा दूहा (पद्य)→४१–२८।

किसनिया रा दूहा (पद्य)—किसनिया कृत। वि० नीति।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२८।

किसान सिपाही का झगरा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० किसान और पुलिस के सिपाही का अपने व्यवसाय संबंधी झगड़ा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५०५।

किसोरीदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–५७ (तेतालीस)।

किस्नहरि—अन्य नाम किसनसिंघ। नागरचाल देश (गुजरात?) में बरवाड़ा गाँव के निकट रामपुरी के निवासी। पिता का नाम देव। पितामह का नाम रायवसंत। सं० १७८३ के लगभग वर्तमान।

त्रेपनक्रिया (भाषा (पद्य)→सं० १०–१४ क।

भद्रबाहु चरित्र (पद्य)→सं० ०४–३४; सं० १०–१४ ख।

किस्सा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कथाओं का संग्रह।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–३६ (परि०३)।

किस्साउल्ला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६। वि० एक कथा।

प्रा०—लाला गौरीचरन, शिवगंज, डा० फरौली (एटा)।→२६–४१४।

कीता—अन्य नाम जनकीता। संभवतः कोई राजस्थानी संत।

पद (पद्य)→सं० १०–१५।

कीनाराम—संभवतः सुप्रसिद्ध औघड़पंथी कीनाराम।

इंद्रजाल (पद्य)→सं० ०७–१८।

कीनाराम (औघड़बाबा)—महात्मा और अपने नाम के संप्रदाय के संस्थापक। रामनगर (वाराणसी) निवासी। शिवराम स्वामी के शिष्य। गुरु के शाप के कारण औघड़ हो गए थे। सं० १७८७ के लगभग वर्तमान।→०६–२६६; ४१–२६६।

रामरसाल (पद्य)→०६–१५०।

कीमियासार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७२। वि० अध्यात्म।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३४४।

कीरतसिंह—धौलपुर नरेश। बलदेवदास जौहरी के आश्रयदाता।→सं० ०४–२३०।

कीरतविलास (पद्य)—जानकीदास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० स्वा० जगजीवनदास (सतनानी संप्रदाय के प्रवर्तक) का जीवन वृत्त।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)।→सं० ०४–१२७।

कीरतिसिंह—ग्वालियर (गोपाचल) नरेश और थेघनाथ के आश्रयदाता भानुकुँवर के पिता ।→सं० ०१–१४६ ।

कीर्तन (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० भजन ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–६० ए ।

कीर्तन (पद्य)—अष्टछाप के कवियों का संग्रह । वि० भक्ति ।
प्रा०—पं० प्यारेलाल, कुरसुंडा, डा० विसावर (मथुरा) ।→३२–२२६ बी ।

कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (विशेषतः अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त कवि) कृत । वि० कृष्ण जन्माष्टमी, पालना, छठी आदि ।
प्रा०—श्री जमनादास, नवा मंदिर गुजरातियों का, गोकुल (मथुरा) ।→ ३२–२५२ ।

कीर्तन के पद (पद्य)—ब्रज के विशेषतः अष्टछाप के कवियों का संग्रह । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।
प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१–४४७ (अप्र०) ।

कीर्तन बानी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० राधाकृष्ण की शोभा, प्रेम आदि ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–२०७ ।

कीर्तन रत्नावली (पद्य)—विविध कवि (रसिकप्रीतम, गोविंदप्रभु, विट्ठल आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५–२०५ ।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । वि० कृष्णभक्ति ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–११२ ख, ग ।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—रसिकदास कृत । वि० श्रीकृष्ण भक्ति और लीलाएँ ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३२८ क ।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । वि० पुष्टिमार्गी मंदिरों में गाये जाने वाले पदों का संग्रह ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४८६ द ।

कीर्तन संग्रह→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंदस्वामी कृत) ।

कीर्तन समूह (पद्य)—रसिकदास कृत । लि० का० सं० १६१५ । वि० श्रीकृष्ण की भक्ति और लीलाएँ ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३२८ ख ।

कीर्तन सार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५–२०६ ।

कीर्ति (मिश्र)→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)। →सं० ०४–३६।

कीर्तिकेशव→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)।

कीर्तिलता (पद्य)—विद्यापति कृत। वि० तिरहुत के राजा गणेशसिंह के पुत्र कीर्तिसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद चतुर्वेदी, अश्विनीकुमार का मंदिर, असनी (फतेहपुर)। →२०–२०३।

कीर्ति शतक (पद्य)—गोपालदास (चाणक) कृत। वि० ब्रह्मा, विष्णु, महेश की कीर्ति का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५७ ख।

कीर्तिसेन—(?)

राजनीति (भाषा) (पद्य)→२६–२४२।

कुंजकौतुक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। →०२–६८।

(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)। → १२–१५४ डब्ल्यू।

(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१–५४६ (अप्र०)।

कुंजजन—अन्य नामक कुंजमणि या कुंजदास। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।

उषा चरित्र (बारहखड़ी) (पद्य)→०६–२८२; २०–६१; पं० २२–५८; २६–२५२ बी।

पत्तल (पद्य)→२६–२५२ ए।

कुंजमणि या कुंजदास→'कुंजजन' ('उषा चरित्र बारहखड़ी' के रचयिता)।

कुंडनिर्माण वार्तिक (गद्य)—श्रीकृष्ण गंगाधर कृत। र० का० सं० १७१६। लि० का० सं० १७१६। वि० यज्ञकुंड विधान वर्णन।

प्रा०—श्री छोटेलाल मिश्र, हंसराजपुर, डा० होलागढ़ (इलाहाबाद)। →सं० ०१–४२६।

कुंडलियाँ (पद्य)—देवकीनंदन साहब कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० वैराग्य तथा रामनाम का उपदेश।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, मठ रामशाला, चिटबड़ागाँव (बलिया)। →४१–१०७ घ।

कुंडलिया (पद्य)—अन्य नाम 'कुंडलिया रामायण' और 'हितोपदेश उपाख्यान बावनी'। अग्रदास कृत। र० का० सं० १७ वीं शताब्दी। वि० उपदेश।

(क) लि० का० सं० १७५३।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०३–६०।

(ख) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–१ ए ।

(ग) प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया । →०६–१२१ बी ।

(विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या । →१७–१ ।

कुंडलिया (पद्य)—गिरधर (कविराय) कृत । वि० नीति और उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—टीकमगढ़ नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–१६७ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० रामविलास शर्मा, वकील, रायबरेली ।→२३–१२६ ।

कुंडलिया (पद्य)—अन्य नाम 'शतचौंतीस' । तोंबरदास कृत । लि० का० सं० १६३८ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–१५० ।

कुंडलिया (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० अन्योक्तियाँ ।

प्रा०—पं० रमाशंकर वाजपेयी, बहोरिकपुर, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–१०४ ई ।

कुंडलिया (पद्य)—पलटूदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला कौलेश्वरदयाल, मद्र (गाजीपुर) ।→०६–२२२ ।

कुंडलिया (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि० गुरुदेव की भक्ति ।

प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी) ।→३२–१७५ एम ।

कुंडलिया (पद्य)—शिवबक्ससिंह कृत । लि० का० सं० १६०३ । वि० भक्ति और नीति ।

प्रा०—ठा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, समोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४१७ क ।

कुंडलिया (पद्य)—सेवादास कृत । वि० उपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६६ ग ।

(ख)→पं० २२–६६ बी ।

कुंडलिया और पद (पद्य)→रामचरण (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी→सं० ०७–१६५ क ।

कुंडलिया रामायण→'कुंडलिया' (अग्रदास कृत) ।

कुंडलीचक्र (ग्रंथ)• **(पद्य)**—रामकिंकर कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–३२५ ।

कुंदन—जयकृष्ण (कवि) कृत 'कवित्त' नामक ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।
→०२–६८ (पाँच)।

कुंदनदास—हरेराम के शिष्य। सं० १८६१ के पूर्व वर्तमान।
उपदेशावली (पद्य)→२६–२०७ ए।
रामविलास (पद्य)→२६–२०७ बी।

कुंदनप्रसाद—(?)
रामायण माहात्म्य (पद्य)→२६–२५१।

कुंभनदास—क्षत्री। गोवर्द्धन के समीप जमनामतो नामक गाँव के निवासी। अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। परमानंददास के समकालीन। 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–५७ (तेरह)।
दानपद (पद्य)→३२–१२८।

कुंभनदास—संभवतः अष्टछाप के सुप्रसिद्ध कवि कुंभनदास।
दानलीला (पद्य)→सं० ०१–४४ क, ख।

कुंभनदास की वार्ता चौरासी अपराध वर्णन (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत।
वि० पुष्टिमार्गी सेवापद्धति वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०२–४८६ थ।

कुंभावली (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२४ घ।
(ख) लि० का० सं० १९००।
प्रा०—महंत जवाहिरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३–१६८ के।
(ग) प्रा०—पं० बैजनाथ भट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६–१७८ यू।

कुंभावली (पद्य)—धर्मदास कृत। लि० का० सं० १८७४। वि० कबीर पंथ के सिद्धांत।
प्रा०—बाबू अमीरचंद्र गुप्त, प्रबंधक, बी० डी० गुप्त ऐंड कं०, बहराइच। →२३–१०० बी।

कुँवरसेन (कायस्थ)—दिल्ली निवासी। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।
सांगीत गोवर्द्धनलीला (पद्य)→२६–२५३ बी।
सांगीत बालचरित्र (पद्य)→२६–२५३ ए।

कुँवर सदैबच्छ सावलिग्यारी वार्ता (गद्यपद्य)—सूरसेन कृत। वि० कुँवर सदैबच्छ और साँवलिग्यारी की कथा (डिंगल में)।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६५।

कुजाला कथा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२४ ग।

कुतबन—चिश्ती वंश के शेख बुरहान के शिष्य। सहसराम के बादशाह हुसेनशाह के आश्रित। सं० १५६६ के लगभग वर्तमान।

मृगावती (पद्य)→००–४।

कुदरतीदास—ब्राह्मण। बराह गाँव (गोलाबाजार, गोरखपुर) के निवासी। संतमत में दीक्षित होने पर इन्होंने अपना नाम कुदरतीदास रखा।

रामायण (पद्य)→सं० ०१–४५ क।

विश्वकारन (पद्य)→सं० ०१–४५ ख।

कुदरतुल्ला—फरुखाबाद निवासी। सं० १६०६ के पूर्व वर्तमान।

खेलबंगाला (गद्य)→२६–२०६ ए, बी।

रागमाला (पद्य)→२६–२०६ सी।

कुबरी संग बिहार (बारहमासा) (पद्य)—प्रेमसागर कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० श्रीकृष्ण कुबरी विहार का वर्णन।

प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→२६–३५८।

कुबेर—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। महाभारत के नौ अनुवादकों में एक ये भी हैं। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।→०४–६७।

कुबेरदास—गुरु का नाम बालदास। संभवतः कबीरपंथी।

संत सहस्रनाम (पद्य)→सं० ०४–३७।

कुमारमणि—गोकुल (मथुरा) निवासी। हरिवल्लभ भट्ट के पुत्र। दतिया नरेश के आश्रित। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।

रसिकरसाल (गद्यपद्य)→०५–५; ०६–१८६; २०–६०; २३–२२६।

कुमुटीपाव—संभवतः कुमरिया नाम के सिद्ध।

योगोभ्यास मुद्रा (गद्यपद्य)→३८–८५।

कुरम्हावली→'कुंभावली' (कबीरदास कृत)।

कुरसीनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० हित हरिवंश जी का वंश वृक्ष।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१–३४५।

कुरुक्षेत्र माहात्म्य (पद्य)—उमादास कृत। र० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६३।

कुरुक्षेत्र लीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० राधाकृष्ण का कुरुक्षेत्र में संमिलन।

प्रा०—पं० रामप्रसाद भट्ट, संस्कृत अध्यापक, ललितपुर (झाँसी)।→०६–४५।

कुर्मावली→'कुंभावली' (कबीरदास)।

कुलपति (मिश्र)—आगरा निवासी। परशुराम माथुर के पुत्र। जयपुर नरेश महाराज रामसिंह (महाराज मिर्जा जयसिंह के पुत्र) के आश्रित। अन्ह के राजा विष्णुसिंह के भी आश्रित। सं० १७२७ के लगभग वर्तमान।

दुर्गाभक्ति चंद्रिका (पद्य)→१२–१००; ४१–४८० (अप्र०)।

नखशिख (पद्य)→०६–१८५ बी।

महाभारत (द्रोणपर्व भाषा) (पद्य)→००–७२; ०६–१६०; ३२–१२७ ए, बी।

युक्ति तरंगिणी (पद्य)→०६–१८५ ए; ४१–२६।

रसरहस्य (पद्य)→०३–५१; २०–८६ ए, बी; पं० २२–५७; २३–२२८ ए, बी, सी; २६–२५० ए, बी, सी; सं० ०७–१६।

कुशल (मिश्र)—गुरु का नाम इच्छादास। ज्योंधरी (आगरा) निवासी। ज्योंधरी के ठाकुर अनिरुद्धसिंह, दलेलसिंह और दयाराम के आश्रित। सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।

गंगा नाटक (पद्य)→००–५७; १७–१०१; ३८–८६ ए, बी, सी।

कुशललाभ—जैन। इन्होंने जैसलमेर में ग्रंथ रचना की थी। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान। ढोलामारू रा दूहा (पद्य)→००–६६; ०२–५६; ३२–२३३।

कुशलसिंह—मथुरा (बाराबंकी) निवासी। जगन्नाथ के शिष्य। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।

अर्जुन गीता (पद्य)→२०–५७; २३–२३१; २३–३४७ ए, बी; २६–२५४ ए, बी; ४१–३० क, ख; ४१–४८१ (अप्र०); सं० ०४–३८ क; सं० ०७–२०।

गोपी सागर (पद्य)→सं० ०४–३८ ख।

कुशलसिंह—बैस ठाकुर। पवायाँ (हरदोई) निवासी। शिवनाथ द्विवेदी के आश्रयदाता। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।→०६–६१; पं० २२–१००; २३–३६३।

कुशलसिंह—फफूँद के राजा मधुकरशाह के पुत्र। देव (देवदत्त) के आश्रयदाता। सं० १६७७ के लगभग वर्तमान।→०४–३७।

कुशलसिंह (सेंगर)—चेतनचंद के आश्रयदाता। सं० १६२८ के लगभग वर्तमान। →२३–७७।

कुशलेश—आगरा निवासी। श्रीधर पाठक के प्रपितामह। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

दान पचीसी (पद्य)→१७–१०२।

कुशागिरि (महंत)—दीनदयाल गिरि, स्वयंवर गिरि (एकाक्ष) और रामदयाल गिरि के गुरु। मालदह के पास से देहली विनायक (काशी) में आये और वहीं जमींदारी लेकर बस गये थे। सं० १६२२ के पूर्व वर्तमान।→'दीनदयाल (गिरि)'।

कुसल विलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–३७।

कुसुमावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पुष्प वर्णन के व्याज से भगवन्नाम स्मरण।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३४६।

कूट कवित्त (पद्य)—ठाकुर (कवि) कृत। लि० का० सं० १८४२। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३–४२६।

कूबा जी—रामानुज संप्रदाय के आचार्य। इनकी गद्दी पर चौथी पीढ़ी में कवि भगवानदास हुए थे।→००–६६।

कूबौ—'दयालजी का पद' संग्रह ग्रंथ में इनके पद संगृहीत हैं।→०२–६४ (उन्नीस)।

कूर (कवि)—सं० १८०७ के लगभग वर्तमान।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→२३–२३०।

कूर्मचक्रम (पद्य)—नित्यानंद कृत। र० का० सं० १८८५। लि० का० सं० १८८७। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–३३७।

कूर्माष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। वि० कूर्मदेव की स्तुति।

प्रा०—पं० चक्रपाणि मिश्र विशारद, सेनावली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२–४१ बी।

कृत्य (गद्य)—द्वारिकेश कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार श्री ठाकुर जी की पूजा।

प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२–५३।

कृपण जगवानिक कथा (पद्य)—ब्रह्मगुलाल कृत। र० का० सं० १६७१। लि० का० सं० १६२२। वि० एक कृपण की कथा।

प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहटौली, डा० चंद्रपुर (आगरा)।→३२–३२।

कृपाअभिलाष बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१२। वि० राधाकृष्ण केलि।

प्रा०—श्री राधाकृष्ण गोस्वामी, विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१–२५७ झ।

कृपाकंद निबंध (पद्य)- आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० श्रृंगार।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३–६६।

कृपा कल्पतरु (पद्य)—रूपरसिक कृत। वि० फागलीला।

प्रा०—पं० हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (मथुरा)। →३८–१३१ ए।

कृपानाथ—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (ग्यारह)।

कृपानिवास—अन्य नाम कृष्णनिवास और प्रकाशनिवास। मिथिला निवासी। सखी संप्रदाय के वैष्णव। गुरु का नाम हनुमानप्रसाद। सं० १८४३ के पूर्व वर्तमान।

अनन्य चिंतामणि (पद्य)→०६–२७६ बी; १७–६६ एच।

अष्टकाल समय ज्ञानविधि (पद्य)→१७–६६ बी।

अष्टयाम या आन्हिक (पद्य)→०६–२७६ ई।

जानकी सहस्रनाम (पद्य)→१७–६६ जी।

झूलना (पद्य)→सं० ०४–३६ क।

प्रीति प्रार्थना (पद्य)→०६–१५४ सी।

भावना पच्चीसी (पद्य)→१७–६६ सी।

भावना सत (पद्य)→०६–२७६ डी; २०–८५ डी।

माधुरी प्रकाश (पद्य)→०६–२७६ सी; १७–६६ एफ; २३–२२५।

रामरसामृत सिंधु (पद्य)→०६–१५४ एफ।

रासपद्धति (पद्य)→०६–१५४ ए।

लगन पच्चीसी (पद्य)→०६–१५४ डी; १७–६६ आई; २६–२४४।

वर्षोत्सव (पद्य)→०६–१५४ ई।

संप्रदाय निर्णय और प्रार्थना शतक (पद्य)→०६–२७६ ए।

सद्गुरु महिमा (पद्य)→१७–६६ ए।

समय प्रबंध (पद्य)→०६–१५४ बी; १७–६६ डी, ई।

सिद्धांत पदावली (पद्य)→सं० ०४–३६ ख।

सीताराम रहस्य (पद्य)→०६–२७६ एफ।

कृपाराम—रामानुज संप्रदाय के साधु। नरनियापुर या नारायनपुर (गोंडा) निवासी। अनंतर चित्रकूट में रहकर ग्रंथ रचना की। सं० १८३५ के लगभग वर्तमान।

अष्टादश रहस्य (पद्य)→२३–२२६।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)→०६–१८३; सं० ०४–४०।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→०५–६; ०६–१५५।

भाष्य प्रकाश (पद्य)→०४–४६।

कृपाराम—नागर ब्राह्मण। जयपुर नरेश महाराज सवाई जयसिंह के आश्रित। सं० १७७२ के लगभग वर्तमान।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→२६–२४५ ए; सं० ०१–४६।

समयबोध (पद्य)→०६–१५६; २६–२४५ बी।

कृपाराम—कायस्थ। शाहजहाँपुर निवासी। सं० १७६२ के लगभग वर्तमान।
ज्योतिष सार (भाषा) (पद्य)→०६–१८२।

कृपाराम—सेवा पंथी भाई अड़न जी के शिष्य।
मुहम्मदगजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग (गद्य)→०२–११।

कृपाराम (?)—संभवतः 'अष्टादश रहस्य' आदि के रचयिता कृपाराम।→०४–४६; ०६–१५५; २३–२२६।
कंठमाल या विशुनपद (पद्य)→४१–३८।

कृपाराम—सं० १५६८ के सगभग वर्तमान।
हित तरंगिनी (पद्य)→०६–२८०; ०६–१५७।

कृपाराम—सारस्वत ब्राह्मण। धीरजराम के पिता। सं० १८१० के पूर्व वर्तमान।
→०६–७२; १७–४६; पं० २२–२७।

कृपासहचरी—रामानुज संप्रदाय के सखी समाजी वैष्णव।
रहस्योपास्य ग्रंथ (पद्य)→०६–२८१।

कृष्ण—यदुवंशी राजा भोजपालसिंह (संभवतः करौली नरेश) के आश्रित। सं० १८४६ के पूर्वमान।
रागसमूह (पद्य)→१७–१००।

कृष्ण—अन्य नाम वासुदेव (?)। सं० १७१४ के लगभग वर्तमान।
लघु योगवाशिष्ठ सार (पद्य)→२३–२१६।

कृष्ण→'केवलकृष्ण (शर्मा)' (कुरावली, मैनपुरी निवासी)।

कृष्ण (कवि)—सनाढ्य ब्राह्मण। भांडेर (ओड़छा) निवासी। आयामल्ल के आश्रित। संभवतः सतसईकार बिहारी के शिष्य। सं० १७७५ के लगभग वर्तमान।
धर्मसंवाद (पद्य)→०५–८; ०६–६३ ए; २०–८६; २३–२२२ बी; दि० ३१–५१।
बिहारी सतसई सटीक (पद्य)→०१–५२; २३–२२२ ए; २६–२४८ ए, बी; २६–२०५ ए।
विदुरप्रजागर (पद्य)→०५–७; ०६–६३ बी; पं० २२–५६; २६–२०५ बी, सी, डी; सं० ०७–२१।

कृष्ण (कवि)→'राधाकृष्ण' ('राग रत्नाकर' के रचयिता)।

कृष्ण (भट्ट)—तैलंग ब्राह्मण। रत्न भट्ट के पिता। नरवर निवासी। सं० १७४५ के पूर्व वर्तमान→०६–२१६।

कृष्ण और शिव को अर्द्धांग स्वरूप (पद्य)—काशीगिरि कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चौबे दाऊदयाल, मुचैहरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३८–७६।

कृष्ण कवि कलानिधि→'कलानिधि' ('रामचंद्रोदय' आदि के रचयिता)।

कृष्ण कवि का संग्रह (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी। →३८–८४ ई।

कृष्ण कांड (पद्य)—निरंजनदास कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—ठा० ललिताबख्शसिंह तालुकेदार, नीलगाँव (सीतापुर)। →१२–१२५।

कृष्ण काव्य (पद्य)—चंदन कृत। र० का० सं० १८१०। लि० का० सं० १९०१। वि० कृष्ण जन्म से लेकर कंसवध तक भागवत की कथा।
प्रा०—कुँवर नारायणसिंह, बड़गवाँ (सीतापुर)। →१२–३४ ए।

कृष्णकिशोर—सरयू नदी के उत्तर गोपालपुर के स्वामी। सं० १८८० के लगभग वर्तमान श्रीगोविंद के आश्रयदाता। →०६–३००; २३–४०३।

कृष्ण केलि (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८३७। लि० का० सं० १८४१। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबा परागदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। →३५–१४ डी।

कृष्ण क्रीड़ा (पद्य)—कालिकाचरण कृत। वि० कृष्णलीला।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—ठा० अजमेरसिंह, नगरारामू, डा० सराय अगत (एटा)। →२६–१७६ बी।
(ख) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर)। →२६–२१७ ए।
(ग) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—पं० दुलारेलाल, फतेहपुर, डा० बाँगरमऊ (उन्नाव)→२६–१७६ ए।
(घ) लि० का० सं० १९२५।
प्रा०—पं० शिवरतन, भज्जू का पुरवा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →२६–२१७ बी।
(ङ) लि० का० सं० १९३२।
प्रा०—श्री देवीदयाल, सलेमपुर, डा० ऐरा राज्य (खीरी)। →२६–२१७ सी।

कृष्ण खंड→'श्रीकृष्ण जन्मखंड' (बलदेवदास जौहरी कृत)।

कृष्ण गीतावली (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचरित्र'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० कृष्ण चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७८८।
प्रा०—पं० रामनाथ शर्मा, चौका, डा० आरिफ (लखनऊ)। →२६–३२५ बी।[२]
(ख) लि० का० सं० १७९७।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़। →२६–४८४ एच[१]।
(ग) लि० का० सं० १८१२।

प्रा०—लाला दिलसुखराय, नगला भगत, डा० पटियारी (एटा)। → २६–३२५ यू[२]।

(घ) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१०७।

(ङ) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, डा० बेहटागोकुल (हरदोई)। → २६–३२५ टी[२]।

(च) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०६–३२३ ई।

(छ) प्रा०—श्री बैजनाथ हलवाई, असनी (फतेहपुर)।→२०–१६८ जी।

(ज) प्रा०—लाला तुलसीराम अग्रवाल, रायबरेली।→२३–४३२सी[२]।

(झ)→पं० २२–११२ डी।

कृष्ण गीतावली (पद्य)—महावीरप्रसाद कृत। र० का० सं० १६३७। वि० तुलसी और सूर के पदों का संग्रह।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० शिवदुलारे बाजपेयी, भीखमपुर, डा० नीमगाँव (खीरी)। →२६–२८४ बी।

(ख) प्रा०—राजा अमरसिंह, महरिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २६–२८४ ए।

कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचरित्र' और 'देवचरित्र'। देव (देवदत्त) कृत। वि० कृष्ण चरित्र।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०४–१०५।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५०४ (अप्र०)।

(ग) →पं० २२–२४ बी।

कृष्ण ग्वालिनी का झगड़ा (पद्य)—रघुनाथ कृत। र० का० सं० १८८४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामदत्त, संडीला, डा० मल्लरहट्टा (सीतापुर)। →२६–३६८।

कृष्णचंदजी की विनती (पद्य)—जयलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—श्री रामलाल गौड़, बादलपुर, डा० हाथरस (अलीगढ़)। → २६–१७४ जी।

(ख) लि० का० सं० १६१४।

प्रा०—लाला चंपतराय, डा० अलीगंज (एटा)। →२६–१७४ एच।

(ग) प्रा०—लाला रामभरोसे, खड़की खेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव)। →२६–२०४ डी।

कृष्णचंद्र (अग्रवाल)—वल्लभकुल के गोस्वामी श्रीगुलालचंद के पुत्र श्री द्वारिकानाथ के सेवक। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान।

कृष्ण विलास (पद्य)→सं० ०१–४७।

कृष्णचंद्र (हित)—उप० कृष्णदास। हित हरिवंश के द्वितीय पुत्र। जन्म सं० १६०६ के लगभग।

कृष्णदास के पद (पद्य)→२६–२०१।

धमारि (पद्य)→४१–३१ क।

सिद्धांत के पद (पद्य)→१२–६५; ४१–३१ ख।

सेवक की बानी (पद्य)→३२–१२२।

कृष्णचंद्रजी की बारहमासी→'कृष्णजी की बारहमासी' (जगन्नाथ कृत)।

कृष्णचंद्रजू को नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख' और 'नखशिख वृजराज श्री कृष्णचंद्रजी'। ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८७६ (१८८४)। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१–८६।

(कवि की स्वहस्तलिखित प्रति)।

(ख) प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। → २०–५८ डी।

(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)→२३–१४६ बी।

(घ) प्रा०—ठा० हरिबख्शसिंह रईस, कथरिया (प्रतापगढ़)। → २६–१६१ सी।

(ङ) लि० का० सं० १६१८। →२६–१३५ सी।

कृष्णचंद्रलीला ललितविनोद (पद्य)—जनराज (वैश्य) कृत। वि० कृष्णलीला। (भागवत दशमस्कंध)।

प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी, आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा)। →३५–४६।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—गुमान (द्विज) कृत। र० का० सं० १८३८। वि० पिंगल, परीक्षित की कथा, पांडवों की कथा, और दशमस्कंध भागवत के पूर्वार्द्ध का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १६२२।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–४४ ए।

(सं० १६३२ की एक प्रति श्री हनुमंत मिरदहा, चरखारी के पास है)।

(ख) लि० का० सं० १६६१।

प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह, छतरपुर।→०५–२३।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—बलिदेवदास कृत। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—राय अंबिकानाथसिंह (लाल साहब), नाइन स्टेट, डा० सूची (रायबरेली)। →सं० ०४–२३३।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८३६। लि० का० सं० १९१८। वि० भागवत दशम स्कंध की कथा।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सागर दरवाजा, झाँसी।→०६–१९६ ए।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—रामप्रसाद कृत। र० का० सं० १७७६। वि० नायक नायिका भेद।
प्रा०—श्री रमनलाल हरिश्चंद्र चौधरी, कोसी (मथुरा)।→१७–१५४।

कृष्ण चंद्रिका→'रत्नप्रकाश' (अखैराम कृत)।

कृष्ण चरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—दामोदर, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→२६–४१५।

कृष्ण चरितामृत (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि० कृष्ण चरित्र।
(क) लि० का० सं० १९२९।
प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६–४६।
(ख) लि० का० सं० १९२६।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।→सं० ०४–४५ क।
(ग) लि० का० सन् १२८४ साल।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४५ ख।

कृष्ण चरितामृत कुंडी (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत। र० का० सं० १९००। लि० का० सं० १९०५। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—महंत विट्ठलदास, मिरजापुर (बहराइच)।→२३–३३३ डी।

कृष्ण चरितामृत गीता (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत। र० का० सं० १८९०। लि० का० सं० १९०७। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—महंत विट्ठलदास, मिरजापुर (बहराइच)।→२३–३३३ सी।

कृष्ण चरित्र (पद्य)—रामराय कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतेहपुर)।→२०–१५७ बी।

कृष्ण चरित्र→'कृष्ण गीतावली' (गो० तुलसीदास) कृत।

कृष्ण चरित्र→'कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन' (देव कृत)।

कृष्ण चरित्र→'भागवत (दशमस्कंध भाषा)' (गिरिधरदास कृत)।

कृष्ण चरित्र कवितावली (पद्य)—गिरिधरदास (गोपालचंद कृत)। लि० का० सं० १९२६। वि० श्रीकृष्ण विहार तथा राधा का नखशिख।
प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र, दीनदारपुर (मुरादाबाद)।→१२–६० ए।

कृष्ण चैतन्यदेव (कृष्णचैतन्य निजदास)→'श्रीकृष्णचैतन्यदेव (निजजू)' ('रसकौमुदी' आदि के रचयिता)।

कृष्ण चौंतीसी (पद्य)—अन्य नाम 'कंस चौंतीसी'। परमानंदकिशोर कृत। लि० का० सं० १८५८। वि० कृष्ण का मथुरा गमन और कंसवध।

प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़।→०६-३०६ (विवरण अप्राप्त)।

(प्रस्तुत पुस्तक की 'कंस चौंतीसी' नाम से एक अन्य प्रति लाला कुंदनलाल, बिजावर के पास है।)

कृष्ण जन्म (पद्य)—भोपत (भूपति) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-२७०।

कृष्ण जन्मोत्सव (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२१८।

कृष्णजी का बारहमासा (पद्य)—हरदास कृत। लि० का० सं० १९०४। वि० राधा विरह वर्णन।

प्रा०—श्री रामनाथ शुक्ल, शिवगढ़, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६-१६६सी।

कृष्णजी की बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत। वि० राधा का विरह।

(क) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—श्री गंगादीन मुराऊ, लक्ष्मणपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६-१९१ए।

(ख) प्रा०—सेठ गोविंदराम भगतराम मारवाड़ी, अमिलिहा (उन्नाव)।→ २६-१९१ बी।

कृष्णजी की लीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७९७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६६।

कृष्णजी की विनती→'कृष्णचंदजी की विनती' (जयलाल कृत)।

कृष्णजीवन कल्याण—लछिराम (लच्छीराम) के पिता। सं० १८९८ के लगभग वर्तमान। →०६-२८५; २३-२३४।

कृष्णजीवन लछिराम→'लछिराम' (कृष्णजीवन कल्याण के पुत्र)।

कृष्ण जू (मिश्र)—सं० १८४४ के पूर्व वर्तमान।

जोगिनीदशा विचार (पद्य)→३२-१२४ ए।

प्रश्न विचार (पद्य)→३२-१२४ बी।

कृष्णजू की पाती (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत। र० का० सं० १७८९। लि० का० सं० १८६६। वि० राधिका के नाम कृष्ण जी का प्रेमपत्र।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६-४५ ए।

कृष्णजू को नखशिख→'कृष्णचंद्रजू को नखशिख' (ग्वाल कवि कृत)।

कृष्ण तरंगिणी (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १९०८। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राज पुस्तकालय), रीवाँ।→००-१३६।

कृष्णदत्त—ब्राह्मण। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।
कविविनोद (गद्य)→२६-२००।

कृष्णदत्त—रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह के गुरु प्रियादास का विरक्त होने के पूर्व का वास्तविक नाम।→०१-१६।

कृष्णदत्त भूषण (पद्य)—गोकुलप्रसाद कृत। र० का० सं० १९३७। वि० नृप वंशावली, धर्म, नीति और वर्ण व्यवस्था आदि।
(क) लि० का० सं० १९५१।
प्रा०—श्री लालताप्रसाद पांडेय, सदहा, डा० रेंडीगारापुर (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-७५ क।
(ख) प्रा०—श्री हरिमंगलप्रसाद त्रिपाठी, कोटिया गड़ोरी, डा० पथराबाजार (बस्ती)। →सं० ०४-७५ ख।

कृष्णदत्तरास (पद्य)—शिवदीन कृत। र० का० सं० १९०१। वि० लखनऊ के नवाब और भिनगा नरेश के युद्ध का वर्णन।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह साहब, भिनगा राज्य (बहराइच)। → २३-३९०।

कृष्णदास—निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। हरिभक्तदास अथवा नागरीदास के शिष्य। गिरजापत्तन (मिरजापुर का पुराना नाम) के निवासी। सं० १८५२ के लगभग वर्तमान।
कृष्णदास के मंगल (पद्य)→१२-९७ ए।
भागवत (पद्य)→४१-४८२ क (अप्र०)।
भागवत भाषा (द्वादश स्कंध) (पद्य)→०६-१५८ ए।
भागवत भाषा (प्रथम स्कंध) (पद्य)→२०-८७।
भागवत भाषा (संपूर्ण) (पद्य)→२३-२१८ ए से एल तक।
भागवत माहात्म्य (पद्य)→०५-६; ०६-१५८ बी।
माधुर्यलहरी (पद्य)→१२-९७ बी; ४१-४८२ ख (अप्र०)।

कृष्णदास—तिवई जदुनंदनपुर के निवासी। पिता का नाम परान और पितामह का नाम धानो। पिता का जन्म सरजू और गंडक के संगम पर बसे कलेस्वर (गोरखपुर) स्थान में—जहाँ उदैसिंह नाम का राजा राज्य करता था—हुआ था। मुकुंद, भक्तमनि और केदार नाम के इनके तीन भाई थे। सं० १६२८ के लगभग वर्तमान।
जैमुनि कथा (पद्य)→सं० ०१-४८।

कृष्णदास—ब्राह्मण। किसी बिहारीदास के शिष्य। दतिया निवासी। सं० १७३० के लगभग वर्तमान।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→०६–६४ डी।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)→०६–६४ सी।
तीजा की कथा (पद्य)→०६–६४ ए।
महालक्ष्मी की कथा (पद्य)→०६–६४ बी।
हरिश्चंद्र की कथा (पद्य)→०६–६४ ई।

कृष्णदास—ब्राह्मण। उज्जैन (मालवा) निवासी। राजा भीमसिंह के आश्रित।
विक्रम बत्तीसी (पद्य)→०६–१८४; २३–२२१।

कृष्णदास—गो० विनोदवल्लभ के शिष्य। वृंदावनदास के समकालीन।
वृंदावनाष्टक (पद्य)→१२–६८।

कृष्णदास—निंबार्क पंथानुयायी। संभवतः 'कृष्णदास के मंगल' के रचयिता कृष्णदास। →१२–६७।
राधाकृष्ण विलास (पद्य)→२३–२२०।

कृष्णदास—(?)
ज्ञानप्रकाश (पद्य)→२६–२०३ ए, बी।

कृष्णदास—(?)
विरुदावली (पद्य)→सं० ०१–४६।

कृष्णदास—पंजाबी। हृदयराम के पिता। सं० १६८० के पूर्व वर्तमान। →०४–१७ पं० २२–४१; २३–१६६; २६–१८०।

कृष्णदास—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–५७ (एक)।

कृष्णदास→'कृष्णचंद्र (हित)' (स्वामी हित हरिवंश जी के द्वितीय पुत्र)।

कृष्णदास→'हरिकृष्णदास' ('रसमहोदधि' के रचयिता)।

कृष्णदास (कायस्थ)—रामपुर शमशाबाद (प्रतापगढ़) निवासी। गुरु का नाम खेमकरन। हीरानंद (?) के मित्र।
रास पंचाध्यायी (पद्य)→२६–२०४, सं० ०१–५२; सं० ०४–४२।

कृष्णदास (जाड़ा)—ब्रज निवासी। विट्ठलनाथ जी के सेवक।
विद्रुमदेस (विदर्भदेश ?) (पद्य)→सं० ०१–५१।

कृष्णदास (पयहारी)—अष्टछाप के कवि। अनंतदास और गदाधर भट्ट के गुरु। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।→०६–१२१; ०६–१२८; ०६–८१; पं० २२–१; दि० ३१–३।
कृष्णसागर तथा फुटकर कीर्तन (पद्य)→सं० ०१–५०।

जुगलमान चरित्र (पद्य)→०६–३०३ ।
दानलीला (पद्य)→२३–२१६ ए, बी; २६–१४७ ए से ई तक ।

कृष्णदास (हित)—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । गो० गोवर्द्धनलाल के शिष्य । १७वीं शताब्दी में वर्तमान ।
समय प्रबंध (पद्य)→१२–६६ ।

कृष्णदास और ललितकिशोरी—संभवतः नागरीदास के शिष्य कृष्णदास । →१२–६७ ।
मंगल संग्रह (पद्य)→२६–२०२ ।

कृष्णदास के पद (पद्य)—कृष्णदास कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—बाबा अनंतदास, वनकुटी, शिवगंज चौरा, डा० गोड़ा (अलीगढ़) । →२६–२०१ ।

कृष्णदास के मंगल (पद्य)—कृष्णदास और ललितकिशोरी कृत । वि० हरिदास का यश वर्णन ।
प्रा०—श्री गोरेलाल की कुंज, वृंदावन (मथुरा) । →१२– ६७ ए ।

कृष्णदास गिरिधर—सं० १६६२ के पूर्व वर्तमान ।
रुक्मिणी ब्याहलो (पद्य)→३२–१२३ ।

कृष्णदासि→'कृष्णाबाई' ('शरदनिसा' की रचयित्री) ।

कृष्णदेव—माथुर ब्राह्मण ।
रास पंचाध्यायी (पद्य)→०६–१५६ ।

कृष्णदेव—(?)
बबुरवाहन कथा (पद्य)→सं० ०१–५३ ।

कृष्णदेव रुक्मिणी बेलि→'श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी बेलि' (पृथ्वीराज राठौर कृत) ।

कृष्णध्यान चतुराष्टक (पद्य)—श्याम (कवि) कृत । लि० का० सं० १७८५ । वि० कृष्ण का ध्यान वर्णन ।
प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा ।→३८–१५० ।

कृष्ण ध्यानाष्टक (पद्य)—रामरतन लघुदास कृत । वि० राधाकृष्ण की उपासना ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३५४ ख ।

कृष्णनाम चंद्रिका (पद्य)—दयाराम भाई कृत । वि० नाम माहात्म्य ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१४६ क ।

कृष्ण निवास→'कृपानिवास' (मिथिला निवासी वैष्णव) ।

कृष्ण पचीसी (पद्य)—जन (गूजर) कृत । वि० दानलीला ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२७० (विवरण अप्राप्त) ।

कृष्ण पदाष्टक (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत । वि० कृष्ण विरह ।
प्रा०—पं० देवीप्रसाद, हरनाथपुर (इटावा) ।→३८–१६२ सी ।

कृष्ण परीक्षा (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। वि० गोप वेश में राधिका का कृष्ण की परीक्षा लेना।
प्रा—पं० मनोहरलाल, अध्यापक अ० प्रा० स्कूल, श्री बलदेव (मथुरा)।→ ३५–१०२ ए।

कृष्णपाद—प्रसिद्ध जलंध्री पाव के शिष्य।→सं० १०–४१।

कृष्ण प्रकाश (पद्य)—मेदिनीमल्ल जू देव (कुँवर) कृत। र० का० सं० १७८७। लि० का० सं० १९६२। वि० हरिवंश पुराण का अनुवाद।
प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह, छतरपुर।→०५–६६।

कृष्ण प्रतीत परीक्षा→'उदय ग्रंथावली' (उदय कृत)।

कृष्णप्रसाद (भट्ट)—गुजरात के भट्ट ब्राह्मण। चिंतामणि के पुत्र। गौड़ीय माध्व संप्रदाय के अनुयायी श्री राधागोविंद के शिष्य।
कृष्ण गीतामृत लहरी (पद्य)→४१–३२।

कृष्ण प्रेमसागर→'प्रेमसागर (विज्ञानखंड)' (जयदयाल कृत)।

कृष्ण प्रेमामृत (गद्य)—हरिराय कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा०—पं० कन्हैलाल गुसाईं, संकेत, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३२–८३ए।
(ख) प्रा० –पं० रामदत्त, हाँतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३५–३८ डी।

कृष्ण ब्रजलीला (पद्य)—बिहारीदास कृत। वि० कृष्ण और गोपियों की लीलाएँ।
प्रा०—पं० रामधन वैद्य, रामदत्त की गली, रावतपाड़ा, आगरा।→३२–२८।

कृष्णफाग (पद्य)—जाहरसिंह कृत। लि० का० सं० १९३२। वि० कृष्ण का होली खेलना।
प्रा०—लाला दीनदयाल, देवरिया, डा० धानीखेड़ा (उन्नाव)।→२६–५०६।

कृष्णमंगल (पद्य)—गंगादास कृत। वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा।
प्रा०—श्री महेशप्रसाद, रतिया, डा० बिसावर (मथुरा)।→३५–२५।

कृष्णमंगल (पद्य)—नंददास कृत। वि० कृष्ण जन्म की कथा।
प्रा०—पं० वेदनिधि शास्त्री, ब्रह्मप्रेस, इटावा।→३५–६७।

कृष्णमणि—इन्होंने हरिवल्लभ कृत 'भगवद्गीता (भाषा)' की प्रतिलिपि करके उसमें रचयिता के स्थान पर अपना नाम दिया है।→२६–२४६।

कृष्ण मोदिका (पद्य)—रघुनाथ कृत। र० का० सं० १७४१। लि० का० सं० १७६२। वि० कृष्ण और गोपियों की भेंट तथा राधा और सत्यभामा की बातचीत।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–६८।

कृष्ण रत्नावली (पद्य)—लक्ष्मीपति कृत। र० का० सं० १८६३। लि० का० सं० १८६७। वि० गीता दर्शन।
प्रा०—पं० शिवदीन वाजपेई, औरंगाबाद (सीतापुर)।→२६–२५७।

कृष्ण रहस्य (पद्य)—अर्जुनसिंह कृत। लि० का० सं० १६३४। वि० कृष्ण चरित्र।
प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-१०।

कृष्णराम चरित्र (पद्य)—रामराय कृत। वि० द्रौपदी चीरहरण, राम बन गमन, सीता हरण, और राम विवाह आदि।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतेहपुर)। →२०-१५७ ए।

कृष्णराम संतोषिया (चक्रवर्ती)—(?)
गीता (भाषा टीका) (गद्य)→सं० ०१-५४।

कृष्णलीला (पद्य)—केशव कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मौजुमाबाद, फतेहपुर।→२०-८१।

कृष्णलीला (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि० कृष्ण की माखन चोरी।
प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर।→०६-६३ डी।

कृष्णलीला (पद्य)—बलदेवदास कृत। र० का० सं० १६०१। लिं० का० सं० १६३७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मुन्नीलाल अवस्थी, नारायनपुर, डा० गोला गोकर्णनाथ (खीरी)। →२६-३३।

कृष्णलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री बहुरी चिरंजीलाल पालीवाल, भैरोंबाजार, आगरा। →२६-४१७।

कृष्णलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७६७। वि० ग्वाल, मधुमंगल और राधा सहित कृष्ण लीला।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१-३४७।

कृष्ण लीलामृत लहरी संग्रह (पद्य)—कृष्णप्रसाद (भट्ट) द्वारा संगृहीत। वि० श्री कृष्ण लीला।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-३२।

कृष्ण लीलावली पंचाध्यायी (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। र० का० सं० १८००। वि० श्री कृष्ण का गोपियों के साथ विहार।
प्रा०—श्री व्रजवासीलाल चौबे, विश्रामघाट, मथुरा। →०६-२६८ बी।

कृष्णविनोद (पद्य)—चंददास कृत। र० का० सं० १८०७। लि० का० सं० १८०७। वि० भागवत (दशमस्कंध) का अनुवाद।
प्रा०—पं० भैरोप्रसाद, हँसुवा (फतेहपुर)।→२०-२६ ए।

कृष्णविनोद (पद्य)—लछिराम कृत। वि० रस और नायिकाभेद।
प्रा०—श्री व्रजभूषण 'भूषण', होलपुर, डा० हैदरगढ़ (बाराबंकी)।→२३-२३३।

कृष्णविनोद (पद्य)—विनोदीलाल (राय) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० भागवत (दशमस्कंध) का अनुवाद।

प्रा०—श्री प्रागराम कायस्थ, घनेराव, जोधपुर ।→०२–१०२ ।

कृष्णविलास (पद्य)—कृष्णचंद्र (अग्रवाल) कृत । र० का० सं० १७९४ । लि० का० सं० १८०४ । वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद ।

प्रा०—श्री रामलोचन पांडेय, देवकली (गाजीपुर) ।→सं० ०१–४७ ।

कृष्णविलास (पद्य)—चंका कृत । वि० कंसवध और कृष्णार्जुन संवाद ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–१० ।

कृष्णविलास (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० कृष्णचरित्र ।

(क) लि० का० सं० १९२६ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर । →०६–१०० ए ।

(सं० १८६७ की एक प्रति चरखारी के श्री स्वामीप्रसाद साँवले के पास है) ।

(ख) प्रा०—श्री कामताप्रसाद दारोगा, अजयगढ़ ।→०६–१९५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

कृष्णविलास (पद्य)—वृंदावनदास (जनविंदा) कृत । वि० राधाकृष्ण मिलन ।

प्रा०—पं० दुलीचंद, ढानो, डा० कोसी (मथुरा) ।→३८–१६३ ए ।

कृष्णविलास (पद्य)—अन्य नाम 'भागवत (दशमस्कंध)' । शंभुनाथ (त्रिपाठी) 'शंभु' कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० कृष्ण लीलाएँ ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीशंकर बाजपेयी, बाजपेयीखेड़ा, डा० वेहटा (रायबरेली) । →सं० ०४–३७७ ख ।

कृष्णविलास (पद्य)—शिवराज (महापात्र) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १८०० ।

प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर) ।→२३–३९६ ।

(ख) प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–३८९ क ।

कृष्णविलास (पद्य)—सवितादत्त कृत । र० का० सं० १७३५ । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०—लाला रामदयाल, नंदापुरवा, डा० नेरी (सीतापुर) । →२६–४३२ ।

कृष्णविष्णु (पंडित)—सं० १९२१ के पश्चात वर्तमान ।

संक्षेप तिमिरनाशक (पद्य) →सं० ०४–४३ ।

कृष्णविहारी—(?)

सर्व संग्रह (पद्य)→२६–२४६ ।

कृष्णवृत्त चंद्रावली (पद्य)—प्रवीन (कवि) कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२१७ क ।

कृष्णसंहिता (पद्य)—भुवनदास कृत । र० का० सं० १९२४ । वि० भागवत कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१७५ क ।

कृष्ण सागर तथा फुटकर कोर्तन (पद्य)– कृष्णदास (और अन्य) कृत। र० का० सं० १६४० के पूर्व (अनु०)। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५०।

कृष्णसाहि—कोई राजकुमार। सवितादत्त के आश्रयदाता। सं० १७३५ के लगभग वर्तमान। →२६-४३२।

कृष्णसिंह—सं० १७६४ के पूर्व वर्तमान।
आनंद लहरी (पद्य)→३२-१२६।

कृष्णसिंह—सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान।
स्वप्नाध्याय (पद्य)→२३-२२४।

कृष्णसिंह (कविराज)—इन्होंने कर्नल टाड को 'पृथ्वीराजरासो' पढ़ाया था।→ ००-६२।

कृष्णसुधा→'युगलसुधा' (विद्यारण्यतीर्थ 'देव' कृत)।

कृष्णहरि→'किस्नहरि' ('भद्रबाहु चरित्र' के रचयिता)।

कृष्णहोली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—मुं० हुक्मसिंह, प्राधानाध्यापक, करहरा, डा० मिढ़ाकुर (आगरा)। →२६-४१६।

कृष्णानंद—कोई संत।
पद (पद्य)→सं० ०७-२२; सं० १०-१६।

कृष्णानंद—(?)
रागसागर (पद्य)→३२-१२५।

कृष्णानंद→'आनंद' ('अर्जुनगीता' के रचयिता)।

कृष्णानंद व्यासदेव—अच्छे संगीतज्ञ और कृष्ण भक्त। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान। इन्होंने अपने ग्रंथ में ब्रजजीवनदास की चर्चा की है।→०६-३४।
राग कल्पद्रुम नित्यकीर्तन संग्रह (पद्य)→२३-२२३।
राग सागरोद्भव रागकल्पद्रुम संग्रह (पद्य)→२०-८८।

कृष्णाबाई—अन्य नाम कृष्णदासि। संभवतः वल्लभाचार्य जी की सेविका।
शरदनिसा (पद्य)→०१-५५।

कृष्णायन (पद्य)—जगन्नाथ कृत। र० का० सं० १८४५। लि० का० सं० १८८८। वि० कृष्ण चरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-१२५।

कृष्णावती (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कंसवध और कृष्ण चरित्र।
प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुरजा।→१७-४२ (परि० ३)।

कृष्णावती—(?)

विवाह विलास (पद्य)→१२-६६ ।

कृष्णाष्टक (पद्य)—रामरत्न कृत । वि० कृष्ण स्तुति ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायकनिरीक्षक, बीकानेर ।→२३-३४८ ।

केदारनाथ—इन्होंने लक्ष्मणदास के साथ ग्रंथ रचना की थी ।→२०-६२ ।

प्रहलादचरित्र नाटक (गद्यपद्य)→२०-८० ।

केदारपंथ प्रकाश (पद्य)—दास (कवि) कृत । र० का० सं० १६१० । केदारयात्रा वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१०६ ।

केरल (प्रश्न दिवाकर) (गद्य)—अन्य नाम 'केरल (प्रश्न संग्रह)' । रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० शिवमंगलप्रसाद मिश्र, उदयपुर, डा० अठेहा (प्रतापगढ़) । → २६-२० (परि० ३) (दो प्रतियाँ) ।

केरल (प्रश्न संग्रह)→'केरल (प्रश्न दिवाकर)' (रचयिता अज्ञात) ।

केलि कल्लोल→'कल्लोल केलि' (मोहन कृत) ।

केलिमाला (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०—गोरेलाल की कुंज, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-७२ ।

(ख) प्रा०—पं० शुकदेव ब्रह्मभट्ट, वासुदेव मई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →३२-७८ बी ।

केवलकृष्ण—राजा धर्मसिंह के दीवान । इन्हीं की आज्ञा से निधान ने 'वसंतराज' की रचना की थी । सं० १८३३ के लगभग वर्तमान ।→१७-१२७ ।

केवलकृष्ण (शर्मा)—उप० कृष्ण । ब्राह्मण । राजा लक्ष्मणसिंह (कुरावली) के पुरोहित । सकीट (एटा) और कुरावली (मैनपुरी) की कन्या पाठशालाओं के अध्यापक । कुरावली निवासी । स्वामी दयानंद का व्याख्यान सुनकर कट्टर आर्यसमाजी हो गये थे ।

ईशूधर्म प्रकाश (पद्य)→३८-८४ क्यू ।

ईसाईधर्म वर्णन सार (पद्य)→३८-८४ पी ।

उपदेशावली (पद्य)→३८-८४ डी ।

कृष्ण कवि का संग्रह (पद्य)→३८-८४ ई ।

दमयंती नल की कथा (पद्य)→३८-८४ एन ।

देवी अष्टक (गद्य)→३८-८४ बी ।

नीति पचीसी (पद्य)→३८-८४ आर ।

पंचरत्न (ग्रूस साहब की प्रशंसा) (पद्य)→३८-८४ के, एल ।

पदों का संग्रह (पद्य)→३८-८४ एफ ।

पनिहारिन वर्णन (पद्य)→३८–८४ सी ।
ब्रह्मोपासना (पद्य)→३८–८४ एम ।
युवतीधर्म (पद्य)→३८–८४ ओ ।
विनय निवेदन (गद्य)→३८–८४ ए ।
संग्रह (पद्य)→३८–८४ जी, एच ।
संस्कृत के काल (गद्य)→३८–८४ आई ।
संस्कृत व्याकरण (गद्य)→३८–८४ जे ।

केवलदोन (द्विज)—(?)
कवित्त (पद्य)→सं० ०१–५६ ।

केवलभक्ति (पद्य)—दयाराम कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
(क) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद कारिंदा, बसरेहर (इटावा) ।→३८–३६ ए ।
(ख) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा) ।→३८–३६ बी ।
(ग) प्रा०—लाला शंकरलाल, मलाजनी, डा० जसवंतनगर (इटावा) । →३८–३६ सी ।

केवलराम—(?)
रासमान के पद (पद्य)→३२–११४ ।

केवलराम वृंदावन जोवन—कदाचित पंजाब निवासी ।
पदावली (पद्य)→४१–३३ ।

केवलो (गद्य)—गंगाचरिय्या (गंगाचार्य) कृत । लि० का० सं० १९४३ । वि० रमल ।
प्रा०—श्री बाबूराम मिस्त्री, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–२२ ।

केवली (गद्य)—चौथमल (ऋषि) कृत । र० का० सं० १८५२ । वि० रमल ।
प्रा०—स्वामी रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली ।→दि० ३१–१६ ।

केशरी—(?)
गणेश कथा (पद्य)→३८–८० ।

केशरीसिंह—उप० नंद ।
सगारथ लीला (पद्य)→०५–३७; ०६–२९६ ।

केशरीसिंह—गौड़ क्षत्रिय । मणिमंडन मिश्र के आश्रयदाता ।→०६–२९१ ।

केशरीसिंह—चंदन (राय) के आश्रयदाता । सं० १८३२ के लगभग वर्तमान । →१७–३७ ।

केशरोसिंह—राठौर । आसोप (जोधपुर) के जागीरदार । सागरदान चारण के आश्रयदाता ।→०१–८१ ।

केशव—उचहरा के पास भटनवार (नागौद राज्य) के निवासी । राजा बख्तावरसिंह के समकालीन ।
कृष्णलीला (पद्य)→२०–८१ ।

केशव—जैन। गोइंदबाल (?) के निवासी। हंसराजगणि के शिष्य। सं० १७१२ के लगभग वर्तमान।

जंबू के रेखते (पद्य)→४१-३४।

केशव—(?)

बलिचरित्र (पद्य)→०६-१४६ ए।

मनुमानजन्म लीला (पद्य)→०६-१४६ बी।

केशव—(?)

वैद्यक (गद्यपद्य)→२६-२३१।

केशव (गिरि)—(?)

आनंदलहरी (पद्य)→०६-१४८।

केशव (मिश्र)→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)।

केशव (शास्त्री)→'केशवप्रसाद (दूबे)' ('अंगस्फुरण' के रचयिता)।

केशवकिशोर—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। गो० द्वारिकेश शिष्य। संभवतः सं० १६०० से सं० १६८० तक वर्तमान।

आचार्यजी की वंशावली (पद्य)→सं० ०१-५७।

केशवकीर्ति—अन्य नाम केशव मिश्र। वृंदावन निवासी। सं० १७६० के पूर्व वर्तमान।

सखीसमाज नाटक (गद्य)→सं० ०४-३६।

केशवजस चंद्रिका (पद्य)—हरिदेव (भट्टाचार्य) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर राज्य, ग्राम तथा डा० नौगवाँ (आगरा)। →२६-१४२ बी।

केशवदास—हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि। सनाढ्य ब्राह्मण। ओड़छा (बुंदेलखंड) निवासी। काशीनाथ के पुत्र। बलभद्र के भाई। ओड़छा नरेश महाराज मधुकरशाह और उनके पुत्र महाराज इंद्रजीतसिंह के आश्रित। सं० १६३७-६६ के लगभग वर्तमान। →२६-२६।

कविप्रिया (पद्य)→००-५२; १७-६६ सी; २०-८२ बी; २३-२०७ ए, बी, सी; २६-२३३ बी, सी, डी; २६-१६२ डी, ई; ४१-४८३ (अप्र०)।

जहाँगीर चंद्रिका (पद्य)→०३-४०; ३२-११३।

रत्नबावनी (पद्य)→०६-५८ बी।

रसिकप्रिया (पद्य)→०३-८६; १७-६६ ए, बी; २०-८२ सी; पं० २२-५४ ए; २३-२०७ आई; २६-२३३ एफ, जी; २६-१६२ एफ; ४१-४८५ क, ख (अप्र०); सं० १०-१७ क।

रामचंद्रिका (पद्य)→०३–२१; २३–२०७ डी से एच तक; २६–२३३ ई; २६–१६२ ए, बी, सी।

विज्ञानगीता (पद्य)→००–५५; २०–८२ ए; पं० २२–५४ बी; २३–२०७ जे, के; २६–२३३ एच, आई; २६–१६२ जी; सं० १०–१७ ख।

विवेकदीपिका (वैराग्यशतक भाषा) (गद्य)→सं० ०१–५८।

वीरसिंहदेव चरित्र (पद्य)→०६–५८ ए।

केशवदास—पटियाला नरेश अमरसिंह के आश्रित। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।

वीर अमरसिंह (पद्य ?) →पं० २२–५५।

केशवदास—निर्गुण पंथानुयायी। यारी साहब के शिष्य।

रासा (पद्य)→४१–३५।

केशवदास—संभवतः राजस्थान निवासी। सं० १८४४ के पूर्व वर्तमान।

भ्रमरबत्तीसी (पद्य)→०२–३४; ४१–४८४ (अप्र०)।

केशवदास—संभवतः राजस्थानी या गुजराती।

भागवत (पद्य)→४१–३६।

केशवदास—(?)

नखशिख (पद्य)→०३–२६।

केशवदास—(?)

बारहमासा वर्णन (पद्य)→२६–२३३ ए।

केशवदास—(?)

रामालंकृत मंजरी (पद्य)→००–५२ (पाँच)।

केशवदास—(?)

साखी (केशोदास) (पद्य)→३२–११२।

केशवदास—हरसेवक मिश्र के भाई। परमेश्वरदास के पुत्र। सं० १८०८ के लगभग वर्तमान।→०६–५१।

केशवदास—अन्य नाम केशवराज या केश। सरहिंद निवासी। नयनसुख के पिता। सं० १६४६ के पूर्व वर्तमान। →००–३४; १७–१२५; पं० २२–७५।

केशवदास→'केशवराय' ('गणेश कथा' के रचयिता)।

केशवदास→'केसौदास (बाबा)' (बाबा झामदास के भतीजे)।

केशवदास (चारण)—मारवाड़ नरेश महाराज गजसिंह के आश्रित। सं० १६८१ के लगभग वर्तमान।

महाराज गजसिंहजी का गुणरूपक बंध (पद्य)→०२–२०।

केशवदास (पंडित)—क्षत्रिय। बलभद्र के पिता। विद्वान होने के कारण इन्हें पंडित की उपाधि मिली थी। सं० १६६५ के पूर्व वर्तमान।→१२–६।

केशवदास नारायण—(?)

विवाह खेल (पद्य)→सं० ०१-५६ ।

केशवप्रसाद (त्रिपाठी)—महामहोपाध्याय । जिला विद्यालय निरीक्षक । सं० १६३६ के लगभग वर्तमान ।

भाषा लघुव्याकरण (दूसरा भाग) (गद्य)→सं० ०७-२४ ।

केशवप्रसाद (दूबे)—परमसुख के पुत्र । छोटे भाई का नाम बलदेव । आगरा निवासी । इनके पूर्वज कोई भवानीदत्त द्विवेदी थे जो पहले अयोध्या के निकट बैसवार के अंतर्गत जैराजमऊ में रहते थे। पर पीछे बिठूर के पास राधनगाँव में जा बसे । अनंतर इनके पिता इनको लेकर आगरा चले आए और अध्ययन कार्य करने लगे । ये भी आगरा कालेज में संस्कृत के प्रथम अध्यापक हो गए । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान ।

अंगस्फुरण (गद्य)→२६-१६३ ए ।

केशव विनोद भाषा निघंटु (पद्य)→सं० ०१-६० ।

ज्योतिष सार (गद्य)→२६-२३० ए, बी; २६-१६३ सी, डी, ई ।

पथ्यापथ्य विचार (गद्यपद्य)→२६-२३० ई, एफ ।

मयूरचित्रम (गद्य)→२६-२३० सी, डी ।

वैद्यकसार (गद्य)→२६-१६३ एफ, जी, एच ।

होरा या शकुन गमन (गद्य)→२६-१६३ बी ।

केशवराज→'केशवदास' (नयनसुख के पिता) ।

केशवराय—कायस्थ । माधवदास के पुत्र और मुरलीधर के भाई । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल और उनके पुत्र नरसिंहके आश्रित । सं० १७५३ के लगभग वर्तमान । महाराज छत्रसाल से इन्हें एक गाँव मिला था ।

गणेश कथा (पद्य)→२६-२३२; २६-१६१ ए, बी, सी, डी ।

जैमुनि की कथा (पद्य)→०५-१० ।

केशवराय—जन्मकाल सं० १७३६ । बघेलखंड निवासी ।

रसललित (पद्य)→०६-१४६ ।

केशव विनोद भाषा निघंटु (पद्य)—केशवप्रसाद (दूबे) कृत । र० का० सं० १८६७ । मु० का० सं० १६३० । वि० निघंटु ।

प्रा०—श्री ईश्वरदत्त तिवारी, लोहरा तिवारीपुरा, डा० मलाक हरहर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१-६० ।

केशवसिंह—तियरी (उन्नाव) के निवासी । सं० १६३१ में वर्तमान ।

पशु चिकित्सा (पद्य)→२६-१६४ ए, बी, सी, डी ।

केशवानंददेव—रामचंद्र जैन के गुरु । सं० १७६२ के पूर्व वर्तमान ।→३२-२३८ ।

केशोराम—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–६१ ।

केसरोदास और मुनीदास—गुरु (आपापंथ के संस्थापक) मुनीदास और शिष्य केसरीदास ।

सब्द (पद्य)→सं० ०७–२३ ।

केसरी प्रकाश (पद्य)—चंदन कृत । र० का० सं० १८१७ । लि० का० सं० १८६२ । वि० रस और नायिकाभेद ।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदार, कटरा (सीतापुर) ।→१२–३४ बी।

केसरीसिंह—संभवतः किसी मधुकर नृप के आश्रित ।

बाल्मीकि रामायण (पद्य)→सं० १०–१८ ।

केसवराइ (केसौराइ)—संभवतः काशी निवासी ।

त्रिताप अष्टक (पद्य)—सं० ०७–२५ ।

केसोदास—(?)

महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→सं० ०१–६२ ।

केसौदास (बाबा)—बाबा झामदास के भतीजे । झामदास की कुटी (सुलतानपुर) के प्रथम महंत । सं० १८४० में उत्पन्न और सं० १६०० में मृत्यु ।

शब्द और साखी (पद्य)—३५–५३; सं० ०४–४४ ।

कैमासबध→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत) ।

कैलाश मार्ग (पद्य)—माधवानंद (भारती) कृत । र० का० सं० १६२६ । लि० का० सं० १६२८ । वि० स्कंदपुराण के ब्रह्मोत्तर खंड का अनुवाद ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैश्य, चौहट्टा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→ २६–२७७ ए ।

कैवाट (सरवरिया) (?)—सं० १८५४ के लगभग वर्तमान ।

अनंतराय साँखला री वार्ता (गद्यपद्य)→०१–२६ ।

कोक (भाषा) (गद्यपद्य)—नंद और मकुंद कृत । र० का० सं० १६७२ (१६७५) । वि० कामशास्त्र ।

(क) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—पं० रामकरन शर्मा (डाक्टर), गभिरन बाजार, डा० रानीपुर (जौनपुर) । →सं० ०४–३०१ ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१८३ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री नंदविहारी महापात्र, बस्ती ।→०६–१८३ बी ।

(घ) प्रा०—पं० रामप्रपन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→२३–२६५ ।

(ङ) प्रा०—श्री बनवारीदास पुजारी, बम्हनटोला मंदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा)।→२६–२२४।

टि० खो० वि० २३–२९५ में भूल से रचयिता को पंडित नंदकेश्वर मान लिया गया है।

कोककलाधर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०७। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री सरजूकुमार ओझा, ग्राम तथा डा० सिरसा (इलाहाबाद)।→सं० ०१–५०६।

कोककला सार→'कामकला सार' (इक्ष्यागिरि कृत)।

कोकमंजरी (पद्य)—नहसुर (कवि) कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री बाँकेलाल, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–२४२।

कोकमंजरी→'कोकसार' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोकविद्या (गद्य)—कोका (पंडित ?) कृत। वि० कामशास्त्र।

(क) लि० का० सं० १९१०।

प्रा०—पं० रामरतन, द्वारा ठा० जगदेवसिंह रईस, गंगवाल, डा० प्रयागपुर (बहराइच)।→२३–२१५।

(ख) प्रा०—पं० रामभजन वाजपेयी, सरायपेकू, डा० सरौढ (एटा)।→२६–१९९ बी।

कोकविलास→'कोकसार' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोकवैद्यक→'कोकविद्या' (कोका पंडित ? कृत)।

कोकशास्त्र (पद्य)—गजेंद्र कृत। कामशास्त्र।

प्रा०—श्री अमरनाथ मिश्र, असवरणपुर, डा० ओदना (जौनपुर।→सं० ०१–७४।

कोकशास्त्र (पद्य)—ताहिर कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री बृजनंदन पांडेय, लालगंज (रायबरेली)।→सं० ०४–१३९ क।

कोकशास्त्र (पद्य)—दरियावसिंह कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला भोजराज, रुद्रपुर, डा० बमनोई (अलीगढ़)।→२६–७८ सी।

कोकशास्त्र (पद्य)—पर्मल कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री चंद्रशेखर पांडेय, तालामझवारा, डा० जलालगंज (जौनपुर)।→सं० ०१–२०४।

कोकशास्त्र (गद्यपद्य)—विप्र (?) कृत। र० का० सं० १६७५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह वैद्य, मलिकमऊ चौबारा (रायबरेली)।→सं० ०४–३६३।

कोकशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७२५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गोविंदराम, अधिकारी, जोगमाया तथा नंदबाबा का मंदिर, महाबन (मथुरा)।→३८–१८०।

कोकशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०३। वि० कोकदेव कृत 'कोकशास्त्र' का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३४८।

कोकशास्त्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली)।→सं० ०७–२२३।

कोकशास्त्र→'कोक (भाषा)' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोक संवाद (गद्य)—धरमसिंह (कवि) कृत। वि० कोकशास्त्र।
प्रा०—श्री लड़ैतीलाल, सैपऊँ (मथुरा)।→३२–५४।

कोक सामुद्रिक (पद्य)—अरुभद्र कृत। र० का० सं० १६७८। लि० का० सं० १८५०। हस्तरेखा द्वारा स्त्री पुरुष की पहचान।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६–१७।

कोकसार (गद्यपद्य)—दशशीश कृत। र० का० सं० १७७५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० महेंद्रदत्त शर्मा, द्वारा पं० नारायणदत्त वैद्य, खुरजा (बुलंदशहर)। →१७–४४।

कोकसार (पद्य)—अन्य नाम 'कोक मंजरी', 'कोक विलास', तथा 'मदन कोक'। नंद और मुकुंद कृत। र० का० सं० १६६०। वि० कामशास्त्र।

(क) लि० का० सं० १७०५।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१६ क।

(ख) लि० का० सं० १७६१।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–५।

(ग) लि० का० सं० १७६१।
प्रा०—महंत रामबिहारीशरण, कामद कुंज, अयोध्या।→२०–६ ए।

(घ) लि० का० सं० १७६३।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१६ ख।

(ङ) लि० का० सं० १८०५।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१२६ ए (विवरण अप्राप्त)। ('कोकमंजरी' नामसे एक प्रति और है)।

(च) लि० का० सं० १८१०।
प्रा०—श्री रामभजन मिश्र, चौगावाँ, डा० मल्लावाँ (हरदोई)।→२६–११ बी।

(छ) लि० का० सं० १८२२।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–७।

(ज) लि० का० सं० १८२८।
प्रा०—पं० माताप्रसाददत्त (सुढ़िया), मऊ (बाराबंकी)।→२३–१३ डी।

(झ) लि० का० सं० १८३१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१३ घ।

(ञ) लि० का० सं० १८५१।

प्रा०—मुंशी जोरावरसिंह, मेथड अध्यापक, प्रशिक्षण विद्यालय, मिढ़ाकुर (आगरा)।→२६–११ डी।

(ट) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुरमथुरा, डा० बसौरा (सीतापुर)।→२६–१० ए।

(ठ) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—पं० गयादीन मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→२६–१० बी।

(ड) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—पं० गोविंदप्रसाद, हिंगोट खिरिया (आगरा)।→२६–११ जी।

(ढ) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० नंदलाल शर्मा वैद्य, भैकूलाल भवन, अमीनाबाद, लखनऊ।→२६–१० सी।

(ण) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—ठा० नेपालसिंह, भौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६–१० डी।

(त) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० विद्याविलास, सेमरपहा, लालगंज (रायबरेली)।→सं० ०४–१३ क।

(थ) लि० का० सं० १६०३।

प्रा०—लाला नागेश्वर, गुलाम अलीपुरा (बहराइच)।→२३–१३ ई।

(द) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३–१३ एफ।

(ध) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—पं० रामभज ज्योतिषी, विजयगढ़ (अलीगढ़)→२६–११ ए।

(न) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० केदारनाथ, संस्कृताध्यापक, सनातन धर्म उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–४।

(प) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—पं० छज्जूराम, बियारा, डा० अछनेरा (आगरा)।→२६–११ सी।

(फ) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—श्री ओंकरनाथ पांडेय, अध्यापक, संस्कृत पाठशाला, चचेहरा, डा० कोठा-नौरिया (प्रतापगढ़)।→२६–१० ई।

(ब) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)। →२६–१० एफ।

(भ) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—पं० शिवाधार, रायबरेली ।→२३–१३ जी ।
(म) लि० का० सं० १६४३ ।
प्रा०—ठा० तिलकसिंह, लतीफपुर, डा० कोटला (आगरा) ।→२६–११ ई ।
(य) लि० का० सं० १६५५ ।
प्रा०—पं० वासुदेवसहाय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–१० जी ।
(र) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–१३ एच ।
(ल) लि० का० सं० १६५८ ।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–१० एच ।
(व) लि० का० सं० १६६७ ।
प्रा०—लाल अंबिकाबक्ससिंह, बारानया कोट, डा० परशदेपुर (रायबरेली) ।→सं० ०४–१३ ग ।
(श) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण, थरी, डा० करछना (इलाहाबाद)→ १७–४१ (परि० ३) ।
(ष) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, अश्विनीकुमार का मंदिर, डा० असनी (फतेहपुर) ।→२०–६ बी ।
(स) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–१३ बी ।
(ह) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, पुरवा स्वामी दयाल वाजपेयी, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–१३ सी ।
(क) प्रा०—पं० विभूतिप्रसाद, द्वारा बौद्धभिक्षु का बंगला, सहेत महेत (बहराइच) ।→२३–१३ आई ।
(ख[1]) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३–१३ जे ।
(ग[1]) प्रा०—आनंद भवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–१० आई ।
(घ[1]) प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद त्रिगुणायत, तरदहा, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) ।→२६–१० जे ।
(ङ[1]) प्रा०—लाला सीताराम वैश्य, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–१० के ।
(च[1]) प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा ।→२६–११ एफ ।
(छ[1]) प्रा०—श्री बदरीप्रसाद, खारे, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) ।→ सं० ०४–१३ ख ।
(ज[1]) प्रा०—श्री चंद्रशेखर पांडेय, मनुहार डा० करहिया बाजार (रायबरेली) ।→सं० ०४–१३ ङ ।
(झ[1]) प्रा०—शारदा सदन पुस्तकालय, रायबरेली ।→सं० ०४–१७६ ।

(ञ[1]) प्रा०—पं० रविदत्त शर्मा आयुर्वेद वैद्यभूषणभिषक, नरेला, दिल्ली। →दि० ३१–७।

(ट[1])→पं० २२–५।

टि० १. खो० वि० १७–४१ (परि० ३) पर 'कामशास्त्र' नाम से प्रस्तुत हस्तलेख को अज्ञात कृत माना है। पर वह नंद और मुकुंद कृत ही है।

टि० २. प्रस्तुत ग्रंथ की रचना में संभवतः नंद के छोटे भाई मुकुंद का भी सहयोग है।→सं० ०४–१७६।

कोकसार (पद्य)—रामनाथ सहाय कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

पा०—मुंशी शिवशंकरलाल, टेउँआ (प्रतापगढ़)।→२६–३८७।

कोकसार→'गुणसागर' (ताहिर कृत)।

कोकस्वरोदय वैद्यकी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७४। वि० वैद्यक, यात्रा और कालज्ञान का वर्णन।

प्रा०—श्री परमहंस निर्भयराम, संस्कृत पाठशाला, बीबीपुर खुटौली, डा० कंधरापुर (आजमगढ़)।→४१–३४६।

कोका पंडित (?)—कामशास्त्र के प्रसिद्ध काश्मीरी आचार्य। कामशास्त्र संबंधी अनेक पुस्तकें इनके नाम पर रची गई हैं।

कोकविद्या (पद्य)→२३–२१५; २६–१६६ बी।

सामुद्रिक नारीदूषण (पद्य)→२६–१६६ ए, सी।

कोटवा वंदन (पद्य)—संतबख्श (कायस्थ) कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० सतनामी संप्रदाय के केंद्रस्थान कोटवा (बाराबंकी) की प्रशंसा और वर्णन।

प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, यादवपुर, डा० बरनपुर (बहराइच)।→२३–३७३ बी।

कोविद—वास्तविक नाम चंद्रमणि मिश्र। ओड़छा निवासी। ओड़छा नरेश महाराज उद्योतसिंह और महाराज पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं० १७७७ के लगभग वर्तमान।

मुहूर्त दर्पण (पद्य)→२६–६४।

रमल विचार (पद्य)→२६–२४३।

राजभूखन (पद्य)→०६–६२ ए।

हितोपदेश (भाषा) (पद्य)→०६–६२ बी।

कोविद—(?)

पद (पद्य)→४१–३७।

कोविंद भूषण (पद्य)—हरिविलास कृत। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—ठा० छत्रसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–१६१।

(ख) लि० का० सं० १९३० ।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६–१७६ ।

कोश (गद्य)—साहबसिंह (राय) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७–१६४ ।

कोश (हिंदी अंग्रेजी और पारसी)→'अंग्रेजी हिंदी फारसी बोली' (लल्लूलाल कृत)।

कोशलपथ (पद्य)—रुद्रप्रतापसिंह कृत । र० का० सं० १८७७। वि० बाल्मीकि रामायणके अयोध्याकांडके कोशलकल्प का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–२५ ।

कौतुक चिंतामणि (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० इंद्रजाल तथा जादू टोना ।

प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→४१–३५० ।

कौतुक रत्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८४६ । वि० तंत्र मंत्र ।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१–३५१ ।

कौतुकलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण क्रीड़ा ।

प्रा०—बाबू संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)। → १२–१५४ आई ।

कौशलेंद्र रहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'राम रहस्य'। रामचरणदास कृत। लि० का० सं० १८८६ । वि० ज्ञान, भक्ति प्रेम इत्यादि ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–६८ ।

कौशिल्या की बारामासी→'रामजी के बारहमासा' (भवानी) कृत ।

कौशिल्याजी की बारहमासी (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० राम बनगमन पर कौशिल्या की शोक संतप्त दशा का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १९१४ ।

प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)। → २६–१०१ ।

(ख) प्रा०—श्री परमेसर लुहार, रायपुर अमेठी (सुलतानपुर)। → सं० ०४–१६७ ।

क्रियाकोश (भाषा) (पद्य)—किशनसिंह कृत । र० का० सं० १७८४। वि० जैनधर्म के 'क्रियाकोश' नामक ग्रंथ की टीका ।

(क) लि० का० सं० १८७७ ।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–११६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८९० ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)। →३२–११९ बी ।

(ग) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—श्री चंद्रभान जैन, मँगूरा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-११६ सी।

(घ) प्रा०—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)। → ३२-११६ डी।

क्रियाशोधन की गायत्री (पद्य)—खड्गदास कृत। वि० अजपाजप तथा सोहं ज्ञान का वर्णन।

प्रा०—बख्शी आद्याचरण, चतुर्वेदी पुस्तकालय के निकट, मैनपुरी। → ३५-५४ ए।

क्रुम्हावली→'कुंभावली' (धर्मदास)।

क्षमाकल्याण गणि (वाचक)—जैन। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।

प्रश्नोत्तर सार्द्ध शतक (पद्य)→दि० ३१-८

क्षमाषोडशी की टीका (गद्य)—चक्रपाणि कृत। र० का० सं० १८८२। लि० का० सं० १९०६। वि० श्री रंगाचार्य कृत संस्कृत के 'क्षमाषोडशी' स्तोत्र की टीका।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६-६२।

क्षमास्तोत्र की टीका→'क्षमाषोडशी की टीका' (चक्रपाणि कृत)।

क्षेत्रकौमुदी (गद्यपद्य)—गोपाललाल कृत। र० का० सं० १८४८। वि० माप विद्या (गणित)।

प्रा०—पं० माताप्रसाद बजाज, रामबरेली।→२३-१३४।

क्षेत्रपाल की आरती जयमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्र मंत्र और जैनधर्म संबंधी क्षेत्रपाल की आरती और ओंकार गुण वर्णन।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)। → १७-१६ (परि० ३)।

क्षेत्र भास्कर (गद्य)—लोकमणिदास (चतुर्वेदी) कृत। लि० का० सं० १९३४। वि० क्षेत्र (गणित) संबंधी प्रश्नों का विवेचन।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, ग्राम तथा डा० जसवंतनगर (इटावा)।→३८-६१।

क्षेमकरन (मिश्र)—मगधनौली (बाराबंकी) निवासी। जन्म सं० १७७१। मृत्यु सं० १८६१। गोकुलचंद्र के आश्रित। 'भाषा काव्य संग्रह' के संग्रहकर्ता पं० महेशदत्त के मातामह के पिता।

उषा चरित्र (पद्य)→२३-२२७ ए।

कृष्ण चरितामृत (पद्य)→०६-४६; सं० ०४-४५ क ख।

पक्षी चेतावनी (पद्य)→२६-२३५।

पदविलास (पद्य)→२३-२२७ बी।

रघुराज घनाक्षरी (पद्य)→२३-२२७ सी।

रामगीतमाला (पद्य)→२३–२२७ ई; दि० ३१–५२ ए, बी; सं० ०१–६३ ।
रामचरित वृत्त प्रकाश (पद्य)→२३–२२७ डी ।

खंगदास या खरगदास→'खड्गदास' ('क्रियाशोधन की गायत्री' आदि के रचयिता) ।

खंगसेन→'खड्गसेन (जैन)' ('त्रिलोकदर्पण' के रचयिता) ।

खंडन—कायस्थ । पंडोखर या दिलीपनगर (दतिया) के निवासी । मलूक के पुत्र । दतिया के राजा रामचंद्र (सं० १७०६–१७३३) के समकालीन ।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→०६–५६ ई ।
नामप्रकाश (पद्य)→०६–५६ डी ।
भूषणदाम (पद्य)→ ०५–६६; ०६–५६ सी ।
मोहमर्दन राजा की कथा (पद्य)→०६–५६ बी ।
सुदामाचरित्र (पद्य)→०६–५६ ए ।

खंडनखंग (पद्य)—बनादास कृत । वि० धार्मिक खंडन मंडन ।
प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या ।→२०–११ डी ।

खंडित ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।
(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८–७७ ए ।
(ख) प्रा०—पं० रामचंद्र शर्मा, कन्हाई, डा० भरथना (इटावा) ।→ ३८–७७ बी ।

खगपति—कायस्थ । भारत (?) के पुत्र । सं० १७०७ के लगभग वर्तमान ।
गंगा की कथा (पद्य)→३८–८१ ए, बी ।

खटमल बाईसी (पद्य)—अलीमुहिब्ब खाँ (प्रीतम) कृत । र० का० सं० १६८७ । वि० खटमलों का हास्यपूर्ण वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३–७० ।

खड्गदास—अन्य नाम खंगदास या खरगदास । संभवतः कोई कबीरपंथी साधु ।
क्रियाशोधन की गायत्री (पद्य)→३५–५४ ए ।
मंत्रावली (पद्य)→३२–११५ ए ।
शब्द (पद्य)→३२–११५ सी ।
शब्द रमैनी (पद्य)→३५–५४ डी ।
शब्द रेखता (पद्य)→३५–५४ बी, सी ।
शब्द सुमरनी कौ मंत्र (पद्य)→३५–५४ ई ।
शब्द स्तोत्र विज्ञान (पद्य)→३२–११५ बी ।

खड्गराय→'खरगराय' ('नायिका दीपक' आदि के रचयिता) ।

खड्गसेन—धर्मदास के पुत्र । सं० १७१६ के लगभग वर्तमान । इनके तीन भाई थे–गंग दलपति और श्रीपति ।→२०–४१; सं० ०१–५६; सं० ०१–१७२ ।

खड्गसेन (जैन)—बागड़ देश (संभवतः पंजाब) के अंतर्गत नारनौल के निवासी। पितामह का नाम मानूसिंह। पिता और पितृव्य के नाम क्रमशः लूणराज और ठाकुरसीदास। बड़े भाई का नाम धरमदास। संभवतः गुरु का नाम चतुरभोज बैरागी (आगरा निवासी)। सं० १७१३ के लगभग वर्तमान।

त्रिलोक दर्पण (पद्य)→२३-२०८; सं० १०-१६ क, ख।

खड़ियाखेमा→'खेमा (खड़िया)'।

खड़ियाखेमा का परिहा (पद्य)—खेमा (खड़िया) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३६।

खड़ियाबख्ता→'बख्ता (खड़िया)'।

खड़ेचंद (खेदचंद)—(?)

चंदराजा की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-५०।

खतमुक्तावली (गद्यपद्य)—गंगाप्रसाद (माथुर) कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६००। वि० सत्रह प्रकार के फोड़ों का निदान और चिकित्सा। प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण नरोत्तमदास, बाह (आगरा)।→२६-११० सी।

खरगराय—उप० प्रवीणराय या प्रवीण। गोपालराय भाट के पिता। ओड़छा निवासी मंडन भाट के पौत्र और भवानी भाट के पुत्र। पन्ना के महाराज कुमार हृदयशाह के आश्रित। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।→०६-६७; १२-६२; पं० २२-३२।

नायिका दीपक (पद्य)→१२-६२ बी।

पिंगल (पद्य)→१२-१३२।

रसदीपक (पद्य)→१२-६२ ए।

खर्ग (कवि)—(?)

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२-११६।

खवास खाँ की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'सती स्तुति'। अमोलक कृत। वि० शेरशाह सूरी के एक सरदार खवास खाँ की कथा।

(क) प्रा०—पं० शिवदयाल दीक्षित, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय या २६, लाटूशरोड, लखनऊ।→२३-१२।

(ख) प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-६।

(ग)→पं० २२-४।

खाँ खवास की कथा→'खवास खाँ की कथा' (अमोलक कृत)।

खाँ जहाँ—बादशाह औरंगजेब के वजीर। हिम्मत खाँ के पिता।→०१-८२।

खांडेराव—दौलतराव सिंधिया के सरदार ऊदाजी के पितामह तथा रानाराव के पिता।
→०५-४३।

खाँ शुजा—दिल्ली के अमीर। जुगलकिशोर भट्ट के आश्रयदाता। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।→०६-१४२।

खानखाना कवित्त (पद्य)—गंग कृत । वि० रहीम की प्रशंसा ।
प्रा०—श्री चतुर्भुजसहाय वर्मा, वाराणसी ।→१२–५५ ।

खालसा→'मदनगोपालसिंह' ('विनयपत्रिका' के रचयिता) ।

खालिकनामा (पद्य)—सुलेमान (शेख) कृत । वि० पैगंबर मुहम्मद साहब का खुदा के पास जाना और अपनी मुक्ति माँगना ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–२८६ ।

खिरदमंदअली—शाहपुर निबासी । सं० १८४८ के लगभग वर्तमान ।
हिंदी मतायलादीनी (पद्य)→२०–८३ ।

खींवड़ा (?)—राजपूताना निवासी । सं० १८४३ के पूर्व वर्तमान ।
खींवड़ा रा दूहा (पद्य)→४१–४१ ।

खींवड़ा रा दूहा (पद्य)—खींवड़ा कृत । लि० का० सं० १८४३ । वि० नीति ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४१ ।

खुमान—उप० मान । बंदीजन । खैरागाँव (चरखारी) निवासी । ब्रजलाल भट्ट के पिता । चरखारी नरेश महाराज विक्रमसाहि के आश्रित । इनके पूर्वज महाराज छत्रसाल और उनके वंशजों के आश्रित थे । सं० १८०७–१८५२ के लगभग वर्तमान ।→०४–१६ ।
अमरप्रकाश (पद्य)→०३–७४; ०५–८६ ।
अष्टयाम (पद्य)→०६–७० जे ।
नीति बिधान (पद्य)→०६–७० एफ ।
नृसिंह चरित्र (पद्य)→०४–४५; ०६–७० एच; २६–२३७ सी; ३२–१४० सी ।
नृसिंह पचीसी (पद्य)→०६–७० आई ।
राधाजी को नखशिख (पद्य)→३२–१४० डी ।
रामरासो (पद्य)→२६–२३७ डी ।
लक्ष्मण शतक (पद्य)→०६–७० डी; २६–२३७ ए, बी; ३२–१४० बी ।
समरसार (पद्य)→०६–७० जी ।
हनुमत पचीसी (पद्य)→०६–७० बी, सी ।
हनुमत शिखनख (पद्य)→०६–७० ई; २३–२१०; २६– ३७ ई ।
हनुमान पंचक (पद्य)→०६–७० ए ।
हनुमान पचासा (पद्य)→३२–१४० ए ।
हनुमान विरुदावली (पद्य)→२०–१०० ।

खुमान—गुमान कवि के भाई । गोपालमणि त्रिपाठी के पुत्र । महोबा निवासी । सं० १८३८ के लगभग वर्तमान ।→०५–२३ ।

खुमानरासो (पद्य)—दलपत (दौलतविजय) कृत । वि० खलीफा अलमामू का खुमान के साथ युद्ध (चित्तौड़ युद्ध) वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-६६ ।

खुमानसिंह—चरखारी (बुंदेलखंड) के राजा । दत्त (देवदत्त) और प्रयागदास के आश्रयदाता । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→०३-५५; ०३-६६; ०६-५६ ।

खुरशैद बेनजीर (पद्य)—इलाहीबख्श (रमजान शेख) कृत । र० का० सं० १६३२ । वि० खुरशैद और बेनजीर की कथा ।

प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब, इस्लामिया मकतब, पाइकनगर (प्रतापगढ़) । →२६-१८४ सी ।

खुर्रम (शाहजादा)—दिल्ली के बादशाह जहाँगीर के पुत्र जो बाद में शाहजहाँ के नाम से सम्राट हुए । राज्यकाल सं० १६८५-१७१५ । सुंदर कवि के आश्रयदाता । सं० १६७१ में चित्तौर के राणा अमरसिंह के साथ इनका युद्ध हुआ था । ये कुँवर करणसिंह को अपने साथ बादशाह जहाँगीर के दरबार में ले गए थे ।→००-६४; ००-१०६; ०२-३; ०६-२४१; दि० ३१-८७ ।

खुशाल (दूबे)—देव कवि (देवदत्त) पाँचवीं पीढ़ी के वंशधर । सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान ।

जातक (भाषा) (पद्य)→२६-२३८ ए ।

भवनसार संग्रह (पद्य)→२६-२३८ बी, सी, डी; सं० ०४-४६ ।

खुशालचंद (काला)—बिसनसिंघ भूपति के पुत्र राजा जैसिंघ के राज्य में ढूँढाहर देश के अंतर्गत साँगावती (साँगानेर) ग्राम के निवासी । पहले होड़ो स्थान में रहते थे । पर पीछे जहानाबाद में बस गए । पिता का नाम सुंदर । माता का नाम सुजान । गोत्र काला । गुरु का नाम लक्ष्मीदास । सं० १७८३ के लगभग वर्तमान ।

आकाशपंचमी की कथा (पद्य)→२३-२११ ए ।

उत्तरपुराण (पद्य)→सं० ०४-४८ क, ख; सं० १०-२० क ।

धन्यकुमार चरित्र (पद्य)→२३-२११ बी ।

पद्मपुराण (भाषा) (पद्य)→सं० १०-२० ख ।

यशोधर राजा का चरित्र (पद्य)→३२-१३० ए ।

रामपुराण (पद्य)→२३-२११ सी; सं० ०४-४८ ग, घ, ङ ।

सुभाषितावली (पद्य)→२६-२३६; दि० ३१-७७; ३२-२३० ।

सुगंधदशमी कथा (पद्य)→सं० १०-२० ग ।

हरवंशपुराण (पद्य)→सं० १०-२० घ ।

खुशाली (कवि)→'रुद्रनाथ' ('बारहमासा' के रचयिता) ।

खुशीलाल—कायस्थ । बरजीपुर (कानपुर) निवासी । देवीदयाल के पुत्र । सं० १६२५ के लगभग वर्तमान ।

रसतरंग (पद्य)→२६-१६७ ।

खुसियाल—(?)

कवित्त सवैया (पद्य)→सं० ०४-४७ ।

खुस्याल→'खुशालचंद (काला)' ('उत्तरपुराण' आदि के रचयिता)।

खुस्याल (जन)—कायस्थ। भलुईपुर (आरा) के निवासी। सं० १८६२ में वर्तमान।
विपिन विनोद (पद्य)→३२-११८।

खूबचंद (स्वामी)—कायस्थ। बेनीराम के आश्रयदाता। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।→१२-१६।

खेचरनाथ→'बिसोबा खेचर' (नामदेव के गुरु)।

खेतसिंह—कायस्थ (?) गिजौरा (विंध्याचल) निवासी। दतिया नरेश परीक्षित के आश्रित। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।
चौंतीसी (पद्य)→०६-६० बी।
बारहमासी (पद्य)→०६-६० ए।
वैद्यप्रिया (पद्य)→०६-६० सी; २६-२३६ ए, बी; २६-१६६।

खेतसिंह (राजा)—पन्ना राजघराने के कोई राजकुमार। बोधा कवि के आश्रयदाता। अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान।→१७-३०।

खेम (कवि)→'खेमदास' ('अवलिपदतनाँमा' आदि के रचयिता)।

खेमदास—दादूपंथी। अबरोहा निवासी। मनोहरदास के शिष्य। सं० १७०६-१७१६ के लगभग वर्तमान।
प्रेममंजरी (पद्य)→सं० ०७-२६ क।
मैना को सत (पद्य)→सं० ०७-२६ ख।
विलास मंगल (पद्य)→सं० ०७-२६ ग।

खेमदास—अन्य नाम खेम। दादूपंथी। रज्जबदास के शिष्य। 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→०२-५७ (बयालीस)।
अवलिपदतनाँमा (पद्य)→सं० ०७-२७ क।
खेम पचीसी (पद्य)→सं० ०१-६४।
गोपीचंद चरित्र (पद्य)→सं० ०७-२७ ख।
चितावणी (पद्य)→३२-११७; ४१-४२; सं० ०७-२७ ग, घ।
धर्मसंवाद (पद्य)→सं० १०-२१।
भक्ति पचीसी (पद्य)→२३-२०६ ए।
रसप्रेम पचीसी (पद्य)→२३-२०६ बी।
सुख संवाद (पद्य)→०१-१३४; ०२-६४; सं० ०७-२७ ङ, च, छ, ज।

खेमदास—अन्य नाम ख्यामदास। कान्यकुब्ज ब्राह्मण। थानाडीह हरजनापुर में मुरइ मदन के बीच हरिशंकर के नीचे निवास करते थे। स्वा० जगजीवनदास के शिष्य। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
काशीकांड (पद्य)→२६-१६५ ए; सं० ०४-४६।
तत्वसार दोहावली (पद्य)→२६-१६५ सी।
शब्दावली (पद्य)→२६-१६५ बी।

खेम पचीसी (पद्य)—खेमदास (खेम कवि) कृत । वि० हनुमान चरित्र वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–६४ ।

खेमा (खड़िया)— (?)
खड़ियाखेमा का परिहा (पद्य)→४१–३६ ।

खेल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९३३ । वि० राधाकृष्ण विषयक शृंगार ।
प्रा०—पं० विंदेश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक संस्कृत पाठशाला, गोंडा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–२१ (परि० ३) ।

खेल बंगाला (गद्य)—कुदरतुल्ला कृत । लि० का० सं० १८०८ । वि० जादू के खेल ।
प्रा०—ठा० डालसिंह, मनौना, डा० पटियाली (एटा) ।→२६–२०६ ए, बी ।

खैरातीलाल—(?)
अयोध्या माहात्म्य (पद्य)→सं० ०४–५० ।

खैराशाह—मेरठ निवासी । कोई सूफी मुसलमान । संभवतः १९वीं शताब्दी में वर्तमान ।
घड़ी खैरा की (पद्य)→सं० ०४–५१ क ।
बारहमासा (पद्य)→१२–६१; २६–२३४ ए, बी; दि० ३१–४६; सं० ०४–५१ ख; सं० ०७–२८ ।

ख्यामदास→'खेमदास' ('काशीकांड' आदि के रचयिता) ।

ख्याल (पद्य)—जयलाल कृत । लि० का० सं० १९०१ । वि० राम नाम माहात्म्य और शिवजी की विनती आदि ।
प्रा०—बाबा जीवनदास, भेरूजी का मंदिर, दूबीगढ़ (अलीगढ़) ।→२६–१७४ ई ।

ख्याल (पद्य)—पन्नालाल कृत । वि० विविध ।
प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्य, नूरी दरवाजा, आगरा ।→३२–१६० ।

ख्याल (पद्य)—पुरुषोत्तम (महाराज) कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–११६ ।

ख्याल ? (ख्या) (पद्य)—रसिक कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—पं० हरिराम, बटैन, डा० कोसी (मथुरा) ।→३८—१२४ ।

ख्याल (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० ईश्वर महिमा, ज्योतिष और कृष्ण लीला आदि ।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा ।→३२–१६१ ए ।

ख्याल (पद्य)—सुखलाल (कवि) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, ग्राम तथा डा० जसवंतनगर (इटावा) । →३८–१४८ बी ।

ख्याल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विरह, नखशिख, शृंगार आदि।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शर्मा, धरवार, डा० जसवंतनगर (इटावा)। →३५–२०४।

ख्याल चिंतामणि (पद्य)—रूपराम कृत। वि० नायिका वर्णन, नखशिख, भक्ति आदि।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा। →३२–१६१ एफ।

ख्याल जोरी को (पद्य)—मालीराम कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०४–२६८ ख।

ख्याल टिप्पा (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात। वि० भक्ति।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। →०२–५७।
टि० प्रस्तुत संग्रह ग्रंथ में निम्नांकित ५६ कवि संगृहीत हैं—
१. कृष्णदास, २. रसिकप्रीतम, ३. आसकरन, ४. नंददास, ५. श्रीधर, ६. सूरदास, ७. परमानंद, ८. गोविंद, ६. श्रीभट्ट, १०. हरिवंश, ११. कृपानाथ, १२. दासमुरारि, १३. कुंभनदास, १४. चतुरविहारी, १५. हरिदास, १६. चतुर्भुजदास, १७. जानिराजा, १८. गोपालदास, १६. व्यास, २०. हरिजीवन, २१. तुलसीदास, २२. रसिक, २३. मुकुंद, २४. तानसेन, २५. बिहारीदास, २६. मीराँ, २७. स्वामी हितहरिवंश, २८. निर्मल, २६. वल्लभदास, ३०. मुरारीदास, ३१. रामराय, ३२. विट्ठल, ३३. आनंदघन, ३४. हितध्रुव, ३५. जनतिलोक, ३६. श्यामदास, ३७. दासमनोहरनाथ, ३८. मानदास, ३६. रसिकराय, ४०. गोवर्द्धन, ४१. जनहरिया, ४२. खेमदास, ४३. किशोरीदास, ४४. नागरीदास, ४५. भगवान, ४६. चंद्रावलि, ४७. नामदेव, ४८. दयातन, ४६. मैन, ५०. प्रेम, ५१. गंगल, ५२, लच्छीराम, ५३. नरंद, ५४. कल्यानदास, ५५. गजाधर, ५६. अग्रदास।

ख्याल त्रिया चरित्र (पद्य)—दौलतसिंह कृत। वि० नारीचरित्र वर्णन।
प्रा०—पं० सुखवासीलाल, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा)। →३२–५१।

ख्याल निर्गुन सर्गुन (पद्य)—सुखलाल (कवि) कृत। वि० निर्गुण और सगुण ज्ञान।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रधानाध्यापक, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा)। →३२–२०८ ए।

ख्याल पचासा (पद्य)—पहिलमान (द्विज) कृत। लि० का० सं० १६२६। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० जैसुखराम, मंगलपुर, डा० मारहरा (एटा)। →२६–२६० ए।

ख्याल बंजारे को (पद्य)—मालीराम कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०४–२६८ क।

ख्यालबाजी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० भक्ति आदि।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा। →३२–१६१ ई।

ख्याल बारहखड़ी (पद्य)—दुर्गादास कृत। वि० ओंकार की उत्पत्ति वर्णन।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रधानाध्यापक, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा)। →३२–५७ बी।

ख्याल बारहखड़ी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० अध्यात्म।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा। →३२–१६१ डी।

ख्याल मंजूषा (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० गणेश वंदना, बरसाने की फाग, और शृंगार आदि।
प्रा०—श्री रामचंद्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा। →३२–१६१ जी।

ख्याल मरहठी (पद्य)—काशीगिरि (बनारसी) कृत। वि० देवी देवताओं की उपासना और ज्ञानोपदेश आदि।
(क) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० श्रीकृष्ण, महिगलगंज (सीतापुर)। →२६–२२७ बी।
(ख) लि० का० सं० १६४०।
प्रा०—बाबा हरीदास, सरावल, डा० गंजदुड़वारा (एटा)। →२६–१८७।

ख्याल वर्षा (पद्य)—गिरिधारीसिंह कृत। वि० वर्षा वर्णन।
प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली। →दि० ३१–३३।

ख्याल विनोद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा)। →१२–१६६ क्यू।

ख्याल वियोग (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० वियोग वर्णन।
प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली। →दि० ३१–६४ बी।

ख्याल शहादत (पद्य)—सुखलाल कृत। वि० करबला नामक स्थान में कासिम की वीरता का वर्णन।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा)। → ३२–२०८ बी।

ख्याल शिवाजी का (पद्य)—दुर्गादास कृत। वि० शिवाजी की महिमा।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा)। →३२–५७ ए।

ख्याल संग्रह (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० श्रीकृष्ण और राधिका का झगड़ा।
प्रा०—पं० शिवविहारी गौड़, जैतपुर, डा० पिलवा (एटा)। →२६–४७ एच।

ख्याल संग्रह (पद्य)—रूपरसिक कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—श्री नत्थीलाल गोस्वामी, बरसाना (मथुरा)।→३२–१६३।

ख्याल संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० श्रृंगार।
(क) प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२–१६१ एच।
(ख) प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्यराज, वैद्यराज फार्मेसी, नूरीदरवाजा, आगरा।→३२–१६१ आई।

ख्याल हस्तजबान (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० सात भाषाओं (हिंदी, पंजाबी, पूर्वी, मराठी, राजस्थानी, बंगाली और पारसी) में वियोग वर्णन।
प्रा०—पं० प्रहलाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१–६४ ए।

ख्याल हुलास (पद्य)—अन्य० नाम 'ख्याल हुलास लीला'। ध्रुवदास कृत। वि० राधा कृष्ण का गुणगान।
(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–७३ एफ।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ ख (अप्र०)।

ख्याल हुलास लीला→'ख्याल हुलास' (ध्रुवदास कृत)।

ख्याली दंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रेम, ईश्वर प्रार्थना, और विराग आदि।
प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्य, नूरीदरवाजा, आगरा।→३२–२५१।

ख्यालीदास—मथुरा निवासी। सं० १६२३ के लगभग वर्तमान।
नंदोत्सव लीला (पद्य)→२६–२४० ए, बी।

ख्यालों की पुस्तक (पद्य)—अन्य नाम 'लावनी समझ प्रकाश'। सुखलाल (कवि) कृत। वि० दयानंद के मत का खंडन।
(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८–१४८ ए।
(ख) प्रा०—पं० प्रहलाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१–८५।

ख्वाजा मुहम्मद फाजिल→'मुहम्मद फाजिल (ख्वाजा)' ('तीरंदाजी रिसाला' के रचयिता)।

गंग—(?)
गोदोहन लीला (पद्य)→सं० ०१–६६।

गंग→'गंगाराम (पुरोहित)' (हरिभक्ति प्रकाश' के रचयिता)।

गंग (कवि)—भाट। जन्मकाल संभवतः सं० १५६०। एकनौर (इटावा) निवासी। अकबरी दरबार के प्रसिद्ध कवि। बादशाह अकबर और खानखाना के आश्रित। सं० १६२७ के लगभग वर्तमान। जनश्रुति के अनुसार किसी नवाब या राजा ने

हाथी से चिरवा कर इनका बध कराया था।

खानखानां कवित्त (पद्य)→१२–५५।

गंग पचीसी (पद्य)→२६–१२६ ए, बी, सी; २९–१०८।

गंग पदावली (पद्य)→३२–६२ ए।

गंग रत्नावली (पद्य)→३२–६२ बी।

चंदछंद बरनन की महिमा (गद्य)→०९–८४।

संग्रह (पद्य)→२३–११४।

गंग (कवि)—पिता का नाम धर्मदास। भाइयों के नाम खड्गसेन, दलपति, और श्रीपति। सं० १७१९ के लगभग वर्तमान।→२०–४१।

महाभारत (पद्य)→सं० ०१–६५; सं० ०४–५२।

गंग (कवि)—संभवतः दादूपंथी।

सुदामाचरित्र (पद्य)→००–२६।

गंगदास—(?)

पिंगल (पद्य)→पं० २२–३०।

गंगन—गुरु का नाम गुरुछौना।

राग बारामास का मंगल (पद्य)→सं० ०४–५३।

गंग पचीसी (पद्य)—गंग (कवि) कृत। वि० राधाकृष्ण की मुरली लीला आदि।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—बाबा शिवपुरी, काश्मीरी मुहल्ला, लखनऊ।→२६–१२६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—ठा० पीतमसिंह, बेहना का नगरा, डा० अलीगंज (एटा)।→२९–१०८।

(ग) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—श्री रामलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (सीतापुर)।→२६–१२६ बी।

(घ) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—ठा० नरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–१२६ सी।

गंग पदावली (पद्य)—गंग (कवि) कृत। वि० विभिन्न विषय और समस्यापूर्ति।

प्रा०—पं० देवदत्त अध्यक्ष, सादाबाद (मथुरा)।→३२–६२ ए।

गंग रत्नावली (पद्य)—गंग (कवि) कृत। वि० देवस्तुति विनय और राजाओं की प्रशंसा आदि।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–६२ बी।

गंगल—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–५७ (इक्यावन)।

गंगसरन—(?)

चौर्यलीला (पद्य)→सं० ०१–६७ ।

गंगा—कोई बुंदेलखंडी स्त्री कवि ।

विष्णुपद (पद्य)→०६–३३ ।

गंगा की कथा (पद्य)—खगपति कृत । र० का० सं० १७०७ (?) । वि० गंगावतरण की कथा ।

(क) प्रा०—पं० रामचंद्र शर्मा, नगला कंधाई, डा० भरथना (इटावा) । →३८–८१ ए ।

(ख) प्रा०—पं० बैजनाथ, ग्राम तथा डा० जसवंतनगर (इटावा) । → ३८–८१ बी ।

गंगागिरि—संभवतः रामरसिक के गुरु ।→०६–२१५; सं० ०१–३५५ ।

ज्ञानकथा रहस्य (गद्य)→सं० ०१–६८ क ।

ज्ञानकथा कर्म निर्णय (पद्य)→सं० ०१–६८ ख ।

गंगा चरित्र (पद्य)—सेवाराम (सेवादास) कृत । लि० का० सं० १९२३ । वि० गंगावतरण की कथा ।

प्रा०—पं० मन्नालाल, कठैला, डा० श्री बलदेव (मथुरा) ।→३८–१३६ ए ।

गंगाचरिय्या (गंगाचार्य)—(?)

केवली (गद्य)→सं० १०–२२ ।

गंगाजी का ब्यावला→'गंगा ब्याहलो' (रामदास कृत) ।

गंगाजी की स्तुति (पद्य)—पतितदास कृत । र० का० सं० १८६७ । लि० का० सं० १९४८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–३४६ डी ।

गंगाजी की स्तुति (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गंगा महिमा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० १०–१५३ ।

गंगादत्त—सिरमौर (पंजाब) की रानी हृदयश्री के आश्रित । सं० १८८९ के पूर्व वर्तमान ।

लीलासागर (पद्य)→४१–४३ ।

गंगादास—चंदेल क्षत्रिय । हरीसिंह के पुत्र । नवनदास क शिष्य ।

ककहरा (पद्य)→सं० ०७–२९ ।

भक्त शिरोमणि (पद्य)→१२–५६ ।

महालक्ष्मीजू के पद (पद्य)→०६–२५२ सी ।

शब्दसार बानी (पद्य)→०६–२५२ बी ।

संत सुमिरनी (पद्य)→०६–२५२ ए ।

गंगादास—कायस्थ । बलरामपुर (गोंडा) के महाराज के आश्रित । सं० १८७९ के लगभग वर्तमान ।

सुमनवन (पद्य)→०६–८५ ।

गंगादास—सं० १६१८ के पूर्व वर्तमान ।

गीता (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–५४ क ।

पिंगल (पद्य)→सं० ०४–५४ ख ।

गंगादास—संभवतः 'शब्द या बानी' के रचयिता गंगादास ।→सं० ०१–६६ ।

तिथि प्रबंध (पद्य)→सं० ०१–७० क ।

दोहावली (पद्य)→सं० ०१–७० ख ।

गंगदास—किसी काशीराम के शिष्य ।

शब्द या बानी (पद्य)→सं० ०१–६६

गंगादास—(?)

कृष्णमंगल (पद्य)→३५–२५ ।

गंगादास→'गंगाराम (मिश्र)' (चँदेरी निवासी) ।

गंगादास (साधु)—रामानुज संप्रदाय के वैष्णव साधु । किसी तुलसीदास के शिष्य । सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान ।

रामायण माहात्म्य और तुलसीचरित्र (पद्य)→सं० ०४–५५ ।

लंगड़ी रंगत लावनी (पद्य)→२६–१२७ ए ।

लावनी (पद्य)→२६–१२७ बी; ३८–४६ ।

गंगाधर—उप० गणेश । मथुरा निवासी चौबे । मकरंद के पुत्र । सं० १७३६ के लगभग वर्तमान ।

राजयोग (भाषा) (पद्य)→३२–६३ ।

विक्रम विलास (पद्य)→०६–८६; १२–५६; १७–५६; २३–१२१; २६–१११ ए, बी ।

गंगाधर—(?)

गोवर्द्धन लीला (पद्य)→दि० ३१–३२; ३८–५० ए, बी ।

नाग लीला (पद्य)→२६–१०६; सं० ०४–५६ ।

गंगाधर—प्रसिद्ध कवि सेनापति के पिता । अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी । पिता का नाम परशुराम दीक्षित । सं० १६८४ के लगभग वर्तमान ।→०४–५१; ०६–२३१; ०६–२८७ ।

गंगाधर—स्वा० हरिदास (वृंदावन) के मातामह । वृंदावन निवासी । सोलहवीं शताब्दी में वर्तमान ।→००–३७ ।

गंगाधर (शास्त्री)—आगरा निवासी । संभवतः आगरा कालेज के संस्थापक । सं० १८५४ के लगभग वर्तमान ।

सत्यनारायण कथा (गद्य)→२६–१२८ ।

गंगा नाटक (पद्य)—कुशल (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८२६ । वि० गंगावतरण की कथा ।

(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—ठा० उमरावसिंह, जखैता (बुलंदशहर) ।→१७-१०१ ।
(ख) लि० का० सं० १६०३ ।
प्रा०—पं० श्रीधर पाठक, आगरा ।→००-५७ ।
(ग) प्रा०—पं० हरिवंशलाल, पचेहरा, डा० बाजना (मथुरा) ।→३८-८६ ए ।
(घ) प्रा०—पं० सोहनपाल द्वारा पं० लक्ष्मीनारायण पटवारी, धनुआँ, डा० बलरई (इटावा) ।→३८-८६ बी ।
(ङ) प्रा०—पं० रतनलाल शर्मा, ग्राम तथा डा० अछलदा (इटावा) । → ३८-८६ सी ।

गंगा पंचक (पद्य)—हजारीलाल कृत । लि० का० सं० १६४२ । वि० गंगाजी की महिमा ।
प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद, खामपुर, डा० नरेला (दिल्ली) ।→दि० ३१-३७ ।

गंगा पुरान (गद्यपद्य)—मुकुंद (शिवमुकुंद) कृत । वि० नायिका भेद और ज्योतिष ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२६५ ।

गंगा पुष्पांजलि (पद्य)—शंकराचार्य कृत । वि० गंगा की स्तुति ।
प्रा०—पं० अमरनाथ मिश्र, असवरनपुर, डा० ओइना (जौनपुर) । → सं० ०१-४०७ ख ।

गंगाप्रबोध गीता (पद्य)—हिम्मतसिंह कृत । र० का० सं० १८२५ । लि० का० सं० १८५८ । वि० गंगा माहात्म्य ।
प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) । →सं० ०१-४६० ।

गंगाप्रसाद—माथुर ब्राह्मण । भदावर निवासी । रीवाँ दरबार के वैद्यराज और संस्कृत तथा हिंदी के कवि । महाराज विश्वनाथसिंह जू देव (रीवाँ नरेश) के आश्रित ।
विश्वभोजन प्रकाश (गद्य)→०६-३२६ जे; १७-५८ ।

गंगाप्रसाद—चतुर्भुज के पुत्र । महावन (मथुरा) निवासी । अनंतर बदायूँ में निवास । सं० १८८० के लगभग वर्तमान ।
सुबोध (पद्य)→१२-५७ ।

गंगाप्रसाद—(?)
कलिकाल चरित्र (पद्य)→१७-५७ ।

गंगाप्रसाद→'युगलप्रसाद' ('रामचरित दोहावली' के रचयिता) ।

गंगाप्रसाद (उदेनियाँ)—ब्राह्मण । सभथर के राजा विष्णुसिंह के आश्रित । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।
रामअनुग्रह (पद्य)→०६-३४; १७-६० ।

गंगाप्रसाद (माथुर)—माथुर वैश्य। बाह (आगरा) के निवासी। पिता का नाम ऊधव।

खत मुक्तावली (गद्य)→२६–११० सी।

बटेश्वर माहात्म्य (पद्य)→२६–११० ए।

रामाश्वमेध (पद्य)→२६–११० बी।

गंगाप्रसाद (व्यास) –उम्मेदसिंह मिश्र के पुत्र। चित्रकूट निवासी। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।

विनयपत्रिका तिलकम् (गद्यपद्य)→१७–५६; २३–११६।

गंगाबाई—क्षत्राणी। महावन (मथुरा) की रहनेवाली। गोसाईं बिट्ठलनाथ की शिष्या।

गंगाबाई के पद (पद्य)→३५–२४।

गंगाबाई के पद (पद्य)—गंगाबाई कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० कृष्ण लीला। प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नयामंदिर (गुजरातियों का), गोकुल (मथुरा)। →३५–२४।

गंगा ब्याहलो (पद्य)—रामदास कृत। वि० गंगाजी के ब्याह की कथा।

(क) प्रा०—पं० चतुर्भुज, भोजापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६–३८१।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३४६।

गंगाभक्ति विनोद (पद्य)—रसिकसुंदर कृत। र० का० सं० १६०६। वि० गंगाजी की स्तुति। (पंडितराज जगन्नाथ कृत 'गंगालहरी' का अनुवाद)।

(क) प्रा०—पं० तुलसीराम पालीवाल, शहर नायन, डा० भदान (मैनपुरी)। →३५–८७ ए।

(ख) प्रा०—पं० डालचंद, ग्राम तथा डा० लखुना (इटावा)।→३५–८७ बी।

गंगाभरण (पद्य)—लेखराज कृत। र० का० सं० १६२६ (१६३५)। वि० गंगा जी की महिमा।

(क) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—परसेदी राज्य पुस्तकालय, छोटे राजा साहिब, रामनाथीबक्ससिंह, परसेदी (सीतापुर)।→२३–२४७।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)→२६–२६७।

गंगा माहात्म्य (पद्य)—अखैराम कृत। र० का० सं० १८३२। लि० का० सं० १८४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१।

गंगाराम—सं० १७४४ के लगभग वर्तमान। साँगानेर (जयपुर) नरेश महाराज रामसिंह के आश्रित।

सभाभूषण (पद्य)→०६–८७; १२–५८।

गंगाराम—पिता का नाम पुरुषोत्तम। सं० १७१४ के लगभग वर्तमान।
कैद्यकभाषा सार संग्रह (गद्यपद्य)→०६–२१४; २३–११६।

गंगाराम—सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान। संभवतः गंगाराम मालवीय त्रिपाठी और ये एक ही हैं।→०३–१६।
शब्दब्रह्म जिज्ञासु (पद्य)→१७–६१।

गंगाराम—(?)
पोथी मैनसत के उत्तर (पद्य)→सं० ०१–७१।

गंगाराम—(?)
सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→०३–६

गंगाराम→'आनंद' ('अर्जुनगीता' के रचयिता)।

गंगाराम (कायस्थ)—पटना निवासी। रामानंद के पुत्र। संभवतः किसी गजेंद्र नाम के अधिपति के आश्रित। सं० १७३६ में वर्तमान।
कर्मविपाक (पद्य)→४१–४४।

गंगाराम (तिवारी)—प्रयाग के निवासी। महाराज डालचंद (?) के आश्रित।
फुटकर कवित्त (पद्य)→४१–४५ क।
बारहमासा (पद्य) ४१–४५ ख।

गंगाराम (त्रिपाठी)—मालवीय त्रिपाठी। सं० १८४६ में वर्तमान।
ज्ञानप्रदीप (पद्य)→०३–१६।
देवीस्तुति और रामचरित्र (पद्य)→०६–८८।

गंगाराम (पुरोहित)—उप० गंग। जैमिनि गोत्रीय सनाढ्य ब्राह्मण। करेली ग्राम के निकट लिवाली ग्राम के निवासी। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान।
हरिभक्ति प्रकाश (पद्य)→३५–२६।

गंगाराम (मिश्र)—अन्य नाम गंगादास। चँदेरी निवासी। छत्रसाल मिश्र के पिता। सं० १८४४ के पूर्व वर्तमान।→०६–२१।
चिंतामणि प्रश्न (गद्य)→२३–११८।
रमलसार (गद्य)→२३–११५।

गंगाराम (मिश्र)—कपूरथला निवासी। सं० १६०४ के लगभग वर्तमान।
सप्तदेव स्तुति (पद्य)→२३–११७।

गंगाराम (यति)—उप० पंडित कवि गंगा। श्वेतांबरी जैन साधु। अमृतसर निवासी। स्वा० सूरतराम यति के शिष्य। सं० १८७२ के लगभग वर्तमान।
भावनिदान (पद्य)→पं० २२–३१ सी।
लोलंबराज (भाषा) (पद्य)→पं० २२–३१ ए।
सूरतप्रकाश (पद्य)→पं० २२–३१ बी।

गंगालहरी (पद्य)—उजियारेलाल कृत। वि० गंगा की स्तुति।
प्रा०—श्री रमनलाल हरीचंद जौहरी, कोसी (मथुरा)।→१७-१६६।

गंगालहरी (पद्य)—काशीगिरि कृत। लि० का० सं० १६१४ वि०। गंगा माहात्म्य।
प्रा०—पं० गयादीन त्रिपाठी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→ २६-२२७ ए।

गंगालहरी (पद्य)—पद्माकर कृत। वि० गंगा माहात्म्य।
(क) लि० का० सं० १६०८।
प्रा०—पं० हरस्वरूप वेद, रवा, डा० शाहजनपुर (हरदोई)।→२६-२५७ ए।
(ख) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—मुं० अशर्फीलाल, पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →०६-२२० बी।
(ग) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—पं० वंशगोपाल, दीनापुर, डा० उमरगढ़ (एटा)।→२६-२५७ बी।
(घ) प्रा०—पं० रामधीन मिश्र, नवाबाद (प्रतापगढ़)।→२६-३३८ ए।

गंगालहरी (पद्य)—रूपराम (जन) कृत। र० का० सं० १८०० (?)। लि० का० सं० १८६०। वि० गंगा स्तुति।
प्रा०—पं० रेवतीनंदन, बेरी (मथुरा)।→३८-१३०।

गंगा शतक (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत। र० का० सं० १६१६। वि० गंगा-स्तुति ('गंगालहरी' के आधार पर)।
प्रा०—श्री मदनलाल, आत्मज श्री पन्नालाल वैश्य, कोसीकलाँ (मथुरा)।→ ३२-३० बी।

गंगाष्टक (पद्य)—गरीबदास कृत। वि० गंगाजी की महिमा।
प्रा०—पं० विश्वनाथ, कैमहरा, डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६-१३२।

गंगाष्टक (पद्य)—जयमंगलप्रसाद कृत। वि० गंगा जी की महिमा।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१२८।

गंगाष्टक (गंगाजी की झूलना) (पद्य)—रमताराम कृत। वि० गंगा की स्तुति।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३२०।

गंगासुत—कड़ा मानिकपुर निवासी। मलूकदास के अनुयायी। सं० १७०० के लगभग वर्तमान।
भक्त माहात्म्य (पद्य)→२३-१२०।

गनेश→'गंगाधर' ('विक्रम विलास' के रचयिता)।

गंजन (कवि)—काशीवासी गुर्जर गौड़ ब्राह्मण। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के वजीर कमरुद्दीनखाँ (मीरमुहम्मद फाजिल) के आश्रित। सं० १७८५ के लगभग वर्तमान। इनके एक पुरखे रायमुकुट थे जिनके सिर पर अकबर बादशाह ने

कविराय का मुकुट बाँधा था। रायमुकुट के वंश में मानसिंह प्रसिद्ध व्यक्ति हुए, जिनके पुत्र गिरिधर और पौत्र मुरलीधर थे। इन्हीं मुरलीधर के वंश में गंजन कवि हुए।

कमरुद्दीन खाँ हुलास (पद्य)→०३–६५; १७–६२; २६–१२६; सं० ०४–५७।

गंजनसिंह—कायस्थ। शिवप्रसाद के पुत्र। सं० १८४० के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→०६–८६; सं० ०१–७२।

गंजनामा (पद्य)—अन्य नाम 'गुनगंजनामा'। जगन्नाथ 'जन' कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७६३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–५६ क।

(ख) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–५६ ख।

गंजुलइसरार (पद्य)—महमूदचिश्ती (शेख) कृत। वि० सूफी मत (दर्शन)।

प्रा०—डा० मुहम्मदहफीज सैयद, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–२६७।

गऊ दुहावन की व्यवस्था (पद्य)—चतुरअलि कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० श्रीकृष्ण के गाय दुहने के समय राधा का आना और उन्हें देखकर श्रीकृष्ण का व्याकुल होना।

प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३८ ए।

गजपति—(?)

गणेशजी की गुणमाला (पद्य)→३२–६०।

गज प्रकाश (गद्यपद्य)—सहदेव कृत। लि० का० सं० १९५७। वि० हाथियों की चिकित्सा।

प्रा०—दीवान शत्रुजीत जू, छतरपुर, बुंदेलखंड।→०६–२२३ (विवरण अप्राप्त)। (सं० १९४९ की एक प्रति श्री सीताराम समारी, पन्ना के पास है।)

गजराज—वाराणसी (बनारस) निवासी। सं० १९०३ के लगभग वर्तमान।

सुवृत्तहार (पद्य)→०३–७१; सं० ०१–७३।

गजविलास (गद्यपद्य)—गोपाल कृत। वि० हाथियों की चिकित्सा।

प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय, अजयगढ़।→०६–४१।

गजसिंह—जोधपुर नरेश महाराज जसवंतसिंह के पिता। जहाँगीर और खुर्रम के युद्ध में इन्होंने जहाँगीर की सहायता की थी और भीमसिंह सिसोदिया का वध किया था। सं० १६७४ में सिंहासनासीन। कवि केशवदास चारण और नरहरिदास बारहट के आश्रयदाता।→०२–१४; ०२–२०; ०६–२१०।

गजाधर—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (पचपन)।

गजाधरदास—सरयूपारीण ब्राह्मण। हरिचंदपुर (बाराबंकी) के बाबा रामसेवकदास के शिष्य। भूलामऊ (सुलतानपुर) निवासी। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।
अखरावली (पद्य)→२६-१२१।

गजाधरदास—हजारीदास (संतदास या शिवदास) के गुरु।→सं० ०४-४२७।

गजानंद—संभवतः राजस्थानी।
नेमनाथ री धमाल (पद्य)→४१-४६।

गजेंद्र—(?)
कोकशास्त्र (पद्य)→सं० ०१-७४।

गजेंद्रमोक्ष (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। र० का० सं० १९२८। वि० गज और ग्राह की कथा। (संस्कृत से अनूदित)।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।
→०५-५२।

गजेंद्रमोक्ष (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गजेंद्र मोक्ष की पौराणिक कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१५४।

गजेंद्रमोक्ष कथा (पद्य)—बिहारीलाल कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दौलतराम मटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३२-२६।

गढ़पथैनारासो (पद्य)—अन्य नाम 'पथैनारासो'। चतुरराय कृत। वि० भरतपुर के अंतर्गत गढ़ पथैना पर अली सहादतखाँ के आक्रमण का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१०६।

गणकआल्हादिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत। र० का० सं० १८८४। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराव, पुरवा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।
→२६-१६६ ए।
(ख) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—ठा० रामकरनसिंह, सुदनापुर, डा० गौरा (सुलतानपुर)। →
सं० ०१-३५८ ख।
(ग) लि० का० सं० १९१२।
प्रा०—श्री चक्रदीन त्रिपाठी, मानपुर (सीतापुर)।→२६-१६६ बी।
(घ) प्रा०—पं० मिट्ठूलाल मिश्र अध्यापक, फिरोजाबाद (आगरा)। →
२६-२८४ ए।
(ङ) प्रा०—पं० लखीमचंद मिश्र, गली मिश्रान, फिरोजाबाद (आगरा)।
→२६-२८४ बी।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३५८ क ।

गणपत (पांडा)—ब्राह्मण (पांडा) ।

देवतों की प्रकमा (परिक्रमा) (पद्य)→सं० १०–२३ ।

गणपति—सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→सं० ०४–५८ ।

गणपति कृष्ण चतुर्थी व्रत कथा (पद्य)—हरिवंशराय कृत । वि० गणेश चतुर्थी व्रत का माहात्म्य ।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़ ।→०६–२६१ बी (विवरण अप्राप्त) ।

गणपति माहात्म्य (पद्य)—किशोरदास कृत । र० का० सं० १६०० । लि० का० सं० १६१३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़ ।→०६–६१ ए ।

गणराम (ऋषि)—(?)

सगुनौटी (अंकारवल) (गद्य)→सं० ०१–७५ ।

गण विचार (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि० का० सं० १६१७ । वि० पिंगल ।

प्रा० – ठा० अनिरुद्धसिंह, सहायक प्रबंधक, नीलगाँव, नीलगाँव राज्य (सीतापुर)। →२३–८६ के ।

गणिका चरित्र (पद्य)—मंगलदेव कृत । र० का० सं० १६३२ । लि० का० सं० १६४० । वि० गणिका के अवगुणों का वर्णन ।

प्रा०—श्री जयसुखराम, मंगलपुर, डा० मारहरा (एटा) ।→२६–२२८ ।

गणित चंद्रिका (गद्यपद्य)—धीरजसिंह कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० गणित ।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर ।→०६–३० ए ।

गणित निदान (गद्य)—मोहनलाल कृत । र० का० सं० १६०६ (१६११) । वि० गणित ।

(क) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—ठा० हरिहरसिंह, मुहल्ला छावनी, एटा ।→२६–२३२ सी ।

(ख) लि० कं० सं० १६१३ ।

प्रा०—लाला हरकिसनराय वैद्य, जाजमऊ, डा० हाथरस (अलीगढ़) ।→ २६–२३२ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—लाला रामदयाल पटवारी, गूदरपुर, डा० बिलग्राम (एटा) ।→ २६–२३२ ए ।

गणित पहाड़ो (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गणित ज्योतिष और बारहमासी आदि ।

प्रा०—श्री प्यारेलाल-ठाकुर, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा) ।→२६–३७२ ।

गणित प्रकाश (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत। र० का० सं० १६०७ (प्रथम भाग), सं० १६१३ (द्वितीय भाग), सं० १६११ (तृतीय भाग)। वि० गणित।

प्रथम भाग

(क) लि० का सं० १६१०।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, देवीपुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६–३१६ ए।

द्वितीय भाग

(ख) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—लाला रामदयाल पटवारी, गूदरपुर, डा० बिलग्राम (एटा)।→ २६–३१६ बी।

(ग) मु० का० सं० १६२२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१२५।

तृतीय भाग

(घ) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—लाला रामदयाल, बाजनगर, डा० नौखेड़ा (एटा)।→२६–३१६ सी।

गणित बोधिनी (प्रथम भाग) (गद्यपद्य)—शोभाराम (महाराज) कृत। वि० गणित।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४२४।

गणित सार (पद्य)—भीमजू कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १६२६। वि० गणित और जमीन का हिसाब किताब।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़। →०६–१३७ (विवरण अप्राप्त)।

गणेश—कायस्थ। बनवारी (दतिया) निवासी। दतिया के राजा परीक्षित के आश्रित। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।

गुणनिधि सार (पद्य)→०६–३२ ए।

दफ्तरनामा (पद्य)→०६–३२ बी।

गणेश—भरतपुर नरेश महाराज बलवंतसिंह (ब्रजेंद्र) के आश्रित। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।

ब्याहविनोद (पद्य)→१७–५४।

गणेश—मलामा (मलावाँ या मल्लावाँ) के निवासी। संभवतः वहीं के राजा राजमनि के आश्रित। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

रसवल्ली (पद्य)→०६–८२; २३–११२; सं० ०४–५६।

गणेश—आगरा निवासी। पिता का नाम जगन्नाथ। रामचंद्र के शिष्य। इन्होंने साँवलदास माहौर के पुत्र नत्थामल के लिये ग्रंथ रचना की थी। सं० १६२१ के लगभग वर्तमान।

परतत्व प्रकाश (पद्य)→२६–१२४ ए, बी; २६–१०५ ए, बी।

गणेश (कवि)—वास्तविक नाम गणेशप्रसाद। गुलाब कवि के पुत्र। लाल कवि के पौत्र। वंशीधर के पिता। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह और ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित। सं० १८९६ में वर्तमान।→२०–१२।
कालिकाष्टक (पद्य)→४१–४७ क।
जनकवंश वर्णन (पद्य)→४१–४७ ख।
त्रिवेणीजू के कवित्त (पद्य)→४१–४७ ग।
बाल्मीकि रामायण (श्लोकार्थप्रकाश) (पद्य)→०३–२४।
रामचंद्र वंश वर्णन और झाँकी वर्णन (पद्य)→४१–४७ घ।
हनुमत पच्चीसी (पद्य)→०६–८३।

गणेश कथा (पद्य)—केशरी कृत। वि० गणेश व्रत कथा।
प्रा०—पं० घनश्यामदास, उदी अवारी (इटावा)।→३८–८०।

गणेश कथा (पद्य)—अन्य नाम 'संकटचौथी महिमा'। केशवराय कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८४०।
प्रा—श्री शिवदुलारे, बरनापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–२३२।
(ख) लि० का० सं० १८४०।
प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, बेहदरकला, डा० संडीला (हरदोई)। → २९–१९१ बी।
(ग) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, फतेहाबाद (आगरा)।→२९–१९१ ए।
(घ) प्रा०—पं० दामोदरप्रसाद शर्मा, ओखरा, डा० कोटला (आगरा)। →२९–१९१ सी।
(ङ) प्रा०—पं० रामजी सारस्वत, जोंधरी, डा० नारखी (आगरा)। → २९–१९१ डी।

गणेश कथा (पद्य)—चिंतामणि (दूबे) कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १८७३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ। → सं० ०४–९६।

गणेश कथा (पद्य)—अन्य नाम 'गणेशचौथ की कथा', 'गणेशपुराण' और 'गणेश-माहात्म्य व्रत'। मोतीलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट। ('गणेशपुराण' का अनुवाद)।
(क) लि० का० सं० १७९९।
प्रा०—पं० रामशरण मिश्र, तिल्हापुर (इलाहाबाद)। →सं० ०१–३०६ ख।
(ख) लि० का० सं० १८९२।

प्रा०—पं० भवानीबक्स, उतारा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। → २३–२८२ ए।

(ग) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—पं० रामधन द्विवेदी, दीया, डा० कन्हैली (इलाहाबाद)। → सं० ०१–३०६ क।

(घ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०६–२००।

(ङ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—ठा० रामकरनसिंह, ढकवा, डा० श्रोयल (खीरी)। →२६–३०६ ए।

(च) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—ठा० महेशसिंह, कोहली बिचईसिंह का पुरवा, डा० कैसरगंज (बहराइच)। →२३–२८२ सी।

(छ) लि० का० सं० १६०३।

प्रा०—ठा० माधोराम, नौतला, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–२८२ डी।

(ज) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—ठा० छत्रसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)। →२३–२८२ बी।

(झ) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६–३०६ बी।

(ञ) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६–३०६ सी।

(ट) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →२६–३०६ डी।

(ठ) प्रा०—श्री पुजारी जी, मंदिर बेरू, जोधपुर। →०१–७६।

(ड) प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६–३०६ ई।

गणेश कथा (पद्य)—हुलासदास कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुरी, डा० धमौर (सुलतानपुर)। → सं० ०१–४६३।

गणेशचतुर्थी रो व्रत (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गणेशचतुर्थी व्रत कथा।

प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुरजा (बुलंदशहर)। → १७–२३ (परि० ३)।

गणेशचौथ की कथा→'गणेश कथा' (मोतीलाल कृत)।

गणेश जयति (पद्य)—रामरतन लघुदास कृत। लि० का० सं० १८६५। वि० स्तुति।

प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला (रायबरेली)। →सं० ०४–३३६ क।

गणेशजी की गुणमाला (पद्य)—गजपति कृत। र० का० सं० १७८६। वि० गणेश जी के गुण तथा नाम का वर्णन।

प्रा०—पं० बदनसिंह शर्मा, खाँड़ा, डा० बरहन (आगरा)।→३२-६०।

गणेशजू की कथा (पद्य)—माखनलाल कृत। लि० का० सं० १६५३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर। →०६-६६ ए।

गणेशजू की कथा (पद्य)—हरिशंकर (द्विज) कृत। र० का० सं० १६५१। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-२५८ (विवरण अप्राप्त) (सं० १८७४ की एक प्रति और है)।

गणेशदत्त—सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।

भागवत अवतरणिका (पद्य)→१७-५५।

गणेशदत्त—राजगढ़ निवासी।

मुहूर्त मुक्तावली (गद्य)→३२-६१।

गणेशदत्त—सं० १६४० के पूर्व वर्तमान।

सत्यनारायण की कथा (भाषा) (पद्य)→२६-१०६।

गणेशदत्त (मिश्र)—पिता का नाम भवानी शर्मा। बलरामपुर (गोंडा) के निवासी। पं० द्वारिकाप्रसाद पांडेय (जमीदार, लखाही, परगना बलरामपुर) के आश्रित। सं० १६५८ के पश्चात वर्तमान।

वैष्णव विलास (पद्य)→सं० ०४-६०।

गणेशदास—ब्राह्मण। राबी और चनाब के बीच में (मद्रदेश) कान्हा नामक गाँव के निवासी। रामसहाय के पुत्र। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

वैद्यप्रकाश (पद्य)→२६-१२३।

गणेशपुराण→'गणेश कथा' (मोतीलाल कृत)।

गणेश पूजा तथा होम विधि (पद्य)—माखनलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८००।

प्रा०—श्री आनंदीलाल दूबे, बमरौलीकटारा (आगरा)। →२६-२२३ ए।

(ख) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—लाला देवीराम पटवारी, अगसौली (अलीगढ़)।→२६-२२३ बी।

गणेशप्रसाद—फरुखाबाद निवासी। पिता का नाम लेखराज। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।

गायन संग्रह (पद्य)→२६-१०७ ई।

दानलीला (पद्य)→२६-१०७ सी।

देवस्तुति संग्रह (पद्य)→२६-१०७ डी।

प्रेम गीतावली (पद्य)→२६-१०७ एच।

बारहमासा विरहिनी (पद्य) २६–१०७ ए; सं० ०४–६१ ।
बुद्धिविलास (पद्य)→२६–१२५ ए ।
भ्रमरगीत संवाद (पद्य)→२६–१०७ बी ।
मलका मुअज्जम का दरबार देहली (पद्य)→२६–१०७ जी ।
रागमनोहर (पद्य)→२६– ०७ आई ।
रागरत्नावली (पद्य)→२६–१२५ बी; २६–१०७ जे ।
रामकलेवा (पद्य)→२६–१०७ के ।
रुक्मिणी मंगल (पद्य)→२६–१०७ एल ।
हिंडोला राधाकृष्ण (पद्य)→२६–१०७ एफ ।

गणेशप्रसाद→'गणेश (कवि)' (गुलाब कवि के पुत्र) ।

गणेश माहात्म्य व्रत→'गणेश कथा' (मोतीलाल कृत) ।

गणेश माहात्म्यांतर्गत संकटव्रत कथा→'संकटव्रत कथा' (हरिशंकर द्विज कृत) ।

गणेशव्रत कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७० । वि० गणेश जी की उत्पत्ति, महिमा और फल वर्णन ।
प्रा०—सेठ मगनीराम सौदागर, लखीमपुर (खीरी)→२६–२२ (परि० ३) ।

गणेशव्रत कथा→'गणेश कथा' (केशवराय कृत) ।

गणेशशंकर—सं० १८४२ के लगभग वर्तमान ।
फुटकर संग्रह (पद्य)→२३–११३ ।

गणेश स्तोत्र (पद्य)—रत्न (द्विज) कृत । लि० का० सं० १६४७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा० –श्री सीताराम समारी, कला अध्यापक, हाईस्कूल, पन्ना ।→०६–३२१ (विवरण अप्राप्त) ।
टि० पुस्तक के आरंभ में उल्लिखित 'बिहारी' या तो कवि का उपनाम है या किसी अन्य व्यक्ति का नाम है ।

गणेशीलाल—(?)
भारत का इतिहास (पद्य)→२०–४६ ।

गदाधर (त्रिपाठी)—शांडिल्य गोत्रीय ब्राह्मण । बाँसी परगने के अंतर्गत तिवाड़ीपुर ग्राम के निवासी । पिता का नाम सूर्यमणि और पितामह का नाम दलसिंगार । पं० रंगीलाल माथुर और तिवाड़ीपुर के राजा रामसिंह के आश्रित । सं० १६३१ के लगभग वर्तमान ।
औषधि सुधा तरंगिणी (गद्य)→सं० ०४–६२ क, ख ।

गदाधर (भट्ट)—अष्टछाप वाले कृष्णदास के शिष्य । वृंदावन निवासी वैष्णव । सं० १६३२ के लगभग वर्तमान ।
गदाधर भट्ट की बानी (पद्य)→००–३; ०६–८'; २६–१००; ४१–४८६ (अप्र०) ।
ध्यानलीला (पद्य)→१२–५४ ।

गदाधर (शुक्ल)—पारा (?) निवासी। किसी रामसिंह ठाकुर के आश्रित। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

सत्यप्रबंध (पद्य)→सं० ०४–६३।

गदाधर भट्ट की बानी (पद्य)—गदाधर (भट्ट) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–३।

(ख) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–४८६ (अप्र०)।

(ग) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, अवैतनिक मजिस्ट्रेट, बृंदावन (मथुरा)। →०६–८१।

(घ) प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)→२६–१००।

गनगौर के ख्याल (गीत) (पद्य)—महादास कृत। लि० का० सं० १६२३। वि० त्यौहारों पर गाये जाने वाले गीत।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२७८।

गन्नराम (गन्नूराम)—संभवतः राजपूताना निवासी।

विरह वर्णन बारहमासी (पद्य)→२६–१३० ए, बी।

गबीजी→'गैबी जी' (कोई संत)।

गबीजी की सबदी (पद्य)—गैबी जी कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३५ क।

गयाप्रसाद (कायस्थ)—दाऊद गाँव (एटा) के निवासी। अनंतर जबलपुर में रहने लगे। सं० १६४६ के पूर्व वर्तमान।

भजनावली (पद्य)→२६–११३।

गया महात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवकुमार उपाध्याय, द्वारा पं० इंद्रजीत वकील, बाह (आगरा)। →२६–३७८।

गयासुद्दीन (सुलतान)—दिल्ली के बादशाह। रामेश्वर भट्ट के आश्रयदाता।→ सं० ०४–३४६।

गरति (जन)—सं० १८५५ के लगभग वर्तमान।

रागमाला (पद्य)→२६–१३१।

गरवावली रामायण (पद्य)—प्रेमरंग कृत। वि० बाल्मीकि रामायण के आधार पर रामचरित्र वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२२२ ग।

गरीब (सिद्ध)—धूँधलीमल सिद्ध के शिष्य। सं० १४४२ के लगभग वर्तमान। लाखड़ी में इनका आश्रम है।

सबदी (पद्य)→सं० १०–२५।

गरीब जू→'रामगरीब (चौबे)' ('कवित्त' के रचयिता)।

गरीबदास—संभवतः गुलाल साहब के शिष्य।

भक्तन कै नाममाला या भक्त बछावली (पद्य)→४–४८।

गरीबदास—(?)

गंगाष्टक (पद्य)→२६–१३२।

गरीबदास—(?)

राग संग्रह (पद्य)→३२–६४।

गरीबदास (स्वामी)—दादूपंथी साधु। दादू जी के शिष्य और दादू के पश्चात गद्दी के महंत।

अनभैप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)→०२–६५; ४१–४८७ (अप्र०); सं० ०७–३० क; सं० १०–२४ क।

आरती (पद्य)→३५–२७।

चौबोला (पद्य)→सं० १०–२४ ख।

पद (पद्य)→सं० ०७–३० ख; सं० १०–२४ ग।

साखी (पद्य)→सं० ०७–३० ग; सं० १०–२४ घ।

गरुड़पुराण (गद्य)—बुलाकराम कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मटोलीराम मिश्र, ग्राम तथा डा० अछनेरा (आगरा)।→३२–३३।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६२४। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६४७।

प्रा०—पं० मुरलीधर दूबे, लहरपुर (सीतापुर)।→२६–२३ (परि० ३)।

(ख) प्रा०—लाला गंगोत्रीप्रसाद, आल्हापुरा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–२३ (परि० ३)।

(ग) प्रा०—पं० महावीर पांडेय, संग्रामपुर, डा० माधौगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–२३ (परि० ३)।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, डा० बाह (आगरा)→२६–३७७।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामजी सारस्वत, ग्राम तथा डा० जौंधरी (आगरा)।→२६–३७६।

गरुणपुराण (भाषा) (गद्य)—बलदेव (सनाढ्य) कृत। लि० का० सं० १८११।

वि० गरुणपुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री चिरंजीलाल पुरोहित, ग्राम तथा डा० बरसाना (मथुरा)।→३५–८।

गरुणपुराण (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१८।

वि० पुराण।

प्रा०—श्री गोविंदराम ब्राह्मण, हिंगोट खिरिया, डा० बमरौलीकटारा (आगरा)। →२६–३७५।

गरुणपुराण (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पुराण।

प्रा०—श्री पं० गिरवरलाल, खाँडा, डा० बहरन (आगरा)।→२६–३७४।

गरुणबोध (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० गरुण ब्रह्मा संवाद।

(क) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—लाला गंगादीन, गुलामअलीपुर (बहराइच)। →२३–१६८ ई।

(ख) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४७७ च (अप्र०)।

गर्गप्रश्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शकुन।

प्रा०—पं० केशवदेव, अगनेर (आगरा)।→२६–३७३।

गर्भसंहिता (भाषा)→'प्रेमसागर (बलभद्र खंड)' (जयदयाल कृत)।

गर्भगीता (गद्य)—सुखदास कृत। वि० गुरु की महिमा।

(क) लि० का० सं० १८१२।

प्रा०—लाला रामस्वरूप, लमौरा, डा० रामपुर (एटा)→२६–२३४ एफ।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० देवनंद मिश्र, हबीबगंज, अलीगढ़।→२६–२३४ डी।

(ग) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५४४ (अप्र०)।

(घ) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० रामऔतार अध्यापक, नगला वीरसिंह, डा० मारहरा (एटा)।→ २६–२३४ ई।

गर्भगीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री कृष्ण का अर्जुन को ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—पं० रामनाथ मिश्र, इमलिया, डा० सदारपुर (सीतापुर)।→ २६–२४ (परि० ३)।

(ख) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—वैद्य रामभूषण, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। २६–२४ (परि० ३)।

(ग) प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी, गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)।→ २६–२४ (परि० ३)।

गर्भगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५०७।

गर्भचिंतामणि (पद्य)—जयलाल कृत। वि० गर्भ के कष्ट, जन्म के अनंतर प्राप्त होने वाले सुख दुख तथा वैराग्य का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—लाला श्यामसुंदर पटवारी, सराय रहमत खाँ, डा० विजयगढ़ (अलीगढ़)। →२६–१७४ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१४ ।
प्रा०—पं० गयादीन, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर) ।→२६–२०४ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर) ।→२६–२०४ बी ।
(घ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१७४ बी ।

गल्लू जी (गोस्वामी)—(?)
राधारमण के नित्य कीर्तन के पद (पद्य)→२६–१२२ ।

गल्लू जी (महाराज)—उप० गुणमंजरीदास । गौड़ीय संप्रदाय के आचार्य । वृंदावन निवासी प्रसिद्ध कवि । गो० राधाचरण के पिता । सं० १६१० के लगभग वर्तमान ।
मंगलआरती (पद्य)→२६–१०३ ए ।
सुरमावारी (पद्य)→२६–१०३ बी ।

गहरगोपाल—गोकुल (मथुरा) निवासी । वल्लभ संप्रदायानुयायी । कोटा नरेश विजयसिंह, अमेठी के बख्तेश तथा इच्छाराम के आश्रित । १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
अष्टोत्तर वैष्णवधौल (पद्य)→३२–५६ डी ।
कवित्त चयन (पद्य)→३२–५६ ए ।
मन प्रबोध (पद्य)→३२–५६ सी ।
शृंगार मंदार (पद्य)→३२–५६ बी ।
संगीत पचीसी (पद्य)→३२–५६ ई ।

गाँजर की लड़ाई (पद्य)—टिकैतराय कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० आल्हाछंद में गाँजर की लड़ाई का वर्णन ।
प्रा०—बाबा देवगिरि, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़) ।→२६–३२३ ।

गाजरयुद्ध→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत) ।
गाडूराम→'बागीराम और गाडूराम' (भाई भाई और सहयोगी कवि) ।
गाने की पुस्तक→'रागसार' (हरिविलास कृत) ।
गाने के पद→'रागसार' (हरिविलास कृत) ।

गायनपद (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० सं० १८३४ । वि० संगीत ।→ पं० २२–६१ बी ।

गायन संग्रह (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि० का० सं० १६३६ । वि० संगीत ।
प्रा०—लाला गूजरमल, गढ़िया, डा० उमरगढ़ (एटा) ।→२६–१०७ ई ।

गायन संग्रह (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० संगीत ।
प्रा०—श्री गंगासिंह चौधरी, विशुनपुर, डा० धूमरी (एटा) ।→२६–२४७ सी ।

गायन संग्रह (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि० का० सं० १६२७। वि० संगीत।
प्रा०—पं० शिवमहेश, विशुनपुर, डा० अलीगंज (एटा)।→२६–२८५।

गारी ज्ञान की (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८८६। वि० निर्गुण ज्ञान।
(क) लि० का सं० १६२७।
प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० बेहड़ा (बहराइच)।→२६–११६सी।
(ख) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—बाबा रामगिरि महंत, केसोपुरा, डा० तंबौर (सीतापुर)।→२६–११६ डी।

गिरधर→'गिरिधर (कविराय)' ('कुंडलिया' के रचयिता)।

गिरधरचंद्र—(?)
दानलीला (पद्य)→२६–१३६।

गिरधरजी की मुरली (पद्य)—हरदास कृत। र० का० सं० १६२७। वि० राधिका का विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६२७।
प्रा०—ठा० गंगासिंह, मझगवाँ, डा० ओयल (खीरी)।→२६–१६६ ए।
(ख) लि० का० सं० १६२७।
प्रा०—पं० रामनाथ पुजारी, ग्राम तथा डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–१६६ बी।

गिरधरदास→'गिरधारी' (गंगाराम के पुत्र)।

गिरधरलाल—अठारहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान।
नायिकाभेद (पद्य)→२३–१२३।

गिरधारी—पिता का नाम गंगाराम। कड़ा मानिकपुर (संत मलूकदास का निवास स्थान) के निवासी। सं० १७०५ के लगभग वर्तमान।
भक्ति माहात्म्य (पद्य)→०६–६४; २३–१२५ ए, बी; ४१–४८६ (अप्र०); सं० ०४–६५ क, ख, ग; सं० ०७–३१।

गिरवरदास—स्वा० जगजीवनदास के पौत्र। पिता का नाम जलालीदास। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।
तीरथ के पंडा (पद्य)→सं० ०४–११६।
बानी या शब्दावली (पद्य)→सं० ०४–६४ ग।
भक्तिविनय दोहावली (पद्य)→२०–५०; २३–१२८ ए, बी; २६–१४२; सं० ०४–६४ क, ख।
शब्द (पद्य)→सं० ०१–८१।

गिरवरधर लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत। र० का० सं० १८५२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–२२३ डी।

गिरवर विलास (पद्य)—उदय (कवि) कृत । र० का० सं० १८४५ । वि० कृष्ण का गोवर्धन पहाड़ उठाना ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ ई ।

गिरिजाबख्शसिंह—पुरवा रणजीत (उन्नाव) निवासी । विधिरानी के पति ।→ २६-३३५ ।

गिरिजेंद्रप्रसाद—अन्य नाम राजेंद्रप्रसाद ।
दानलीला (पद्य)→२३-१२७ ।

गिरिधर—वल्लभसंप्रदाय की तृतीय पीठ (काँकरोली) के संस्थापक । गो० बालकृष्ण जी के पौत्र । गो० द्वारिकेश्वर जी के पुत्र । सं० १६६२ से सं० १७१६ तक वर्तमान ।
समर्पण श्लोक गद्यार्थ की टीका (गद्य)→सं० ०१-७८ ।

गिरिधर—संभवतः होलपुर (बाराबंकी) निवासी । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।
रसमसाल (पद्य)→०६-६२ ।

गिरिधर—(?)
शकुनावली (पद्य)→सं० ०१-७६ ।

गिरिधर—हम्मीरपुर निवासी । सुदर्शन वैद्य के पिता । सं० १७२६ के पूर्व वर्तमान । →०५-८७ ।

गिरिधर (कविराय)—कोई भाट । संभवतः सं० १७७० में गंगा यमुना के मध्यभाग में किसी स्थान में जन्म ।
कुंडलिया (पद्य)→०६-१६७; २३-१२६ ।

गिरिधर (गोस्वामी)—गो० विट्ठलनाथ के पुत्र । जदुनाथ गोस्वामी के वंशज । ब्रज निवासी ।
मुहूर्त मुक्तावली (गद्य)→०६-१६८ ए ।

गिरिधर (भट्ट)—ब्राह्मण । गौरिहर (बाँदा) निवासी । सं० १८८६ के लगभग वर्तमान ।
भावप्रकाश (पद्य)→०६-३८ सी ।
राधानखशिख (पद्य)→०६-३८ ए ।
सुवर्णमाला (पद्य)→०६-३८ बी ।

गिरिधर (लाल)—गो० गोपाललाल के पुत्र । काशी के गोपाल मंदिर के अध्यक्ष । वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→००-६ ।
मुकुंदरायजी की वार्ता (गद्य)→ ०६-६३ ।

गिरिधरदास—उप० गोपालचंद । भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र के पिता । काशी निवासी । जन्मकाल सं० १८८१ । केवल २७ या २८ वर्ष की अवस्था में स्वर्गस्थ । लगभग ४० ग्रंथों के निर्माता ।
कथामृत (पद्य)→४१-४६ ।
कृष्णचरित्र कवितावली (पद्य)→१२-६० ए ।
नहुष नाटक (पद्य)→सं० ०१-७७ ।

बलराम कथामृतांतर्गत विदुरनीति (पद्य)→२६–१४० ।

बुधकथा (?) (पद्य)→१२–६० बी; ४१–४८८ (अप्र०) ।

गिरिधरदास—उप० गिरिधारी । संतनपुरवा (लालगंज, रायबरेली) निवासी । यहाँ इनके वंशज अभी तक रहते हैं । सं० १८४७ के लगभग वर्तमान ।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→ २–६१; २३–१२४ ए; २६–१४१; सं० ०४–६६ ख, ग, घ ।

रहस्यमंडल (पद्य)→२३–१२४ बी ।

श्यामश्यामा चरित्र (पद्य)→२६–११७ ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→२३–१२४ सी; सं० ०४–६६ क ।

गिरिधरनाथ (नाथ कवि)—(?)

रसिक श्रृंगार (पद्य)→३८–५२ ।

गिरिधरलाल (गोस्वामी)—काँकरोली निवासी । गो० पुरुषोत्तम के पुत्र । सं० १६३३ के लगभग वर्तमान ।

गिरिधरलालजी के वचनामृत (गद्य)→सं० ०१–७६ ख ।

द्वारिकानाथजी के घर की उत्सवमालिका (रीति) (गद्य)→सं० ०१–७६ क ।

गिरिधरलाल (गोस्वामी)—पिता का नाम ब्रजभूषण ।

सर्वोत्तम स्तोत्र की संस्कृत टीका का हिंदी पद्यानुवाद (पद्य)→सं० ०१–८० ।

गिरिधरलालजी के वचनामृत (गद्य)—गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत । र० का० सं० १६३३ । वि० धर्म विवेचन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–७६ ख ।

गिरिधारी—ये तथा इनके चार मित्र—गिरिधारीलाल, रामकृष्ण, सुखलाल, और ननवाँ शुक्ल ख्याल लिखने में प्रसिद्ध थे ।

ख्याल वर्षा पद्य)→दि० ३१–३३ ।

गिरिधारी→'गिरधारी' ('भक्ति माहात्म्य' के रचयिता) ।

गिरिधारी→'गिरिधरदास' ('भागवत दशमस्कंध भाषा' के रचयिता) ।

गिरिधारी→'गिरिधरदास' (भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र के पिता) ।

गिरिधारीलाल—कोटला (आगरा) निवासी । सं० १६२७ में वर्तमान ।

अश्वचिकित्सा (पद्य)→२६–११६ ।

गिरिधारीलाल—आगरा निवासी । औरंगजेब के समकालीन । सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान ।

पिंगलसार (पद्य)→२६–११८ ।

गिरिधारीलाल—समाँयूँ निवासी । सं० १६३० में वर्तमान ।

मापमार्ग (पद्य)→२६–१२० ।

गिरिधारीलाल—गिरिधारीसिंह के मित्र । ख्याल लिखने में प्रवीण ।→दि० ३१–३३ ।

गिरिप्रसाद—विश्वामित्रपुर के राजा जयकृष्ण के पुत्र। अंगद शास्त्री के आश्रयदाता।→ २६–१६।

गिरिराज वर्णन (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० गोवर्द्धन पर्वत की शोभा का वर्णन।

प्रा०—पं० हरिदत्त, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–१८६ ए।

गिरिवरसमौ (पद्य)—रूपराम कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३६४।

गींदोली जगमाल री बात (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० किसी बादशाह की पुत्री गींदोली और कुँवर जगमाल की कहानी।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३५२।

गीत (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १६३१। वि० राम महिमा।

प्रा०—श्री रामकृष्ण ज्योतिषी, गौरहार।→०६–२१६ ए (विवरण अप्राप्त)।

गीतगुटका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–१६३।

गीतगोविंद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→४१–३५३।

गीतगोविंद (अमृत भाष्य) (गद्य)—भगवानदास कृत। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—पं० शिवपूजनप्रसाद मिश्र, मिश्र जी की मठिया, डा० बैरिया (बलिया)। →४१–१६६।

गीतगोविंद (भाषा) (पद्य)—वैष्णवदास कृत। र० का० सं० १८१४। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–३२४।

(ख) प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→ ४१–२५८।

गीतगोविंद (भाषा पद्यानुवाद) (पद्य)—मथुरानाथ कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२७१।

गीतगोविंद और फुटकर पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विभिन्न कवियों का संग्रह।

प्रा०—बाबू रामचंद्र टंडन बी० ए०, रामभवन, शहजादपुर (फैजाबाद)।→ १७–२४ (परि० ३)।

गीतगोविंद की टीका (पद्य)—नारायण कृत। र० का० सं० १६२० (?)। वि० राधाकृष्ण की भक्ति और उनकी केलि क्रीड़ा।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, कन्हैयाला रोड, एशबाग, लखनऊ ।→ सं० ०७-१०६ ।

टि० प्रस्तुत प्रति संभवतः रचनाकार की स्वहस्तलिखित प्रति है ।

गीतगोविंद टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९१० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह, रजनपुर (गंगासिंह का पुरवा), डा० तिलोई (रायबरेली) ।→सं० ०४-४५२ ।

गीतगोविंद सटीक (पद्य)—अन्य नाम 'गीतगोविंदार्थ सूचनिका' । चिंतामणि कृत । र० का० सं० १८१६ । वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—श्री हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा) ।→२६–७१ ए ।

(ख) प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर। ।→१७–४१ ।

गीतगोविंदादर्श (पद्य)– रायचंद्र (नागर) कृत । र० का० सं० १८३१ । वि० गीतगोविंद का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १९०३ ।

प्रा०—श्री जगदेवसिंह, सरैयाँ भवानीतेरी, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४११ए ।

(ख) लि० का० सं० १९२६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६६ ।

(ग) लि० का० सं० १९३० ।

प्रा०—श्री नारायण, तुरमुरारपुर, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६–४११ बी ।

(घ) लि० का० सं० १९३३ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१६३ ।

(ङ) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा०—ठा० रामकरनसिंह, ढकवा, डा० ओयल (खीरी) ।→२६–४११ सी ।

गीतगोविंदार्थ सूचिका→'गीतगोविंद सटीक' (चिंतामणि कृत) ।

गीतचिंतामणि (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत । (अनेक अप्रसिद्ध कवियों की कविताओं का संग्रह) । वि० राधाकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→००–६१; १२–६६ ।

गीतमंजूषा (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० विवाह, वल्लभाचार्य जी का अवतार और होलिकोत्सव आदि ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५–१७३ ।

गीतमालिका (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति और शृंगार ।

प्रा०—श्री खेमचंद्र, पाली, डा० अड़ींग (मथुरा) ।→३५–१७४ ।

गीत या चौबीस तीर्थंकर स्तवन (पद्य)—जिणराजसूरि (जिनराजसूरि) कृत। लि० का० सं० १७४७ के लगभग। वि० चौबीस जैन तीर्थंकारों की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-६२।

गीत रघुनंदन प्रमानिका टीका सहित (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० जमुनादास कृत 'गीतरघुनंदन' की टीका।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राजकीय पुस्तकालय), रीवाँ।→००-४४।

गीत रतन (पद्य)—रामभरोसेदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा (बलिया)।→४१-२२७ ग।

गीत शतक (पद्य)—धर्मकुँवरि कृत। वि० प्रेम तथा भक्ति।
प्रा०—पं० सियाराम हलवाई, बकेवर (इटावा)।→३८-४१।

गीत शत्रुंजय (पद्य)—उदितनारायणसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०४। वि० हनुमान जी की स्तुति।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-१०६।

गीत संग्रह (?) (पद्य)—आनंदी (कवि) कृत। वि० सीताराम और राधाकृष्ण का गुणानुवाद।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद तिवारी, निगोहाँ (लखनऊ)।→२६-१३।

गीत संग्रह (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) (रसनिधि) कृत। वि० कृष्ण संबंधी गीतों का संग्रह।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-६५ डी।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि (रसिकराइ, विट्ठल, गिरधर आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्रीगोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५-१७०।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० वसंत वर्णन, राधाकृष्ण विहार आदि।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-१६७।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—ला० सूर्यनारायण, अजीतमल (इटावा)।→३५-१७१।

गीत संग्रह (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण प्रेम, विवाहोत्सव आदि।
प्रा०—गोकुलविहारी का मंदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा)।→३५-१६८।

गीत संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम, मल्हार, हिंडोरा आदि।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–१६६ ।

गीत सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० राम कथा, विजयादशमी, गोवर्धनलीला आदि ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–१७२ ।

गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा ।→३८–१७४ ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० (?) । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३५४ ।

टि० इसमें गीता के १८ वें अध्याय का माहात्म्य और गर्भगीता भी है ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८२३ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४५३ ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–२५ (परि० ३) ।

गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० बच्चा पांडेय, हुसनपुर, डा० जखनिया (गाजीपुर) ।→सं० ०७–२२४ ।

गीता→'भगवद्गीता' ।

गीता (भाषा) (पद्य)—गंगादास कृत । लि० का० सं० १६१८ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती) ।→सं० ०४–५४ क ।

गीता (भाषा) (पद्य)—थेघनाथ कृत । र० का० सं० १५५७ । लि० का० सं० १७२७ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१४६ ।

गीता (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६२ । वि० गीता माहात्म्य ।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद पुरोहित, शहजादपुर (फैजाबाद) ।→१७–२६ (परि० ३) ।

गीता (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८४४ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—पं० सदाशिव, बदत्पापुर (जौनपुर) ।→सं० ०१–५०८ ।

गीता (भाषा)→'गीता (भाषानुवाद)' (रसिकविहारीलाल कृत) ।

गीता (भाषा टीका) (गद्य)—किशोरीदास कृत । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४३ ।

गीता (भाषा टीका) (पद्य)—कृष्णराम संतोषिया (चक्रवर्ती) कृत । लि० का० सं० १६२३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५४ ।

गीता (भाषानुवाद) (पद्य)—रसिकविहारीलाल कृत । लि० का० सं० १६२१ ।

वि० गीता का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२२० ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४–५६ ।

टि० खो० वि० ०४–५६ में रचनाकार का नाम भूल से तुलसीदास मान लिया गया है ।

गीता का पद्यानुवाद→'भगवद्गीता (भाषा)' (हरिवल्लभ कृत) ।

गीता की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ ।→ सं० ०७–२२५ ।

गीता की टीका सुबोधिनी→'भागवत गीता (भाषा)' (जयराम कृत) ।

गीता के अठारहवें अध्याय का माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३५८ ।

गीता ग्रंथ सार (गद्यपद्य)—बलरामदास कृत । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२३२ ।

गीता ज्ञान→'अर्जुनगीता' (कुशलसिंह कृत) ।

गीता ज्ञान (भाषा)→'भगवद्गीता (भाषा)' (हरिवल्लभ कृत) ।

गीता ज्ञान सागर (पद्य)—बुलाकीनाथ (बाबा) कृत । लि० का० सं० १८३३ । वि० हरिहरपुराण के आधार पर केवट केवटनी, धरती, वनस्पति और पशुसंवाद आदि ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१६४ ग ।

गीता प्रकाश→'भगवद्गीता सटीक' (आनंदराम कृत) ।

गीता भाष्य→'भगवतगीता' (हरदेव गिरि कृत) ।

गीता माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'पद्मपुराण' । भगवानदास (निरंजनी) कृत । वि० पद्मपुराणांतर्गत गीता माहात्म्य का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—पं० सरयूप्रसाद, महरू, डा० मटेरा (बहराइच) ।→२३–४२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बौड़ी (बहराइच) ।→२३–४२ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—ठा० अनिरुद्धसिंह, सहायक व्यवस्थापक, नीलगाँव राज्य (सीतापुर)। →२३-४२ सी।

(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०१-२५१।

गीता माहात्म्य (पद्य)—सेवादास (सेवाराम) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामस्वरूप, कोसी (मथुरा)। →३२-१६८ सी।

गीता माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८२१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद। →४१-३५६।

गीता माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८२३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०४-४५४।

गीता माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० उमरावसिंह, जखैथ्या (बुलंदशहर)। →१७-२५ (परि० ३)।

गीता रामरत्न →'अर्जुनगीता' (कुशलसिंह कृत)।

गीतावली (पद्य)—अन्य नाम 'गीतावली रामायण, 'रामगीता' और 'राम गीतावली'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० रामचरित्र।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़। →२६-४८४ आर।

(ख) लि० का० सं० १८२३।

प्रा०—भारती भवन, इलाहाबाद। →१७-१६६ ई।

(ग) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। →२३-४३२ पी।

(घ) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४-६०।

(ङ) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० जयानंद मिश्र, बालूजी का फरस, रामघाट, वाराणसी। →४१-५०० ख (अप्र०)।

(च) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—श्री बैजनाथ हलवाई, पुराना बाजार, असनी (फतेहपुर)। →२०-१६८ आई।

(छ) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० भगवानदीन मिश्र वैद्य, बहराइच। →२३-४३२ के।

(ज) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० संकठाप्रसाद अवस्थी, कोटरा (सीतापुर)। →२६-४८४ एस।

(झ) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—ठा० इंद्रजीतसिंह, अटोडर, डा० बौंड़ी (बहराइच) ।→२३-४३२ एन ।

(ञ) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—ठा० सुमेरसिंह, मीठना, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-३२५ एस[२] ।

(ट) प्रा०—पं० शिवसहाय, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। →२३-४३२ एल ।

(ठ) प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह रईस, जगनेर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर)। →२३-४३२ एम ।

(ड) प्रा०—पं० रामसुंदर मिश्र, कटघरी, डा० अकौना (बहराइच)। →२३-४३२ ओ ।

(ढ)→पं० २२-११२ बी ।

गीतावली (पूर्वार्द्ध) (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० रामचंद्र जी का यश, विहार और अयोध्यापुरी की शोभा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४-११४ ।

गीतावली रामायण→'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

गीता वार्त्तिक (गद्य)—भगवानदास कृत। र० का० सं० १७५६। लि० का० सं० १६१३। वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६-३५ ।

गीतासार (पद्य)—नवनदास अलखसनेही कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० भगवद्गीता का सारांश ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-३०४ (विवरण अप्राप्त) ।

गीतासार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५६। वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—श्री बेचनराम मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० जँघई (जौनपुर)। → सं० ०१-५०६ ।

गीता सुबोधिनी टीका (गद्यपद्य)—माधव कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—श्री मिहीलाल शर्मा, बेगनपुर, डा० फतेहाबाद (आगरा)। →२६-२१४ ।

गीतों का संग्रह (पद्य)—छत्रसाल कृत। वि० राधाकृष्ण प्रेम ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-२२ बी ।

गुंजाकल्प (पद्य)—गौरा कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० मारन मोहन, उच्चाटन, दृष्टिविस्तार आदि के प्रयोगों का वर्णन ।

प्रा०—श्री भिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती)।→ सं० ०४-८६ ।

गुटका के पद्मावत की टीका (गद्य)—लक्ष्मीदास (चतुर्वेदी) कृत। र० का० सं० १६३३। वि० राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के गुटके के पद्मावत की टीका तथा पर्याय शब्दों का वर्णन।

प्रा०—पं० भवदत्त शर्मा, अर्थलेखक (एकाउंटेंट), रियासत मुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी)। →३८-८८।

गुटका पूजन (पद्य)—द्यानतराय कुंदनलाल आदि कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० जैनस्तोत्र।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)। →३२-५८ ई।

गुणधर—जैन। वाराणसी (बनारस) निवासी।

रविव्रत कथा (पद्य)→३२-७०।

गुणनिधि सार (पद्य)—गणेश कृत। र० का० सं० १८८२। लि० का० सं० १८८७। वि० अलंकार, नायिकाभेद, सामुद्रिक, ज्योतिष, वैद्यक आदि।

प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुर, दतिया। →०६-३२ ए।

गुण प्रकाश (पद्य)—फतेहसिंह कृत। र० का० सं० १८०७। वि० गणित।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० माताप्रसाद दूबे, चंदनपुर, डा० फूलपुर (इलाहाबाद)। →२०-४८ बी।

(ख) प्रा०—लाला देवीदीन, अजयगढ़। →०६-३१ बी।

गुण बावनी (पद्य)—उदयराज कृत। र० का० सं० १६७६। लि० का० सं० १७७३। वि० ईश्वरस्तुति, नीति और धर्मोपदेश आदि।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहललोत, जोधपुर। →४१-१७।

टि० खो० वि० में भूल से पुस्तक का नाम 'उदैराजबावनी' मान लिया गया है।

गुणमंजरीदास→'गल्लू जी (महाराज)'।

गुणमाया संवाद जोग (ग्रंथ) (पद्य)—ध्यानदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-११६।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-६२ क।

गुणराजा री बात (पद्य)—अन्य नाम 'राजकीर्तन' और 'गुणराजाकृत (कृत्य)'। वाजिंद कृत। वि० किसी राजा के पूर्वजन्म की कथा के माध्यम से ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७०२।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१-५२४ (अप्र०)।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। →०२-७६।

(ग) प्रा०—पं० मदनगोपाल, विद्यापुर, डा० किरावली (आगरा) →३२-२२७ सी।

गुण रामरासो तथा रामरासो (पद्य)—अन्य नाम 'रामचंद्रजी रो रामरासो'। माधवदास (चारण) कृत । र० का० सं० १६७५ । वि० राम चरित्र ।
(क) लि० का० सं० १७७२ ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–५४१ (अप्र०) ।
(ख) लि० का० सं० १८०१ ।
प्रा०—ठा० भातीमलसिंह, जोधपुर ।→०१–८० ।
(ग) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२८८ ।

गुण विलास (पद्य)—सागरदान (चारण) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० आसोप (जोधपुर) के ठाकुर केशरीसिंह कूँपावत राठौर का यश और जीवन चरित ।
प्रा०—महात्मा ज्ञानचंद, जोधपुर ।→०१–८१ ।

गुण सागर (गद्यपद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १७५० । लि० का० सं० १७६६ । वि० राजा सुमति और रानी सत्यरूपा की कथा ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–८३ ।

गुण सागर—वास्तविक नाम गोकुल । अर्यलपुरी के मागध । सं० १७६६ के लगभग वर्तमान । संभवतः स्वप्न में गो० विट्ठलनाथ जी के शिष्य हुए थे ।
गुण सागर (पद्य)→१२–६६ ।

गुण सागर (पद्य)—गुणसागर (गोकुल) कृत । र० का सं० १७६६ । वि० वल्लभाचार्य की स्तुति ।
प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→१२–६६ ।

गुण सागर (पद्य)—राम (कवि) कृत । लि० का० सं० १८४२ । वि० श्रीकृष्ण की महिमा और स्तुति ।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३४५ ।

गुण सागर (पद्य)—रामराइ कृत । र० का० सं० १६७८ । वि० कामशास्त्र ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२२६ ।

गुण सागर (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→४१–३६० ।

गुण सागर (कोकसार) (पद्य)—ताहिर कृत । र० का० सं० १६७८ । वि० कोकशास्त्र ।
(क) लि० का० सं० १८११ ।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–३१६ ।
(ख) लि० का० सं० १८२७ ।
प्रा०—पं० छोटेलाल पहलवान, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–२ बी ।
(ग) लि० का० सं० १८४७ ।
प्रा०—पं० जयमंगलप्रसाद बाजपेयी, रमुआ (फतेहपुर) ।→२०–२ ए ।
(घ) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री भवानीदयालसिंह, ऐतवारा, डा० सथिन (सुलतानपुर) ।→ सं० ०४–१३६ ख ।

(ङ) प्रा०—पं० रामनेत, मंत्री, टीकमगढ़ राज्य, टीकमगढ़ ।→०६–३३५ । (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—श्री केदारनाथ मिश्र, हुलासपुरा, डा० भदोही (वाराणसी) ।→ सं० ०४–१३६ ग ।

गुणसागर (जैन)—(?) ।

सतर (सत्रह) भेद पूजा (पद्य)→००–६४ ।

गुणहरी रस (पद्य)—ईसरदास गढवी कृत । वि० विनय और भक्ति ।

(क) प्रा०—पं० तोताराम, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ ३२–६१ ए ।

(ख) प्रा०—लाला निन्नूमल अर्जीनवीस, शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ ३२–६१ बी ।

गुणादिबोध जोग (ग्रंथ) (पद्य)—ध्यानदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–६२ ख ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–११६ ।

गुनकठियारानाँमा (पद्य)—वाजिंद कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१३१ ख ।

गुनगंजनामा→'गंजनामा' (जगन्नाथ 'जन' कृत) ।

गुनदेव—(?)

कलियुग कथा (पद्य)→३२–६६ ।

गुननामा (गुननिरंजननामौ) (पद्य)—वाजिंद (बाबा) कृत । वि० निर्गुन ज्ञान ।

प्रा०—श्री दाताराम महंत, मेवली, डा० जगनेर (आगरा) ।→३२–२२७ ए ।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में 'निरंजनगुननामा,' 'गुनवबेरा' और 'गुनबिरहनामा' संगृहीत हैं ।

गुननिरंजननामौ→'गुननामा' (वाजिंद बाबा कृत) ।

गुनमाला (पद्य)—रायसिंह श्रीमाल कृत । र० का सं० १७१५ । वि० जैनदर्शन ।

प्रा०—श्री राधेश्याम ज्योतिषी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२–१८६ ।

गुनराजा कृत (कृत्य)→'गुणराजा री बात' (बाजिंद कृत) ।

गुनवती चंद्रिका (पद्य)—चंदरसकुंद कृत । वि० नखशिख और शृंगार ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–४१ ।

गुनीराम (श्रीवास्तव)—फतहपुर (बाराबंकी) निवासी । सं० १७६८ के लगभग वर्तमान ।

भवानीचरित्र (भाषा) (पद्य)→२३–१४२ ।

गुन्नूलाल (उपाध्याय)—बाँदा निवासी। लक्ष्मणप्रसाद के पिता। सं० १६०० के पूर्व वर्तमान।→०६–१६२।

गुपाल→'गोपाल' ('सुखदुख वर्णन' के रचयिता)।

गुप्तगीता (पद्य)—पतितदास कृत। वि० तंत्र, मंत्र, योग आदि।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१३३।

गुप्तरस टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के 'गुप्तरस' ग्रंथ का भाष्य।
प्रा०—पं० केशवदेव, माट (मथुरा)।→३५–१६४।

गुप्तानंद—सं० १८११ के पूर्व वर्तमान।
वंध्याप्रकाश (गद्यपद्य)→२३–१४३।

गुमान (कवि)—(?)
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→सं० ०:.–८२।

गुमान (द्विज)—त्रिपाठी ब्राह्मण। महोबा (बुंदेलखंड) निवासी। गोपालमणि त्रिपाठी के पुत्र। अन्य तीन भाई दीपसाहि, खुमान और अमान। सं १८३८ के लगभग वर्तमान।
कृष्णचंद्रिका (पद्य)→०५–२३; ०६–४४ ए।
छंदाटवी (पद्य)→०६–४४ बी।

गुमान (मिश्र)—शोभानाथ के पुत्र। पहले पिहानी के राजा अकबरअली खाँ के और अनंतर बिसवाँ (सीतापुर) के ताल्लुकेदार लाला आत्माराम गुलालचंद के आश्रित। काव्यकाल सं० १८०३–१८२०।
अलंकार दर्पण (पद्य)→१२–६८ ए; ४१–४६० (अप्र०)।
गुलाल चंद्रोदय (पद्य)→१२–६८ बी; २३–१४१ ए; २६–१५७ ए, बी।
नैषध (पद्य)→२३–१४१ बी।

गुमानकुँवरि—दतिया नरेश दलपतिराव की रानी। पृथ्वीसिंह (रसनिधि) की माता। सं० १७५० के लगभग वर्तमान।→२०–४।

गुमानसिंह—गोंडा के राजा। सुखलाल द्विज के आश्रयदाता (?)।→०६–३१०।

गुमानी—(?)
चाणक्य नीति (भाषा) (पद्य)→२६–१५८।

गुरचौबीस की लीला (पद्य)—जनगोपाल कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० दत्तात्रय की कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ क।

गुरुअन्यास कथा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७६१। वि० भक्ति और ज्ञान का उपदेश।
(क) प्रा०—श्री नकछेदीराम चर्मकार, सरयाँ, डा० कोरंटाडीह (बलिया)।→४१–२६३ क।

(ख) प्रा०—महंत श्री राजकिशोर, रतसंड (बलिया)।→४१-२६३ ख।

गुरु अष्टक (पद्य)—अग्रस्वामी कृत। वि० स्वा० रामानंद की स्तुति।
प्रा०—श्री जगेसर दूबे, मदरिया, डा० तरकुलवा (गोरखपुर)।→सं० ०१-३।

गुरु अष्टक (पद्य)—चेतनदास कृत। वि० गुरु की स्तुति।
प्रा०—पं० मुंशीलाल, नंदपुर, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२-४१ एफ।

गुरुआयसु लाडूनाथ→'लाडूनाथ' (जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के वंशज)।

गुरु उपदेश और गुरु वंदना (पद्य)—देवीदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० गुरु माहात्म्य।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)। →सं० ०४-१६६ क।

गुरु उपदेश ज्ञान अष्टक (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १७४०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६३ ग।
(ख) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६३ ख।

गुरु की महिमा (पद्य)—जगन्नाथ (रूपालो) कृत। र० का० सं० १८४२। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२-४३।

गुरु की महिमा→'गुरुमहिमा' (जगन्नाथ जन कृत)।

गुरु गैबी ग्रंथ (पद्य)—भगवान कृत। वि० हनुमान विनय।
प्रा०—श्री दुर्गादास साधु, हाजीगुर्ज, डा० नगरामपूरब (लखनऊ)।→२६-३४ ए।

गुरुगोविंद—संभवतः सं० १५५६ के लगभग वर्तमान।
ब्रह्मांड लीला (पद्य)→सं० ०१-८३।

गुरु गोविंदसिंह→'गोविंदसिंह (गुरु)'।

गुरु गोष्ठी (पवनगुंजार) (पद्य)—भगवानदास कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत आज्ञारामदास,कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा)।→सं० ०४-२५०क।

गुरु चरितामृत (पद्य)—लखनदास कृत। वि० गुरु माहात्म्य।
प्रा०—गो० रणछोड़लाल, मुजफ्फरगंज (मिरजापुर)।→ ०६-१६८।

गुरु चरित्र→'गुरुमहिमा' (जगन्नाथ जन कृत)।

गुरुचेला का संवाद अष्टांगयोग→'अष्टांगजोग' (स्वा० चरणदास कृत)।

गुरुचेले की गोष्ठी→'षटरूप मुक्ति' (स्वा० चरणदास कृत)।

गुरुदत्त—ब्राह्मण। पिता का नाम विष्णुदत्त। पितामह का नाम दिनमणि।
भक्तिमंजरी (पद्य)→सं० ०४-६७; सं० ०७-३२।

गुरुदत्त—(?)
कवित्त (पद्य)→४१-५० ग।

कवित्त श्री विंध्याचल देवीजी को (पद्य)→४१–५० ख।

कवित्त हनुमानजी के (पद्य)→४१–५० क।

गुरुदत्त (शुक्ल)—मकरंदनगर ? (फरुखाबाद) निवासी। देवकीनंदन शुक्ल के भाई और शिवनाथ के पुत्र। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।

पक्षी विलास (पद्य)→२३–१४५ ए, बी।

गुरुदत्तदास—पुरवा देवीदास (बाराबंकी) निवासी। सतनामी साधु। जन्म सं० १८७७। मृत्यु सं० १९५८।

शब्दावली और दोहावली (पद्य)→२६–१५६।

गुरुदत्तसिंह—उप० भूपति। अमेठी (सुलतानपुर) के राजा। उदयनाथ (कवींद्र) के आश्रयदाता। सं० १७८८ से १७९९ के लगभग वर्तमान।

भूपति सतसई (पद्य)→२३–६० ए, बी; २६–६६।

रसरत्न (पद्य)→२३–६० डी; सं० ०४–२६८।

गुरुदयाल (कायस्थ)—रानीकटरा (लखनऊ) निवासी। सं० १८८९ के लगभग वर्तमान।

रामायण (पद्य)→३२–७१ ए से ई तक।

गुरुदास—(?)

फूलचेतनी (पद्य)→२०–५६।

गुरुदास→'गुरुप्रसाद' ('कविविनोद' आदि के रचयिता)।

गुरुदासशरण (स्वामी)—महात्मा। इन्होंने हरदोई में एक तुलसी आश्रम की स्थापना की थी। सं० १९६९ के पूर्व वर्तमान।

ऋतुविनोद (पद्य)→२३–१४४।

गुरुदीन—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। संभवतः मोहनलालगंज (लखनऊ) के निवासी। इनके भाई ईश्वरीप्रसाद के वंशज अभी तक उक्त ग्राम में वर्तमान हैं।

पिंगल मात्रा प्रस्तार (पद्य)→सं० ०४–६९।

गुरुदीन—दास मनोहरनाथ के शिष्य। सं० १८७८ के पूर्व वर्तमान।

रामाश्वमेध यज्ञ या रामचरित्र (पद्य)→०९–१०१; २९–१३२।

श्री रामचरित्र रागसैरा (पद्य)→०५–२४।

गुरुदीन (पांडेय)—(?)

शालिहोत्र (पद्य)→सं० ०१–८४ क, ख; सं० ०४–६८।

गुरुदेव महिमा स्तोत्र अष्टक (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० गुरु महिमा।

(क) लि० का सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१९३ ङ।

(ख) लि० का० सं० १७९७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१९३ घ।

गुरु नानक→'नानक (गुरु)' (सुप्रसिद्ध सिख गुरु)।

गुरु नानक बचन (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि० नीति तथा भगवद्भक्ति।

प्रा०—श्री ब्रजकिशोर श्रीवास्तव, छीपीटोला, आगरा ।→३२–१५१ ।

गुरु नामावली (पद्य)—अन्य नाम 'गुरु नामावली तथा वाणी'। हरिदास कृत । वि० गुरु परंपरा तथा कृष्णलीला ।

(क) प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१४० सी ।

(ख) प्रा०—बाबा रामस्वरूप भटनागर, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२–७७ बी ।

गुरु नामावली तथा वाणी→'गुरु नामावली' (हरिदास कृत) ।

गुरु परंपरा (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६२८ । वि० रामानुज संप्रदाय के गुरुओं का वर्णन ।

प्रा०—महंत विट्ठलदास, मिरजापुर, पाही सूरजपुर (बहराइच) ।→२३–३३३ बी ।

गुरुप्रकारी भजन (पद्य)—मिहीलाल कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० गुरु की महिमा ।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा) ।→००–५८; १२–११५ ।

गुरु प्रणालिका (पद्य)—सहचरीशरण कृत । वि० निंबार्क संप्रदाय के धार्मिक कृत्य ।

प्रा०—महंत भगवानदास, सती स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१६१ ए ।

गुरु प्रताप (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुप्रताप लीला' । दामोदरदास (हित) कृत । वि० गुरु की महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५०३ ख (अप्र०) ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४६ बी ।

गुरु प्रताप (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० गुरु माहात्म्य ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

गुरु प्रताप महिमा (पद्य)—परमानंद (हित) कृत । लि० का० सं० १८२८ । वि० हितगुलाल (गुरु) की प्रशंसा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२०४ सी (विवरण अप्राप्त) ।

गुरु प्रताप लीला→'गुरु प्रताप' (दामोदरदास हित कृत) ।

गुरु प्रनाली (पद्य)—मोहनलाल कृत । वि० मदनपंथ के प्रवर्तक श्री मदनलाल की गद्दी के महंतों का नामोल्लेख।

प्रा०—पं० केदारनाथ, तरदहा, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–३११ ।

गुरुप्रसाद—अन्य नाम गुरुदास । सं० १७४५ के लगभग वर्तमान ।

कवि विनोद (पद्य)→२६–१३३ ए ।

रत्न परीक्षा (पद्य)→०५–२५; ०६–३२६ ।

वैद्यकसार संग्रह (पद्य)→२६–१३३ बी ।

गुरुप्रसाद—(?)

स्वरोदय (पद्य)→२६–१६० ।

गुरुप्रसाद (पंडित)—(?)

याग्यवल्क्यस्मृति (भाषा) (गद्य)→२६–१३४ ।

गुरुप्रसादनारायण—नानकपंथी । आजमगढ़ निवासी । कन्हूसिंह के पुत्र और गुरुदयाल के पौत्र । सं० १९१२ के लगभग वर्तमान ।

सन्निपात चंद्रिका (पद्य)→४१–५१ ।

गुरु भक्तमाल (पद्य)—व्रजजीवन कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० गुरु महिमा ।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–१८० ।

गुरुभक्ति चंद्रिका (पद्य)—गोपालदास कृत । वि० गुरुभक्ति ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली ।→सं० ०१–६२ ख ।

गुरुभक्ति प्रकाश→'मुक्ति मार्ग' (रामरूप कृत) ।

गुरुभक्ति विलास (पद्य)—परमानंद (हित) कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० गुरुभक्ति वर्णन (वाराहपुराण के आधार पर) ।

प्रा० —दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२०४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

गुरुमंत्र जोग (ग्रंथ) (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुमहिमा जोग (ग्रंथ) ।' सेवादास कृत । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१–२६६ घ, ङ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०३ क ।

(ग)→पं० २२–६६ ए ।

गुरु महातँम (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६३ । वि० कबीर और धर्मदास के संवाद में गुरु माहात्म्य और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७–२२६ ।

गुरु महातम (पद्य)—पहलवानदास कृत । र० का० सं० १८५२ । लि० का० सं० १९३५ । वि० गुरु महिमा ।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी) । →३५–७१ ।

गुरु महात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० दाताराम दीक्षित, जयनगर, डा० पैंतीखेड़ा (आगरा) । →२६–३८३ ।

गुरु महिमा (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८४७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी । →३५–४६ एल ।

गुरु महिमा (पद्य)—अन्य नाम 'गुरु चरित्र' । जगन्नाथ (जन) कृत । र० का० सं० १७६० । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १७८६ ।

प्रा०—ठा० जवाहरसिंह, खेतुई, डा० मुरादाबाद (हरदोई)। →२६–१६३ बी।

(ख) लि० का० सं० १८०८।

प्रा०—बाबा जीवनदास, भेरूजी का मंदिर, टूचीगढ़ (अलीगढ़)। →२६–१६३ ए।

(ग) लि० का० सं० १८४०।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →सं० ०७–५८।

(घ) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० विष्णुस्वरूप शुक्ल, बसोरा (सीतापुर)। →२६–१८६ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—ठा० विजयसिंह, रमई का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। →२३–१७६ ए।

(च) लि० का सं० १८८८।

प्रा०—ठा० रामदौरसिंह, पिथौरा, डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३–१७६ बी।

(छ) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—पं० शालिग्राम, सखैयापुरा (बहराइच)। →२३–१७६ सी।

(ज) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० राधाचरण गोस्वामी, वृंदावन (मथुरा)। →०६–१२६।

(झ) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया। →०६–२६६ (विवरण अप्राप्त)।

(ञ) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—भाई रामदास, कुटी महेरू, डा० बेलाखारा (रायबरेली)। →सं० ०४–१०७ क।

(ट) प्रा०—पं० गजाधर तिवारी, बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६–१८६ बी।

(ठ) प्रा०—श्री बलभद्र पांडेय, दानोपुर, डा० बरसठी (जौनपुर)। →सं० ०४–१०७ ख।

(ड) प्रा०—श्री बहाल पंडित, खिचड़ीपुर, डा० शाहदरा (दिल्ली)। →दि० ३१–३८ ए।

(ढ) प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ६३५, कूँचाशरीफबेग, बाबू मुक्ताराम का मंदिर, दिल्ली। →दि० ३१–३८ बी।

टि० खो० वि० ०६–२६६ के हस्तलेख में 'मनबत्तीसी' भी संगृहीत है।

गुरु महिमा (पद्य)—भगवानदास कृत। लि० का० सं० १८७६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत रामदास, जिगिना ठाकुर, डा० इटवा (बस्ती)। →सं० ०४–२५० ख।

गुरु महिमा (पद्य)—मुरली कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–३१२।

गुरु महिमा (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—पं० पूरनमल, बैजुआ, डा० अराव (मैनपुरी)। →३२–१७५ एफ।
(ख) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, ग्राम तथा डा० मदनपुर (मैनपुरी)। →३२–१७५ जी।
(ग) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। →३२–१७५ एच।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं००७–१६५ ख।

गुरु महिमा (पद्य)—सुखदेव कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४५४।

गुरु महिमा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–४५५।

गुरु महिमा जोग (ग्रंथ)→'गुरुमंत्रजोग (ग्रंथ)' (सेवादास कृत)।

गुरु महिमा प्रसाद वेलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८२०। लि० का० सं० १८६७। वि० गुरु महिमा।
प्रा०—गो० अद्वैतचरण, वृंदावन (मथुरा)।→२६–५८ बी।

गुरु माहात्म्य→'गुरु महिमा' (जगन्नाथ जन कृत)।

गुरु शतक (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुसत'। हरिदेव कृत। र० का० सं० १८८६। वि० गुरु माहात्म्य।
(क) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४८५ क।
(ख) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–७६ ए।

गुरुसत→'गुरु शतक' (हरिदेव कृत)।

गुरुहरिभक्ति प्रकाश (पद्य)—गोपालदास कृत। वि० गुरुभक्ति का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–६२ क।

गुर्री मुहर्रम की (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शकुन।
प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह कूर्म, जौखंडी, डा० नगराम (लखनऊ)।→२६–३८२।

गुलजार चमन (पद्य)—शीतलप्रसाद कृत। र० का० सं० १७८०। वि० शृंगार।
(क) लि० का० सं० १६४७।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद, गाजीपुर।→०६–२६२।

(ख) प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–१७२ ।

(ग) प्रा०—बाबू भूमकलाल अध्यापक टाउन स्कूल, अयोध्या ।→२०–१७६ ।

गुलजारीलाल 'रसीले'—नरवल (कानपुर) निवासी । सं० १९२८ के लगभग वर्तमान ।

रसीलेतरंग (पद्य)→२६–१५६; २९–१३१ ।

गुलाब—गणेश कवि के पिता । लाल कवि के पुत्र और वंशीधर के पितामह । काशी निवासी ।→०३–२४; २०–१२ ।

गुलाब केवड़ा (गद्य)—सुखानंद कृत । लि० का० सं० १९२७ । वि० गुलाब और केवड़े की कथा ।

प्रा०—श्री शिवराम, माधोपुर, डा० खैराबाद (सीतापुर) ।→२६–४९९ ।

गुलाबदास—सं० १८०२ के लगभग वर्तमान ।

शीघ्रबोध सटीक (गद्य)→२९–१३०; ३२–६८ ।

गुलाबराइ मोतीराइ—गुलाबराइ और मोतीराइ नाम के दो भाई । इटावा निवासी । गुरु का नाम संभवतः जिनेंद्रभूषण ।

समेरशिखर (समेदशिखर ?) माहात्म्य (पद्य)→सं० ०४–७० ।

गुलाबराय—कायस्थ । सं० १९०८ के लगभग वर्तमान ।

हिसाब (गद्यपद्य)→२३–१३८ ।

गुलाबलाल (गोस्वामी)—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । काशी निवासी गो० गोवर्द्धन-लाल के शिष्य (?) । सं० १८२७ के लगभग वर्तमान ।

अनन्य सभामंडल-सार (पद्य)→०६–१०० ।

अष्टक (पद्य)→१२–६७ ।

गुलाबलाल (हित)—हितहरिवंश जी के वंशज । वृंदावन निवासी । हित परमानंद के गुरु ।→०६–२०४ ।

बानी (पद्य)→०६–१७३ ।

गुलाबसिंह—सिख । पिता का नाम गौरीराय । गुरु का नाम मानसिंह । सेखवनगर (संभवतः अमृतसर) के निवासी । सं० ४८३४ के लगभग वर्तमान ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)→४१–५३ ।

भावरसामृत (पद्य)→सं० ०४–७१; सं० ०७–३३ ।

मोक्षदायक पंथ (पद्य)→०३–७८; ०९–१९०; २०–५४ ।

टि० तीसरी पुस्तक में मानसिंह का उल्लेख रचयिता के नाम का भ्रम उत्पन्न करता है ।

गुलाबहसन (पीर)—मऊ आयमा (इलाहाबाद) के निवासी । नवाब आसफउद्दौला (सं० १८३२) के समकालीन ।

सृष्टि की उत्पत्ति (?) (पद्य)→सं० ०४–७२ ।

गुलामनबी (रसलीन)—बिलग्राम (हरदोई) निवासी । सैयदबाकर के पुत्र । सं० १७९४ के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→०५–१५; २३–१४० ए।

रसप्रबोध (पद्य)→०५–१६; ०६–१६६; २३–१४० बी, सी; सं० ०४–७३।

गुलाममुहम्मद—(?)

प्रेमरसाल (पद्य)→सं० ०१–८५।

गुलाममुहम्मद—शेखनिसार ('यूसुफजुलेखा' के रचयिता) के पिता।→सं० ०१–४२२।

गुलालकीर्ति (भट्टारक)—जैन। इंद्रप्रस्थ (दिल्ली के निकट) के निवासी।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)→२३–१३६।

गुलालचंद—वल्लभकुल के गोस्वामी। द्वारिकानाथ जी के पिता।→सं० ०१–४७।

गुलालचंद (सेवक)—जोधपुर नरेश अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकर-पच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–७२ (तेरह)।

गुलालचंद्र—बिसवाँ (सीतापुर) के ताल्लुकेदार। गुमान मिश्र के आश्रयदाता। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान। →१२–६८; २३–१४१।

गुलाल चंद्रोदय (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८२०। वि० भावादि।

(क) लि० का० सं० १८२१।

प्रा०—पं० रघुवर पाठक, पुजारी, बिसवाँ (सीतापुर)।→१२–६८ बी।

(ख) लि० का० सं० १८२३।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–१५७ ए।

(ग) प्रा०—पं० विपिनबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३–१४१ ए।

(घ) प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–१५७ बी।

गुलाल साहब—क्षत्रिय। बसहरी या भुड़कुड़ा (गाजीपुर) निवासी। बुल्ला साहब के शिष्य। जगजीवनदास के गुरु भाई भीखा साहब के गुरु। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८०० के लगभग वर्तमान।→२०–२३।

बानी (पद्य)→२०–५५।

रामजी के सहस्रनाम (गद्य ?)→४१–५२ क।

शब्द (पद्य)→४१–५२ ख।

गुलालसिंह (बख्शी)—पन्ना (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १७५२ के लगभग वर्तमान।

दफ्तरनामा (पद्य)→०५–२२।

गुविंद (कवि)—कालिदास, केशवदास, ठाकुर, भवानी, और घासीराम की कविता के संग्रहकर्ता।

अलंकार (पद्य)→४१–५४ क।

कवित्तसार संग्रह (पद्य)→४१–५४ ख।

गुसाईं जी—वल्लभाचार्य जी के पुत्र विट्ठलनाथ अथवा गोकुलनाथ (?)।

अंतःकरण प्रबोध (गद्य)→३५–३२ ए।

भक्ति वर्द्धिनी (गद्य)→३५–३२ बी।

विवेक धैर्याश्रय (गद्य)→३५–३२ सी।

गुसाईंजी की ब्रज चौरासी कोस की वनयात्रा (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० यात्रा विवरण।

(क) लि० का० सं० १८१३।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–८८ ज।

(ख) प्रा०—ठा० हरनामसिंह, दाईपुर, डा० अतरौली (हरदोई)। → २६–१२१ बी।

गुसाईंजो कौ मंगल (पद्य)—अलबेलीअलि कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→३५–२ बी।

गुसाईंजो विट्ठलनाथजी की वनयात्रा (पद्य)—हरिदास कृत। वि० गो० विट्ठल-नाथ जी की वनयात्रा का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८३ ख।

गुसाईंजी सेवकन की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गुसाईं जी के सेवकों का वर्णन।

प्रा०—श्री गंगाराम ब्राह्मण, इमलीवाले, गोकुल (मथुरा)।→३५–३०८।

गुसाईंराम→'रामनारायण' ('सनेहलीलामृत पचीसी' के रचयिता हनुमंत के सहयोगी)।

गूँगदास—शाकद्वीपी ब्राह्मण। रामनगर के निवासी। अवधूत फकीर। राप्ती नदी के तट पर भारत में कुटी। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान। सन् १२२४ (?) साल में देहावसान।

अनहद विलास (पद्य)→सं० ०७–३४ क।

चेतसार (पद्य)→सं० ०७–३४ ख।

जीवउद्धार (पद्य)→सं० ०७–३४ ग।

तत्वसार (पद्य)→सं० ०७–३४ घ।

सुखसदन ग्रंथ (पद्य)→सं० ०७–३४ ङ।

गूँगदास—भगनदास ('गुरु महिमा' आदि ग्रंथों के रचयिता) के गुरु। → सं० ०४–२५०।

गूढ़ग्रंथ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० पहेलियाँ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ङ[1]।

गूढ़ध्यान (पद्य)—रूपलाल गोस्वामी (हितरूपलाल) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५८ डी।

गूढ़लीला (पद्य)—पातीराम कृत। वि० विविध।

प्रा०—ठा० भूरेसिंह, नेरा, डा० भारौल (मैनपुरी)।→३२–१६४ बी।

गूढ़शतक (पद्य)—वल्लभ कृत । वि० भगवान कृष्ण के शारीरिक सौंदर्य का वर्णन ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७-१८ ।

गूढ़ार्थ कोप (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कोश ।
प्रा०—पं० रामऔतार अध्यापक, नगला वीरसिंह, डा० मारहरा (एटा)। →२६-३८१ ।

गूदरसाह—माता का नाम जूही । औड़िहार-जौनपुर रेलमार्ग पर स्थित पतरही स्टेशन से दो तीन मील दूर गोमती तट पर बिलहरी गाँव की सीमा में गूदरसाह की तकिया में निवास । भगवती के भक्त । गुरु का नाम नूरअलीसाह (दिल्ली निवासी)। अनुमानतः १८वीं शती के अंत और १९वीं शती के प्रारंभ में वर्तमान ।
गूदरसाह के गीत (पद्य)→सं० १०-२६ ।

गूदरसाह के गीत (पद्य)—गूदरसाह कृत । लि० का० सं० २००६ । वि० भक्ति, होरी और मलार ।
प्रा०—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी । सं० १०-२६ ।

गूदरी→'ज्ञानगूदरी' (कबीरदास कृत) ।

गृहदीपक (गद्य)—भवानीचरण कृत । लि० का सं० १९०४ । वि० वास्तु विद्या ।
प्रा०—श्री मुनेश्वर, डुभरा, डा० खलीलाबाद (बस्ती) ।→सं० ०४-२५४ ।

गृहवस्तु प्रदीप (गद्य)—लक्ष्मीकांत कृत । लि० का० सं० १९०० । वि० घर बनाने की शास्त्रीय विधि ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत, अयोध्या ।→२०-९५ ।

गृहवैराग्य बोध (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→० २-२५ (बारह)।

गृहस्थ धर्म (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८२४ । लि० का० सन् १२९१ साल । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती) ।→सं० ०४-४५६ ।

गेंदलीला (पद्य)—अन्य नाम पंचरतनी गेंदलीला' या 'पंचरतनी' । र० का० सं० १८५४ । वि० श्रीकृष्ण की गेंद लीला ।
(क) लि० का० सं० १९१७ ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीकांत त्रिपाठी एम० ए०, डुकसहा, डा० कन्हैली (इलाहाबाद)। →सं० ०१-२२१ ग ।
(ख) लि० का० स० १९२५ ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-५२० (अप्र०) ।
(ग लि० का० सं० १९३४ ।
प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर ।→०६-९३ सी ।
(एक अन्य प्रति लाला कुंदनलाल, बिजावर के पास है ।)

(घ) प्रा०—ला० भगवानदास पटवारी, रामनगर तहसील (छतरपुर)।
→सं० ०१-२२१ घ।

गेंदीराय (देव)—(?)
सूरजपुराण (पद्य)→२६-११४।

गेवा—(?)
ज्योतिष (पद्य)→सं० ०४-७४।

गैबी जी (गबीजी)—कोई संत।
गबीजी की सबदी (पद्य)→सं० ०७-३५ क।
पद (पद्य)→सं० ०७-३५ ख।

गोकरणनाथ—नैमिषारण्य निवासी। सं० १६११ के लगभग वर्तमान।
नैमिषारण्य महात्म्य (पद्य)→२६-१२६।

गोकर्ण महात्म्य (पद्य)—शिवसिंह (सेंगर) कृत। र० का० सं० १६३३। वि० गोकर्ण महादेव की महिमा।
(क) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—ठा० शिवसिंह जी का पुस्तकालय, काँथा (उन्नाव)।→२६-४५२ ए।
(ख) लि० का० सं० १६३७।
प्रा०—श्री कुंदनलाल, सफीपुर (उन्नाव)।→२६-४५२ बी।

गोकर्ण माहात्म्य (गद्य)—मक्खनलाल (खत्री) कृत। र० का० सं० १६०३। लि० का० सं० १६१०। वि० भक्ति और ज्ञान विषयक भागवत के छः अध्यायों का अनुवाद।
प्रा०—पं० रामनाथ शुक्ल, खेड़वा, डा० मिहोली (सीतापुर)। →२६-२८८ सी।

गोकुल→'गुणसागर' ('गुणसागर' ग्रंथ के रचयिता)।

गोकुल (कवि)—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी।
नखशिख (पद्य) →सं० ०१-८६।

गोकुल (कायस्थ)—बलरामपुर (गोंडा) निवासी। महाराज द्विग्विजयसिंह (बलरामपुर) तथा उधर ही के एक अन्य राजा कृष्णदत्त के आश्रित। सं० १६१३ के लगभग वर्तमान।
अष्टयाम प्रकाश (पद्य)→२३-१२६; २६-१४३ ए।
कृष्णदत्त भूषण (पद्य)→सं० ०४-७५ क, ख।
दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)→२६-१४३ बी।
नाम रत्नाकर (पद्य)→०६-६५ ए।
नाम विनोद (पद्य)→०६-६५ बी।
शक्ति प्रभाकर (पद्य)→सं० ०१-८७ क।
शोक विकाश (पद्य)→सं० ०१-८७ ख।

गोकुलकांड (पद्य)—दीनदास (दाताराम) कृत। लि० का० सं० १८७५। वि० गोकुल में कृष्ण लीला।

प्रा०—चरखारी नरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–१६१ (विवरण अप्राप्त)।

गोकुल कृष्ण—कमलनयन के पिता। गोकुल (मथुरा) निवासी। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।→१२–६०।

गोकुलगोलापूरब—सं० १८७१ में वर्तमान।

सुकमाल चरित्र (गद्य)→२६–१२८।

गोकुलचंद—मथुरा निवासी। पिता का नाम हकीम रामचंद। सं० १६२७ के पूर्व वर्तमान।

सगुन परीक्षा (गद्य)→२६–१२७।

गोकुलचंद्र प्रभाव→'उषाचरित्र' (क्षेमकरन मिश्र कृत)।

गोकुलजी के उपदेश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णभक्ति का उपदेश।

प्रा०—श्री अमोलकराम, ओसेरस, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–१६६।

गोकुलनाथ (गोस्वामी)—गो० विट्ठलनाथ के पुत्र और वल्लभाचार्य के पौत्र। गोकुल (वृंदावन) निवासी। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। सं० १६२५ में वर्तमान।

अष्टछाप के कवियों की वार्ता (गद्य)→सं० ०४–७६।

गुसाईंजी की व्रज चौरासी कोस की वनयात्रा (गद्य) →२६–१२१ बी; सं० ०१–८८ ज।

गोवर्द्धननाथ के प्रगटन समय की वार्ता (गद्य) →२६–१२१ ए; सं० ०१–८८ झ।

चरणचिन्ह की भावना (गद्य)→सं० ०१–८८ च।

चौरासी वैष्णवों की वार्ता (गद्य)→४१–५५ क, ख, ग, घ; सं० ०१–८८ ङ।

त्रिविध भावना (भाषा) (गद्य)→सं० ०१–८८ क।

नित्य सेवा शृंगार की भावना (गद्य)→सं० ०१–८८ ञ।

जप को प्रकार (गद्य)→सं० ०१–८८ घ।

पुष्टिमार्ग के वचनामृत (गद्य)→३२–६५ ए।

रहस्य भावना (गद्यपद्य)→३२–६५ बी।

वल्लभाष्टक (गद्य)→३२–६५ ई।

वैष्णव लक्षण (ग्रंथ) (गद्य)→सं० ०१–८८ भ, ट।

व्रतचर्या की भाषा (गद्य)→३५–२८।

श्री आचार्य जी महाप्रभु जी की (प्राकट्य) वार्ता द्वादशकुंज भावना (गद्य)→सं० ०१–८८ ग।

श्री महाप्रभुजी श्री गुसाँईजी के स्वरूप विचार (गद्य)→सं० ०१–८८ ख।

सर्वोत्तम स्तोत्र (गद्य)→३२–६५ सी।

सिद्धांत रहस्य (गद्य)→३२–६५ डी।

गोकुलनाथ (भट्ट)—काशी निवासी। रघुनाथ बंदीजन के पुत्र। मणिदेव और गोपीनाथ के पिता। काशी नरेश महाराज चेतसिंह, महाराज बरिबंडसिंह और महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित। सं० १८२८ से १८७० के बीच वर्तमान।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)→००–२; ०६–६६ ए।

कविमुख मंडन (पद्य)→०३–३५।

चेतचंद्रिका (पद्य)→०४–१२; ०६–६६ बी; २०–५१; २३–१३०।

महाभारत दर्पण (पद्य)→०४–६५; २६–१४४।

राधाकृष्ण विलास (पद्य)→०३–१५।

राधाजू को नखशिख (पद्य)→०६–६६ सी।

सीताराम गुणार्णव रामायण सप्तकांड (पद्य)→०३–२३।

गोकुलप्रसाद→'गोकुल (कायस्थ)' ('अष्टयाम प्रकाश' आदि के रचयिता)।

गोकुललीला (पद्य)—वृंदावनदास (जनविंदा) कृत। वि० कृष्ण चरित्र।

प्रा०—पं० रमणलाल, फरैह (मथुरा)।→३८–१६३ बी।

गोकुलाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्ण का गोपियों के साथ होली खेलना।

प्रा०—पं० भूपदेव शर्मा, सिहाना, डा० भरना खुर्द (मथुरा)।→३८–१०३ डी।

गोकुलाष्टक की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० गोकुल माहात्म्य।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ङ।

गोकुलेशजी के घर की सेवा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के विभिन्न उत्सव।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–१६५।

गोगापैडी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गोगा जी के जन्म की कथा।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३६१।

गोगुहार (पद्य)—माधव कृत। वि० गौ की दीन दशा का वर्णन।

प्रा०—पं० चोबसिंह, छीछामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–५८।

गोचारण लीला (पद्य)—श्यामस्वरूप (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १६५७। लि० का० सं० १६५७। वि० भागवत दशमस्कंध के अनुसार श्री कृष्ण की गोचारण लीला।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, मास्टर कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ।→ सं० ०७–१८६।

गोत्रप्रवर दर्पण (गद्य)—अन्य नाम 'गोत्रप्रवर प्रकाशिका वर्णन'। कमलाकर (भट्ट) कृत। वि० ब्राह्मणों के गोत्रों, प्रवरों और विवाहादि संस्कारों का वर्णन।

(क) लि० का सं० १६२७।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद मिश्र, एटा। →२६–१८१ बी।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—ठा० जोधासिंह, मिछलिया, डा० ईसानगर (खीरी)।→२६–२२० ए।

(ग) लि० का० सं० १६४२।

प्रा०—श्री यज्ञदत्त शास्त्री, भानपुर, डा० महिगलगंज (सीतापुर)। →२६–२२० बी।

गोत्रप्रवर प्रकाशिका वर्णन→'गोत्रप्रवर दर्पण' (कमलाकर भट्ट कृत)।

गोदोहन लीला (पद्य)—गंग कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोदोहन लीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–६६।

गोधन आगम (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० गोवर्द्धन पूजा।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२१ (पाँच)।

गोप (कवि)—वास्तविक नाम गोपाल। जाति के भट्ट (भाट)। यदुराय भट्ट के पुत्र। निगम भट्ट के पौत्र। गोकुल निवासी। केशवराइ और बालकृष्ण नामक इनके दो भाई थे। ओड़छा के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान। इन्होंने गोकुल के एक प्रसिद्ध व्यक्ति बलभद्र दीक्षित का उल्लेख किया है, जिनके पिता का नाम रामकृष्ण और पितामह का नाम नंदनाथ था तथा जिनके पाँव वल्लभ कुल के लोगों ने पूजे थे। नंदनाथ दीक्षित दक्षिण से आये थे।

पिंगल प्रकरण (पद्य)→०६–३६ बी।

रामचंद्राभरण (पद्य)→०६–३६ ए; सं० ०४–७७।

गोपाल—अन्य नाम जनगोपाल या गोपालनाथ और जनजगन्नाथ। दादूदयाल जी के शिष्य। सं० १६५७ के लगभग वर्तमान।

गुरुचौबीस की लीला (पद्य)→सं० ०७–३६ क।

जड़भरथ चरित्र (पद्य)→००–२८; सं० ०७ ३६ ख, ग।

दत्तात्रेय के चौबीस गुरु (पद्य)→२३–१८० ए।

दादूदयालजी की जन्मलीला (पद्य)→सं० ०७–३६ घ, ङ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→००–२५; ०६–१७५; २३–१८० बी; २६–१२३ बी, सी; सं० ०७ ३६ च, छ, ज।

पद (पद्य)→सं० ०७–३६ झ।

प्रहलाद चरित्र (पद्य)→००–२३; पं० २२–४४; २३–१८० डी; २६–१२३ डी; सं० ०७–३६ ञ, ट, ठ।

बारहमासा (पद्य)→१२–८३; सं० ०७–३६ ड।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)→२६–१२३ ए; ४१–७४; सं० ०७–५७ क, ख।

मोहविवेक की कथा (पद्य)→२३–१८० सी; सं० ०७–३६ ढ।

गोपाल—सतनामी संप्रदाय के साधु। अग्निकुंड (जयसिंहपुर) के निकट के निवासी। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।

बोध प्रकाश (पद्य)→२३–१३१.।

गोपाल—कोई भक्त। संभवतः चरखारी नरेश के आश्रित गोपाल (बंदीजन)। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→०६–२५३।

गोपाल—ब्राह्मण। फतेहपुरसीकरी (आगरा) के निवासी। सं० १९०२ के लगभग वर्तमान।

भड्डई विलास (गद्य)→२६–१२२।

गोपाल—प्रतापपुर (गोरखपुर) निवासी। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।

भागवत (पद्य)→२६–१४६; सं० ०१–८६।

गोपाल—अजयगढ़ निवासी।

गज विलास (गद्यपद्य)→०६–४१।

गोपाल—(?)

नारायण शकुनावली (पद्य)→२०–५२ बी।

रमलशास्त्र (भाषा) (गद्य)→२०–५२ ए।

गोपाल→'गोप (कवि)' (गोकुल निवासी भाट)।

गोपाल (कवि)—संभवतः श्यामदास के पुत्र गोपाल बंदीजन। महाराज भगवंतराय खीची के आश्रित। सं० १८५५ से १८७१ के लगभग वर्तमान।→०६–४०; २३–४३; २६–१४७।

भगवंतराय की विरुदावली (पद्य)→०६–६८।

गोपाल (गुपाल)—(?)

सुखदुःख वर्णन (पद्य)→३८–५४।

गोपाल (जन)—उप० दत्त। मऊ रानीपुर (झाँसी) के निवासी। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।

समरसार (पद्य)→०३–१२०; ०४–३।

गोपाल (जन)—सिरसा (इलाहाबाद) निवासी।

विजयाष्टक (पद्य)→सं० ०१–६०।

हनुमताष्ट (पद्य)→सं० ०१–६०।

गोपाल (जनगोपाल)—(?)

रासपंचाध्यायी (पद्य)→४१–५६।

गोपाल (दास गोपाल)—(?)

रामरसिक रागमाला (पद्य)→सं० ०४–७८।

गोपाल (बकसी)—संभवतः रीवाँनरेश महाराज विश्वनाथसिंह के मंत्री। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।

कवित्त श्रृंगार पचीसी तिलक समेत (गद्यपद्य)→२३–१३२; सं० ०७–३७।

गोपालअष्टक (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६२८ । वि० कृष्ण स्तुति ।
प्रा०—पं० भैरवप्रसाद गौड़, भगवंतपुर, डा० मेडू (अलीगढ़) ।→२६–२४७ डी ।

गोपालगारी (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० राधाकृष्ण विवाह ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४६३ ।

गोपालचंद्र→'गिरधरदास' (भारतेंदु जी के पिता) ।

गोपाल चरित्र (पद्य)—चंदेगोपाल कृत । वि० कृष्णचरित्र ।
प्रा०—पं० हरिहरप्रसाद बाजपेजी, डा० मौजुमाबाद (फतेहपुर) ।→२०–२७ ।

गोपालजन→'गोपाल' (दादूदयाल के शिष्य) ।

गोपालदत्त—(?)
शृंगार पच्चीसी (पद्य)→०६–२५४ ।

गोपालदास—वास्तविक नाम रामनारायण । गुरु का नाम सोहंगदास । ग्रंथ स्वामी के श्वसुर । भट्ट पुरवा ग्राम (रहीमाबाद, लखनऊ) के निवासी ।
गोपाल सागर (पद्य)→सं० ०७–२८ ।

गोपालदास—गो० व्रजभूषण के शिष्य ।
गुरुभक्ति चंद्रिका (पद्य)→सं० ०१–६२ ख ।
गुरुहरिभक्ति प्रकाश (पद्य)→सं० ०१–६२ क ।

गोपालदास—(?)
परमादि विनती (पद्य)→१७–६४ ।

गोपालदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → २०–५७ (अठारह) ।

गोपालदास (चारण)—छत्तीसगढ़ (मध्यप्रदेश) तथा रतनपुर (बिलासपुर) निवासी । गंगाराम के पुत्र । माखन के पिता । रतनपुर के राजा राजसिंह के यहाँ पिता और पुत्र चारण थे ।
कर्म शतक (पद्य)→४१–५७ क ।
कीर्ति शतक (पद्य)→४१ ५७ ख ।
पुन्य शतक (पद्य)→४१–५७ ग ।
विनोद शतक (पद्य)→४१–५७ घ ।
वीर शतक (पद्य)→४१–५७ ङ ।
शृंगार शतक (पद्य)→४१–५७ च ।

गोपालदास (द्विज)—रामनगर के निकट लखनपुर के निवासी । सनातनी संप्रदाय के अनुयायी । रामकोटा की गद्दी के स्वामी रामप्रसाद के पूर्व गुरु । सं० १६०८ के लगभग वर्तमान ।
रामगीता (पद्य)→२३–१३३ ए ।

गोपालदास (स्वर्णकार)—किसी गंगाविष्णु के शिष्य।
गोवर्द्धन चरित्र (पद्य)→सं० ०१-६१।

गोपालनाथ→'गोपाल' (दादूदयाल के शिष्य)।

गोपाल पचीसी (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० कृष्ण स्तुति।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-४६ बी।

गोपालयज्ञ (पद्य)—शंकर कृत। वि० चिमनसिंह नामक राजा के गोपाल यज्ञ का वर्णन।
प्रा०—पं० बाँकेबिहारीलाल, श्री बिहारी जी का मंदिर, खेरागढ़ (आगरा)।
→३२-१६५।

गोपालराय→'नवीन (कवि)' ('प्रबोधरस सुधासागर' के रचयिता)।

गोपालराय (भाट)—प्रवीणराय (खंगराय) के पुत्र। वृंदावन निवासी। चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। रागबख्स भट्ट के शिष्य। पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह के छोटे भाई राजा अजीतसिंह के आश्रित। सं० १८८५-१६०७ के लगभग वर्तमान।
दंपति वाक्य विलास (पद्य)→१२-६२-ए; पं० २२-३२ बी।
दूषण विलास (पद्य)→१२-६२ एच।
ध्वनि विलास (पद्य)→१२-६२ ई।
भाव विलास (पद्य)→१२-६२ जी।
भूषण विलास (पद्य)→१२-६२ आई।
मान पचीसी (पद्य)→०६-६७ ए।
रससागर (पद्य)→१२-६२ बी; १२-१३२; पं० २२-३२ सी।
रासपंचाध्यायी सटीक (पद्य)→१२-६२ एफ; पं० २२-३२ ए।
वंशीलीला (पद्य)→१२-६२ के।
वनयात्रा (पद्य)→१२-६२ सी।
वर्षोत्सव (पद्य)→१२-६२ एल।
वृंदावन धामानुरागावली (पद्य)→०६-६७ बी; १२-६२ जे।
वृंदावन माहात्म्य (पद्य)→१२-६२ डी।

गोपाललाल— बंदीजन। श्यामदास के पुत्र। चरखारीनरेश राजा रत्नसिंह के आश्रित। संभवतः भगवंतराय खीची के भी आश्रित। इन्हें 'सुकवि' की उपाधि मिली थी। सं० १८६१ के लगभग वर्तमान।
चारों दिशाओं के सुख दुःख (पद्य)→२६-१४७ ए, बी; २६-११४।
शिखनख दर्पण (पद्य)→०६-४० ए।

गोपाललाल—पटियाला निवासी। संभवतः वहीं के दरबार से संबद्ध। सं० १६११ के लगभग वर्तमान।

अस्फुटिक कवित्त (पद्य)→पं० २२–११६ ए।

वैराग्यशति (पद्य)→पं० २२–११६ बी।

गोपाललाल—गिरधर (लाल) के पिता। काशी के गोपालमंदिर के अध्यक्ष। सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।→००–६।

क्षेत्रकौमुदी (गद्यपद्य)→२३–१३४।

गोपाललालजी काशी पधारे सो प्रकार (गद्य)—शिवदयाल कृत। लि० का० सं० १८७६। वि० गोपाललाल जी के काशी में आने का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६२।

गोपाल सहस्रनाम सटीक (गद्य)—भवानीप्रसाद (ब्राह्मण) कृत। र० का० सं० १६२१। लि० का० सं० १६२१। वि० संस्कृत के 'गोपालसहस्रनाम' का अनुवाद।

प्रा०—पं० गोविंदराम, हिंगोटखिरिया, डा० बमरौलीकटारा (आगरा)। →२६–४२।

गोपाल सागर (पद्य)—गोपालदास कृत। वि० संतमतानुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० चंद्रभान बाजपेयी, भट्टपुरवा, डा० रहीमाबाद (लखनऊ)। → सं० ०७–३८।

गोपालसिंह (कुँवर)—महाराज त्रिलोकसिंह के पुत्र। बुंदेलखंड निवासी। सं० १७५८ के लगभग वर्तमान।→०६–३२१।

राग रत्नावली (पद्य)→०६–४२।

गोपिकालंकार→'रसिकदास' ('कीर्तन संग्रह' के रचयिता)।

गोपिकालंकार (गोस्वामी)—श्री वल्लभाचार्य के वंशज। मथुरानाथ जी के पौत्र और द्वारिकेश जी के पुत्र। इनके एक पुरखे श्री वल्लभ जी थे जो काकावल्लभ जी के नाम से प्रसिद्ध थे।

श्रीनाथजी की सेवा विधि (गद्य) →सं० ०१–६३।

गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'ऊधोजी की बारहखड़ी' और 'बारहखड़ी'। संतदास कृत। वि० शृंगार।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →सं० ०७–१८७।

(ख) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—पं० रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। → २६–४२८ बी।

(ग) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग। → ४१–५६६ (अप्र०)।

(घ) प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर। →१२–१६६।

(ङ) प्रा०—महंत मोहनदास, द्वारा बाबा पीतांबरदास, सौनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–४२८ ए ।

गोपीचंद—बंगाल के राजा। माता का नाम मैनावँती (गोरखनाथ की शिष्या)। माता के उपदेश से विरक्त हुए। जालंधरनाथ के शिष्य। पूर्व नाम राजा गोविंदचंद्र। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत। →४१–५६।

सबदी या माता मैणाँवँती गोपीचंद संवाद (पद्य) →सं० १०–२७।

गोपीचंद (पद्य)—रामदयाल (?) कृत। वि० धारानगर के राजा गोपीचंद के वैराग्य की कथा।

प्रा०—पं० महेश्वरदयाल, गंडीह, डा० कोसी (मथुरा) ।→३८—११७।

गोपीचंद का ख्याल (पद्य)—डूँगरलाल कृत। वि० राजा गोपीचंद के योगी होने की कथा।

प्रा०—पं० शोभाराम दूबे, उनियाकलाँ, डा० मैगलगंज (सीतापुर)। →२६–११०।

गोपीचंद की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० सीताराम, मानपुर, डा० बारा (इलाहाबाद)। →सं० ०१–५१०।

गोपीचंद चरित्र(पद्य)—खेमदास कृत। लि० का० सं० १७६७। वि० राजा गोपीचंद की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७–२७ ख।

गोपीचंदजी की महिमा के पद (पद्य)—कालू कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१७ क।

गोपीचंद भरथरी→'गोपीचंद लीला' (लछिमनदास कृत)।

गोपीचंद राजा की कथा (पद्य)—मैनावती कृत। लि० का० सं० १६२७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह जी, ग्राम तथा डा० नौगवाँ (आगरा)। → २६–२२७।

गोपीचंद लीला (पद्य)—अन्य नाम 'गोपीचंद भरथरी'। लछिमनदास कृत। र० का० सं० १६०५। वि० राजा गोपीचंद की कथा।

(क) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—श्री रामभरोसे, केवलपुर (खीरी)। →२६–२५५ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—लाला सीताराम, सांगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२६–२५५ बी।

गोपीनाथ—गोकुलनाथ बंदीजन (काशी निवासी) के पुत्र। काशी नरेश महाराज उदित-नारायणसिंह के आश्रित। महाभारत के अनुवाद में गोकुलनाथ और मणिदेव के सहयोगी। सं० १८७० के लगभग वर्तमान। →०४–६५; २६–२६३।
शांतिपर्व (पद्य) →२६–१४६।

गोपीनाथ—हित हरिवंश के तृतीय पुत्र। हित लालस्वामी के गुरु। →१२–४६; १२–१०२।

गोपीनाथ (द्विज)—आगरा निवासी। पूर्वज दिहुली ग्राम (मैनपुरी) निवासी। गुरु का नाम चतुर्भुज मिश्र। सं० १६३६ में वर्तमान।
भागवत (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध भाषा) (पद्य) →२६–१२६।

गोपीनाथ (पाठक)—काशी निवासी। सं० १६२१ के पूर्व वर्तमान।
तुलसीसतसई सटीक (गद्यपद्य) →२३–१३५।

गोपी पचीसी (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० गोपियों की विरह कथा।
(क) लि० का० सं० १६२०।
प्रा०—बलरामपुर नरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →२०–५८ ए।
(ख) प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर। →०१–६०।
(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कांथा (उन्नाव)। →२३–१४६ सी।
(घ) प्रा०—ठा० हरिबक्ससिंह रईस, अथरिया, प्रतापगढ़। →२६–१६१ ए।
(ङ) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६–१३५ ए।
(च) प्रा०—श्री गणपति शर्मा, शाहदरा, दिल्ली। →दि० ३१–३४।

गोपी बलदाऊ की बारामासी (पद्य)—किंकर (प्रभु) कृत। लि० का सं० १६१४। वि० गोपियों का विरह।
प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)। →२६–२४१।

गोपी माहात्म्य (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८४६। वि० स्कंदपुराण के आधार पर राधाकृष्ण विहार वर्णन।
प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)। →०१–१००।

गोपी विरह (पद्य)—बैजनाथ कृत। र० का० सं० १६१४ (?)। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६४७।
प्रा०—श्री अमरनाथ शुक्ल, नउआडीह, डा० बादशाहपुर (जौनपुर)। → सं० ०४–२४४।
(ख) लि० का० सं० १६४८।
प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर)। →२६–२४ ए।

गोपीविरह छंदावली→'गोपीविरह' (बैजनाथ कृत)।

गोपीविरह माहात्म्य (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत। र० का० सं १६३१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—लाला महावीरप्रसाद, बकावली, डा० धूमरी (एटा)।→२६-६० डी।

(ख) लि० का० सं० १६४८।

प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर)।→२६-६० ए।

गोपीश्याम सँदेश (पद्य)—हरिदास (बैन) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद शर्मा, सिहोरा, डा० महावन (मथुरा)।→३५-३७ ए।

गोपी सागर (पद्य)—कुशलसिंह कृत। लि० का० सं० १८८१। वि० गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३८ ख।

गोपी सागर (पद्य)—नारायणदास कृत। लि० का० सं० १८६८। वि० कृष्ण संबंधी पौराणिक कथाएँ तथा गोपी उद्धव संवाद।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कटैल, डा० चिलबलिया (बहराइच)। →२३-२६८।

गोपेश्वर—गो० विट्ठलनाथ के वंशज। हरिराय के छोटे भाई। सं० १५६७ के लगभग वर्तमान।

शिक्षापत्र टीका (गद्य) →१७-८८ (परि० ३); ३५-२६ ए, बी, सी; ३८-५३ ए, बी।

गोपेश्वर अष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। वि० गोपेश्वर महादेव की विनती।

प्रा०—ठा० देवीसिंह, अहमदपुर, डा० तिलियानी (मैनपुरी)।→३२-४१ ए।

गोमटसार की सम्यक ज्ञान चंद्रिका नाम टीका (पद्य)—टोडरमल कृत। र० का० सं० १८१८। वि० जैन दर्शन के 'गोमटसार' नामक प्राकृत ग्रंथ की टीका।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-४२६ ए।

(ख) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-४६ ङ।

गोमतीगिरि (परमहंस)—संभवतः अयोध्या निवासी गोमतीदास।→०३-६।

तत्वरत्न दीपक (पद्य)→२६-१४५।

गोमतीदास—अयोध्या निवासी। रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।

रामायण (पद्य)→०३-६।

गोरक्षशतं या योगशतक टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७३१। वि० योग।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-२२७ ।

गोरखकबीर की गोष्ठी→'कबीरगोरख की गोष्ठी' (कबीरदास (कृत) ।

गोरख कुंडली (गद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-१०० घ ।

गोरख गणेश गोष्ठी (गद्यपद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १७६४ । वि० अध्यात्म संबंधी प्रश्नोत्तर ।
प्रा०—श्री महंत जी, डिडवाना राज्य (जोधपुर) ।→२३-३८१ बी ।

गोरखगणेश गोष्ठी→'गोरखगणेश संवाद' (गोरखनाथ कृत) ।

गोरखगणेश संवाद (गद्य)—अन्य नाम 'गोरखगणेश गोष्ठी' । गोरखनाथ कृत । वि० गणेश और गोरखनाथ के संवाद के रूप में ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का सं० १८३६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०७-३६ घ ।
(ख)→०२-६१ (तीन) ।
(ग) →पं० २२-३३ बी ।

गोरख ग्रंथ (पद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्रीमती बच्ची मिश्राइन, रामपुर पंडितान, डा० रामदयालगंज (जौनपुर) । →सं० ०१-१०० ख ।

गोरख चिंतामणि (गद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० योग और इंद्रजाल ।
प्रा० —पं० श्यामसुंदर, रारीजोत, डा० नरखुरिया (बस्ती) ।→सं० ०७-३६ ङ ।

गोरखदत्त गोष्ठी—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।→०२-६१ (पाँच) ।

गोरखनाथ—सुप्रसिद्ध महात्मा । गोरखपंथी संप्रदाय के संस्थापक । मत्स्येंद्रनाथ के शिष्य । कुछ लोगों के मत से उनके (मत्स्येंद्रनाथ के) पुत्र । संभवतः गोरखपुर के प्रसिद्ध मंदिर के संस्थापक । विक्रम की पंद्रहवीं शती के आरंभ में वर्तमान ।
अवलिसिलूक (ग्रंथ) (गद्य) →सं० ०७-३६ क ।
आरती (पद्य) →सं० ०७-३६ ख ।
काफिरबोध (पद्य) →सं० ०७-३६ ग ।
गोरखकुंडली (गद्य) →सं० ०१-१०० घ ।
गोरखगणेश संवाद (गद्य)→०२-६१ (तीन); पं० २२-३३ बी; सं० ०७-३६ घ ।
गोरख ग्रंथ (पद्य) →सं० ०१-१०० ख ।
गोरख चिंतामणि (गद्य) →सं० ०७-३६ ङ ।
गोरखनाथ की तिथि वार ग्रह→पं० २२-३३ सी ।
गोरखनाथ की बानी (गद्यपद्य) →०६-६६ ।
गोरखनाथजी का पद (पद्य) →पं० २२-३३ डी ।
गोरखनाथजी के पद (पद्य) →०२-६१ (तीन) ।
गोरखबोध (गद्यपद्य) →०२-६१; सं० ०१-१०० ग ।

गोरखमहादेव संवाद (गद्य) →०२-६१ (चार); पं० २२-३३ आई; सं० ०७-३६ च ।

गोरखशत (गद्य) →पं० २२-३३ एफ; ३५-३० ए ।

गोरखशब्दी →पं० २२-३३ ई ।

गोरखसार (गद्य) →०३-८५ ।

जोगमंजरी (गद्य) →३५-३० बी ।

जोगेश्वरी साखी→०२-६१ (दो) ।

ज्ञानचौंतीसी→०२-६१ (सत्रह); पं० २२-३३ जी ।

ज्ञानतिलक→०२-६१ (चार); पं० २२-३३ एच ।

ज्ञानसिद्धांत जोग→०२-६१ (एक) ।

दत्तगोरख संवाद→०२-६१ (पाँच) ।

दयाबोध→०२-६१ (दस); पं० २२-३३ ए ।

नरबेबोध→०२-६१ (सात); ०२-६१ (ग्यारह); सं० ०७-३६ छ ।

निरंजनपुराण→पं० २२-३३ जे ।

पंद्रहतिथि ग्रंथ (पद्य)→सं० ०७-३६ ज ।

रतनमाला (पद्य) →सं० ०७-३६ झ ।

राँमरछ्या (पद्य) →सं० ०७-३६ ञ ।

रोमावली (गद्य) सं० ०७-३६ ट ।

विराटपुराण→०२-६१ (छै) ।

वेद गोरखनाथ का (पद्य) →सं० ०१-१०० क ।

सप्तवार (पद्य) सं० ०७-३६ ठ ।

सबदी (गद्यपद्य)→सं० ०४-७६ ।

साखी सबदी (पद्य)→सं० ०७-३६ ड ।

सूक्ष्मवेद (पद्य) →सं० १०-१०० ङ ।

टि० खो० वि० ०२-६१ का हस्तलेख छोटी छोटी २७ पुस्तकों का संग्रह ग्रंथ है ।

गोरखनाथ की तिथि वार ग्रह—गोरखनाथ कृत ।→पं० २२—३३ सी ।

गोरखनाथ की बानी (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । र० का० सं० १४०७ । लि० का० सं० १८५५ । वि० ज्ञान, वैराग्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-६६ ।

गोरखनाथजी का पद (पद्य)—गोरखनाथ कृत ।→पं० २२-३३ डी ।

गोरखनाथजी की सतरा कला—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत । → ०२-६१ (चौदह) ।

गोरखनाथजी के पद (पद्य)—गोरखनाथ कृत ।→०२-६१ (तीन) ।

गोरखबोध (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—श्री बेचनराम मिश्र, पंडितपुरा, डा० जँवई (जौनपुर) ।→सं० ०१–१०० ग ।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६१ ।

टि० खो० वि० ०२–६१ का हस्तलेख निम्नांकित छोटी छोटी २७ पुस्तकों का संग्रह है—१. गोरखबोध, २. रामबोध, ३. गोरखगणेश गोष्ठी, ४. महादेवगोरख संवाद, ५. गोरखदत्त गोष्ठी, ६. कंथड़बोध, ७. अष्टमुदरा, ८. पंचमात्रीजोग, ९. अभैमात्रा, १०. दयाबोध, ११. नरवेबोध, १२. अंकलिश्रिलोक, १३. काफरबोध, १४. गोरखजी की सतराकला, १५. आतमबोध, १६. प्राणसाँकली, १७. ज्ञानचौंतीसी, १८. ज्ञानतिलक, १९. संख्यादरसन, २०. रहरास, २१. नाथजीकी तिथ, २२. बत्रीसलछण, २३. ग्रंथरोमावली, २४. छंद गोरखनाथजी का, २५. किसन असतुतिकरी, २६. सिद्धइकबीस गोरखनाथजी का, २७. सिसटपरमाँण ग्रंथ ।

गोरख महादेव संवाद (गद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्र०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३९ च ।

(ख)→०२–६१ (चार) ।

(ग)→पं० २२–३३ आई ।

गोरखशत (गद्य)—अन्य नाम 'गोरखसत पराक्रम (भाषा)' तथा 'अष्टांगजोग साधन विधि' । गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञान वैराग्य ।

(क) प्रा०—डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । →३५–३० ए ।

(ख)→पं० २२–३३ एफ ।

गोरख शब्दी—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।→पं० २२–३३ ई ।

गोरखसत पराक्रम (भाषा)→'गोरखशत' (गोरखनाथ कृत) ।

गोरखसार (गद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० सं० १८५९ । वि० योग साधन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–८५ ।

गोराबादल—चित्तौड़ के दो सैनिक । सं० १३६० के लगभग वर्तमान । ये सैनिक चित्तौड़ की लड़ाई में राणा रतनसेन की ओर से अलाउद्दीन से लड़कर मारे गये थे ।→ ००–२४; ०१–४८ ।

गोराबादल की कथा (गद्यपद्य)—जटमल (जाट) कृत । र० का० सं० १६८० । वि० मेवाड़ की रानी पद्मावती की रक्षा के लिए गोराबादल का युद्ध ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४८ ।

गोराबादल की वार्ता (पद्य)—जटमल (जाट) कृत । वि० रानी पद्मावती के लिये अलाउद्दीन के चढ़ाई करने पर गोरा बादल की वीरता का वर्णन ।

प्रा०—पं० मदनलाल मिश्र ज्योतिषी, लक्ष्मण जी के मंदिर के पीछे, भरतपुर । →३८–७१ ।

गोरा बादल पद्मिनी चौपाई (पद्य)—हेमरतन कृत। र० का० सं० १६४५। वि० पद्मिनी चरित्र वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४६४।

गोरा बादल रणजय→'पद्मिनी चरित्र' (लालचंद कृत)।

गोरेलाल (पुरोहित)—उप० लाल कवि। मऊ निवासी। पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के आश्रित। सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।

छत्रप्रकाश (पद्य)→०६-४३ बी; २६-१५०।

बरवै (पद्य)→०६-४३ ए।

विष्णुविलास (पद्य)→२३-२४३।

गोलोक की जिकरी (पद्य)—मंगीलाल कृत। वि० कृष्णावतार का वर्णन।

प्रा०—ठा० महताबसिंह, सींगेमई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-१४१।

गोवर्द्धन—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-५७ (चालीस)।

गोवर्द्धन चरित्र (पद्य)—गोपालदास (स्वर्णकार) कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।

प्रा०—श्री कमलनयन हरानिया गौड़, अहियापुर, इलाहाबाद।→सं० ०१-६१।

गोवर्द्धनदास—राधावल्लभ संप्रदाय के साधु।

गोवर्द्धनदास की बानी (पद्य)→२३-१३६।

गोवर्द्धनदास (सारस्वत)—कोटपुतली निवासी। सं० १६३७ के लगभग वर्तमान।

सुंदरीतिलक (पद्य)→२६-१५२।

गोवर्द्धनदास की बानी (पद्य)—गोवर्द्धनदास कृत। वि० भक्ति, उपदेश आदि।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३-१३६।

गोवर्द्धनधर (मिश्र)—बिल्हौर (कानपुर) निवासी। सं० १६२४ के लगभग वर्तमान।

विष्णु विनोद (पद्य)→२६-१५३ सी।

शिव विनोद (पद्य)→२६-१५३ बी।

शिव विलास (पद्य)→२६-१५३ ए।

गोवर्द्धननाथ के प्रगटन समय की वार्ता (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० गोवर्द्धननाथ का प्रकट होना और उनका चरित्र वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—श्री रमाविलास पुस्तकालय, अजमतगढ़ राज्य (आजमगढ़)। →सं० ०१-८८ छ।

(ख) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल, प्रधानाध्यापक, ग्राम तथा डा० जैतपुरकलाँ (आगरा) →२६-१२१ ए।

गोवर्द्धननाथजी की वार्ता प्रागट्य की→'गोवर्द्धननाथ के प्रकटन समय की वार्ता' (गो० गोकुलनाथ कृत)।

गोवर्द्धन पूजा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री गौरीशंकर शुक्ल शास्त्री आयुर्वेदाचार्य, ग्राम तथा डा० जगनेर (आगरा)।→२६–३७६।

गोवर्द्धनरूप माधुरी (पद्य)—चतुर्भुजदास (चत्रभुजदास) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—पं० दयानंद, रामपुर, डा० छोटी कोसी (मथुरा)।→३८–२८।

गोवर्द्धनलाल (गोस्वामी)—कृष्णदास के गुरु। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।→ १२–६६।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—गंगाधर कृत। वि० कृष्ण के गोवर्द्धन धारण का वर्णन।
(क) प्रा०—पं० रामदत्त त्रिपाठी, विधूना (इटावा)।→३८–५० ए।
(ख) प्रा०—श्री रामप्रसाद चौधरी, साम्हो (इटावा)।→३८–५० बी।
(ग) प्रा०—पं० धन्नू महाराज, चिल्ला, डा० शाहदरा (दिल्ली)। → दि० ३१–३२।

गोवर्द्धनलीला (गद्यपद्य)—गोविंददास कृत (संगृहीत)। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–६५।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—गौरीशंकर कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा नारायणाश्रम कुटी, डा० मोहनपुर (एटा)।→२६–१०२ बी।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—नारायणदास (व्रजवासिया) कृत। लि० का० सं० १८२८। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१६२ क।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—रामदास (बरसानिया) कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
(क) लि० का० सं० १८२७।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३४७ क।
(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → सं० ०१–३४७ ख।
(ग) प्रा०—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३४७ ग।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—सूरदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
(क) प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन (भरतपुर)। → १७–१८६ ई।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४६१ ट।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—हरिदास (हरिराय ?) कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८३ क।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—हरिनाम (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रेवतीरमण, बेरी, डा० बरारी (मथुरा)।→३८–५८ ए।

गोवर्द्धन समय के कवित्त (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० गोवर्द्धन लीला।

प्रा०—पं० भूपदेव शर्मा, सिहाना, डा० भरनाखुर्द (मथुरा)।→३८–१०३ सी।

गोविंद—अन्य नाम गोविंददास। संभवतः मीरजहाँपुर (इलाहाबाद) के निवासी।

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–६४।

गोविंद—(?)

उत्सव के प्रकार, वैष्णवों के नित्यकर्म, गोवर्द्धन लीला (गद्यपद्य)→सं० ०१–६५।

गोविंद—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (आठ)।

गोविंद→'जयगोविंद' (पलटूदास के गुरु)।

गोविंद→'रसिकगोविंद' ('युगलरस माधुरी' के रचयिता)।

गोविंद (कवि)—किसी कायम खाँ (संभवतः मालवा के सूबेदार बँगरू के पुत्र) सूबेदार के आश्रित। संभवतः सं० १७८० के पश्चात् वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४–८०।

गोविंद (कवि)—पढ़ेरी (?) के राजा काशीराम के आश्रित।

वंशविभूषण (पद्य)→सं० ०४–८१।

गोविंद (कवि 'द्विज')—ब्राह्मण।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य) →सं० ०४–८२।

गोविंद (सुकवि)—(?)

राधामुख षोडशी (पद्य)→४१–६१।

गोविंद (सुकवि) →'हरगोविंद (बाजपेयी)' ('करनाभरण' के रचयिता)।

गोविंदचंद्र (राजा)→'गोपीचंद' ('सबदी' के रचयिता)।

गोविंदचंद्रिका (पद्य)—इच्छाराम कृत। र० का० सं० १८४७ (?) वि० भागवत (दशमस्कंध) एवं एकादशीव्रत वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० रामदुलारे, देवा (बाराबंकी)।→२३–१७१।

(ख) लि० का० सं० १६१७।

प्रा०—श्री मोतीलाल, आत्मज रायबहादुर मुंशी कन्हैयालाल, डिप्टी कलेक्टर, एतमादपुर (आगरा)।→२६–१५७।

(ग) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६३ ए (विवरण अप्राप्त)। (एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

गोविंददास—शिवसिंह सरोज में उल्लिखित गोविंददास व्रजवासी और भक्तमाल में उल्लिखित गोविंददास भक्तमाली। नाभादास जी के शिष्य। सं० १५१६ में वर्तमान।

पद (पद्य)→सं० ०७–४०।

गोविंददास—अयोध्या निवासी। संभवतः 'एकांतपद' के रचयिता गोविंददास।

गोविंददास की बारहमासी (पद्य)→२६–१५४।

सीताराम की गीतहोली आदि (पद्य)→२०–५३।

गोविंददास—संभवतः अयोध्या निवासी गोविंददास।→२०–५३; २६–१५४।

ज्योनार (पद्य)→३२–६६ सी।

धमारि व चरचरी (पद्य)→३२–६६ बी।

बत्तीस अछरी (पद्य)→३२–६६ ए।

विष्णुपद तथा होरी आदि का संग्रह (पद्य)→३२–६६ डी।

गोविंददास—जन्मकाल सं० १६७२ के लगभग। अयोध्या निवासी गोविंददास भी संभवतः यही हैं।

एकांतपद (पद्य)→१७–६३।

गोविंददास—(?)

ककाबत्तीसी (पद्य)→सं० ०४–८३।

गोविंददास—(?)

शब्द विष्णु पद (पद्य)→सं० ०१–६६।

गोविंददास—छविनाथ कवि ('माधव सुयश प्रकाश' के रचयिता) के पिता। बगसर (बैसवाड़ा) निवासी।→सं० ०१–११५।

गोविंददास→'गोविंद' ('कवित्त' के रचयिता)।

गोविंददास की बारहमासी (पद्य)—गोविंददास कृत। लि० का० सं० १६३५।

वि० राधाकृष्ण वियोग।

प्रा०—पं० गोविंदलाल, निहालपुर, डा० नारायणदास का खेड़ा (उन्नाव)।→२६–१५४।

गोविंद पंडित (काश्मीरी)—काश्मीरी पंडित।

सुमोक्षशास्त्र (गद्य)→सं० ०१–६७।

गोविंदप्रभु→'गोविंदस्वामी' ('गीतचिंतामणि' आदि के रचयिता)।

गोविंदप्रभु की बानी (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत। वि० कृष्ण लीला।

(क) प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नयामंदिर, गोकुल (मथुरा)→३२–६७ ए।

(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–६० क।

गोविंदराम (सौम)—आत्माराम के मित्र। काँगड़ा (पंजाब) निवासी। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।→पं० २२-६।

गोविंदलाल—सं० १६३० के पूर्व वर्तमान।
कलिजुग के कवित्त (पद्य)→२६-१२५ ए, बी; सं० ०१-६६।

गोविंद विलास (पद्य)—अन्य नाम 'हरिविलासाख्य'। हरिविलास कृत। र० का० सं० १६३३। वि० राम और कृष्ण चरित्र।
(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४८८।
(ख) प्रा०—राजपुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़।→सं० ०४-४४१।

गोविंदसाहब—भीखादास के शिष्य। पलटूदास के गुरु। सं० १७६२ के लगभग वर्तमान।→२०-१८।

गोविंदसिंह (गुरु)—सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर के पुत्र और दसवें तथा अंतिम गुरु। जन्म सं० १७२३। सं० १७६५ में मृत्यु। इन्होंने सिख जाति को नवीन चेतना प्रदान की थी।
चंडीचरित्र (पद्य)→०३-५।
त्रियाचरित्र (पद्य)→२६-१५५।

गोविंद स्तुति (पद्य)—मट्ठकमनि कृत। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री महादेव मिश्र, बढ़सरा, डा० कसिया (गोरखपुर)।→ सं० ०१-२६७।

गोविंद स्वामी—अन्य नाम गोविंदप्रभु। संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। अष्टछाप के कवि। जनश्रुति है कि ये पद बनाकर यमुना में बहा दिया करते थे। इनकी भतीजी ने २५२ पद और १२ धमार बचा लिये थे। र० का० सं०१६००-१६२५।
गीतचिंतामणि (पद्य)→००-६१; १२-६६।
गोविंदप्रभु की बानी (पद्य)→३२-६७ ए; ४१-६० क।
गोविंदस्वामी के पद (पद्य)→३२-६७ बी; ४१-६० ग; सं० ०१-६८ क, ख, ग; सं० ०४-८४।
पदावली (पद्य)→४१-६० ख।
श्रीनाथजी के शृंगारन के वस्त्रन के नौ रंग (पद्य)→सं० ०१-६८ घ।

गोविंद स्वामी के कीर्तन या पद→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत)।

गोविंद स्वामी के दो सौ बावन कीर्तन→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत)।

गोविंद स्वामी के पद (पद्य)—गोविंद स्वामी कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
(क) लि० का सं० १८६३।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-६८ ग।
(ख) प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नयामंदिर, गोकुल (मथुरा)। → ३२-६७ बी।
(ग) प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-६० ग।

(घ) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–६८ क ।

(ङ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–६८ ख ।

(च) प्रा०—डा० दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–८४ ।

गोविंदानंदघन (पद्य)—रसिकगोविंद कृत । र० का० सं० १८५८ । वि० अलंकार और नायिका भेद ।

(क) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—श्री श्यामलाल, आत्मज श्री पन्नालाल हवेलिया, बलदेवगंज, डा० कोसी (मथुरा) ।→३२–१८८ ।

(ख) प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर ।→०६–१२२ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—लाला बद्रीदास बैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६५ ।

(घ)→पं० २२–२ ।

गोविंदानंदघन गुणालंकार→'गोविंदानंदघन' (रसिकगोविंद कृत) ।

गोष्ठी गोरख कबीर की→'कबीरगोरख की गोष्ठी' (कबीरदास कृत) ।

गोष्ठी दरियासाहब और गणेश पंडित (पद्य)—दरियासाहब कृत । लि० का० सं० १९४६ । वि० दरिया साहब और गणेश पंडित का ब्रह्म विषयक संवाद ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–५५ जी ।

गोसइयाँ के बयान (बआन) की किताब (गद्यपद्य)—हरिनाम कृत । वि० परमात्मा का स्वरूप वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३२० क ।

गोसाईंचरित (मूल) (पद्य)—बेनीमाधवदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६८७ । लि० क० सं० १८४८ । वि० गो० तुलसीदास का जीवनचरित्र ।

प्रा०—पं० रामाधारी पांडे, भरून, डा० ओबरा (गया) ।→२६–४४ ।

गोसाईं जी→'गुसाईं जी' ('अंतःकरण प्रबोध' के रचयिता) ।

गोसाईं जी→'विट्ठलनाथ (गोस्वामी)' (वल्लभाचार्य जी के पुत्र) ।

गोसाईंदास—सतनामी पंथ के प्रवर्तक स्वा० जगजीवनदास के शिष्य । कमोली (बाराबंकी) निवासी । सं० १७२७ के लगभग वर्तमान ।

कहरानामा (पद्य) →सं० ०४–८५ क ।

दोहा (पद्य)→सं० ०४–८५ ख ।

शब्दावली (पद्य)→२६–१५१ ।

गो स्तन शीतला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९०७ । वि० चेचक के टीके का लाभ वर्णन ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–३६२ ।

गौड़सुलतान—नागपुर निवासी। प्रेमचंद्र कवि के आश्रयदाता। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।→१२-१३४।

गौतम(ऋषि)—(?)

गौतम सगुन परीक्षा (पद्य)→१२—६४।

रामाज्ञा (गद्य)→३८-५१।

गौतम सगुन परीक्षा (पद्य)—गौतम (ऋषि) कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० शकुनावली।

प्रा०—गो० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६४।

गौरगनदास—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी।

गौरांगभूषण विलास (पद्य)→२६-११२ बी।

शृंगारमंझावली (पद्य)→२६-११२ ए।

गौरांगभूषण विलास (पद्य)—गौरगनदास कृत। वि० गौरांग महाप्रभु की कथा।

प्रा०—बाबा वंशीदास, गोविंदकुंड, वृंदावन (मथुरा)।→२६-११२ बी।

गौरा—(?)

गुंजाकल्प (पद्य)→सं० ०४-८६।

गौरीबाई की महिमा (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। वि० संत गौरीबाई का गुणगान।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-७४।

गौरीशंकर (चौबे)—दुर्गाप्रसाद के पुत्र। कपनसराय (शाहजहाँपुर) निवासी। सं० १९३१ में वर्तमान।

ऊधवलीला (पद्य)→१२-६३ डी।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)→२६-१०२ बी।

चीरहरणलीला (पद्य)→२६-१०२ ए।

दामरीलीला (पद्य)→१२-६३ ए।

बाँसुरीलीला (पद्य)→१२-६३ बी।

मनिहारीलीला (पद्य)→२६-१०२ सी।

मानलीला (पद्य)→१२-६३ सी।

रहसपच्चासा (पद्य)→२६-१०२ डी।

श्यामविलास (पद्य)→२६-१०२ ई।

गौरीशंकर (भट्ट)—मसवानपुर (कानपुर) निवासी। लालताप्रसाद के पुत्र। सं० १९२८ के लगभग वर्तमान।

ऋतुराज शतक (पद्य)→२६-१०१ सी।

काव्यामृत प्रवाह (पद्य)→२६-१३३ ए; २६-१०१ बी।

वीरविनोद (पद्य)→२६-१०१ जी।

संगीत की पुस्तक (पद्य)→२६-१०१ डी, ई।

सांगीत विहार (पद्य)→२६-१३३ बी; २६-१०१ एफ।

होली संग्रह (पद्य)→२६-१०१ ए।

ग्याँनतिलोक—निरगुन पंथी कोई उच्च कोटि के संत। संभवत: राघवदास कृत 'भक्तमाल' के तिलोक सुनार।

पद (पद्य)→सं० १०-२८।

ग्रंथमाँड्यो (पद और रमैंणी) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२१० क।

ग्रहण विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार ग्रहण पर विग्रह शुद्धि की विधि।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३६३।

ग्रहणों की पोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६२८। वि० संवत् १६२६ से २०१२ तक के सूर्य और चंद्र ग्रहणों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद, नवीनगर, डा० लहरपुर (सीतापुर)। → २६-२६ (परि० ३)।

(ख) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—पं० गंगाविष्णु ज्योतिषी, बंथर वाले, बंथर (उन्नाव)।→ २६-२६ (परि० ३)।

ग्रहफल विचार (पद्य)—ईश्वरदास कृत। र० का० सं० १७५६। लि० का० सं० १६०२। वि० ग्रहों के फलों का विचार।

प्रा०—बाबू केदारनाथ अग्रवाल, बाह (आगरा)।→२६-१५६।

ग्रहभाव फल (गद्य)—दलेलपुरी कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रमणलाल, फरैह (मथुरा)।→३८-३४।

ग्रहों के फलाफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० छोटेलाल अध्यापक, उमरैठा, डा० पिनाहट (आगरा)। → २६-३८०।

ग्राइबुलजुगद (गद्य)—अब्दुललतीफ कृत। लि० का० सं०-३२ (अपूर्ण)। वि० हिंदी फारसी कोश।

प्रा०—अमीर उद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय, लखनऊ।→सं० ०७-५।

ग्रीष्म विहार (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० ग्रीष्म ऋतु में कृष्णलीला।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-१२१ (नौ)।

ग्रीष्मादि ऋतुओं के कवित्त→षटऋतु संबंधी कवित्त' (ग्वाल कवि कृत)।

ग्वारिनी झगड़ा (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला'। रामकृष्ण कृत। वि० श्रीकृष्ण की दानलीला का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१–३३८।

(ख) प्रा०—पं० बाबूराम वित्थरिया, सिरसागंज (मैनपुरी)।→२६–३८२।

ग्वाल (कवि)—वृंदावन (मथुरा) निवासी। ब्रह्मभट्ट वंशीय बंदीजन सेवाराम के पुत्र। व्रजभाषा के प्रसिद्ध कवि। महाराज जसवंतसिंह और स्वामी लहनासिंह के आश्रित। सं० १८७६–१९१९ के लगभग वर्तमान।

अलंकार भ्रमभंजन (पद्य)→०५–१२; १७–६५ ए; ३२–७३ ए।

कवित्त संग्रह (पद्य)→३२–७३ बी; ३५–३३ डी, ई, एफ, जी; ३८–५५ डी।

कविदर्पण (पद्य)→०६–१०२; १७–६५ सी।

कविहृदय विनोद (पद्य)→२०–५८ सी; २३–१४६ ए; २६–१३५ बी।

कृष्णचंद्रजू को नखशिख (पद्य)→०१–८६; २०–५८ डी; २३–१४६ बी; २६–१६१ सी; २६–१३५ सी।

गोपी पचीसी (पद्य)→०१–६०; २०–५८ ए; २३–१४६ सी; २६–१६१ ए; २६–१३५ ए; दि० ३१–३४।

जमुनालहरी (पद्य)→०१–८८; २०–५८ बी।

प्रस्तार प्रकाश (पद्य)→३८–५५ ए।

बंशीबीसा (पद्य)→१७–६५ डी; ३२–७३ ई।

भक्तभावना (पद्य)→०५–१४; १७–६५ बी।

रसरंग (पद्य)→०५–११; ३२–७३ डी।

रसिकानंद (पद्य)→००–८४; २६–१६१ बी।

लक्षना ब्यंजना (पद्य)→३२–७३ सी।

षट्ऋतु संबंधी कवित्त (पद्य)→३५–३३ ए, बी, सी; ३८–५५ बी।

हम्मीरहठ (पद्य)→०५–१३; ४१–४६१ (अप्र०)।

होरी आदि का छंद (पद्य)→३८–५५ सी।

ग्वाल कवि के कवित्त→'कवित्त संग्रह' (ग्वाल कवि कृत)।

ग्वालपहेलो (पद्य)—रघुवर कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—ला० जगन्नाथप्रसाद, खजांची, तहसील, राजनगर (छतरपुर)। → सं० ०१–३१६ क।

ग्वालपहेली लीला (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० पहेलियों का संग्रह।

(क) लि० का० सं० १८१४।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→ ०६–६ बी।

(ख) लि० का सं० १८२६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१०० एल।

ग्वालिनी झगरो (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७८५। वि० कृष्ण का ग्वालिनों के साथ झगड़ना तथा ग्वालिनों का यशोदा को उलाहना देना इत्यादि।

प्रा०—श्री रंगीलाल, कोसी, मथुरा।→१७–२७ (परि० ३)।

घट रामायण (पद्य)—तुलसी साहब कृत। वि० योगाभ्यास।

(क) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—पं० गोकुल शास्त्री, बाजनगर, डा० सहावर (एटा)→२६–३२६, बी (उत्तरार्ध और पूर्वार्ध)।

(ख) लि० का० सं० १६५४।

प्रा०—पं० दुर्गादत्त त्रिपाठी, हाथरस।→१२–१६०।

घड़ी खैराकी (पद्य)—खैरासाह कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० प्रेम और शृंगार।

प्रा०—श्री दलपतिसिंह (पत्नी दलपतसिंह), प्रेम का पुरा, डा० लाला की बाजार (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–५१ क।

घनआनंद→'आनंदघन' (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि)।

घनदेव (वैष्णव)—काशी निवासी कान्यकुब्ज ब्राह्मण। किसी राणा सुरतान के आश्रित। सं० १८५४ के लगभग वर्तमान।

नवलनेह (पद्य)→सं० ०१–१०१।

घनराम—कायस्थ। ओड़छा के राजा उद्योतसिंह के आश्रित। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।

लीलावती (पद्य)→०६–३५।

घनश्याम—आगरा (राजघाट) के निवासी। चतुर्भुज मिश्र के पुत्र। शिरोमनि मिश्र के शिष्य। किसी कासिम के आश्रित। सं० १७०० के लगभग वर्तमान।

रागमाला (पद्य)→सं० ०१–१०२।

घनश्याम—संभवतः रामानुजी। रामपदारथलाल (गोलवारा आजमगढ़) के कहने से इन्होंने प्रस्तुत पुराण का अनुवाद किया था।

नासिकेतपुराण (पद्य)→४१–६२।

घनश्याम—अन्य नाम स्यामदास।

प्रह्लाद लीला (पद्य)→सं० ०१–१०४।

घनश्याम (त्रिवेदी)—(?)

मानस पर पद्यावली (प्रश्नावली) (पद्य)→०६–६०।

घनश्याम (द्विज)—गौरीशंकर (आजमगढ़) के निकट निवास स्थान। रामनुजी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १६१४ के लगभग वर्तमान।

वैद्यजीवन (पद्य)→सं० ०१–१०३।

घनश्याम (व्यास)—ब्राह्मण। ज्योतिषी। सं० १६२७ के लगभग वर्तमान।
ज्योतिष की लावनी (पद्य)→२६–१३५।

घनश्यामदास—कायस्थ। चरखारी नरेश रतनसिंह के आश्रित। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।
अश्वमेध पर्व (पद्य)→०६–३६ ए।
वसुदेवमोचनी लीला (पद्य)→०६–३६ बी।
साँझी (पद्य)→०६–३६ सी।

घनश्यामदास—गोवर्द्धन (ब्रज) निवासी।
यमुनालहरी (पद्य)→सं० ०१–१०५।

घनश्यामराय—उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान।
स्वप्नपरीक्षा (गद्य)→२६–१३४ ए, बी, सी।

घनश्यामलाल (गोस्वामी)—चतुरअलि के गुरु। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।→ १२–३६।

घनानंद→'आनंदघन' (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि)।
घनानंद कवित्त→'आनंदघन के कवित्त' (आनंदघन कृत)।
घसीटा→'हरिवंश' ('नखशिख' के रचयिता)।
घासीराम—ब्रह्मण। मल्लावाँ (हरदोई) निवासी। जन्म समय सं० १६२३। सं० १६८२ के लगमग वर्तमान।
पक्षीविलास (पद्य)→०६–६१; २६–१२२; २६–१३६; सं० ०४–८७।

घासीराम—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। निधान कवि के बड़े भाई। नंदराम के पुत्र। अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी। राजा धर्मसिंह के आश्रित। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।→१७–१२७।

घासीराम (उपाध्याय)—समथर (बुंदेलखंड) निवासी।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→०६–३७।

घासीराम (जैन)—पिता का नाम बहलसिंह। भारामल्ल के मित्र। तिस्सा (?) निवासी।
मित्रविलास (पद्य)→सं० १०–२६।

घिसियावनदास (बाबा)—जमिली गाँव (महाराजगंज तहसील; रायबरेली) के निवासी। कान्यकुब्ज दूबे ब्राह्मण। लगभग सं० १८५० में उत्पन्न। विरक्त होने पर खेखरवा गंगापुर (समरौता, रायबरेली) में कुटी बनाकर रहते थे।
कवित्त (पद्य)→सं० ०४–८८ क।
रामचरितामृत महोदधि (पद्य)→सं० ०४–८८ ख।
रामरस (पद्य)→२६–१३८; सं० ०४–८८ ग।

घीसाराम—भटीपुर (मेरठ) निवासी। सं० १६२४ के लगभग वर्तमान।
रामायण का बारहमासा (पद्य)→२६–१३७।

घूँघटनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ इ।

घूँघरा का पद (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० राधा के घुँघुरुओं का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२६५।

घोड़ाचोली—सिद्ध। मछिंद्रनाथ के 'दास' (शिष्य)। संभवतः आईपंथ के प्रवर्तक। गोरखनाथ के गुरु भाई (?) 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६: सं० १०–१०३।
घोड़ाचोली (गद्य)→४१–६३; सं० ०४–८६।
सबदी (गद्य)→सं० १०–३०।

घोड़ाचोली (गद्य)—अन्य नाम 'घोड़ीचोली गुटिका'। घोड़ाचोली कृत। वि० घोड़ाचोली नामक औषधि के अनुपानभेद से अनेक प्रयोगों का वर्णन।
(क) प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ़।→४१–६३।
(ख) प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुधवली, डा० सरपतहा (जौनपुर)। →सं० ०४–८६।

घोड़ाचोली गुटिका→'घोड़ाचोली' (घोड़ाचोली कृत)।

घोड़ों का इलाज (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० राघवराय अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→३६–२७ (परि० ३)।

चंचल (जैन)—किसी रतनमुनि के शिष्य।
बारहखड़ी (पद्य)→सं० १०–३१।

चंडी चरित्र (पद्य)—गोविंददास (गुरु) कृत। लि० का० सं० १८८०। वि० दुर्गा-स्तुति। (संस्कृत के दुर्गापाठ का अनुवाद)।
प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा)।→०३–५।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख में दो ग्रंथ हैं—'चंडीचरित्र उक्त विलास' और 'चंडीचरित्र नाटक'।

चंडी चरित्र (पद्य)—दयाल कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० चंडी महाकाली के युद्धों का वर्णन।
प्रा०—पं० श्रीधर, हसनपुर, डा० जरारा (मथुरा)।→३८–३५।

चंडी चरित्र (पद्य)—भैरवनाथ कृत। लि० का० सं० १९३८। वि० चंडी की वंदना।
प्रा०—श्री भजनलाल सोनार, बाजार मियागंज, अलीगढ़।→१२–२३।

चंडी चरित्र (पद्य)—मनीराम (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८५५। लि० का० सं० १९०१। वि० दैत्य और देवी का युद्ध।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद तिवारी, रहीमाबाद (लखनऊ)।→सं० ०७–१४५।

चंडी चरित्र (पद्य)—मारकंडे (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० चंडी और मधुकैटभ का युद्ध।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गेराटोला, आजमगढ़।→०६–१६४।

चंडी चरित्र नाटक→'चंडी चरित्र' (गुरु गोविंदसिंह कृत)।

चंडीदान—(?)

अमल की कविता (पद्य)→४१–६४।

चंद—बुंदेलखंड निवासी। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।

नागलीला (पद्य)→०६–१८; २६–७६।

चंद—सं० १५६३ के लगभग वर्तमान।

हितोपदेश (पद्य)→१७–३६; २०–२८।

चंद—जयपुर के महाराज लक्ष्मणसिंह के आश्रित।

अनुराग विलास (पद्य)→३८–२१।

सुधाधर पिंगल (पद्य)→३८–२०।

चंद—सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

कवित्त रामायण (पद्य)→२६–६३; ३२–३६; सं० ०७–४१।

चंद—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १९१९ के लगभग वर्तमान। ये महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक हैं।→०४–६७।

चंद—बाघोरा भाट के पिता। सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है।→सं० ०४–४०६।

चंद→'कपूरचंद' (रामायण भाषा' के रचयिता)।

चंद (कवि)—जयपुर नरेश महाराज रामसिंह सवाई के आश्रित। सं० १९०४ के लगभग वर्तमान।

भेदप्रकाश (पद्य)→०६–१४४।

चंद (कवि)—(?)

चंद (पद्य)→३८–२३।

चंद (पद्य)—चंद (कवि) कृत। वि० राम कथा।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल दीक्षित, कटरा, साहबखाँ, इटावा।→३८–२३।

टि० प्रस्तुत पुस्तक खंडित है जिससे उसका पूरा नाम उपलब्ध नहीं हुआ है।

चंदछंद बरनन की महिमा (गद्य)—गंग (कवि) कृत। र० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६२६। वि० बादशाह अकबर को गंग भाट का चंद कृत पृथ्वीराजरासो की कथा सुनाना।

प्रा०—पं० मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा।→०६–८४।

चंद जू (गोसाईं)—बुंदेलखंड निवासी। सं० १७८६ के पूर्व वर्तमान।
अरिल्ल (पद्य)→०६–१६; सं० ०१–१०६।

चंददास—खत्री। हँसुआ निवासी। सं० १८०० के लगभग वर्तमान। हँसुआ में इनकी समाधि अभी भी वर्तमान है।
कृष्णविनोद (पद्य)→२०–२६ए।
भक्तविहार (पद्य)→२०–२६ बी।
रामरहस्य (पद्य)→२०–२६सी।

चंदन (कवि)—बंदीजन। पुवायाँ (शाहजहाँपुर) के निवासी। पिता का नाम धर्मदास। पुत्रों का नाम प्रेमराय और जीवन। राजा केशरीसिंह के आश्रित। सं० १८०३–१८६५ तक वर्तमान।
काव्याभरण (पद्य)→०६–४०; २३–७२ए; २६–७७; सं० ०४–६०।
कृष्ण काव्य (पद्य)→१२–३४ए।
केशरी प्रकाश (पद्य)→१२–३४ बी।
तत्वसंज्ञा (पद्य)→०१–२६; १७–३७।
नखशिख राधाजी को (पद्य)→१२–३४ ई; २३–७३ बी।
प्राज्ञ विलास (पद्य)→१२–३४सी; २३–७३ सी।
प्रीतमबीर विलास (पद्य)→१२–३४ डी।
रसकल्लोल (पद्य)→१२–३४ एफ।

चंदन मलयगिरि कथा (पद्य)—अन्य नाम 'चंदन मलयागिरि री बात'। भद्रसेन (मुनि) कृत। वि० चंदन राजा और मलयागिरि रानी की कहानी।
(क) लि० का० सं० १८७२।
प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)।→ २०–१४।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५३१ (अप्र०)।

चंदन मलयागिरि री बात (पद्य)→'चंदन मलयगिरि कथा' (भद्रसेन मुनि कृत)।

चंदराम—कविवर हरिकृष्ण के पौत्र और साहबराम के पुत्र। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।
जलहरण दंडक (पद्य)→सं० ०४–६१ ख।
प्रश्नोत्तर विदग्ध मुखमंडन (पद्य)→सं० ०४–६१ क।

चंदन सतसई→'काव्याभरण' (कंदन कवि कृत)।

चंदपरतिप—सं० १८३२ के लगभग वर्तमान।
बूढ़ारासो (पद्य)→सं० ०१–१०७।

चंदबरदाई—जन्म भूमि लाहौर। जन्मकाल सं० १२२५। मृत्यु सं० १२५० में। दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू सम्राट महाराज पृथ्वीराज चौहान के मंत्री तथा संमानित राज कवि। वीरगाथा काल के प्रमुख और विवादास्पद कवि।

पृथ्वीराजरासो (पद्य)→००–५६; ००–६२; ००–६३; ०१–३८; ०१–३६; ०१–४०; ०१–४१; ०१–४२; ०१–४३; ०१–४४; ०१–४५; ०१–४६; ०१–४७; ०२–७१; ०६–१४६ए से जी तक; १७–३५; २०–२५ए, बी; २३–७२ए, बी, सी, डी, ई; २६–७५ए, बी; ४१–४६३ क (अप्र०) से ङ (अप्र०) तक।

चंदरसकुंद—(?)

गुनवती चंद्रिका (पद्य)→०६–४१।

चंदराइण (पद्य)—रामचरण कृत। वि० गुरुदेव की भक्ति।

प्रा०—पं० हूबलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–१६५ ए।

चंदराजा की चौपाई (पद्य)—खड़ेचंद (खेदचंद) कृत। वि० मोहनविजय के प्राकृत ग्रंथ 'चंदचरित्र' का अनुवाद।

प्रा० – श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली।→दि० ३१–५०।

चंदलाल (हित)→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंदलेहा की चौपाई (पद्य)—रतनवल्लभ कृत। र० का० सं० १७२८। लि० का० सं० १८३८। वि० चंद्रलेहा (चंद्रलेखा) नामक एक नारी का चरित वर्णन।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–७५।

चंदहित→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंदेगोपाल—संभवतः बुंदेलखंडी।

गोपालचरित्र (पद्य)→२०–२७।

चंद्र—संभवतः रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। सं० १६४५ के पूर्व वर्तमान।

चंद्रप्रकाश रसिकअनन्य शृंगार (पद्य)→०६–४२।

चंद्र—जयपुर निवासी जैन। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान।

चौबीस महाराज की विनती (पद्य)→३२–३७।

चंद्र→'चंद' ('हितोपदेश' के रचयिता)।

चंद्र→'चंद्रदास' (नवाव मुहम्मद खाँ के आश्रित)।

चंद्र→'राइचंद्र (रायचंद्र)' ('सीताचरित्र' के रचयिता)।

चंद (कवि)—चौबे सनाढ्य ब्राह्मण। हीराचंद के पुत्र। रामराय के पौत्र। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।

चंद्रप्रकाश (पद्य)→०६–१४५।

चंद्रकला (पद्य)—प्रेमचंद्र कृत। र० का० सं० १८८३। लि० का० सं० १८६६। वि० कामरूप और चंद्रकला की कथा।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१३४।

चंद्रकीर्ति—जैन। सं० १६८२ के लगभग वर्तमान।
 मृगावती की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-१७।

चंद्रकीर्ति—संभवतः 'मृगावती की चौपाई के रचयिता चंद्रकीर्ति।
 सत्तरामायण (पद्य)→पं० २२-१७।

चंद्रघन (गोसाईं)→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंद्रचंद्रिका (गद्य)—रामचंद्र (?) कृत। लि० का० सं० १९०४ से पूर्व। वि० विहारी सतसई की टीका।
 प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२२३।

चंद्रचौरासी (पद्य)—प्रभुचंद्रगोपाल (गोस्वामी) कृत। वि० विविध।
 प्रा०—गो० यमुनावल्लभ, विहारीपुरा, वृंदावन (मथुरा)।→३८-२४।

चंद्रदास—नवाब मुहम्मदखाँ (पठानसुलतान, राजगढ़) के आश्रित। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान। इन्होंने विहारीसतसई की कुंडलियों में टीका लिखी थी।
 नेहतरंग (पद्य)→०६-३८ ए।
 पिंगल (पद्य)→०५-२०।
 रामायण (भाषा) (पद्य)→०६-३८ बी।

चंद्रदास—(?)
 शृंगारसागर (पद्य)→४१-६५।

चंद्रप्रकाश (पद्य)—चंद्र (कवि) कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १८८६। वि० ज्योतिष।
 प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया।→०६-१४५ (विवरण अप्राप्त)।

चंद्रप्रकाश रसिकअनन्य शृंगार (पद्य)—चंद्र कृत। लि० का० सं० १९४५। वि० सीताराम विहार।
 प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-४२।

चंद्रप्रभु चरित्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९८४। वि० श्री चंद्रप्रभु जी का जीवन चरित्र।
 प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१५५।

चंद्रप्रभु पुराण (भाषा) (पद्य)—हीरालाल (जैन) कृत। र० का० सं० १९१३। लि० का० सं० १९१७। वि० श्री चंद्रप्रभु जी का जीवन चरित्र।
 प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१४७।

चंद्रभान—ओड़छा नरेश राजा वीरसिंहदेव के भाई। इनके पौत्र स्वरूपसिंह के नाम पर मतिराम ने 'वृत्तकौमुदी' की रचना की थी।→२०-१०५।

चंद्रभान—धर्मदास ('महाभारत' के रचयिता) के कोई प्रसिद्ध पूर्वज।→सं० ०१-१७२।

चंद्रमणि (मिश्र)→'कोविद' (ओड़छा निवासी)।

चंद्रलाल→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंद्रशेखर—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १६०२ के लगभग वर्तमान।
रसिक विनोद (ग्रंथ) (पद्य)→०३–१०३।
विवेक विलास (पद्य)→ ०३–१०२।
हम्मीरहठ (पद्य)→ ०३–१००।
हरिभक्ति विलास (पद्य)→०३–१०१।

चंद्रसेन—मिश्र ब्राह्मण। सं० १७२६ के पूर्व वर्तमान।
माधवनिदान (गद्य)→०६–४४।

चंद्राइण (चंद्रायण) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६६ च।

चंद्रावती—ओड़छा नरेश जसवंतसिंह की रानी। इन्हीं की आज्ञा से बैकुंठमणि शुक्ल ने 'वैशाख माहात्म्य' की रचना की थी।→०६–५।

चंद्रावलि—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (छ्यालीस)।

चंद्रवली लीला (पद्य)—वीरभद्र कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३६४ ग।

चंद्रिकादास—नानकपंथी। गुरु का नाम बुद्धिदास। सं० १६२१ में वर्तमान।
साल्हा (पद्य)→सं० ०७–४२।

चंपूसाध्य सामुद्रिक (पद्य)—भूप (भूपति) कृत। लि० का० सं० १७११। वि० सामुद्रिक।
प्रा०—श्री कृष्णशरण शुक्ल, भादी, डा० मफ़उआमीर (बस्ती) ।→ सं० ०४–२६७।

चकत्ताशात→'अकलिनामा' (रचयिता अज्ञात)।

चकोर पंचक (पद्य)—दीनदयाल कृत। वि० चकोर का चंद्रमा के प्रति प्रेम।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–७१।

चक्रकेवली (गद्य)—भेदीराम कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० प्रश्नावली चक्र।
प्रा०—पं० भवदेव, सेवापुर, ठा० बेसवा (कानपुर)।→२६–४३ ए।

चक्रपाणि—सं० १८८२ में वर्तमान।
क्षामाषोडशी की टीका (गद्य)→२६–६२।

चक्रपाणि—(?) •
लीलावती (भाषा) (पद्य)→सं० ०१–१०८।

चक्रव्यूह (पद्य)—भीमसेनी कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० महाभारत में चक्रव्यूह की लड़ाई का वर्णन ।

प्रा०—ठा० राजारामसिंह, जगतपुर, डा० मरदह (गाजीपुर) ।→सं० ०१–२६० ।

चक्रांकित—विक्रम की सत्रहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान ।

नृगोपाख्यान (पद्य)→२०–२४ ।

चक्राकेवली (गद्य)—लक्ष्मणप्रसाद कृत । वि० रमल ।

प्रा०—पं० शिवनारायण शर्मा, बादली (दिल्ली) ।→वि० ३१–५३ ए, बी । (प्रथम और चतुर्थ खंड) ।

चतुरअलि—वास्तविक नाम चतुरशिरोमणिदास । वृंदावन भट्टाचार्य के शिष्य । गौड़ संप्रदाय के वैष्णव ।

गऊ दुहावन की व्यवस्था (पद्य)→१२–३८ ए ।

वंशीप्रशंसा (पद्य)→१२–३८ बी ।

विलास माधुरी (पद्य)→१२–३८ डी ।

व्रजलालसा (पद्य)→१२–३८ सी ।

चतुरअलि—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । गो० घनश्यामलाल के शिष्य ।

समय प्रबंध (पद्य)→१२–३६ ।

चतुरचंद्रिका पिंगल (पद्य)—चतुरदास कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—पं० बाबूराम नंबरदार, नटावली, डा० करहल (मैनपुरी) ।→ ३२–४२ ।

चतुरजन→'चतुरदास' (निर्मल संप्रदाय के साधु) ।

चतुरदास—उप० चेतनदास । रतलाम या सलेमाबाद निवासी । पूर्व नाम चतुर्भुज मिश्र । निर्मल संप्रदाय के साधु । संतदास के शिष्य । सं० १६६२ के लगभग वर्तमान ।

कूर्माष्टक (पद्य)→३२–४१ बी ।

गुरु अष्टक (पद्य)→३२–४१ एफ ।

गोपेश्वर अष्टक (पद्य)→३२–४१ ए ।

जनकनंदिनी अष्टक (पद्य)→३२–४१ जी ।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→००–७१; ०१–११०; ०६–१४६; १७–४०; पं० २२–२०; २३–७६; २६–७६; २६–६६; ४१–४६४ (अप्र०); सं० ०७–४३ क, ख ।

रामाष्टक (पद्य)→३२–४१ सी, एच ।

वृंदावन अष्टक (पद्य)→३२–४१ आई ।

सत्यनाराण अष्टक (पद्य)→३२–४१ डी ।

सर्वेश्वरजी का अष्टक (पद्य)→३२–४१ ई ।

चतुरदास—मालवा निवासी । श्री निंबार्क मतानुयायी वैष्णव । हरिव्यासी महंत रामदास के पुत्र ।

चतुरचंद्रिका पिंगल (पद्य)→३२–४२ ।

चतुरबिहारी—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचानाएँ संग्रहीत हैं।→ ०२–५७ (चौदह)।

चतुर भगिनी रहस्य→'षटरहस्य' (पर्वतदास कृत)।

चतुरमासा तथा स्फुट पद (पद्य)—देवकीनंदन साहब कृत। लि० का• सं० १८८६। वि० श्रीकृष्ण चरित्र तथा अध्यात्म।

प्रा०—महंत राजाराम, मठ रामशाला, चिटबड़ागाँव (बलिया)। → ४१–१०७ क।

चतुरराय—(?)

गढ़पथैनारासो (पद्य)→सं० ०१–१०६।

चतुरशिरोमणि (गोस्वामी)—हितहरिवंश के वंशज।→सं० ०४–२१५।

चतुरशिरोमणिदास→'चतुरअलि' (वृंदावन भट्टाचार्य के शिष्य)।

चतुरशिरोमणिलाल—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।

भावनासागर (गद्य)→३८–२६।

हिताष्टक (पद्य)→१२–४१।

चतुर्थ अष्टयाम→'अनुभवरस अष्टयाम तथा चतुर्थ अष्टयाम' (हितहीरासखी कृत)।

चतुर्भुज—अकबर बादशाह के आश्रित।

पिंगल ? (पद्य)→सं० ०४–६२।

चतुर्भुज (मिश्र)—गौतम गोत्रीय शुक्ल ब्राह्मण। रामकृष्ण मिश्र के पुत्र। कुलपति मिश्र के वंशज। भरतपुर नरेश महाराज बलवंतसिंह के आश्रित। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

अलंकार आभा (पद्य)→१७–३६; ३८–२७।

चतुर्भुज (मिश्र)—संभवतः औरंगजेब के सेनापति सायस्ताखाँ के आश्रित। सं० १७०२ के लगभग वर्तमान।

भाषा संग्रह (पद्य)→सं० ०१–१११।

चतुर्भुज (मिश्र)→'चतुरदास' (संतदास के शिष्य)।

चतुर्भुजदास—कुंभनदास के पुत्र। गोसाईं विट्ठलनाथ के शिष्य। ये अष्टछाप के कवियों में से हैं।

कीर्त्तन संग्रह (पद्य)→सं० ०१–११२ ख, ग।

चत्रभुजदास की कीर्तन (पद्य)→३२–४०।

चतुर्भुज पदमाला (पद्य)→३५–१७।

द्वादशयश (पद्य)→०६–१४८ ए।

भक्तिप्रताप (पद्य)→०६–१४८ बी ।

मृग कपोत की लीला (पद्य)→सं० ०१–११२ क ।

हितजू को मंगल (पद्य)→०६–१४८ सी ।

चतुर्भुजदास—वैष्णव । रामपुर मुड़िया (जहाँगीराबाद, जि० बाराबंकी) निवासी । सं० १६८४ के लगभग वर्तमान । इनके अनुयायी चतुर्भुजी कहलाते हैं ।

दोहावाली (साखी) (पद्य)→२३–७५ ए ।

पद (पद्य)→१२–४० ।

रामचरित्र (पद्य)→२३–७५ सी ।

हरिचरित्र (पद्य)→२३–७५ बी ।

चतुर्भुजदास—संभवतः अष्टछाप के कवि चतुर्भुजदास ।

गोवर्द्धनरूप माधुरी (पद्य)→३८–२८ ।

चतुर्भुजदास—व्रज के प्रसिद्ध हित हरिवंश के शिष्य । अष्टछाप के चतुर्भुजदास से भिन्न । सं० १६३२ के लगभग वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं ।→०२–५७ (सोलह) ।

चतुर्भुजदास (कायस्थ)—निगम कायस्थ । संभवतः राजपूताना निवासी । सं० १८३७ के पूर्व वर्तमान ।

मधुमालती कथा (पद्य)→०२–४४; पं०२२–१६; सं० ०१–११० ।

चतुर्भुज पदमाला (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—बाबा मोहनलाल, गौरानी बगीची, मिरजापुर, डा० गोकुल (मथुरा) । → ३५–१७ ।

चतुर्भुज स्वामी (हित)—वनचंद जी के शिष्य और राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । वृंदावन निवासी ।

चतुर्भुज स्वामीजी की बानी (पद्य)→४१–४६५ (अप्र०) ।

चतुर्भुज स्वामीजी की बानी (पद्य)—चतुर्भुजस्वामी (हित) कृत । वि० हितहरिवंश जी की प्रशंसा ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–४६५ (अप्र०) ।

चतुर्विंसति तीर्थंकर (पद्य)—हरजीनंदन कृत । वि० चौबीसवें तीर्थंकर का चरित्र ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–१८ (परि० ३) ।

टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को अज्ञात कृत माना गया है ।

चतुर्विध पत्री (पद्य)—वेणीमाधाधव (भट्ट) कृत । लि० का० सं० १७६८ । वि० पत्र लिखने की रीति ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३६८ ।

चतुर्वेद षटशास्त्र मत→'अद्वैतप्रकाश' (बलिराम कृत) ।

चतुःश्लोकी टीका (गद्य)—विट्ठलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धांत वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२३६ ग।

चतुश्लोकी टीका (गद्य)—हरिराय कृत। वि० चतुश्लोकी भागवत की टीका।

(क) प्रा०—बाबा किशोरीदास, चिकसौरी, डा० बरसाना (मथुरा)। → ३५–१४६।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ त।

चतुश्लोकी भागवत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चार श्लोकों में भागवत का सार।

प्रा०—ठा० जगन्नासिंह कूर्म, जौखंडी, डा० नगराम (लखनऊ)।→२६–२५६।

चत्रदास—मोहनप्रसाद के शिष्य।

सुकसंवाद (पद्य)→३२–३६।

चत्रदास—(?)

पद (पद्य)→सं० ०७–४४।

चत्रभुजदास→'चतुर्भुजदास' (अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि)।

चत्रभुजदास का कीर्तन (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। वि० राधाकृष्ण की श्रृंगारिक लीलाएँ।

प्रा० –श्री जमनादास, नवामंदिर गुजरातियों का, गोकुल (मथुरा)।→ ३२–४०।

चनरूदास—वास्तविक नाम रामचंद्र। चंडाडीह (बलिया) निवासी। नवनिधिदास ('मंगलगीता' के रचयिता) के गुरु। 'चरणचंद्रिका' के रचयिता। आचार्य रामचंद्र शुक्ल कृत 'हिंदी साहित्य का इतिहास' (पृ० ३७२) में इनका उल्लेख है।→४१–१२१।

चमत्कार चंद्रिका→'भाषाभूषण की टीका' (हरिचरणदास कृत)।

चमत्कार चिंतामणि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रस और धातुशोधन विधि।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३६४।

चरचरी (पद्य)—धर्मदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी, हिंदी विभाग, प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ।→सं० ०७–६१।

चरचा नामावली (गद्यपद्य)—जिनवर (जैन) कृत। लि० का० सं० १६५६। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—आदिनाथजी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–४३।

चरचाशतक की वचनिका (गद्यपद्य)—हरजीमल्ल (जैन) कृत। र० का० सं० १८४२। वि० जैन दर्शन।

(क) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१४१ क।

(ख) लि० का० सं० १९५५।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१४१ख।

(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१४८।

चरचा समाधान (गद्य)—भूधरदास (जैन) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० जैन दर्शन संबंधी अनेक प्रश्नों का उत्तर।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१००क।

(ख) लि० का० सं० १९०४।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६–४६ बी।

(ग) लि० का० सं० १९५६।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१०० ख।

चरणचिन्ह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४१। वि० भगवान के चरणचिन्हों के ध्यान करने का फल।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५११।

चरणचिन्ह→'रामजानकी चरणचिन्ह' (रामचरणदास कृत)।

चरणचिन्ह की भावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १९४६। वि० धर्म।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–८८ च।

चरणदास—टट्टी संप्रदाय के संस्थापक स्वा० हरिदास के अनुयायी। वृंदावन निवासी। सं० १८१० के लगभग वर्तमान। इन्होंने इंद्रकुमारी बाई और श्यामादासी बाई के लिये ग्रंथ रचना की थी।

भक्तिमाला (पद्य)→१२–३७ बी।

रहस्यचंद्रिका (पद्य)→१२–३७ डी।

रहस्यदर्पण (पद्य)→१२–३७ सी।

शिक्षाप्रकाश (पद्य)→१२–३७ ए।

चरणदास—पूरनप्रताप खत्री के गुरु। सं० १८२४ के पूर्व वर्तमान। मुरली के पुत्र प्रसिद्ध चरणदास भी संभवतः यही हैं।→२३–३२४।

चरणदास (स्वामी)—धूसर वैश्य। जन्म सं० १७६०। मृत्यु सं० १८३८। पूर्व नाम रणजीत। पिता का नाम मुरली। सुखदेव के शिष्य। सहजोबाई, श्यामसरन, रामरूप (गुरु भक्तानंद), जसराम और दयाबाई के गुरु। डहरा (अलवर) निवासी। जीवन के अंतिम काल में दिल्ली में रहने लगे थे।→००–१३१; ०५–४१; १७–१५७; २३–८२।

अनेकप्रकाश (पद्य)→२०–२६ ए; २३–७४ ए।

शब्द (पद्य)→०६–१४७ सी; १७–३८ डी; पं० २२–१८ ए; २३–७४ एच, आई; २६–६५ एम; दि० ३१–१८ ए।

षटरूप मुक्ति (पद्य)→२६–७८ एम; २६–६५ ओ।

सर्वोपनिषद (पद्य)→३८–२५ आई।

स्फुट पद और कवित्त (पद्य)→३८–२५ सी।

हंसनाद उपनिषद (पद्य)→३२–३८।

चरणदास के शब्द→'शब्द' (स्वामी चरणदास कृत)।

चरणदासजी के पद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० ज्ञान और भक्ति।

प्रा०—पं० परमानंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→३८–२५ बी।

चरण बंदगी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १९४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (मुलतानपुर)। → २६–१६२ एच।

चरनायके (पद्य)—लघुमति कृत। वि० संस्कृत 'चाणक्य नीति' का अनुवाद।

प्रा०—लाला कल्याणसिंह मुतसद्दी, मुख्य न्यायाधीश का न्यायालय, टीकमगढ़।→०६–२८६ (विवरण अप्राप्त)।

चरनायिका (पद्य)—देवमणि कृत। वि० राजनीति (संभवतः चाणक्य की राजनीति का अनुवाद)।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०९–६६।

चरपटनाथ—नाथ पंथी। गोरखनाथ के शिष्य। नागार्जुन, गोपीचंद और भरथरी के समकालीन। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५९ (तीन); ४१–६८।

चरपटिका पत्रिका (गद्यपद्य)→सं० ०१–११३ क।

वैद्यकविलास (?) (गद्यपद्य)→सं० ०४–६४।

सबदी (पद्य)→सं० ०१–११३ ख; सं० ०७–४६।

चरपटिका पत्रिका (गद्यपद्य)—चरपटनाथ कृत। लि० का० सं० १९८२। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री सरजूकुमार ओझा, सिरसा (इलाहाबाद)।→सं० ०१–११३ क।

चरित्रप्रकाश (पद्य)—झामदास कृत। वि० जगजीवनदास जी की जीवनी आदि।

प्रा०—पं० रामावतार, इसरौली, डा० भानमऊ (बाराबंकी)।→२३–१६१ ए।

चरित्रसारजी भाषा वचनिका (गद्य)—मन्नालाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८७१। वि० श्रावक मुनियों के लिये विहित आचरणों का वर्णन।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१०८।

चरित्रोपाख्यानांतर्गत त्रियाचरित्र का भूपमंत्री संवाद→'त्रियाचरित्र' (गुरु गोविंदसिंह कृत)।

चर्चा शतक की टीका→'चरचा शतक की वचनिका' (हरजीमल्ल जैन कृत)।

चर्चा शतक सटीक (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैन धर्म के सिद्धांत।

(क) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–११०।

(ख) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–६१ क।

(ग)→पं० २२–२५।

चर्चा संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्म।

(क) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–१५६ क।

(ख) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–१५६ ख।

चर्चा स्फुटिक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्म के आचरणों पर उपदेश।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदनीगंज, प्रतापगढ़।→२६–२८ (परि० ३)।

चहड़मल—सुमतिनाथ ('ज्ञानकला' के रचयिता) के आश्रयदाता। सं० १७२२ के लगभग वर्तमान।→पं० २२–१०४।

चाँचर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर के आध्यात्मिक विचारों का वर्णन।

प्रा०—ठा० किरोड़ीसिंह, बारी, डा० राल (मथुरा)।→३५–४६ के।

चाँदसिंह—जयपुर के गोगावत ठाकुर। शंभुसिंह के पुत्र। दूनी (जयपुर) के जागीरदार और जयपुर नरेश महाराज जगतसिंह के सेनापति। इन्होंने टोंक के नवाब अमीरखाँ से कई बार युद्ध किया था। कवि चैनराम के आश्रयदाता। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।→०१–८३।

चाणक्य नीति (भाषा) (पद्य)—गुमानी कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० चाणक्य कृत राजनीति शास्त्र का अनुवाद।

प्रा०—पं० शिववंश शुक्ल, जैतीपुर (उन्नाव)।→२६–१५८।

चाणक्य नीति टीका (पद्य)—भवानीदास कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० चाणक्यनीति का अनुवाद।

प्रा०—श्री सीताराम वैश्य, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–६०।

चाणक्य नीति दर्पण (पद्य)—श्रीलाल कृत। र० का० सं० १६३०। लि० का० सं० १६४२। वि० चाणक्यनीति का विवेचन।

प्रा०—श्री गंगादत्त, सँभारोखेड़ा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६–४५८।

चाणक्य नीति दर्पण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चाणक्यनीति का विवेचन।

प्रा०—पं० चंद्रिकाप्रसाद उपाध्याय, नगराम (लखनऊ) ।→२६–३५५ ।

चाणक्य राजनीति (गद्यपद्य)—अरुणमणि कृत । लि० का० सं० १७५८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–२१ ।

चाणक्य शास्त्र (भाषा) (पद्य)—सेनापति (कवि) कृत । वि० चाणक्यनीति की टीका ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४२२ ।

चात्रक लगन (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० 'चातक लगन' नामक भक्ति का प्रतिपादन ।

प्रा०—श्री रामसिंह बाबा, भानपुर, डा० नंदग्राम (मथुरा) ।→३५–८५ ।

चानक (पद्य)—रामहित (जन) कृत । लि० का० सं० १९१६ । वि० नीति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० रामानंद द्विवेदी, पीडरी, डा० काँझा (आजमगढ़) । → सं० ०१–३५८ ग ।

चार कथा का गुटका (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । लि० का० सं० १९५३ । वि० जैन धर्म विषयक कथाओं का वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०४–२५८ क ।

चार कवीश्वरों की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९०१ । वि० अकबर बीरबल से संबंधित चार कवियों की कहानी ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५१२ ।

चार दरवेश कथा (पद्य)—नारायण कृत । र० का० सं० १८४१ । लि० का० सं० १८५४ । वि० उर्दू चहारदरवेश का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१६ ।

चारुलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । लि० का० सं० १९६५ । वि० श्रीकृष्ण के हाथ पैरों की शोभा का वर्णन ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधा वल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–१५४ एस ।

चारों दिशाओं के सुख दुख (पद्य)—अन्य नाम 'पुरुष स्त्री संवाद' । गोपाललाल कृत । वि० चारों दिशाओं की यात्रा के सुख दुःख के विषय में स्त्री पुरुष संवाद ।

(क) लि० का० सं० १८९६ ।

प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, चीतामऊ, डा० कादरगंज (एटा) ।→२६–१२४ ।

(ख) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—पं० रामलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६–१४७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९४४ ।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद शुक्ल, शिवगंज, डा० हरगाँव (सीतापुर)।→ २६–१४७ बी।

टि० खो० वि० ३८–५४ का हस्तलेख ('सुख दुख वर्णन') प्रस्तुत ग्रंथ की ही एक प्रति है।

चाहबेलि (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० राधाकृष्ण की स्तुति।

प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा)।→१७–१३६।

चिंतन (पद्य)—हरिराय कृत। वि० पुष्टिमार्गी ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ख।

चिंताबोध (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत। वि० सृष्टि उत्पत्ति और योग का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—ठा० गंगाबक्ससिंह, बंगलाकोट, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→ २६–३१ बी।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१४।

(ग) प्रा०—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, प्रानपांडेय का पुरवा, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४–२३६ क।

(घ) प्रा०—श्री शंभुनाथ अध्यापक, शुक्लपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–२३६ ख।

(ङ) प्रा०—पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डा० डीह (रायबरेली)।→ सं० ०७–१३३।

चिंतामणि—प्रसिद्ध कवि मतिराम और भूषण के बड़े भाई। जन्मकाल सं० १६८०। तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। नागपुर नरेश के आश्रित।

कविकुल कल्पतरु (पद्य)→००–१२७; २३–८० बी, सी।

कवित्त विचार (पद्य)→२०–३१।

पिंगल (पद्य)→०३–३६; ०६–१५१; ०६–५०; पं० २२–२१; २३–८० ए, डी, ई; दि० ३१–२२।

चिंतामणि—राजा पहाड़सिंह के आश्रित। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।

गीतगोविंद सटीक (पद्य)→१७–४१; २६–७१ ए।

सांगीत चिंतामणि (पद्य)→२६–७१ बी।

चिंतामणि—अन्य नाम ऋषिचिंतु। सं० १७७५ के पूर्व वर्तमान।

ब्रह्ममाला और योगसिंधु (?) (पद्य)→सं० ०४–६५।

चिंतामणि—अकबर महान अथवा अकबर द्वितीय के आश्रित।

रसमंजरी (गद्यपद्य)→०६–१५०।

चिंतामणि—(?)

कर्मविपाक (४६ वाँ अध्याय) (पद्य)→३८–३१।

चिंतामणि—(?)

रासमंडल (पद्य)→४१–६७ ।

चिंतामणि (पद्य)—अन्य नाम 'हरिनाम गुरुनाम चिंतामणि'। मनसाराम कृत। वि० गुरु और भगवद्महिमा।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२७२ क।

चिंतामणि (दूबे)—तामउरा (?) के निवासी। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान।

गणेश कथा (पद्य)→सं० ०४–६६ ।

चिंतामणि गुपाल—अन्य नाम जनिगोपाल।

उषा अनिरुद्ध विवाह (पद्य)→३८–३२ ।

चिंतामणिदास—(?)

अंबरीसचरित्र (पद्य)→०६–५१ ।

चिंतामणि प्रश्न (गद्य)—गंगाराम (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० शकुन विचार।

प्रा०—अलखी बाबा, राधाकुंड, बहराइच।→२३–११८ ।

चिंतामणि प्रसंग (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० लोक व्यवहार और परमार्थ ज्ञान।

प्रा०—श्री चिरंजीलाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा।→२६–३५८ ।

चिंतामनि (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० १८८४। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री रामचरित्र दूबे, अभदेवा, डा० सेमरी महमूदपुर (सुलतानपुर)।→ सं० ०१–३२ घ।

चिंतामनि—मिश्र ब्राह्मण। ऋषिराम के पुत्र। सं० १७८८ के लगभग वर्तमान।

चिंतामनि पद्धति (गद्यपद्य)→४१–६६ ।

चिंतामनि पद्धति (गद्यपद्य)—चिंतामनि कृत। र० का० सं० १७८८। वि० वैद्यक।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–६६ ।

चिंतावणि बोध (ग्रंथ) (पद्य)—सूरतराम (जन) कृत। वि० माया से बचने का उपदेश।

(क) प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० बलदेव (मथुरा)→३५–६७ ए।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी→सं० ०७–२०१ क।

चितावणी→'भयचितावनी' (लालस्वामी हित कृत)।

चिंतावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—जगजीवनदास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–५२ क।

चिंतावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—पीपा कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–११४ क।

चिंतावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६६ छ ।

चिकित्सा (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० मनुष्यों और घोड़ों की चिकित्सा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३६५ ।

चिकित्सामृतार्णव (पद्य)—रघुवरसिंह कृत । र० का० सं० १८६० । लि० का० सं० १६१० । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर, जैतपुर बाजार (बहराइच) ।→२३–३३५ ए ।

चिकित्सा सार (पद्य)—धीरजराम कृत । र० का० सं० १८१० । वि० वैद्यक ।
(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—पं० बालकिसन वैद्य, बेलनगंज, आगरा ।→२६–८७ ।
(ख) लि० का० सं० १६०२ ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–७२ ।
(ग) प्रा०—श्री चिरंजीवलाल वैद्य ज्योतिषी, सिकंदराबाद, बुलंदशहर ।→१७–४६ ।
(घ) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर, डा० जैतपुर बाजार (बहराइच) ।→२३–१०३ ।
(ङ)→पं० २२–२७ ए, बी ।

चिकित्सा सार संग्रह (गद्य)—रघुनाथ कृत । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री महादेवसिंह वैद्य, मलिकमऊ–चौबारा (रायबरेली) ।→सं ०४–३१६ ।

चिकित्सा सिंधु (गद्य)—रंगीलाल (पंडित) कृत । मु० का० सं० १६५३ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री भोलानाथ त्रिपाठी, मलकिया, डा० धिंगवस (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–३१४ ।

चिताँवणी (पद्य)—लालदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१७५ ।

चितावणी (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञान उपदेश चितावणी' और 'ज्ञानोपदेश' । खेमदास (खेम) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७६३ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२७ घ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४२ ।
(ग) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२७ ग ।
(घ) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा) ।→३२–११७ ।

चितावणी (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८३४। वि० रामभक्ति और उपदेश आदि।
  (क) लि० का० सं० १८६३।
  प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर)।→२०-१४३।
  (ख) प्रा०—पं० हीरालाल शर्मा, स्टेशन मास्टर, रे० स्टेशन टिंड़ौली (मैनपुरी)।→३२-१७५ बी।
  (ग) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२-१७५ सी।
  (घ) प्रा०—पं० पूरनमल, वैजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी)।→३२-१७५ डी।
  (ङ) प्रा०—पं० श्यामलाल, आरौंज, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३२-१७५ ई।
  (च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६५ ग, घ।
  (छ)→पं० २२-६१ ए।

चितावणी (पद्य)—रामानंद (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
  प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६८ क।

चितावणी कौ ग्रंथ (पद्य)—अन्य नाम 'विवेक चिंतावणी'। सुंदरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
  (क) लि० का० सं० १८५६।
  प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६३ च।
  (ख) प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६-३११ डी।
  (ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६३ छ।
  (घ)→०२-२५ (तेरह)।

चित्तरसिंह—गोपालगंज (सागर) के सहायक पुलिस इंसपेक्टर। सं० १६१८ के लगभग वर्तमान।
  ज्योतिष सार नवीन संग्रह (गद्यपद्य)→३५-१८।

चित्तविनोद (पद्य)—रामलाल कृत। लि० का० सं० १६४१। वि० स्फुट छंद, भड़ौआ, पहेली आदि।
  प्रा०—ठा० हुकुमसिंह शृंगार हाट, अयोध्या।→२०-१५० ए।

चित्तौड़ के घराने का ब्योरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चित्तौड़ के राजघराने का वर्णन।
  प्रा०—श्री प्रभुदयाल शर्मा, संपादक 'सनाढ्य जीवन' इटावा।→३८-१७०।

चित्तौड़ के राना की पीढ़ी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७७४। वि० चित्तौड़ के राजा रावल और राणाओं की सूची।
  प्रा०—पं० कुमारपाल पचौली, डा० तरामई शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-२४०

चित्तौड़ टूटने का संवत् (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चित्तौड़ के टूटने का समय और तीन महाराणाओं का उल्लेख।
  प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३६६।

चित्र काव्य (पद्य)—अन्य नाम 'चित्र मीमांसा'। जगतसिंह कृत। र० का० सं० १८२७।
वि० चित्र काव्य के माध्यम से अलंकार वर्णन।
(क) लि० का० सं० १९१३।
प्रा०—ठा० तालुकेदारसिंह, अहलमद (गोंडा)।→२०-६४ सी।
(ख) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—भैया तालुकेदारसिंह, धोतहा (गोंडा)।→०६-१२७ बी।

चित्र काव्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३६७।

चित्र काव्य (उदधिबंध (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। लि० का० सं० १९२४।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—चौधरी चुन्नूलाल रईस, करहल (मैनपुरी)।→३८-४५।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'चित्रकूट विलास'। कृपाराम कृत। र० का० सं० १८३५। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८९२।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१८३ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-४०।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—महीपाल कृत। र० का० सं० १९२८। लि० का० सं० १९३८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, पुरा बहादुरपुर, डा० बेहटागोकुल (हरदोई)।→२९-२२२।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—मोहन कृत। र० का० सं० १८९८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१११।
(ख) प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→२०-१०७।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत मोहनदास, स्थान बाबा पितांबरदास का, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-२९ (परि० ३)।

चित्रकूट विलास (पद्य)—हृदयराम कृत। वि० चित्रकूट का वर्णन।
प्रा०—श्री भिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती)।→सं० ०४-४४४।

चित्रकूट विलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८३५। लि० का० सं० १९२४। वि० चित्रकूट माहात्म्य।
प्रा०—श्री शिवकैलाश त्रिवेदी, सुधूलाल त्रिवेदी का पुरवा, डा० अंबारा पश्चिम (रायबरेली)। →सं० ०४-४५७।

चित्रकूट विलास→'चित्रकूट माहात्म्य' (कृपाराम कृत)।

चित्रकूट शतक (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८७४। वि० चित्र-

कूट माहात्म्य और सीताराम का गुणगान आदि।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल, बाँदा।→०६–२५३।

(ख) प्रा०—पं० रामस्वरूपदास, हनुमानगढ़ी, अयोध्या।→२०–१५२।

चित्रगुप्त की कथा (पद्य)—मुन्नूलाल कृत। र० का० सं० १८५१। लि० का० सं० १८८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर खीरी (लखनऊ)।→२६–२३८।

चित्रगुप्त की कथा (पद्य)—मोतीलाल (द्विज कवि) कृत। वि० कायस्थों की उत्पत्ति का वर्णन।

प्रा०—लाला रामगोपाल, बेला, डा० भरथना (इटावा)।→३८–१०१।

चित्रगुप्त प्रकाश (पद्य)—प्रताप कृत। र० का० सं० १८७५। लि० का० सं० १९१९। वि० कायस्थ वंशावली वर्णन।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–६२ ए।

चित्रगुप्त प्रकाश (पद्य)—सबसुख कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १९११। वि० कायस्थोत्पत्ति वंशावली वर्णन।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ़।→०६–१०६।

चित्रचंद्रिका (गद्यपद्य)—काशीराज कृत। र० का० सं० १८८६। वि० चित्र काव्य वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९३१।

प्रा०—पं० रामशंकर, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। →२३–२०५।

(ख) लि० का० सं० १९३१।

प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, असौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६–१८६ ए।

(ग) प्रा०—पं० रामेश्वर भट्ट, गोकुलपुरा, आगरा।→०६–१४५।

चित्रचंद्रिका→'अलंकार (ग्रंथ)' (ईश्वर कवि कृत)।

चित्रबंध काव्य (पद्य)—चैन (?) कृत। वि० चित्र काव्य।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१५३।

चित्र मीमांसा→'चित्र काव्य' (जगतसिंह कृत)।

चित्रमुकुट की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८२०। वि० राजा चित्रमुकुट और रानी चंद्रकिरण की प्रेम कहानी।

प्रा०—पं० मकसूदनलाल, गुड़ की मंडी, डा० फतहपुर सीकरी (आगरा)।→२६–४५३।

चित्रमुकुट (राजा) की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उज्जैन के राजा चित्रमुकुट की कथा।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-७ ।

चित्रमुकुट रानी चंद्रकिरन की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६५ । वि० राजा चित्रमुकुट और राजकुमारी चंद्रकिरन की कहानी ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२३६ ।

चित्रावली (पद्य)—उसमाम (मान) कृत । र० का० सं० १६७० । लि० का० सं० १८०२ । वि० नेपाल के राजा धरनीधर के पुत्र सुजान और रूपनगर के राजा चित्रसेन की कन्या चित्रावली के प्रेम की कहानी ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालकालय, रामनगर (वाराणसी)→०४-३२ ।

चिद्विलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७७२ । वि० वेदांत के मतानुसार सृष्टि की उत्पत्ति, प्रलय आदि ।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००-७३ ।

चिदात्माराम—(?)

त्रिपदा (त्रिपदवेदांत निर्णय) (गद्य)→३८-२६ ।

चिन्ह चिंतामणि (पद्य)—पूर्णब्रह्म कृत । लि० का० सं० १७६६ । वि० तिल, मसा आदि लाक्षणिक चिह्नों पर सामुद्रिक विचार ।

प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२-१७२

चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन)—चिम्मनलाल के पितृव्य का नाम मन्नालाल, जिन्होंने चिम्मनलाल (अनुवादक) के कहने पर प्रस्तुत ग्रंथ की वचनिका तैयार की ।

प्रद्युम्न चरित्र (गद्य)→सं० १०-३३ ।

जिरंजीव—(?)

वर्णाकर पिंगल (पद्य)→२६-७२ ।

चिरंजीव (भट्टाचार्य)—पिता का नाम शतावधान भट्टाचार्य । किसी यशवंत गौड़ के आश्रित । सं० १६०५ के पूर्व वर्तमान ।

वृत्तरत्नावली (पद्य)→सं० ०४-६७ ।

चिरईचेतनी (पद्य)—फेंक (द्विज) कृत । वि० विरह श्रृंगार ।

प्रा०—श्री विश्वनाथप्रसाद तिवारी, नंदना बरहज, डा० बरहज (गोरखपुर) → सं० ०१-२२६ ।

चीखा—(?)

चीखा की बारहखड़ी (पद्य)→३८-३० ।

खो० सं० वि० ३८ (११००-६४)

चोखा की बारहखड़ी (पद्य)—चोखा कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० भक्ति का उपदेश।
प्रा०—पं० सुखदेव शर्मा, शेरगढ़ (मथुरा)।→३८–३०।

चीतानामा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शेर और व्याघ्र को जीवित पकड़ने और पालने की विधि।
प्रा०—महाराजा महेंद्र मानसिंह, महाराजा भदावर, नौगवाँ (आगरा)।→२६–३५६।

चीर चिंतामणि→'चीरहरन लीला' (उदय कवि कृत)।

चीरहरण लीला (पद्य)—गौरीशंकर कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा नारायणाश्रमकुटी, ग्राम तथा डा० मोहनपुर (एटा)।→२६–१०२ ए।

चीरहरण लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—पं० गंधर्वसिंह, गढ़ी दानसहाय, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–१५० ए।
(ख) प्रा०—पं० नेकराम शर्मा, उरमुरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–१५० बी।

चीरहरन लीला (पद्य)—अन्य नाम 'चीर चिंतामणि'। उदय (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—श्री रमन पटवारी, पसौली, डा० तरोली (मथुरा)।→३५–१०२ सी।
(ख) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–२२३ बी।
टि० खो० वि० ३५–१०२ सी के हस्तलेख के साथ रचयिता की 'देवीस्तुति' भी संकलित है।

चुणकरनाथ—अन्य नाम चौणकनाथ। कोई नाथ या सिद्ध। 'सिद्धों की बाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६; ४१–७०।
सबदी (पद्य)→सं० १०–३४।

चुन्नीलाल—ब्राह्मण। जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। 'राधागोविंद संगीत सार' की रचना में मथुरा भट्ट, श्रीकृष्ण और रामराय के सहयोगी। सं० १८७१ के लगभग वर्तमान।→१२–१११।

चुरिहारिन भेष (पद्य)—अन्य नाम 'चुरेरिन लीला'। हंसराज (बख्शी) कृत। वि० कृष्ण का मनिहारिन रूप में राधा के पास जाने की लीला।
(क) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→२६–४५ ई।

(ख) प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–१६५ ए ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ 'सनेहसागर' का एक अंग है ।

चुरेरिन लीला→'चुरिहारिन भेष' (हंसराज बख्शी कृत) ।

चूकविवेक (पद्य)—रतन (कवि) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० नीति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१०० ।

चूड़ामणि—(?)

नागलीला (पद्य)→सं० ०१–११४ ।

चूड़ामणि (मिश्र)—ब्राह्मण । मोहनलाल के पिता । चरखारी निवासी । सं० १६१६ के पूर्व वर्तमान ।→०५–७० ।

चूड़ामणि शकुन (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । वि० शकुन विचार ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१६५ जी ।

चेतचंद्रिका (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत । र० का० सं० १८२८ । वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१२ ।

(ख) प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, गोंडा । → ०६–६६ बी; २०–५१ ।

(ग) प्रा०—भैया संतबक्ससिंह, गुठवारा (बहराइच) ।→२३–१३० ।

चेतन—जैन । ऋद्धि विजय वाचक के शिष्य । संभवतः बंगाल के निवासी । जन्म सं० १८०५ (?) ।

कक्का पैंतीसी (पद्य)→४१–६६ क ।

चैत्यबंदन (पद्य)→४१–६६ ख ।

लघुपिंगल (भाषा) (पद्य)→४१–६६ ग ।

चेतनकर्म चरित्र—भगौतीदास (भैया) कृत । र० का० सं० १७३२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७८३ ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१३३ ।

(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४–२५३ ग ।

चेतनदास→'चतुरदास' (रतलाम या सलेमाबाद निवासी) ।

चेतनदास (स्वामी)—स्वामी रामानंद के अनुयायी । सं० १५१७ के लगभग वर्तमान ।

प्रसंग पारिजात (गद्यपद्य)→सं० ०४–६८ ।

चेतननामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ष ।

चेतनिचंद→'ताराचंद' ('शालिहोत्र' के रचयिता)।

चेतसार (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० भक्ति।

प्रा०—महंत श्री अज्ञारामदास कुटी, गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। →सं० ०७–३४ ख।

चेतसिंह—काशी नरेश। राज्यकाल सं० १८२७–१८३८। गोकुलनाथ और लाल कवि के आश्रयदाता।→००–२; ०३–११३; १७–१०५; २०–५१।

लक्ष्मीनारायण विनोद (पद्य)→०६–४७।

चेतसिंह (दुल्ली)—दिल्ली निवासी।

बारहमासी (पद्य)→३२–५६।

चेतावनी (पद्य)—धरनीदास कृत। लि० का० सं० १८४१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१७० क।

चेतावनी→'चितावणी' (स्वामी रामचरण कृत)।

चेतावनी दोहा (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। र० का० सं० १६३१ (?)। लि० का० सं० १८६८। वि० उपदेश।

प्रा०—श्री रामप्रसाद, अध्यापक, कोटला (आगरा)।→२६–३२५ जी[3]।

चैत्यबंदन (पद्य)—चेतन कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० २४ जैन देवताओं की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–६६ ख।

चैन—दादू के अनुयायी अथवा शिष्य। सं० १६६१ के लगभग वर्तमान।

चित्रबंध काव्य (पद्य)→सं० ०१–१५३।

सबद फुटकर (पद्य)→सं० ०७–४७।

चैनराम—दूनी (जयपुर) के गोगावत ठाकुर चाँदसिंह के आश्रित। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।

भारतसार (भाषा) (पद्य)→०१–८३।

चैनराय—प्रियादास के शिष्य। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान।

भक्ति सुमिरनी (पद्य)→०६–१४३।

चोखन—बालकराम के शिष्य।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→३८–३३।

चोपसिंह—उपनाम चोप।

हरिजस (पद्य)→सं० ०४–६६।

चोरमिहचनी (पद्य)—उदय (कवि) कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—पं० भजनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८–१५६ बी।

चौंतीसा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर)।→०६–१४३ ओ।

चौंतीसी (पद्य)—खेतसिंह कृत। र० का० सं०१८७८। वि० उपदेश।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–६० बी।

चौअखरी (ग्रंथ)→'चौखरी (ग्रंथ)' (तुरसीदास निरंजनी कृत)।

चौका पर की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर)।→०६–१४३ एन।

चौखरी (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८३८।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–१०० बी
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–७० ख।

चौणकनाथ→'चुणकरनाथ' ('सबदी' के रचयिता)।

चौताल चिंतामणि (पद्य)—छुटकन (द्विज) कृत। वि० राम के प्रति विनय और राधाकृष्ण के फाग आदि का वर्णन।
प्रा०—पं० भागीरथप्रसाद, उस्का, डा० कौढ़ौर (प्रतापगढ़)।→२६–११६।

चौताल पचासा (पद्य)—औरीलाल (शर्मा) कृत। वि० राधाकृष्ण विषयक श्रृंगार एवं लीलाएँ।
प्रा०—पं० सत्यनारायण त्रिपाठी, बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)।→२६–२०।

चौताल रसिक मन भावन (पद्य)—जगन्नाथ (द्विज) कृत। वि० हास्यरस, बारहमासी इत्यादि।
प्रा०—सेठ छोटेलाल लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→२०–६२।

चौतीसी (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—महंत लक्ष्मणलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६–३२६ सी।

चौथमल (ऋषि)—पाली (राजपूताना) निवासी। सं० १८५२ के लगभग वर्तमान।
केवली (गद्य)→दि० ३१–१६।

चौदह विधान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६२। वि० श्रृंगार वर्णन।
प्रा०—श्री राधावल्लभ, राजेपुर (उन्नाव)।→२६–३० (परि० ३)।

चौपड़ की रूपक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चौपड़ के माध्यम से अध्यात्म।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३६८।

चौबीस अवतार को जस (पद्य)—मनसाराम कृत। वि० चौबीस अवतारों की कथा।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२७२ ख।

चौबीस एकादशी माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। वि० एकादशी माहात्म्य।

प्रा०—श्रीनाथ पुस्तकालय, सिरसा (इलाहाबाद)।→१७-२० (परि० ३)।

चौबीस तीर्थंकर की बिनती (पद्य)—नथमल कृत। वि० जैन तीर्थंकरों की स्तुति।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१७७।

चौबीस तीर्थंकरों की पूजा (जयमाल) (पद्य)—रामचंद्र (जैन) कृत। वि० चौबीस तीर्थंकरों की पूजा।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, किरावली (आगरा)।→दि० ३१-१७४ बी।

(ख) लि० का० सं० १९४६।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-११४।

चौबीस पद (गद्यपद्य)—देवचंद्र कृत। लि० का० सं० १९०४। वि० चौबीस जैन-तीर्थंकरों के स्तवन।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-२४।

चौबीस महाराज की विनती (पद्य)—चंद्र कृत। र० का० सं० १८०७। लि० का० सं० १९२५। वि० जैन मतानुसार चौबीस अवतारों की स्तुति।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-३७।

चौबीसों महाराज की पूजा→'चौबीस तीर्थंकरों की पूजा (जयमाल)' (रामचंद्र जैन कृत)।

चौबोला (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० १०-२४ ख।

चौबोला—'तरंगभेष मालिन' (प्राणसुख कृत)।

चौरंगीनाथ—गोरखनाथ के गुरुभाई। राजा सालवाहन के पुत्र और मछिंद्रनाथ के शिष्य। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१-५६; ४१-७१।

सबदी (पद्य)→सं० १०-३५।

चौरासी को टीका (पद्य)—रसिकलाल कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के प्रसिद्ध ग्रंथ 'चौरासी' की भाषा टीका।

प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५५।

चौरासीजी को माहात्म्य (पद्य)—बृजजीवनदास कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के ८४ वैष्णवों का माहात्म्य।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→ ०६-३४ डी।

चौरासी पद (पद्य)—अन्य नाम 'प्रेमलता', 'हरिवंश चौरासी' और 'हित चौरासीधनी'। हितहरिवंश कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला।

(क) लि० का० सं० १८२४।

प्रा०—पं० दीनानाथ पाठक, पंचौली, डा० जलेसर (एटा)।→२६-१५५ ए।

(ख) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१७४ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि० का० सं० १८३०।

प्रा०—राजा अमरसिंह, महरिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-१७६ बी।

(घ) लि० का० सं० १८४३।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-१६८ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—भैया संतबख्शसिंह, गुठवा (बहराइच)।→२३-१६८ बी।

(च) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० लल्लूप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)। → २३-१६८ सी।

(छ) लि० का सं० १८६६।

प्रा०—पं० शिवकंठ वाजपेयी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-१७६ ए।

(ज) प्रा०—श्री श्रीकृष्ण चौबे, पिनाहट (आगरा)।→२६-१५५ बी।

(झ) प्रा०—पं० बासुदेवसहाय, फतेहपुरसीकरी, आगरा।→२६-१५५ सी।

(ञ) प्रा०—हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४-४४३ क।

टि० खो० वि० सं० ०७-२१४ में प्रस्तुत ग्रंथ 'हितचौरासी टीका' नाम से सटीक प्राप्त हुआ है।

चौरासी बोल (पद्य)—जगन्नाथ कृत। वि० भक्ति तथा परमार्थ विषयक चौरासी उपदेश।

प्रा०—पं० भूदेव शर्मा, छौली, डा० श्रीबलदेव (मथुरा)।→३५-४३।

चौरासी रमैनी (पद्य)—विश्वनाथसिंह कृत। लि० का० सं० १६०४। वि० ज्ञानोपदेश (कबीरदास की रमैनी पर टीका)।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६-३२६ डी।

चौरासीवार्ता भाव (गद्यपद्य)—हरिराय कृत। लि० का० सं० १८७३। वि० महाप्रभु के चौरासी भक्तों के चरित्र।

प्रा०—पं० रामावतार शुक्ल (मोद), प्रधानाध्यापक, मिडिल स्कूल, बौंदी (बहराइच)।→२३-१५६ बी।

चौरासी वैष्णवन की वार्ता की भाव टीका (गद्य)—हरिराय कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० पुष्टिमार्गी चौरासी वैष्णवों का जीवन वृत्त।

प्रा०—श्री दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। →सं० ०४–४३६।

चौरासी वैष्णवों की वार्ता (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० वल्लभाचार्य की सेवा में उपस्थित होने वाले ८४ पुष्टिमार्गी भक्तों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५५ घ।

(ख) प्रा०—श्री मुरारीलाल केडिया, नंदनसाहू की गली, वाराणसी।→ ४१–५५ क।

(ग) प्रा०—बाला गोपालदास, चैतन्य रोड, वाराणसी।→४१–५५ ख।

(घ) प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–५५ ग।

(ङ) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० ०१–८८ ङ।

चौरासी सटीक (पद्य)—जुगलदास कृत। र० का० सं० १८२१। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के 'चौरासी' नामक ग्रंथ की टीका।

प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२–८७ ए।

चौरासी सटीक (पद्य)—धरणीधरदास कृत। लि० का० सं० १७४६। वि० राधाकृष्ण का अनुराग वर्णन।

प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–५१।

चौरासी सार (पद्य)—वृजजीवनदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की आलोचना।

प्रा०—गो० गोर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→ ०६–३४ सी।

चौर्यलीला (पद्य)—गंगसरन कृत। वि० श्रीकृष्ण की माखनचोरी लीला का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–६७।

चौसारचक्र (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८३७। लि० का० सं० १८४५। वि० हीरा जवाहरात की तौल, दर आदि जानने की रीति।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–१६५ बी।

छंद गोरखनाथजी का—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। → ०२–६१ (चौबीस)।

छंदछप्पनी (पद्य)—मणिराम कृत। र० का० सं १८२६। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १८५३।

प्रा०—पं० सुखनंदनप्रसाद अवस्थी, कटरा, सीतापुर।→१२–१०७।

(ख) प्रा०—श्री रामदेव ब्रह्मभट्ट, नुनरा, लम्हा (सुलतानपुर)। → २३–२६७।

छंद दस्तखत (पद्य)—दिग्विजयसिंह कृत। वि० प्रार्थियों के पद्यात्मक प्रार्थना पत्र और उनके पद्यात्मक उत्तर।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→२०–४३।

छंद पचीसी (पद्य)—उदयनाथ (कवींद्र) कृत। र० का० सं० १८५३। लि० का० सं० १८६३। वि० पिंगल।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१६८।

छंद पयोनिधि (पद्य)—हरिदेव कृत। र० का० सं० १८६२। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १६१३।

प्रा०—लाल श्री कंठनाथसिंह, धेनुगाँवाँ (बस्ती)।→सं० ०४–४३३।

(ख) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—श्री रंगीलाल, कोसी (मथुरा)।→१७–७२ ए।

छंद प्रकाश (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—श्री रामचंद्र राधागोविंद दसबीसा, गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८–१५।

छंद प्रकाश (गद्यपद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–३२।

छंद बंध सूत्र देवपूजा, पद (पद्य)—छोटेलाल कृत। र० का० सं० १६३२। लि० का० सं० १६५०। वि० मोक्षज्ञान का वर्णन।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४–१०४।

छंद मंजरी (पद्य)—श्रीराम (भट्ट) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–३३२ (विवरण अप्राप्त)।

छंदमहोदधि पिंगल (गद्यपद्य)—उत्तमदास कृत। र० का० सं० १६०४। लि० का० सं० १६३४। वि० छंद शास्त्र।

प्रा०—श्री चंद्रशेखर (बब्बन) मिश्र, भैरोपुर, डा० बरसा (जौनपुर)।→ सं० ०४–२१।

छंद रत्नाकर (पद्य)—व्रजलाल (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८८१। वि० पिंगल।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१६।

छंद रत्नावली (पद्य)—जुगतराय कृत। र० का० सं० १७३०। लि० का० सं० १६०८। वि० पिंगल।

प्रा०—बाबू हनुमानप्रसाद, सहायक पोस्टमास्टर, राया (मथुरा)।→२६–१७७।

छंद रत्नावली (पद्य)—हरिराम कृत। र० का० सं० १७६५। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।→ सं० ०४–४३५।

(ख) लि० का० सं० १६५१ ।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६–२५७ (रिवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—पं० सतानंद, धोवापुर (अलीगढ़) ।→१२–७३ ।

(घ)→पं० २२–३८ ।

छंद विचार (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–३०७ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, संपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–४१२ जे ।

(ग) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–४६५ सी ।

छंद विचार→'पिंगल' (चिंतामणि कृत) ।

छंद विनती (पद्य)—जगजीवन (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८११ । लि० का० सं० १६४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) ।→ २६–१६२ एल ।

छंदशास्त्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पिंगल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५१३ ।

छंद शिरोमणि (पद्य)—भद्रनाथ (दीक्षित) कृत । र० का० सं० १८८० । वि० पिंगल ।

(क) लि० का सं० १८६० ।

प्रा०—ठा० गणेशसिंह, आदमपुर, डा० टँडियाव (हरदोई) ।→२६–३२ ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—पं० मनिया मिश्र वैद्य, सुभानपुर, डा० बिल्हौर (कानपुर) ।→२६–४७ ।

छंदसार (पद्य)—अन्य नाम' नामरूप दीप पिंगल' तथा 'रूपदीप' । जयकृष्ण कृत । र० का० सं० १७७२ । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा ।→००–८० ।

(ख) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज (बाराबंकी) ।→०६–१३८ ।

(ग) प्रा०—पं० महावीरप्रसाद अवस्थी, ग्राम तथा डा० निगोहा (रायबरेली) । →२३–१६० ए ।

(घ) प्रा०—पं० गुलजारीलाल, गणेशगंज, लखनऊ ।→२३–१६० बी ।

(ङ)→पं० २२–४६ ।

छंदसार (पद्य)—नारायणदास कृत। र० का० सं० ८१२६। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–१०७।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–७८ ए।

(ग) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, खुरजा।→१७–१२३ ए।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१२३ बी।

छंदसार (पद्य) सूरति (मिश्र) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–२६३ ख।

छंदसार पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल' तथा 'वृत्तकौमुदी'। मतिराम कृत। र० का० सं० १७५८। वि० छंदशास्त्र।

(क) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१८२।

(ख) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट, महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०–१०५ ए।

(ग) प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२–११२।

(घ)→पं० २२–६४ सी।

छंदसार पिंगल (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरबा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–४५०।

(ख) प्रा०—श्री लल्लूप्रसाद महेरे, बाउथ, डा० बलरई (इटावा)।→ ३८–१४३।

छंदसार पिंगल→'छंदोनिवास सार' (सुखदेव मिश्र)।

छंदाटवी (पद्य)—गुमान (द्विज) कृत। वि० पिंगल।

प्रा०—श्री हीरालाल, चौकी नवीस, चरखारी।→०६–४४ बी।

छंदार्णव (पिंगल) (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। र० का० सं० १७६६। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—बाबू यज्ञदत्तलाल श्रीवास्तव, नौबस्ता, डा० लालगंज (प्रतापगढ़)। → २६–६१ सी।

(ख) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—श्री महाराज भगवानबक्ससिंह, अमेठी राज्य (सुलतानपुर)।→ २३–५५ ए।

(ग) लि० का० सं० १६०६

प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुधउली, डा० सरपतहा (जौनपुर) ।→ सं० ०४–२६१ घ ।

(घ) लि० का० सं० १६४२ ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत तिवारी रईस, बसुआपुर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–६१ डी ।

(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–३१ ।

(च) प्रा०—श्री बैजनाथ हलवाई, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१७ सी ।

(छ) प्रा०—बाबू पद्मबक्ससिंह तालुकेदार, लवेदपुर (बहराइच) ।→ २३–५५ बी ।

(ज) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–५५ सी ।

(झ) प्रा०—श्री चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ़) । →सं० ०४–२६१ ङ ।

टि० खो० वि० सं० ०४–२६१ ङ का हस्तलेख 'छंदार्णव' का तीसरा अध्याय है ।

छंदावली रामायण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० राम कथा ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–४३२ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–४३२ ई ।

(ग) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–८२ ।

छंदू या छिद्दूराम→'छदूराम' ('लग्नसुंदरी' के रचयिता) ।

छंदोनिधि पिंगल (पद्य)—मनराखनदास कृत । र० का० सं० १८६१ । लि० का० सं० १६५३ । वि० पिंगल ।

प्रा०—मालवीय शिवदास बाजपेयी, दूलहपुर (मिरजापुर) ।→०६–१८७ ।

छंदोनिवास सार (पद्य)—अन्य नाम 'छंदसार पिंगल' । सुखदेव (मिश्र) कृत । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा०—पुत्री पं० द्वारिकाप्रसाद त्रिवेदी, द्वारा श्री देवीदीन कुरमी, नंबरदार, लक्ष्मणपुर, डा० सतरिख (बाराबंकी) ।→२३–४१२ एल ।

(ख) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→ दि० ३१–८० बी ।

छज्जू—(?)

बारहमासी ख्याल (पद्य)→दि० ३१–२० ।

छठी के पद (पद्य)—परमानंददास कृत । वि० श्री कृष्ण की छठी का उत्सव ।
प्रा०—श्री हरिचरण गोसाईं, रिठौरी, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५–७२ ए ।

छठी महातम (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० छठी व्रत माहात्म्य (सूर्यप्रताप) ।
प्रा०—पं० चंडीप्रसाद पंडिया, डा० चिताती (बस्ती) ।→सं० ०७–२२८ ।

छत्त या छत्र (जैन)—(?)
ब्रह्मगुलाल चरित्र (पद्य)→सं० १०–३६ ।

छत्तीस अच्चरी (पद्य)—दीनदास (साहब) कृत । र० का० सं० १६२१ । लि० का० सं० १६५० । वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति ।
प्रा०—बाबा भारतमहंत, दतौली, डा० फखरपुर (बहराइच) ।→२३–३३६ ।

छत्र—संभवतः 'ब्रह्मगुलाल चरित्र' के रचयिता छत्त और छत्र एक ही हैं ।
परमार्थ उदिम प्रकास (भाषा) (पद्य)→सं० १०–३७ ।

छत्र (कवि)—वास्तविक नाम छत्रसिंह । श्रीवास्तव कायस्थ । अमरदास के वंशज । गोविंददास के पौत्र तथा भगीरथ के पुत्र । आदि स्थान बाँगरमऊ । अटेर (ग्वालियर) के राजा कल्याणसिंह के आश्रित । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।
विक्रम चरित्र (पद्य)→३२–४४ ।
विजय मुक्तावली (पद्य)→०६–२३; ०६–४८; २६–८३ ए से के तक; २६–६८ ए से ई तक; दि० ३१–२१ ।
सुधासार (पद्य)→२६–६८ एफ ।

छत्रधारी—रामजीवन के पुत्र । सं० १६१४ के लगभग वर्तमान ।
बाल्मीकीय रामायण (पद्य)→०४–६८ ।

छत्रनृपति—संभवतः नरवर (ग्वालियर राज्य) के राजा । रामसिंह के पिता ।
पद रत्नावली (पद्य)→सं० ०४–१०० ।

छत्रपति (चौहान)→'मिहिर (कवि)' ('समरसार' के रचयिता) ।

छत्रपालसिंह 'नृप'—संभवतः वेहदवल रियासत (प्रतापगढ़) के राजा । जोखूराम के आश्रयदाता ।
जोखूराम यश वर्णन (पद्य)→सं० ०४–१०१ ।

छत्रप्रकाश (पद्य)—गोरेलाल पुरोहित उप० लाल (कवि) कृत । र० का० सं० १८२६ । वि० पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल का यश वर्णन ।
(क) प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय, अजयगढ़ ।→०६–४३ बी ।
(एक अन्य प्रति टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ में है ।)
(ख) प्रा०—श्री राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६–१५० ।

द्वारिकेश। जयपुर नरेश महाराज माधौसिंह (राज्यकाल सं० १८२५ के लगभग) के आश्रित।

माधव सुयश प्रकाश (पद्य)→सं० ०१-११५।

छबिराम—(?)

पिंगल (पद्य)→२०-३०।

छबील (जन)—(?)

हरिभक्ति विलास (उत्तर खंड) (पद्य)→४१-७२।

छबीली भठियारी (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १९१४। लि० का० सं० १९२०। वि० कथा कहानी।

प्रा०—ठा० नैनसिंह, हरिपुर, डा० माधोगंज (हरदोई)।→२६-३५७।

छबीलेदास—(?)

भक्ति विलास (पद्य)→२६-८१।

छबिरतनम् (गद्यपद्य)—कालीदत्त (नागर) कृत। लि० का० सं० १९५२। वि० नखशिख।

प्रा०—पं० चंद्रशेखर दूबे, ब्रम्हनेवा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२१५ ए।

छाजु जी—गोरख पंथी।

पद (पद्य)→सं० ०७-४८।

छाजूराम—रावराजा प्रतापसिंह के दीवान। नागरीदास के आश्रयदाता।→१७-११८।

छाजूराम (द्विवेदी)—कोटा राज्य निवासी। सं० १७९२ के लगभग वर्तमान।

ताजिक सार (भाषा) (पद्य)→३२-४३।

छायाजोग (पद्य)—जानकीदास कृत। लि० का० सं० १९१०। वि० योग।

प्रा—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१२५ ख।

छिताई कथा (पद्य)—रतनरंग कृत। लि० का० सं० १६८२। वि० अलाउद्दीन की देवगिरि विजय की कथा का वर्णन।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२१२।

छितिपाल—(?)

नखशिख (पद्य)→सं० ०१-११६।

छितिपाल (क्षितिपाल)→'माधवसिंह (राजा)' ('राग प्रकाश' आदि के रचयिता)।

छींक और शकुन विचार (पद्य)—श्रीधर (पंडित) द्वारा संगृहीत। वि० शकुन विचार।

प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६-४५६।

छींक व शकुन विचार→'सगुनावली' (भड्डलि या भड्डरी कृत)।

छीतम—संभवतः दादू पंथी। किसी दासमदास के शिष्य। राजस्थानी। सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान। 'दयालजी का पद' संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत। → ०२-६४ (आठ)।

जखड़ी (पद्य)→सं० ०४-१०३; सं० ०७-४६ क।

पद (पद्य)→सं० ०७-४६ ख; सं० १०-३८।

छीतरदास—दादूपंथी।

सवैया भेंट के (पद्य)→सं० ०७-५०।

छीतरदासजी का सवइया→'सवैया भेंट के' (छीतरदास कृत)।

छीता की कथा—'कथा छीता की' (जान कवि कृत)।

छीहल (कवि)—अन्य नाम छेहल। सं० १५७५ के लगभग वर्तमान।

पंचसहेली रा दूहा (पद्य)→००-६३; ०२-३५; ४१-४६७ (अप्र०)।

छुटकन (द्विज)—(?)

चौताल चिंतामणि (पद्य)→२६-११६।

छूटक दोहा (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० भक्ति और उपदेश।

प्रा०—बाबू रधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-११६।

छूटक दोहा मजलिस मंडन→'मजलिस मंडन' (नागरीदास कृत)।

छेदालाल—पुवायाँ (उन्नाव) निवासी।

रामचंद्र की बारमासी (पद्य)→२३-७६।

छेदीलाल—(?)

प्रेमपियूष (पद्य)→२६-८४।

छेमराम—उप० रतन कवि (?)। जन्म सं० १६५७। पन्ना निवासी राजा छत्रसाल के वंशज और श्रीनगर (गढ़वाल) नरेश फतेहसाहि के आश्रित। संभवतः पन्ना नरेश सभासिंह और दीवना हिंदूपति के भी आश्रित। सं० १६८५ के लगभग वर्तमान।

अलंकार दर्पण (पद्य)→०६-१०३।

फतेह प्रकाश (पद्य)→०६-२६६; १२-४२; २३-३६० ए, बी; २६-४०६।

टि० खो० वि० १२-४२ के अतिरिक्त रचयिता का नाम सर्वत्र रतन कवि माना गया है। पर वह कवि का उपनाम है। कवि का परिचय भी कुछ संदिग्ध प्रतीत होता है। खो० वि० २३-३६० के आधार पर कवि केवल श्रीनगर (गढ़वाल) नरेश फतेहसाहि का ही आश्रित था, अन्य का नहीं। खो० वि० ०६-१३० के रतन कवि प्रस्तुत रचयिता से संभवतः भिन्न हैं।

छेहल→'छीहल (कवि)' ('पंचसहेली रा दूहा' के रचयिता)।

छैढालो (गद्यपद्य)—दौलतराम कृत। वि० जैन धर्मोपदेश और भक्ति।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-४८ बी।

छैढालो (पद्य)—बुधजन (जैन) कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का सं० १९०३ । वि० जैनधर्मानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, श्राहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → सं० ०४–२४० ।

छैल—जौनपुर निवासी । संभवतः राजाराम कायस्थ और शेख मुहम्मद के आश्रित । कवित्त (पद्य)→सं० ०१–११७ ।

छोटेलाल—मेड्डग्राम (अलीगढ़) के निवासी । मोतीलाल के पुत्र । भाई का नाम उदयराज । इक्ष्वाकुवंशी जायसवाल जैन । काशी में ये किसी सेनी की संगति में रहे । एक सिखरचंद का इन्होंने उल्लेख किया है ।

छंदबंध सूत्र, देवपूजा पद (पद्य)→सं० ०४–१०४ ।

छोटेलाल (गुजराती)—औदीच्य ब्राह्मण । आगरा निवासी । सं० १९२३ के लगभग वर्तमान ।

व्यंजन प्रकार (गद्य)→२६–७० ए, बी, सी ।

छौना (गुरु छौना)—सुप्रसिद्ध स्वामी चरणदास के शिष्य और 'गंगा माहात्म्य' के रचयिता अखैराम के गुरु ।→सं० ०१–१ ।

जंग (पद्य)—सदालाल कृत । वि० राम भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२७५ ।

जंगी जो—संभवतः 'गुरुचरित्र' के रचयिता जगन्नाथ के बाबा गुरु ।

पद (पद्य)→ सं० ०७–५१ ।

जंजोरा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।

प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किंठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → ३२–१०३ जे ।

जंजोरा→ जंजीराबंद' (कालिदास त्रिवेदी कृत) ।

जंजीराबंद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५ ।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—पं० बनवारीलाल, ग्राम तथा डा० हरचंदपुर (रायबरेली) । →२३–२००डी ।

जंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जंत्रमंत्र ।

प्रा०—पं० कैलाशपति अध्यापक, जरार, डा० बाह (आगरा) ।→२६–३६३ ।

जंत्रमंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० —पं० रमाकांत त्रिपाठी 'प्रकाश', बंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६–३१ (परि० ३) ।

जंत्रमंत्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० गोकुलचंद, प्रधानाध्यापक, मलपुरा (आगरा) ।→२६–३६४ ।

जंत्रविद्या (गद्य)—रचयिता अज्ञात वि० जंत्रमंत्र ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–३६६ ।

जंत्रावली(गद्य)— रचयिता अज्ञात । वि० झाड़फूँक ।

प्रा०—पं० विंध्येश्वरीप्रसाद, अध्यापक संस्कृत पाठशाला, गोंडा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–३२ (परि० ३) ।

जंत्रावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जंत्रमंत्र ।

प्रा०—श्री छोटेलाल गुप्त, बाह (आगरा) ।→२६–३६५ ।

जंबू के रेखते (पद्य)—केशव कृत । र० का० सं० १७१२ । लि० का० सं० १७६५ । वि० जंबूकुमार के वैराग्य की कहानी ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३४ ।

जंबूचरित्र कथा (पद्य)—अन्य नाम 'जंबू स्वामी का चरित्र' और 'जंबू स्वामी का रासा' । जिनदास पांडे (जैन) कृत । र० का० सं० १६४२ । वि० जैन धर्मानुयायी जंबू स्वामी का चरित्र ।

(क) लि० का० सं० १७५१ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । → सं० ०४–१३२ ।

(ख) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–४२ क ।

(ग) लि० का० सं० १६५२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–४२ ख ।

(घ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–४२ ग ।

जंबूरकलश (पद्य)—प्राणनाथ और इंदुवती कृत । वि० आत्मज्ञान तथा भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–३४६ सी ।

जंबूसर कौ प्रसंग (पद्य)—देवादास कृत । वि० शील और गौरव वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–८४ ।

जंबू स्वामी का चरित्र→'जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।

जंबू स्वामी का रासा या जंबू स्वामी की कथा→ जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।

जंबू स्वामी रासा (पद्य)—जसवंतसूरीश्वर (आचार्य) कृत । र० का० सं० १७८३ । लि० का० सं० १८६६ । वि० जंबू कुमार का चरित्र ।

प्रा० –श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१–२ ।

जकीरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० अनंदीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–३६२ ।

जखड़ी→'जखड़ी' (छीतम कृत) ।

जखड़ी (पद्य)—छीतम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८२६ ।
प्रा०—श्री सुखनंदन (महेशप्रसाद), ओझा का पुरा, डा० कैथौली (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–१०३ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–४६ क ।

जखड़ी (पद्य)—ब्रह्मल जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–८५ ।

ज़खड़ी (पद्य)—बाजिंद कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१३१ ग ।

जखड़ी→'परमोद लीला' (हरिकेस कृत) ।

जगजीतसिंह—जंबू नरेश । कालिदास त्रिवेदी के आश्रयदाता । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।→०१–६८; ०६–१७८; २०–७५; पं० २२–५२ ।

जगजीवन (स्वामी)→'जगजीवनदास (स्वामी)' ।

जगजीवन अष्टक (पद्य)—अवधप्रसाद कृत । र० का० सं० १९४० । लि० का० सं० १९८० । वि० जगजीवन स्वामी की वंदना ।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, 'विशारद', पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।→३५–५ ए ।

जगजीवनदास—कबीर के शिष्य । संभवतः राजस्थानी । निरंजनी पंथी (?) ।
चिंतावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–५२ क ।
पद (पद्य)→सं० ०७–५२ ख ।
प्रमनामौ जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–५२ ग ।

जगजीवनदास—राजस्थानी । दादूदयाल जी के शिष्य ।
दृष्टांत की साषी (पद्य)→सं० ०७–५३ ।

जगजीवनदास—धरणीधर के पुत्र । इन्होंने सं० १७४६ में अपने पिता के ग्रंथ 'चौरासी सटीक' की प्रतिलिपि की थी ।→१२–५१ ।

जगजीवनदास (स्वामी)—सुप्रसिद्ध महात्मा । सतनामी पंथ के प्रवर्तक । सरहदा कोटवाँ (बाराबंकी) के चंदेल क्षत्री । जन्म सं० १७२७ । मृत्यु सं० १८१७ । गंगाराम के पुत्र । विश्वेश्वरपुरी और बुल्ला साहब के शिष्य । दामोदरदास, दूलनदास, नवलदास तथा देवीदास के गुरु । गुरु भाई गुलाल साहब । कोटवा (बाराबंकी) में अब तक इनके संप्रदाय का प्रधान केंद्र है ।→०६–७८;

१७–१३१; २०–२३; २०–५५; २३–६५; २३–१०८; २६–१००; २६–१०६; १६–३२७ ।

अग्रनिवास (पद्य)→२३–१७५ ए, बी; सं० ०४–१०५ क, ख, ग, घ ।

आरती (पद्य)→२३–१७५ सी ।

उग्रज्ञान (पद्य)→२६–१६२ के ।

कहरानामा (पद्य)→२६–१६२ई, एफ, जी; सं० ०४–१०५ च ।

चरणबंदगी (पद्य)→२६–१६२ एच ।

छंदविनती (पद्य)→२६–१६२ एल ।

जगजीवनदास की बानी (पद्य)→०६–१२२; ४१–७३; सं० ०४–१०५ ठ ।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)→२६–१६२ आर; सं० ०१–११८ ख; सं० ०४–१०५ छ, ज ।

दृढ़ध्यान (पद्य)→२६–१६२ सी ।

दृष्टांत की साखी (पद्य)→२६–१६२ एस ।

दोहावली (पद्य)→२६–१८७ ए ।

परम ग्रंथ (पद्य)→२३–१७५ ई; २६–१६२ पी; सं० ०४–१०५ झ ।

बारहमासा (पद्य)→२६–१६२ एम ।

बुद्धिवृद्धि (पद्य)→२६–१६२ बी ।

मनपूरन (पद्य)→२६–१६२ ए ।

महाप्रलय (पद्य)→२६–१६२ क्यू; सं० ०१–११८ क; सं० ०४–१०५ ञ ।

लीला (पद्य)→२३–१७५ डी; २६–१८७ बी; सं० ०४–१०५ ट ।

विवेकज्ञान (पद्य)→२६–१६२ जे ।

विवेकमंत्र (पद्य)→०६–१६२ डी ।

शब्दसागर (पद्य)→२३–१७५ जी, एच; २६–१८७ सी; सं० ०४–१०५ ड ।

शरणबंदगी (पद्य)→२६–१६२ आई ।

स्तुति महावीरजी की (पद्य)→२३–१७५ एफ; २६–१६२ एन, ओ; सं० ०४–१०५ ङ ।

जगजीवनदास की बानी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१२२ ।

(ख) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–७३ ।

(ग) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—श्री शिवराम मिश्र, चिलौली, डा० इन्होंना (रायबरेली) । → सं० ०४–१०५ ठ ।

जगजीवन साहब→'जगजीवनदास (स्वामी)' ।

जगतनंद→'जगतानंद' (वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी)।

जगतनारायण (त्रिपाठी)—भैला सरैया (बहराइच) निवासी। सं० १९६० के पूर्व वर्तमान।

करुणाष्टक (पद्य)→२३-१७८ ए।
कवित्त संग्रह (पद्य)→२३-१७८ बी।
जानकी वर विनय (पद्य)→२३-१७८ ई।
सीताराम विनय कवित्त (पद्य)→२३-१७८ डी।
सीताराम विनय दोहावली (पद्य)→२३-१७८ सी।

जगतप्रकाश (पद्य)—जगतसिंह (बिसेन) कृत। र० का० सं० १८६५। लि० का० सं० १८६५। वि० नायक नायिका नखशिख वर्णन।
प्रा० —श्री महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-१७९ सी।

जगतमणि—सं० १७५४ के लगभग वर्तमान।
जैमिनीपुराण (पद्य)→२९-१६६ ए, बी, सी।

जगतमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत। र० का० सं० १८०७। वि० वेदांत, न्याय, ज्योतिष, वैद्यक, कोक, संगीत, पिंगल और अलंकारादि।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—श्री छेदीलाल ब्रह्मभट्ट, होलपुर, डा० हैदरगढ़ (बाराबंकी)। → २३-३२६ बी।
(ख) लि० का० सं० १९१२।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। → ०६-२३५ बी।
(ग) लि० का० सं० १९१२।
प्रा०—श्री राधेकृष्ण खत्री, बाबू बाजार, अयोध्या।→२०-१३८।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-११२।

जगतरसरंजन (पद्य)—जगदीश (कवि) कृत। र० का० सं० १८६२। वि० रस और नायिकाभेद।
(क) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-७८।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-१२१।

जगतराइ (राजा)—अग्रवाल वैश्य। कासीदास ('सम्मक्तकौमुदी भाषा' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०४-३३।

जगतराज—महाराज छत्रसाल के पुत्र। जैतपुर (बुंदेलखंड) के राजा। हरिकेश द्विज और बेनीप्रसाद (प्रसाद) के आश्रयदाता।→०६-४९; १७-२१।

जगतराज दिग्विजय(पद्य)—हरिकेश (द्विज) कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० जैतपुर के राजा जगतराज की दिग्विजय तथा जीवनी ।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→०६–४६ ए ।

जगतराम—(?)
जैन पदावली (पद्य)→३२–६४ ।

जगतविनोद→'जगद्विनोद' (पद्माकर कृत) ।

जगतविमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत । वि० राजनीति, न्याय आदि ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३२६ सी ।

जगतविलास →'रसिकप्रिया तिलक' (जगतसिंह कृत) ।

जगतसिंह—धोतहरी (गोंडा) निवासी । भिनगा के महाराज दिग्विजयसिंह के पुत्र । सं० १८२०–१८७७ के लगभग वर्तमान ।
अलंकारसाठि दर्पण (पद्य)→२३–१७६ ए ।
उत्तममंजरी (पद्य)→२३–१७६ ओ ।
चित्रमीमांसा (पद्य)→०६–१२७ बी; २०–६४ सी ।
जगतप्रकाश (पद्य)→२३–१७६ सी ।
नखशिख (पद्य)→ ०६–१२७ सी; २३–१७६ डी ।
नायिकादर्श (पद्य)→२३–१७६ ई ।
भारती कंठाभरण (पद्य)→२३–१७६ बी; सं० ०४–१०६ क ।
रत्नमंजरी कोश (पद्य)→ २३–१७६ एल ।
रसमृगांक (पद्य)→ २३–१७६ के ।
रसिकप्रिया तिलक (गद्यपद्य)→२३–१७६ एच, आई, जे; २६–१६२ ए ।
रामचंद्रिका की चंद्रिका (पद्य)→२३–१७६ एफ, जी ।
साहित्य सुधानिधि (पद्य)→०६–१२७ ए; २०–६४ ए, बी; २३–१७६ एम, एन; २६–१६२ बी; सं० ०४–१०६ ख ।

जगतसिंह—उदयपुराधीश । सं० १७६१ में सिंहासनासीन । दलपतिराम (राय) और वंशीधर के आश्रयदाता ।→ ०४–१३; १२–१८; १२-४५;२३–८२ ।

जगतसिंह—संभवतः मेवाड़ के महाराणा । राज्यकाल लगभग सं० १८०७ । पंचौली-देवकर्ण के आश्रयदाता । →सं० ०१–१६६ ।

जगतसिंह—बीकानेर नरेश महाराज अनूपसिंह के दरबारी । नैनसिंह (नेणसी) के पुत्र । इन्हीं के कहने से लालचंद ने 'लीलावती भाषाबंध' नामक पुस्तक लिखी थी ।→०२–७६ ।

जगतसिंह—सभाचंद्र के आश्रयदाता । सं० १७०० के लगभग वर्तमान ।→ ०६–२७० ।

जगतसिंह (सवाई)—जयपुर नरेश महाराज सवाई प्रतापसिंह के पुत्र । राज्यकाल सं० १८६०–१८७५ तक । पद्माकर, जगदीश कवि और टोडरमल के आश्रयदाता ।

→०१–१; ०१–८५; ०२–६; १२–७८; २०–१२३; २६–३३८; सं० ०१–१२१; सं० ०१–१३५; सं० १०–३६।

जगतानंद—अन्य नाम जगतनंद या जगनंद। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७३१ के लगभग वर्तमान।

दोहा साखी (पद्य)→सं० ०१–११६ ख।

व्रजपरिक्रमा (पद्य)→१७–८० ए; सं० ०७–५४।

भागवत (दशमस्कंध चरित्र उपाख्यान सहित) (पद्य) →१७–८० बी; सं० ०१–११६ क।

वल्लभाचार्यजी की वंशावली तथा स्वरूप वर्णन (पद्य)→सं० ०१–११६ ग।

जगतानंद→'जुगतराय' ('तिलशतक' के रचयिता)।

जगदीश→'जगन्नाथ' (श्रीकृष्ण भट्ट के पुत्र)।

जगदीश (कवि)—श्रीकृष्ण भट्ट (कलानिधि) के पुत्र। जयपुर नरेश सवाई जगतसिंह के आश्रित। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।

जगतरसरंजन (पद्य)→१२–७८; सं० ०१–१२१।

जगदीश (जन) —(?)

एकादशी कथा (पद्य)→सं० ०१–१२०।

जगदीश (स्वामी)—जैन।

बाराभावना (बारहभावना) (पद्य)→सं० ०७–५५।

जगदीश शतक (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। वि० जगन्नाथ जी की स्तुति।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–८२।

जगदेव (जन)—(?)

ध्रुवचरित्र (पद्य)→०६–२७२।

जगद्विनोद (पद्य)—पद्माकर कृत। वि० नायिकाभेद और नव रसादि।

(क) लि० का० सं० १८८१।
प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी।→०६–८२ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१२।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर)।→२०–१२३ ए।

(ग) लि० का० सं० १६३१।
प्रा०—राजा रामनाथबक्ससिंह पुस्तकालय, परसेनी राज्य, डा० परसेनी (सीतापुर)।→२३–३०७ ए।

(घ) लि० का० सं० १६४०।
प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–१२३ बी।

(ङ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—बाबू नारायणदयाल, रायबरेली ।→२३–३०७ बी ।

(च) लि० का० सं० १६४५ ।

प्रा०—ठा०हरिहरबक्ससिंह, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)। → २६–३३८ सी ।

(छ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६ ।

(ज) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा राज्य, बहराइच । → २३–३०७ सी ।

(झ) प्रा०—श्री रामनाथलाल, 'सुमन', वाराणसी ।→२३–३०७ डी ।

(ञ) प्रा०—पं० मवासीलाल शर्मा, अछनेरा (आगरा) ।→२६–२५७ सी ।

(ट) प्रा०—पं० अमृतलाल, पीपलवाला, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–२५७ डी ।

जगनंद→'जगतानंद' (वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी) ।

जगन (कवि)—गुरु का नाम संभवतः छल ।

जगन बत्तीसी (पद्य)→सं० ०१–१२२ ।

जगन बत्तीसी (पद्य)—जगन (कवि) कृत । वि० रामचरित्र ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१२२ ।

जगनिर्वेद पचीसी (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७–३४ आई ।

जगन्नाथ—उप० सुखसिंधु । ब्राह्मण । तैलंग देश के काँकरवार गाँव के दीक्षित वंश में उत्पन्न । ब्रजनाथ के पुत्र । जन्म सं० १६१२ के लगभग । अंतिम समय में वृंदावन में निवास ।

पीयूष रत्नाकर (पद्य)→१२–८०; ३८–६८ ।

जगन्नाथ—उप० जगदीश । श्रीकृष्ण भट्ट के पुत्र । सं० १८२६ के लगभग वर्तमान ।

अलंकार प्रकाश (पद्य)→१७–७८ ए ।

बुद्धि परीक्षा (पद्य)→१७–७८ बी ।

माधोविजय विनोद (पद्य)→१७–७८ सी ।

सरस्वती प्रसाद (पद्य)→१७–७८ डी ।

जगन्नाथ—उप० रूपालो । नवलजी के शिष्य । सं० १८४२ में वर्तमान ।

गुरु की महिमा के शब्द (पद्य)→पं० २२–४३ ।

जगन्नाथ—महाराजपुर (कानपुर) निवासी । बीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।

बारहमासी (पद्य)→२६–१६० ।

जगन्नाथ—संभवतः राजस्थान निवासी ।

चौरासीबोल (पद्य)→३५–४३ ।

जगन्नाथ—(?)

कृष्ण (चंद्र) जी की बारहमासी (पद्य)→२६–१६१ ए, बी ।

जगन्नाथ—(?)

जुगलकिशोर की बारहमासी (पद्य)→२६–१८८ ।

जगन्नाथ—(?)

समय प्रबंध (पद्य)→१२–७६ ।

जगन्नाथ—(?)

सुंदरकांड (पद्य)→सं० ०१–१२३ ।

जगन्नाथ (जन)—अन्य नाम जगन्नाथदास । भाट । किसी तुलसीदास साधु के शिष्य । सं० १७६० के लगभग वर्तमान ।

गुरु महिमा (पद्य)→०६–२६६; ०६–१२६; २३–१७६ ए, बी, सी; २६–१८६ ए, बी; २६–१६३ ए, बी; दि० ३१–३८ ए, बी; सं० ०४–१०७ क, ख; सं० ०७–५८ ।

मन बत्तीसी (पद्य)→०६–२६६ ।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)→पं० २२–४२; २३–१७७; २६–१६४ बी । २६–१६३ सी, डी, ई ।

होली संग्रह (पद्य)→२६–१६४ ए ।

जगन्नाथ (जन)—कायस्थ । दादूदयाल के शिष्य ।

गंजनामा या गुनगंजनामा (पद्य)→सं० ०७–५६ क, ख ।

पद (पद्य)→सं० ०७–५६ ग ।

जगन्नाथ (जन)→'गोपाल' ('गुरचौबीस की लीला' आदि के रचयिता) ।

जगन्नाथ (जन जगन्नाथ)—जौनपुर निवासी मिश्र ब्राह्मण । सम्राट अकबर के आश्रित । अकबर की ओर से इन्हें भूमि मिली थी । परंतु ये उसके नवरत्नों में के जगन्नाथ नहीं हैं । सं० १५६० के लगभग वर्तमान ।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)→०६–१२४; सं० ०४–१०८ ।

जगन्नाथ (द्विज)—सुदामापुर (फैजाबाद) निवासी । संभवतः बीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।

चौताल रसिक मनभावन (पद्य)→२०–६२ ।

जगन्नाथ (भट्ट) – राम कवि के पुत्र । गोकुल (मथुरा) निवासी । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।

रस प्रकाश (पद्य)→१७–७६ ।

सार चंद्रिका (पद्य)→२६–१६४ ए, बी ।

जगन्नाथ (रिचारिया)—जुगलदास के पुत्र। छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १८४५ के लगभग वर्तमान।

कृष्णायन (पद्य)→०६–१२५।

जगन्नाथ (शास्त्री)—(?)

नाड़ीज्ञान प्रकाश (पद्य)→३५–४४।

जगन्नाथदास—शुक्ल ब्राह्मण। जन्मभूमि बिल्हौर (कानपुर)। फैजाबाद निवासी। सं० १८७२ के लगभग वर्तमान।

देवीपूजनादि मंत्र (गद्य)→२६–१६५ बी।

धर्मगीता (गद्य)→२६–१६५ ए।

वैद्यक मंत्रतंत्र (गद्य)→२६–१६५ सी।

जगन्नाथदास→'जगन्नाथ (जन)' ('गुरु महिमा' आदि के रचयिता)।

जगन्नाथप्रसाद—छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। रसनिधि के दोहों के संग्रहकर्ता।→ ०५–७५।

जगन्नाथप्रसाद (पंडित)—अयोध्या निवासी। उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान।

फागशिरोमणि चौताला (पद्य)→२०–६३।

जगन्नाथ माहात्म्य (पद्य)—मकरंद कृत। वि० ईश्वर वंदना।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६–१८२।

जगन्नाथसिंह (विसेन)—रामपुर (डेरवा, प्रतापगढ़) के निवासी। धनगढ़ (प्रतापगढ़) राज्य के ताल्लुकेदार। विसेन वंशी। राजा देवीबख्शसिंह के पुत्र। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।

युद्ध ज्योतिष (पद्य)→०६–१२३; १७–७७; सं० ०४–१०६ क, ख।

जगराम—कोई जैन कवि।

पद संग्रह (पद्य)→४१–७५।

जगसमाधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजा युधिष्ठिर और श्वपच भक्त की कथा।

(क) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री गुरुबालकप्रसाद, गोंठाखास, डा० दोहरीघाट (आजमगढ़)। → ४१–३६६।

(ख) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँड़िया (इलाहाबाद)। → सं० १०–५१५ ख।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५१५ क।

जगा जी (खड़िया०)—मारवाड़ के राजा जसवंतसिंह के दरबारी कवि। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।

रतन महेस दासोत वचनिका (गद्यपद्य)→०२–२६।

जग्यासमाज (यज्ञसमाधि) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३०। वि० श्वपच भक्त और पांडवों के यज्ञ का वर्णन।

प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–४५८।

जजमान कन्हाई जस (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० सं० १६६२। वि० श्रीकृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–४६ ए।

जटमल (जाट)—संभवतः चारण। सांबोला (राजपूताना) निवासी। पिता का नाम धर्मसिंह। सं० १६८० के लगभग वर्तमान।

गोराबादल की कथा (गद्यपद्य)→०१–४८।

गोराबादल की वार्ता (पद्य)→३८–७१।

जटमल (नाहर)—लाहौर निवासी। नाहर गोत्रीय ओशवाल जैन श्रावक। पिता का नाम धर्मसी। सिंधु नदी से लगे हुए प्रदेश के अंतर्गत जलालपुर के राजा साहिबाजखाँ के आश्रित। सं० १६६३ के लगभग वर्तमान।

प्रेमविलास प्रेमलता कथा (पद्य)→सं० ०१–१२४।

टि० जटमल जाट और जटमल नाहर एक ही प्रतीत होते हैं।

जटाशंकर→'नीलकंठ' ('अमरेश विलास' के रचयिता)।

जड़चेतन (गद्यपद्य)—धरणीधर कृत। र० का० सं० १८५०। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—लाला भागवतप्रसाद, सधवापुर, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३–१०१ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—पं० रामजीवन, चिलंडा, डा० हसुआ (फतेहपुर)।→२०–४२ ए।

(ग) प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद मुंसिफ, रामसनेही घाट (बाराबंकी)। → २३–१०१ बी।

जड़भरथ चरित्र (पद्य)—गोपाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ ग।

(ख) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–२८।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ ख।

जतनलाल—स्वा० हितहरिवंश के अनुयायी। सं० १८६१ के पूर्व वर्तमान।

रसिक अनन्य सार (पद्य)→०६–१३७; सं० ०४–११०।

जदुनाथसिंह—प्रयागदत्त ('कवित्त' आदि के रचयिता) के आश्रयदाता। → सं० ०४–२१४।

जदुराज विलास (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १६३३। लि० का० सं० १६४१। वि० श्रीकृष्ण की स्तुति और चरित्र।

प्रा०—महाराजकुमार लाल बलदेवसिंह का पुस्तकालय, रीवाँ ।→००–४६ ।

जनअनाथ→'अनाथदास' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता) ।

जनउमराय→'उमराव' ('भक्त गीतामृत' के रचयिता) ।

जनकनंदिनो अष्टक (पद्य)—चेतनदास कृत । वि० सीताजी की स्तुति ।

प्रा०—पं० मुंशीलाल, नंदपुर, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→३२–४१ बी ।

जनकनंदिनीदास—रामानुज संप्रदाय के वैष्णव साधु ।

भेदभास्कर (पद्य)→०६–२६६ ।

जनक पचोसो (पद्य)—दरियावदास (दौवा) कृत । र० का० सं० १८८१ । लि० का० सं० १६२० । वि० सीताजी का विवाह और परशुराम संवाद ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद त्रिवेदी 'मधु', अमरमऊ (सागर) ।→२६–७७ ।

जनक पचीसी—(पद्य)—मंडन (मणिमंडन) कृत । लि० का० सं० १८६२ । वि० श्री रामचंद्र जी की शोभा और उनके मुकुट का वर्णन ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६–७२ ।

(सं० १८६४ की एक प्रति लाला कामताप्रसाद, बिजावर निवासी के पास है ।)

जनकपुर ज्योनार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम कथा ।

प्रा०—पं० पूरनमल शर्मा, बैजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी) ।→३५–१७८ ।

जनकराजकिशोरीशरण—उप० किशोरीशरण, रसिकअलि, रसिक और रसिकबिहारी । जनकलाड़िलीशरण के गुरु । सुदामापुरी (गुजरात) के निवासी । अयोध्या के वैष्णव महंत राघवदास के शिष्य । अंत में गद्दी के स्वामी हुए । सं० १८७५ के लगभग वर्तमान ।→१७–८२ ।

अष्टयाम (पद्य)→१७–८३ ए ।

आंदोल रहस्य दीपिका (पद्य)→०६–१३४ आई ।

आत्मसंबंध दर्पण (गद्य)→०६–१३४ ई ।

कवितावली (पद्य)→०६–१८१ सी; ०६–१३४ सी ।

जानकी कर्णाभरण (पद्य)→०६–१३४ के ।

तुलसीदास चरित्र (पद्य →०६–१३४ एफ ।

दोहावली (पद्य)→०६–१३४ एल ।

रघुबर कर्णाभरण (पद्य)→०६–१८१ ए; ०६–१३४ एन ।

रासदीपिका (पद्य)→०६–१८१ बी; ०६–१३४ जे ।

ललित शृंगार दीपिका (पद्य)→०६–१३४ ओ ।

वेदांतसार श्रुति दीपिका (पद्य)→०६–१३४ एच ।

षटऋतु पदावली (पद्य)→२०–१६२ ।

सिद्धांत चौंतीसी (पद्य)→०४–१०; ०६–१३४ एम ।

सिद्धांत मुक्तावली (पद्य)→०६–१८१ डी; ०६–१३४ ए; १७–८३ बी; २०–६६; सं० ०४–१११ ।

सीताराम रस तरंगिनी (गद्य)→०६–१३४ डी।

सीताराम सिद्धांतानन्य तरंगिणी (पद्य)→०६–१३४ बी; १७–८३ सी।

होलिका विनोद दीपिका (पद्य)→०६–३१७; ०६–१३४ जी।

जनक राम संवाद→'रामकलेवा रहस्य' (पर्वतदास कृत)।

जनकलाड़िलीशरण—अयोध्या के वैष्णव महंत। जनकराजकिशोरीशरण के शिष्य। सं० १६०४ के लगभग वर्तमान।→१७–८३।

रसिक विनोदिनी (पद्य)→०६–१३३; १७–८२।

जनकवंश वर्णन (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट। प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। → ४१–४७ ख।

जनकिशोर—पारिख। मथुरांतर्गत रामगढ़ (रामपुरी) निवासी। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान।

उषा चरित्र (पद्य)→४१–२६।

जनकीता→'कीता' ('पद' के रचयिता)।

जनखुस्याल→'खुस्याल (जन)' ('विपिन विनोद' के रचयिता)।

जनगूजर—(?)

कृष्णपचीसी (पद्य)→०६–२७०।

जनगोपाल→'गोपाल' (दादूदयाल के शिष्य)।

जनगोपाल→'गोपाल (जन)' ('भागवत' के रचयिता)।

जनगोपाल→'गोपाल (जनगोपाल ,' ('रासपंचाध्यायी' के रचयिता)।

जनछीतम→'छीतम' ('जखड़ी' आदि के रचयिता)।

जनजगन्नाथ→'जगन्नाथ (जन)' ('गुरुमहिमा' आदि के रचयिता)।

जनज्वाला—हजरतगंज (लखनऊ) के निवासी। सं० १६२७ के लगभग वर्तमान।

प्रश्न मनोरमा (भाषा टीका) (पद्य)→सं० ०४–११२।

जनतिलोक—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ ०२–५७ (पैंतीस)।

जनतुरसी→'तुरसीदास (निरंजनी)' ('चौखरी ग्रंथ' आदि के रचयिता)।

जनप्रसाद—अन्य नाम दासप्रसाद।

पद संग्रह (पद्य)→४१–७६।

जनबेगम—गुरु छौना (? , के शिष्य।

बैराग बारहमासा (पद्य)→सं० ०४–११३।

जनभुवाल—(?)

भगवद्गीता (पद्य)→०६–१३२; १७–२७; ४१–१७६; सं० ०१–२६२ क।

भूगोल पुराण (गद्यपद्य)→सं० ०१–२६२ ख।

जनमकरम लीला (पद्य)—माधोदास कृत। वि० जीवन में कर्मप्रधानता का वर्णन।
प्रा०—पं० चंद्रशेखर त्रिपाठी, बाह (आगरा)।→२६–२१५ ए।

जनमपत्रिका प्रकाश रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० निर्गुण ज्ञान।
प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४६ ओ।

जनमबोध (पद्य)–कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–१४३ एल[?]।

जनमुकुंद→'नंद और मुकुंद' ('भ्रमरगीत' के रचयिता)।

जनमोहन→'मोहनदास' ('सनेहलीला' आदि के रचयिता)।

जनराज (वैश्य)—वास्तविक नाम डेडराज। जयपुर नरेश पृथ्वीसिंह के आश्रित। आपके गलता निवासी गुरु ने डेडराज से नाम बदल कर जनराज रख दिया था। सं० १८३३ में वर्तमान।
कविता रस विनोद (पद्य)→३२–६६।
कृष्णचंद्र लीला ललित विनोद (पद्य)→३५–४६।

जनलाल (सोती)—सनाढ्य ब्राह्मण सीसता गाँव, सादाबाद (मथुरा) निवासी। सं० १५३७ के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→३२–६५।

जनविंदा→'वृंदावनदास' ('कृष्णविलास' के रचयिता)।

जनहमीर—(?)
रामरहस्य (पद्य)→०६–२७१।

जनहरिया—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →२०–५७ (इकतालीस)।

जनार्दन (भट्ट)—(?)
बालविवेक (पद्य)→०६–२६७ ए।
वैद्यरत्न (गद्यपद्य)→०२–१०५; ०६–२६७ बी; २०–६८; पं० २२–४५; २३–१८१ ए, बी; २६–२०० ए, बी, सी; २६–१६८ ए से डी तक।
शालिहोत्र (पद्य)→०६–२६७ सी।

जनिगुपाल→'चिंतामणि गुपाल' ('उषा अनिरुद्ध विवाह' के रचयिता)।

जनौल—सं० १६२३ के पूर्व वर्तमान।
शनिश्चर की कथा (पद्य)→३८–७०।

जन्मखंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० श्री राम जन्मोत्सव।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–७६ डी डी।

जन्मचरित्र श्री गुरुदत्तदासजी का (पद्य)—बचऊदास कृत। लि० का० सं० १६८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—मुंशी संतप्रसाद, प्राइमरी स्कूल, तिलोई (रायबरेली) ।→३५–६ ।

जन्मसाखी (गद्यपद्य)—अंगद जी (गुरु) कृत । र० का० सं० १५६६ । लि० का० सं० १८०४ । वि० गुरु नानक का जीवन और भिन्न भिन्न देशों की यात्रा का वर्णन ।

प्रा०—बाबू जमनादास, छोटी संगत, गुदड़ी बाजार, बहराइच ।→२३–११ ।

जन्मोत्सव के पद (पद्य)—सूरदास आदि कृत । वि० कृष्ण के जन्म की बधाई ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१–४४६ (अप्र०) ।

जन्मोत्सव बधाई (पद्य)—व्रजदूलह कृत । वि० कृष्ण की जन्म बधाई ।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, छपैटी (इटावा) ।→३८–१८ ।

जप को प्रकार (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । लि० का० सं० १९६४ । वि० धर्म ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–८८ घ ।

जपजी (पद्य)—अन्य नाम 'नानकजी का जप ।' नानक (गुरु) कृत । वि० जप महिमा और उपदेश । (सिखों के मूल मंत्र) ।

(क) लि० का० सं० १८२० ।

प्रा०—महंत नानकप्रकाश, बड़ी संगति, बहराइच ।→२३–२९३ ए ।

(ख) प्रा०—श्री जसवंतसिंह, सिखों का गुरुद्वारा, अयोध्या ।→२०–६९ ।

(ग)→पं० २२–७० ।

जपमंगल (पद्य)—भानुजसिंह कृत । लि० का० सं० १८८८ । वि० मंगल स्तोत्र ।

प्रा०—श्री श्यामसुंदर शुक्ल, रेवली, डा० परियानौं (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–२५७ ।

जफरनामा नौसेरवाँ का (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १७२१ । लि० का० सं० १७७७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ द' ।

जबरेससिंह्—वत्सगोत्रीय चौहान क्षत्री । वनउधदेश (संभवत: इलाहाबाद जिला में) के अंतर्गत पटीपुर के राजा । शिवदत्त त्रिपाठी ('दशकुमारचरित' के रचयिता) के आश्रयदाता ।→सं० ०१–४१४ ।

जमनाजी के गीत (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । वि० यमुना जी की महिमा ।

प्रा०—श्री पन्नालाल, सकरवा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–१७९ ।

जमाल—पिहानी (हरदोई) निवासी मुसलमान । जन्म सं० १६०१ ।

जमाल पचीसी (पद्य)→१२–८२ ए ।

भक्तमाल की टिप्पणी (गद्यपद्य)→१२–८२ बी ।

स्फुट दोहे (पद्य)→२०–६५ ।

जमाल पचीसी (पद्य)– जमाल कृत । वि० विविध ।

प्रा०—रेतू छन्नूलाल, गोकुल (मथुरा) ।→१२–८२ ए ।

जमुनाजस (पद्य)—आनंदघन कृत। वि० जमुना जी की प्रशंसा।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–१० क।

जमुनादास—वृंदावन निवासी। हितानुयायी। कीरतलाल जी के शिष्य।
अष्टक (पद्य)→३८–६६।

जमुनादास—एक भक्त साधु।
जमुनालहरी (पद्य)→०६–२६४।

जमुनाप्रताप बेलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१७। लि० का० सं० १८३७। वि० जमुना की महिमा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२५० सी (विवरण अप्राप्त)।

जमुना मंगल (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। लि० का० सं०१८६६। वि० जमुना स्तवन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०४ एफ (विवरण अप्राप्त)।

जमुना माहात्म्य (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०४ जी (विवरण अप्राप्त)।

जमुनालहरी (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० यमुना जी की महिमा।
(क) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर, गोंडा।→२०–५८ बी।
(ख) प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१–८८।
टि० ग्रंथाधिकारी के अनुसार 'ख' प्रति रचयिता की स्वहस्तलिखित प्रति है।

जमुनालहरी (पद्य)—जमुनादास कृत। लि० का० सं० १९३५। वि० यमुना जी की महिमा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६४ (विवरण अप्राप्त)।

जमुनालहरी (पद्य)—पद्माकर कृत। वि० जमुना माहात्म्य।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–८२ सी।

जयकृष्ण—पुष्करण ब्राह्मण। जोधपुर निवासी। भवानीदास के पुत्र। महाराज वख्तसिंह के मंत्री। सिंघी फतहमल के पुत्र। सिंघी ज्ञानमल के आश्रित।
कवित्त (पद्य)→०२–६८।
छंदसार (पद्य)→००–८०; ०६–१३८; पं० २२–४६; २३–१६० ए, बी।
शिव माहात्म्य (भाषा) (पद्य)→०२–८६।
शिवगीता भाषार्थ (पद्य)→०२–६१।

जयकृष्ण—विष्णु स्वामी संप्रदाय के वैष्णव। पुरुषोत्तमदास के शिष्य। श्री वल्लभ तथा बालकृष्ण के वंशज।
भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→३२–६८।

जयकृष्ण (भोजग)—(?)

पिंगल रूप दीप (पद्य)→४१-४६८ (अप्र०)।

जयगोपालदास—काशी (मुहल्ला दारानगर) निवासी। मिरजापुर निवासी संत राम गुलाम द्विवेदी के शिष्य। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)→०२-१०३; ०४-६; २३-१८६।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'तुलसी शब्दार्थ प्रकाश'। जयगोपालदास कृत। र० का० सं० १८७४। वि० तुलसी कृत रामायण पर टिप्पणियाँ और शब्दार्थ आदि।

(क) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६।

(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—पं० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुंढीकटरा, मिरजापुर।→०२-१०३।

(ग) प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-१८६।

जयगोपालसिंह—क्षत्री। बेसहनीसिंह के पुत्र। चैमलपुर, परगना सिंकदरा के जमींदार। विष्णुदत्त कवि के आश्रयदाता। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।→०४-७०।

जयगोविंद—उप० गोविंद। पलटूदास के गुरु। भीखासाहब के शिष्य। अहिरौली (फैजाबाद) निवासी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।

सत्यसार (पद्य)→२०-७१।

जयगोविंद (वाजपेयी)—संभवतः मंडन कवि के पुत्र। सं० १७६५ के पूर्व वर्तमान।

कविसर्वस्व (गद्यपद्य)→३८-७३।

जयचंद—भटनागर कायस्थ। दिल्ली निवासी। सं० १६३२ (१६२४) के लगभग वर्तमान।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)→२६-२०३; दि० ३१-४४।

जयचंद (जैन)—जैन धर्मानुयायी। ढूँढाहर देशांतर्गत जयपुर (राजस्थान) निवासी। जयपुर के महाराज जगतसिंह के समकालीन। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

अष्टपाहुड़ ग्रंथन की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→सं० १०-३६ क, ख, ग, घ।

ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→३२-१८७ ए; सं० ०४-११५; सं० १०-३६ ङ।

देवागम स्तवन की देशभाषा मय वचनिक (पद्य)→सं० ०७-५६; सं० १०-३६ च।

द्रव्यसंग्रह ग्रंथ की वचनिका (गद्य)→सं० १०-३६ छ।

समयसार ग्रंथ की वचनिका (गद्य)→२३-१८७ बी; सं० १०-३६ ज।

स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा (गद्य)→सं० १०–३६ भ्र, ञ ।

जयचंद वंशावली (पद्य)—सतीप्रसाद कृत । वि० राजा जयचंद की वंशावली ।
प्रा०—श्री रामनेत, मंत्री, दरबार, टीकमगढ़ ।→०६–२३० (विवरण अप्राप्त) ।
टि० मूल वंशावली कमौली ग्राम (वाराणसी) में ताम्रपत्र पर मिली थी ।

जयजयराम—मित्तल गोत्रीय अग्रवाल वैश्य । सेवाराम के पुत्र । मैढू (अलीगढ़) निवासी । पिता मैढू के राजा रतनसिंह के दीवान थे । कुछ दिनों तक अनूपशहर (बुलंदशहर) में गंगा के किनारे रहे । बाद में हरयाना के राजा मित्रसिंह के दरबार में रहने लगे । अनंतर राजकुमार जसवंतसिंह के आश्रित । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान ।
ब्रह्मवैवर्त पुराण (पद्य)→१७–८७; २६–१७३ ।

जयतराम—वृंदावन निवासी । किसी पयहारी के शिष्य । सं० १७६५ के लगभग वर्तमान ।
जोग प्रदीपिका (पद्य)→सं० ०७–६० क ।
भागवत गीता (भाषा) (पद्य)→१२–८५; १७–८८ ।
राम सगुनावली (पद्य)→सं० ०७–६० ख ।
सदाचार प्रकाश (पद्य)→०६–१४० ।

जयदयाल—गुरु का नाम कृष्णदास । सं० १८७३ के पूर्व वर्तमान ।
अष्टजाम सेवा प्रकरण (पद्य)→सं० ०४–११६ ।
जुगलानंद सुधा समुद्र (पद्य)→सं० ०४–११६ ।
माधुर्य लहरी (पद्य)→सं० ०४–११६ ।
सिकरावली (पद्य)→सं० ०४–११६ ।

जयदयाल—वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १६०६ के लगभग वर्तमान ।
प्रेमसागर (पद्य)→१७–८६; २३–१८८; २६–१७२ ए से आई तक ।

जयदायक (समरसार) (पद्य)—शिवप्रसाद कृत । वि० युद्ध ज्योतिष ।
प्रा०—पं० शंभुनाथ, अध्यापक, शुक्लपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–३८७ ।

जयदेव (?)—संभवतः कंपिला निवासी । सुखदेव मिश्र के शिष्य । फाजिल अली के आश्रित । सं० १७५७ के लगभग वर्तमान ।→मि० वि० संख्या ६०६ ।
अमृतमंजरी (पद्य)→१२–८१ ।

जयनारायण—(?)
काशी खंड (भाषा) (पद्य)→०६–१२६ ।

जयमंगलप्रसाद—(?)
गंगाष्टक (पद्य)→०६–१२८ ।

जयमल (ऋषि)—जैन ।

साधुगुणमाला (पद्य)→दि० ३१-३६ ।

जयमाल (पद्य)—लालचंद कृत । वि० जैन धर्मानुसार जिनदेव की पूजा का वर्णन ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदिनीगंज, प्रतापगढ़ ।→२६-२६० ।

जयमाल संग्रह (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि० अयोध्या का वर्णन और रामचंद्र विहार ।
प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या ।→०६-२४५ एच ।

जयराम—(?)
भगवद्गीता की टीका (पद्य)→४१-७७ ।

जयराम (भारती)—तुर्रा संप्रदाय के लावनीबाज । सं० १६१४ के पूर्व वर्तमान ।
मनिहारिन लीला (पद्य)→२६-२०५ ।

जयरामदास (ब्रह्मचारी)—(?)
ज्वरविनासन (पद्य)→०६-१३० ।

जयलाल—सेवक भट्ट । वृंद कवि के वंशज । कृष्णगढ़ नरेश के दरबारी कवि । सं० १६१६ के लगभग वर्तमान ।
कठिन औषधि संग्रह (पद्य)→२६-१७४ एफ ।
कृष्णचंद्रजी की विनती (पद्य)→२६-२०४ डी; २६-१७४ जी, एच ।
ख्याल (पद्य)→२६-१७४ ई ।
गर्भचिंतामणि (पद्य)→२६-२०४ ए, बी; २६-१७४ ए, बी ।
रामनाम की महिमा (पद्य)→२६-२०४ ई ।
शिवजी की विनती (पद्य)→२६-२०४ सी ।
संग्रह (पद्य)→२६-१७४ सी, डी ।

जयशंकर सहस्र अवदीच—आगरा निवासी । सं० १६२५ के लगभग वर्तमान ।
व्यंजनप्रकार (पहला भाग) (गद्य)→सं० ०१-१२५ ।

जयश्री (विप्र)—ब्राह्मण । पिता का नाम चेतराम मिश्र ।
स्तोत्र संग्रह (पद्य)→सं० १०-४० ।

जयसिंह (जू देव)—रीवाँ नरेश । शिवनाथ, दुर्गेश और अजबेश के आश्रयदाता । राज्यकाल सं० १८६६-१८६० ।→०१-१५; ०१-१०६ ।
ऋषभदेव की कथा (पद्य)→००-१५१ ।
कपिलदेव की कथा (पद्य)→००-१४६ ।
कृष्णतरंगिणी (पद्य)→००-१३६ ।
दत्तात्रय कथा (पद्य)→००-१५० ।
नरनारायण की कथा (पद्य)→००-१५४ ।
नारद सनत्कुमार की कथा (पद्य)→००-१४८ ।
नृसिंह कथा (पद्य)→००-१४१ ।

परसराम कथा (पद्य)→००–१४३ ।
पृथु कथा (पद्य)→००–१४७ ।
बलदेव कथा (पद्य)→००–१५३ ।
बामन कथा (पद्य)→००–१४२ ।
व्यास चरित (पद्य)→००–१५२ ।
स्वायंभु मुनि की कथा (पद्य)→००–१४६ ।
हयग्रीव कथा (पद्य)→००–१५६ ।
हरिअवतार कथा (पद्य)→००–१५५ ।
हरिचरित चंद्रिका (पद्य)→००–१४५ ।
हरिचरितामृत (पद्य)→००–१४० ।
हरिचरितामृत (पद्य)→००–१४४ ।

जयसिंह (महाराज या मिर्जा)—प्रसिद्ध जयपुर नरेश । जन्म सं० १६६८ । मृत्यु सं० १७२४ । औरंगजेब द्वारा 'मिर्जा राजा' की उपाधि से विभूषित । प्रसिद्ध कवि बिहारीलाल के आश्रयदाता ।→००–११५; २०–८६ ।

जयसिंह (राजा)—संभवतः जयपुर के महाराज जयसिंह (प्रथम) मिर्जा राजा ।
काव्यरस (पद्य)→३८–७४ ।

जयसिंह (रायराजा)—कायस्थ । किसी मुगल सम्राट के आश्रित । अंत समय में अयोध्या जाकर सन्यासियों की तरह रहने लगे थे । सं० १८१२ के लगभग वर्तमान ।
संतसई (पद्य)→०६–१३६; सं० ०४–११७ ।

जयसिंहदास—सारंगगढ़ के राजा उद्योतसिंह के दीवान देवकीनंदन के आश्रित । सं० १७८२ के लगभग वर्तमान ।
हितोपदेश की कथा (पद्य)→४१–७८ ।

जयसिंह प्रकाश (पद्य)—आत्माराम कृत । र० का० सं० १७७१ । वि० कालिदास कृत 'रघुवंश' का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–७

जयसिंह प्रकाश→'जैसिंह प्रकाश' (प्रतापसाहि कृत) ।

जयसिंहसवाई (द्वितीय)—जयपुर के प्रसिद्ध महाराज और (जयपुर के) संस्थापक । महाराज प्रतापसिंह के पितामह । सं० १७५५ में राज्यारोहण । सं० १७९९ में देहावसन । संस्कृत, फारसी और ज्योतिष के विद्वान । कृष्ण भट्ट और कृपाराम के आश्रयदाता ।→००–७८;०६–१५६;०६–३०१ ।

जयसुख—(?)
ज्ञानगीता (पद्य)→पं० २२–४७ ए; २६–२०६ ए ।
राधाविनोद (गद्य)→पं० २२–४७ बी; २६–२०६ बी ।

जर्राही प्रकाश (गद्य)—अन्य नाम 'वैद्यक जर्राही'। रंगीलाल कृत। र० का० सं० १६२७। वि० शल्य चिकित्सा।
(क) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—श्री नानकचंद श्रीवास्तव, कमलागढ़ी, डा० बाजिदपुर (अलीगढ़)। → २६–२६३ सी।
(ख) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० शिवनारायण, बड़ैला, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–४००।
(ग) लि० का० सं० १६४०।
प्रा०—वैद्य रामभूषण, जमुनियाँ (हरदोई) ।→२६–२६३ डी।

जलंधरनाथ→'जलंध्रीपाव' ('सबदी' के रचयिता)।

जलंधरनाथजी रा चरित्र (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत। वि० जलंधरनाथजी की जीवनी।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–२४।

जलंधरनाथजी रो गुण (पद्य)—दौलतराम कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० जलंधरनाथ की महिमा और महाराज मानसिंह की प्रशंसा।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३०।

जलंध्रीपाव (जालंध्रीपाव या जलंधरनाथ)—सिद्ध कृष्णपाद, मैनामती और राजा गोपीचंद के गुरु। मछिंद्रनाथ के गुरु भाई। कणेरी (कानपाव) के गुरु। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६; सं० १०–८।
सबदी (पद्य)→सं० १०–४१।

जलकेलि पचीसी (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १८८०। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)।→ १२–१३८ ए।

जलभेद (गद्य)—कल्यानराइ कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांत।
प्रा०—श्री रामप्रसाद वैश्य, पुरानी बस्ती जतीपुरा (मथुरा) ।→३५–५१।

जलहरण दंडक (पद्य)—चंदनराम कृत। वि० शिव स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–६१ ख।

जवाहरदास—फिरोजाबाद (आगरा) निवासी। गुरु का नाम रामरत्न। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।
महापद (पद्य)→२६–१७१।

जवाहिर—पिता का नाम परमदत्त त्रिवेदी।
नासिकेत पुरान (पद्य)→सं० ०४–११८।

जवाहिरदास—स्वा० जगजीवनदास के वंशज। गिरिवरदास के पुत्र। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८७६ के लगभग वर्तमान।
तीरथ के पंडा (पद्य)→सं० ०४–११६।

जवाहिरदास और गिरवरदास—'तीरथ के पंडा' की रचना (अहलाददास कृत) में इनका भी योग है।→सं० ०४–११६।

जवाहिरपति—मदनपंथ के अनुयायी। गुरु का नाम दूलनपति। खरौना ग्राम (जौनपुर) में मदन साहब की गद्दी के महंत। गुरु के मरने पर विवेकपति साहब गद्दी पर बैठे और उनके पश्चात् ये महंत बने।
शब्द प्रकाश (पद्य)→सं० ०४–१२० क।
साखी (पद्य)→सं० ०४–१२० ख।

जवाहिरराय—भाट। बिलग्राम (हरदोई) के निवासी। रत्नराय के पुत्र। कहते हैं कि इन्हीं के पूर्वज परशुराम (मलीहाबाद निवासी) को तुलसीदास ने स्वहस्त लिखित रामचरितमानस की एक प्रति दी थी। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।
जवाहिराकर (पद्य)→१२–८४ बी।
बारहमासा (पद्य)→१२–८४ ए।
राधाकृष्ण की बारहमासिका (पद्य)→२३–१८५।
शिखनख (पद्य)→१२–८४ सी।

जवाहिरलाल—जौनपुर के अंतर्गत राजाबाजार के राजा महेशनारायणसिंह के आश्रित। सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।
धर्मचरित्र (पद्य)→३८–७२।

जवाहिरलाल—जैन धर्मानुयायी। पिता का नाम सोभाचंद। अयोध्या के पच्छिम ओर समीप में पैतेपुर स्थान के निवासी। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।
अढ़ाईद्वीप पूजन (पद्य)→२३–१८६; सं० ०४–१२१।
संमेदशिखर पूजा (पद्य)→३२–६७।
सहस्रनाम पाठ (पद्य)→सं० ०४–१२२।

जवाहिराकर (पद्य)—जवाहिरराय कृत। र० का० सं० १८२६। वि० अलंकार।
प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२–८४ बी।

जशोधर चरित्र→'यशोधर चरित्र' (नंद या नंदलाल कृत)।

जसआभूषण चंद्रिका(पद्य)—मनोहरदास कृत। र० का० सं० १८७६। वि० पिंगल, अलंकार और महाराज मानसिंह का यश बर्णन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–१३।

जसभूषण (पद्य)—बागीराम और गोडूराम कृत। वि० श्री जालंधरनाथ की महिमा।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३२।

जसराम (उपगारी)—झाझर नगरी परगना के अंतर्गत सुवाणा गाँव के निवासी। माता पिता के नाम क्रमशः अनंदी और सीताराम। स्वा० चरणदास के शिष्य। सं० १८३४ से १८४१ के लगभग वर्तमान।

भक्तिबावनी (पद्य)→सं० ०४–१२३ क।

भक्तिबोध (पद्य)→२३–१८२; सं० ०४–१२३ ख।

शब्द (पद्य)→सं० ०४–१२३ ग।

हरिगुरु स्तोत्र (पद्य)→सं० ०४–१२३ घ।

जसरूपक (पद्य)—बागीराम और गाडूराम कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० जोधपुर के महाराज मानसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३३।

जसवंत—(?)

दशावतार (पद्य)→०६–२७४ बी।

राम्अवतार (पद्य)→०६–२७४ ए।

जसवंत→ज्ञानी जी' (कबीर पंथी साधु)।

जसवंत जी(स्थविर)—जैन। सारंगपुर (मालवा) निवासी। सं० १६६४ के लगभग वर्तमान।

कर्मरेख की चौपाई (पद्य)→दि० ३१–४२।

जसवंतराय (लाला)—सक्सेना कायस्थ। एटा ज़िले के निवासी। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

संगीत गुलशन (पद्य)→२६–१६६।

जसवंत विलास (पद्य)—निधान कृत। र० का० सं० १६७४। लि० का० सं० १८६६। वि० नायिका भेद और अलंकार।

प्रा०—सेठ जयदयाल, तालुकेदार, कटरा (सीतापुर)।→१२–१२३।

जसवंतसिंह—बघेलवंशी क्षत्री। महाराज हम्मीरसिंह के पुत्र। तिरवाँ (फरुखाबाद) के राजा। ग्वाल कवि के आश्रयदाता। सं० १८५४ के लगभग वर्तमान।→ ००–८४;०५–११;२६–१६१; दि० ३१–३४।

श्रृंगार शिरोमणि (पद्य)→०६–१३६; २३–१८४ ए, बी, सी, डी; २६–२०२।

जसवंतसिंह—ओड़छा नरेश। महाराज हम्मीरसिंह के पुत्र। रानी का नाम चंद्रावती। राज्य काल सं० १७३२–१७४१। रघुराम तथा बैकुंठमणि शुक्ल के आश्रयदाता।→ ०६–५;०६–६८।

जसवंतसिंह—हरयाना के राजकुमार। मित्रसिंह के पुत्र। जयजयराम के आश्रयदाता। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।→१७–८७; २६–१७३।

जसवंतसिंह (महाराज)—जोधपुर के महाराज गजसिंह के पुत्र और सूरसिंह के पौत्र। अजीतसिंह के पिता। जन्म सं० १६८३। राज्य काल सं० १६६२–१७३५। बादशाह शाहजहाँ के कृपापात्र। कुछ समम तक दक्षिण मालवा और गुजरात

के सूबेदार। ६ वर्ष तक काबुल में रहे, जहाँ पठानों का दमन किया। काबुल में ही जमुर्रद नदी के तट पर सं० १७३५ में स्वर्गवास हुआ। नरहरि, नवीन तथा निधान कवि के आश्रयदाता और स्वयं अच्छे कवि एवं साहित्य के आचार्य। →०२–४०;०५–३६;१२–१२३।

अनुभव प्रकाश (पद्य)→०१–७२;०२–१५।

अपरोक्ष सिद्धांत (पद्य)→०१–७१; ०२–१४; २६–२०१ ए।

आनंदविलास (पद्य)→०१–७३; ०२–१७।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)→०२–२२।

भाषाभूषण (पद्य)→०२–४७;०६–१७६;०६–२५१;२०–७०;२३–१८३ ए से एफ तक; २६–२०१ बी, सी, डी, ई; २६–१७०; दि० ३१–४३; सं० ०७–६१।

सिद्धांतबोध (गद्यपद्य)→०२–१६।

सिद्धांतसार (पद्य)→०२–४६।

जसवंतसूरीश्वर (आचार्य)—जैन। थिरगाँव (दिल्ली ?) निवासी। सं० १७८३ के लगभग वर्तमान।

जंबूस्वामी रासा (पद्य)→दि० ३१–२।

जसूराम—चारण। अभयपुर (दक्षिण ?) के राजा जीतराय के आश्रित। इन्होंने आलमगीर बादशाह के समय में हुए सोलंकी राजा जगमाल के पुत्र उदया (उदयसिंह ?) का उल्लेख किया है, जिनके लिये जहाँ तहाँ 'जगजीत' और 'जुगजीत' नामों का भी प्रयोग किया है। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।

राजनीति (पद्य)→०१–१११; सं० ०४–१२४।

जहाँगीर—सुप्रसिद्ध सम्राट अकबर के पुत्र। राज्यकाल सं० १६६२–१६८४। इन्होंने चित्तौर के राजकुमार कर्णसिंह का बहुत सम्मान किया था और वे पाँच बर्ष तक इनके दरबार में रहे थे। केशवदास के आश्रयदाता।→००–६४; ०३–४०।

जहाँगीर चंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'जहाँगीरजस चंद्रिका'। केशवदास कृत। र० का० सं० १६६६। वि० जहाँगीर का यश वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७८६।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–११३।

(ख) लि० का० सं० १८४८।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)→०३–४०।

जहाँगीर जस चंद्रिका→'जहाँगीर चंद्रिका' (केशवदास कृत)।

जागरण महात्म्य (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—लाला श्रीनारायण पटवारी, धरबार, डा० बलरई (इटावा)→३५–१६ ए।

जातक (भाषा) (पद्य)—खुशाल (दूबे) कृत। वि० ज्योतिष।

खो० सं० वि० ४३ (११००–६४)

प्रा०—श्री वासुदेवसहाय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २६–२३८ ए।

जातक चंद्रिका (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—श्री प्रभुनाथ पांडेय, मऊ, डा० बेलवारा (जौनपुर)। → सं० ०४ ३७७ ग।

(ख) लि० का० सं० १९२३।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)। →२६–४२१ बी।

(ग) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०६—२३४ सी (विवरण अप्राप्त)।

जातकालंकार (भाषा) (पद्य)—लोचनसिंह (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १९१०। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६–२६६ ए।

(ख) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→सं० ०४–३५६ क।

(ग) लि० का० सं० १९३१।

प्रा०—पं० गोमतीप्रसाद, विशुनपुरा, डा० कप्तानगंज (बस्ती)। → सं० ०४–३५६ ख।

(घ) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद दूबे, जदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–२६६ बी।

(ङ) लि० का सं० १९४०।

प्रा०—श्री शिवदयाल, कफारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६–२६६ सी।

(च) लि० का० सं० १९४१।

प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिसर बलिया, डा० रुद्रनगर (बस्ती)। → सं० ०४–३५६ ग।

जातकालंकार (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। मु० का० सं० १९३०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री शारदाप्रसाद दूबे, नवगवाँ, डा० लंभुआ (सुलतानपुर)। → सं० ०४–४५६।

जाति प्रकाश→'जाति विलास' (देव कृत)।

जाति वर्णन→'जाति विलास' (देव कृत)।

जाति विलास (पद्य)—अन्य नाम 'जाति प्रकाश' या 'जाति वर्णन । देव (देवदत्त) कृत । वि० भिन्न भिन्न जातियों की स्त्रियों का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६०२ ।
प्रा०—राजा ललिताबक्ससिंह जी का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर) ।→ २३–८६ एल ।
(ख) लि० का० सं० १६३५ ।
प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–८६ एम ।
(ग) प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→०६–६४ सी ।
(घ) प्रा०—बाबू अंबिकाप्रसाद व्यास, गणेशगंज, लखनऊ ।→२३–८६ एन ।
(ङ) प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर) । → २६–६५ सी ।

जान (कवि)—वास्तविक नाम न्यामत खाँ । फतहपुर (जयपुर) के कायमखानी नवाबों के वंशज अलफ खाँ के पुत्र । भाइयों के नाम दौलत खाँ, शरीफ खाँ, जरीफ खाँ और फकीर खाँ । दौलत खाँ बड़े भाई थे । पहले चौहान थे । हाँसीवाले शेखमुहम्मद चिस्ती के शिष्य । शिया मत के मुसलमान और आजम इमाम के अनुयायी । काव्यकाल सं० १६७० से १७२१ तक ।
उत्तमसबदा (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०१–१२६ ज[1] ।
कंद्रपकलोल (पद्य)→सं० ०१–१२६ ग[1] ।
कथा अरदसेर पातिसाह (पद्य)→सं० ०१–१२६ ग ।
कथा कँवलावती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ च ।
कथा कलंदर की (पद्य)→सं० ०१–१२६ प ।
कथा कनकावती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ र ।
कथा कलावंती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ट ।
कथा कामरानी व पीतमदास (पद्य)→सं० ०१–१२६ त ।
कथा कामलता (पद्य)→सं० ०१–१२६ झ ।
कथा कुलवंती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ म ।
कथा कौतूहली की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ल ।
कथा खिजिर खाँ शाहजादे व देवलदे की (पद्य)→सं० ०१–१२६ य ।
कथा चंद्रसेन राजा सीलनिधान (पद्य)→सं० ०१–१२६ ढ ।
कथा छबिसागर की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ज ।
कथा छीता की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ञ ।
कथा नलदमयंती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ घ ।
कथा निरमल की (पद्य)→सं० ०१–१२६ फ ।
कथा पुहुपबरिषा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ङ ।
कथा मोहनी की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ड ।

कथा रूपमंजरी (पद्य)→सं० ०१–१२६ ठ ।
कथा सतवंती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ ब ।
कथा सीलवंती की (पद्य)→सं० ०१–१२६ भ ।
कथा सुभटराइ की (पद्य)→सं० ०१–१२६ व ।
गूढ़ ग्रंथ (पद्य)→सं० ०१–१२६ ङ[1] ।
घूँघटनावा, दरसनावा, अलकनावा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ह ।
चेतननामा, सिष ग्रंथ, (ग्रंथ) सुधासिष (पद्य)→सं० ०१–१२६ ष ।
जफरनामा नौसेरवाँ का (पद्य)→सं० ०१–१२६ द[1] ।
तमीम अनसारी की कथा (पद्य)→सं० ०१–१२६ न ।
दरसननावा और बारहमासा (पद्य)→सं० ०१–१२६ क[1] ।
देसावली (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०१–१२६ च[1] ।
नाममाला अनेकार्थ (पद्य) सं० ०१–१२६ फ[1] ।
पंद्नामा लुकमान का (पद्य)→सं० ०१–१२६ थ[1] ।
पाहन परीछ्या (पद्य)→सं० ०१–१२६ थ ।
पैमसागर (पद्य)→सं० ०१–१२६ ठ[1] ।
पैमुनामा (प्रेमनामा) (पद्य)→सं० ०१–१२६ प[1] ।
वलूकिया विरही की कथा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ध ।
बाँदीनावा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ग[1] ।
बाजनामा और कबूतरनामा (पद्य)→सं० ०१–१२६ घ[1] ।
बारहमासा, सवैया या झूलना, बरवा, षट ऋतु बरवा वर्णन और ग्रंथ पवंगम (पद्य)→सं० ०१–१२६ छ ।
बुद्धिदाइक, बुद्धिदीप (पद्य)→सं० ०१–१२६ स ।
बुद्धिसागर (पद्य)→सं० ०१–१२६ श ।
बैदकसत पंदनावा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ञ[1] ।
भावकलोल (पद्य)→सं० ०१–१२६ त[1] ।
मानविनोद (पद्य)→सं० ०१–१२६ ध[1] ।
रतनमंजरी (पद्य) →सं० ०१–१२६ग ।
रत्नावती (पद्य)→सं० ०१–१२६ क ।
रसकोष ग्रंथ (पद्य)→सं० ०१–१२६ छ[1] ।
रसतरंगिनी (पद्य)→सं० ०१–१२६ ढ[1] ।
लैला मजनू (पद्य)→सं० ०१–१२६ ख ।
वियोगसागर (पद्य)→सं० ०१–१२६ ड[1] ।
विरही कौ मनोरथ (पद्य)→सं० ०१–१२६ न[1] ।
श्रृंगारसत, भावसत, विरहसत (पद्य)→सं० ०१–१२६ द ।
सत्तनावा, वर्णनावा (पद्य)→सं० ०१–१२६ ख[1] ।

सिंगारतिलक (पद्य)→सं० ०१–१२६ ट[१]।

सिषसागर पंदनावा (पद्य)→सं० ०१–१२६ झ[१]।

जानकी कर्णाभरण (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० अलंकार।

प्रा०—श्री मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१३४ के।

जानकीचरण—अन्य नाम प्रियासखी। अयोध्या निवासी। रामचरण जी के शिष्य। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।→०३–६८; २३–३३६।

प्रेमप्रधान (पद्य)→१७–८४ ए।

रसरत्न मंजरी (पद्य)→०६–२३२।

सियाराम रसमंजरी (पद्य)→०६–२४५ ई; १७–८४ बी।

जानकीजू को मंगलाचरण(पद्य)—रघुवरशरण कृत। वि० सीता स्वयंवर।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०६ ए (विवरण अप्राप्त)।

जानकीदास—सरदहा (बाराबंकी) के निवासी। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १६०७ के पूर्व वर्तमान।

कीरति विलास (पद्य)→सं० ०४–१२७।

जानकीदास—दतिया नरेश महाराज परीक्षित के आश्रित। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

नामबत्तीसी (पद्य)→०६–५३ बी।

स्फुट दोहा कवित्त और विष्णुपद (पद्य)→०६–५३ ए।

जानकीदास—ब्राह्मण। संभवतः बरौंसा ग्राम (सुलतानपुर) के निवासी। ये बाद में साधु हो गए थे। अठारहवीं सदी में वर्तमान।

शत्रुवंश कुठार (पद्य)→सं० ०१–१२८।

जानकीदास—गुरु और संभवतः पिता का नाम अजबदास।→२६–५।

झूलना (पद्य)→सं० ०४–१२६।

जानकीदास—गुरु का नाम निजानंद, जिन्होंने इन्हें छायायोग का उपदेश दिया था।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४–१२५ क।

छायाजोग (पद्य)→सं० ०४–१२५ ख।

ज्योतिष (पद्य)→सं० ०४–१२५ ग।

बालबोध (पद्य)→सं० ०४–१२५ घ।

जानकीदास—वैष्णव संप्रदाय के साधु।

अखंडबोध (पद्य)→०६–१३५।

जानकीदास→'जानकीप्रसाद' ('रामभक्ति प्रकाशिका' के रचयिता)।

जानकीदास (गोसाईं)—संभवतः रामानुज संप्रदाय के अनुयायी।

ज्ञानकहरा (पद्य)→सं० ०४–१२८ क।

पाखंडदलन (पद्य)→सं० ०४–१२८ ख ।

जानकी पचीसी (पद्य)—रामनाथ कृत। लि० का० सं० १६०४। वि० जानकी जी का अवतार तथा छवि वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१५२।

जानकी प्रकाश (पद्य)—जानकीबाई कृत। र० का० सं० १६३५। मु० का० सं० १६३५। वि० व्याकरण।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी, वैद्य, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं० ०४–१३१ क।

जानकी प्रकाशिका (गद्य)—जानकीबाई कृत। मु० का सं० १६३५। वि० गीता की टीका।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी वैद्य, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं० ०४–१३१ ख।

जानकीप्रसाद—पँवार क्षत्री। अन्य नाम जानकीसिंह। डलमऊ (रायबरेली) परगने के अंतर्गत जमीदारपुर के निवासी। पिता का नाम भवानीसिंह। पितामह का नाम झाऊसिंह। परपितामह का नाम निहालसिंह। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।

भगवती विनय (पद्य)→२६–१६६ ए; सं० ०४–१३० क।

श्रीराम नौरत्न विनय (पद्य)→२६–१६६ बी, सी; सं० ०४–१३० ख।

जानकीप्रसाद—अन्य नाम जानकीदास। काशी निवासी। काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनंदनसिंह के पुत्र धनीराम के आश्रयदाता। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।→२३–६६; २६–१०३।

रामभक्ति प्रकाशिका (गद्यपद्य)→०३–२०; सं० ०४–१२६ क, ख।

जानकीप्रसाद—इनको 'युक्ति रामायण' का रचयिता मान लिया गया है। पर वास्तव में 'युक्ति रामायण' के रचयिता धनीराम हैं। ये धनीराम के आश्रयदाता थे।→४१–८०।

जानकीबाई—विरक्त वैष्णव। वृंदावन (मथुरा) निवासी। सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।

जानकी प्रकाश (गद्य)→सं० ०४–१३१ क।

जानकी प्रकाशिका (गद्य)→सं० ०४–१३१ ख।

जानकीबिंदु (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत। वि० सीता जी का जन्म, विवाह और विनय आदि।

(क) प्रा०—ठा० हरिबक्शसिंह, कुथारिया (प्रतापगढ़)।→२६–६७।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५०५ (अप्र०)।

जानकी ब्याह चतुर्थ रहस्य (पद्य)—पर्वतदास कृत। लि० का० सं० १६००। वि० जानकी के विवाह के समय का परिहास।

प्रा०—ठा० भगवानसिंह, ससनी (अलीगढ़)।→२६–२६५ सी।

जानकीमंगल—(?)

शिव स्तोत्र (पद्य)→२६–१६५।

जानकीमंगल (पद्य)—अन्य नाम 'मंगल रामायण' और 'सीता स्वयंवर'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६३२ (?)। वि० जानकी विवाह।

(क) लि० का० सं० १८०२।

प्रा०—पं० रामभजन, छितौनी, डा० मेढ़ी (एटा)।→२६–३२५ बी[3]।

(ख) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पं० भगवानदीन मिश्र वैद्य, बहराइच।→२३–४३२ एक्स।

(ग) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२४५ एफ (विवरण अप्राप्त)।

(सं० १८७४ की एक अन्य प्रति दतियानरेश के पुस्तकालय में है)।

(घ) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—ठा० शिवरत्नसिंह, श्रीनगर, लखीमपुर (खीरी)।→२६–४८४ बी[1]।

(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–७६।

(इसी पुस्तकालय में एक प्रति और है)।

(च) प्रा०—हिंदी साहित्य समिति, भरतपुर।→१७–१६६ सी।

(छ) प्रा०—बाबा लक्ष्मणशरण, कामद कुंज, अयोध्या।→२०–१६८ ई।

(ज) प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद शुक्ल, शिवगंज, डा० हरगाँव (सीतापुर)।→२६–४८४ सी[1]।

(झ) प्रा०—महंत मोहनदास, द्वारा स्वा० पीतांबरदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–४८४ टी[1]।

(ञ) प्रा०—पं० बिहारीलाल, ग्राम तथा डा० नौगवाँ (आगरा)।→२६–३२५ सी[3]।

(ट) प्रा०—श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक' फैजाबाद।→सं० ०४–१४२ क।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–५२ क।

जानकीरसिकशरण—उप० रसमाल। प्रमोदवन (अयोध्या) निवासी। सं० १७६० के लगभग वर्तमान।

अवधिसागर (पद्य)→१७–८५; २०–६७।

जानकीरसिकशरण—अयोध्या निवासी। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।

रसिकसुबोधनी टीका (पद्य)→०४–८७।

जानकी राम चरित्र नाटक (गद्यपद्य)—हरिराम कृत। वि० नाटक के रूप में रामायण की कथा।

(क) प्रा०—पं० रामेश्वर भट्ट, गोकुलपुरा, आगरा।→०६—११६।

(ख) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। →२३-१५६ ए

जानकी राम मंगल (पद्य)—बालकृष्ण कृत। वि० राम जानकी का विवाह वर्णन।

प्रा०—श्री राधारमण, पंडित का पुरवा, डा० बेला रामपुर (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४-२३७।

जानकी वर विनय (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १९६०। वि० रामचंद्र जी की स्तुति।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैलासरैया, डा० बौरी (बहराइच)।→ २३-१७८ ई।

जानकी विजय (पद्य)—बलदेवदास कृत। र० का० सं० १९३६ (१८९१)। वि० सीताजी द्वारा दुर्गा रूप में अहिरावण का वध करना ('अद्भुत रामायण' के आधार पर)।

(क) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—बाबा रामदास, करौंधा, डा० शाहाबाद (हरदोई)।→२६-२५।

(ख) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—पं० ज्ञानदत्त मिश्र, शंकरपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३२ ए।

(ग) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—सेठ मगनीराम सौदागर, लखीमपुर।→२६-३२ बी।

जानकी विजय (पद्य)—सियाराम कृत। र० का० सं० १८१३। वि० जानकी जी द्वारा अहिरावण का वध।

(क) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—पं० मधुसूदन वैद्य, पुराना सीतापुर, सीतापुर।→२६-४५३ ए।

(ख) लि० का० सं० १९२९।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्सी (लखनऊ)। →२६-४५३ बी।

(ग) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्शसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ) →२६-४५३ सी।

जानकी विजय (पद्य)—सूर्यकुमार कृत। वि० सीता द्वारा अहिरावण का वध करना।

(क) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—राजा भगवानबख्शसिंह, रियासत अमेठी (सुलतानपुर)।→२३-४२१ ए।

(ख) लि० का० सं० १९०३।

प्रा०—पं० महादेव, ओराही, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-४२१ बी।

जानकी विजय रामायण (पद्य)—अन्य नाम 'अद्‌भुत रामायण'। प्रसिद्ध कृत। र० का० सं० १८१३। वि० सीता जी का सहस्त्रवदन रावण को मारना।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—ठा० अचलसिंह, खजुरौ, डा० बछरावाँ (रायबरेली)। → सं० ०४–२१६ क।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—पं० कामताप्रसाद तिवारी, अटेर, डा० ससपन (लखनऊ)। → सं० ०७–१२०।

(ग) लि० का० सं० १६१२।

प्रा०—पं० आशाराम, दरबा, डा० माट (मथुरा)।→३८–११०।

(घ) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—भैया हनुमतप्रसादसिंह, अठदमा रियासत (बस्ती)। → सं० ०४–२१६ घ।

(ङ) लि० का० सं० १६३८।

प्रा०—श्री ताराप्रसाद, हरनी, डा० उसका (बस्ती)।→सं० ०४–२१६ ङ।

(च) प्रा०—श्री चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ़)। →सं० ०४–२१६ ख।

(छ) प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लालाबाजार (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–२१६ ग।

जानकी सनेह हुलास शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० श्री राम महिमा और नाम जपने का उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२१६ ग।

जानकी सहस्रनाम (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० श्री राम जानकी के सहस्रनाम और उनका माहात्म्य।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६६ जी।

जानकी सहस्रनाम (पद्य)—श्रीनिवास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० सीताजी के हजार नामों का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३३० (विवरण अप्राप्त)

टि० प्रस्तुत पुस्तक संभवतः कृपानिवास कृत 'जानकी सहस्रनाम' है।

जानकीसहाय—सं० १८८३ के लगभग वर्तमान।

भजन विनोद (पद्य)→२६–१६८।

जानकीसिंह→'जानकीप्रसाद' ('भगवती विनय' के रचयिता)।

जानिराजा—'ख्याल•टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ ०२–५७ (सत्रह)।

जायसी→'मलिकमुहम्मद जायसी' ('पद्‌मावत' के रचयिता)।

जालंधर जुद्ध (पद्य)—नवलराय (?) कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० जलंधर और वृंदा की कथा।

प्रा०—पं० दीपचंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→४१-१२३।

जालंध्रीपाव→'जलंध्रीपाव' ('सबदी' के रचयिता)।

जाहरसिंह—(?)

कृष्णफाग (पद्य)→२६-५०६।

जिकरी दंग राजा की (पद्य)—तोताराम कृत। वि० राजा दंग और एक अप्सरा की पौराणिक कथा।

प्रा०—ठा० महताबसिंह, सींगेमई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२-२२०।

जिज्ञासबोध (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८४७। लि० का० सं० १६०४। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—चौबे जमनालाल, अलीगढ़।→२६-२८१ ए।

जिणराजसूरि (जिनराजसूरि)—जैन। संभवतः राजस्थानी।

गीत या चौबीस तीर्थंकर स्तवन (पद्य)→सं० ०७-६२।

जिनचौबीसी→'आनंदघन चौबीस स्तवन' (आनंदघन मुनि कृत)।

जिनदत्त चरित्र (पद्य)—विश्वभूषन (जैन) कृत। र० का० सं० १७३८। लि० का० सं० १६०४। वि० श्री जिनदत्त जी की जीवनी।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१२३।

जिनदत्त चरित्र (भाषा) (पद्य)—कमलनयन कृत। र० का० सं० १८७० (?)। वि० जैनधर्म के अनुयायी जिनदत्त का चरित्र।

(क) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-२५।

(ख) लि० का० सं० १६६०।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१०।

जिनदर्शन कथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत। वि० जिन भगवान के दर्शन का फल।

(क) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-६७ क।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—लाला रघुनाथप्रसाद जैन, नहटौली, डा० कमतरी (आगरा)। → २६-३६ ए।

(ग) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६७ ख।

(घ) लि० का० सं० १६४५।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६७ ग।

(ङ) लि० का० सं० १६५२।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६७ घ।

(च) लि० का० सं० १६६६।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–६७ ङ।

(छ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, गुजफ्फरनगर।→ सं० १०–६७ च।

जिनदास—गोधा गोत्रीय जैन। कुल श्रावक। ढुढारक (जयपुर) के निवासी।
सुगुरु शतक (पद्य)→सं० ०७–६३।

जिनदास—(?)
नेमनाथ राजमती मंगल (पद्य)→४१–८१।

जिनदास पांडे (जैन)—जैन धर्मानुयायी। आगरा निवासी। ब्रह्मचारी संतीदास के पुत्र। अकबर बादशाह के समकालीन। किसी टोडर सुत पासी साहु (दीपासाहु) के आश्रित। सं० १६४२ के लगभग वर्तमान।
जंबूचरित्र कथा (पद्य)→ सं० ०४–१३२; सं० १०–४२ क, ख, ग।
योगी रासा (पद्य)→१७–८६।

जिनपद (पद्य)—जगराम (?) द्वारा संग्रहीत। लि० का० सं० १८४४। वि० जैन धर्म विषयक निम्नांकित जैन कवियों का संग्रह :—
जगराम (जगतराम), राजमती, हरषचंद मुनि, रूपचंद, भीमा, धरमपाल, प्रेमचंद, रामकृष्ण, हेमराज, रामचंद्र, लालचंद विनोदी और बालकृष्ण।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–४५० (अप्र०)।

जिनरस (पद्य)—बेनीराम कृत। र० का० सं० १७६६। लि० का० सं० १८०२। वि० जैनमत के सिद्धांत।
प्रा०—श्री भूलसिंह, आकठली, जोधपुर।→०१–१०६।

जिनवर (जैन)—(?)
चरचा नामावली (गद्यपद्य)→सं० १०–४३।

जिनवर हर्षधरी (भैया)—महेबा (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १६०६ के पूर्व वर्तमान।
नरकोड़ा पार्श्वजिन स्तवन (पद्य)→दि० ३१–१२।

जिनवर्द्धमानसूरी—जैन। १७ वीं शताब्दी में वर्तमान।
पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा टीका) (गद्य)→दि० ३१–४६।

जिनसिंह (जिनसूरसिंह)—जैन। सं० १६७८ के लगभग वर्तमान।

शालिभद्र की चौपाई (पद्य)→पं० २२–४८; दि० ३१–४५।

जिनसूरसिंह→'जिनसिंह ('शालिभद्र की चौपाई' के रचयिता)।

जिनेंद्रभूषण—जैन भट्टारक। गोपाचल (ग्वालियर) निवासी। सं० १८७०–१८३२ के लगभग वर्तमान।

आदि पुराण (पद्य)→३२–१६३ ए।

नेमिनाथ पुराण (पद्य)→३२–१६३ बी।

जियराज भावसिंह (जैन)—जियराज और भावसिंह नामक दो रचयिता। भावसिंह की मृत्यु के बाद जियराज ने किसी भैरोदास के कहने से ग्रंथ को पूर्ण किया।

पुन्याश्रव कथा कोश (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–१३३ क, ख, ग; सं० १०–४४।

जीतराय—अभयपुर (दक्षिण) के राजा। जसुराम के आश्रयदाता। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।→०१–१११।

जीमन महाराज की माँ→'श्यामाबेटी' (गो० गिरधर लाल या गिरधर जी की पुत्री)।

जीराम—(?)

पद स्वयंवर के (पद्य)→सं० ०१–१२६।

जीव उद्धार (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १९६४। वि० गुरु महिमा तथा ईश्वर भक्ति।

प्रा०—महंत श्री अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७–३४ ग।

जीवगति (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १९१०। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–२९३ क।

जीव चरित्र (भाषा) (पद्य)—भावसिंह कृत। र० का० सं० १७८२। वि० जैन धर्मानुसार जीव का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८४४।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५३४ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–५४।

जीवणदास (जन)—संभवतः राजस्थानी।

भरथरी चरित्र (पद्य)→सं० ०७–६४।

जीव दशा (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० जीव दशा और कृष्ण की भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८२७।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ ग (अप्र०)।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६–७३ एच।

जीवदास (आचार्य)—संभवतः कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। पडरी गणेशपुर (राय-बरेली) के निवासी। सं॰ १८४० के लगभग वर्तमान।
दोहावली (पद्य)→सं॰ ०४–१३४।

जीवन—पुवायाँ (शाहजहाँपुर) के भाट। जन्म सं॰ १८०३। चंदन के पुत्र। नेरी (सीतापुर) के रईस बरिबंडसिंह के आश्रित।
बरिबंड विनोद (पद्य)→१२–८६।

जीवन (मस्ताने)—प्राणनाथ (पन्ना निवासी) के शिष्य। सं॰ १७५७ के लगभग वर्तमान।
पंचक दहाई (पद्य)→०५–३३।

जीवनदास—(?)
ककहरा (पद्य)→०६–१४१।

जीवनदास—(?)
नारायण लीला (पद्य)→सं॰ ०१–१३०।

जीवनधन—(?)
सुरतांत लीला (पद्य)→४१–८२।

जीवनधर चरित्र (भाषा) (पद्य)—नथमल (जैन) कृत। र॰ का॰ सं॰ १८३५। लि॰ का॰ सं॰ १६०४। वि वैराग्य।
प्रा॰—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं॰ १०–६८।

जीवनराम—(?)
ज्ञानचंद्रिका (पद्य)→सं॰ ०१–१३१।

जीवराज→'जियराज' ('पुण्याश्रव कथा कोश भाषा' के रचयिता)।

जीवराज (सिंगी)—जयपुर के महाराज प्रतापसिंह के दीवान। रामनारायण के आश्रयदाता। सं॰ १८२७ के लगभग वर्तमान।→०१–६३।

जीवाराम (महंत)—उप॰ 'युगलप्रिया'। चिराना निवासी। संभवतः अग्रस्वामी के शिष्य। अयोध्या के प्रसिद्ध महंत युगलनारायणशरण के गुरु। सं॰ १८८७ के पूर्व वर्तमान।
अष्टयाम (गद्य)→१७–६० बी।
पदावली (पद्य)→१७–६० ए।

जुगतराय—आगरा निवासी। किसी हिम्मत खाँ के आश्रित। सं॰ १७३० के लगभग वर्तमान।
छंदरत्नावली (पद्य)→२६–१७७।

जुगतराय—अन्य नाम जगतानंद।
तिल शतक (पद्य)→पं॰ २२–५०; २६–२१२; ३२–६३।

जुगतानंद—स्वामी चरणदास के शिष्य। सं॰ १८२४ में वर्तमान।

आठ प्रहर मूलचेत प्रसंग (भा० १–२) (पद्य)→सं० ०१–१३२।
भक्तिप्रबोध (पद्य)→४१–८३ क।
भगवद्गीतामाला (पद्य)→४१–८३ ख।

जुगलआन्हिक (पद्य)—जुगलकिशोर कृत। वि० राधाकृष्ण की दिनचर्या।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२७५ (विवरण अप्राप्त)।

जुगलकिशोर—(?)
जुगलआन्हिक (पद्य)→०६–२७५।
लाडलीलाल की विहारपाती (पद्य)→३२–१०१।

जुगलकिशोर की बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→२६–१८८।

जुगलकिशोरी (भट्ट)→'युगलकिशोरी (भट्ट)' ('अलंकारनिधि' के रचयिता)।

जुगलकृत (पद्य)—जुगलदास कृत। वि० राधाकृष्ण की प्रेम लीलाएँ।
प्रा०—पं० संकठाप्रसाद अवस्थी, कटरा, सीतापुर।→१२–८७ बी; २६–५०८।
टि० खो० वि० २६–५०८ में ग्रंथ को भूल से युगलकिशोर मिश्र कृत मान लिया गया है।

जुगलगीत (पद्य)—उदय (कवि) कृत। वि० भागवत के आधार पर राम और कृष्ण की तुलना।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–२२३ जी।

जुगलदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। सं० १८२१ के लगभग वर्तमान।
चौरासी सटीक (पद्य)→१२–८७ ए।
जुगलकृत (पद्य)→१२–८७ बी; २६–५०८।
जुगलदास की बानी (पद्य)→२६–२११।

जुगलदास (कायस्थ)—रीवाँ निवासी। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।
बाहुक प्रकाशिका (गद्यपद्य)→२३–१६६।

जुगलदास की बानी (पद्य)—जुगलदास कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० श्रीकृष्ण की महिमा और लीला।
प्रा०—सेठ मगनीराम व्यापारी, लखीमपुर (खीरी)।→२६–२११।

जुगल ध्यान (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का सौंदर्य वर्णन।
(क) प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा)।→३८–४२ बी।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ घ (अप्र०)।
(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५०७ ङ (अप्र०)।

जुगल ध्यान (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण का श्रृंगार और भक्ति।

प्रा०—बोहरे नंदलाल जी, अकबरपुर, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-२० ।

जुगल नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख रामचंद्रजू को' । प्रतापसाहि कृत । र० का० सं० १८८६ । वि० सीताराम का नखशिख वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५-५० ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-६१ आई ।

(ग) लि० का० सं० १६३८ ।

प्रा०—लाला भगवानदीन, संपादक 'लक्ष्मी', वाराणसी ।→०६-२२७ ।

जुगलपद (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत । वि० रामकृष्ण के युगल रूप का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-२५४ बी ।

जुगल प्रकाश (पद्य)—उजियारेलाल कृत । र० का० सं० १८३७ । लि० का० सं० १८६६ । वि० रस वर्णन ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२२४ ।

जुगल भक्ति विनोद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १८०८ । वि० मिथिला के दो भक्तों–एक ब्राह्मण और दूसरा राजा–की कथा ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१-१२० ।

जुगलमान चरित्र (पद्य)—कृष्णदास (पयहारी) कृत । लि० का० सं० १६११ । वि० राधाकृष्ण का परस्पर मान ।

प्रा०—पं० रामचंद्र शर्मा वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→०६-३०३ ।

जुगलरस माधुरी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१-१२१ (तीन) ।

जुगलरस माधुरी→'युगलरस माधुरी' (रसिकगोविंद कृत) ।

जुगल विलास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १८३६ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

(क) प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१४६ ए ।

(ख) प्रा०—पं० भालचंद्र मिश्र, शीतलनटोला, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६-३६६ बी ।

(ग) प्रा०—पं० याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३५७ ।

जुगल विहार (पद्य)—मूलचंद कृत । लि० का० सं० १६१४ । वि० राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा०—पं० प्रयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर) ।→२६-३१० ।

जुगलसत की आदिबानी→'युगलसत' (श्रीभट्ट कृत) ।

जुगलस्वरूप विरह पत्रिका (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत । र० का० सं० १७८६ । लि० का० सं० १८६२ । वि० राधा का कृष्ण को प्रेम पत्र लिखना ।

प्रा०—बाबू रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ, पन्ना ।→०६–४५ बी ।

जुगलानंद सुधा समुद्र (पद्य)—जयदयाल कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० राधा-कृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—श्री झिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती) ।→सं० ०४–११६ ।

जुड़ावन→'धर्मदास' (कबीरदास के शिष्य) ।

जुलफिकार खाँ—अलीबहादुर खाँ के पुत्र । शाह आलम द्वारा नजफर खाँ की उपाधि से विभूषित । फारस के राजघराने से संबद्ध । कुछ समय तक बुंदेलखंड के राजा गुमानसिंह के यहाँ भी कार्य किया । शिव कवि के आश्रयदाता । सं० १६०३ के लगभग वर्तमान ।→२३–३६१ ।

जुलफिकार सतसई (पद्य)→०४–२० ।

जुलफिकार सतसई (पद्य)—जुलफिकार खाँ कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० बिहारी सतसई पर कुंडलियाँ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ०४–२० ।

जुवराजसिंह→'युवराजसिंह' ('प्रेमपंचासिका' आदि के रचयिता) ।

जेठमल (पंचोली)—माथुर कायस्थ । लालजी के पुत्र । नागपुर (नागोर ?) निवासी । सं० १७१० के लगभग वर्तमान ।

नरसी मेहता की हुंडी (पद्य)→०१–७७; २६–२०७ ए, बी, सी; २६–१७५ ।

नारद चरित्र (पद्य)→०२–१०० ।

जेठुवा—(?)

जेठुवा रा सोरठा (पद्य)→४१–८४ ।

जेठुवा रा सोरठा (पद्य)—जेठुवा कृत । वि० नीति ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–८४ ।

जेम्स डंकन (डाक्टर)—वाराणसी के एक डाक्टर । दयाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→०६–६० ।

जेहली जवाहिर (पद्य)—प्राणनाथ (सोती) कृत । वि० मूर्ख, सुकुमार, व्यसनी और नपुंसक लोगों की लड़ाई का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–२२० ।

जैकृष्ण (जन)—संभवतः हित हरिवंश के अनुयायी । सं० १८३४ के पूर्व वर्तमान ।

वैरागसत (पद्य)→३५–४५ ।

जैकृष्णदास—(?)

ढाढियादान (पद्य)→सं० ०१–१३३ ।

जैकेहरि—पटियाला निवासी । पटियाला नरेश महाराज पृथ्वीसिंह के आश्रित । सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

भूपभूषण (पद्य)→०३–११७ ।

जैजिन पच्चीसी (पद्य)—नवल कृत । वि० जिनदेव की स्तुति ।
प्रा०—लाला विशनस्वरूप, राया (मथुरा) ।→३८-१०४ ।

जै जै राम→'जयजयराम' ('ब्रह्मवैवर्त पुराण' के रचयिता) ।

जैतसिंह—असनी (फतेहपुर) के महापात्र नरहरि के वंशज मनिराम के पुत्र । जन्म सं० १७०३ । मुअज्जमशाह के आश्रित ।→४१-१८५ ।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→४१-८५ घ ।
माजम प्रभाव अलंकार (पद्य)→४१-८५ ग ।
मुअज्जमशाह के कवित्त (पद्य)→४ -८५ क, ख ।

जैदयाल→'जयदयाल' ('प्रेमसागर' के रचयिता) ।

जैदेव (जयदेव)—निरगुन पंथी भक्त ।
पद (पद्य)→सं० १०-४५ ।

जैन चौबीसी (पद्य)—बुलाकीदास कृत । वि० चौबीस तीर्थकरों की स्तुति ।
प्रा०—श्री दुर्गासिंह राजपूत, मांगरोल गूजर (मझणीपाटी), डा० रुनकुता (आगरा) ।→३२-३४ ए ।

जैन छंदावली (गद्यपद्य)—वृंदावन कृत । र० का० सं० १८६१ । वि० पिंगल ।
प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००-११७ ।

जैन जातक (पद्य)—राघोदास कृत । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री तुलाराम गवैया, बरसाना (मथुरा) ।→३२-१७३ ।

जैन पदावली(पद्य)—जगतराम कृत । वि० जैन स्तुति ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, किरावली (आगरा) ।→३२-६४ ।

जैन शतक(पद्य)—भूधरमल (भूधरदास) कृत । र० का० सं० १७८१ । लि० का० सं० १८६३ । वि० जैन आचार शास्त्र ।
प्रा—लाला कपूरचंद, तिलोकपुर (बाराबंकी) ।→२३-५८ ।

जैमिनि अश्वमेध(पद्य)—सुवंशराय कृत । र० का० सं० १७४६ । लि० का० सं० १७८१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री जमुनाप्रसाद, इमलीवाले ब्राह्मण, गोकुल (मथुरा) ।→३५-६८ ।

जैमिनि पुराण (पद्य)—परमदास कृत । र० का० सं० १६४६ । लि० का० सं० १७६३ । वि० संस्कृत 'जैमिनी पुराण' का अनुवाद ।
प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणीवितान भवन, ब्रह्मनाल, वाराणसी । →४१-१३२ ।

जैमिनि पुराण (गद्यपद्य)—पीतांबर कृत । र० का० सं० १८०१ । लि० का० सं० १८२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०५-४६ ।

जैमिनि पुराण (पद्य)—अन्य नाम 'सुधन्वा कथा'। पुरुषोत्तमदास कृत। र० का० सं० १६५८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८५८।
प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–३६३।
(ख) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—ठा० यदुनाथबक्शसिंह, हरिहरपुर, चिलबिलिया, तहसील केसरगंज (बहराइच)।→२३-३२५ बी।
(ग) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)।→२३-३२५ ए।
(घ) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिश्रबलिया, डा० रुद्रनगर (बस्ती)।→सं० ०४–२११।
(ङ) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—श्री नागेश्वर वैश्य, मथुरा बाजार (बहराइच)।→२३-३२५ सी।
(च) प्रा०—पं० कैलासपति तैनगुरिया पुरोहित, बिजौली, डा० बाह (आगरा)।→२६–२७४।
(छ) प्रा०— पं० चंडीप्रसाद, पड़िया, डा० चिताही (बस्ती)।→सं० ०७–११५।

जैमिनि पुराण (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १७००। लि० का० सं० १८५२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० भवानीभीरु, उत्तर ग्राम, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर)।→२३–३८०।

जैमिनि पुराण→'बभ्रुवाहन कथा' (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत)।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—क्रूर (कवि) कृत। र० का० सं० १८०७। लि० का० सं० १८२६। वि० युधिष्ठिर के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन।
प्रा० -कुमार महेश्वरसिंह, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–२३०।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—खंडन कृत। र० का० सं० १८१६। लि० का० सं० १८७७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–५६ ई।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० करनसिंह हकीम, उदियागढ़ी, डा० बाजना (मथुरा)→३८–१० ए।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—रामपुरी कृत। र० का० सं० १७५४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रामस्वरूप, परखम, डा० फरैह (मथुरा)।→३८–१२२।

जैमिनी पुराण (पद्य)—जगतमणि कृत। र० का० सं० १७१४। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० नारायणसिंह, जारुआ कटरा (आगरा)।→२६-१६६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—पं० छेदालाल पाठक, टूँडला (आगरा)।→२६-१६६ सी।

(ग) प्रा०—कुँवर उजागरसिंह जमींदार, लतीफपुर, डा० कोटला (आगरा)। →२६-१६६ बी।

जैमिनी पुराण (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—श्री जगरनाथलाल, टेउआ (प्रतापगढ़)।→२६-३५६।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१४३।

जैमिनी पुराण (पद्य)—रतिभान कृत। र० का० सं० १६८८। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४४।

प्रा०—पं० लक्ष्मीचंद गौड़, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२६५ ए।

(ख) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। →२६-२६५ बी।

जैमिनी पुराण (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत। र० का० सं० १८०५। लि० का० सं० १८८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-२५४ ए।

जैमिनी पुराण (पद्य)—अन्य नाम 'महाभारत (अश्वमेधपर्व)'। सरयूराम (पंडित) कृत। र० का० सं० १८०५। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-३७८।

(ख) लि० का० सं० १६१५।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-४३१।

जैमिनी पुराण→'जैमिनि पुराण' (पुरुषोत्तमदास कृत)।

जैमिनी पुराण (अश्वमेध) (पद्य)—नंदलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—पं० देवनारायण, अलीगढ़।→२६-२४५ बी।

(ख) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—श्री गंगाराम गौड़, जलाली (अलीगढ़)।→२६-२४५ सी।

(ग) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० बालकृष्ण बाजपेयी, बरखेड़ा (हरदोई)।→२६-२४५ ए।

जैमिनीय सूत्राणिस टीक (गद्य)—काशीराम कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० गणेशप्रसाद व्यास, टोंडसी, डा० मदान (मैनपुरी)।→३२-११० बी।

जैमुनि कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १६२८। लि० का० सं० १८६७।
विं० पांडवों के अश्वमेध का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४८।

जैमुनि की कथा (पद्य)—राय कृत। र० का० सं० १७५३। लि० का० सं० १८५८।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला नंदलाल मुतसद्दी, कमठाना, छतरपुर।→०५–१०।

जैमुनि पुराण (पद्य)—पूरन (कवि) कृत। र० का० सं० १६७६। लि० का० सं० १६००।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२–१७१।

जैमुनि पुराण→'जैमिनि पुराण' (पुरुषोत्तमदास कृत)।

जैवंत (पांडे)—जैन। संभवतः राजस्थानी।
तत्वार्थाधिगमे मोक्षशास्त्र (गद्य)→सं० ०७–६५।

जैसिंह प्रकाश (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० सं० १८६४।
वि० राजपूताना के किसी राजा जयसिंह की प्रशंसा।
प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६–६१ ए।

जोखूराम (द्विज)—हींगनगौरा (सुलतानपुर) के निवासी। लक्ष्मणपुर निवासी महामहोपाध्याय पं० सूर्यनारायण के शिष्य। सं० १८६० के लगभग वर्तमान। छत्रपालसिंह नामक किसी राजा ने इनकी बड़ी प्रशंसा की है।
वनदुर्गालहरी (पद्य)→२३–१६५; सं० ०४–१३५ ख।
शत्रुसंहार (पद्य)→सं० ०४–१३५ क।

जोखूराम यश वर्णन (पद्य)—छत्रपालसिंह 'नृप' कृत। लि० का० सं० १६५७। वि० जोखूराम के यश का वर्णन।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।
→सं० ०४–१०१।

जोग (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० योग की विधि और मुद्रादि वर्णन।
प्रा०—श्री ख्यालीराम शर्मा, खाँड़ा, डा० बरहन (आगरा)।→२६–६५ पी।

जोग कृष्णायण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री बहुरी चिरंजीलाल पालीवाल, भैरोबाजार, आगरा।→२६–३६७।

जोगजीत—सुकृत (कबीर का सत्ययुग का अवतार) के गुरु।
पंचमुद्रा (पद्य)→२०–७३; सं० ०४–१३६।
टि० कबीर पंथी युगों के क्रम में कबीर के चार अवतार मानते हैं—सत्ययुग में सुकृत, त्रेता में मुनींद्र, द्वापर में करुणामय और कलियुग में कबीर। प्रस्तुत रचयिता प्रथम अवतार के गुरु थे।

जोगध्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४४। वि० योग का वर्णन।

प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर)। →सं० ०४–४६० ।

जोगनी दिशा विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० रामप्रसाद पांडे, घुरहा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–३३ (पारि०३) ।

जोगप्रदीपिका (पद्य)—जयतराम कृत । र० का० सं० १७६४ । लि० का० सं० १८२३ । वि० योग शास्त्र ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–६० क ।

जोगमंजरी (पद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० योग ।

प्रा०—डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । → ३५–३० बी ।

जोगरतन (पद्य)—शंकर (द्विज) कृत । र० का० सं० १६०१ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—पं० शीताराम मिश्र, अहरौली, डा० सलेमपुर (गोरखपुर)। → सं० ०१–४०६ ।

जोगरत्न (पद्य)—हरिराय (पुरी) कृत । लि० का० सं० १६२० । वि० योग ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३२१ ।

जोगराम—संभवतः बुदेलखंड निवासी साधु । सं० १८२२ के लगभग वर्तमान ।

जोग रामायण (पद्य)→०६–५५ ।

जोग रामायण (पद्य)—जोगराम कृत । र० का० सं० १८२२ । लि० का० सं० १८२६ । वि० राम का राजतिलक और बनवास ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–५५ ।

जोगलीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० कृष्ण का योगी के वेश में राधा से मिलना ।

(क) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा ।→००–६८ ।

(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–२०० डी (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा०—दाऊजी का मंदिर, बड़ी बठैन, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)। → ३२–२२३ एफ ।

टि० खो० वि० ०६–२०० डी की प्रति नंददास के नाम पर है ।

जोगवाशिष्ठ सार→'वसिष्ठसार' (कवींद्र सरस्वती कृत)।

जोगवासिष्ठ (पद्य)—प्यारेलाल (कश्मीरी) कृत । र० का० सं० १८२२ । लि० का० सं० १८३३ । वि० जगत की उत्पत्ति का वर्णन ।

प्रा०—श्री रामेश्वरसिंह, मोहनपुर, डा० सहावर (एटा)।→२६–२७६ ए ।

जोगवासिष्ठ सार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८२ वि०। नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत राजाराम साहब, बड़का गाँव (बलिया)।→४१-३७०।

जोग शिक्षा उपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० योग विषयक शिक्षा।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल, गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८-२५ जी।

जोग संग्रह→'वैद्यक जोग संग्रह' (आधार मिश्र कृत)।

जोग सत (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० सीताराम अध्यापक, विरामपुर, डा० एतमादपुर (आगरा)। →२६-५३८।

जोग सुधानिधि (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५५। वि० योग।
प्रा०—ला० मानसिंह, ब्याना (भरतपुर)।→३८-१७६।

जोगिनी दशा विचार (पद्य)—कृष्ण जू (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८४४। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० बाँकेलाल, साहूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१२४ ए।

जोगीलीला (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि० का० सं० १९३२। वि० श्रीकृष्ण का योगी के रूप में राधिका से मिलना।
प्रा० —पं० रामदीन गौड़, सिरहपुरा (एटा)।→२६-४७ बी।

जोगेश्वरी साखी—गोरखनाथ कृत।→०२-६१ (दो)।

जोड़ा (पद्य)—परसुराम कृत। वि० दशावतार तथा भक्ति आदि।
प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल लाला मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→३२-१६३ बी।

जोधराज—गौड़ ब्राह्मण। नीमागढ़ के राजा के आश्रित। सं० १८५५ के लगभग वर्तमान।
हम्मीर रायसा (पद्य)→पं० २२-४६।

जोधराज गोदीका (जैन)—वास्तविक नाम साहु या साहो जोधराज गोदीका। साँगानेर (ढूढाहर, जयपुर) के निवासी। संभवतः राजा रामसिंह के आश्रित। सं० १७२४ के लगभग वर्तमान।
सम्यक्त कौमुदी (भाषा) (पद्य)→२३-१६४; सं० ०७-६६; सं० १०-४६।

जोमनालाल→'जौहरीलाल जोमनालाल (जैन)' ('पद्मनंद पंचविंशतिका' के रचयिता)।

जोरावर प्रकाश→'रसगाहक चंद्रिका' (सूरति मिश्र कृत)।

जोरावरमल—माथुर कायस्थ। नागपुर निवासी। सं० १८२४ के लगभग वर्तमान।
शनिश्चर (देव) की कथा (पद्य)→२६-५१० ए, बी।

जोरावरसिंह—बीकानेर नरेश। सूरति मिश्र के आश्रयदाता। सं० १७६४ में गद्दी पर बैठे थे।→१७-१८६; पं० २२-१०६।

जोवनाथ कथा (पद्य)—प्राणनाथ कृत। लि० का० सं० १८६८। वि० जोवनाथ का पांडवों से युद्ध।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर।→०६–२२६।

जौहरिन तरंग (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८७५। लि० का० सं० १८७६। वि० कृष्ण जी के स्त्री रूप में राधा के सामने जौहरी बनकर उपस्थित होने की लीला।

प्रा०—श्री गदाधर चौकसी, समथर।→०६–७६ एच।

जौहरीलाल जोमनालाल (जैन)—जौहरीलाल और जोमनालाल नामक दो व्यक्ति। ढूढ़ाहर देश के अंतर्गत साँगानेर बाजार (जयपुर) निवासी। महाराज रामसिंह के समकालीन। जौहरीलाल के पिता का नाम ज्ञानचंद। जोमनालाल (खिंका गोत्रीय) के पिता का नाम हरिचंद। जौहरीलाल की मृत्यु के बाद ग्रंथ जोमनालाल ने पूर्ण किया।

पद्मनंद पंचविंशतिका (गद्य)→सं० १०–४७।

ज्ञानअली—अयोध्या के महंत। रामानुज संप्रदाय के सखी समाज के वैष्णव।

सियावर केलि पदावली (पद्य)→०६–१०३।

ज्ञान अष्टक→'गुरु उपदेश ज्ञान अष्टक' (सुंदरदास कृत)।

ज्ञान उद्योत (पद्य)—फकीरेदास कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० सं० १८६२। वि० ज्ञान और भक्ति।

प्रा०—महंत पुरंदरदास, ठाकुर दूबे का पुरवा, डा० जगदीशपुर (सुलतानपुर)। →२६–६८।

ज्ञान ककहरा (पद्य)—रघुनाथदास (रामसनेही) कृत। लि० का० सं० १६२०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० अमरनाथ मिश्र, असवरनपुर, डा० ओइना (जौनपुर)। → सं० ०१–३१५।

ज्ञान कथा कर्म निर्णय (पद्य)—गंगागिरि कृत। लि० का० सं० १६३४। वि० ब्रह्मज्ञान का उपदेश।

प्रा०—पं० जगदीशप्रसाद शर्मा, 'राजगुरु', फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं० ०१–६८ ख।

ज्ञान कथा रहस्य (गद्य)—गंगागिरि कृत। लि० का सं० १६३४। वि० ब्रह्मज्ञान का उपदेश।

प्रा०—पं० जगदीशप्रसाद शर्मा, 'राजगुरु', फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं० ०१–६८ क।

ज्ञानकला (पद्य ?)—सुमतिनाथ कृत। र० का० सं० १७२२। वि० जैनधर्म।→ पं० २२–१०४।

ज्ञान कल्याणक (पद्य)—रूपचन्द्र (जन) कृत। वि० जिनराज का ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भागवतप्रसाद, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा) ।→३८–१२८ डी ।

ज्ञान कवित्त (पद्य)—शिवदीनदास कृत । लि० का० सं१ १८६१ । वि० भक्ति ।

प्रा०—ठा० जगदंबासिंह, गंगापुर, डा० कोहंडौर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–३८३ क ।

ज्ञान कहरा(पद्य)—जानकीदास (गोसाईं) कृत । लि० का० सं० १६४४ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबू शिवप्रतापसिंह, मोहनगंज, डा० सलोन (रायबरेली) । → सं० ०४–१२८ क ।

ज्ञान का बारहमासा (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८७८ । लि० का० सं० १६३० । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुरे, डा० बेहड़ा (बहराइच) ।→२६–११६ जी ।

ज्ञान की गारी→'गारी ज्ञान की' (बाबा फकीरदास कृत) ।

ज्ञान की बारहमासी (पद्य)—शिवदत्त रामप्रसाद कृत । र० का० सं० १६२३ । वि० आध्यात्मिक ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १६३३ ।

प्रा०—बाबा मनोहरदास, दकरोर, डा० मवई (उन्नाव) ।→२६–४४३ डी ।

(ख) लि० का० सं० २६३३ ।

प्रा०—पं० रामदुलारे पाठक, तरोना (उन्नाव) ।→२६–४४३ ई ।

ज्ञान को प्रकरण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि० का० सं० १६५८ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६—३२३ सी ।

ज्ञान गीता (पद्य)—जयसुख कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।

(क) प्रा०—श्री शिवदयाल, भीखमपुर, डा० सफीपुर (उन्नाव) । → २६–२०६ ए ।

(ख)→पं० २२–४७ ए ।

ज्ञान गीता (पद्य)—ठाकुरदास (ठाकुर) कृत । वि० अध्यात्म ।

प्रा० – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–६० ख ।

ज्ञान गूदरी (पद्य)—अन्य नाम 'गूदरी' और 'ब्रह्मज्ञान की गूदरी' । कबीरदास कृत । वि० ब्रह्म ज्ञान ।

(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ आर ।

(ख) प्रा०—लाला बालाप्रसाद, कीठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→ ३२–१०३ एफ ।

(ग) प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ) । →सं० ०७–११ छ ।

ज्ञानचंद्र (राजकुमार)—कुमायूँ नरेश महाराज विद्योतचंद्र (उद्योतचंद्र) के पुत्र । मतिराम के आश्रयदाता । सं० १७४७ के लगभग वर्तमान ।→पं० २२–६४ ।

ज्ञान चंद्रिका (पद्य)—जीवनराम कृत । वि० नासकेत मुनि की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१३१ ।

ज्ञान चंद्रोदय (गद्य)—तेजसिंह (ठाकुर) कृत । र० का० सं० १६३० । वि० सामुद्रिक ।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–४७७ ।

ज्ञान चंद्रोदय (पद्य)—मुरलीधर कृत । र० का० सं० ८१२ । वि० कृष्ण लीला ।

प्रा०—पं० लक्ष्मणप्रसाद, मैयामऊ, डा० हैदरगढ़ (बाराबंकी) ।→२३–२८७ ।

ज्ञान चालीसी (पद्य)—महेशनारायणसिंह (महाराज) कृत । वि० सीताराम तथा राधाकृष्ण का प्रेम एवं आमोद प्रमोद ।

प्रा०—पं० सियाराम, बकेवर (इटावा) ।→३८–९६ ।

ज्ञान चूर्णिका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानवचन चूर्णिका' । मनोहरदास (निरंजनी) कृत । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८२७ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५३६ (अप्र०) ।

(ख) लं० का० सं० ८३१ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–८४ ।

(ग) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२६३ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–२७२ बी ।

ज्ञान चेटक (पद्य)—अहलाददास कृत । र० का० सं० १७२८ (?) । लि० का० सं० १९१६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–१२ ।

ज्ञान चौंतीसी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ क्यू ।

(ख) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, डा० असनी (फतेहपुर) ।→२०–७४ बी ।

ज्ञान चौंतीसी—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।

(क)→०२–६१ (सत्रह) ।

(ख)→पं० २२–३३ जी ।

ज्ञान चौंतीसी (पद्य)—शंकरदास (राव) कृत । लि० का० सं० १६४८ । वि० ज्ञान ।

प्रा०—लाला कल्याणसिंह मुतसद्दी, प्रधान मजिस्ट्रेट का न्यायालय, टीकमगढ़ ।→०६–३२८ बी (विवरण अप्राप्त) ।

ज्ञान तिलक (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा० पं० मथुराप्रसाद मिश्र, रामनगर, धमेरी (बाराबंकी) ।→२३–१९८ जी ।

(ख) प्रा०—पं० रामावतार, चँदीकरा, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३२–१०३ एल ।

(ग) प्रा०—पं० गुरुप्रसाद, धरमपुर, डा० परशुरामपुर (बस्ती)। →सं० ०४-२४ च।

ज्ञान तिलक—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।

(क)→०२-६१ (चार)।

(ख)→०२-६१ (अठारह)।

(ग)→पं०२२-३३ एच।

ज्ञान तिलक (पद्य) रामानंद (?) कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० अद्वैत और योग वर्णन।

प्रा०—श्री गणपतिराम, शाहदरा, दिल्ली।→दि० ३१-७१।

ज्ञान तिलक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञान।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-३२ (परि० ३)।

ज्ञान दर्पण (पद्य)—दीप (कवि) कृत। लि० का० सं० १६२८। वि० जैन धर्म शास्त्र।

प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर)।→१७-५२।

ज्ञान दर्पण (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश।

प्रा०—पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→ २३-१६६ एच।

ज्ञानदास—ढेगा (बाराबंकी) निवासी। अचलदास के शिष्य। सं० १६३३ के लगभग वर्तमान।

अनुभव ग्रंथ (पद्य)→२६-२०६ ए।

पंचरत्न (पद्य)→२६-२०६ बी।

ज्ञानदास—दिल्ली निवासी। सं० १८६८ के लगभग वर्तमान।

अपरोक्षानुभव ग्रंथ (भाषा) (गद्यपद्य)→दि० ३१-४७।

ज्ञानदास रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। सं० १८७८ के पूर्व वर्तमान।

तमाल मद्य भाँग मांसाना निषेध (पद्य)→४१-८६।

ज्ञानदीप (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल)।→१२-१७० बी।

ज्ञानदीप (पद्य)—शेख नबी कृत। र० का० सं० १६७६। लि० का० सं० १६३२। वि० राजा ज्ञानदीप तथा रानी देवजानी की कथा।

प्रा० मौलवी अब्दुल्ला, धुनियानटोला, मिरजापुर।→०२-११२।

ज्ञानदीपक (पद्य) दरिया साहब कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० अध्यात्म।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-५५ आई।

ज्ञानदीपक (पद्य) भागवतशरण (पांडेय) कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्राइमरी पाठशाला, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६-५३ बी।

ज्ञानदीपक→'ज्ञानदीपिका' (तुलसीदास ? कृत)।

ज्ञानदीपिका (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। र० का० सं० १६३१ (?)। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १८५४।

प्रा०—बाबा रामदास, सीतामऊ, डा० मल्लावाँ (हरदोई)। → २६–३२५ एम[3]।

(ख) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा; डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३–४३१ डब्ल्यू।

(ग) लि० का० सं० १८८१।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३३८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—श्री रामप्रसाद, कोटला (आगरा)।→२६–३२५ एल[3]।

(ङ) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर। →०५–२१।

टि० डा० सदाशिव लक्ष्मीधर कात्रे एम० ए०, डी० लिट० ने सिद्ध किया है कि ज्ञानदीपिका मानसकार तुलसीदास की ही 'मानस' पूर्व (र० का० सं० १६२२) की रचना है। (सरस्वती; अक्टूबर अंक; सन् १६६२; पृ० सं० ३३६)।

ज्ञान दोहावली (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १६०३। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—पं० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ़)।→ २६–२६७ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०–श्री नानकराम, भोजपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–२६७ बी।

(ग) लि० का० सं० १६६२।

प्रा०—पं० केदारनाथ त्रिपाठी, लहरा, डा० मलाकहरहर (इलाहाबाद)। → ४१–५४० (अप्र०)।

(घ) मु० का० सं० १६२२।

प्रा०—राज पुस्तकालय, किला, प्रतापगढ़।→सं० ०४–२६३ ख।

(ङ) मु० का० सं० १६३१।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० वरसठी (जौनपुर)। → सं० ०४–२६३ ग।

ज्ञान द्विपंचासिका (पद्य)—हंसराज (जैन) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणीवितान भवन, ब्रह्मनाल, वाराणसी। → ४१–३०८।

ज्ञान पचासा→'अनन्यपंचासिका' (अक्षर अनन्य कृत)।

ज्ञान पचीसी (पद्य)—उदय (?) कृत। लि॰ का॰ सं॰ १७३६ (लगभग)। वि॰ ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—पं॰ मोहनवल्लभ पंत, किशोरीरमण इंटर कालेज, मथुरा। → ३८–१५५।

ज्ञान पच्चीसी (पद्य)—बनारसी कृत। र॰ का॰ सं॰ १७५० (?)। लि॰ का॰ सं॰ १८८०। वि॰ ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—ठा॰ रामचरणसिंह, विलारी, डा॰ विसावर (मथुरा)।→३५–१० ए।

ज्ञान परीक्षा (पद्य)—मलूकदास कृत। लि॰ का॰ सं॰ १७८४। वि॰ ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—डा॰ त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं॰ ०४–२८८ ख।

ज्ञानपाती (पद्य)—ज्ञानी जी कृत। वि॰ ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–१०० ए।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि॰ वेदांतसार, ज्ञान, भक्ति आदि।
(क) लि॰ का॰ सं॰ १९१०।
प्रा॰—श्री बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा॰ बिजनौर (लखनऊ)। → २६–२०३ ए।
(ख) प्रा॰—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव, चंदवार, डा॰ फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–२०३ बी।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र॰ का॰ सं॰ १८१३। वि॰ ज्ञानोपदेश।
(क) लि॰ का॰ सं॰ १९१६।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं॰ ०४–१०५ छ, ज।
(ख) लि॰ का॰ सं॰ १९२३।
प्रा॰—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)। → सं॰ ०१–११८ ख।
(ग लि॰ का॰ सं॰ १९४०।
प्रा॰– महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा॰ जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६–१६२ आर।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—राघवदास कृत। र॰ का॰ सं॰ १७१०। लि॰ का॰ सं॰ १८४२। वि॰ आत्मज्ञान।
प्रा॰—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–६७।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। र॰ का॰ सं॰ १७५५। वि॰ आत्मज्ञान।
(क) लि॰ का॰ सं॰ १८६३।
प्रा॰—श्री रामाधीन मुराउ, बदौसराय (बाराबंकी)।→२३–४१२ पी।

(ख) लि० का० सं० १६०२ ।

प्रा०—बाबा रामचरणदास, चंद्रभवन पयागपुर, डा० पयागपुर (बहराइच) ।→ २३–४१२ क्यू ।

ज्ञानप्रकाश (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६४ । वि० कबीर और धर्मदास के संवाद रूप में ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२२६ ।

ज्ञानप्रकास (पद्य)—अन्य नाम 'धर्मदास बोध' । कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० निर्गुण ज्ञान ।

प्रा०—श्री गुरुबालकप्रसाद, गोंठाखास, डा० दोहरीघाट (आजमगढ़) । → ४१–२१ छ ।

ज्ञानप्रदीप (पद्य)—गंगाराम (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १८४६ । लि० का० सं० १८५७ । वि० भगवद्‌ज्ञान ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–१६ ।

ज्ञान प्रभा शतक→'रामायण शतक' (हरिबख्शसिंह कृत) ।

ज्ञान प्रश्नावली (गद्य)—दामोदरदास कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० सामुद्रिक ।

प्रा०—पं० कृपाशंकर वैद्य, सुलतानपुर, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२६–८७ ।

ज्ञान फकीरी जोग मत (पद्य)—लालबाबा कृत । र० का० सं० १८३८ । वि० आत्मज्ञान ।

प्रा०—ठा० रामसिंह, रामकोट (सीतापुर) ।→२३–२३६ ।

ज्ञान बत्तीसी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११ भ ।

(ख) प्रा०—पं० कोकाराम, साढूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →३२–१०३ के ।

ज्ञान बत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञान ।

प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा) । →३५–१७६ ।

ज्ञान बहोत्तरी→'आत्म विचार वैराग्य' (अमृतलाल कृत) ।

ज्ञान बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'बारहमासा' । रामप्रसाद (भाट) कृत । वि० ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—श्री शिवविलास, बरिआर (उन्नाव) ।→२६–३६० बी ।

(ख) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—लाला प्रभुदयाल, अलमनगर (लखनऊ) ।→२६–३६० सी ।

(ग) प्रा०—लाला कल्लूमल, गौरियाँकलाँ, डा० फतेहपुर (उन्नाव) ।→ २६–३६० डी ।

ज्ञान बारहमासा (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—श्री दौलतराम पांडेय, ग्राम तथा डा० सहिजादपुर (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-१४३ क ।

(ख) प्रा०—श्री अमरनाथ मिश्र, असवरनपुर, डा० ओइना (जौनपुर) । →सं० ०१-१४३ ख ।

ज्ञानबोध (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८८२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१ क ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-२ डी ।

(ग) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३-७ ए ।

ज्ञानबोध (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायन दीक्षित, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-२८८ ग ।

(ख) प्रा०—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→१७-१०६ ए ।

(ग) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-२८८ घ, ङ ।

ज्ञानबोध प्रकाश (पद्य)—हरिकृष्ण (आभा) कृत । वि० जीव की हीनावस्था का वर्णन और दया धर्म का उपदेश ।

प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, कामवन (भरतपुर) ।→४१-३१४ ख ।

ज्ञानबोधामृत (पद्य)—हरिकृष्ण (आभा) कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० भक्ति का उपदेश ।

प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, कामवन (भरतपुर) ।→४१-३१४ क ।

ज्ञानमंजरी (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत । र० का० सं० १७१६ । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६३ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३-२७२ ए ।

ज्ञानमल—फतेहमल के पुत्र । जोधपुर नरेश महाराज बख्तसिंह के दीवान । जयकृष्ण कवि के आश्रयदाता । सं० १८२५ के लगभग वर्तमान ।→०२-८६ ।

ज्ञान महोदधि (पद्य)—हरिभक्तसिंह (हरिबख्शसिंह) कृत । र० का० सं० १६०५ । वि० ब्रह्म ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६-१०६ ।

(ख) प्रा०—ठा० गुरुप्रतापसिंह, गुठबा (बहराइच) ।→२३–१५१ ।

ज्ञानमाला (गद्य)—कमलदास (वैष्णव) कृत । र० का० सं० १८८० । वि० नीति और सदाचार (शुकदेव परीक्षित संवाद) ।

(क) लि० का० सं० १८८० ।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद तिवारी, परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–२१६ ए ।

(ख) प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–२१६ बी ।

ज्ञानमाला (गद्य)—मुकुंदराय कृत । लि० का० सं० १६०० । वि० कृष्ण की अर्जुन को कर्म विषयक शिक्षा ।

प्रा०—श्री रसूल खाँ काजी, गांगीरी, डा० सलेमपुर (अलीगढ़) ।→२६–२३६ ।

ज्ञानमाला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कर्तव्याकर्तव्य कर्मों का वर्णन ।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग ।→४१–३७१

ज्ञान या जाना प्रश्न मोक्षोपाय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञान विषयक वशिष्ठ और राम का संवाद ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास पुरुषोत्तमदास, मथुरा ।→१७–३१ (परि० ३) ।

ज्ञानयोग तत्व सार (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० गणेश स्तुति और गुरु महिमा आदि ।

प्रा०—श्री कृष्ण, साखूपुर (बहराइच) ।→२३–३१४ ए ।

ज्ञानयोग सर्व उपदेश (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । लि० का० सं० १६५२ । वि० उपदेश ।

प्रा०—श्री राधामोहन गुप्त, द्वारा श्री कृपाशंकरप्रसाद 'कुमुद', भारती प्रेस, बलिया ।→४१–४०१ (अप्र०) ।

ज्ञानयोग सिद्धांत (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० ज्ञानयोग संबंधी सिद्धांत ।

प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह, चंद्रावल, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–७ ई ।

ज्ञानरतन (पद्य)—दरिया साहब कृत । र० का० सं० १८३७ । वि० रामायण की कथा ।

(क) लि० का० सं० १३१२ साल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०३–१५४ ख ।

(ख) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–५५ एच ।

ज्ञानलीला स्तोत्र (पद्य)—रामानंद कृत । लि० का० सं० १८२६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—पं० महेशप्रसाद, ओझापुरा, डा० कैथोला (प्रतापगढ़) । → सं० ०४–३४७ ।

ज्ञानवचन चूर्णिका →'ज्ञानचूर्णिका' (मनोहरदास निरंजनी कृत) ।

ज्ञानविलास (पद्य)—दूधाधारी कृत । लि० का० सं० १८७४ । वि० सूर्य और देवी की स्तुति तथा राधाकृष्ण माहात्म्य ।

प्रा०—श्री सुनासरदीन दीक्षित, सोंकरी, डा० तंबौर (सीतापुर) ।→२६–१०८ ।

ज्ञान विवेक मोह संवाद (पद्य)—लालदास कृत । र० का० सं० १७३२ । वि० ज्ञानादि वर्णन ।

प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सराय खीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर) । →२३—३६ ई ।

ज्ञान वैराग्य संपादिनी→ भावप्रकाशिनी टीका' (संतसिंह कृत) ।

ज्ञान संबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—श्री रामाधीन मुराउ, बदाऊ सराय (बाराबंकी) ।→२३—१६८ एफ ।

(ख) प्रा०—बाबा रामवल्लभ शर्मा, श्री सतगुरुसरन अयोध्या ।→ ०६—१४३ आर ।

ज्ञान सतसई→'भगवद्‌गीता सटीक' (हरिदास कृत) ।

ज्ञान सतसई→'मनोरंजनी शिक्षा कौमुदी' (प्रभुदयाल कृत) ।

ज्ञान समुद्र (पद्य)—सदाराम कृत । वि० धर्म ।

प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→२०—१६६ ।

ज्ञान समुद्र (पद्य)—सुंदरदास कृत । र० का० सं० १७१० । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं १८५७ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३—३४ ।

(ख) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३—४१५ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६—२४२ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) प्रा०—पं० गुरुचरन बाजपेयी, भाँदा रायबरेली) ।→२३—४ ५ बी ।

(ङ) प्रा०—बाबू चंद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ ।→२३—४१५ सी ।

(च) →०२—२५ (दो) ।

(छ) →पं० २२—१०७ ए ।

ज्ञान सरोवर (पद्य)—नवलदास कृत । र० का० सं० १८१८ । वि० श्रीकृष्ण और उद्धव के संवाद में ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) ।→ सं० ०४—१८३ ख ।

(ख) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—ठा० भवानीदयालसिंह, ऐतवारा, डा० सत्थिन (सुलतानपुर) ।→ सं० ०४—१८३ ग ।

(ग) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसो, डा० साहिमऊ (रायबरेली) ।→ सं० ०४—१८३ घ ।

(घ) लि० का० सं० १६६० ।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–३२७ ए ।

(ङ) लि० का० सं० १६६० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–१ ३ ङ ।

(च) प्रा०—लाला महावीरप्रसाद, गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–३०१ ए ।

(छ) प्रा०—श्री प्रतापनारायण मिश्र, सिलौंधी डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४–१८३ च ।

(ज) प्रा०—श्री कृष्णशरण शुक्ल, भादी, डा० मभुआमीर (बस्ती) ।→ सं० ०४–१८३ छ ।

ज्ञानसागर (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ एस ।

(ख) प्रा०—श्रीगणेशधर दूबे, वीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–३२ ग ।

ज्ञानसागर (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १६३५ । वि० गुरु माहात्म्य, ईश्वर भक्ति और आश्रमधर्म वर्णन ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→ ०६–३११ ए ।

ज्ञानसार→'वसिष्ट सार' (कवींद्र सरस्वती कृत) ।

ज्ञानसिद्धांत जोग—गोरखनाथ कृत ।→०२–६१ (एक) ।

ज्ञानसुहेला (पद्य) – काशी और चिंतामणि कृत । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–२७८ (विवरण अप्राप्त) ।

ज्ञानस्तोत्र (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७७ सी (विवरण अप्राप्त) ।

ज्ञानस्तोत्र और तत्वसार रमेनी (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६५१ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी, (हिंदी विभाग), प्रांतीय सचिवालय, लखनऊ ।→सं० ०७–११ ञ ।

ज्ञानस्थिति (ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—श्री तिलकचंद महावीरप्रसाद, कोटियानी, डा० गोसाईंगंज (लखनऊ) । →२६–१७८ एम ।

(ख) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—मुंशी शिवनारायण श्रीवास्तव, धौलपुर, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । →२६—१७८ एल ।

ज्ञानसरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्मज्ञान ।

(क) लि० का० सं० सन् १२३६ (?) ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–६ क ।

(ख) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ टी ।

(ग) प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६ –२१४ बी ।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—अन्य नाम 'स्वरोदय' या 'स्वरभेद' । चरणदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० प्राणायाम, योगाभ्यास आदि ।

(क लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–६५ जेड ।

(ख) लि० का० सं० १८७५ ।

प्रा०—पं० गणेश जी, रकबा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–७४ जे ।

(ग) लि० का० सं० १८८३ ।

प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६–७८ एच ।

(घ) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—मुंशी शिवधारीलाल, ममरेजपुर, बेनीगंज (हरदोई) ।→२६–७८ एन ।

(ङ) लि० का० सं० १८८६ ।

प्रा०—पं० कालिकाप्रसाद दूबे, गौरिया रसूलपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६–७८ ओ ।

(च) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—श्री करणीदान ब्राह्मण, जोधपुर ।→०१–७० ।

(छ) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुर्जा (बुलंदशहर) । → १७–३८ सी ।

(ज) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—मुंशी जोरावरसिंह, मिढ़ाकुर (आगरा) ।→२६–६५ डब्ल्यू ।

(झ) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—पं० रामविलास, मदारनगर, बंथर (उन्नाव) ।→२६–७८ क्यू ।

(ञ) प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़ । → ०६–१४७ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(ट) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण सुनार, नेपालगंज, नेपाल ।→२०–२६ बी ।

(ठ) प्रा०—पं० अमोल शर्मा, चंदनियाँ, रायबरेली ।→२३–७४ के ।

(ड) प्रा०—बाबू चंद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ ।→२३–७४ एल ।

(ढ) प्रा०—श्री गौरीशंकर, खिधौली (रायबरेली) ।→२३–७४ एम ।

(ण) प्रा०—पं० गोविंदराम, पुरवा गजाधर तिवारी, अहमटा (सुलतानपुर)। →२३–७४ एन।

(त) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर। → २३–७४ ओ।

(थ) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह, खरौंही, डा० मांधाता (प्रतापगढ़)। → २६–७८ पी।

(द) प्रा०—पं० हरिमोहन मिश्र, सिंगरावली, डा० ताँतपुर (आगरा)। → २६–६५ एक्स।

(ध) प्रा०—पं० जानकीप्रसाद, बमरौली कटारा (आगरा) ।→२६–६५ वाई।

(न) प्रा०—श्री चंद्रभाल मिश्र, घोरकटा, डा० मेहदावल (बस्ती)। → सं० ०४–६३ ग।

(प)→पं० २२–१८ ए, बी।

ज्ञानस्वारेदय (पद्य)—दरिया साहब कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–५५ एफ।

(ख) प्रा०—पं० हरिहर, सरपोका, डा० इटवा (बस्ती)। → सं० ०४–१५४ ग।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह रईस बंस पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३–२६३ बी।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—हयातबेग (हजरत) कृत। लि० का० सं० १८७७। वि० स्वरोदय।

प्रा०—पं० दीपचंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर) ।→४१–३१०।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४५। वि० स्वरोदय।

प्रा०—श्री ब्रह्मादत्त पांडे, कनेरी, डा० फूलपुर (आजमगढ़) ।→सं० ०१–५१६।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६५। वि० श्वास प्रश्वास विधि से शुभाशुभ विचार।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–३७२।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३७। वि० स्वरोदय शास्त्र।

प्रा०–पं० गोकरनप्रसाद, निबारी, डा० माल (लखनऊ) ।→सं० ०७–२३०।

ज्ञानाक्षरी (पद्य)—देवसेन कृत। लि० का० सं० १८०१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—गो० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४६।

ज्ञानानंद—संत चरणदासके शिष्य। सं० १६०५ के पूर्व वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२–६६।

ज्ञानानंद श्रावगाचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रावकों के लिये विहित धर्म ।
(क) लि० का० सं० १९२१ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१५७ क ।
(ख) लि० का० सं० १९५६ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१५७ ख ।

ज्ञानार्णव (भाषा टीका)→'ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका' (जयचंद जैन कृत)।

ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० ज्ञान ।
(क) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–३६ ङ ।
(ख) लि० का० सं० १९१४ ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–१८७ ए ।
(ग) प्रा० – श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । →सं० ०४–११५ ।

ज्ञानावली→'दामोदर हरिदास चरित' (बीठू बाँकीदास कृत) ।

ज्ञानी कौ अंग (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० ज्ञानी पुरुषों के भेद, लक्षण और ज्ञान का माहात्म्य ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६३ ज ।

ज्ञानीजन कौ अंग→'ज्ञानी कौ अंग' (सुंदरदास कृत) ।

ज्ञानी जी—वास्तविक नाम जसवंत । कबीरपंथी साधु । महात्मा कबीरदास के शिष्य ।
ज्ञानीजी की साखी (पद्य)→३२–१०० बी, सी ।
ज्ञानपाती (पद्य)→३२–१०० ए ।
ब्रह्मस्तुति (पद्य)→३८–७१ ए ।
शब्दपारखी (पद्य)→२६–२१०; ३८–७१ बी; सं० १०–४८ ।

ज्ञानीजी की साखी (पद्य)—अन्य नाम 'साखी' । ज्ञानी जी कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) प्रा० –पं० चक्रपाणि मिश्र 'विशारद', लाखनमऊ, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३२-१०० बी ।
(ख) प्रा०—पं० मुंशीलाल, नंदपुर, डा० खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→३२–१०० सी ।

ज्ञानोपदेश (?) (पद्य)—रूप कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागीरप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३६२ ।

ज्ञानोपदेश→'चितावणी' (खेमदास कृत) ।

ज्योतिष (?) (पद्य)—गेवा कृत । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री ग्रीसराव, उसकाखुर्द, डा० खलीलाबाद (बस्ती) ।→सं० ०४–७४ ।

ज्योतिष (पद्य)—जानकीदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१२५ ग ।

ज्योतिष (पद्य)—पतितदास कृत। र० का० सं० १६३७। लि० का० सं० १६४८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–३४६ ई।

ज्योतिष (पद्य)—सहदेव कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)।→ सं० ०१–४४५।

ज्योतिष (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० वासुदेव, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६–३४ (परि० ३)।

ज्योतिष (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० केशवराम, शमशाबाद (आगरा)।→२६–३६८।

ज्योतिष (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० देवकीनंदन झम्मनलाल, श्री लक्ष्मीनारायण का मंदिर, कागारोल (आगरा)।→२६–४०२।

ज्योतिष (भाषा) (गद्यपद्य)—काशीदास कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवकंठ दूबे, देवदारुपुर (खीरी)।→२६–२२६।

ज्योतिष (भाषा) (पद्य)—शंकरदास (राव) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० शिवकुमार पांडेय, धाता (फतेहपुर)।→सं० ०१–४०१।

(ख) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—पं० प्रभुनाथ पांडेय, मऊ, डा० बेलवार (जौनपुर)।→सं० ०४–३७४ क।

(ग) लि० का० सं० १६४४।

प्रा—पं० भल्लू मिश्र, गौरहार।→०६–३२८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा०—पं० जदुनाथ चतुर्वेदी, बदली चौबे का पुरवा (मयास), डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं० ०४–३७४ ख।

ज्योतिष अष्टमभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२४। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० मवासीलाल शर्मा, अछनेरा (आगरा)।→२६–४००।

ज्योतिष और गोलाध्याय टीका (गद्य)—तामसन साहब कृत। र० का० सं० १८७६। मु० का० सं० १८७६। वि० भूगोल और खगोल का वर्णन।

प्रा०—श्री महावीर मिश्र, ठटा, डा० बीबीपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१–१३७।

ज्योतिष की लावनी (पद्य)—घनश्याम (व्यास) कृत। र० का० सं० १६२७। लि० का० सं० १६३६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेयी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६–१३५।

ज्योतिष चक्र (पद्य)—व्यासदेव कृत। लि० का० सं० १८६४। वि० ज्योतिष।

प्रा०—भैया महिपालसिंह, पयागपुर (बहराइच)।→२३–४४६।

ज्योतिष जन्म विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० कैलाशपति तैनगुरिया पुरोहित, बिजौली, डा० बाह (आगरा) ।
→२६-४०१ ।

ज्योतिष पद्धति (पद्य)—रामचंद्र कृत । र० का० सं० १८५८ । लि० का० सं० १८५८ ।
वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०-पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।
→२६-२८० ।

ज्योतिष रत्न (पद्य)—भवानीबख्शराय कृत । लि० का० सं० १६१३ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री माताभीख, पनासा, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→२०-१५ ।

ज्योतिषराज—(?)
प्रश्न विचार (गद्य)→२६-२१३ ।

ज्योतिष रासि दिन रजस्वला विचार (गद्यपद्य)—पतितदास कृत । र० का० सं० १६३१ ।
लि० का० सं० १६४८ । वि० स्त्री चिकित्सा आदि ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-३४६ जी ।

ज्योतिष लग्न प्रकाश→'ज्योतिष (भाषा)' (राव शंकरदास कृत) ।

ज्योतिश विचार (पद्य)—बुध (कवि) कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का६ सं० १८४० ।
प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र, गनेशपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-७३ ए ।
(ख) लि० का० सं० १८७० ।
प्रा०—पं० मनिया तिवारी, बैजैगाँव, डा० कमालपुर (सीतापुर) ।→२६-७३ सी ।
(ग) लि० का० सं० १६२७ ।
प्रा०—श्री गंगादीन मुराव, लक्ष्मणपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-७३ बी ।

ज्योतिष विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२३ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, खुरजा ।→१७-३३ (परि० ३) ।

ज्योतिष विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६-३६६ ।

ज्योतिष सार (गद्य)—केशवप्रसाद (दुबे) कृत । र० का० सं० १६३० । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० सं० १६३३ ।
प्रा०—लाला जयनारायण, नगलाराजा, डा० नौखेड़ा (एटा) ।→२६-१६३ डी ।
(ख) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—पं० शिव शर्मा, नगराधीर, डा० सराय अगत (एटा) ।→२६-१६३ ई ।
(ग) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—श्री रायलाल, रसुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६-२३० ए ।
(घ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० मनीलाल तिवारी गंगापुत्र, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६–२३० बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—पं० रामकुमार मिश्र, बसीठ, डा० कासगंज (एटा) ।→२६–१६३ सी ।

ज्योतिष सार (गद्य)—वृंदावन कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० मनिया मिश्र वैद्य, सुभानपुर (कानपुर) । वर्तमान पता—गंगापुर, डा० लहरपुर (सीतापुर) ।→२६–५०५ ।

ज्योतिष सार (भाषा) (पद्य)—कृपाराम कृत । र० का० सं० १७६२ । लि० का० सं० १६०६ । वि० संस्कृत 'लघुजातक' का अनुवाद ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–१८२ (विवरण अप्राप्त) ।

ज्योतिष सार नवीन संग्रह (गद्यपद्य)—चित्तरसिंह कृत । र० का० सं० १६१८ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० रामकृष्ण तिवारी, फफूँद (इटावा) ।→३५–१८ ।

ज्योतिस्सारावली (पद्य)—कान्ह (द्विज) कृत । र० का० सं० १६३५ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० रामबकस मिश्र, उदयीपुर, डा० पिलकिछा (जौनपुर) ।→ सं० ०४–२६ ।

ज्योनार (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह वर्मा, असराई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→ ३२–६६ सी ।

ज्योनार (पद्य)—दौलतराम कृत । र० का० सं० १६०५ । लि० का० सं० १६०५ । वि० राम लक्ष्मण आदि चारों भाइयों की जनकपुर में ज्योनार का वर्णन ।

प्रा०—पं० नारंगीलाल मिश्र, भदेसरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–५० ।

ज्वर चिकित्सा प्रकरण (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत । वि० नाम से स्पष्ट । (संस्कृत से अनूदित) ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–१२ सी ।

ज्वर विनाशन (पद्य)—जयरामदास कृत । लि० का० सं० १८८४ । वि० हनुमान जी की स्तुति से तिजारी बुखार का दूर होना ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१३० ।

ज्वरांकुश (पद्य)—झामदास कृत । वि० हनुमान की स्तुति ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१३४ ग, घ ।

(ख) प्रा—श्री रामकिशन मिश्र, ककरा, डा० हनुमानगंज (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–१३४ ङ ।

ज्वालानाथ—(?)

भक्त चरित्रावली (गद्य)→३२–१०२ ।

ज्वालाप्रसाद (मुंशी)—सिकंदराबाद (बुलंदशहर) निवासी। मुंशी लछमनस्वरूप के आश्रित।

रुद्रमालिनी (पद्य)→३८-७६।

झगड़ा संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णचंद्रावली, सोनारत्ती और सोने लोहे का झगड़ा।

प्रा०—श्री राम जी, असरोही, डा० करहल (मैनपुरी)।→३५-१७७।

झगरा राधाकृष्ण→'ढेकी' (सुवंश शुक्ल कृत)।

झामदास—अन्य नाम झामराम या रामदास। ब्राह्मण। विंध्याचल (मिरजापुर) निवासी। मांडा राजकुल के गुरु। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

ज्वरांकुश (पद्य)→सं० ०१-१३४ ग, घ, ङ।

पिंगल रामायण (पद्य)→२३-१६२; २६-२०८ ए, बी।

रामार्णव (पद्य)→०१-२१; २०-७२; सं० ०१-१३४ क, ख।

झामदास (बाबा)—क्षत्रिय। झामदासी पंथ के प्रवर्तक। रायबरेली जिला के निवासी। ये बाल्यकाल से ही विरक्त रहा करते थे, जिससे घर छोड़ कर जगेसरगंज (सुलतानपुर) के समीप के जंगल में तपस्या करने चले गए। वहीं कुटी स्थापित की जो झामदास बाबा की कुटी के नाम से प्रसिद्ध है। इनके स्थान पर इनके अन्य वंशज महंत होते आये हैं। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।

चरित्र प्रकाश (पद्य)→२३-१६१ ए।

राम शब्दावली (पद्य)→२३-१६१ बी; ३५-४७; सं० ०४-१३७।

झामराम→'झामदास' ('पिंगल रामायण' के रचयिता)।

झुनकलाल (जैन)—शिकोहाबाद (मैनपुरी) निवासी। सं० १८४३ के लगभग वर्तमान।

नेमिनाथजी के छंद (पद्य)→२६-१७६।

झूलणा (पद्य)—दीन कृत। वि० संसार को असार समझकर शिव से अनुराग करने का उपदेश।

प्रा०—पं० घूरेमल, राजेगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८-४३।

झूलना (पद्य)—अन्य नाम 'झूला'। कबीरदास कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।

(क) प्रा०—पं० बाँकेलाल शर्मा, कुंडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा)।→ २६-१७८ जे।

(ख) प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→ २६-१७८ के।

झूलना (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० सीताराम के झूलना खेलने का वर्णन।

प्रा०—श्री कपिलदेवप्रसाद, विश्रापार, डा० खलीलाबाद (बस्ती)। → सं० ०४-३६ क।

झूलना (पद्य)—जानकीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री जानकीदास, लालगंज बाजार (रायबरेली)।→सं० ०४-१२६।

झूलना (पद्य)—बलिराम कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत ब्रजलाल, जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६-१७।

झूलना (पद्य)—बोधीदास (बोधदास) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-३३।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२४२।

झूलना (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-२२५।

झूलना (पद्य)—सूर कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा सेवादास, गिरिधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ)। → सं० ०७-१६८।

झूलना (ककहरा) (पद्य)—अजबदास कृत। र० का० सं० १७३५ (लगभग)। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री रामेश्वरप्रसाद, टेवा (प्रतापगढ़)।→२६-५ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—बाबू अमीरचंद गुप्त, बी० डी० गुप्त ऐंड कं०, चौक बाजार, बहराइच।→ २३-६ ए।

(ग) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१।

(घ) लि० का० सं० १६५३।

प्रा०—पं० उमाकांत शुक्ल, हड़हा (बाराबंकी)।→२३-६ बी।

(ङ) लि० का० सं० १६६०।

प्रा०—ठा० जगदंबाबख्शसिंह, धनुहा, डा० तिलोई (रायबरेली)। → २६-५ बी।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३ क।

झूला→'झूलना' (कबीरदास कृत)।

झूला पचीसी (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १८७६। वि० राधाकृष्ण के झूला झूलने का वर्णन।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)। → १२-१३८ बी।

टहकन—चोपड़ा खत्री। जलालपुर (पंजाब) निवासी। कृष्ण भक्त। रंगीलदास के पुत्र। सं० १७२६ के लगभग वर्तमान।

अश्वमेध (भाषा) (पद्य)→पं० २२-११० ए, बी।

खो० सं० वि० ४८ (११०० ६४)

टिकारी राज्य का इतिहास (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, गया ।→२६-३५ (परि० ३) ।

टिकैतराय—सं० १६०० के लगभग वर्तमान ।
गाँजर की लड़ाई (पद्य)→२६–३२३ ।

टिकैतराय—अवध के किसी नवाब के मंत्री । बेनी कवि के आश्रयदाता । सं० १८४६–१८७४ के लगभग वर्तमान ।→०६–१४; १२–१६; २३–३८ ।

टिकैतराय प्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'अलंकार शिरोमणि' । बेनी (कवि) कृत । र० का० सं० १८४६ । वि० अलंकार ।
(क) लि० का० सं० १६४५ ।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–१४ ।
(ख) लि० का० सं० १६४५ ।
प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर) ।→सं० ०४–२४३ ख ।
(ग) प्रा०—ठा० मौलानाबख्शसिंह रईस, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी) ।→२३–३८ सी ।

टीकम (मुनि)—जैन । सं० १७०७ के लगभग वर्तमान ।
शीलशती नाम कीर्तन (पद्य)→दि० ३१–८८ ।

टीका (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महंत श्री राजकिशोर, रतसंड (बलिया) ।→४१–२६३ ग ।

टीका गीतगोविंद→'गीतगोविंदादर्श' (रायचंद्र नागर कृत) ।

टीकामनि—(?)
नवरस निरूपण (पद्य)→सं० ०७–६७ ।

टीकाराम—शाहजहाँपुर निवासी । खुशहालचंद बंदीजन के पुत्र । बिलग्राम (हरदोई) के रईस देवीबख्श कायस्थ के आश्रित । सं० १८५१ में वर्तमान ।
रसपयोधि (पद्य)→१२–१८८ ।

टीकाराम—(?)
वैद्य सिकंदरी (गद्य)→१२–१८७ ।

टीकाराम (अवस्थी)—भवानीप्रसाद के पुत्र ।
लघुजातक (भाषा) (पद्य)→२६–३२४ ।

टीपू सुलतान—दक्षिण भारत के प्रसिद्ध शासक । जन्म सं० १८०६ । राज्यकाल सं० १८३०–१८५६ तक । इनका यह नाम टीपूशाह नामक एक फकीर के नाम पर—जिनके हैदरअली (इनके पिता) बड़े भक्त थे—रखा गया था । श्रीरंगपत्तन के दुर्ग की रक्षा करते हुए सन् १७८६ ई० में इनकी मृत्यु हुई ।
मामूल अतिब्बा (गद्य)→४१–८७ ।

टेकचंद—जैन आचार्य। शाहिपुर के राजा उम्मेदसिंह के आश्रित। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।

व्रतकथा कोश (पद्य)→१७–१६३।

टेकचंद (जैन)—(?)

पंच परमेष्ठी की पूजा (पद्य)→३२–२१५।

टोडरमल—जयपुर निवासी जैन। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

आत्मानुशासन ग्रंथ की भाषा टीका (गद्यपद्य)→००–१३४; २६–४८२; सं० १०–४६ क, ख, ग, घ।

गोमटसार की सम्यक ज्ञानचंद्रिका नाम टीका (पद्य)→२३–४२६ ए; सं० १०–४६ ङ।

त्रिलोकसार (गद्यपद्य)→२३–४२६ बी; सं० ०७–६८ क।

मोक्षमार्ग प्रकाश (गद्य)→२३–४२६ बी; सं० ०७–६८ ख; सं० १०–४६ च, छ।

टोडरमल—खत्री। जन्म सं० १५५०। मृत्यु सं० १६४६। पहले शेरशाह के यहाँ ऊँचे पद पर थे। अनंतर अकबर के शासनकाल में भूमि कर विभाग के मंत्री हुए। इन्होंने शाही दफ्तरों में हिंदी के स्थान पर फारसी का प्रचार किया था।→०४–६।

टोडरमल संग्रह (पद्य)→३२–२१८।

टोडरमल—कायस्थ। सुवसुवा (जयपुर राज्य) के निवासी। जयपुर नरेश महाराज जगतसिंह के आश्रित। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।

दंपति प्रत्युत्तर (पद्य)→सं० ०१–१३५।

टोडरमल (मल्ल कवि)—कंपिला निवासी।

रसचंद्रिका (पद्य)→१७–१६४।

टोडरमल संग्रह (पद्य)—टोडरमल कृत रचनाओं का संग्रह। वि० नीति और राधाकृष्ण का प्रेम आदि।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२–२१८।

टोडरशाह—जिनदास पांडे के आश्रयदाता। दीपासाहु के पिता।→सं० ०४–१३२।

टोडरानंद—(?)

टोडरानंद वैद्यक (गद्य)→४१–८८।

टोडरानंद वैद्यक (गद्य)—टोडरानंद कृत। लि० का० सं० १७३७।

प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणीवितान भवन, ब्रह्मनाल, वाराणसी।→४१–८८।

टोडाराम—गढ़ी पुरूसोत्ती (मथुरा) के निवासी।

श्रीकृष्ण पद (पद्य)→३२–२१७।

ठाकुर (कवि)—कायस्थ। वास्तविक नाम ठाकुरदास। ओड़छा निवासी। गुलाबराय

के पुत्र। जन्म संभवतः सं० १८२३। मृत्यु सं० १८८० के लगभग। इतिहास में ये तीसरे ठाकुर के नाम से प्रसिद्ध हैं।

कवित्त फुटकर (पद्य)→३२–२१६।

कूट कवित्त (पद्य)→२३–४२६।

ठाकुर शतक (पद्य)→०५–६८; २०–१६३।

ठाकुर (कवि)—असनी (फतहपुर) निवासी। ऋषिनाथ के पुत्र। धनीराम के पिता और सेवकराम तथा शंकर कवि के पितामह। काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनंदनसिंह के आश्रित। सं० १८६०–१८६१ के लगभग वर्तमान। ये इतिहास में असनीवाले दूसरे ठाकुर के नाम से प्रसिद्ध हैं।→०६–२८६; २६–१०३।

सतसैया बरनार्थ (गद्य)→०४–१८; २६–४७८।

ठाकुर (कवि)—(?)

महाभारत (कर्णार्जुन युद्ध) (पद्य)→४१–८६।

ठाकुर के कवित्तों का संग्रह→'ठाकुर शतक' (ठाकुर कवि कृति)।

ठाकुर की घोड़ी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की घोड़ी का वर्णन।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर। →१७–१०० (परि० ३)।

ठाकुरदास—(?)

रुक्मिणी मंगल (पद्य)→०६–३३७।

ठाकुरदास→ ठाकुर (कवि)' (ओछड़ा निवासी कायस्थ)।

ठाकुरदास (ठाकुर)—संभवतः ग्रंथ स्वामी पं० जगन्नाथ मिश्र (गौसपुर, जि० आजमगढ़) के पूर्वज।

ज्ञानगीता (पद्य)→४१–६० ख।

शब्द सतगुरु के (पद्य)→४१–६० क।

ठाकुरप्रसाद (पंडित)—(?)

तिब्ब रत्नाकर (गद्य)→२६ ४७६।

ठाकुर शतक (पद्य)—अन्य नाम 'ठाकुर के कवित्तों का संग्रह'। ठाकुर (कवि) कृत। वि० श्रृंगार।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–६८।

(ख) प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, रामघाट (बुलंदशहर)। अन्य पता–कामदकुंज, अयोध्या।→२०–१६३।

डंगवे पुराण (पद्य)—अन्य नाम 'डंगी' या 'डंगवे कथा'। भीम कृत। र० का० सं० १५५०। वि० महाभारत के अंतर्गत डंगवे कथा का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७७७।

प्रा०—श्री रामअनंद तिवारी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद)। →
सं० ०१–२५८।

(ख) लि० का० सं० १८३७।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद त्रिपाठी, दोस्तपुर (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२६२।

डंगी या डंगवे कथा→'डंगवे पुराण' (भीम कृत)।

डंगौ पर्व (पद्य)—बलवीर कृत। र० का० सं० १६०८। लि० का० सं० १६४६।
वि० महाभारत की कथा।

प्रा०—लाला लक्ष्मीनारायण, चौंदिया, डा० करछना (इलाहाबाद)। →
१७–१३।

डालचंद (राजा)—राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के प्रपितामह। मुर्शिदाबाद के
निवासी। रायचंद्र नागर और मथुरानाथ शुक्ल के आश्रयदाता। सं० १८३१
के लगभग वर्तमान।→०६–१६५; ०६–२३६; १७–१६३।

डालूराम—अग्रवाल जैन। माधवराजापुर के निवासी। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।
पंच परमेष्ठी पूजा (पद्य)→२३–८३।

डूँगरलाल—(?)
गोपीचंद का ख्याल (पद्य)→२६–११०।

डूँगरसी (साधु)—पुरपट्टन निवासी एक साधु। संभवतः सं० १८१७ में वर्तमान।
लालदास की कथा (पद्य)→सं० ०१–१३६।

डोंगरसिंह—गोपालगढ़ (ग्वालियर) के राजा। विष्णुदास के आश्रयदाता। सं० १४६२
के लगभग वर्तमान।→०६–२४८।

ढाढियादान (पद्य)—जैकृष्णदास कृत। वि० कृष्ण जन्मोत्सव पर ढाढी का दान
माँगना।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१३३।

ढेक चरित्र (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। र० का० सं० १६००। वि० ढेक नामक खेल
का वर्णन।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)। →१७–१७५;
सं० ०४–३८८।

ढेकी (पद्य)—अन्य नाम 'झगरा राधाकृष्ण'। सुवंश (शुक्ल) कृत। वि० कृष्ण
गोपियों का विहार और ढेकी नामक खेल का वर्णन।

(क) लि० का सं० १६४२।

प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, बरडेह, डा० खैरीघाट (बहराइच)।→२३–४२२ ए।

(ख) लि० का० सं० १६४६।

प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर।→०२–१०७।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४१६ ख।

ढोला (मूल) (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १६२५ । वि० ढोला मारू की कथा ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी, दतिया ।→०६–७६ क्यू ।

ढोला मारवणी चउपही→'ढोलामारू रा दूहा' (कुशललाभ कृत) ।

ढोलामारू रा दूहा (पद्य)—अन्य नाम 'ढोला मारवणी चउपही' । कुशललाभ कृत । र० का० सं० १६१६ । वि० ढोला और मारू की प्रेम कहानी ।

(क) लि० का० सं० १६६६ ।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–६६ ।

(ख) लि० का० सं० १७३१ ।

प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२–२३३ ।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–५६ ।

टि० प्रस्तुत पुस्तक को खोजविवरणों में भूल से किलोल कृत, यादवराय कृत और हरराज कृत माना गया है ।

तंत्रमंत्र जंत्रावली (पद्य)—पतितदास कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० इंद्रजाल ।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लापुर (सीतापुर) ।→२६–३४६ एम ।

तंत्रसामुद्रिक टीका (पद्य)—रामफल कृत । मु० का० सं० १६१७ । वि० सामुद्रिक ।

प्रा०—श्री रग्घू उपाध्याय, विवैया, डा० फूलपुर (इलाहाबाद) । → सं० ०१–३५१ ।

तखतसिंह—जोधपुर नरेश । सं० १६०० में सिंहासनासीन । महाराज मानसिंह के निस्संतान मरने पर इनको अहमदनगर (गुजरात) से लाकर जोधपुर की गद्दी पर बैठाया गया था । शंभुदत्त जोशी के आश्रयदाता ।→०२–३६ ।

तखतसिंहजी की ख्यात (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाराज तख्तसिंह (?) का यश वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–३७३ ।

तत्वउपदेश (पोथी ज्ञानगोष्ठी) (पद्य)—ताराचंद कृत । लि० का० सं० १८१२ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री ब्रह्मदत्त पांडे कनेरी, डा० फूलपुर (आजमगढ़) ।→सं० ०१–१३६ ।

तत्व गुन भेद (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५–१०० एफ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७० ग ।

तत्व चिंतामणि (पद्य)—माधवदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२८५ ।

तत्व जोग नामोपनिषद् (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० योग क्रिया द्वारा मुक्ति प्राप्ति का वर्णन।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल, गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८–२५ एच।

तत्वज्ञान की बारहमासो (पद्य)—द्वारिकादास (जन) कृत। र० का० सं० १६३१। वि० वेदांत।
(क) लि० का० सं० १६३१।
प्रा०—बाबा रामदास, दहीनगर, डा० टेढ़ा (उन्नाव)।→२६–६५ ए।
(ख) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—बाबा मनोहरदास, दकरोर डा० मवई (उन्नाव)।→२६–११५ ए।
(ग) लि० का० सं० १६३४।
प्रा०—पं० रामदयाल दूबे, नगरा बग्गा, डा० जैथरा (एटा)।→२६–६५ सी।
(घ) लि० का० सं० १६३५।
प्रा०—श्री रामदुलारे पाठक, तरौना (उन्नाव)।→२६–११५ बी।
(ङ) लि० का० सं० १६३७।
प्रा०—ठा० भैरवसिंह राठौर, गंगापुर, डा० बारहद्वारी (एटा)। → २६–६५ बी।

तत्वज्ञान तरंगिणी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्मानुसार तत्वज्ञान का वर्णन।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४–४६१।

तत्व निर्णय (ततनिरणौं) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० ब्रह्मतत्व का निरूपण।
प्रा०—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६६ ज।

तत्वबोध (पद्य)—भागवतदास कृत। वि० आत्मा परमात्मा का दार्शनिक विचार।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शन भवन, प्रयाग।→४१–१७३ ङ।

तत्वबोध (पद्य)—सर्वसुखशरण कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य, भक्ति।
(क) लि० का० सं० १६०३।
प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६–२८४।
(ख) लि० का० सं १६०३।
प्रा० – सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१७० बी।

तत्वबोध टीका (गद्य)—परमानंद कृत। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—महानंद पांडेय, पंडित का पुरा (गढ़वा), डा० हँडिया (इलाहाबाद)। →सं० ०१–२०१ ख।

तत्वबोध नामाँ प्रकर्ण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० केदारनाथ संस्कृताध्यापक, सनातन धर्म स्कूल, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१५८।

तत्व मुक्तावली (गद्यपद्य)—सितकंठ कृत। र० का० सं० १७२७। लि० का० सं० १६२६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० वचनेश मिश्र, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→०६-२६१।

तत्वरत्न दीपक (पद्य)—गोमतीगिरि (परमहंस) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० आत्मज्ञान।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-१४५।

तत्वविवेक (गद्य)—शंकराचार्य कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४०७ क।

तत्वसंज्ञा (पद्य)—चंदन (कवि) कृत। वि० योग।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ।→०१-२६।

(ख) प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, अनूपशहर (बुलंदशहर)।→१७-३७।

तत्वसार (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० भक्ति तथा ज्ञानोपपदेश।

प्रा०—महंत अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७-३४ घ।

तत्वसार (ग्रंथ) (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८५०। लि० का० सं० १८६६। वि० तत्वज्ञान (प्रश्नोत्तर रूप में)।

प्रा०—बाबा परागसरनदास, उजेहनी, फतेहपुर (रायबरेली)।→३५-१४ एल।

तत्वसार दोहावली (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १६५६। वि० वेदांत।

प्रा०—श्री गुरुप्रसाददास, रमई (रायबरेली)।→२६-१६५ सी।

तत्व स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० स्वर द्वारा भविष्य ज्ञान।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद पंडा, पृथ्वीपुरा, डा० किरावली (आगरा)। → ३२-१०३ बी।

तत्वार्थ प्रदीप→'युक्ति रामायण' (धनीराम कृत)।

तत्वार्थ सूत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६५६। वि० जैन धर्मानुसार तत्वज्ञान।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७-२३१।

तत्वार्थ सूत्र की टीका या देशभाषा मय टिप्पणी (गद्य)—सदासुख (जैन) कृत। र० का० सं० १६१०। वि० जैन दर्शन।

(क) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२७ घ ।

(ख) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२७ क ।

(ग) लि० का० सं० १६४४ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२७ ग ।

(घ) लि० का० सं० १६८४ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१२७ ख ।

तत्वार्थाधिगम मोक्ष शास्त्र (गद्य)—ऊमा स्वामी (आचार्य) कृत । वि० जैन तत्वज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १८४६ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०७–१० ख ।

(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०७–१० क ।

तत्वार्थाधिगमे मोक्ष शास्त्र (गद्य)—जैवंत (पांडे) द्वारा अनूदित । लि० का० सं० १८६८ । वि० जैन तत्व ज्ञान ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०७–६५ ।

तनसुख (लाला) –चौबे नरसिंहसहाय के आश्रित । सं० १६२० के लगभग वर्तमान । शालिहोत्र→पं० २२–१११ ।

तप कल्याणक (पद्य)—रूपचंद (जन) कृत । वि० जिनदेव के तप करने का वर्णन ।

प्रा०—पं० भागवतप्रसाद, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा) ।→३८–१२८ सी ।

तमाचा (पद्य)—भगवान कृत । वि० हनुमान जी के तमाचे की महत्ता ।

प्रा०—श्री दुर्गादास साधु, हाजीगुर्ज, डा० नगराम पूरब (लखनऊ) । → २६–३४ बी ।

तमाल मद्य भांग मांसाना निषेध (पद्य)—ज्ञानदास कृत । लि० का० सं० १८७८ । वि० मादक द्रव्यों का निषेध ।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग ।→४१–८६ ।

तमीम अनसारी की कथा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १७०२ । लि० का० सं० १७७७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ न ।

तरंग भेष मालिन (पद्य)—अन्य नाम 'चौबोला' । प्राणसुख कृत । र० का० सं० १८५७ । वि० कृष्ण लीला ।

प्रा०—श्री द्वारिकाप्रसाद शुक्ल 'शंकर' (अवकाश प्राप्त न्यायाधीश), प्रभुटाउन, रायबरेली ।→सं० ०४–२२० ।

तरंगलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ एल ।

तर्क चिंतामणि (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि० भक्ति की महिमा ।

(क) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–२११ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२८७ ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६३ भ ।

तर्क प्रकाश (भाषा) (गद्यपद्य)—सरदार (कवि) कृत । र० का० सं० १९०९ । वि० तर्क संग्रह का अनुवाद ।

प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१–४४१ क ।

तवल्लुद (पद्य)—हमीदउद्दीन (काजी) कृत । वि० मुहम्मद साहब का जीवन चरित्र ।

प्रा०—मियाँ अब्दुलशकूर, पाइकनगर (प्रतापगढ़) ।→२६–१६४ ।

ताजिकसार (भाषा) (पद्य)—छाजूराम (द्विवेदी) कृत । र० का० सं० १७६२ । लि० का० सं० १७६२ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२–४३ ।

तानसेन—वास्तविक नाम त्रिलोचन पांडे । मकरंद पांडे के पुत्र । ग्वालियर निवासी । स्वामी हरदास से पिंगल शास्त्र एवं संगीत विद्या सीखी । शेख गौस मुहम्मद से भी संगीत विद्या प्राप्त की । पहले शेरखाँ (शेरशाह) के पुत्र दौलत खाँ के आश्रित रहे । अनंतर रीवाँ नरेश महाराज रामसिंह के आश्रित । सम्राट अकबर के आश्रयकाल में महान भारतीय संगीताचार्य की ख्याति से विभूषित हुए । सं० १६१७ में वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' नामक ग्रंथ में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२–५७ (चौबीस) ।

रागमाला (पद्य)→०२–४१ ।

संगीत सार (पद्य)→०१–१२ ।

तापा (तापन)—(?)

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)→३८–१५१ ।

तामरूप दीप पिंगल→'छंदसार' (जयकृष्ण कृत) ।

तामसन साहब—संभवतः कोई अंग्रेज । सं० १८७९ के लगभग वर्तमान ।

ज्योतिष और गोलाध्याय (टीका) (गद्य)→सं० ०१–१३७ ।

तारक तत्व—उत्तमचंद्र (भंडारी) कृत ।→०१–६६ (दो); ०२–१८ (दो) ।

तारतम्य (गद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति, कृष्णावतार तथा उनकी लीलाएँ ।

(क) प्रा०—बाबा राममनोहर विचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी, डा० मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६-३४६ जी ।

(ख) प्रा०—मुंशी वंशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ) । → २६-२६६ डी ।

(ग) प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ६३५ कूचाशरीफबेग, मुक्ताराम जी का मंदिर, दिल्ली ।→दि० ३१-६५ सी ।

तारपाणि—

भागीरथी लीला (पद्य)→०६-३३६ ।

ताराचंद—अन्य नाम चेतनिचंद । कान्यकुब्ज ब्राह्मण । गोपीनाथ के पुत्र । इंद्रजीत, लक्ष्मण और जदुराई इनके भाई थे । राजा शुभकरन के पुत्र । कुशलसिंह के आश्रित । सत्रहवीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान ।

शालिहोत्र (पद्य)→०६-४६; २३-७७ ए, बी; २६-८० ए, बी; २६-६६; ३२-२१४ ए, बी; ४१-४६६ (अप्र०); सं० ०१-१३८ क, ख ।

ताराचंद—कायस्थ । पितंबर के पुत्र । रामचंद्र के शिष्य । मूल स्थान भोजपुर । जन्म स्थान बराहिमनगर, जहाँ खेड़वाल शासन था ।

तत्व उपदेश (पोथी ज्ञानगोष्ठी) (पद्य)→सं० ०१-१३६ ।

ताराचंदराव (भाट)—(?)

ब्रजचंद्रिका (पद्य)→१७-६२ ।

तारानाथ—नरहरि (संभवतः सुप्रसिद्ध कवि नरहरि महापात्र) के वंशज । जयपुर के महाराजा रामसिंह (राज्यकाल सं० १७२३-३२) के आश्रित ।

रागमाला (पद्य)→सं० ०४-१३८ ।

तारा विजय (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १६०८ । लि० का० सं० १६०८ । वि० शुंभ निशुंभ के साथ भगवती का युद्ध ।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरा संसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती) ।→ सं० ०४-३७८ घ ।

तालिया (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०२ । वि० फलित ज्योतिषानुसार राशियों का फलाफल ।

प्रा०—पं० रंगनाथ दूबे, मोहब्बतपुर, डा० सादियाबाद (गाजीपुर) । → सं० ०७-२३२ ।

ताहिर—वास्तविक नाम अहमद (?) । आगरा निवासी । गुरु का नाम अहमद । बादशाह जहाँगीर के समकालीन । सं० १६५५-७८ के लभभग वर्तमान ।

अद्भुत विलास (पद्य)→सं० ०१-१४० क; सं० ०४-१४० ।

कोकशास्त्र (पद्य)→सं० ०४-१३६ क ।

गुणसागर (कोकसार) (पद्य)→०६–३३५; ०६–३१६; २०–२ ए, बी; सं० ०४–१३६ ख, ग।

मुक्ति विलास (हठ प्रदीपिका) (पद्य)→सं० ०१–१४० ख।

रसविनोद (गद्यपद्य)→२३–५; ४१–४७३ (अप्र०)।

सामुद्रिक (पद्य)→१७–२।

तिथि जोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० तिथियों का दार्शनिक वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६६ झ।

तिथि निर्णय (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १९२३। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के अनुसार तिथियों का निर्णय।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०९–२३१ डी।

तिथि प्रबंध (पद्य)—गंगादास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–७० क।

तिथि लीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० तिथियों का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—सेठ रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→ ३५–७४ जे।

तिब्ब अहसानी (गद्य)—वंशीधर (पंडित) कृत। लि० का० सं० १९५०। वि० यूनानी चिकित्सा।

प्रा०—श्री भोलानाथ त्रिपाठी, मलकिया, डा० झींगुर (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–३६१ क।

तिब्ब रत्नाकर (गद्य)—ठाकुप्रसाद (पंडित) कृत। लि० का० सं० १९४३। वि० यूनानी चिकित्सा।

प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र, रतनपुर, डा० अलीगंज (खीरी)।→२६–४७९।

तिब्ब सहाबी (पद्य)—मलूकचंद कृत। वि० वैद्यक (फारसी ग्रंथ का अनुवाद)।→ पं० २२–६३।

तिमिर दीप (पद्य)—अन्य नाम 'तिमिर प्रदीपिका'। श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७९८। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १९१२।

प्रा०—पं० दयाशंकर पाठक, मंडी रामदास, मथुरा।→१७–१८०।

(ख) लि० का० सं० १९१३।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदर, कटरा, सीतापुर।→१२–१७८।

(ग) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६८।

तिमिर प्रदीपिका →'तिमिर दीप' (श्रीकृष्ण मिश्र कृत)।

तिरजा टीका (पद्य)—परिपूरनदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश (कबीर के शब्द, हिंडोला और साखी की टीका)।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–२२३।

तिरजा की साखी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० प्रकृति और ब्रह्म आदि का विवेचन।
प्रा०—श्री बालमुकुंद मुराव, रायपुर, डा० बेनहड़ा (बहराइच)।→२३–१६८ ओ।

तिल शतक (पद्य)—अन्य नाम 'तिलसत'। जुगतराय (जगतानंद) कृत। वि० शरीर के तिलों की शोभा का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, रायपुर सासन, डा० तौरा (उन्नाव)।→२६–२१२।
(ख) प्रा० –श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, मथुरा।→३२–६३।
(ग)→पं० २२–५०।

तिल सत→'तिल शतक' (जुगतराय कृत)।

तिलोक—वास्तविक नाम त्रिलोकदास। सेवक जाति के कवि। मेड़ता (मारवाड़) निवासी। सं० १७२६ के लगभग वर्तमान।
भजनावली (पद्य)→०६–३२०।
मान बत्तीसी (पद्य)→०२–६७; ४१–४६६ (अप्र०)।

तिलोक (सुनार)→'ग्याँनतिलोक' ('पद' के रचयिता)।

तिलोचन—विष्णु स्वामी संप्रदाय के अनुयायी। सुप्रसिद्ध संत नामदेव के गुरुभाई। ज्ञानदेव के शिष्य। जाति के महाजन।→सं० १०–७३।
पद (पद्य)→सं० ०७–१६; सं० १०–५०।

तिलोचनजी को परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्त तिलोचन जी का परिचय।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३ ख।

तीजा की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० सं० १७३०। वि० हरतालिका व्रत।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–६४ ए।

तीनों स्वरूपों की वृत्तक (पद्य)—प्राणनाथ कृत। र० का० सं० १८५२। वि० धामी संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–३४६ एच।

तीरंदाजी रिसाला (गद्य)—मुहम्मदफाजिल (ख्वाजा) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० धनुर्विद्या।
प्रा०—पं० कैलाशनारायण चतुर्वेदी, नगरा पाईसा, मथुरा।→३८–६५।

तीरथ के पंडा (पद्य)—अहलाददास जवाहिरदास और गिरवरदास कृत। र० का० सं० १८७६–१८८४। लि० का० सं० १६२२। वि० तीर्थ यात्रा वर्णन।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बस्ती)। →सं० ०४–११६।

तीर्थंकर राजमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६–५१५।

तीर्थ महात्म्य(पद्य)—रामदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० तीर्थों की महिमा।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६–३८०।

तीर्थयात्रा (पद्य)—रामचरणदास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० तीर्थ माहात्म्य।
प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या।→०६–२४५ एल।

तीर्थराज—शाक द्वीपी ब्राह्मण। अलीपुर (बुंदेलखंड) के राजा अचलसिंह के आश्रित। पं० महावीरप्रसाद द्विवेदी के अनुसार डौड़ियाखेरा के मर्दनसिंह के आश्रित। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान।
समरसार (पद्य)→०६–११५; २०–१६४ ए, बी; २३–४२८; २६–४८१ ए, बी, सी, डी; दि० ३१–८६।

तीर्थराज→'प्रयागीलाल' ('रसानुराग' के रचयिता)।

तीर्थानंद (ग्रंथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत०। र० का० सं० १८१० वि० ब्रजयात्रा वर्णन।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२३।

तीसाचक्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२२। वि० भगवत प्राप्ति के उपाय।
प्रा०—महंत रामचरित्तर भगत, मठिया मनिअर, डा० मनिअर (बलिया)। →४१–३७४।

तीसाजंत्र (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० अध्यात्म।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ के।

तीसायंत्र (पद्य)—तुलसी कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० संतमतानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४–१४७।

तुकाराम—गुजरात निवासी।
शिव स्तुति (पद्य)→३८–१५२।

तुरसी—कोई कबीरपंथी संत।
नवधाभक्ति विधान (पद्य)→सं० ०४–१४१।

तुरसीदास (निरंजनी)—उप० जनतुरसी। लालदास के शिष्य। संभवतः गुसाईं। सं० १७४५ के पूर्व वर्तमान। इनके पंथ की गद्दी शेरपुर (राजस्थान) में है।

करणीसार जोग ग्रंथ (पद्य)→३५–१०० सी; सं० ०७–७० क।

चौखरी ग्रंथ (पद्य)→३५–१०० बी; सं० ०७–७० ख।

तत्व गुन भेद जोग ग्रंथ (पद्य)→३५–१०० एफ; सं० ०७–७० ग।

तुरसीदास की वाणी (पद्य)→३५–१०० ई, जी; ४१–६१।

पद (पद्य)→३५–१०० ए; सं० ०७–७० घ।

साखी (पद्य)→सं० ०७–७० ङ; सं० १०–५१।

साधु सुलक्षण जोग ग्रंथ (पद्य)→३५–१०० डी; सं० ०७–७० च।

तुरसीदास की वाणी (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत। वि० निर्गुण उपदेश।

(क) लि० का० सं० १७४५।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, मंदिर गोकुलनाथ जी का, गोकुल (मथुरा)।→ ३५–१०० जी।

(ख) लि० का० सं० १८३८।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–१०० ई।

(ग) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–६१।

टि० खो० वि० ३५–१०० जी की प्रति का नाम अनुमित है।

तुरसी बानी→'तुरसीदास की वाणी' (तुरसीदास निरंजनी कृत)।

तुलसी—राज्यपुर (बुंदेलखंड ?) निवासी।

हनुमान टीका (पद्य)→२३–४३१; सं० ०४–१४५।

तुलसी—सं० १६०३ के पूर्व वर्तमान।

तंसायंत्र (पद्य)→सं० ०४–१४७।

तुलसी (जन)—'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–६४ (तेरह)।

तुलसी कुंडलिया (पद्य)—तुलसी साहब कृत। वि० आपापंथ के सतगुरु की महिमा तथा सुरति ज्ञान का प्रतिपादन।

प्रा०—श्री धर्मपाल बौहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा)।→३२–२२२ ई।

तुलसी चरित्र (पद्य)—दासान्यदास कृत। वि० गो० तुलसीदास जी का जीवन चरित्र।

(क) लि० का० सं० १६१६।

प्रा० - पं० मूलचंद तिवारी, झझर, डा० विसवाँ (सीतापुर)।→२६–८६ ए।

(ख) लि० का० सं० १६२१।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह रईस, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–८४।

(ग) प्रा०—महाराजा श्री प्रकाशसिंह, राज्य मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६–८६ बी।

तुलसी चरित्र (पद्य)—रघुवरसिंह कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६५५। वि० गो० तुलसीदास जी का जीवन चरित्र।
प्रा०—ठा० हरशरणसिंह, सरायअली, डा० केसरगंज (बहराइच)।→२३–३३५ बी।

तुलसी चिंतामणि (पद्य)—हरिजन कृत। र० का० सं० १६०३। वि० रामकथा।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–४८।

तुलसीदास—सं० १६०६ के लगभग वर्तमान। कोई निर्गुण मतानुयायी संत।
ज्ञानदीपिका (पद्य)→०५–२१; ०६–३३८ बी; २३–४३२ डब्ल्यू; २६–३२५ एल,[3] एम[3]।
तुलसीदास की बानी (पद्य)→०६–३२३ आई; सं० ०१–१४२ क, ख।
तुलसी शब्दादि प्रकाश (पद्य)→सं० ०४–१४३ क, ख, ग।
भगवद गीता (भाषा) (पद्य)→०६–३३८ ए।
रत्नसागर ज्योतिष (पद्य)→०३–३०; सं० ०१–१४२ ग; सं० ०४–१४३ घ।

तुलसीदास—संत। संभवतः हाथरस वाले तुलसी साहब।
पदुमसागर (पद्य)→सं० ०७–७३।

तुलसीदास—राज्यपुर (बुंदेलखंड) के निवासी।
हनुमान अष्टक (पद्य)→३८–१५३ ए, बी।
हनुमान विनय (पद्य)→दि० ३१–६१; ३८–१५३ बी।

तुलसीदास—सं० १७११ के लगभग वर्तमान।
रस कल्लोल (पद्य)→०६–३३६ ए।
रस भूषण (पद्य)→०६–३३६ बी।

तुलसीदास—सं० १६३१ के पूर्व वर्तमान।
मोहमुग्दर (गद्यपद्य)→सं० ०४–१४४।

तुलसीदास—संभवतः ब्रज निवासी।
मल्ल अखारौ (पद्य)→३५–१०१।

तुलसीदास—(?)
अंकावली (पद्य)→०६–३२३ ए।
आरती (पद्य)→२०–१६६ सी।
उपदेश दोहा (पद्य)→०६–३२३ जे; पं० २२–११२ एफ।
छंदावली रामायण (पद्य)→०३–८२; २३–४३२ ई, एफ।
छप्पय रामायण (पद्य)→०६–२५५ एच; २३–४३२ जी।
त्रिदेव स्तुति (पद्य)→२६–३२५ के[3]।
दोहावली सतसई (पद्य)→२०–१६८ बी; २३–४३२ बी[3]।
धर्मराय की गीता (पद्य)→२६–४८४ एन।

ध्रुव प्रश्नावली (पद्य)→०६–३२३ एन।
पदावली रामायण (पद्य)→०६–३२३ जी।
बजरंगबान (पद्य)→२६–४८४ एच।
बाहुसवाँग (पद्य)→०३–१३।
भँवरगीता (पद्य)→२३–४३२ डी।
रामचंद्र की बारहमासी (पद्य)→२६–३२५ आई।
रामजी स्तोत्र (पद्य)→२६–३२५ जे[3]।
राममंगल (पद्य)→३२–२२१ बी।
राममंत्र मुक्तावली (पद्य)→०३–६७; १७–१६६ ए; २३–४३२ एम[2], एन[2]।
रामायण (लवकुशकांड) (पद्य)→२६–३२५ एन[2], ओ[2]।
विजय दोहावली (पद्य)→२६–४८४ डब्ल्यू[1], एक्स[1]; २६–३२५ एक्स[2]; दि० ३१–६०।
शिवरीमंगल (पद्य)→३२–२२१ डी।
संकटमोचन (पद्य)→२६–४८४ आर[1]।
सत्तभक्त उपदेश (पद्य)→२६–४८४ एस[1]।
साखी (गोसाँईं तुलसीदास की) (पद्य)→२३–४३२ टी[2]।
सूरज पुराण (पद्य)→०६–३२३ एम; १७–१६७; २०–१६६ ए, बी; २३–४३२ डब्ल्यू[2], एक्स[2], वाई[2], जेड[2]; २६–४८५ बी से आई तक; दि० ३१–६२।
हनुमतपंचक (पद्य)→२३–४३२ बी।
हनुमानचालीसा (पद्य)→पं० २२–११२ सी; २६–४८४ एक्स, वाई; २६–३२ वाई;[2] ३२–२२१ ए।
हनुमानत्रिभंगी छंद (पद्य)→२६–३२५ एच[3]।
हनुमान साठिक (पद्य)→२६–४८४ आई, डब्ल्यू, जेड।
हनुमान स्तोत्र (पद्य)→२६–४८४ ए[1]।
टि० उपर्युक्त ग्रंथों के रचयिताओं के विषय में विशेष जानकारी न होने के कारण सभी ग्रंथ किसी संदिग्ध 'तुलसीदास (?)' कृत मान लिये गए हैं।

तुलसीदास—(?)
ज्ञान बारामासा (पद्य)→सं० ०१–१४३ क, ख।
रामजन्म (पद्य)→सं० ०१–१४३ ग।

तुलसीदास—(?)
हजारा (पद्य)→सं० ०४–१४६।

तुलसीदास—(?)
शालिग्राम माहात्म्य (पद्य)→सं० ०४–१४८।

तुलसीदास—(?)
रामचंद्र औतार (पद्य)→३८–१५४।

तुलसीदास—(?)

विज्ञानगीता (पद्य)→सं० १०–५३ ।

तुलसीदास→'तुलसी साहब' (हाथरस निवासी आपापंथी साधु) ।

तुलसीदास (गोस्वामी)—सुप्रसिद्ध महात्मा और भारतीय संस्कृति के अप्रतिम कवि । जन्म सं० १५८६ । मृत्यु सं० १६८० । राजापुर (बाँदा) निवासी । पिता का नाम आत्माराम दूबे और माता का नाम हुलसी । स्वामी रामानंद जी की शिष्य परंपरा के वैष्णव । काशी के शेष सनातन जी के शिष्य । बाबा बेनीमाधवदास के गुरु ।

कवितावली (पद्य)→०३–१२५; २०–१६८ एफ; २३–४३२ वाई, जेड, ए[२], बी[२]; २६–४८४ डी[१], ई[१], एफ[१]; २६–३२५ आर[२]; ४१–५०० क (अप्र०) ।

कृष्ण गीतावली (पद्य)→०४–१०७; ०६–३२३ ई; २०–१६८ जी; पं० २२–११२ डी; २३–४३२ सी[२]; २६–४८४ एच[१]; २६–३२५ टी[२], यू[२], वी[२] ।

गीतावली (पद्य)→०४–६०; १७–१६६ ई; २०–१६८ आई; पं० २२–११२ बी; २३–४३२ के से पी तक; २६–४८४ आर, एस; २६–३२५ एस[२]; ४१–५०० ख (अप्र०) ।

जानकीमंगल (पद्य)→०३–७६; ०६–२४५ एफ; १७–१६६ सी; २०–१६८ ई; २३–४३२ एक्स; २६–४८४ बी[१], सी[१], टी[१]; २६–२२५ बी[3], सी[3], सं० ०४–१४२ क; सं० १०–५२ क ।

तुलसीसतसई (पद्य)→०६–२४५ सी; २३–४३२ ए[3]; ३२–२२१ सी, सं० ०१–१४१ च ।

दोहावली (पद्य)→०४–६१; ०६–३२३ बी; २०–१६८ सी; पं० २२–११२ ए; २३–४३२ एच, आई, जे; २६–४८४ ओ, पी, क्यू; २६–३२५ डब्ल्यू[२] ।

पार्वतीमंगल (पद्य)→०३–१२७; ०६–३२३ एफ ।

बरवै रामायण (पद्य)→०३–८०; ०६–२४५ ए; १७–१६६ बी; २३–४३२ ए, बी, सी; २६–४८४ एम ।

रामचरितमानस (पूर्ण) (पद्य)→००–१; १७–१६६ डी; ४१–५०० ङ (अप्र०); सं० ०१–१४१ घ, ङ ।

(खंडित)→२६–४८४ ओ[१], पी[१]; सं० ०१–१४१ ग ।

(बालकांड)→०१–२२; २०–१६८ ए; २३–४३२ ओ[२], डी[3]; २६–४८४ जे, के, एल; २६–३२५ ए से एफ तक; ४१–५०० घ, ज (अप्र०); सं० ०१–१४१ क; सं० १०–५२ ख, ग ।

(अयोध्याकांड)→०१–२८; २६–४८४ बी से एफ तक; २६–३२५ जी से जे तक; ४१–५०० च (अप्र०); सं० ०१–१४१ ख; सं० १०–५२ घ, ङ ।

(अरण्यकांड)→२६–४८४ ए; २०–३२५ के से पी तक; सं० १०–५२ च, छ, ज ।

(किष्किंधाकांड)→२३–४३२ पी[२], क्यू[२] ; २६–४८४ जी[१] ; २६–३२५ क्यू से

डब्ल्यू तक; सं० १०–५२ झ, ञ, ट।

(सुंदरकांड)→२६–४८४ यू[1] ; २६–३२५ एक्स से डी[2] तक; ४१–५०० छ (अप्र०); सं० १०–५२ ठ, ड, ढ।

(लंकाकांड)→२६–४८४ आई[1], जे[1], के[1]; २६–३२५ई[2] एफ[2], जी[2]; सं०१०–५२ण, त।

(उत्तरकांड)→२३–४३२ आर[2], एस[2]; २६–४८४ वी[1]; २६–३२५ एच से एम[2] तक; सं० १०–५२थ, द।

रामलला नहछू (पद्य)→०३–१२६।

रामशलाका (पद्य)→०३–८७; ०३–६८; ०६–२४५डी; ०६–३२३एच; २०–१६८ एच; पं० २२–११२ई; २३–४३२डी[2] से जे[2] तक; २३–४३२एल[2], यू[2]; २६–४८४एल[1], एम[1], एन[1], क्यू[1]; २६–३२५डी[3], ई[3], एफ[3]।

रामाज्ञा (पद्य)→सं० ०४–१४२ ख।

विनयपत्रिका (पद्य)→०६–२४५ जी; ०६–३२३ एल; १७–१६६एफ; २०–१६८ के; २३–४३२ सी[3]; २६–४८४ वाई[1], जेड[1], ए[2], बी[2], सी[2]; २६–३२५ पी[2], क्यू[2]; ४१–५०० झ (अप्र०); सं० १०–५२ध।

बैराग्य संदीपनी (पद्य)→००–७; ०३–८१; ०६–२४५ ई; २०–१६८ जे; २६–४८४ डी[2]; २६–३२५ए[3]; सं० ०४–१४२ ग।

सतपंच चौपाई (पद्य)→२३–४३२बी[2]।

हनुमान बाहुक (पद्य)→०१–६०; ०६–२४५ बी; ०६–३२३ डी, के; २०–१६८ डी; २३–४३२ क्यू से यू तक; २६–४८४ जी, टी, यू, बी; २६–३२५ जेड[2]; सं० ०१–१४१छ; सं० ०७–७१।

तुलसीदास (गोस्वामी)—संभवतः काशी निवासी। मानसकार से भिन्न।

राम मुक्तावली (पद्य)→सं० ०७–७२।

तुलसीदास की बानी (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य, उपदेश आदि।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–३२३ आई।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१४२ क।

(ग) प्रा०—श्री रामदेव शुक्ल, राजापुर, डा० गौराबादशाहपुर (जौनपुर)। →सं० ०१–१४२ ख।

तुलसीदास चरित्र (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० गो० तुलसीदास जी की जीवनी और प्रशंसा।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–१३४ एफ।

तुलसी भूषण (पद्य)—रसरूप कृत। र० का० सं० १८११। वि० छंद और अलंकार। (तुलसी कृत 'मानस' आदि ग्रंथों के उदाहरण व्यवहृत)।

(क) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–११।

(सं० १८८६ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२४ ।

तुलसी शब्दादि प्रकाश (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० ज्योतिष ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री इंदुमणि शर्मा, चक्रजीतपुर, डा० सुजानगंज (जौनपुर) ।→ सं० ०४–१४३ ख ।

(ख) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—श्री बटेश्वरप्रसाद मिश्र, बखरिया (बस्ती) ।→सं० ०४–१४३ ग ।

(ग) प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुधउली, डा० सरपतहा (जौनपुर) । →सं० ०४–१४३ क ।

तुलसी शब्दार्थ प्रकाश→'जयगोपालदास विलास' (जयगोपालदास कृत) ।

तुलसी सगुनावली→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

तुलसी सतसई (पद्य)—अन्य नाम 'राम सतसई' और 'सप्त शतक'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० राम भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा०—श्री रामशंकर बाजपेयी, बहोरी के बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–४३२ ए[3] ।

(ख) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२४५ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री मोहनलाल, एदलपुर, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→३२–२२१ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरधा, डा० पीरनगर (गोरखपुर) ।→ सं० ०१–१४१ च ।

तुलसी सतसई सटीक (गद्यपद्य)—गोपीनाथ (पाठक) कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० तुलसी सतसई या दोहावली के १०१ क्लिष्ट दोहों की टीका ।

प्रा०—पं० रमाशंकर बाजपेयी, बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–१३५ ।

तुलसी साहब—अन्य नाम रामराव । हाथरस (अलीगढ़) निवासी । जन्म सं० १८१६ । आपापंथी साधु । इनके पिता पूना के राजा थे । स्त्री का नाम लक्ष्मी । कबीर पंथ से मिलते जुलते आपा पंथ के प्रवर्तक ।

घट रामायण (पद्य)→१२–१६०; २६–३२६ ए, बी ।

तुलसी कुंडलिया (पद्य)→३२–२२२ ई ।

तुलसी साहब की बानी (पद्य)→३२–२२२ एफ ।

रतनसागर (पद्य)→३२–२२२ ए, बी ।

रेखता (पद्य)→सं० ०७–७४ क ।

लाबनी की बारहमासी (पद्य)→सं० ७–७४ ख ।
शब्द या चेतावनी (पद्य)→सं० ०७–७४ ग ।
संवाद पलकराम नानकपंथी और तुलसी साहब (पद्य)→२६–३२६ डी ।
संवाद फूलदास कबीरपंथी और तुलसी साहब (पद्य)→२६–३२६ सी ।
सतगुरु साहब की साखी (पद्य)→३२–२२२ सी ।
सवैया तुलसी (पद्य)→३२–२२२ डी ।

तुलसी साहब की बानी (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० कबीर और गोपाल की महिमा तथा अन्य संतों के वचन ।
प्रा०—श्री धर्मपाल बोहरे, सलीमपुर, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→ ३२–२२२ एफ ।

तुलसी सिद्धार्थ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष तथा शकुन ।
प्रा०—पं० व्रजकिशोर, कोटला (आगरा) ।→२६–५१६ ।

तेज (कवि)—(?)
भ्रमरगीत (पद्य)→४१–६२; सं० ०१–१४४ ।

तेजनाथ—सपहाँ गाँव के निवासी । सं० १८६२ के पूर्व वर्तमान ।
सामुद्रिक (पद्य)→२३–४२५ ।

तेजराम—कबीर के अनुयायी ।
नौनिद्धी (पद्य)→सं० ०७–७५ क, ख, ग ।

तेजविद्योपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० परब्रह्म ज्ञान विषयक तेजबिंदु उपनिषद का अनुवाद ।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल, गोबर्द्धन (मथुरा) ।→३८–२५ एफ ।

तेजसिंह—कायस्थ । बालकृष्ण के पुत्र । फारसी के अच्छे ज्ञाता । सं० १८२७ (?) के लगभग वर्तमान ।
दफ्तरनामा (पद्य)→०५–३४; ०६–११४ ।

तेजसिंह (ठाकुर)—खिरिया (आगरा) निवासी । सं० १६३० के लगभग वर्तमान ।
ज्ञान चंद्रोदय (गद्य)→२६–४७७ ।

तेरह द्वीप पूजापाठ (पद्य)—लालजीत (जैन) कृत । र० का० सं० १८७० । वि० जैन धर्म के पूजा पाठ का विधान ।
(क) प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२४० ।
(ख) प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–११६ ।

तेरिज काव्य निर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । लि० का० सं० १६१५ । वि० काव्य निर्णय का संक्षेप ।
प्रा०—प्रतापगढ़ नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–६१ ओ ।

तेरिज रस सरांश (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० रस सारांश का संक्षेप।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६–६१ पी।

तोंबरदास—रायबरेली जिला के निवासी। सोमवंशी क्षत्री। दूलनदास के शिष्य। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।→०६–७८; २३–१०८।

कुंडलिया (पद्य)→सं० ०४–१५०।

शब्दावली (पद्य)→०६–३१८; २०–१६५; २६–४८३।

तोता मैना की कहानी (गद्य)—रंगीलाल कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६०७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामा पुराऊ, बढ़मीरपुर, डा० मौराआँ (उन्नाव)।→२६–३६६।

तोताराम—(?)

जिकरी दंग राजा की (पद्य)→३२–२२०।

तोफतुलगुर्बा→'क्लेश भंजनी' (अब्दुलमजीद कृत)।

तोषनिधि (तोष)—शुक्ल आस्पद के कान्यकुब्ज ब्राह्मण। सं० १८३० में उत्पन्न। चतुर्भुज शुक्ल के पुत्र। कालपी निवासी। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान।

दीनव्यंग सत (पद्य)→१२–१८६; ३२–२१६।

रतिमंजरी (पद्य)→२०–१६६।

सुधानिधि (पद्य)→०६–३१६।

तोषमणि→'तोषनिधि (तोष)' ('दीनव्यंग सत' आदि के रचयिता)।

त्रिकांडबोध (पद्य)—हजारीदास कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० सं० १६४०। वि० कर्म, उपासना और ज्ञान का विवेचन।

प्रा०—अनंत श्री महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी)। →३५–४० बी।

त्रिकांड वल्ली ज्ञानदीपिका (गद्यपद्य)—नारायण श्रमस्वामी परमहंसकाचार्य कृत। र० का० सं० १६०४। लि० का० सं० १६४८। वि० आर्य ग्रंथों और आर्य संस्कृति का वर्णन।

प्रा०—श्री देवशंकर पांडेय, भगवानपुर बढ़ैया, डा० खैरहनी पहाड़गढ़। (रायबरेली)।→सं० ०४–१६१।

त्रिताप अष्टक (पद्य)—केसवराई (केसौराइ) कृत। वि० विंदुमाधौ, विश्वनाथ और गंगा की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२५।

त्रिदेव स्तुति (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० ब्रह्मा, विष्णु, महेश तथा गंगा जी की स्तुति।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद, फतेहाबाद (आगरा)।→२६–३२५ के[3]।

त्रिपदा (त्रिपदवेदांत निर्णय (गद्य)—चिदात्माराम कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० वेदांत।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८–२६।

त्रिमूर्ति आरती (पद्य)—शिवानंद (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० स्तुति।
प्रा०—पं० रामस्वरूप शर्मा, पंडित का पुरवा, भथू, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–४४७।

त्रिया चरित्र (पद्य)—गोविंदसिंह (गुरु) कृत। र० का० सं० १७५३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास बर्फवाले, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६–१५५।

त्रियाभोग (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० रतिशास्त्र।
प्रा०—ठा० गिरवरसिंह जमींदार, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)। →३२–२१०।

त्रिलोक दर्पण (पद्य) अन्य नाल 'त्रैलोक्य दीपक सार'। खड्गसेन (जैन) कृत। र० का० सं० १७१३। वि० स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६२०।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–२०८।
(ख) लि० का० सं० १६३०।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १ –१६ ख।
(ग) प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६ क।

त्रिलोकदीप की चौपाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि जैनधर्म के अनुसार सृष्टि क्रम और जगत की उत्पत्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३७५।
टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक किसी सदारंग के शिष्य की कृति है।

त्रिलोकमंगल पूजा पाठ (पद्य)- नंदराम (जैन) कृत। र० का० सं १६००। लि० का० सं० १६३७। वि० जैन प्रतिमा का पूजा विधान।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६५।

त्रिलोकसार (गद्य)—टोडरमल कृत। वि० जैन धर्मानुसार तीनों लोकों का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७–६८ क।
(ख) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–४२६ सी।

त्रिलोकसिंह—बुंदेलखंड के क्षत्री। संभवतः कुँवर गोपालसिंह के पिता। अनुमानतः १८ वीं शताब्दी में वर्तमान।→०६–४२।

सभाप्रकाश (पद्य)→०६–३२१।

त्रिलोकसिंह—(?)

राजनीति चंद्रिका (पद्य)→४१–६३; सं० ०१–१४५।

त्रिलोचन (पांडे)→'तानसेन' (अकबर के समकालीन सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ)।

त्रिलोचनदास—वैष्णव संप्रदाय के आचार्य। अनंतदास ने इनके नाम की परिचयी बनाई थी।→०६–५।

त्रिलोचनदास की परिचई (पद्य)—अनंतदास कृत। वि० त्रिलोचनदास की भक्ति का वर्णन।

प्रा०— महंत ब्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६–५ सी।

त्रिविक्रमदास—सं० १६०२ के पूर्व वर्तमान।

बसंतराज (भाषा) (गद्य)→१७–१६५; सं० ०४–१५१।

त्रिविक्रमसेन—राजा हमीरसिंह (?) के पुत्र। सं० १६६२ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→०६–३२२; २०–१६७; २३–४३०।

त्रिविध अंतःकरण भेद (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२–२५ (चौदह)।

त्रिविध भावना (भाषा) (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय की सेवाभावादि का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं० ०१–८८ क।

त्रिवेणीजू के कवित्त (पद्य) अन्य नाम 'पंचासिका'। गणेश (कवि) कृत। वि० त्रिवेणी वर्णन।

प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। → ४१–४७ ग।

त्रेपनक्रिया (भाषा) (पद्य)—किसनसिंघ (कवि) कृत। र० का० सं० १७८४। वि० अफीम, हलदी आदि त्रिविध विषयों का वर्णन।

प्रा०—दिगबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर→सं० १०–१४ क।

त्रैलोकनाथ श्रीलाल लाड़िलीजू की चौसठ घड़ी को शृंगार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का सं० १७८२। वि० राधाकृष्ण की सेवा विधि।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५ ७।

त्रैलोक्य दीपक सार→'त्रिलोक दर्पण' (खंगसेन या खड़्गसेन जैन कृत)।

थान (कवि)—डोंडियाखेड़ा (बैसवारा) के निवासी। पिता का नाम निहाल, पितामह का महासिंह और परपितामह का लालराय। नाना का नाम धर्मदास, मामा का चंदन (प्रसिद्ध कवि और बंदीजन)। संभवतः गुरु का नाम सेवक। चडरा (बैसवारा) के राजा दलेलसिंह के आश्रित। सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।

दलेल प्रकाश (पद्य)→०६–३१७; २३–४२७; २६–४८०; सं० ०४–१५२।

थानमल (जैन)—फौजसिंह के पुत्र। टोंक (राजस्थान) के नवाब इब्राहीम अली खाँ के आश्रित। संभवतः पूर्वज अजमेर निवासी। टोंक चले जाने पर भी अजमेराकुल के नाम से ख्यात रहे।

बीस बिहरमान पाठ (पद्य)→सं० १०-५८।

थूलिभद्र चौपाई (पद्य)—शीलदेव (जैन) कृत। वि० जैन थूलिदेव का चरित्र।→ दि० ३१-८१।

थेगनाथ—ग्वालियर के राजा कीरतिसिंह के पुत्र भानुकुँवर के आश्रित। सं० १५५ के लगभग वर्तमान।

गीता (भाषा)→सं० ०१-१४६।

दंगवै पुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०९। वि० महाभारत पुराण की एक कथा।

प्रा०—चौधरी मातादीन, लखुना (इटावा)।→३५-१५२।

दंडक संग्रह (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० श्रृंगार, भक्ति और विनय।

प्रा०—पं० रुस्तमसिंह, दिखतौली, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१६६एफ।

दंपताचार्य—स्वामी रामानंद के अनुयायी।

रस मंजरी (पद्य)→०९-५४।

दंपति प्रत्युत्तर (पद्य)—टोडरमल कृत। र० का० सं० १८६७। वि० भारत में पाई जाने वाली वस्तुओं का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१३५।

दंपति भावामृत (पद्य)—सुखलाल (गोसाईं) कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० राधाकृष्ण की सेवा का विधान।

प्रा०—पं० मोहनलाल, सत्तूखेड़ा, डा० गोमत (अलीगढ़)।→३८-१४९।

दंपति रसिक तरंग (बारहमासा) (पद्य)—बनवारीदास कृत। मु० का० सं० १९४४। वि० विरह श्रृंगार वर्णन।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०४-२२८।

दंपति वाक्य विलास (पद्य)—अन्य नाम 'दंपति संवाद'। गोपालराय (भाट) कृत। र० का० सं० १८८५। वि० परदेश का सुखदुख, ब्याह, यात्रा, सवारी और काव्यादि प्रबंध।

(क) लि० का० सं० १९०५।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदार, कटरा, सीतापुर।→१२-६२ ए।

(ख) पं० २२-३२ बी।

दंपति विलास→'रस सागर' (बलबीर कृत)।

दंपति संवाद→'दंपति वाक्य विलास' (गोपालराय भाट कृत)।

दक्षण→'अहमदुल्ला' ('दक्षण विलास' के रचयिता)।

दक्षण विलास (पद्य)—अहमदुल्ला (दक्षण) कृत। र० का० सं० १७७९। लि० का० सं० १८९४। वि० नायिकाभेद।

खो० सं० त्रि० ५१ (११००-६४)

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७–३ ।

दत्तसखि—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८३६ के लगभग वर्तमान ।

अष्टकाल की लीला (पद्य)→सं० ०१–१४७ ।

दत्त—वास्तविक नाम देवदत्त । जाजमऊ (असनी और कन्नौज के बीच); कानपुर (?) के निवासी । टिकारी (गया) के कुँवर फतहसिंह और चरखारी के महाराज खुमानसिंह के आश्रित । सं० १७६१–१८३० के लगभग वर्तमान ।

लालित्यलता (पद्य)→०३–५५; ०६–५६ ।

सज्जन विलास (पद्य)→०३–३६ ।

दत्त—वास्तविक नाम देवदत्त । भट्टू (काश्मीर) निवासी । जंबू नरेश रणजीतसिंह के पुत्र कुँवर ब्रजराज के आश्रित । सं० १८१८ के लगभग वर्तमान ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)→०१–६३; २०–३४ बी ।

ब्रजराज पंचाशिका (पद्य)→२०–३४ ए ।

दत्त—संभवतः सुप्रसिद्ध अवधूत दत्तात्रेय । गोरखनाथ के समकालीन ।

सबदी (पद्य)→सं० १०–५५ ।

दत्त→'गोपाल (जन)' (मऊ रानीपुर निवासी) ।

दत्त→'दत्तलाल' (गुलजार ग्राम के निवासी) ।

दत्त (कवि)—भरतपुर नरेश सूरजमल (सुजानसिंह, राज्यकाल सं० १७१२–१७२० वि० तक) के आश्रित ।

सूरजमल की कृपाण (पद्य)→सं० ०१–१४८ ।

दत्त गोरख संवाद—गोरखनाथ कृत ।→०२–६१ (पाँच) ।

दत्त जी—अन्य नाम दत्तात्रेय ।

आरती (पद्य)→सं० ०७–७६ ।

दत्तदास— (?)

ममलनेत्र (भगवान) (पद्य)→२६–६१ ए, बी ।

रामाष्टक (पद्य)→२६–६१ सी ।

दत्तराम (माथुर)—संभतः आगरा निवासी । सं० १६२१–४३ के लगभग वर्तमान ।

अजीर्ण मंजरी (गद्य)→२६–६२ ए; २६–७६ ए ।

नाड़ी प्रकाश (गद्य)→२६–६२ बी, सी; २६–७६ बी ।

रमल नवरत्न दर्पण (गद्य)→२६–६२ डी ।

दत्तलाल—उप० दत्त । गौड़ ब्राह्मण । दयाराम के शिष्य । दिल्ली और हरियाना के बीच गुलजार ग्राम के निवासी । सं० १७६० के लगभग वर्तमान ।

सतबारहखड़ी (पद्य)→१२–४८; १७–४५ ए, बी; पं० २२–२३; सं० १०–५६ ।

दत्तलाल की बारहखड़ी→'सतबारहखड़ी' (दत्तलाल कृत) ।

दत्त स्तोत्र (पद)—शुक्राचार्य कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० दत्त (दत्तात्रेय) की स्तुति।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →३५–६६।

दत्तात्रय—कोई सिद्ध। 'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत।→४१–५६ (छब्बीस); ४१–६४।

दत्तात्रय कथा (पद्य)—जयसिंह जू देव कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० दत्तात्रय अवतार का वर्णन।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवानरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → ००–१५०।

दत्तात्रय की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० दत्तात्रय कबीर संवाद।

प्रा०—पं० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। → २६–१७८ जी।

दत्तात्रय के चौबीस गुरु (पद्य)—जनगोपाल (गोपाल) कृत। लि० का० सं० १८०५। वि० दत्तात्रय के चौबीस गुरुओं का वर्णन।

प्रा०—ठा० बेचूसिंह, उमरा, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३–१८० ए।

दत्तात्रय लीला (पद्य)—मोहनदास कृत। लि० का० सं० १८५३। वि० दत्तात्रय की लीला का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३०८।

दत्तात्रय शब्द अविनासी (पोथी) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तत्वज्ञान का उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३६०।

दत्तात्रेय→'दत्त जी' ('आरती' के रचयिता)।

दत्तात्रेय सत्संग उपदेश सागर(पद्य)—नायक कृत। र० का० सं० १६२२। वि० दत्तात्रेय और उनके चौबीस गुरुओं की कथा।

प्रा०—महंत रामचरित्तर भगत, मनिअर (मठ), (बलिया)।→४१–१२८ क।

दधिलोला (पद्य)—करताराम कृत। वि० श्रीकृष्ण की दधिलीला का वर्णन।

(क) प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर)।→सं० ०१–३३।

(ख) प्रा०—श्री रामप्यारे, घोरकटा, डा० मेंहदावल (बस्ती)।→सं० ०४–२७।

दधिलीला (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला'। परमानंददास कृत। वि० राधा का कृष्ण के प्रेम में दही बेचने जाना और मार्ग में कृष्ण का दही माँगना।

(क) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० रमाकांत त्रिपाठी, कुंडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६–३४१ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सीकरी, डा० तंबोर (सीतापुर)। → २६–३४१ सी।

(ग) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—पं० शत्रुघ्न जी, सिकंदरपुर, डा० सिसैया (वहराइच) ।→२३–३१० बी ।

(घ) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६–३४१ डी ।

(ङ) प्रा०—श्री शिवनारायणलाल, रायबरेली ।→२३–३१० ए ।

(च) प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंजकटरा, मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६–३४१ बी ।

(छ) प्रा०—नागरीप्राचरिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५१४ (अप्र०) ।

दधिलीला (पद्य)—प्रभादास कृत । वि० श्रीकृष्ण और गोपियों की दधि लीला का वर्णन ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–२१६ ।

दधिलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण का गोपियों से दूध दही माँगना ।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१०४ बी ।

दधिलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रीकृष्ण की दधिलीला ।

प्रा०—चौधरी मातादीन, लखुना (इटावा) ।→३५–१५१ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—गणेश कृत । र० का० सं० १८५२ । लि० का० सं० १९३१ । वि० देशी राज्यों में कार्यालय संचालन विधि ।

प्रा०—लाला देवीदीन, अजयगढ़ ।→०६–३२ बी ।

दफ्तरनामा (पद्य)—गुलालसिंह (बख्शी) कृत । र० का० सं० १७५२ । लि० का० सं० १८१३ । वि० कार्यालयों का हिसाब किताब रखने की विधि ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद , छतरपुर (बुंदेलखंड) ।→०५–२२ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—अन्य नाम 'दफ्तररस' । तेजसिंह कृत । र० का० सं० १८२७ (?) । वि० देशी राज्यों के कार्यालयों में हिसाब किताब रखने की विधि ।

(क) प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर ।→०५–३४ ।

(ख) प्रा०—लाला कामताप्रसाद, एकाउंटेंट आफिस, बिजावर ।→०६–११४ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—हिम्मतसिंह कृत । र० का० सं० १७७४ । लि० का० सं० १९०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुरा (दतिया) ।→०६–५२ ।

दफ्तररस→'दफ्तरनामा' (तेजसिंह कृत) ।

दमजरी कौ गुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दमजरी नामक जड़ी का गुण वर्णन ।

प्रा०—श्री परशुराम बौहरे, नगलाधीर, डा० बरहन (आगरा) ।→२६–३६० ।

दमयंती नल की कथा (पद्य)-केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण). कृत । वि० नल और दमयंती की कथा ।

प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी) ।→३८–८४ एन ।

दयाकुमार—श्रीधर शास्त्री, (गौड़ा) कृत। वि० नाटक।→पं० २२–११६।

दयाकृष्ण—अहिवासी ब्राह्मण। बलदेव (मथुरा) निवासी। सं० १८६८–१६०२ तक वर्तमान।

कवित्तादि (पद्य)→१७–४६ ए।

पिंगल (पद्य)→१७–४६ बी।

बलदेव विलास (पद्य)→१७–४६ सी।

दयाकृष्ण—संभवतः बुंदेलखंड निवासी।

फुटकर कविता (पद्य)→०६–२६ ए।

पदावली (पद्य)→०६–२६ बी।

दयाकृष्ण—लखनऊ के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के दीवान। नवलराय के पिता वेनी प्रवीन के आश्रयदाता। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।→२०–१३।

दयाकृष्ण—मथुरा निवासी। दाऊ जी के मंदिर के पुजारी। प्रवीणराय के आश्रयदाता।→१२–१३२।

दयातन—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचाएँ संगृहीत हैं।→०२–५७ (अड़तालीस)।

दयादास—संभवतः बुंदेलखंड निवासी।

विनयमाल (पद्य)→०६–२५।

दयादीपक (पद्य)—दयाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८८७। लि० का० सं० १८८८। वि० धर्म और नीति।

प्रा०—मालवीय रघुनाथराम शर्मा, सर्वोपकारक पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी।→०६–६०।

दयादेव—(?)

कवित्त (दयादेव के) (पद्य)→४१–६५।

दयानंद (स्वामी) का जीवन चरित्र (गद्य)—दयानंद सरस्वती (स्वामी) द्वारा स्वयं लिखित। र० का सं० १६३६। वि० स्वामी दयानंद की आत्मकथा।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–३१५।

दयानंद सरस्वती (स्वामी)—प्रसिद्ध महापुरुष और आर्य समाज के संस्थापक (सं० १६३२)। जन्म काल सं० १८८१। मृत्यु काल सं० १६४०। मोरवी (काठियावाड़) निवासी ब्राह्मण। अनेक ग्रंथों के प्रणेता। थियोसोफिकल सोसाइटी के संस्थापक कर्नल अलकाट से भारतेंदु जी एवं राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के सामने इनकी बात चीत हुई थी।

दयानंद (स्वामी) का जीवन चरित्र (गद्य)→०६–३१५।

दयानिधि—डौंडियाखेरा (अवध) के राजा अचलसिंह के आश्रित। सं० १८५० के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→०६–६२; ३२–८६ ए, बी; सं० ०४–१५३।

दयाबाई—चरणदास की शिष्या। प्रसिद्ध भक्त। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान। → दि० ३१–१८।

दयाबाई की बानी (पद्य)→२६–६३।

दयाबाई की बानी (पद्य)—दयाबाई कृत। लि० का० सं० १६२७। वि० ईश्वर और गुरु की महिमा।

प्रा०—बाबा मनीरामदास, अरगाँव, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६–६३।

दयाबोध—गोरखनाथ कृत।→०२–६१ (दस); पं० २२–३३ ए।

दयाबोध (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री महंत जी, डिडवाना (जोधपुर)।→२३–३८१ ए।

दयाराम—(?)

केवल भक्ति (पद्य)→३८–२६ ए, बी, सी।

दयाराम—(?)

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)→३८–३८।

दयाराम— (?)

सामुद्रिक (पद्य)→०६–१५४।

दयाराम—ज्योधरा (आगरा) के जमींदार। अनिरुद्धसिंह और दलेलसिंह के भाई। कुशल मिश्र के आश्रयदाता। सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।→००–५७।

दयाराम (तिवारी)—प्रयाग निवासी। लच्छीराम (लक्ष्मीराम) के पुत्र। वदन कवि के पितामह। बेनीराम के गुरु। दिल्ली के चतुरसेन के आश्रित। सं० १७७६–१७६५ तक वर्तमान।→०१–१०६; ०५–५७।

दया विलास (पद्य)→०१–५०; ०२–११४; ०६–६३; २०–३७; २३–८७ ए, बी, सी; २६–६४; ३८–३७; ४१–५०१ (अप्र०)।

योगचंद्रिका की टीका (गद्य)→२०–३८।

दयाराम (पंडित)—बख्तार कवि के आश्रयदाता और गुरु। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।→०१–५६।

दयाराम भाई—नर्वदा तट पर बसे चंडीग्राम (अब चाणोद, गुजरात) के निवासी। नागर ब्राह्मण। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८७० के लगभग वर्तमान।

अनन्य चंद्रिका (पद्य)→सं० ०१–१४६ घ।

कृष्णनाम चंद्रिका (पद्य)→स० ०१–१४६ क।

दयाराम सतसई (टीका सहित) (गद्यपद्य)→सं० ०१–१४६ ख।

वस्तु वृंद नाम दीपिका (पद्य)→सं० ०१–१४६ ङ।

श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका (भाषा) (पद्य)→सं० ०१–१४६ ग।

दयाराम सतसई (टीका सहित) (गद्यपद्य)—दयाराम भाई कृत। र० का० सं० १८७२। लि० का० सं० १८६५। वि० भक्ति, नीति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। सं० ०१-१४६ ख।

दयाल—(?)
चंडी चरित्र (पद्य)→३८-३५।

दयाल (कवि)—गुजराती ब्राह्मण। वाराणसी निवासी। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान। डा० जेम्स डंकन के कहने से इन्होंने ग्रंथ की रचना की थी।
दयादीपक (पद्य)→०६-६०।

दयाल (कवि)—संभवतः भरतपुर के महाराज सुजानसिंह के आश्रित। सं० १८१२-१८२० के लगभग वर्तमान।
शिव महिम्न (पद्य)→४१-६६।

दयाल (जन)—(?)
धर्म संवाद (पद्य)→२६-१९३; २६-१६७; दि० ३१-४०।
प्रेम लीला (पद्य)→०६-२६८।

दयाल (जन)—किसी जगन्नाथ के शिष्य।
नासकेत पुराण (पद्य)→सं० ०७-७७।

दयालजी का पद (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश।
इसमें निम्नलिखित कवि संगृहीत हैं—
१. हरीदास, २. तुलसीदास, ३. मीराँ, ४. दासगोविंद, ५. बुधानंद, ६. परमानंद, ७. सूरदास, ८. जन छीतम, ९. बाजींद, १०. कबीर, ११. भीम, १२. नंददास, १३. जन तुलसी, १४. सुंदरदास, १५. अग्रदास, १६. व्यास, १७. नरसी, १८. रामा, १९. कूबा, २०. मनोहरदास, २१. दादू, २२. माधोदास।
प्रा०—जोधपुर नरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६४।

दयालदास—उदयपुर के राणा कर्णसिंह के आश्रित। सं० १६७१-१६७६ के लगभग वर्तमान।
राणारासा (पद्य)→००-६४; ०१-३०; ०६-६१।

दयालदास—लछीदास के गुरु।
सुखसागर पुराण (पद्य)→सं० ०१-१५०।

दयालदास—सं० १८६२ के लगभग वर्तमान।
हनुमत अष्टोत्तर शत विजय (पद्य)→२०-३६।

दयालदास—पूरणदास के गुरु। खेड़ापा के महंत। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
→०१-६५।

दयालनेमि—(?)
अवगत उल्लास (पद्य)→४१-६७।

दयालाल—(?)
प्रेमबत्तीसी (पद्य)→४१-६८।

दया विलास (पद्य)—अन्य नाम 'वैद्यक विलास'। दयाराम (तिवारी) कृत। र० का० सं० १७७६। वि० वैद्यक।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—पं० श्रीचंद्र, घुसवापुर, परगना बहराइच खास (बहराइच)। →२३-८७ सी।

(ख) लि० का० सं० १८७३।

प्रा०—महाराज भगवानबक्शसिंह, अमेठी (सुलनतापुर)।→२३-८७ ए।

(ग) लि० का० सं० १९१३।

प्रा०—श्री मथुराप्रसाद शिवप्रसाद साहु, आजमगढ़।→०६-६३।

(घ) लि० का० सं० १९७५।

प्रा०—पं० रामदत्त शर्मा, बह्मनीपुरा (इटावा)।→३८-३७।

(ङ) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-५०।

(च) प्रा०—पं० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुंढीकटरा, मिरजापुर।→०२-११४।

(छ) प्रा० भैया तालुकेदारसिंह, गोंडा।→२०-३७।

(ज) प्रा०—पं० मूलचंद वैद्य, छावनी बाजार, बहराइच।→२३-८७ बी।

(झ) प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र वैद्य, सरावाँ, डा० हमीदपुर (सुलतानपुर)। →२६-६४।

(ञ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५०१ (अप्र०)।

दया विलास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक, ओषधियाँ, मंत्र आदि।

प्रा०—स्वा० बाँकेलाल, गढ़मुक्तेश्वर।→१७-२१ (परि० ३)।

दया विलास (सभाजीत) (पद्य)—रामदया कृत। वि० ज्योतिष, वैद्यक, शालिहोत्र आदि।

प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह, तालुकेदार, कौरेठराकलाँ (सुलतानपुर)। →२३-३४२ ए।

टि० इसमें 'सर्वनीति प्रथमखंड, ज्योतिष भाषा, सामुद्रिक खंड, रागमला खंड, वैद्यकखंड और शालिहोत्र खंड संगृहीत हैं।

दयासागर सूरि—जैन।

धर्मदत्त चरित्र (पद्य)→००-११०।

दरजोधन—गोरखनाथ के शिष्य उदादास के शिष्य।

नौनिधि (पद्य)→सं० ०७-७८ क, ख, ग, घ,।

दरस→'हरिदेव (भट्टाचार्य)' ('रंगभाव माधुरी' के रचयिता)।

दरसणदास (जन)—निरंजनी पंथी। मुकुनदास के गुरु। अमरदास के शिष्य।

पद (पद्य)→सं० ०७-७६।

दरसननावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६क[१]।

दरसनलाल—महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह (काशी नरेश) के आश्रित। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान। इन्होंने रामायण में से मुख्य मुख्य भावों का संग्रह किया है।

रामायण तुलसी कृत (पद्य)→०६–५६।

दरसनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामतखाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ ह।

दरियावदास (दौवा)—साहनगर (?) निवासी। सं० १६८१ के पूर्व वर्तमान।

जनक पचीसी (पद्य)→२६–७७।

दरियावसिंह—कुरमी। बीबीपुर (कानपुर) निवासी। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

कोकशास्त्र (गद्य)→२६–७८सी।

वैद्यक विनोद (गद्य)→२६-७८ए, बी।

दरियासागर (पद्य)—दरिया साहब कृत। लि० का० सं० १८८१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–५५ई।

दरिया साहब—महात्मा। द्वारकंधा निवासी। सं० १८३७ में मृत्यु। ये अपने को कबीर का अवतार कहते थे।

अग्रज्ञान (पद्य)→सं० ०४–१५४क।

अनुभव बानी (पद्य)→१७–४३।

अमरसार (पद्य)→०६–५५ए।

अलिफनामा (पद्य)→२६–८८।

गोष्ठी दरिया साहब और गणेश पंडित (पद्य)→०६–५५ जी।

ज्ञानदीपक (पद्य)→०६–५५ आई।

ज्ञानरतन (पद्य)→०६–५५एच; सं० ०४–१५४ ख।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)→०६–५५ एफ; सं० ०४–१५४ ग।

दरियासागर (पद्य)→०६–५५ ई।

बीजक (दरिया साहब) (पद्य)→०६–५५ डी।

ब्रह्मविवेक (पद्य)→०६–५५ बी।

भक्तिहेतु (पद्य)→०६–५५ सी; सं० ०४–१५४ घ।

रेखता दरिया साहब (पद्य)→०६–५५ जे।

शब्द दरिया साहब (पद्य)→०६–५५ के।

शब्दलीला (पद्य)→सं० ०१–१५१ क।

सतसैया दरिया साहब (पद्य)→०६–५५ एल।

साखी (पद्य)→सं० ०१–१५१ ख।

दर्पविशोक पर्व (पद्य)—मणिदेव कृत। वि० महाभारत विशोक पर्व की कथा।

खो० सं० वि० ५२ (११००–६४)

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बख्शी तालाब (लखनऊ)। →२६–२६३ बी।

दर्शन→'सुदर्शन' ('एकादशी माहात्म्य' के रचयिता)।

दर्शन कथा→'जिनदर्शन कथा' (भारामल्ल जैन कृत)।

दलजीत—(?

सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०१–१५२।

दलथंभनसिंह—हथिया राज्य (नैमिषारण्य से चार योजन) के अधिपति। बलदेव द्विज ('शृंगार सुधाकर' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०४–२३१।

दलपत (दौलतविजय)—(?)

खुमानरासो (पद्य)→४१–६६।

दलपति (मथुरिया)—मथुरा निवासी। सं० १८४७ के पूर्व वर्तमान।

कालिकाष्टक (पद्य)→१२–४४।

दलपतिराम (राय)—अहमदाबाद निवासी। उदयपुराधीश महाराज जगतसिंह तथा बलरामपुर नरेश महाराज दिग्विजयसिंह के आश्रित। वंशीधर के समकालीन और सहलेखक। सं० १७६८ के लगभग वर्तमान।→२०–४३।

अलंकार रत्नाकर (गद्यपद्य)→०४–१३; १२–१८; १२–४५; २३–८२ ए बी; २६–८६ ए, बी।

श्रवणाख्यान (पद्य)→०६–५२।

दलपति राव—दतिया नरेश। कुँवर पृथ्वीसिंह या पृथ्वीचंद (रसनिधि) के पिता। राज्यकाल सं० १६४०–१७६४ (?)। इनकी दो रानियाँ थीं—गुमानकुँवरि (पृथ्वीसिंह की माता) और चंदकुँवरि (रामचंद्र की माता)। शिवदास के आश्रयदाता।→०६–१०८; २०–४।

दलसाहि (नृपति)→'दलेलसिंह' (चौहान क्षत्रिय राजा)।

दलसिंघानंद प्रकाश (पद्य)—दास (दलसिंह) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० विविध।

प्रा० महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–११०।

दलसिंह→'दास (कवि)' ('केदारपंथ प्रकाश' के रचयिता)।

दलेलपुरी—(?)

ग्रहभाव फल (पद्य)→३८–३४।

मुहूर्त चिंतामणि (पद्य)→३५–१६ ए, बी, सी।

दलेल प्रकाश (पद्य)—थान (कवि) कृत। र० का० सं० १८४८। वि० साहित्य शास्त्र।

(क) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–३१७ ।

(ख) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा० - पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–४८० ।

(ग) लि० का० सं० १६४६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। → सं० ०४–१५२ ।

(घ) प्रा०—पं० विपिनविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३–४२७ ।

दलेलसिंह—क्षत्री । ज्योधरा (आगरा) के जमींदार । अनिरुद्धसिंह और दयाराम के भाई । कुशल मिश्र के आश्रयदाता । सं० १८२६ के लगभग वर्तमान ।→००–५७ ।

दलेलसिंह—चंद्रनगर के राजा । थानराम (थान) के आश्रयदाता । सं १८४८ के लगभग वर्तमान ।→०६–३१७ ।

दलेलसिंह (राजा)—अन्य नाम दलसाहि नृपति । चौहान क्षत्रिय । करणपुर के राजा हेमंतसिंह के पौत्र और रामसिंह के पुत्र । करणपुर निवासी । बाद में रामगढ़ में निवास । शिवगढ़ और रामगढ़ के स्वामी । प्रद्युम्नदास के आश्रयदाता । सं० १७३८ के लगभग वर्तमान ।→०४–१४; २६–३३६; ४१–१३१ ।

मुक्ति रत्नाकर (पद्य)→४१–१०० क, ख ।

रामरसार्णव (पद्य)→४१–१०० ग, घ, ङ ।

शिवसागर (पद्य)→२०–३२ ए, बी; ४१–१०० च, छ, ज ।

दवाओं की किताब (गद्य)—बुनिबिया साहब (डाक्टर) कृत । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—ठा० जनकसिंह खुशहाली, फरहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२–३५ ।

दश अवतार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दशावतार वर्णन ।

प्रा०—पं० भागीरथीप्रसाद, उसका, डा० कोंटौर (प्रतापगढ़) । → २६–३६ (परि० ३) ।

दशकुमार चरित (पद्य)—बलदेव (कवि) कृत । वि० संस्कृत ग्रंथ दशकुमार चरित का अनुवाद ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहिपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–२३१ ।

दशकुमार चरित (पद्य)—शिवदत्त (त्रिपाठी) कृत । वि० संस्कृत ग्रंथ दशकुमार चरित का अनुवाद ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहिपुर (नौलखा), डा० हँडिया खास (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–४१४ ।

दशमलव दीपिका (गद्य)–रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६३३ । वि० गणित ।
प्रा०– पं० बाबूराम शर्मा, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१५३ ।

दशम स्कंध (संक्षेप लीला) (पद्य)—माधवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण की ब्रज लीलाओं का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभ ग, काँकरोली ।→सं० ०१–२८६ ख ।

दशरथ—महापात्र नरहरि के बंधु । सद्वंधु के पुत्र । चत्रभुज (चतुर्भुज) के वंशज । असनी (फतेहपुर) निवासी । सं० १७६२ के लगभग वर्तमान ।
नवीनाख्य (पद्य)→०६–५८; ४१–१०१ ख, ग, घ; सं० ०७–८० ।
वृत्तविचार (पद्य)→०६–१५३; ०६–५७; ४१–१०१ क ।

दश लाक्षणिक धर्मपूजा (गद्य)—रग्घू (जैन) कृत । वि० जैनधर्म विषयक धर्मपूजा ।
प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–२७७ ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ अपभ्रंश की रचना है ।

दशशीश—पाटन (आगरा) निवासी । सं० १७७५ के लगभग वर्तमान ।
कोकसार (गद्यपद्य)→१७–४४ ।

दशावतार (पद्य)—जसवंत कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० दस अवतारों का वर्णन ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२७४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

दशावतार (गद्यपद्य)–शंकराचार्य कृत । वि० दशावतार वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १७६५ ।
प्रा०—पं० शिवबालकराम, कपुरीपुर, डा० करहिया (रायबरेली) । →सं० ०४–३७५ ।
(ख) लि० का० सं० १८०४ ।
प्रा०—पं० अमरनाथ, दातापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४२४ ए ।
(ग) प्रा०—श्री मन्नीलाल गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४२४ बी ।

दशावतार कथा (पद्य)—पर्वतदास कृत । र० का० सं० १७२१ । लि० का० सं० १७६६ । वि० दस अवतारों का वर्णन ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–८७ ए ।

दस विध पचखाँण सभाय (पद्य) रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७४० (लगभग) । वि० जैन धर्म ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२३३ ।

दस्तूर अमल (पद्य)—सुखलाल कृत । र० का० सं० १६०८ । वि० राजनीति ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–११३ ए ।

दस्तूर चिंतामणि (गद्यपद्य)—धीरजसिंह कृत । वि० गणित ।
प्रा०—पं० पीतांबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ़ ।→०६–३० बी ।

दस्तूर मालका (पद्य)—रामसिंह कृत । वि० 'लीलावती' के आधार पर गणित के सिद्धांतों का वर्णन ।
प्रा०—लाला कल्याणसिंह, मुतसद्दी, टीकमगढ़ ।→०६–१०१ ।

दस्तूर मालका (मालिका) (पद्य)—फतेहसिंह कृत । र० का० सं० १८०७ । वि० व्यापार गणित ।
(क) लि० का० सं० १८६८ ।
प्रा०—राजा जगदंबाप्रसादसिंह, अयोध्या ।→२०–४८ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६०७ ।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर ।→०५–५४ ।

दस्तूर मालिका (पद्य)—कमलाजन (कमल) कृत । र० का० सं० १८४७ । वि० बहीखाते की शिक्षा ।
(क) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय, अजयगढ़ ।→०६–५७ ।
(सं० १६१२ की एक प्रति लाला देवीप्रसाद, छतरपुर के पास है) ।
(ख) प्रा०—लाला गयाप्रसाद, किराड़ी, परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २६–२१८ ।

दस्तूर मालिका (गद्यपद्य)—वंशीधर कृत । र० का० सं० १७६५ । वि० भूमि और लेनदेन तथा व्यापारादि में प्रयुक्त होनेवाला गणित ।
(क) लि० का० सं० १७८६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१ : ।
(ख) लि० का० सं० १६०२ ।
प्रा०—श्री रामशरनलाल श्रीवास्तव, पूरेरामदीन शुक्ल (मजरिया इंदरिया), डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं० ०४–३६० ।

दस्तूर शिकार का (गद्य)—हसनअली खाँ कृत । र० का० सं० १८१६ । लि० का० सं० १८१६ । वि० शिकारी पक्षियों को पकड़ने, पालने और उनके रोगादि का उपचार ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४८६ ।

दस्तूर सागर (पद्य)—परमेश्वरीदास कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० 'लीलावती' के अनुसार गणित की क्रियाएँ ।
प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०५–४५ ।

दहमजलिस (हिंदी) (पद्य)—हरप्रसाद (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १७९२। वि० इमाम हुसेन और मजीद के संग्राम की कथा।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२–७० सी।

दाताकर्ण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कर्ण के दान का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५१८।

दाताराम—उप० दीनदास। बदल शुक्ल के पुत्र। चतुर नगर (परगना चाइल, इलाहाबाद) निवासी। बैजनाथ के शिष्य। सं० १९२४–३२ के लगभग वर्तमान।

कविता (पद्य)→२६–९० बी।

गोकुलकांड (पद्य)→०६–१६१।

गोपीविरह माहात्म्य (पद्य)→२६–९० ए; २९–९० डी।

प्रेमबिहारी (पद्य)→२९–९० सी।

मदचरित्र (पद्य)→२६–९० सी; २९–९० बी।

संग्रहीत लतिका (पद्य)→२६–९० डी; २९–९० ए।

दादू→'दादूदयाल' (सुप्रसिद्ध संत)।

दादू की बानी (पद्य)—अन्य नाम 'दादूदयाल की बानी' और 'दादूदयाल कृत संग्रह'। दादूदयाल कृत। वि० निर्गुण भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—चौधरी गंगाराम, इगलास, अलीगढ़।→२९–७३।

(ख) लि० का० सं० १८२१।

प्रा०—एसियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–३७।

(ग) लि० का० सं० १८३४।

प्रा०—श्री लालताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर)।→२६–८५।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–४२।

(ङ) प्रा०—पं० रतन जी, सिकंदरपुर, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३–८१।

(च) प्रा०—श्री राधागोविंद जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)। →३२–४७ ए।

(छ) प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। → ४१–५०२ (अप्र०)।

दादूदयाल—दादू पंथ के प्रवर्तक प्रसिद्ध महात्मा। जन्म अहमदाबाद (?) में सं० १६०१ में। नराना (जयपुर के निकट) में सं० १६६० में मृत्यु। जनगोपाल, जगजीवनदास और सुंदरदास के गुरु।→००–२८; ०२–६३; ०२–६४; ०६–१७५; ०६–२४२।

कायाबेलि (पद्य)→सं० ०७–८१ क।

दादू की बानी (पद्य)→०१–३७; १७–४२; २३–८१; २६–८५; २९–७३; ३२–४७ ए; ४१–५०२ (अप्र०)।

पद या शब्द (पद्य)→३२-४७ बी; सं० ०७-८१ ख, ग, घ; सं० १०-५७ क, ख।

साखी पद्य)→सं ०७-८१ ङ, च, छ; सं० १०-५७ ग, घ।

दादूदयाल की बानी→'दादू की बानी' (दादूदयाल कृत)।

दादूदयाल कृत संग्रह→'दादू की बानी' (दादूदयाल कृत)।

दादूदयालजी को जन्म लीला (पद्य)—जनगोपाल कृत। वि० दादूदयाल का जन्म वृत्त।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ ङ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ घ।

दादू सबद→'पद या शब्द' (दादूदयाल कृत)।

दानकथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० जैन धर्म की कथा।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४-२५८ ख।

दानचौंतीसी (पद्य)—माखन (लखेरा) कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० कृष्ण की दानलीला।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर (बुंदेलखंड)।→०६-६८।

(एक अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया में है)।

दानपचीसी (पद्य)—कुशलेश कृत। र० का० सं० १८४४। वि० कृष्ण जी की दानलीला।

प्रा०—पं० श्रीधर पाठक, लूकरगंज, इलाहाबाद।→१७-१०२।

दानपद (पद्य)—कुंभनदास कृत। राधाकृष्ण की दानलीला।

प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य, माट (मथुरा)।→३२-१२८।

दानमाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० कृष्ण की दानलीला।

(क) लि० का० सं० १८१३।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-५४२ क (अप्र०)।

(ख) प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वेलेजलीगंज, मिरजापुर। → ०२-१०४ (सात)।

(ग) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर →०६-१६३ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर।→१२-१०५।

दानलीला (पद्य)—आनंद कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं १८४१। वि० कृष्ण का गोपियों से गोरस का दान माँगना।

प्रा०—मालवीय रघुनाथराम, सर्वोपकारक पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी। →०६-४ बी।

दानलीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२-२२३ सी ।

दानलीला (पद्य)—कुंभनदास कृत । जि० कृष्ण और गोपियों की दानलीला ।
(क) लि० का० सं० १६१८ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४४ क ।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४४ ख ।

दानलीला (पद्य)—कृष्णदास (पयहारी) कृत । वि० कृष्ण का गोपियों से दही माँगना, नखशिख और ज्ञानप्राप्ति ।
(क) लि० का० सं० १८८१ ।
प्रा०—पं० रामप्रसन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→२३-२१६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १६१३ ।
प्रा०—श्री वासुदेव पांडेय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६-२४७ ए ।
(ग) लि० का० सं १६३० ।
प्रा०—पं० शिवविहारी दूबे, जाजमऊ, डा० राजेपुर (उन्नाव) ।→२६-२४७ बी ।
(घ) लि० का० सं० १६५३ ।
प्रा०—पं० यशोदानंद तिवारी, काँथा (उन्नाव) ।→२३-२१६ बी ।
(ङ) प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुंशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६-२४७ सी ।
(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-२४७ डी ।
(छ) प्रा०—महंत मोहनदास, द्वारा बाबा पीतांबरदास, सोनामऊ,डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→१६-२४७ ई ।

दानलीला (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री छीतरमल, पिथौरा, डा० सिकंदरराऊ (अलीगढ़) ।→२६-१०७ सी ।

दानलीला (पद्य)—गिरिजेंद्रप्रसाद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री शिवनारायणलाल, भोन (रायबरेली) ।→२३-१२७ ।

दानलीला (पद्य)—गिरिधरचंद्र कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महंत मोहनदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६-१३६ ।

दानलीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महंत जगन्नाथदास, कबीरपंथी, मऊ (छतरपुर) ।→०६-१४७ जी (विवरण अप्राप्त) ।

दानलीला (पद्य)—ध्यानदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर (बुंदेलखंड) ।→०६-१६ ए ।
(विवरण अप्राप्त) ।

दानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'दानविनोद'। ध्रुवदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६–७३जे।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।।→४१–११७ ज।

दानलीला (पद्य)—परमानंद कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–१३३।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ की भाषा गुजराती मिश्रित है।

दानलीला (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोई बाजार, वृंदावन (मथुरा)। →१२–१३८ सी।

दानलीला (पद्य)—मनचित्त कृत। वि० अश्वमेध के अवसर पर वासुदेव द्वारा दान करना।

प्रा०—भारत भवन पुस्तकालय, छतरपुर।→०६–७१।

दानलीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१६५।

दानलीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२८७।

दानलीला (पद्य)—रसखान कृत। वि० कृष्ण के गोपियों से दही लेने की संक्षिप्त कथा।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२१६ ख।

दानलीला (पद्य)—रसिक कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८८।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरिप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३२७।

(ख) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—पं० बाबूलाल दूबे, कलिया, डा० काकोरी (लखनऊ)।→सं० ०७–१६२।

दानलीला (पद्य)—राज्येप्रसाद कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०— पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर)।→२०–१४१।

दानलीला (पद्य)—रामदत्त कृत। र० का० सं० १७५५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० बौड़ी (बहराइच)।→२३–३४१।

दानलीला (पद्य)—रामसखे कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–८१।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१६–१५८ ए।

दानलीला (पद्य)—वंशीधर कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३८२।

खो० सं० वि० ५३ (११००–६४)

दानलीला (पद्य)—ब्रजभूषण (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १८४८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→सं० ०१–४०२ क।

दानलीला (पद्य)—ब्रजराज (पंडित) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—बाबू मुंशीलाल, कटरा, इलाहाबाद।→४१–२६० क।

(ख) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—लाला लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सोराँव (इलाहाबाद)।→४१–२६० ख।

दानलीला (पद्य)—श्यामलाल (माथुर) कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १९००। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामभरोसे गौड़, बीधापुर, डा० टप्पल (अलीगढ़)।→ २६–३२२ बी।

दानलीला (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८४०। वि० श्रीकृष्ण की दानलीला।

प्रा०—ठा० फतेहबहादुरसिंह, क्षत्रियपुर, डा० मझगवाँ (जौनपुर)।→ सं० ०१–४६१ छ, ज।

दानलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामस्वरूप शर्मा, पंडित का पुरवा, मधु, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। →२६–३७ (परि० ३)।

दानलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३७६।

दानलीला→'उदय ग्रंथावली' (उदय कवि कृत)।

दानलीला→'ग्वारिनी झगड़ा' (रामकृष्ण कृत)।

दानलीला→'दधिलीला' (परमानंददास कृत)।

दानलीला→'श्रीकृष्ण ग्वालिनि को झगरा' (संगम कृत)।

दानलीला का बारहमासा (पद्य)—रामनाथ कृत। लि० का० सं० १९२७। वि० कृष्ण जी का गोपियों से दही दान लेना।

प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाँईखेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव)।→२६–३८४ए।

दान लोभ संवाद (पद्य)– नवलसिंह (प्रधान) कृत। वि० दान और लोभ का विवाद।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–७९ (सी सी)।

दानविनोद→'दानलीला' (ध्रुवदास कृत)।

दान विलास (पद्य)—विचित्र (कवि) कृत। र० का० सं० १७४०। लि० का० सं० १८२८। वि० कृष्ण का गोपियों से दान माँगना।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–३१२ (विवरण अप्राप्त)।

दामरी लीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र० का० सं० १९४०। लि० का० सं० १९४०। वि० यशोदा के कृष्ण को ऊखल से बाँधने की कथा।

प्रा०—गो० भगवानदास, श्यामविहारी लाल का मंदिर, पीलीभीत।→१२–६३ ए।

दामरी लीला (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की दामरीलीला का वर्णन।

प्रा०—पं० शिवलाल, सोनई (मथुरा)।→३८–१७१।

दामो—सं० १५१६ के लगभग वर्तमान।

लक्ष्मणसेन पदमावती कथा (पद्य)→००–८८।

दामोदर (चौबे)→'उरदाम' ('उरदाम प्रकाश' के रचयिता)।

दामोदर (पंडित)–(?)

साबरमंत्र (गद्य)→२६–२५५ ए; द्वि० ३१–६३ सी।

दामोदर (वैद्य)—(?)

वैद्यक (गद्य)→२६–७६।

दामोदरदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। लालस्वामी के शिष्य। सं० १६८७-१६६२ के लगभग वर्तमान।

गुरुप्रताप (पद्य)→१२–४६ बी; ४१–५०३ ख (अप्र०)।
जजमान कन्हाई जस (पद्य)→१२–४६ ए।
नेमबत्तीसी (पद्य)→१२–४६ डी; २६–७४; ४१–५०३ क, ग (अप्र०)।
पद (पद्य)→१२–४६ एफ; ४१–१०२ क।
रसलीला (पद्य)→१२–४६ आई।
रहस विलास (पद्य)→१२–४६ एच।
राधाकृष्ण वर्णन (पद्य)→४१–१०२ ख।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→१२–४६ जी।
वसंत लीला (पद्य)→१२–४६ ई।
समय प्रबंध (पद्य)→०६–५३।
स्वगुरु प्रताप (पद्य)→१२–४६ सी।
हरिनाम महिमा (पद्य)→४१–१०२ ग।

दामोदरदास—स्वा० जगजीवनदास के शिष्य। सं० १८४७ के पूर्व वर्तमान।

मार्कंडेय पुराण (गद्यपद्य)→०२–६३।

दामोदरदास—परमानंददास के शिष्य। सं० १७७७ के लगभग वर्तमान।

मोहविवेक की कथा (पद्य)→२६–७५ ए, बी।

दामोदरदास—(?)

ज्ञान प्रश्नावली (गद्य)→२°–८७।

दामोदरदास→'नाथूराम और दामोदरदास' (जैन)।

दामोदरदास (गोस्वामी)—प्राणनाथ और रसिकसुजान के गुरु। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।→१२–१३०; १२–१५७।

दामोदरदेव—दक्षिणी ब्राह्मण पद्मदेव के पुत्र। ओड़छा के महाराज सम्मीरसिंह के गुरु। सं० १८८८–१९१३ के लगभग वर्तमान।

उपदेश अष्टक (पद्य)→०६–२४ सी।

बलभद्र पचीसी (पद्य)→०६–२४ ई।

बलभद्र शतक (पद्य)→०६–२४ बी।

रससरोज (पद्य)→०६–२४ ए।

वृंदावनचंद्र शिखनख ध्यान मंजूषा (पद्य)→०६–२४ डी।

दामोदर लीला (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। र० का० सं० १८५२। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२५।

दामोदर लीला (पद्य)—देवीदास कृत। वि० श्रीकृष्ण चरित्र (कृष्ण के ऊखल में बाँधने का वर्णन)।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर।→२३–६६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–६८।

दामोदर स्वामी के पद→'पद' (दामोदरदास कृत)।

दामोदर हरसानी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य और दामोदरदास की भक्ति विषयक वार्ता।

प्रा०—पं० श्यामलाल, भरोठा, डा० सोनई (मथुरा)।→३८–१७२।

दामोदर हरिदास चरित (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानावली'। बाँकीदास (बीठू) कृत। र० का० सं० १८८३। वि० गुरु शिष्य का चोरों को उपदेश देकर चोरी के कर्म से मुक्त करना।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१६०।

दाराशिकोह→'दारासाहि' ('दोहासार संग्रह' के रचयिता)।

दारासाहि—अन्य नाम दाराशिकोह। शाहजहाँ बादशाह के बड़े पुत्र। लालबाबा के आश्रयदाता। सं० १७१० के लगभग वर्तमान।→२३–२३६।

दोहासार संग्रह (पद्य)→०६–१५२; सं० ०४–१५५।

दाशरथिदास—उप० दिव्य। अयोध्या निवासी। १९ वीं शताब्दी में वर्तमान।

रामलीला सहायक (पद्य)→२०–३३।

दाशरथि दोहावली (पद्य)—रत्नहरि कृत। र० का० सं० १९२०। लि० का० सं० १९२१। वि० रामचरित्र।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१६२ ए ।

दास—दादूपंथी ।

पंथपारख्या (पद्य)→सं० ०१–१५६ ।

दास—संभवतः कबीर के अनुयायी ।

पद (पद्य)→सं० ०७–८२ क ।

भक्त विरुदावली (पद्य)→सं० ०७–८२ ख ।

दास (?)—संभवतः भिखारीदास ।

रघुनाथ नाटक (पद्य)→३५–२० ।

दास—(?)

ब्रजमहात्म चंद्रिका (पद्य)→सं० ०१–१५५ ।

दास—(?)

राग निर्णय (पद्य)→सं० ०१–१५४ ।

दास→'भिखारीदास' (हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि) ।

दास—(कवि)—पूरा नाम दलसिंह । पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । सं० १६१० के लगभग वर्तमान ।

केदारपंथ प्रकाश (पद्य)→०३–१०६ ।

दलसिंघानंद प्रकाश (पद्य)→०३–११० ।

दासगिरंद—क्षत्रिय । नवाब रामपुर (मुरादाबाद) के निवासी ।

हरिभजन (पद्य)→२६–११६ ।

दासगोपाल→'गोपाल' (दासगोपाल)' ('रामरसिक रागमाला' के रचयिता) ।

दासमनोहरनाथ—गुरुदीन कवि के गुरु । 'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२–५७ (सैंतीस); ०६–२४ ।

दासराम—सं० १७७१ के लगभग वर्तमान ।

भक्ति उक्ति कृष्ण आज्ञा (पद्य)→सं० ०४–१५६ ।

दासराम—(?)

सूर्यकांड (पद्य)→सं० ०१–१५७ ।

दासान्यदास—गो० तुलसीदास जी के परम भक्त ।

तुलसी चरित्र (पद्य)→२३–८४; २६–८६ ए, बी ।

दिग्गज (कवि)—महाराज उद्योतसिंह के पुत्र दीवान पृथ्वीसिंह के आश्रित । सं० १७६६ के लगभगवर्तमान ।

भारत विलास (पद्य)→०३–३८ ।

दिग्विजय चंपू (पद्य)—शिवदास गदाधर कृत । र० का० सं० १६१० । लि० का० सं० १६१२ । वि० महाराज दिग्विजयसिंह का यश वर्णन ।

प्रा०—श्री लक्ष्मीदेव द्विवेदी, अलीनगर, गोरखपुर ।→सं० ०१–४१६ ।

दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत । र० का० सं० १६२५ । लि० का० सं० १६२५ । वि० अलंकार ।

प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, तालुकेदार और अवैतनिक मजिस्ट्रेट, सीतापुर ।→ २६–१४३ बी ।

दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)—रामस्वरूप कृत । वि० गोकुल कवि कृत 'दिग्विजय भूषण' की टीका ।

प्रा०—श्री उर्वीधर त्रिवेदी, पुरहिया, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → सं० ०४–३४४ ।

दिग्विजयसिंह—बलरामपुर (गोंडा) के राजा । राजा अर्जुनसिंह के पुत्र । दलपतिराम, गोकुल और शिवदास गदाधर के आश्रयदाता । सं० १६२० के लगभग वर्तमान । →०६–५२; ०६–६५; २६–१४३; सं० ०१–४१६ ।

छंद दस्तखत (पद्य)→२०–४३ ।

नीति रत्नाकर (पद्य)→सं० ०१–१५८ ।

दिग्विजयसिंह—सुजाखर (प्रतापगढ़) के क्षत्री । तालुकेदार । दुर्गालाल कायस्थ के शिष्य । बीसवीं शताब्दी में वर्तमान । →२६–१११ ।

अनुराग विलास (पद्य)→२६–१०६ ।

दिग्विजयसिंह—भिनगा नरेश । जगतसिंह के पिता । सं० १८२० के लगभग वर्तमान । →०६–१२७; २०–६४ ।

दिन नापने का कायदा (गद्यपद्य)—लेखराजसिंह कृत । वि० ज्योतिष के अनुसार दिन नापने की विधि तथा जन्म विचार ।

प्रा०—श्री मोहरमन, गढ़यान, डा० बरावर (मैनपुरी) ।→३५–५७ ।

दिनमनि वंशावली गुण कथन (पद्य)—सिंधु (कवि) उप० आनंद कृत । वि० उदयपुर के महाराणाओं की वंशावली ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४४८ ।

दिनेश—बैजनाथ के पिता । संभवतः अच्छे कवि भी । सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान । →२६–२४ ।

दिनेश (पाठक)—मगपुरपट्टन के निवासी । दामोदर के पुत्र । राजा अमरसाहि के अनुज प्रबलसिंह के आश्रित । सं० १७२४ के लगभग वर्तमान ।

रसिक संजीवनी (पद्य)→४१–१०३ क, ख ।

दिल बहलाव (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६४० । वि० संगीत ।

प्रा०—लाला बालकराम, गोविंदपुर, डा० मोधोगंज (हरदोई) ।→२६–३६६ ।

दिल बहलाव (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गजल ख्याल और भजनों का संग्रह ।

प्रा०—लाला सूरजदीन महाजन, लदपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा) । →३५–१६० ।

दिल लगन (वैद्यक)→'दिललगन चिकित्सा' (सीताराम कृत)।

दिल लगन चिकित्सा (पद्य)—अन्य नाम 'दिल लगन (वैद्यक)'। सीताराम कृत। र० का० सं० १८७०। वि० वैद्यक ('माधवनिदान' का अनुवाद)।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—पं० मार्तंडदत्त वैद्य, रायबरेली।→२३–३८६।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—पं० रामदुलारे वैद्य, मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६–३०६ ए।

(ग) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री रामलाल शर्मा, निहालगंज, डा० घूमरी (एटा)।→२६–३०६ सी।

(घ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०–ठा० सीतारामसिंह, महाराजनगर, डा० मैगलगंज (सीतापुर)। → २६–४३८ ए।

(ङ) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० गणपति दूबे, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर)।→२६–४३८ बी।

(च) लि० का० सं० १६२१।

प्रा०—ठा० नैपालसिंह, भौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६–४३८ सी।

(छ) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद वैद्य, बकौठी, डा० सिकंदरपुर (सीतापुर)। → २६–३०६ बी।

दिलीप रंजिनो (पद्य)—उत्तमचंद कृत। र० का० सं० १७६०। लि० का सं० १८६१। वि० राजा दिलीपसिंह के वंश का वर्णन।

प्रा०—राज संग्रहालय, लखनऊ।→१७–२०१।

दिलीपसिंह—राजा। उत्तमचंद के आश्रयदाता। सं० १७६० के लगभग वर्तमान। →१७–२०१।

दिलेराम—तरसोपरि ग्राम (व्रज) के निवासी। मधुसूदन पांडे के पौत्र और घनश्याम पांडे के पुत्र। शिवप्रसाद के शिष्य।

अलंकार दीपक (गद्यपद्य)→४१–१०४।

दिल्ली को पातशाही का ब्योरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० दिल्ली के राजाओं का परिचय।

प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, संपादक 'सनाढ्य जीवन', इटावा।→३८–१७३।

दिल्ली की पातसाही (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७७४। वि० दिल्ली के राजाओं की वंशावली और उनका राजत्व काल।

प्रा०—पं० कुमारपाल पचौली, तरामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३२–२४१।

दिव्य→'दाशरथिदास' (अयोध्या निवासी)।

दीक्षामंगल (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० गुरु दीक्षा लेने का माहात्म्य।
प्रा०—गो० कुंजीलाल, बरसाना (मथुरा)।→३२–२३२ बी।

दीतवार की कथा (पद्य)—बनारसी कृत। वि० रविवार व्रत की कथा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, अछनेरा (आगरा)।→३२–१८ बी।

दीतवार की कथा (पद्य)—मनोहरदास कृत। लि० का० सं० १६१५। वि० जैन धर्मानुसार रविवार की कथा का वर्णन।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–१४६।

दीन—(?)
झूलणा (पद्य)→३८–४३।

दीन→'हितललित' ('हिताष्टक' के रचयिता)।

दीनदयाल (गिरि) हिंदी के प्रसिद्ध कवि। दशनामी संन्यासी। काशी निवासी। सं०१८५६ में जन्म और सं० १६२२ में मृत्यु।
अंतर्लापिका (पद्य)→०४–६६।
अनुरागबाग (पद्य)→०४–४०; २३–१०४ ए, बी।
अन्योक्तिमाला (पद्य)→२३–१०४ सी; डी; सं० ०४–१५७ क।
काशी पंचरत्न (पद्य)→०४–६१; सं० ०४–१५७ ख।
कुंडलिया (पद्य)→२३–१०४ ई।
चकोरपंचक (पद्य)→०४–७१।
चित्रकाव्य (उदधिबंध) (पद्य)→३८–४५।
दीपक पंचक (पद्य)→०४–६२।
दृष्टांत तरंगिणी (पद्य)→०४–७७; ०६–७४ ए; २०–४४; २३–१०४ एफ, जी।
फुटकर रचनाएँ (पद्य)→सं० ०४–१५७ ख।
भगवती पंचरत्न (पद्य)→सं० ०४–१५७ ख।
विश्वनाथ नवरत्न (पद्य)→०४–४४; सं० ०४–१५७ ख।
वैराग्य दिनेश (पद्य)→०६–७४ बी; २३–१०४ एच।

दीनदास—(?)
फलग्रंथ (पद्य)→सं० ०४–१५८।

दीनदास→'दाताराम' (चतुरनगर, इलाहाबाद निवासी)।

दीनदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। बछरावाँ (रायबरेली) के निवासी। जाति के कुर्मी। गुरु का नाम बाबा रामसहाईदास।
अघनासन (पद्य)→सं० ०४–१५६ ख।
बानी (पद्य)→सं० ०४–१५६ क।

दीनबंधु (कुर्मी)—अनिखा निवासी।

रामअश्व वर्णन (पद्य)→३८–४४।

दीनव्यंग शत (पद्य)—भवानीप्रसाद (शुक्ल) कृत। लि॰ का॰ सं॰ १६१६। वि॰ व्यंग वचनों द्वारा ईश्वर विनय।

प्रा॰—पं॰ बनवारीलाल, लक्ष्पति मुहल्ला, द्वारा श्री केशवदेव रोरीवाले, हाथरस (अलीगढ़)।→१७–२४ ए।

दीनव्यंग सत (पद्य)—तोषनिधि (तोष) कृत। वि॰ ईश विनय।

(क) लि॰ का॰ सं॰ १६२०।

प्रा॰—पं॰ ज्वालाप्रसाद मिश्र, दीनदारपुर (मुरादाबाद)।→१२–१८६।

(ख) लि॰ का॰ सं॰ १६३१।

प्रा॰—पं॰ लड़ैतीलाल, सहपऊ (मथुरा)।→३२–२१६।

दीनानाथ—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। सं॰ १८८४ के पूर्व वर्तमान।

ब्रह्मोत्तर खंड (भाषा) (पद्य)→२६–१०७।

दीनानाथ (?)—ज्ञाननंद के शिष्य।

विजय दर्शन (पद्य)→२६–६१।

दीनानाथ—(?)

भक्त मंजरी (पद्य)→०६–७५।

दीनानाथ—पुष्करण ब्राह्मण। लक्ष्मीनाथ के पिता। बालकृष्ण के पुत्र। सं॰ १८८३ के पूर्व वर्तमान।→०२–२१।

दीप (कवि)—वास्तविक नाम दीपचंद। जैन वैश्य। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।

अनुभव प्रकाश (गद्य)→२६–६२; सं॰ १०–५८ क, ख।

ज्ञानदर्पण (पद्य)→१७–५२।

दीपक पंचक (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि॰ दीपक संबंधी उत्प्रेक्षाएँ।

प्रा॰—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६२।

दीपचंद—छत्ता निवासी। स॰ १७६५ के लगभग वर्तमान।

स्त्री चिकित्सा (गद्य)→पं॰ २२–२६।

दीपनारायणसिंह—काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के अनुज। ब्रह्मदत्त कवि के आश्रयदाता। सं॰ १८६६ के लगभग वर्तमान।→०३–४६।

दीपप्रकाश (पद्य)—ब्रह्मदत्त (उपाध्याय) कृत। र॰ का॰ सं॰ १८६६। लि॰ का॰ सं॰ १८६६। वि॰ नायिकाभेद।

प्रा॰—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–४६।

दीप रामायण (पद्य)—भगवंतदास कृत। लि॰ का॰ सं॰ १८६६। वि॰ रामचरित्र।

प्रा॰—ठा॰ जयरामसिंह, तिहिसा, डा॰ महमूदपुर सेमरी (सुलतानपुर)।→सं॰ ०१–२४७।

दीपविजय—जैन। सं॰ १८८१ के लगभग वर्तमान।

सिद्धांत गणना (पद्य)→दि॰ ३१–३० ए, बी।

दीपा जी— कोई संत।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७—८३ ।

दीपासाहु—टोडरशाह के पुत्र। जिनदास पांडेय के आश्रयदाता ।→सं० ०४—१३२ ।

दीरघ—(?)
वंशी वर्णन (पद्य)→०६—७६ ।

दीरघ पचीसो→'वंशी वर्णन' (दीरघ कृत) ।

दुकूल चितावनी (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १६०७ । वि० श्रृंगार ।
प्रा०—श्री साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ़, डा० खजुरौ (रायबरेली) ।
→सं० ०४—३५४ क ।

दुखभंजन—बबुरी गाँव (बाराबंकी) निवासी ।
अपने भाई महामहोपाध्याय पं० भोजराज के शिष्य। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान ।
कवि कौतुक (पद्य)→२३—१०६ ।

दुखहरन—कायस्थ। गाधीपुर (गाजीपुर) निवासी। पिता का नाम घाटम। गुरु का नाम मलूकदास। संभवतः शिवनारायण स्वामी के गुरु। औरंगजेब बादशाह के समकालीन। सं० १७२६ में वर्तमान।
कवित्त (पद्य)→४१—१०५ क ।
पुहुपावती (पद्य)→४१—१०५ ग ।
प्रह्लाद चरित्र (पद्य)→सं० ०१—१५६ क, ख, ग ।
भक्तमाल (पद्य)→४१—१०५ ख ।

दुखीराम (बरनवाल)—गोठनी गाँव, परगना चौवरमी (सारन, बिहार) के निवासी।
सं० १८५३ के लगभग वर्तमान ।
बोलार चरित्र (पद्य)→सं० ०१—१६० ।

दुनियापति—सेमरी (?) ग्राम के निवासी। प्रपौत्र का नाम जगन्नाथबक्स। सं० १८८७ में वर्तमान।
रामायण (रामलघुचरित्र) (पद्य)→सं० ०४—१६० ।

दुनियामणि—(?)
भजन मुक्तावली (पद्य)→२०—४७ ।

दुरजोधन (दुर्योधन)→'दरजोधन' ('नौनिधि' के रचयिता) ।

दुर्गाकवच (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४३ । वि० दुर्गा जी की भक्ति।
प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिष रत्न, बनजारान, मुजफ्फरनगर।
→सं० १०—१५६ ।

दुर्गाचालीसा (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० दुर्गा की स्तुति।
प्रा०—पं० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३५–२१।

दुर्गादत्त—काशी निवासी। पं० अंबिकादत्त व्यास के पिता। १६ वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।
कवित्त संग्रह (पद्य)→०६–७६।

दुर्गादत्त (द्विवेदी)—रायबरेली के निवासी। इनके पौत्र पं० मार्तंड द्विवेदी इस समय उक्त स्थान में हैं। २० वीं शती के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।
वैद्यदर्पन (गद्य)→सं० ०४–१६१।

दुर्गादास—(?)
ख्याल बारहखड़ी (पद्य)→३२–५७ बी।
ख्याल शिवाजी का (पद्य)→३२–५७।

दुर्गादास→'दुर्गाप्रसाद' ('अजीतसिंह फते ग्रंथ' के रचयिता)।

दुर्गादेवी—(?)
साठिका (गद्य)→४१–१०६।

दुर्गापाठ (टीका भाषा सहित) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिषरत्न, बनबारान, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६०।

दुर्गापाठ (भाषा)(पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १७७६। वि० दुर्गा सप्तसती का अनुवाद।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–४०।

दुर्गापाठ (भाषा)→'उत्तम चरित्र (अक्षरअनन्य कृत)।

दुर्गाप्रसाद—अन्य नाम दुर्गादास। किसी राजाराम पंडित के आश्रित। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।
अजीतसिंह फते ग्रंथ (पद्य)→००–४१; सं० ०४–१६२।

दुर्गाप्रसाद—ब्रजलाल के पुत्र। हमजापुर (अलवर) निवासी। सं० १६२७ के लगभग वर्तमान।
बाराह पुराण (पद्य)→२६–६४ ए, बी।
लीला नरसिंह अवतार (पद्य)→२६–६४ सी।

दुर्गाप्रसाद—सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।
लिंगपुराण (भाषा) (गद्य)→२६–११२ ए, बी, सी, डी।

दुर्गाप्रसाद (कायस्थ)—प्रयागीलाल के पुत्र। गयाप्रसाद, देवीप्रसाद और गणेशप्रसाद इनके भाई। सं० १६२८ के लगभग वर्तमान।→०५–५१।

गजेंद्र मोक्ष (पद्य)→०५–५२ ।

दुर्गाप्रसाद (त्रिपाठी)—सखरेज (मालवा) निवासी ।

वैद्यविनोद (पद्य)→२६–११३ ।

दुर्गाप्रसाद (द्विवेदी)—याकूतगंज (फर्रुखाबाद) के निवासी ।

विवाह पद्धति (गद्य)→३५–२३ ।

दुर्गाप्रसाद (बाजपेयी)—कहीं के सिपाही ।

संग्रह (पद्य)→३८–४६ ।

दुर्गाभक्ति चंद्रिका (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७४६ । लि० का० सं० १८५१ । वि० शुंभ निशुंभ और दुर्गाजी का युद्ध ।

(क) लि० का० सं० १७६६ ।

प्रा०—रत्नाकर संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४८० (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—श्री वंशीधरलाल, टेगरा, गोकुल (मथुरा) ।→१२-१०० ।

दुर्गाभक्ति तरंगिणी (पद्य)—श्रीकृष्ण (भट्ट) कृत । वि० देवी चरित्र और माहात्म्य ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४२७ ।

दुर्गालाल (कायस्थ)—प्रतापगढ़ के महाराज दिग्विजयसिंह के शिक्षक । जन्मकाल सं० १८८० । मृत्युकाल सं० १९५४ ।→२६–१०६ ।

औषधि वर्ग नाममाला (पद्य)→२६–१११ ए ।

कलाधर वंशावली विधान (पद्य)→२६–१११ बी ।

नाममाला (पद्य)→२६–१११ सी ।

दुर्गाशतक (पद्य)—विष्णुदत्त कृत । र० का० सं० १९१७ । वि० देवी की कथा ।

(क) लि० का० सं० १९१७ ।

प्रा०—ठा० जयगोपालसिंह ताल्लुकेदार, रामपुर, तह० कादीपुर (सुलतानपुर) →सं० ०१–३६० ।

(ख) प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–३२८ ।

(ग) प्रा०—ठा० महावीरसिंह तालुकेदार, कोथराकलाँ (सुलतानपुर) । →२३–४४३ ।

दुर्गासंवाद→'देवी विलास' (हरिआनंद कृत) ।

दुर्गा सप्त शती→'उत्तमचरित्र' (अक्षरअनन्य कृत) ।

दुर्गासिंह→'आनन्द' ('प्रहलादचरित्र' के रचयिता) ।

दुर्गा स्तुति (पद्य)—मुखदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ़) । →२६–२३४ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—बाबा रामदास, दहीनगर, टेढ़ा (उन्नाव)।→२६–२३४ सी।

दुर्गेश—रीवाँ नरेश महाराज अजीतसिंह के पुत्र महाराज जयसिंह के आश्रित। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।

द्वैताद्वैतवाद (पद्य)→१७–५३।

दुर्जनदास—कोई साधु।

रागमाला (पद्य)→०६–१६३।

दुर्जनसिंह—बंधौर के जागीरदार। महाराज छत्रसाल के पौत्र। नोने व्यास के आश्रयदाता। सं० १७६७ के लगभग वर्तमान।→०६–८१।

दुर्जनसिंह—चंदेरी के राजा। छत्रसाल मिश्र के आश्रयदाता। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।→०६–२१।

दुर्जनसिंह—सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता। अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान।→०५–६७।

दुलरी लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७४। वि० कृष्ण की एक लीला।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–३७७।

दुलारेदास→'दूलनदास' (जगजीवनदास के शिष्य)।

दुहा श्री ठाकुराँ रा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि० श्रीकृष्ण जी की स्तुति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८६।

दुहासार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७२०। लि० का० सं० १७६१। वि० भक्ति और वैराग्य।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–४।

दूत—(?)

देवी स्तुति (पद्य)→३८–४७।

दूधाधारी—भैया भवानीसिंह नामक किसी रईस के आश्रित।

ज्ञानविलास (पद्य)→२६–१०८।

दूरादूरार्थ दोहावली (पद्य)—रतनहरि कृत। र० का० सं० १६२१। वि० शब्दों के अनेक अर्थों का वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१६२ बी।

दूलनदास (बाबा)—स्वा० जगजीवनदास (सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक) के शिष्य। तोंबरदास, सिद्धदास, नवलदास और पहलवानदास के गुरु। सोमवंशी क्षत्रिय। रायसिंह के पुत्र। तदीपुर (रायबरेली) जन्मस्थान। जन्मकाल सं० १७१७। मृत्युकाल सं० १८३५।→०६–२२१; ०६–३१८; १७–१३१; २०–१६५; २३–३०१; २३–३८६; २६–४३७; २६–४८३।

कवितावली (पद्य)→२६–६३ ए।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४–१६३ क।

दोहावली (पद्य)→२३–१०८ ए, बी; २६–६३ सी ।

नहछुर निर्गुन (पद्य)→०६–७८; २०–४६; २३–१०८ डी; २६–१०६; २६–६३ बी; सं० ०१–१६१; सं० ०४–१६३ ख ।

महावीर की स्तुति (पद्य)→२३–१०८ सी ।

रतनमाल (पद्य)→सं० ०४–१६३ ग ।

विनय संग्रह (पद्य)→१५–२२ ।

दूलह—कालिदास त्रिवेदी के पौत्र । उदयनाथ (कवींद्र) के पुत्र । अंतर्वेद (बानपुर) निवासी । सं० १८०७ के लगभग वर्तमान ।→१७–१६८; २०–७५; २३–४३५ ।

कविकुल कंठाभरण (पद्य)→०३–४३; ०६–१६२; ०६–७७; २०–४५ ए, बी; २३–१०७ ए, बी, सी, डी ।

दूषण दर्पण→'कविदर्पण' (ग्वाल कवि कृत) ।

दूषण भूषण (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत । वि० काव्यांग ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३२६ ए ।

दूषण विलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० काव्य दोष ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६२ एच ।

दूषणोल्लास (पद्य)—अमीरदास कृत । लि० का० सं० १६५१ । वि० काव्य दोष ।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–१२४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

दृगकंज→'कंजदृग' (मैनपुरी निवासी) ।

दृढ़ध्यान (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१० । लि० का० सं० १८८३ । वि० ईश्वर में ध्यान दृढ़ करने के उपाय ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) ।→२६–१६२ सी ।

दृष्टांत (दशम स्कंध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दशमस्कंध के दृष्टांतों का संग्रह ।

प्रा०—श्री रामजी शर्मा, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–२४२ ।

दृष्टांत की साखी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । वि० गुरु और ईश्वर की महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–५३ ।

(ख) लि० का० सं० १८५० ।

प्रा—पं० शिवनंदन, गोसाईंगंज, डा० जयगंज (अलीगढ़)→२६–१६२ एस ।

दृष्टांत तरंगिणी (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० ज्ञान और उपदेश।

(क) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३–१०४ एफ।

(ख) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—श्री गंगासागर त्रिवेदी, सफदरगंज, बाराबंकी।→२३–१०४ जी।

(ग) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०४–७७।

(इसी पुस्तकालय में एक प्रति और है)।

(घ) प्रा०—पं० रघुनाथराम मालवीय, सर्वोपकारक पुस्तकालय गायघाट, वाराणसी।→०६–७४ ए।

(ङ) प्रा०—पं० माखनलाल भट्ट, असनी (फतेहपुर)।→२०–४४।

दृष्टांत बोधिका (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० राम महिमा, ज्ञान, वैराग्य आदि।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—महंत जगदेवदास, पडरी गनेशपुर (रायबरेली)।→सं० ०४–३२७ ख।

(ख) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—संतान मुराव, एरिया, डा० पिपरी (बहराइच)।→२३–३३६ बी।

(ग) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६–३७८ ई।

(घ) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—राजा अवधेकसिंह तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)। → २६–३७८ एफ।

(ङ) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—बाबा रामचरनदास, चंद्रभवन, पयागपुर (बहराइच)। → २३–३३६ सी।

(च) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या।→०६–२४५ के।

(छ) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–२११ (विवरण अप्राप्त)।

(ज) प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या।→१७–१४३ ए।

(झ) प्रा०—स्वा० रामवल्लभशरण, सद्गुरु सदन, अयोध्या। →१७–१४३ ई।

(ञ) प्रा०—साहित्यसदन, सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ़, डा० खजुरौ (रायबरेली)।→सं० ०४–३२७ क।

दृष्टांतबोधिका वैराग्य शतक→'वैराग्य शतक' (रामचरणदास कृत)।

दृष्टांतसागर (पद्य)—रामचरण कृत। वि० ज्ञान वैराग्य और भक्ति।

प्रा०—पं० घूरेमल, राजेगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८–११६ ए।

दृष्टांतसागर की टीका (गद्यपद्य)—रामभजन कृत। र० का० सं० १८३६। वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति विषयक रामचरण कृत 'दृष्टांत सागर की टीका।'

प्रा०—पं० घुरेमल, राजेगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८–११८।

दृष्टांतसार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६१। वि० उपदेश।

प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत कोठीवाल, वसुआपुर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६–३८ (परि० ३)।

दृष्टिकूट के पद (गद्यपद्य)—बालकृष्ण (वैष्णव) कृत। वि० सूरदास कृत कूट पदों की टीका।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–६।

(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–५७३ (अप्र०)।

(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२३७।

(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०२–४६१ घ।

देव→देवकृष्ण' (रामाश्वमेध' के रचयिता)।

देव→'द्यानतराय' (आगरा निवासी)।

देव→'विद्यारण्यतीर्थ देव' ('युगलसुधा' के रचयिता)।

देव (कवि) वास्तविक नाम देवदत्त। जन्म सं० १७३०। जन्म स्थान घोसरिया (इटावा)। समेन गाँव (मैनपुरी) निवासी। फफूँद (इटावा) के राजा कुशलसिंह के आश्रित। ७२ ग्रंथों के निर्माता। →०२–५६ (तात)।

अष्टयाम (पद्य)→००–५३; २०–३६ बी; २३–८६ ए से एफ तक; २६–६५ ए; २६–८० ए से डी तक।

काव्य रसायन (पद्य)→०५–२६; ०६–१५६; ०६–६४ ई; २०–३६ ई; २३–८६ ओ से क्यू तक; २६–६५ डी।

कुसलविलास (पद्य)→०४–३७।

कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन (पद्य)→०४–१०५; पं० २२–३४ बी; ४१–५०४ (अप्र०)।

गण विचार (पद्य)→२३–८६ के।

जातिविलास (पद्य)→०६–६४ सी; २३–८६ एल; एम, एन; २६–६५ सी।

देवमाया प्रपंच नाटक (पद्य)→०४–३५; पं० २२–२४ सी; २६–६५ बी; २६–८० एफ।

नखशिख (पद्य)→२६–६५ ई।

प्रेमतरंग (पद्य)→०६–६४ बी।

प्रेमतरंग चंद्रिका (पद्य)→०३–२८; १२–५० बी; २३–८६ एस, टी; २६–६५ एफ।

प्रेम दर्शन (पद्य)→०६–६४ए; २०–३६ एफ; पं० २२–२४ ए।

भावविलास (पद्य)→०३–११ ०६–६४ एफ; २०–३६ ए; २३–८६ जी से जे तक; २६–८० ई ।

रसरत्नाकर (पद्य)→२३–८६ वी ।

रसविलास (पद्य)→०२–७; २३–८६ यू ।

रागरत्न प्रकाश (पद्य)→२०–३६ सी ।

राग रत्नाकर (पद्य)→१२–५० ए ।

वैद्यक (गद्यपद्य)→२३–८६ वाई ।

वैराग्य शतक (पद्य)→२३–८६ जेड ।

श्रृंगार विलासिनी (पद्य)→२६–८० जी ।

श्रृंगार सुखसागर तरंग (पद्य)→२३–८६ डब्ल्यू ।

सुखसागर तरंग (पद्य)→०६–६४ डी; २० -३६ डी; २३–८६ एक्स ।

सुजानविनोद (पद्य)→०३–१०८ ।

देव (कवि)—अमीर खाँ के आश्रित । दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के समकालीन । सं० १७६७ के लगभग वर्तमान ।

रागमाला (पद्य)→०६–१५५ ।

देव कवि या देव स्वामी→'काष्ठजिह्वा (स्वामी)' ।

देवकीचरित्र (पद्य)—लालसाराम (बाबा) कृत । वि० कृष्ण की माता देवकी का चरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३७८ ।

देवकीनंदन—शुक्ल ब्राह्मण । मकरंदनगर (फरुखाबाद) निवासी । शिवनाथ कवि के पुत्र । गुरुदत्त शुक्ल के भाई । उमरावगिरि के पुत्र कुँवर शरफराज तथा रुद्रमऊ के राजा अवधूतसिंह के आश्रित । सं० १८४३ के लगभग वर्तमान ।

अवधूत भूषण (पद्य)→०६–६५ बी; २३–६० ए ।

श्रृंगार चरित्र (पद्य)→०६–६५ ए; २३–६० डी ।

सरफराज चंद्रिका (पद्य)→०१ ५७ ।

समुरारि पचीसी (पद्य)→२३ -६० बी, सी; २६–८१ ए, बी; ४१–५०६ (अप्र०) ।

देवकीनंदन—सं० १६२७ के लगभग वर्तमान ।

राग संग्रह (पद्य)→२६–६६ ।

देवकीनंदन तिलक→'सतसैया बरनार्थ' (ठाकुर कवि कृत) ।

देवकीनंदनदास→'रूपमंजरी' (वंशीअलि के शिष्य) ।

देवकीनंदन साहब—कौशिक क्षत्रिय । चिटबड़ागाँव (बलिया) के निवासी । हरलाल साहब (गुलाल साहब के शिष्य) के वंशज तेजधारी साहब के पुत्र । सं० १८८६ के पूर्व वर्तमान ।

*कुंडलियाँ (पद्य)→४१–१०७ घ ।

चतुरमासा तथा स्फुट पद (पद्य)→४१–१०७ क ।

शब्द (पद्य)→४१–१०७ ख, ग ।

देवकीनंदनसिंह—महाराज बनारस के राज परिवार के रईस । रामरतनसिंह के पिता । धनीराम, सेवकराम और ठाकुर के आश्रयदाता । सं० १८६७ के लगभग वर्तमान । →०३–११६; ०४–१८; ०६–२८६; २३–६६; २६–४७८ ।

देवकीसिंह—चंदेरी नरेश देवीसिंह के आश्रित । सं० १७३३ के लगभग वर्तमान ।→ ०६-२८ ।

देवीसिंह (महाराज) की बारहमासी (पद्य)→२६–८६ ।

देवकृष्ण—उप० देव । सं० १८२८ के लगभग वर्तमान ।

रामाश्वमेध (पद्य)→सं० ०१–१६२ ।

देवचंद्र—हरिदास या हित हरिवंश के शिष्य । वृंदावन निवासी । पुराने गद्य लेखक । १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।

महाकारण (गद्य)→२३–८८ ।

देवचंद्र—संभवतः जैन ।

चौबीस पद (गद्यपद्य)→दि० ३१ २४ ।

देवचरित्र→'कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन' (देव कृत) ।

देवतों की प्रकमा (परिक्रमा) (पद्य)—गणपत (पांडा) कृत । वि० भजन ।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–२३ ।

देवदत्त—(?)

इंद्रजाल (गद्य)→४१–१०८ ।

देवदत्त→'दत्त' ('महाभारत द्रोणपर्व' के रचयिता) ।

देवदत्त→'दत्त' (सज्जनविलास' के रचयिता) ।

देवदत्त→'देव (कवि)' (हिंदी के सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि) ।

देवदत्त (कवि)—दीक्षित ब्राह्मण । अटेर निवासी । संभवतः सं० १८४० के लगभग वर्तमान ।

उत्तरपुराण (पद्य)→सं० ०४–१६४ ।

देवदास→'देवीदास' ('सूमसागर' के रचयिता) ।

देवनाथ—सं० १८४० के लगभग वर्तमान ।

शिवसगुण विलास (पद्य)→२३–६१ ।

देवपूजा (पद्य)—छोटेलाल कृत । लि० का० सं० १६५० । वि० जिनदेव की पूजा का वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → सं० ०४–१०४ ।

देवपूजा (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० जैन पूजन की विधि ।

प्रा०—श्री बाबूराम जैन, करहल (मैनपुरी) ।→३२–५८ डी ।

देवपूजा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० देव पूजा विधान ।

प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपूरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६१।

देवपूजा विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७०२। लि० का० सं० १७०२। वि० पूजा विधान।

प्रा०—पं० वासुदेव शर्मा, कोटला (आगरा)।→२६–३६१।

देवमणि—(?)

चरनायिका (?) (पद्य)→:६–६६।

देवमणि—(?)

राजनीति के भाव (पद्य)→०६–१५७।

देवमाया प्रपंच नाटक (पद्य)—अन्य नाम 'देवमाया मोह विवेक नाटक'। देव (देवदत्त) कृत। वि० ज्ञानोपदेश ('प्रबोधचंद्रोदय' का छै अंकों में अनुवाद)।

(क) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—श्री गणेशप्रसाद गुप्त, बाह (आगरा)।→२६–८० एफ।

(ख) लि० का० सं० १६८२।

प्रा०—पं० मातादीन द्विवेदी, कुसुमरा (मैनपुरी)।→२६–६५ बी।

(ग) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४–३५।

(घ)→पं० २२–२४ सी।

देवमुकुंदलाल—(?)

फरजंदखेला (पद्य)→०४–२६।

देवलजी—अन्य नाम देवलनाथ। कोई नाथ सिद्ध। गरीबदास के पूर्ववर्ती। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६; ४१–१०६।

सबदी (पद्य)→सं० १०–५६

देवशक्ति पचीसी (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० दुर्गा स्तुति।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०६–२ जी।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–८ सी।

देवसिंह—रामपुर (बहराइच) निवासी। सं० १८८० के लगभग वर्तमान।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२३–६२।

देवसेन—(?)

ज्ञानाक्षरी (पद्य)→१२–४६।

देवस्तुति संग्रह (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६१८। वि० विभिन्न देवताओं की स्तुतियों का संग्रह।

प्रा०—श्री किशनसहाय, झाझनी, डा० जलाली (अलीगढ़)।→२६–१०७ डी।

देव स्वामी→'काष्ठजिह्वा (स्वामी)'।

देवागम स्तवन की देश भाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० तीर्थंकरों की स्तुति।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ च।

(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०७–५६।

देवागम स्तोत्र की वचनिका→'देवागम स्वतन की देश भाषा मय वचनिका' (जयचंद जैन कृत)।

देवादास—(?)

जंबूसर को प्रसंग (पद्य)→सं० ०७–८४।

देवानुराग सतक (पद्य)—बुधजनदास कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—पं० बेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० बिलराम (एटा)।→२६–६१।

देवाराम (बाबा)—महात्मा। जन्म स्थान कारजा ग्राम (आरा)।

पद (पद्य)→४१–११०।

देवाष्टक (पद्य)—शंकराचार्य कृत। वि० राम कृष्णादि अवतारों की प्रार्थना।

प्रा०—पं० बैजनाथ, जसवंतनगर (इटावा)।→३८–१३६।

देवी अष्टक (गद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कृत। र० का० सं० १८६८। वि० देवी जी के अष्टक की व्याख्या।

प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८–८४ बी।

देवी अष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० देवी जी की स्तुति।

प्रा०—पं० सीताराम, खेड़ा, डा० धनुवाँ (इटावा)।→३५–१५४।

देवीचंद—(?)

हितोपदेश (गद्य)→०६–६७।

देवीचंद (महात्मा)—विविध कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–७२ (नौ)।

देवीचरित सरोज (पद्य)—माधवसिंह कृत। र० का० सं० १९१८। लि० का० सं० १६३४। वि० देवी का चरित्र और नखशिख।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→१३–२५६।

देवीचरित्र (पद्य)—आनंदलाल कृत। र० का० सं० १८०६। लि० का० सं० १६०२ (?)। वि० देवीचरित्र वर्णन।

प्रा०—वैद्य पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली)।→सं० ०७–७।

देवीचरित्र (अनु०) (पद्य)—शिवदास कृत। वि० दुर्गासप्तशती का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४१५।

देवीजी की स्तुति (पद्य)—पतितदास कृत। लि० का० सं० १९४६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२५–३४६ बी।

देवीजी को छप्पय (पद्य)—रघुनाथ कृत। वि० देवी स्तुति।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ़)। → ४१–२०७।

देवीदत्त—भाट। जैतपुर नगर के निवासी। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
अटकपचीसी (पद्य)→०४–८५; पं० २२–२६।
बैतालपचीसी (पद्य)→०५–२७; पं० २२–२६।

देवीदत्त (शुक्ल)—उप० पंडित और धीर। हंसराजपुर (इलाहाबाद) के निवासी। पिता का नाम रामदत्त। होलागढ़ (इलाहाबाद) के राजा महरवानसिंह और उनके पुत्र शिवप्रसन्नसिंह के आश्रित। सं० १९०४ के लगभग वर्तमान।
अलंकार दर्पण (पद्य)→सं० ०१–१६३ ख।
हनुमत वीर रक्षा (पद्य)→सं० ०१–१६३ क।

देवीदास—संभवतः कायस्थ। बुंदेलखंड निवासी। करौली (राजपूताना) के राजा रतनपाल के आश्रित। सं० १७४२ के लगभग वर्तमान।
प्रेम रत्नाकर (पद्य)→०६–२२०; १७–४७ बी; २३–९६ बी; २६–९८; दि० ३१–२५।
राजनीति रा कवित्त (पद्य)→०२–१; ०२–८२; ०६–२७; १७–४७ ए।
सोमवंश की वंशावली (पद्य)→सं० ०१–१६५।

देवीदास—कायस्थ। गाजीपुर के निवासी। सं० १९०६ के पूर्व वर्तमान।
करीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)→सं० ०४–१६५ क।
मामकीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)→सं० ०४–१६५ ख।

देवीदास—ऊदादास के शिष्य। संभवतः गोरख और कबीर दोनों के मतों से प्रभावित।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–८६।

देवीदास—जैन। बिसवा (जयपुर) निवासी। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।
पुकार पचीसी (पद्य)→२६–९९।

देवीदास—दीसावाल कुल के वैश्य। वीर क्षेत्र के निवासी। सं० १८४७ के पूर्व वर्तमान।
उषाहरण (पद्य)→३८–३९।

देवीदास—कायस्थ। सं० १८१७ के पूर्व वर्तमान।
रामायण (बालकांड) (पद्य)→२३–९७।

देवीदास—उप० देवदास। सं० १७९४ के लगभग वर्तमान।

सूमसागर (पद्य)→२०–४०; २३–६४ ।

देवीदास—(?)

दामोदर लीला (पद्य)→०६–६८; २३–६६ ए ।

भागवत (द्वादश स्कंध) (पद्य)→०४–८३ ।

देवीदास—(?)

अंगदवीर (पद्य)→४१–११२ ।

देवी दास—(?)

कजानामा (पद्य)→सं० ०१–१६४ ।

देवीदास—(?)

दुर्गाचालीसा (पद्य)→३५–२१ ।

देवीदास—(?)

बालचरित्र (पद्य)→२६–८३ ।

देवीदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक स्वा० जगजीवनदास के शिष्य। देवीदास का पुरवा (रायबरेली और बाराबंकी की सीमा पर स्थित) के निवासी। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।

गुरु उपदेश और गुरु वंदना (पद्य)→सं० ०४–१६६ क ।

मंत्र संग्रह (पद्य)→२३–६५ ।

लीला (पद्य)→२६–१००; २६–८२ ए; सं० ०४–१६६ ख, ग, घ; सं० ०७–८५ ।

विनोद मंगल (पद्य)→२६–८२ बी ।

सुखसनास (पद्य)→सं० ०४–१६६ ङ ।

देवीदास (व्यास)—महाराज करणेश के पुत्र राजकुमार अनूपसिंह के आश्रित। सं० १७२० के लगभग वर्तमान।

नारद नीति (गद्य)→४१–१११ ।

देवोदित्ताराय—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक ये भी हैं। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।→०४–६७ ।

देवीदीन—माथुर वैश्य। कागारोल (आगरा) के निवासी। इटावा के अध्यापक। सहायक विद्यालय निरीक्षक की आज्ञा से इन्होंने पुस्तक की रचना की थी। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।

माप विधान (गद्य)→३८–४० ।

देवी पूजनादि मंत्र (पद्य)—जगन्नाथदास कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० देवी जी की पूजा विधि।

प्रा०—श्री रामभरोसे गौड़ बीघापुर, डा० टप्पल (अलीगढ़)।→२६–१६५ बी ।

देवीप्रसाद—वैश्य (?)। बेला (इटावा) निवासी। बैजनाथ के पुत्र। सं० १९०५ के लगभग वर्तमान।

बारहमासी बिरहनी (पद्य) →२६–८४ ए।

राग फुलवारी (पद्य)→२६–८४ बी।

राग विलास (पद्य)→२६–८४ सी।

सांगीत सार (पद्य)→२६–८४ डी।

देवीप्रसाद—कबीर पंथी। सहिगवाँ निवासी। सं० १८९२ के लगभग वर्तमान।

परखबोध (पद्य)→२३–९८।

देवीबख्श—कायस्थ। बिलग्राम (हरदोई) के रईस। टीकाराम के आश्रयदाता। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।→१२–१८८।

देवीबख्शसिंह (राजा)—रामपुर डेरवा के बिसेन ठाकुर। जगन्नाथसिंह के पिता। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।→१७–७७।

देवी माहात्म्य (पद्य)—मल्ल (कवि) कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० 'दुर्गासप्तशती' का अनुवाद।→पं० २२–६२।

देवी विनय (पद्य)—कान्ह (कवि) कृत। वि० दुर्गास्तुति।

प्रा०— टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२७७ (विवरण अप्राप्त)।

देवीविलास (पद्य)—अन्य नाम 'दुर्गासंवाद'। हरिआनंद कृत। र० का० सं० १८४६। लि० का० सं० १८७७। वि० देवी चरित्र।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४७६।

देवीसहाय (बाबा)—बाजपेयी। मीरासराँय (फरुखाबाद) में सं० १८६८ में जन्म। काशी निवासी। भक्त और गायक। माखनलाल के पुत्र। पुत्तूलाल के पिता। महेशदत्त के पितामह। ये काशी में आत्मा विश्वेश्वर के पास एक शिवालय में रहते थे। ७६ वर्ष की अवस्था में सं० १९४४ में मृत्यु।

भजन (पद्य)→०९–६६।

महेश महिमा (पद्य)→२६–८५।

देवीसिंह—मुरारमऊ के राजा। सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता। सं० १७२७ के लगभग वर्तमान।→सं० ०७–१९५।

देवीसिंह (महाराज) की बारहमासी (पद्य)—देवकीसिंह कृत। लि० का० सं० १९१९। वि० श्रीकृष्ण राधिका संबंधी बारहमासी।

प्रा०—पं० छेदालाल अध्यापक, प्राइमरी पाठशाला, खेरागढ़ (आगरा)।→२६–८६।

देवीसिंह (राजा)—ओड़छा नरेश मधुकरसाहि की पाँचवीं पीढ़ी के वंशज। चंदेरी के राजा। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।
अर्बुद विलास (पद्य)→०६–२८ ई।
आयुर्वेद विलास (पद्य)→०६–२८ बी।
कोशिल्याजी की बारहमासी (पद्य)→२६–१०१; सं० ०४–१६७।
देवीसिंह विलास (पद्य)→०६–२८ डी।
नरसिंह लीला (पद्य)→०६–२८ ए।
बारहमासी (पद्य)→०६–२८ एफ।
रहस लीला (पद्य)→०६–२८ सी।

देवीसिंह विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० वैद्यक निदान।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२८ डी।
(एक प्रति लाला देवीप्रसाद, छतरपुर के पास भी है)।

देवी स्तुति (पद्य)—दूत कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० रेवतीनंदन, बेरी (मथुरा)।→३८–४७।

देवी स्तुति→'चीरहरन लीला' (उदय कृत)।

देवी स्तुति और रामचरित्र (पद्य)—गंगाराम (त्रिपाठी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६–८८।

देवी स्तोत्र (पद्य)—शंकराचार्य कृत। लि० का० सं० १८८०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री चंद्रशेखर पांडेय, मनुहार, डा० करहिया (रायबरेली)। → सं० ०४–३७६।

देवेश्वर (माथुर)—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के पुत्र पहौपसिंह के आश्रित। सं० १८३६ के लगभग वर्तमान।
पहौपप्रकाश (पुष्पप्रकाश) (पद्य)→सं० ०१–१६६।

देशराज (चौहान)—हसनपुर (जार ?) के निवासी। सं० १८६६ में वर्तमान।
रामचंद्र स्वामी परार्द्ध चरित्र (पद्य)→३२–५२।

देसावली (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० सृष्टि का भूगोल वर्णन।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ च।

देह→'काष्ठजिह्वा (स्वामी)'।

देहला (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद)। → सं० ०१–३२ ख।

दैन्यामृत (पद्य)—रसिककिशोरमणि (हरिराय) कृत। वि० पुष्टिमार्ग के मतानुसार भक्ति का निरूपण।

प्रा०—पं० रामकिशनदास, दाऊ जी का मंदिर, कालीदह, वृंदावन (मथुरा)। →३५-३८ ए।

देवाज्ञाभरण (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री विध्निनारायण पांडेय, गंगिया, डा० महँसों (बस्ती)। → सं० ०४-३७८ ङ।

दोष निवारण (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत। र० का० सं० १६२३। वि० पिंगल।
प्रा०—श्री मदनलाल, आत्मज श्री पन्नालाल हवेलियाँ अग्रवाल, कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२-३० ए।

दोष बयालीस (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७४०। वि० जैन धर्म के अनुसार दोष वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२३४।

दोहनानंदाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-१२१ (छै)।

दोहरा बहुदेसी (पद्य)—विविध कवि (बिहारी, रहीम, तुलसी आदि) कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० नीति, सदाचार, भक्ति आदि।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-१६१।

दोहा (पद्य)—गोसाईंदास कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री हरिशरणदास, एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)। →सं० ०४-८५ ख।

दोहा (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-२१२।

दोहा (पद्य)—अन्य नाम 'रसनिधि के दोहों का संग्रह', और 'रसनिधि के दोहा या दोहरा'। पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत। वि० विविध।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—गो० गोविंददास, दतिया।→०५-७४।
(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५-७५।
(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-६५ ई, जे, ओ।

दोहा (पद्य)—रतन (कवि) कृत। लि० का० सं० १८५१। वि० शृंगार।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-१०१।

दोहा और कवित्त (पद्य)—अजबदास कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली)।→सं० ०४-३ ख।

दोहा कवित्त (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। लि० का० सं १६४६। वि० रामभक्ति।
प्रा०—भैया ठाकुर यदुनाथसिंह, रेहुआ के रईस, डा० बौंड़ी (बहराइच)।→ २३-३२८ बी।

दोहा को पुस्तक (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।
प्रा०—महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल)।→१२-१७० ए।

दोहा पचीसी (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० देवीप्रसाद, हरनाथपुर (इटावा)।→३८-१६१ ए।

दोहा व पद (पद्य)—सुखनिधान कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-३३३ (विवरण अप्राप्त)।

दोहावली (पद्य)—गंगादास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-७० ख।

दोहावली (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७८५ के लगभग। लि० का० सं० १६४०। वि० उपदेश, भक्ति, ज्ञान आदि।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६-१८७ ए।

दोहावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १६३०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६-१३४ एल।

दोहावली (पद्य)—जीवदास (आचार्य) कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १६१०। वि० भक्ति, वैराग्य और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत जगदेवदास पडरी गनेशपुर, डा० रायबरेली (रायबरेली)। →सं० ०४-१३४।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'दोहावली रामायण'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० नीति, उपदेश और राम भक्ति।
(क) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-४८४ ओ।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, बरदहा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। → २३-४३२ आई।
(ग) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-४८४ पी।
(घ) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६–३२३ बी।

(ङ) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज,लखनऊ।→२३–४३२ जे।

(च) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३–४३२ एच।

(छ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ०४–६२।

(ज) प्रा०—पं० रामभरोसे त्रिपाठी, तिवारीपुर, हुसेनगंज (फतेहपुर)। → २०–१६८ सी।

(झ) प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–४८४ क्यू।

(ञ) प्रा०—पं० देवीप्रसाद शर्मा, फतहाबाद (आगरा)। → २६–३२५ डब्ल्यू[२]।

(ट)→पं० २२–११२ ए।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'साखी'। दूलनदास कृत। र० का० सं० १८२५ (लगभग)। वि० योग, ज्ञान, भक्ति और राम नाम महिमा आदि।

(क) लि० का० सं० १६७०।

प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, जदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। → २३–१०८ ए।

(ख) लि० का० सं० १६८५।

प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरे परान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–६३ सी।

(ग) प्रा०—श्री जंगबहादुर अध्यापक, हरगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर)। →२३–१०८ बी।

दोहावली (पद्य) पतितदास कृत। लि० का० सं० १६४८। वि० नीति और उपदेश।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–३४६ सी।

दोहावली (पद्य)—भुवनदास कृत। लि० का० सं० १६३५। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री देवता महाराज, कानपुर, डा० करहिया बाजार (रायबरेली)। → सं० ०४–२६५।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'अलख प्रकाश'। मंगलदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—श्री ननकू मुरई, हरिदासपुर (रायबरेली)।→सं० ०४–२७३ क।

दोहावली (पद्य)—माखनदास कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।

प्रा४—हिंदी साहित्य संमेलन, इलाहाबाद।→४१–१६२।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'रामसखे की दोहावली'। रामसखे कृत। वि० सीताराम की महिमा।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पंचायती ठाकुर द्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०–१५८ ए।

(ख) प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतपुर।→०५–८०।

दोहावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्तुति।

प्रा०—श्री गोविंदप्रसाद, हिंगोट खिरिया (आगरा)।→२६–३६७।

दोहावली→'भक्ति विनय दोहावली' (गिरवरदास कृत)।

दोहावली (साखी) (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री रामाधीन मुराव, बदौसराय (बाराबंकी)।→२३–७५ ए।

दोहावली रामायण→'दोहावली' (गो० तुलसीदास कृत)।

दोहावली सतसई (पद्य)—अन्य नाम 'रामदोहावली सतसई'। तुलसीदास (?) कृत। वि० नीति, भक्ति और उपदेश।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, तालुकेदार, अग्रेसर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर)।→२३–४३२ बी[3]।

(ख) प्रा०—बाबा सुंदरदास आचार्य, गोंडा।→२०–१६८ बी।

दोहा संग्रह (पद्य)—नजीर कृत। लि० का० सं० १६०७। बि० नीति, ज्ञान और उपदेश।

प्रा०—पंडा रामलोटा महाराज, सोरों (एटा)।→३२–१५६।

दोहा साखी (पद्य)—जगतानंद कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० स्तुति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉँकरोली।→सं० ०१–११६ ख।

दोहासार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१३। बि० उपदेश।

प्रा०—बाबू सुदर्शनसिंह रईस ताल्लुकेदार, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६–३६ (परि० ३)।

दोहासार संग्रह (पद्य)—दारासाहि कृत। र० का० सं० १७१०। वि० ६१ भावों पर १७७ दोहे।

(क) लि० का० सं० १९६४।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–१५५।

(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१५२ (विवरण अप्राप्त)।

दोहे (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानचर्चा और उपदेश।

(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–५४।

(ख) प्रा०—श्री राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२-१०३ आई ।

दोहे (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६३ ञ ।

दोहों का संग्रह (पद्य)—लक्ष्मणदास कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० देवी की आराधना । (एक सौ दोहों का संग्रह) ।
प्रा०—श्री गदाधर चौकसी (समथर) ।→०६-२८४ (विवरण अप्राप्त) ।

दौलत खाँ—शेरशाह सूरी के पुत्र । त्रिलोचन पांडे (तानसेन) के प्रथम आश्रयदाता । सं० १६१७ के लगभग वर्तमान ।→०१-१२ ।

दौलतनामा (गद्य)—अन्य नाम 'बाजनामा' । रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६०७ (लगभग) । वि० पक्षी चिकित्सा ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-६६; ०४-२६ ।
टि० इस ग्रंथ की रचना बादशाह फिरोजशाह की आज्ञा से कई हकीमों ने की थी ।

दौलतराम—खंडेलवाल वैश्य । अल्ल कासलीवाल । पिता का नाम आनंदराम । बसवै (आगरा ?) निवासी । पीछे जयपुर चले गए जहाँ रायमल्ल और रतनचंद (राज्य के दीवान) नामक मित्रों के साथ रहने लगे । जयपुर नरेश महाराज माधवसिंह (राज्यकाल सं० १८०८-२५ वि०) और पृथ्वीसिंह (राज्यकाल सं० १८२५-३६ वि०) के आश्रित ।
अध्यात्म बारहखड़ी या भक्त्यक्षरमालिका बावनी स्तवन (पद्य)→सं० १०-६० क ।
आदिपुराण की बालबोध भाषा बचनिका (गद्य)→२३-८५ ए; सं० ०४-१६८ क, ख; सं० १०-६० ख ।
छैढालो (गद्यपद्य)→३२-४८ बी ।
पद्मपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)→२३-८५ सी; सं० ०४-१६८ ग; सं० १०-६० ग, घ, ङ ।
पुण्याश्रव कथाकोश (भाषा) (गद्य)→सं० ०४-१६८ घ, ङ, च, छ; सं० १०-६० च, छ, ज ।
पुरुषार्थ सिध्युपाय (टीका) (गद्य)→३२-४८ ए; सं० १०-६० झ ।
हरिवंशपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)→२३-८५ बी; सं० १०-६० ञ ।

दौलतराम—जैन धर्मानुयायी । पिता का नाम चतुर्भुज । पितामह का नाम धनपाल । प्रपितामह का नाम साह भामाधर । पुत्रों के नाम ह्रदैराम और सदाराम । पाटणी गोत्र के खमेलवाल जैन । बूँदीगढ़ निवासी । हाड़ा बुधसिंह (बूँदी नरेश) के समकालीन । सं० १७६७ के लगभग वर्तमान । इन्होंने मूलसंघ सरस्वतीगछ

के भट्टारक जगतकीर्ति, कुंदामुनि ब्रह्मचारी और पं० तुलसीदास नामक व्यक्तियों का उल्लेख किया है।

व्रतविधान रासो (पद्य)→सं० ०४–१६६।

दौलतराम—असनी (फतेहपुर) निवासी। शिवनाथ के पुत्र और मदनेस के पिता। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान।

अलंकारबोध संग्रह (गद्य)→२०–३५ ए।

कविप्रिया की टीका (गद्य)→२०–३५ बी।

दौलतराम—सेवक जाति के मारवाड़ निवासी कवि। मारवाड़ नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।

जलंधरनाथजी रो गुण (पद्य)→०२–३०।

दौलतराम—कायस्थ। सूरजपुर (मैनपुरी) निवासी। सं० १९०५ के लगभग वर्तमान।

ज्योनार (पद्य)→३२–५०।

दौलतराम—संभवतः जयपुर के सुप्रसिद्ध दौलतराम। सं० १८२३–२६ के लगभग वर्तमान।

परमात्म प्रकाश (गद्य)→सं० ०७–८७।

दौलतराम—जयपुर निबासी। राजा जयसिंह और मानसिंह के आश्रित।

रसचंद्रिका (पद्य)→३२–४६।

दौलतराव (सिंधिया)—ग्वालियर नरेश। राज्यकाल सं० १८५१ से १८८४ तक। लक्ष्मणराव और शिव कवि के आश्रयदाता।→०६–१८७; ०६–२३६।

दौलतविजय→'दलपत (दौलतविजय)' ('खुमानरासो' के रचयिता)।

दौलतसिंह—(?)

ख्याल त्रियाचरित्र (पद्य)→३२–५१।

द्यानतराय—उप० देव। अग्रवाल (जैन)। आगरा निवासी। जन्मकाल सं० १७३३। सं० १७८० के लगभग वर्तमान।

अढ़ाई पर्व पूजा (भाषा) (पद्य)→३२–५८ ए।

अध्यात्म पंचासिका (पद्य)→३२–५८ बी।

एकीभाव (भाषा) (पद्य)→००–१०१; दि० ३१–३१।

गुटका पूजन (पद्य)→३२–५८ ई।

चर्चाशतक (पद्य)→२३–११०; पं० २२–२५; सं० १०–६१ क।

देवपूजा (पद्य)→३२–५८ डी।

धर्मविलास (पद्य)→सं० १०–६१ ख।

पंचमेरु पूजा (भाषा) (पद्य)→३२–५८ एफ।

पार्श्वनाथ स्तुति (पद्य →दि० ३१–३१।

प्रतिमा बहतरी (पद्य)→सं० १०–६१ ग।

बावन अक्षरी छै ढाल (पद्य)→३२–५८ सी।

मंगल आरती (पद्य)→२६–११७।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। लि० का० सं० १८४१। वि० पुष्टिमार्गी सिद्धांतानुसार वस्तुओं की शुद्धि।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२०७ ख।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्पर्शास्पर्श का विचार।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकराली।→सं० ०१–५१६।

द्रव्य संग्रह (गद्य)—रामचंद्र कृत। लि० का० सं० १७६१। वि० जैनधर्मानुसार मोक्ष ज्ञान।

प्रा०—पं० सुखदेव शर्मा, शेरगढ़ (मथुरा)।→३८–११५।

द्रव्य संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। (मूल रचयिता नेमिचंद्र)। वि० जैन दर्शन।

(क) लि० का० सं० १८५२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६२ख।

(ख) लि० का० सं० १९५४।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१६ क।

द्रव्य संग्रह ग्रंथ की वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। लि० का० सं० १९५६। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ छ।

द्रोणपर्व→'महाभारत (द्रोणपर्व भाषा)' (कुलपति मिश्र कृत)।

द्रोणपर्व (भाषा)→'महाभारत (द्रोणपर्व)' (दत्त कृत)।

द्रोणाचार्य—त्रिवेदी ब्राह्मण। प्रियादास के शिष्य। रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह के आश्रित। सं० १९१० के लगभग वर्तमान।

प्रियादास चरितामृत (पद्य)→०१–१६।

द्रोपति टेर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० द्रोपदी चीर हरण।

प्रा०—पं० बच्चा पांडेय, हुसनपुर, डा० जखनिया (गाजीपुर)। → सं० ०७–२३५।

द्रोपदी अष्टक (पद्य)—हनुमान कृत। वि० द्रोपदी चीरहरण।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४७६ ख।

द्रोपदी इतिहास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० द्रोपदी की कथा का वर्णन।

प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लाला बाजार (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–४६२।

द्रोपदी की स्तुति (पद्य)—रघुवर कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० द्रोपदी चीर हरण।

प्रा०—लाला जगन्नाथप्रसाद खजांची, तहसील राजनगर (छतरपुर)। → सं० ०१–३१६ ख।

द्रोपदी के भजन (पद्य)—सूरदास कृत। वि० द्रोपदी की कृष्ण से प्रार्थना।

प्रा०—पं० ओंकारनाथ, रुनकुता (आगरा) ।→३२–२१२ डी ।

द्रोपदी चौपाई (भाषा) (पद्य)—कनककीर्ति कृत। र० का० सं० १६६३ । लि० का० सं० १७३६ । वि० द्रौपदी का चरित्र ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१–४८ ।

द्रोपदीजी की बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्तुति ।

प्रा०—ठा० हरीसिंह रघुवंशी, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़) ।→२६–३६८ ।

द्रोपदी स्वयंवर (पद्य)—रघुनंदन कृत । र० का० सं० १६८० । लि० का० सं० १६८० । वि० द्रोपदी स्वयंवर की कथा ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–३१२ ।

द्वादश महा वाक्य विचार (पद्य)—वनमाली कृत । वि० वेदांत ।

(क) प्रा०—चौधरी रुस्तमसिंह, धमौआ (मैनपुरी) ।→३२– ७ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→३८–४ बी ।

द्वादश महा वाक्य विचार (पद्य)–रचयिता अज्ञात । वि० वेदशास्त्र संबंधी द्वादश महा वाक्यों की व्याख्या ।

(क) प्रा—पं० लालताप्रसाद ओझा, छपैटी, इटावा ।→३५–१६२ ए ।

(ख) प्रा०—श्री सुंदरदास शर्मा, ग्राम तथा डा० मढ़ेपुरा (इटावा) ।→३५–१६२ बी

द्वादश यश (पद्य)–चतुर्भुजदास कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० भक्ति, धर्म, उपदेश आदि ।

प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर (बुंदेलखंड) ।→०६–१४८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

द्वादश राशि विचार (पद्य)—श्यामराम कृत । लि० का० सं० १८६३ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री रामनरेश गिरि, हुरहुरी, डा० केराकत (जौनपुर) ।→सं० ०१–४२१ ।

द्वादश राशि विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६–४० (परि०३) ।

द्वादश शब्द (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० आत्म निरूपण ।

प्रा०—श्री बालगोविंद, रायपुर, डा० खैरीघाट बेहरा (बहराइच) । →२३–१६८ डी ।

द्वारकादास—(?)

माधव निधान (भाषा) (पद्य)→००–१२६ ।

द्वारिकादास (जन)—मुहम्मदपुर (कानपुर) निवासी । इनके कोई मित्र शुकदेव थे । सं० १६३१ के लगभग वर्तमान ।

तत्वज्ञान की बारहमासी (पद्य)→२६–११५ ए, बी; २६–६५ ए, बी, सी ।

द्वारिकादास की बानी (पद्य)→सं० ०१–१६७ ।

द्वारिकादास की बानी (पद्य)—द्वारिकादास (जन) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री वशिष्ठ उपाध्याय, चिरियाकोट (आजमगढ़) ।→सं० ०१–१६७ ।

द्वारिकाधीश के विचित्र विलास (पद्य) —प्रवीन (कवि) कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० काँकरोली स्थिति द्वारिकाधीश मंदिर के ठाकुर और राय समुद्र तालाब का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२२७ ख ।

द्वारिकाधीश के श्रृंगार (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १८६५ । वि० पुष्टिमार्गीय सेवा पद्धति का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२०७ घ ।

द्वारिकानाथजी के घर की उत्सव मालिका (रीति) (गद्य) —गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत । र० का० सं० १६३३ । वि० धर्म ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१६ क ।

द्वारिकाप्रसाद—हरदोई के सारस्वत ब्राह्मण ।

राधा विलास (पद्य)→२६–११४ ए, बी, सी ।

द्वारिकाप्रसाद→'द्वारिकादास (जन)' ('तत्वज्ञान की बारहमासी' के रचयिता) ।

द्वारिकाप्रसाद (तिवारी)—(?)

रसमंजूषा (गद्य)→२६–६६ ए, बी ।

द्वारिका विलास (पद्य) –रामनारायण कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १८६२ । वि० कुरुक्षेत्र के पर्व पर राधाकृष्ण मिलन वर्णन ।

प्रा०—श्री बालाप्रसाद तिवारी, जैनगरा, डा० राजा फत्तेपुर (रायबरेली) । → सं० ०४–३३५ ।

द्वारिकेश—ब्रज निवासी । वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी । वल्लभाचार्य जी के वंशज मथुरानाथ के पुत्र । सोलहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान ।

कृत्य (गद्य)→१२–५३ ।

द्वारिकेशजी की भावना (पद्य)→०६–१६४ ।

मूलपुरुष (पद्य)→३८–४८ ।

सात स्वरुप के कीर्तन (पद्य)→सं० ०१–१६८ ।

द्वारिकेशजी की भावना (पद्य)—द्वारिकेश कृत । वि० वैष्णवों की जीवन पद्धति ।

प्रा०—पं० रामनेत, टीकमगढ़ ।→०६–१६४ (विवरण अप्राप्त) ।

द्विघटिका (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८८३ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० सुखनंदनप्रसाद अवस्थी, कटरा (सीतापुर) ।→१२–१८० ।

द्विज (कवि)—काशी निवासी 'द्विज' कवि । संभवतः ये वाराणसी (बनारस) वाले मन्नालाल उप० 'द्विज' कवि हैं ।

श्रृंगार सुधाकर (पद्य)→सं० १०–६२ ।

द्विज (कवि)—सं० १८३६ के लगभग वर्तमान ।

सभा प्रकाश (पद्य)→०६–१६५ ।

द्विज (कवि)—(?)

खो० सं० वि० ५१७ (११००–६४)

राधा नखशिख (पद्य)→०३–२७।

द्विज छुटकन→'छुटकन (द्विज)' ('चौताल चिंतामणि' के रचयिता)।

द्विजदेव→'मानसिंह' (अयोध्या नरेश)।

द्विज बलदेव→'बलदेव (द्विज)' ('प्रताप विनोद' आदि के रचयिता)।

द्विजराम→'राम (कवि)' ('पिंगल' के रचयिता)।

द्विजलाल—(?)

सौंदर्यलहरी टीका (पद्य)→सं० ०१–३७५।

द्विज सामरथी→'सामरथी (द्विज)' ('प्रेममंजरी' के रचयिता)।

द्वैतप्रकाश (पद्य)—मधुसूदनदास कृत। र० का० सं० १७४६। लि० का० सं० १८७२। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा)।→२६–२१८।

द्वैताद्वैतवाद (पद्य)—दुर्गेश कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० विशिष्टाद्वैत के निरूपण के साथ द्वैताद्वैत का प्रतिपादन।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१९–५३।

धनंजय—(?)

विषापहार (भाषा) (पद्य)→दि० ३१–२६।

धनंतर→'धन्वंतरि' ('औषधि विधि' के रचयिता)।

धनंतर संहिता (धनंतरि संहिता) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०२। वि० धन्वंतरि संहिता का अनुवाद।

प्रा०—श्री रामशरनलाल श्रीवास्तव, पूरेरामदीन शुक्ल (मजारिया इंदरिया), डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–४६३।

धनधन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० वृंदावन की प्रशंसा।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१६८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख)→पं० २२–६६ ए।

धनपति—अन्य नाम धन्नूलाल। सं० १६२८ के लगभग वर्तमान।

सांगीत बदरेमुनीर (पद्य)→२६–१०२।

धनपाल—माएसर (गुजरात) निवासी एक धाकड़ वैश्य। सं० १००० के लगभग वर्तमान।

भविष्यदत्त कथा (पद्य)→सं० ०१–१६६।

धनवंतरि स्तुति (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत। र० का० सं० १६१६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० शिवरतन पांडेय, भिटारी, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–३६०।

धनाजी—संभवतः स्वामी रामानंद के शिष्य।

पद (पद्य)→सं० ०७–८८; सं० १०–६३।

धनाजी की परिचई (पद्य)—अनंतदास कृत। वि० धनाजी का परिचय।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३ ग।

टि० खो० वि० ४१-२ की प्रति में 'राँका बाँका की परिचई' और 'सेऊ समन की परिचई' भी संगृहीत हैं।

धनीजी के चेले की चौपाई (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० श्री देवचंद जी की यात्रा का वर्णन।

प्रा०—बाबू राममनोहर विचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी, मुड़वारा (जबलपुर)। →२६-३४६ ए।

धनीराम—भाट। ठाकुर (असनी निवासी) के पुत्र। सेवक तथा शंकर कवि के पिता। काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनंदनसिंह और उनके पुत्र बाबू रतनसिंह और जानकीप्रसाद के आश्रित। सं० १८६७-१८८० के लगभग वर्तमान।

काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)→२३-६६।

रामगुणोदय (पद्य)→०३-११६; २६-१०३ ए।

युक्तिरामायण (पद्य)→२६-१०३ बी; २६-१६७; ४१-८०।

धनुर्मास भावना (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार भगवान की सेवा और श्रृंगार का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५२०।

धनुर्विद्या (मूल और टीका) (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार, रीवाँ।→००-४७।

(ख) प्रा०—दरबार पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-२०।

धनुर्वेद (पद्य)—यशवंतसिंह कृत। वि० धनुर्विद्या।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी देहरी, टीकमगढ़।→०६-१२०।

धनुर्वेद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० धनुर्विद्या का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५२१।

धनुषपैज (पद्य)—हरपाल (पारवाले) कृत। वि० राजा जनक के धनुषयज्ञ का वर्णन।

प्रा०—चौधरी मातादीन, बाँक, डा० कुचेला (मैनपुरी)।→३२-७६।

धनुष यज्ञ (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८१०। वि० राम के द्वारा धनुष का तोड़ा जाना और सीताराम विवाह की कथा।

प्रा०—पं० बलभद्र स्वामी आचार्य, मंदिर, अयोध्या।→२०-१५३ ए।

धनुष विद्या (पद्य)—नोने (व्यास) कृत। र० का० सं० १७६८। लि० का० सं० १८११। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–८१ ।

धनुष विद्या→'धनुर्विद्या (मूल और टीका)' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत) ।

धनेसरसूरि—जैन । सं० १६८२ के लगभग वर्तमान ।

सेतुरंजनरास (पद्य)→दि० ३१–२७ ।

धन्ना भगत—अनंतदास कृत 'नामदेव आदि की परची संग्रह' ग्रंथ में इनका परिचय है ।→०१– ३३ (आठ) ।

धन्नूलाल→'धनपति' ('सांगीत बदरेमुनीर' के रचयिता) ।

धन्यकुमार चरित्र (पद्य)—खुशालचंद कृत । वि० किसी जैन महापुरुष का जीवन चरित्र ।

प्रा० श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२११ बी ।

धन्यधन्य→'धनधन' (नागरीदास कृत) ।

धन्वंतरि—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६२१ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री परशुराम बौहरे, नगला धीर, डा० बरहन (आगरा) ।→२६–३६२ ।

धन्वंतरि (धनंतर)—(?)

औषधि विधि (गद्य)→०६–७० ।

धन्वंतरि शतक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—पं० रायकृष्ण शर्मा, धरबार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१५७ ।

धमार (धमाः) पदों का संग्रह (पद्य)—विभिन्न कवि (जनगोविंद, नंददास, चतुर्भुज, राधिकाकृष्ण आदि) कृत । वि० कृष्ण लीलाएँ ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास चौखंबा, वाराणसी ।→४१–४५१ (अप्र०) ।

धमार संग्रह (पद्य)—विविध कवि (व्रजपति, कृष्णजीवन, लछिराम, रामदास आदि) कृत । वि० वसंत, धमार और होरी आदि ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल रहसधारी, मगुर्रा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । → ३५–१५६ ।

धमार सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य कृष्णभक्त) कृत । वि० होरी आदि ।

प्रा०—श्री हरिदेव जी के मंदिर के अधिष्ठाता, आनंदभवन पुस्तकालय, गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–१५५ ।

धमारि (पद्य)—कृष्णचंद्र (हित) कृत । वि० कृष्ण जी की धमारि लीला ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३१ क

धमारि व चरचरी (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० राधाकृष्ण की होली एवं सौंदर्य वर्णन ।

प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह शर्मा, असवाई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → ३२–६६ बी ।

धरणीधर—संभवतः कान्यकुब्ज ब्राह्मण । सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→२०–४२ बी।
जड़चेतन (गद्यपद्य)→२०–४२ ए; २३–१०१ ए, बी।

धरणीधरदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। प्रस्तुत पुस्तक के प्रतिलिपिकार जगजीवनदास के पिता।
चौरासी सटीक (पद्य)→१२–५१।

धरनीदास—अन्य नाम 'धरनीधर'। कायस्थ। माझी (सारन, बिहार) के निवासी। पिता का नाम परशुराम और पितामह का नाम टिकैतराय। संभवतः विनोदानंद के शिष्य। पीछे गोसाईं होगए।
उधवा प्रसंग (पद्य)→४१–११४ ग।
ककहरा (पद्य)→४१–११४ च।
चेतावनी (पद्य)→सं० ०१–१७० क।
धरनीदासजू को संकट मोचन (पद्य)→४१–११४ क।
निर्गुन लीला (पद्य)→सं० ०१–१७० ख; सं० ०७–८६।
पद (पद्य)→४१–११४ घ।
बोध लीला (पद्य)→४१–११४ ङ।
महराई गोसाईं धरनीदास (पद्य)→४१–११४ ख।
शब्द प्रकाश (पद्य)→०६–७१।

धरनीदासजू को संकट मोचन (पद्य)—धरनीदास कृत। लि० का० सं० १८३८–४०। वि० प्राचीन तथा अर्वाचीन भक्तों का गुणगान।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–११४ क।

धरनीधर→'धरनीदास' ('उधवा प्रसंग' आदि के रचयिता)।

धरम समाधी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० संस्कृत के 'धर्मसंवाद' का अनुवाद।
प्रा०—पं० प्रभुदयाल शर्मा, संपादक, 'सनाढ्य जीवन', इटावा।→३५–१५८।

धरमसिंह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९३३। वि० धर्मसिंह की सत्यता, मितव्यता और सद्व्यवहार विषयक तीन कथाओं का संग्रह।
प्रा०—पं० बाबूराम शर्मा, धरबार, डा० बलरई (इटावा)।→३५–१५९।

धरमसिंह (कवि)—(?)
कोकसंवाद (गद्य)→३२–५४।

धरमसी जी—कोई संत।
पद (पद्य)→सं० ०७–९०।

धरमादास—मानिकपुर शहर निवासी। पिता का नाम घासी। गुरुका नाम गंगाराम।
धरमीनामा (पद्य)→सं० ०१–१७१।

धरमोनामा (पद्य)—धरमादास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१७१।

धर्मकुँवरि (धर्मराज कुँवरि)—राजा बाजार के महाराज महेशनारायण की धर्म पत्नी।
गीत शतक (पद्य)→३८–४१।

धर्मगीता (गद्य)—जगन्नाथदास कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० धर्मराज का युधिष्ठिर को उपदेश देना।
प्रा०—पं० राममोहन वैद्य, बलभद्रपुर, डा० मेरची (एटा)।→२६–१६५ ए।

धर्मचरित्र (पद्य)—जवाहरलाल कृत। र० का० सं० १६३५। वि० राजाबाजार (जौनपुर) के महाराज महेशनारायणसिंह की धर्मपत्नी धर्मराज कुँवरि के धर्मचरित्रों का वर्णन।
प्रा०—श्री सियाराम हलवाई, बकेबर (इटावा)।→३८–७२।

धर्मचरित्र (पद्य)—हृदयराम कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० धर्मराज और युधिष्ठिर के आतिथ्य सत्कार का वर्णन।
प्रा०—पं० दीपचंद, नौनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→४१–३२४।

धर्मजहाज (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० सांसारिक मुक्ति का उपाय।
प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा)।→२६–६५ एन।

धर्मदत्त—जैन। सं० १५६१ के लगभग वर्तमान।
अजापुत्र राजेंद्र की चौपाई (पद्य)→दि० ३१–२८।

धर्मदत्त चरित्र (पद्य)—दयासागर सूरि कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० जैन संप्रदाय के महात्मा धर्मदत्त का चरित्र।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–११०।

धर्मदास—वास्तविक नाम जुड़ावन। वैश्य वंशीय। बांधवगढ़ (मध्यप्रदेश) निवासी। नारायणदास और चूड़ामणि के पिता। कबीरदास के शिष्य। इनकी गद्दी धमखेड़ा (छत्तीसगढ़) में है। सं० १४५७ के लगभग वर्तमान। कुछ लोगों के मतानुसार अकबर और राजा रामचंद्र बघेला के समकालीन।
कबीर के द्वादश पंथ (पद्य)→०६–१५८।
कायापाखी (पद्य)→२३–१०० ए।
कुंभावली (पद्य)→२३–१०० बी।
चाचरी (पद्य)→सं० ०७–६१।
शब्द रैदास कौ बाहु (पद्य)→३२–५३।

सुमिरन नाम पाखी (पद्य)→२३–१०० सी ।

धर्मदास—मऊ (डहार देश, बघेलखंड) के निवासी । गंग, खड्गसेन, दलपति और श्रीपति नाम के इनके चार पुत्र थे । डहारदेश (बघेलखंड) के राजा प्रतापसाहि सेंगर के आश्रित । सं० १६६४ से सं० १७११ तक काव्यकाल । इनके कुल में हरिहर और चंद्रभान दो प्रसिद्ध पुरुष थे । इनके पुत्र गंग बड़े प्रसिद्ध कवि थे । इन्होंने आसानदेव नाम के एक प्रसिद्ध कवि का भी उल्लेख किया है, जो उपर्युक्त प्रतापसाहि सेंगर के आश्रय में रहते थे ।

महाभारत (पद्य)→१७–४८; २०–४१ ए, बी; सं० ०१–१७२ क, ख, ग, घ; सं० ० –१७० ।

धर्मदास बोध→'ज्ञानप्रगास' (कबीरदास कृत) ।

धर्मदेव—जैन । आगरा निवासी । सं० १७८६ के लगभग वर्तमान ।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य)→२६–१०४ ।

धर्म परीक्षा (पद्य)—मनोहरदास (जैन) कृत । र० का० सं० १७०५ (१७७५) । वि० विविध धर्मों का गुण दोष वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१०७ क ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४–२८४ क ।

(ग) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२७१ ।

(घ) लि० का सं० १६७६ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१०७ ख ।

(ङ) लि० का० सं० १८८७ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४–२-४ ख ।

(च) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४–२८४ ग ।

(छ) प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००–१२२ ।

(ज) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०७–१४७ ।

धर्मपाल—(?)

विष्णुपुराण (पद्य)→२६–५३१ ।

धर्मप्रकाश (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १६०४ । वि० वर्ण और श्रेणी का धर्म वर्णन ।

प्रा० —बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर (बुंदेलखंड) ।→०६–६५ डी ।

धर्ममंदिरगणि—जैन । सं० १७४१ के लगभग वर्तमान ।

प्रबोध चिंतामणि (मोह) विवेक (पद्य)→००-१२० ।

धर्मराज कुँवरि→'धर्मकुँवरि' ('गीत शतक' की रचयित्री) ।

धर्मराज गीता (पद्य)— रघुवरदार (रघुवरसखा) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० पापियों के दंड और धर्मिष्ठों के मोक्ष आदि का वर्णन ।

प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच) ।→२३–३३३ ए ।

धर्मराय को गीता (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि० का० सं० १८६२ । वि० धर्मराज के दूतों का स्वरूप, नर को यमपुर लाने के विषय में दूतों के प्रश्न तथा धर्मराय के उत्तर ।

प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६–४-४ एन ।

धर्म विलास (पद्य)—द्यानतराय कृत । र० का० सं० १७८० । लि० का० सं० ८८०।
जैन धर्मानुसारी भक्ति ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६१ ख ।

धर्मसंपद की कथा→'धर्मसंवाद' (कृष्ण कवि कृत ।

धर्म संवाद (पद्य)—अन्य नाम 'धर्मसंपद की कथा' और 'धर्मसमाधि कथा' । कृष्ण (कवि) कृत । र० का० सं० १७७५ । वि० धर्मराज और युधिष्ठिर का संवाद ।

(क) लि० का० सं० १८३३ ।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद, फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२३–२२२ बी ।

(ख) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–६३ ए ।

(सं० १८७४ की एक प्रति चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी में है) ।

(ग) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५–८ ।

(घ) प्रा०—ठाकुरद्वारा खजुहा, फतेहपुर ।→२०–८६ ।

(ङ) प्रा०—पं० रामभरोसे, द्वारा पं० मनपोखन, दबहा, डा० बड़ेपुरा (इटावा) । →दि० ३१-५१ ।

धर्म संवाद (पद्य)—खेमदास कृत । र० का० सं० १७७७ । लि० का० सं० १८३६ । वि० पांडवों के यज्ञ में श्रीकृष्ण के उपदेशानुसार चांडाल भक्त का संमान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२१ ।

धर्म संवाद (पद्य)—दयाल (जन) कृत। वि० युधिष्ठिर और धर्मराज का धर्म विषयक संवाद।
(क) लि० का० सं० १८३३।
प्रा०—महंत मोहनदास, स्थान, स्वामी पीतांबरदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़ ।→२६–१६३।
(ख) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—बाबू छोटेलाल गुप्त, क्लर्क डी० टी० एस० कार्यालय, दिल्ली। → दि० ३१–४०।
(ग) प्रा०—पं० बाबूराम वैद्य, जिला बोर्ड का दवाखाना, कोटला (आगरा)। →२६–१६७।

धर्म संवाद (गद्य)—सुखदास कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० महाराज युधिष्ठिर और धर्म का संवाद वर्णन।
प्रा०—लाला रामकिशन कुरमी, अतरौली (अलीगढ़)।→२६–३३४ ए।

धर्म संवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नारद वैशंपायन का संवाद तथा धर्मराज और युधिष्ठिर की महिमा का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—पं० रामनाथ मिश्र, इमलिया, डा० सरदारपुर (सीतापुर)। → २६–४१ (परि० ३)।
(ख) लि० का० सं० १७७२।
प्रा०—श्री रायज्ञाल, रसुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी)।→२६–४१ (परि०३)।
(ग) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—वैद्य राजभूषण, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ)। → २६–४१ (परि० ३)।
(घ) प्रा०—श्री मन्नीलाल गंगापुत्र तिवारी, मिश्रिख (सीतापुर)। → २६–४१ (परि० ३)।

धर्म संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१६। वि० धर्म और युधिष्ठिर संवाद।
प्रा०—पं० मन्नालाल ब्राह्मण, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा)। →२६–२६३।

धर्म संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० धर्म और युधिष्ठिर का संवाद।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५२२।

धर्म संवाद या धर्म समाधि (पद्य)—हृदयदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० धर्म विवेचन।
प्रा०—पं० शिवकुमार अर्जीनवीस, बाह (आगरा) →३२–८६।

धर्म संवाद सत्य तिलक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। वि० धर्म की व्याख्या और महत्ता।

प्रा०—ठा० बिजयबहादुरसिंह, सैतापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६–४१ (परि० ३)।

धर्म समाधि कथा→'धर्म संवाद' (कृष्ण कवि कृत)।

धर्मसार (गद्यपद्य)—मनरंगलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १९११। वि० जैन धर्म का वर्णन।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४–२८०।

धर्मसार (पद्य)—शिरोमनिदास (जैन) कृत। र० का० सं० १७५१। वि० जैन धर्म का सार वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४–३८०।

(ख) प्रा०—श्री जैन मंदिर, कठवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–२००।

धर्मसिंह (राजा)—अनूपशहर (बुलंदशहर) के राजा। निधान कवि के आश्रयदाता। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।→१७–१२७।

धर्म सुबोधिनी (गद्यपद्य)—लाड़लीदास कृत। र० का० सं० १८४२। बि० राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।

प्रा—गो० गोवर्द्धनलाल जी, हरदीगंज (झाँसी)।→०६–१६४।

धर्मादर्श (पद्य)—रणजीतसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १९३९। वि० व्रत, उपवास और प्रायश्चित आदि का वर्णन।

प्रा०—श्री शिवदयाल, कफारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६–३९७।

धर्मादास—(?)

विदग्ध मुखमंडन (पद्य)→सं० ०१–१७१।

धवलपचीसी (पद्य)—बाँकीदास (आसिया) कृत। वि० बैलों की प्रशंसा।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१५४ क।

धातुनाम शोधन मारण विधि सटीक (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालत, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१०३।

धातुमारन विधि (पद्य)—आधार (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० धातुओं का भस्म तैयार करने की विधि।

प्रा०—लाला स्वामीदयाल, ताहरपुर, डा० मुरसान (अलीगढ़)।→२६–२ ए।

धातुमारन विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आयुर्वेद।

प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद प्रधानाध्यापक, कुंडौल, डा० डौकी (आगरा)। → २६–३६४।

धारू—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०४–१७२।

धिरजाराम—शाकद्वीपी ब्राह्मण। पिता का नाम मुरलीधर तथा पितामह का नाम दामोदर। रामगढ़ नगर के निवासी। राजा विष्णुसिंह के आश्रित। सं० १७८७ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०४–१७३।

धीर—राजा वीरकिशोर के आश्रित। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।

कविप्रिया का तिलक (गद्यपद्य)→०६–२६।

धीर→'देवीदत्त (शुक्ल)' ('हनुमत बीर रच्छा' के रचयिता)।

धीर→'धीरसिंह (महाराज)' ('अलंकार मुक्तावली') के रचयिता।

धीर को समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदबरदाई कृत)।

धीरज का अंग (पद्य)—सेवादास कृत। वि० धैर्यवानों का माहात्म्य।

प्रा०—नागरिप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२०३ ख।

धीरजराम—सारस्वत ब्राह्मण। कृपाराम के पुत्र। सं० १८१० के लगभग वर्तमान।

चिकित्सासार (पद्य)→०६–७२; १७–४६; पं० २२–२७; २३–१०३; २६–८७।

धीरजसिंह—श्रीवास्तव कायस्थ। हिम्मतसिंह के पुत्र। पूर्वज गोरखपुर (उसका बाजार) निवासी। अनंतर बोरवई (ओड़छा राज्य) में रहने लगे।

गणित चंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–३० ए।

दस्तूर चिंतामणि (गद्यपद्य)→०६–३० बी।

धीरजसिंह—ब्राह्मण। गयामानो नामक गाँव के अधिपति। मोतीराम के आश्रयदाता। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।→१२–११६।

धीर रस सागर (पद्य)—मोतीराम कृत। र० का० सं० १८२७। लि० का० सं० १८२७। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)।→ १२–११६।

धीरसिंह (महाराज)—कोई राजा। सं० १८५२ के पूर्व वर्तमान।

अलंकार मुक्तावली (पद्य)→०५–३५; २३–१०२; सं० ०४–१७४।

धुँधलीमल—कोई सिद्ध। धीणोद निवासी। गरीबनाथ के गुरु। सं० १४४२ के लगभग वर्तमान। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत। →४१–५६; ४१–११५।

सबदी (पद्य)→सं० १०–६४।

धूचिरत→'ध्रुवचरित्र' (गोपाल या जन गोपाल कृत)।

धौंकल (मिश्र)—भरतपुर नरेश पुहुपसिंह के पुत्र तेजसिंह के आश्रित। सं० १८५६ के लगभग वर्तमान।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→सं० ०१–१७३।

शकुंतला नाटक (पद्य)→३२–५५।

धौंकलसिंह—सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।

रमल प्रश्न (पद्य)→१७–५०।

ध्यान चिंतामणि (पद्य)—रामसेवक (महात्मा) कृत।→०६–२५८।

टि० ग्रंथ अनुपलब्ध है, पर खोज विवरण में इसकी सूचना है।

ध्यानदास—कोई संत। गुरु का नाम गोपाल।

गुणमाया संवाद जोग ग्रंथ (पद्य)→४१–११६; सं० ०७–६२ क।

गुणादिबोध जोग ग्रंथ (पद्य)→४१–११६; सं० ०७–६२ ख।

पद (पद)→०७–६२ ग।

हरिचंद सत (पद्य)→०१–१०७; पं० २२–२८; २६–८६; ४१–११६; सं० ०७–६२ घ, ङ, च, छ।

टि० खो० वि० ४१–११६ में 'गुणमाया संवाद जोग ग्रंथ', 'गुणादिबोध जोग ग्रंथ' और 'हरिचंद सत' तीनों ग्रंथ एक ही हस्तलेख में संगृहीत हैं।

ध्यानदास—(?)

दानलीला (पद्य)→०६–१६० ए।

मानलीला (पद्य)→०६–१६० बी।

ध्यानमंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'राम ध्यानमंजरी'। अग्रदास कृत। वि० रामस्तुति और भजन।

(क) लि० का० सं० १८५१।

प्रा०—पं० सुखदेवप्रसाद, पुरा सेवकराम, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६–४ ए।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—पं० बाँकेलाल शास्त्री, डा० खेरागढ़ (आगरा)।→२६–३ ए।

(ग) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—बाबा विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच)।→२३–४।

(घ) लि० का० सं० १६५१।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००–७७।

(ङ) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–१२१ ए (विवरण अप्राप्त)।

(च) प्रा०—पंचायती ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०-१ बी ।

(छ) प्रा०—पं० रामावतार शर्मा, किशनदासपुर, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-४ बी ।

(ज) प्रा०—श्री मानिकलाल जवाहिरलाल, चौकी नवीस, चरखरी । → २६-४ सी ।

(झ) प्रा०—पं० देवकीनंदन झम्मनलाल, कागारोल, खेरागढ़ (आगरा) । →२६-३ बी ।

(ञ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण, पचवान, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २६-३ सी ।

(ट) प्रा०—पं० धन्नू महराज, चिल्ला, डा० शाहदरा (दिल्ली) । →दि० ३१-३ ।

(ठ)→पं० २२-१ ए ।

ध्यानमंजरी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० अयोध्या में रामदरबार और सीताराम की युगल मूर्ति का वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६५ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६ ए ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-३३ ।

ध्यानमंजरी (पद्य)—वृंदावनशरणदेव कृत । लि० का० सं० १६७२ । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।

प्रा०—बाबा माधवदास महंत, निंबार्क पुस्तकालय, नानपारा (बहराइच) । → २३-४४८ ।

ध्यानलीला (पद्य)—गदाधर (भट्ट) कृत । वि० श्री कृष्ण का ध्यान करने की विधि ।

प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-५४ ।

ध्यानलीला (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण की ध्यान विधि ।

प्रा०—महंत भगवानदास जी, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५४ ।

ध्रुव की कथा→'ध्रुवचरित्र' (गोपाल या जनगोपाल कृत) ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'ध्रुव की कथा' । गोपाल (जनगोपाल) कृत । वि० ध्रुव की कथा ।

(क) लि० का० सं० १७४० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३६ च ।

(ख) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३६ ज ।

(ग) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—श्री रामदास वैरागी, कुटी बड़का नगला, डा० मुरसान (अलीगढ़)। →२६–१२३ बी।

(घ) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१७५ (विवरण अप्राप्त)।

(ङ) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० जनार्दन जी, भिटौरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–१८० बी।

(च) प्रा – बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–२५।

(छ) प्रा०—पं० हरिप्रसाद, जौनई, डा० ककुआ (आगरा)।→२६–१२३ सी।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ छ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—जगदेव (जन) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२७२ (विवरण अप्राप्त)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—परमानंददास कृत। र० का० सं० १६८६। लि० का० सं० १७६६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०३ (विवरण अप्राप्त)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—मधुकरदास कृत। र० का० सं० १७८२। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद दुकानदार, अगरपाल, डा० शेरगढ़ (मथुरा)। → ३८–६४ बी।

(ख) प्रा०—पं० भजनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८–६४ ए।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—मलूकदास कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० ध्रुव की कथा का वर्णन।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२८८ च।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—साधुजन कृत। वि० ध्रुव की कथा।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४४७।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १८६५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१७६ बी।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—मुंशी लालसिंह, नारखी (आगरा)।→२६–३६५।

ध्रुवचरित्र (ध्रूचरित्र) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–२३६।

ध्रुवदास—राधावल्लभी संप्रदाय के प्रवर्तक हित हरिवंश जी के शिष्य। सुप्रसिद्ध भक्त कवि। वृंदावन निवासी। कविता काल सं० १६६० से १७०० तक।

अनुरागलता (पद्य)→०६–७३ जी; सं० ०१–१७४ क।

रसमुक्तावली लीला (पद्य)→००-२०; ०६-१५६ बी; ०६-७३ ओ; ४१-५०७ ढ (अप्र०)।

रसरत्नावली लीला (पद्य)→००-१०; ०६-७३ क्यू।

रसविहार लीला (पद्य)→००-१३ (पाँच); ०६-१५६ ए; ०६-७३ वाई।

रसहीरावली लीला (पद्य)→०६-७३ पी; ४१-५०७ ग (अप्र०); सं० ०१-१७४ च।

रसानंद लीला (पद्य)→०६-७३ ए; सं० ०१-१७४ ङ।

रहसिमंजरी (पद्य)→००-१२; ०६-७३ डी।

रहसि (रहस्य) लता लीला (पद्य)→००-१३ (ग्यारह); ०६-७३ ई।

वनविहार लीला (पद्य)→००-१३ (तीन); ०६-७३ जेड।

विवाह (पद्य)→१२-५२ बी।

वृंदावनसत (पद्य)→००-८; ०६-७३ सी; १६-१०५ ए, बी; २६-८८ सी से एच तक; दि० ३१-२६; ४१-५०७ ज (अप्र०); सं० ०७-६३।

वैद्यकलीला (पद्य)→०६-७३ आई; सं० ०१-१७४ झ।

शृंगारमणि (पद्य)→४१-११७ ग।

शृंगारसत लीला (पद्य)→००-६; ०६-१५६ ई; ०६-७३ एस।

सभामंडली (पद्य)→००-२१; ०६-७३ एन; ४१-५०७ त (अप्र०)।

सिद्धांत विचार (पद्य)→०६-७३ आई; १७-५१ बी।

सुखमंजरी लीला (पद्य)→००-१३ (एक); ०६-७३ के।

हितशृंगार लीला (पद्य)→०६-७३ टी; सं० ०१-१७५ ञ।

ध्रुवदास की बानी (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—महाराज महेंद्रसिंह जी, भदावर राज्य, नौगवाँ (आगरा)।→२६-८८ ए।

(ख) प्रा०—श्री रामचंद्र वैद्यरत्न, भारत औषधालय, मथुरा।→१७-५१ ए।

ध्रुव प्रश्नावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० गणेशदत्त मिश्र, द्वितीय अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा।→०६-३२३ एन।

ध्रुवलीला (पद्य)—महादेव कृत। वि० ध्रुव की कथा।

(क) लि० का० सं० १६५०।

प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कलाबघा, डा० मौरावाँ (उन्नाव।→२६-२८०।

(ख) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—लाला रामदीन, अतरौली (हरदोई)।→२६-२१६ ए।

ध्रुवलीला (पद्य)—सुंदरलाल कृत। र० का० सं० १६०१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—श्री शालिग्राम चौबे, मुन्नागढ़ी, डा० दादोन (अलीगढ़)। →२६-३१८ ए।

(ख) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—लाला रामनारायण, नसीरपुर, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६–४६६ ए । ढि० खो० वि० २६–४६६ ए पर भूल से रचयिता को सुंदरदास मान लिया गया है ।

ध्रुवाष्टक नीति→'उत्तमनीति चंद्रिका' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत) ।

ध्वनि प्रकाश→'उत्तम काव्य प्रकाश' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत) ।

ध्वनि विलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । र० का० सं० १६०७ । वि० रीति शास्त्र ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६२ ई ।

नंद— 'कोकसार' के सहयोगी रचयिता । मुकुंद के बड़े भाई ।→सं० ०४–१७६ ।

नंद→'केशरीसिंह' ('सगारथ लीला' के रचयिता) ।

नंद (नंदलाल)—जैन । आगरा के निवासी । गोइल गोत्रीय अग्रवाल । पिता का नाम भैरों । माता का नाम चंदन । गुरु का नाम त्रिभुवनकीर्ति । जहाँगीर बादशाह के समकालीन । संवत् १६६३–७० के लगभग वर्तमान ।

यशोधर चरित्र (पद्य)→सं० ०४–१७८ ग; सं० १०–६६ ।

सुदर्शन चरित्र (पद्य)→सं० ०४–१७८ क, ख ।

नंद (व्यास)—सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान ।

मानलीला (पद्य)→०६–३०० ए ।

यज्ञलीला (पद्य)→०६–३०० बी ।

नंदईस्वर→'ईस्वरनंद' ('बानी' के रचयिता) ।

नंदउच्छव लीला→'नंदोत्सव लीला' (ख्यालीदास कृत) ।

नंद और मुकुंद—दो भाई । नंद का अन्य नाम अनंद या आनंद और मुकुंद का अन्य नाम जनमुकुंद और मुकुंददास । भटनागर कायस्थ । पिता का नाम चिंतामनि । हिंसार (पंजाब) के अंतर्गत जगर कैटी स्थान के निवासी । सं० १६६० के लगभग वर्तमान । 'राजस्थान में हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों की खोज' (भा० २; पृ० १४१) में आनंद या नंद को मानसकार तुलसीदास का शिष्य बतलाया गया है ।

आसनमंजरी सार (पद्य)→२६–११ एच ।

इंद्रजाल (पद्य)→२३–१३ ए ।

कोक (भाषा) (पद्य)→०६–१८३ ए, बी; २३–२६५; २६–२२४; सं० ०४–३०१ ।

कोकसार (पद्य)→०२–५; ०६–१२६ ए; १७–७; २०–६ ए, बी; पं० २२–५; २३–१३ बी से जे तक; २६–६० ए से के तक; दि० ३१–७; सं० ०१–१६ क, ख; सं० ०४–१३ क से ङ तक; सं० ०४–१७६; सं० १०–४ ।

भागवत (महापुराण) (पद्य)→३५–६५।

भ्रमरगीत (पद्य)→०२–१०४ (दो); ०६–२७३; ०६–१८४; २०–११३ एफ; २३–२८५; २६–२४४ डी; सं० ०४–११४।

टि० नंद और मुकुंद ने कामशास्त्र विषय पर जहाँ संमिलित रूप से ग्रंथ रचना की है, वहीं पृथक पृथक भी रचना की है। 'कोकसार' संभवतः संमिलित रचना है जब कि अन्य ग्रंथों की रचना पृथक पृथक हुई है।

नंदकिशोर—सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

पिंगल प्रकाश (पद्य)→१७–१२०; २०–११४।

नंदकिशोर—लखनऊ निवासी। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।

सत्यनारायण कथा (पद्य)→२६–३१७।

नंदकुमार (गोस्वामी)—गो० नवलकिशोर के पुत्र। संभवतः १६वीं शताब्दी में वर्तमान।

प्रेमजंजीर (पद्य)→१२–१२१।

नंदगाँव बरसाने की होरी (पद्य)—सहदेव कृत। वि० होली का वर्णन।

प्रा०—पं० रामविलास, मदारनगर, डा० बंथर (उन्नाव)।→२६–४१४।

नंदगोपाल—उप० सुखपुंज। कायस्थ। काशी निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।

विनयविहार (पद्य)→२३–३६६।

नंदजी की वंशावली (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–२१४ ए।

नंदजी की वंशावली (पद्य)—सदानंददास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→०६–२७१; २३–३६५।

नंददास—अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। सनाढ्य ब्राह्मण। जन्म सं० १५५४। संभवतः गो० तुलसीदास जी के चचेरे भाई। गो० विट्ठलनाथ जी के शिष्य। निहालदास के गुरु भाई। वास्तविक नाम जनमुकुंद (?)।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)→०२–५८; ०६–२०८ डी; २०–११३डी, ई; २३–२६४ ए, बी, सी, डी; २६–३१६ ए से एच तक; २०–२४४ ए, बी, सी।

कृष्णमंगल (पद्य)→३५–६७।

नाम चिंतामणि (पद्य)→०६–२०० सी; ४१–११८ ख।

नायक नायिकाभेद (पद्य)→४१–११८ क।

पदों की बानी (पद्य)→३२–१५२।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→०१–११; ०६–२०० बी; ४१–५०८ग (अप्र०)।

मानमंजरी (पद्य)→०६–२०८ बी, सी; १७–११६ ए; २०–११३ ए, बी, सी;

२३–२६४ ई से जे तक; २६–२४४ ई, एफ, जी; दि० ३१–६१ ए; ४१–५०८ क, ख (अप्र०)।

रसमंजरी (पद्य)→०६–२०८ ई; सं० ०१–१७५ ख।

रानीमंगौ (?) (पद्य)→२६–२४४ आई।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→०१–६६; ०६–२०० ए; १७–११६ बी; पं० २२–७२ बी; २६–२४४ जे, के; दि० ३१–६१ बी; ४१–५०८ घ, ङ, च (अप्र०); सं० ०४–१७७।

रुक्मिणी मंगल (पद्य)→१२–१२०; २६–२४४ एल।

रूपमंजरी (पद्य)→०६–२०१; पं० २२–७२ सी; सं० ०१–१७५ ख।

विरहमंजरी (पद्य)→०२–७०; ०६–२०८ एफ; पं० २२–७२ डी; २६–२४४ एम, एन।

श्याम सगाई (पद्य)→०६–२०० ई; १७–११६ सी; सं० ०१–१७५ ग।

नंददास—(?)

नासिकेत पुराण (भाषा) (गद्य)→०६–२०८ ए।

नंददास—(?)

राजनीति (पद्य)→०५–३६; २६–३१६ आई, जे।

नंदराम—सालेह नगर (मलीहाबाद, लखनऊ) के निवासी। थावर के राजा रघुनाथसिंह के आश्रित। अन्य भाइयों के नाम देवराम और चक्कर। चक्कर के वंशज पं० रामभरोसे और पं० विश्वनाथ नामक दो भाई वर्तमान हैं।

शृंगारदर्पण (पद्य)→सं० ०७–६४।

नंदराम—खंडेलवाल वैश्य। अंबावती निवासी। बलिराम के पुत्र। सं० १७४४ के लगभग वर्तमान।

नंदराम पचीसी (पद्य)→००–१२६।

नंदराम (जैन)—ताजगंज (आगरा) निवासी। उमेदीमल अग्रवाल के आश्रित (?)। संभवतः सं० १६०० में वर्तमान।

त्रिलोकमंगल पूजा पाठ (पद्य)→सं० १०–६५।

नंदराम पचीसी (पद्य)—नंदराम कृत। र० का० सं० १७४४। वि० कलियुग वर्णन। प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→००–१२६।

नंदलाल—शाहाबाद के निवासी। पिता का नाम मतिराम। सं० १८७२ के पूर्व वर्तमान।

जैमुनिपुराण (अश्वमेध) (पद्य)→२६–२४५ ए, बी, सी।

नंदलाल—मलीहाबाद निवासी। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

रागप्रबोध (पद्य)→२६ ३१६।

नंदलाल—सं० १६२१ के पूर्व वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→२३-२६६।

नंदलाल—(?)

पनघट की रंगत लँगड़ी (पद्य)→२६-३१८।

नंदलाल→'आनंदलाल' ('देवीचरित्र' के रचयिता)।

नंदलाल और ऋषभदास—जैन। जयपुर निवासी। महाराज जयसिंह तृतीय (राज्यकाल सं० १८७५-९२) के समकालीन। नंदलाल जाति के छावड़ा। पिता का नाम जयचंद, जो संभवतः राज्य के दीवान अमरचंद के आश्रित थे।

मूलाचार (भाषा) (गद्य)→१७-१२१; सं० १०-६७।

नंदीराम—जगरों (लुधियाना) के निवासी। पुस्तकाधिकारी पं० हरभगवान जी के पितामह। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।

भगवद्गीता (गद्यपद्य)→१७-१२२।

नंदीश्वरद्वीप पूजा (पद्य)—मनरंगलाल (पल्लीवाल) कृत। वि० नंदीश्वर की पूजा का महत्व।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-५७।

नंदोत्सव (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९१८। वि० कृष्ण जन्मोत्सव।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-४३७।

नंदोत्सव (गद्य)——रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९३६। वि० कृष्ण के जन्म पर नंद के घर उत्सव वर्णन।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१-३८०।

नंदोत्सव लीला (पद्य)—ख्यालीदास कृत। र० का० सं० १९२३। वि० कृष्ण जन्मोत्सव।

(क) लि० का० सं० १९३२।

प्रा०—ठा० रतनसिंह, भरथा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२४० ए।

(ख) लि० का० सं० १९३५।

प्रा०—ठा० गंगासिंह, मझगवाँ, डा० ओयल (खीरी)।→२६-२४० बी।

नकुल (पांडव)—(?)

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→००-९६; ०६-२०४; २६-३१४; सं० ०४-१७६ क,ख।

नक्षत्र प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८८३। लि० का० सं० १८८५। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-४२ (परि० ३)।

नक्षत्र राशि चरण कुंडली फलाफल ज्योतिष (पद्य)—पतितदास कृत। र० का० सं० १९३७। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १९४०।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकौलिया, डा० विसवाँ (सीतापुर)। →२०-३१४ सी।

(ख) लि० का० सं० १९४८।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–३४६ एफ़ ।

नक्षत्रलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० नक्षत्रों का दार्शनिक विवेचन ।

प्रा०—सेठ रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । →३५–७४ जी ।

नखशिख (पद्य)—अब्दुर्रहमान (मिर्जा) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० नायिका का नखशिख वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–५० ।

नखशिख—उम्मेदसिंह कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→१७–५६ ।

• **नखशिख (पद्य)**—कलानिधि (भट्ट) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५–४ ।

(ख) लि० का० सं० १९०८ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–१९६ ।

(ग) प्रा० —विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–११२ ।

(घ) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१७६ बी ।

नखशिख (पद्य)—कान्ह (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–६० ।

(ख) प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–१०७ बी ।

नखशिख (पद्य)—कालिकाप्रसाद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–२०१ ।

नखशिख (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १९१५ । वि० राधाकृष्ण का नखशिख ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन विभाग, दतिया ।→०६–१८५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

नखशिख (पद्य)—केशवदास (?) कृत । लि० का० सं० १८५३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–२६ ।

नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'अंगदर्पण' । गुलामनबी (रसलीन) कृत । र० का० सं० १७९४ । वि० राधिका जी का नखशिख ।

(क) लि० का० सं० १९३५ ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, सैदापुर, डा० नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३–१४० ए ।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५–१५ ।

नखशिख (पद्य)—गोकुल (कवि) कृत । वि० श्रीकृष्ण का नखशिख वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–८६ ।

नखशिख (पद्य)—छितिपाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–११६ ।

नखशिख (पद्य)—जगतसिंह कृत । रं० का० सं० १८७७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—बाबू महादेवसिंह बी० ए०, वकील, फैजाबाद ।→०६–१२७ सी ।
(ख) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) । →२३–१७६ डी ।

नखशिख (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबू सुदर्शनसिंह रईस, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़) । →२६–६५ ई ।

नखशिख (पद्य)—प्रतापसाहि कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० बलभद्र कृत नखशिख की टीका ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०६–६१ के ।

नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'रामजानकी को नखशिख' और 'सीताराम नखशिख' । प्रेमसखी कृत । वि० रामजानकी का नखशिख वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६२३ ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२३० ए ।
(ख) प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या । → ०६–२३० बी ।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१२७ सी, डी ।
(घ) प्रा०—पं० रघुनंदन, अलावलपुर (फैजाबाद) ।→२०–१३४ बी ।

नखशिख (पद्य)—बलभद्र कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८०२ ।
प्रा०—पं० रघुवीरचरण मिश्र, बिल्हौर (कानपुर) ।→२६–२६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १८०२ ।
प्रा०—पं० शिवकुमार, अहनापुर, डा० बसोरा (सीतापुर) ।→२६–२६ बी ।
(ग) लि० का० सं० १८०७ ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१११ ।
(घ) लि० का० सं० १८७२ ।
प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ ।→०६–१५ ।
(ङ) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा०—पं० संतबख्श तिवारी, तिवारी का पुरवा, डा० महाराजगंज (बहराइच)। →२३-२८ ।

(च) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-४५ ।

(छ) प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, घेरा श्री राधारमण जी, वृंदावन (मथुरा)।→२६-२३ ।

नखशिख (पद्य)—भीष्म कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९१६ ।

प्रा०—पं० हुकुमचंद्र चतुर्वेदी, मर्कंडूगंज (प्रतापगढ़)।→२६-६२ ।

(ख) प्रा०—श्री चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-२६३ ।

नखशिख (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९०२ ।

प्रा०—पं० बदरीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३-२८८ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९०२ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजिन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४-३०३ क ।

(ग)→पं० २२-६८ ।

नखशिख (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज (बाराबंकी)।→०९-१६१ ।

टि० खोज विवरण में कुशलसिंह को रचयिता माना गया है जो भ्रामक है। पुस्तक संभवतः आश्रयदाता के सहयोग से लिखी गई है।

नखशिख (पद्य)—श्रीगोविंद कृत । लि० का० सं० १८९४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०९-३०० बी ।

नखशिख (पद्य)—संतबख्श (बंदीजन) कृत । वि० सीताराम का नखशिख ।

प्रा०—श्री बजरंगबली ब्रह्मभट्ट, होलपुर, डा० हैदरगढ़ (बाराबंकी)।→ २३-३७४ ।

नखशिख (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । वि० शृंगार ।

(क) लि० का० सं० १८५३ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-४१९ बी ।

(ख) लि० का० २०वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-४५९ ।

नखशिख (पद्य)—सेवादास कृत । र० का० सं० १८४० । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८४५ ।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२-१९७ सी ।

(ख) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१६८ ख।

नखशिख (पद्य)—हरिवंश (घसीटा) कृत। र० का० सं० १७६१। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२-७१।

नखशिख→'कृष्णचंद्रजू को नखशिख' (ग्वाल कवि कृत)।

नखशिख→'शिखनख' (हनुमान कृत)।

नखशिख बृजराजचंद्रजू→'कृष्णचंद्रजू को नखशिख' (ग्वाल कवि कृत)।

नखशिख राधाजो को (पद्य)—चंदन कृत। र० का० सं० १८२५। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६४।

प्रा०—पं० लालमणि वैद्य, पुवायाँ (शाहजहाँपुर)।→१२-३४ ई।

(ख) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, नीलगाँव (सीतापुर)।→२३-७३ बी।

नखशिख रामचंद्रजू को (पद्य)—बिहारी कृत। र० का० सं० १८२०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज (बाराबंकी)।→०६-३०।

(ख) प्रा०—गो० रामचरण, वृंदावन (मथुरा)।→१२-२५।

नखशिख रामचंद्रजू को→'जुगल नखशिख' (प्रतापसाहि कृत)।

नखशिख वर्णन→'उपमालंकार नखशिख वर्णन' (बलबीर कृत)।

नखशिख सटीक (गद्यपद्य)—मणिराम कृत। र० का० सं० १८४२। वि० बलभद्र कृत 'नखसिख' की टीका।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल टैगोर, गोकुल (मथुरा)।→१२-१०८।

(ख) प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी एम० ए०, एल० एल० बी०, बलिया।→४१-५३५ (अप्र०)।

नजीर—प्रसिद्ध मुसलमान कवि। अकबराबाद (आगरा) के मुहल्ला ताजगंज के निवासी। जन्मकाल सं० १७६७। मृत्युकाल सं० १८७७। ये सेठों और अमीरों के लड़कों को पढ़ाया करते थे। सूफीमत के अनुयायी। मृत्यु होने पर ताजगंज में गाड़े गए।

कन्हैयाजू का जन्म (पद्य)→२६-२५१ ए।

दोहा संग्रह (पद्य)→३२-१५६।

नजीर की रचनाएँ फुटकर एवं सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०१-१७६।

बंजारानामा (पद्य)→२६-२५१ सी।

बाँसुरी (पद्य)→२६-२५१ बी।

हंसनामा (पद्य)→२६-३३३ ए, बी; २६-२५१ डी।

नजीर की रचनाएँ फुटकर एवं सुदामाचरित्र (पद्य)—नजीर कृत। वि० उपदेश और सुदामा की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१७६।

नटनागर विनोद (पद्य)—रतनसिंह कृत। वि० शृंगार रस।

प्रा०—श्री प्रयागराम कायस्थ, वनेराव, गोरवार (जोधपुर)।→०२–१०१।

नाथन—संभवतः १६ वीं शती में वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→सं० ०४–१८०।

नत्थासिंह—गौड़ ब्राह्मण। परीक्षितगढ़ (मेरठ) निवासी। संभवतः सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।

पद्मावत (पद्य)→१२–१२२।

नथमल—जैन मतावलंबी। पिता का नाम सोभाचंद। पितामह का नाम जेठमल और पितृव्य का नाम गोकुलचंद। विलालागोत्रीय खंडेलवाल वैश्य। इनके पुरखे आगरा में रहते थे, जहाँ से ये पहले भरतपुर में जाकर बसे। पर पीछे रायपुर चले गए। भरतपुर में किसी केसौदास (चाँडबाँड प्रसिद्ध) के पोतदार मायाराम के खजांची। १६ वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।

जीवनधर चरित्र (भाषा) (पद्य)→सं० १०–६८।

नागकुमार चरित्र (पद्य)→सं० ०४–१८१।

सिद्धांतसार (पद्य)→सं० ०७–६५।

नथमल – (?)

चौबीस तीर्थंकर की विनती (पद्य)→सं० ०१–१७७।

नथमल (जैन)—ढूँढाहर देश (राजस्थान) के अंतर्गत जयपुर निवासी। दासी (दोसी ?) गोत्रीय। पिता का नाम शिवजंद्र और पितामह का नाम दुलीचंद। जयपुर नरेश महाराज रामसिंह (राज्यकाल सं० १८६२–१६३७) के समकालीन।

महीपालचरित्र की देशभाषा मय वचनिका (गद्य) →सं०१०–६६ क, ख।

ननवाँ (शुक्ल)—गिरधारीसिंह के मित्र। ख्याल लिखने में सिद्धहस्त। बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।→दि० ३१–३३।

लावनी तत्सत (पद्य)→दि० ३१–६२।

नबीशेख—मऊ (जौनपुर) निवासी। सं० १६७६ के लगभग वर्तमान।

ज्ञानदीप (पद्य)→०२–११२।

नयचक्र की वचनिका बालबोध→'नयचक्र मूल टीका' (हेमराज जैन कृत)।

नयचक्र की सामान्य वचनिका→'नयचक्र मूल टीका' (हेमराज जैन कृत)।

नयचक्र मूल टीका (गद्य)—अन्य नाम 'नयचक्र की वचनिका बालबोध' अथवा 'नयचक्र की सामान्य वचनिका'। हेमराज जैन कृत। र० का० सं० १७२६। लि० का० सं० १६२६। वि० जैन न्यायशास्त्र।

प्रा०—श्री ज्योतिप्रसाद जैन, यूनियन मेडिकल स्टोर, कैसरबाग, लखनऊ। → सं० ०७–२१६ क।

नयनसुख—अन्य नाम नैनकवेस्वर। केशवराज के पुत्र। सरहिंद (पंजाब) निवासी। सं० १६४६ के लगभग वर्तमान।

वैद्यमनोत्सव (गद्यपद्य)→००–३४; ०६–२१४; १७–१२५; २०–११६ ए, बी, सी; पं० २२–७५; २३–२६२ ए, बी, सी, डी; २६–३३२ ए, बी, सी।

वैद्यशास्त्र (गद्यपद्य)→२३–२६२ ई।

सारंगधर वैद्यक (गद्यपद्य)→सं० ०१–१७८।

नयनसुख—(?)

सांगीत ध्रुवचरित्र (पद्य)→२६–३३१।

नयनसुख (ग्रंथ)→'वैद्यमनोत्सव' (नयनसुख कृत)।

नरंद—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (त्रेपन)।

नरक के पापी (गद्य)—कालीप्रसन्न कृत। वि० ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार ८६ नरकों और उसमें रहने वाले पापियों का वर्णन।

प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, रहीपुर, डा० बारहद्वारी (एटा)।→२६–१८०।

नरकोड़ा पार्श्वजिन स्तवन (पद्य)—जिनवर हर्षधारी (भैया) कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० पार्श्वनाथ की स्तुति।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–१२।

नरनारायण की कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० भगवान के नरनारायण रूप का वर्णन।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१५४।

नरपति नाल्ह—अजमेर के चौहान राजा बीसलदेव (विग्रहराज चतुर्थ) के समकालीन। संभवतः उन्हीं के राज कवि। सं० १२१२–१२२० के लगभग वर्तमान।

बीसलदेवरासो (पद्य)→००–६०।

नरवायबोध→'नरवैबोध' (गोरखनाथ कृत)।

नरवैबोध (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ छ।

(ख)→०२–६१ (सात))।

(ग)→०२–६१ (ग्यारह)।

नरसिंह—(?)

भानुमती कबूतर कला चरित्र (गद्य)→२६–२४६।

नरसिंह—पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के धर्मपुत्र। केशवराय के आश्रयदाता। सं० १७५३ के लगभग वर्तमान।→०५–१०।

नरसिंह अवतार कथा (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–५१।

नरसिंह चरित्र→'नृसिंह चरित्र' (खुमान या मान कवि कृत)।

नरसिंहजू को अष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत। लि० का० सं० १९५३। वि० नरसिंह जी की स्तुति।
प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुरकलाँ, डा० अजगैन (उन्नाव)। → २६–३०५ बी।

नरसिंह पचासिका (पद्य)—सुबंस (कवि) कृत। र० का० सं० १७१०। वि० नृसिंह भगवान की स्तुति।
प्रा०—पं० कृष्णवल्लभ, राजनगर तहसील (छतरपुर)।→सं० ०१–४५६।

नरसिंह पचीसी→'नृसिंह पचीसी' (खुमान 'मान' कृत))

नरसिंहपुराण (गद्यपद्य)—महेशदत्त कृत। वि० नरसिंह की कथा।
(क) लि० का० सं० १९३६।
प्रा०—ठा० भगवानसिंह राठौर, गोपालसिंह का पुरवा, डा० काशगंज (एटा)। →२६–२२० बी।
(ख) लि० का० सं० १९३६।
प्रा०—पं० रामनारायण मिश्र, बिसेनपुर, डा० उमरगढ़ (एटा)। → २६–२२० सी।
(ग) लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—पं० रामदत्त पाठक, पिहानी (हरदोई)।→२६–२२० डी।

नरसिंहलीला (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२८ ए।

नरसिंहलीला (पद्य)—माधोदास कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० गोपालदत्त, शीतलाघाटी, मथुरा।→३८–९२।

नरसिंहसहाय (चौबे)—तनसुख लाला के आश्रयदाता। सं० १९२० के लगभग वर्तमान। →सं० २२–१११।

नरसी (मेहता)—प्रसिद्ध नरसी भक्त। गुजरात के निवासी। 'दयालजी का पद' नामक संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→०२–६४ (सत्रह)।
नरसी मेतानी माला (पद्य)→सं० ०१–१७६।
पद (पद्य)→सं० १०–७०।

नरसी (मेहता)—(?)
हारसमय (पद्य)→४१–११६।

नरसी की हुंडी (पद्य)—वसंत (कवि) कृत। वि० प्रसिद्ध नरसी भगत की हुंडी की कथा।
(क) लि० का० सं० १८७३।
प्रा० – पं० रामस्वरूप शुक्ल, सरैयाँ, डा० बिसवाँ (सीतापुर)→२६–४६१।
(ख) प्रा०—पं० होरीलाल शर्मा, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३८-६।

नरसी मेतानी माला (पद्य)—नरसी (मेहता) कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री ओंकारनाथ मिश्र, अर्का, डा० करारी (इलाहाबाद)।→ सं० ०१–१७६।

नरसी मेहता→'नरसी की हुंडी' (वसंत कवि कृत)।

नरसी मेहता की हुंडी (पद्य)—जेठमल (पंचोली) कृत। र० का० सं० १७१०। वि० नरसी मेहता की हुंडी की कथा।
(क) लि० का० सं० १८१४।
प्रा०—श्री गंगाबख्शसिंह, बंगलाकोट, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६–२०७ ए।
(ख) लि० का० सं० १८४८।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर)। → २६–२०७ बी।
(ग) प्रा०—श्री पुजारी जी, मंदिर बेरू, बेरू (जोधपुर)।→०१–७७।
(घ) प्रा०—पं० रामकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →२६–२०७ सी।
(ङ) प्रा०—पं० विश्वेश्वरदयाल चतुर्वेदी, पुरा कनैरा, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६–१७५।

नरसी मेहता को माहरो (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१४। वि० नरसी मेहता की प्रशंसा।
प्रा०—पुस्तकालय मक्खन जी का, बाबूलाल प्यारेलाल, सतगढ़ (मथुरा)।→ १७–४७ (परि० ३)।

नरसीलौ (पद्य)--लक्ष्मण कृत। वि० नरसी भक्त की कथा।
प्रा०—चौधरी सरनामसिंह, नगलासभा, डा० कुचेला (मैनपुरी)→३२–१२६।

नरहरि—भाट। असनी (फतेहपुर) निवासी। बादशाह अकबर के आश्रित। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान। इन्हीं की प्रार्थना पर अकबर ने गोबध बंद करा दिया था। संभवतः रामदत्त और उनके पुत्र विष्णुदत्त इन्हीं के वंशज थे। शिवनाथ कवि और उनके पुत्र अजबेश भी इन्हीं के वंशज थे।
नरहरि के कवित्त (पद्य)→४१–१२० क, ख।
रुक्मिणी मंगल (पद्य)→०३–११

नरहरि के कवित्त (पद्य)—नरहरि कृत। वि० सोना, लोहा और तेली तमोली का झगड़ा आदि।

(क) प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–१२० क।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१२० ख।

नरहरिदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। सरसदास के शिष्य और रसिकदास के गुरु। सं० १७०७ के पूर्व वर्तमान।→०६–२१८;०६–२६२; १२–१५४;१७–१६०।

नरहरिदास की बानी (पद्य)→०६–३०२।

नरहरिदास (बख्शी)—बुंदेलखंड निवासी।

बारहमासी (पद्य)→ ०६–७७

नरहरिदास (बारहट)—बारहट जाति के चारण। टहलेंगावड़ना, मेड़ता (जोधपुर) के निवासी। गुरु का नाम गिरिधर दीक्षित। जोधपुर नरेश सूरसिंह, गजसिंह और जसवंतसिंह के आश्रित। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।

अवतारगीता (पद्य)→०२–८८; ०६–२१०; सं० ०१–१८० क, ख।

अहिल्या पूर्व प्रसंग (पद्य)→०२–५०।

नरसिंह अवतार कथा (पद्य)→०२–५१।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→०२-४८।

रामचरित्र कथा काकभुशुंड गरुड़ संवाद (पद्य)→०२–४९।

वशिष्ठ संहिता (पद्य)→३२–१५३।

नरहरिदास को बानी (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० राधाकृष्ण के कार्यों का वर्णन। प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ०६–३०२ (विवरण अप्राप्त)।

नरीदास—कोई संत।

पद (पद्य)→सं० ०७–६६।

नरेंद्रभूषण (पद्य)—ईश्वर (कवि) कृत। र० का० सं० १९१३। वि० पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह की प्रशंसा।→पं० २२–११७ बी।

नरेंद्रभूषण (पद्य)—हरिभान (भान) कृत। लि० का० सं० १९१२। वि० अलंकार। प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३–१५२।

नरेंद्रसिंह—पटियाला नरेश। सं० १९१० के लगभग वर्तमान। मृत्यु सं० १९१९। चंद्रशेखर, ऋतुराज, रामनाथ, अमृतराय, चंद, कुबेर, निहाल, हंसराज, मंगलराय, उमादस, देवीदत्ताराय, दलसिंह (दास), ईश्वर कवि और वीर कवि के आश्रयदाता। इन्होंने रामनाथ, अमृतराय, चंद, कुबेर, निहाल, हंसराज, मंगलराय, उमादास और देवीदत्ताराय से महाभारत का अनुवाद कराया था।→ ०३–९३;०३–१००;०३–१०६;०४–१;०४–६७; पं० २२–१५; पं० २२–११७।

नरोत्तमदास—बाड़ी ग्राम (सीतापुर) निवासी। संभवतः सं० १६०२ में वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→००–२२;०६–२०१;१७–१२४;२०–११७;२३–३०० ए, बी;२६–३२४ ए, बी, सी; २६–२४८; ४१-५२५ (अप्र०); सं०७–६७।

नरोत्तमदास—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव।
नाम संकीर्तन (पद्य)→३२–१५५।

नरोत्तमपुरी—अनाथदास के मित्र। इन्हीं के कहने से अनाथदास ने 'विचारमाला' की रचना की थी।→पं० २२–७।

नर्मदासुंदरी (पद्य)—मोहनविजय कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० जैनधर्म की एक आख्यायिका।
प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुरा, डा० असनी (फतेहपुर)। →२०–१०८।

नलचरित→'नलोपाख्यान' (मुरलीधर मिश्र कृत)।

नलचरित्र (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० नल दमयंती की कथा।
प्रा०—पं० बलदेव शुक्ल, नगीना (बिजनौर)।→१२–१४३।

नलचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'नैषध (ग्रंथ)'। सेवासिंह कृत। वि० नलदमयंती की कथा।
(क) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी-वितान भवन, ब्रह्मनाल, वाराणसी। →४१–३०१।
(ख) लि० का० सं० १६५२।
प्रा०—ठा० अर्जुनसिंह, संडीला डा० मछरहट्टा (सीतापुर)।→२६–४३६।

नलदमयंती चरित→'नलपुराण' (सेवाराम कृत)।

नलपुराण (पद्य)—अन्य नाम 'नलदमयंती चरित'। सेवाराम कृत। लि० का० सं० १८५३। वि० नलदमयंती की कथा।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६६।

नलोपाख्यान (पद्य)—भरसी मिश्र और रामनाथ (पंडित) कृत। वि० नल चरित्र।
प्रा०—श्री देवराज पांडेय, नौनरा, डा० रामपुर (गाजीपुर)।→सं ०१–२५५।

नलोपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नलचरित'। मुरलीधर (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१४। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२–११७।
(ख) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—भारती भवन, पुस्तकालय, इलाहाबाद।→सं० ०१–३०४ क।

नल्हु (कवि)—संभवतः सुप्रसिद्ध वीरगाथाकालीन कवि नरपति नाल्ह। सं० १७७२ के पूर्व वर्तमान।

उरगनौ (पद्य)→३२–१५० ।

नवग्रह आकार (नवग्रह पूजन प्रकार) (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी नवग्रह पूजा वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ज।

नवग्रह पूजा (पद्य)—मनसुखराय (जैन) कृत। वि० नवग्रह पूजन।

प्रा० –आदिनाथजी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१०६।

नवग्रह सगुनावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १९०२। लि० का० सं० १९०२। वि० शकुन।

प्रा०—सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→२९–४३९।

नवधाभक्ति विधान (पद्य)—तुरसी कृत। वि० नवधाभक्ति का वर्णन।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मौरावाँ (उन्नाव)।→सं० ०४–१४१।

नवनदास—साधु। किसी गंगादास के गुरु। सं० १८१७ के पूर्व वर्तमान।

गीतासार (पद्य)→०६–३४०।

भक्तसार (पद्य) →२६–२५०

नवनागरी के पद (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि० राधाजी की कीर्ति और शृंगार।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०१–३६१।

नवनिधिदास—कायस्थ। लखौलिया (रसड़ा, बलिया) निवासी। चनरूराम (रामचंद्र) के शिष्य। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।

मंगलगीता (पद्य)→४१–१२१।

संकटमोचन (पद्य)→०६–२१२।

नवनीत (कवि)—संभवतः ये मुं० नवनीतराय हैं।→सं० ०१–१८२।

मनोरथ मुक्तावली (पद्य)→सं० ०१–१८१।

नवनीत नवसई (पद्य)—नवनीतराय (मुंशी) कृत। र० का० सं० १८७७। वि० शृंगार विषयक नौ सौ दोहों का संग्रह।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१८२।

नवनीतप्रियजी की सेवा विधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५२। वि० श्रीकृष्ण की नित्य सेवा विधि।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–३८१।

नवनीतराय (मुंशी)—(?)

नवनीत नवसई (पद्य)→सं० ०१–१८२।

नवपदी रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८४७। वि० माया, आत्मा, परमात्मा आदि का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५–४६ आर।

नवरंग—जाति के कायस्थ।

नवरंग विलास (पद्य)→२६–३२८; सं० ०४–१८२।

नवरंग (स्वामी)—(?)

भगवद्गीता के प्रश्न (गद्य)→२६–३२६।

नवरंगदास (स्वामी)—धामीपंथी। स्वा० प्राणनाथ के शिष्य।

लीलाप्रकाश (पद्य)→सं० ०१–१८३।

नवरंग विलास (पद्य)—नवरंग कृत। वि० नायिकाभेद और नवरस वर्णन।

(क) प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर, गया।→२६–३२८।

(ख) प्रा०—श्री सीताराम दसौंधी, मईडीह, डा० मड़ियाहूँ (जौनपुर)।→ सं० ०४–१८२।

नवरत्न (पद्य)—उमादास कृत। वि० नीति।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६५।

नवरत्न (भाषा) (पद्य)—श्यामलाल कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला और प्रेम वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—पं० शिवकुमार मिश्र, हरदोई।→२६–३२१ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—श्री मन्नीलाल वैश्य, नगरा हरदयाल, डा० धुमरी (एटा)। → २६–३२१ बी।

नवरत्न कवित्त (पद्य)—उमादास कृत। लि० का० सं० १८८८। बि० नीति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२७।

नवरत्न माला (गद्य)—मल्लिकानाथ कृत। वि० आयुर्वेद।

प्रा०—श्री दयाराम दूबे, साहपुर, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२८६।

नवरत्न सटीक (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि० स्तुति और वल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।

(क) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→१२–२८ बी।

(ख) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० तोताराम, करहैला, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–७२ सी।

नवरस→'विक्रय विलास' (नेवजीलाल दीक्षित कृत)।

नवरस चतुर्वृत्ति वर्णन (पद्य)—रूपसाहि (संभवतः) कृत। लि० का० सं० १८६६ के लगभग। वि० नवरस और काव्य वृत्तियाँ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२३३।

टि० प्रस्तुत रचना संभवतः 'रूपविलास' का एक अंश है।

नवरस तरंग (पद्य)—बेनीप्रवीन कृत । र० का० सं० १८७४ । वि० रस और नायिका-भेद आदि ।

(क) लि० का० सं० १९३७ ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–४० ।

(ख) लि० का० सं० १९४१ ।

प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर) ।→०६–१६ ।

(ग) लि० का० सं० १९४१ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–४५ ।

(घ) लि० का० सं० १९७६ ।

प्रा०—पं० उमाशंकर मेहता, रामघाट, वाराणसी ।→२०–१३ ।

नवरस निरूपण (पद्य)—टीकामनि कृत । वि० नवरस निरूपण ।

प्रा०—पं० छेदालाल तिवारी, काकोरी (लखनऊ) ।→सं० ०७–६७ ।

नवरस वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६७२ । वि० नवरस और श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन ।

प्रा०—श्री वल्लभ, शेरगढ़ (मथुरा) ।→३८–१८८ ।

नवरात्रि के कीर्तन (पद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । वि० नवरात्रों में गाये जाने वाले पदों का संग्रह ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४८६ छ ।

नवल—गुरु का नाम पूरन ।

अनुभव सागर (पद्य)→सं० ०७–६८ ।

नवल—(?)

जैजिन पच्चीसी (पद्य)→३८–१०४ ।

नवलअंग प्रकाश (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १९२२ । वि० रामचंद्र जी का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ घ ।

नवलकिशोर—उप० आनंदकिशोर ।

रागमाला (पद्य)→पं० २२–७६ ।

नवलकृष्ण—दयाकृष्ण के पुत्र । लखनऊ के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के दीवान । बेनीप्रवीन के आश्रयदाता । सं० १८७८ के लगभग वर्तमान ।→०६–१६ ।

नवलजी—जगन्नाथ (रूपालो) के गुरु । शाहपुरा (राजपूताना) निवासी । मृत्यु सं० १८४२ । रामचरण (रामसनेही संप्रदाय के संस्थापक) के शिष्य ।→ पं० २२–४३ ।

नवलदास—सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक स्वा० जगजीवनदास जी के शिष्य । धनेसा ग्राम के निवासी । [illegible]

की थी, जिससे इन्हें थोड़ी सिद्धि प्राप्त हुई थी। सं० १८१७–८५ के लगभग वर्तमान।

कहरनामा (ककहरानामा) (पद्य)→२६–२४६ बी; सं० ०१–१८४।

ज्ञानसरोवर (पद्य)→२३–३०१ ए; २६–३२७ ए; सं० ०४–१८३ ख से छ तक।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→०६–२१३; २०–११८; सं० ०४–१८३ ज; सं० ०७–६६।

भागवत भाषा (जन्म, मध्य और पारायण कांड) (पद्य)→०६–२१६; २३–३०१ डी; सं० ०४–१८३ झ।

रत्नज्ञान (पद्य)→२३–३०१ बी; सं० ०४–१८३ ञ।

रामगीता (पद्य)→सं० ०४–१८३ ट।

शब्दावली (पद्य)→२६–२४६ ए; सं० ०४–१८३ ठ।

सुखसागर कथा (पद्य)→२३–३०१ सी; २६–३२७ बी; सं० ०४–१८३ ड, ढ, ण।

स्तुति श्री बजरंग की (पद्य)→सं० ०४–१८३ क।

नवलदास—कड़ा नगर निवासी। रामनुजी संप्रदाय के अनुयायी। मलूकदास के शिष्य। सं० १७२८ के लगभग वर्तमान।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)→३८–१०५।

नवलदास—नागरीदास (टट्टी संप्रदाय) के शिष्य।

नवलदास की बानी (पद्य)→०५–३८।

नवलदास (साहि)—जैन। सं० १८२५ में वर्तमान।

वर्द्धमान पुराण (पद्य)→४१–१२२।

नवलदास की बानी (पद्य)—नवलदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५–३८।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १७२८। लि० का० सं० १८६८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, जतीपुरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८–१०५।

नवलनेह (पद्य)—घनदेव (वैष्णव) कृत। र० का० सं० १८५४। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१०१।

नवलरस चंद्रोदय (पद्य)—शोभा (कवि) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१७८।

नवलराम—रामचरण जी (रामसनेही पंथ के संस्थापक) के शिष्य। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान। मृत्यु सं० १८४२।

नवलसागर (पद्य)→०१–६४; पं० २२–७७ ए।

सर्वांगसागर (पद्य)→पं० २२–७७ बी।

नवलराय—(?)

जालंधरजुद्ध (पद्य)→४१–१२३ ।

नवलराय—दयाकृष्ण के पुत्र । बेनीप्रवीन के आश्रयदाता । सं० १८७४ के लगभग वर्तमान ।→२०–१३;२३–४० ।

नवलसागर (पद्य)—नवलराम कृत । वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति ।

(क) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर ।→०१–६४ ।

(ख)→पं० २२–७७ ए ।

नवलसिंह—भरतपुर नरेश । शोभा कवि के आश्रयदाता । सं० १८१८ के लगभग वर्तमान ।→१७–१७८ ।

नवलसिंह (नवल)—संभवतः सगुणोपासक वैष्णव और बाराबंकी के निवासी ।

मंगलगीत और शब्दावली (पद्य)→सं० ०४–१८४ ।

नवलसिंह (प्रधान)—उप० रामानुजदासशरण । श्रीवास्तव कायस्थ । झाँसी निवासी । रामानुज संप्रदाय के वैष्णव । समथर नरेश महाराज हिंदूपति के आश्रित । दतिया और टीकमगढ़ राज्य के दरबार से भी संबद्ध । र० का० सं० १८७३–१९२५ ।

अद्भुत रामायण (पद्य)→०५–२८ ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)→०६–७६ एस ।

आल्हा भारत (पद्य)→०६–७६ ओ ।

आल्हा रामायण (पद्य)→०६–७६ एन ।

कविजीवन (पद्य)→०६–७६ एम ।

जन्म खंड (पद्य)→०६–७६ डी डी ।

जौहरिन तरंग (पद्य)→०६–७६ एच ।

ढोला (मूल) (पद्य)→०६–७६ क्यू ।

जानलोभ संवाद (पद्य)→०६–७६ सी सी ।

नाड़ी प्रकरण (पद्य)→०६–७६ यू ।

नाम चिंतामणि (पद्य)→०५–२६;०६–७६ जी ।

नाम रामायण (पद्य)→०५–३०; ०६–७६ ए ।

पूर्वशृंगार खंड (पद्य)→०६–७६ ए ए ।

ब्रजदीपिका (पद्य)→०६–७६ ई ।

भारत कवितावली (पद्य)→०६–७६ के ।

भारत (मूल) (पद्य)→०६–७६ आई ।

भारत वार्तिक (पद्य)→०६–७६ एक्स ।

भारत सावित्री (पद्य)→०६–७६ जे ।

भाषा सप्तशती (पद्य)→०६–७६ एल ।

मिथिला खंड (पद्य)→०६–७६ बी बी ।

रसिकरंजिनी (पद्य)→०६–७६ सी ।

रहसलावनी (पद्य)→०६-७६ आर ।
रामविवाह खंड (पद्य)→०६-७६ डब्ल्यू ।
रामायण सुमिरनी (पद्य)→०६-७६ वाई ।
रुक्मिणी मंगल (पद्य)→०६-७६ पी ।
रूपक रामायण (पद्य)→०६-७६ टी ।
विज्ञान भास्कर (पद्य)→०६-७६ डी ।
विलास खंड (पद्य)→०६-७६ जेड ।
शंकामोचन (पद्य)→०६-७६ बी ।
शुकरंभा संवाद (पद्य)→०६-७६ एफ ।
सीता स्वयंवर (पद्य)→०६-७६ वी ।

नवसई (पद्य)—कलानिधि (भट्ट) कृत । वि० श्रृंगार रस ।
प्रा०—श्री मगनलाल भट्ट, तुलसी चौतरा, मथुरा ।→१७-६३ एच ।

नवीन—वास्तविक नाम गोपालराय । जाति के कायस्थ । वृंदावन निवासी । जयपुरवाले ईश कवि के शिष्य । नाभा के महाराज जसवंतसिंह तथा उनके पुत्र देवेंद्रसिंह के आश्रित । इनके वंशज अब भी अलवर राज्य के आश्रित हैं । सं० १८६५ के लगभग वर्तमान ।
नेहनिदान (पद्य)→०५-३६ ।
प्रबोधरस सुधा सागर (पद्य)→३५-६६ ए; सं० ०४-१८५ ।
श्रृंगार शतक (पद्य)→२६-३३० ए, बी ।
सुधासार (पद्य)→३५-६६ बी ।

नवीन ललाम→'नवीनाख्य' (दशरथ कृत) ।

नवीन संग्रह (पद्य)—हफीजुल्ला खाँ कृत । र० का० सं० १६३६ । मु० का० सं० १६४८ । वि० विविध ।
प्रा०—श्री शिवनारायण तिवारी, जनई (रायबरेली) ।→सं० ०४-४२६ ।

नवीनाख्य (पद्य)—अन्य नाम 'नवीन ललाम' । दशरथ कृत । र० का० सं० १७६२ । वि० नायिकाभेद ।
(क) लि० का० सं १७६२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०१ ग ।
(ख) लि० का० सं० १७६२ ।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती (आजमगढ़) ।→४१-१०१ ख ।
(ग) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०१ घ ।
(घ) प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला (आजमगढ़) ।→०६-५८ ।
(ङ) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७-८० ।

नसरुल्ला खाँ—उप० रस गाहक। दिल्ली के सरदार। सूरति मिश्र के आश्रयदाता। सं० १७७७ के लगभग वर्तमान।→०६–२४३; १७–१८६।

नसीरशाह—(?)
रसकंकाली→पं० २२–७४।

नसीहतनामा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १७२६। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२-१०३ आर।

नसीहतनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६ (लगभग)। वि० सांसारिक ज्ञान का उपदेश।
प्रा०—श्री घासीराम चतुर्वेदी, बहलराय घाटी, मथुरा।→४१–३८२।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख के साथ देव कृत 'अष्टयाम' और रहीम खानखाँना कृत 'रहीम सत्त' भी संगृहीत हैं। ग्रंथ की रचना लुकमान हकीम के नाम पर हुई है।

नसीहतनामा (पद्य)—सुखलाल कृत। र० का० सं० १६०८। वि० आचार वर्णन।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–११३ बी।

नहछुर निर्गुन (पद्य)-अन्य नाम 'शब्दावली' और 'मंगलगीता'। दूलनदास (बाबा) कृत। र० का० सं० १८१७ (?)। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १६०७।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)।→सं० ०४–२६३ ख।
(ख) लि० का० सं० १६१८।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→२६–१०६।
(ग) लि० का० सं० १६२३।
प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)।→सं० ०१–१६१।
(घ) लि० का० सं० १६३३।
प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→०६–७८; २०–४६।
(ङ) लि० का सं० १६८५।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। २६–६३ बी।
(च) प्रा०—श्री जंगबहादुर अध्यापक, हरगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर)। २३–१०८ डी।

नहसुर (कवि)—(?)
कोकमंजरी (पद्य)→२६–२४२।

नहुष नाटक (पद्य)—गिरिधरदास कृत । र० का० सं० १६२० (लगभग) । लि० का० सं० १६२३ । वि० नहुष राजा की कथा ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–७७ ।

नाँवनिरूपण जोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १८३८ । वि० दर्शन ।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५–३६ ई ।

नाँवप्रताप→'नामप्रताप' (स्वा० रामचरण कृत) ।

नाँवबत्तीसी (पद्य)—सूरतराम (जन) कृत । वि० नाम माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०१ ख ।

नाँव महमा (ग्रंथ) (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० नाम माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६३ ट ।

नाँवमहमा जोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत । वि० नाम की महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →४१–२६६ ञ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२०३ ग ।

नाइन भेष (पद्य)—सुदामा (?) कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० कृष्ण के नाइन के वेष में राधा के पास जाने का वर्णन ।

प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, भुकवारा, परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–४६१ बी ।

नाग—संभवतः चौदहवीं शताब्दी में वर्तमान ।

पिंगल (पद्य)→२०–११२ ।

नागकुमार चरित्र (पद्य)—नथमल कृत । लि० का० सं० १६८६ । वि० जैनधर्मानुयायी एक नागकुमार के चरित्र का वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ ।→सं० ०४–१८१ ।

नागड़ा—संभवतः राजस्थान निवासी ।

नागड़ा रा दूहा (पद्य)→४१–१२४ ।

नागड़ा रा दूहा (पद्य)—नागड़ा कृत । वि० नीति ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–१२४ ।

नागनौर की लीला→'नागलीला' (चंद कृत) ।

नागर सभा (पद्य)—भगवत कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० इंद्रजाल इत्यादि ।

प्रा०—लाला सीताराम, दीनापुर संगीतशाला, डा० गोला गोकर्णनाथ (खीरी) →२६–५० ।

नागरीदास—कृष्णगढ़ नरेश महाराज सावंतसिंह का उपनाम । सं० १७५६ में कृष्णगढ़

की राजधानी रूपनगर में जन्म। वृंदावन में सं० १८२२ में मृत्यु। वैष्णवभक्त एवं उच्चकोटि के कवि। इन्होंने गृहकलह से दुःखी होकर सं० १८१४ में गद्दी छोड़ दी थी और वृंदावन में जाकर रहने लगे थे। उसी समय इन्होंने अपना नाम नागरीदास रखा। इन्होंने कुल ७५ ग्रंथों की रचना की थी, जिनमें से ७० ग्रंथों का संग्रह 'नागर समुच्चय' नाम से प्रकाशित हो चुका है।

अरिल्लाष्टक (पद्य)→०१–१२१ (ग्यारह)।
इश्कचमन (पद्य)→०१–१३१; २३–२६०।
उत्सवमाला (पद्य)→०१–११२; ४१–५०६ (अप्र०)।
गोकुलाष्टक (पद्य)→३८–१०३ डी।
गोधनआगम (पद्य)→०१–१२१ (पाँच)।
गोवर्द्धनसमय के कवित्त (पद्य)→३८–१०३ सी।
ग्रीष्म विहार (पद्य)→०१–१२१ (नौ)।
छूटक दोहा (पद्य)→०१–११६।
जुगलभक्ति विनोद (पद्य)→०१–१२०।
जुगलरस माधुरी (पद्य)→०१–१२१ (तीन)।
तीर्थानंद (ग्रंथ) (पद्य)→०१–१२३।
दोहनानंदाष्टक (पद्य)→०१–१२१ (छै)।
धनधन (पद्य)→०६–१६८ ए; पं० २२–६६ ए।
नागरीदास की स्फुट कविता (पद्य)→०१–१३०।
नागरीदास के पद (पद्य)→०६–२०३।
नागरीदासजी की बानी (पद्य)→३२–१४६।
निकुंज विलास (पद्य)→०१–११६; सं० ०४–१८६ ख।
पद प्रसंगमाला (पद्य)→०६–१६८ सी।
पद मुक्तावली (पद्य)→१२–११८; सं० ०४–१८६ क।
पावस पचीसी (पद्य)→०१–१२१ (दस)।
प्रात रस मंजरी (पद्य)→०१–१२१ (एक)।
फागविलास (पद्य)→०१–१२१ (आठ); ३८–१०३ ई।
फूलविलास (पद्य)→०१–१२१ (चार)।
बनजन प्रशंसा पद (पद्य)→०१–११७।
बनविनोद लीला (पद्य)→०१–१२२।
बालविनोद (पद्य)→०१–१२८।
बैनविलास (पद्य)→पं० २२–६६ बी।
ब्रजसंबंध नाममाला (पद्य)→०१–११८।
भक्तिमग दीपिका (पद्य)→०१–१२४।
भक्तिसार (पद्य)→०६–१६८ बी।

भोजनानंद अष्टक (पद्य)→०१–१२१ (दो)।
भोरलीला (पद्य)→०१–११४ ।
मजलिस मंडन (पद्य)→०१–११५ ।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→२६–३१३ ।
रासरसलता (पद्य)→०१–१२६ ।
रीझचतुर (पद्य)→३८–१०३ बी ।
रैनरूपारस (पद्य)→०१–१२६; पं० २२–६६ सी ।
लगनाष्टक (पद्य)→०१–१२१ (सात)।
विविध विषय के कवित्त (पद्य)→३८–१०३ ए।
विहारचंद्रिका (पद्य)→०१–११३ ।
वैराग्य सागर (पद्य)→सं० ०४–१८६ ग ।
व्रजसार (ग्रंथ) (पद्य)→०१–१२५ ।
ब्रजनानंद (ग्रंथ) (पद्य)→०१–१२७।

नागरीदास—हित संप्रदाय के अनुयायी। हितहरिवंशजी के ज्येष्ठ पुत्र स्वर्गीय वनचंद्रजी के शिष्य। ये पहले वृंदावन में रहते थे। पीछे बरसाने में रहने लगे। बरसाने में इनकी बनाई हुई कुटी मोरकुटी के नाम से अभी है। सं० १६५० के लगभग वर्तमान।

अष्टक (पद्य)→१२–११६ ए।
नागरीदास की बानी (पद्य)→१२–११६ बी, सी; ४१–५१० क (अप्र०)।
नागरीदास के पद (पद्य)→१२–११६ डी; ४१–५१० ख (अप्र०)।
समय प्रबंध सेवा सात समें की भावना (पद्य)→सं० ०१–१८६ ।

नागरीदास—स्वामी हरिदास जी (टट्टी संप्रदाय) की शिष्य परंपरा में बिहारिनदास के शिष्य। वास्तविक नाम शुक्लांबरधर। सं० १६०० के लगभग वर्तमान।

नागरीदासजी की बानी (पद्य)→०५–३१; २३–२६१ ।
हरिदासजी को मंगल (पद्य)→०५–४० ।

नागरीदास—रावराजा प्रतापसिंह के दीवान शाह छाजूराम के आश्रित। १६ वीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान।

भागवत (पद्य)→१७–११८; २६–२४१ ।

नागरीदास—(?)

नागरीदासजी के कवित्त संग्रह (पद्य)→सं० ०१–१८५ ।

नागरीदास की बानी (पद्य)—नागरीदास कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत।

(क) लि० का० सं० १८२५ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५१० (अप्र०) ।

(ख) प्रा०—पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–११६ बी ।

(ग) प्रा०—गो० जुगलवल्लभजी, राधावल्लभजी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →१२–११६ सी ।

नागरीदास की स्फुट कविता (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । लि० का० सं० १६५० । वि० विविध ।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→ ०१–१३० ।

नागरीदास के दोहा→'नागरीदास की बानी' (नागरीदास कृत) ।

नागरीदास के पद (पद्य)—नागरीदास कृत । वि० राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत और राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०--पं० गोविंदलाल भट्ट, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–११६ डी ।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→५१–५१० ख (अप्र०) ।

नागरीदास के पद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→०६–२०३ ।

नागरीदासजी की बानी (पद्य)—नागरीदास कृत । वि० स्तुति और राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत ।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५–३१ ।

(ख) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३–२६१ ।

नागरीदासजी की बानी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—पं० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–१४६ ।

नागरीदासजी के कवित्त संग्रह (पद्य)—नागरीदास कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० भक्ति और श्रृंगार ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–१८५ ।

नागलीला (पद्य)—गंगाधर कृत । र० का० सं० १८६० । वि० श्रीकृष्ण की नागलीला ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० रामभरोसे गौड़, वीघापुर, डा० टप्पल (अलीगढ़) ।→२६–१०६ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–५६ ।

नागलीला (पद्य)—अन्य नाम 'नागिनौर की लीला' । चंद कृत । र० का० सं० १६१५ । वि० श्रीकृष्ण के कालीनाग नाथने की लीला ।

(क) लि० का० सं० १८०२ ।

प्रा०—पं० रघुवीरचरण मिश्र, बिल्हौर (कानपुर)→२६–७६ ।

(ख) लि० का० सं० १८४४ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१८ ।

नागलीला (पद्य)—चूड़ामणि कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० श्रीकृष्ण की कालीनाग लीला ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–११४ ।

नागलीला (पद्य)—प्रयोग (प्रयाग) द्विज कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-११३ ।

नागलीला (पद्य)—राघोदास (राघवदास) कृत । लि० का० सं० १८५३ । वि० श्रीकृष्ण की नागलीला का वर्णन ।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→सं० ०१–३३१ ख ।

नागलीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा० - पं० अमरनाथ, दातारपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४७१ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०–पं० चंद्रभूषण, राही (रायबरेली) ।→सं० ०४–४२० क ।

(ग) लि० का० सं० १६३४ ।

प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६-२४४ ई (विवरण अप्राप्त) ।

नागलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण की नागलीला ।

प्रा०—श्री एल० पी० त्रिवेदी 'मधु', अमामऊ (सागर) ।→२६–४३५ ।

नागा अरजन—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में संगृहीत ।→४१–५६;४१-१२५ ।

नाटक उषाहार—लाल कवि (नेवजीलाल दीक्षित) कृत अनुपलब्ध रचना । → सं० ०४–३५५ ।

नाटकदीप (पद्य)—अन्य नाप 'पंचदशी (भाषा)' अनेमानंद (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८३७ । वि० वेदांत ।

(क) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४६ ।

(ख)→पं०३२–८ ए ।

नाटकदीपका (पद्य)—सदाराम कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० तत्वज्ञान ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२७२ डी ।

नाटक समयसार→'समयसार नाटक' (बनारसीदास कृत) ।

नाड़ीज्ञान प्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (शास्त्री) कृत । वि० नाड़ी पहचानने का विज्ञान ।

प्रा०—श्री सुखनंदन शर्मा, चंदरपुर, डा० जसवंतनगर (इटावा) ।→३५–४४ ।

नाड़ी परीक्षा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० जगन्नाथ बाजपेयी, माखी, डा० नेवटनी (उन्नाव)। →
२६–४३ (परि० ३)।

नाड़ी प्रकरण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १६३२
वि० वैद्यक।
प्रा०—श्री बातोल उपाध्याय, नलबंदीपुर, समथर।→०६–७६ यू।

नाड़ी प्रकाश या नाड़ी परीक्षा (पद्य)—दत्तराम (माथुर) कृत। र० का० सं०
१६३७। वि० नाड़ी ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १६४०।
प्रा०—हकीम रामदयाल, मुबारकपुर, डा० लहरपुर (सीतापुर)। →
२६–६२ बी।
(ख) लि० का० सं० १६४६।
प्रा०—पं० शिवरत्न, भज्जू का पुरवा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। →
२६–६२ सी।
(ग) लि० का० सं० १६४८।
प्रा०—लाला शिवदयाल, बरखेड़वा, डा० टड़ियाँव (हरदोई)।→२६–७६ बी।

नाथ—सं० १८४० के पूर्व वर्तमान।
कामरत्न (गद्य)→सं० ०४–१८७।

नाथ→'अनाथदास' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' के रचयिता)।

नाथ (कवि)—सं०१८६० (?) के लगभग वर्तमान।
पावस पच्चीसी (पद्य)→४१–१२६।
भागवत पच्चीसी (पद्य)→०६–२०६।
रंगभूमि (पद्य)→२६–३२५;४१–४००।
रामविहार (पद्य)→सं० ०१–१८७।

नाथ(कवि) - संभवतः २० वीं शताब्दी में वर्तमान।
कवित्त (पद्य)→सं० ०१–१८८।

नाथगुलाम (त्रिपाठी)—रामपुर (प्रतापगढ़) निवासी। इनके पूर्वज रीवाँ के राजाओं द्वारा संमानित हुए थे। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→२६–३२६।

नाथचंद्रिका (पद्य)—उत्तमचंद (भंडारी) कृत। वि० जलंधरनाथ के गुणों का वर्णन।
(क) प्रा० –पुरोहित गुलाबसिंह, जोधपुर।→०१–६६।
(ख)→०२–१८ (एक)।

नाथचरित (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत। वि० जलंधर नाथ जी का यशोगान।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३१।

नाथजी की तिथि—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२–६१ (इक्कीस)।

नाथनजी भट्ट→'नयनसिंह' (नेतसिंह के पिता) ।

नाथप्रशंसा (गद्यपद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत । वि० चार ऋतुओं का वर्णन ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर । →०२–७८ ।

नाथलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० नाथ संप्रदाय के महात्माओं की नामावली ।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) ।
→३५–७४ ए ।

नाथूराम (जैन)→'नाथूलाल' ('सुकुमाल चरित्र' के रचयिता) ।

नाथूराम और दामोदरदास (जैन)—प्रथम रचनाकार और दूसरे वचनिकाकार ।
रक्षाबंधन की कथा (गद्य)→सं० १०–७१ ।

नाथूलाल—अन्य नाम नाथूराम । जैन मतावलंबी । पिता का नाम शिवचंद और पितामह का नाम दुलीचंद । दोशी गोत्र के वैश्य । ढूँढाहर (जयपुर) के निवासी । जयपुर के महाराज रामसिंह (सं० १७६२–१६३७) के समकालीन । दीवान अमरेश (अमरचंद) के आश्रित ।
आत्म दर्शन (पद्य)→सं० ०७–१०० ।
सुकुमाल चरित्र (गद्य)→सं० ०४–१८८; सं० १०–७२ क, ख ।

नादार्णव (पद्य)—अन्य नाम 'नादोदधि' । पूरन (मिश्र) कृत । र० का० सं० १७७० । वि० संगीत ।

(क) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४-४३ ।
(ख) लि० का० सं० १६०१ ।
प्रा०—पं० चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगंज) ।→
सं० ०४–२१३ ।

नादोदधि→'नादार्णव' (पूरन मिश्र कृत) ।

नानक (गुरु)—सिख धर्म के संस्थापक । वेदी खत्री । सं० १५२६ में तिलवंडी (लाहौर) में जन्म । सं० १५६६ में मृत्यु । पिता का नाम कालूचंद खत्री, जो तिलवंडी के सूबा बुलार पठान के कारिंदा थे । सं० १५४५ में सुलक्षिणी के साथ इनका विवाह हुआ । नामदेव छीपी के समकालीन ।
अष्टांगयोग (पद्य)→०६–१६६ ।
गुरुनानक बचन (पद्य)→३२–१५१ ।
जपजी (पद्य)→२०–६६; पं० २२–७० ए, २३–२६३ ए ।
ज्ञान स्वरोदय (पद्य)→२३–२६३ बी ।

नानक प्रगाश (पद्य)→सं० ०४-१८६ ।
वैद्यक (नानकजी ग्रंथ का मतु) (गद्यपद्य)→सं० ०१-१८६ ख ।
संतसुमिरनी (नाल) (पद्य)→२३-२६३ जी ।
सतनाम (पद्य)→२६-२६३ एफ ।
सलोक महलानो (पद्य)→सं० ०१-१८६ क ।
साखी (ज्ञानकांड) (पद्य)→२३-२६३ ई ।
सिहरफी (पद्य)→पं० २२-७० बी ।
सुखमनी (पद्य)→०६-२०७; २३-२६३ सी, डी; २६-३१५; २६-१६; सं० ०७-१०१ ।

नानकजी का जप→'जपजी' (गुरु नानक कृत) ।

नानकजी की सुखमनी→'सुखमनी' (गुरु नानक कृत) ।

नानकदास—सं० १७४६ के लगभग वर्तमान ।
प्रबोधचंद्रोदय (पद्य)→पं० २२-७१; ४१-१२७ ।

नानक प्रगाश (पद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि० गुरुभक्ति ।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) । →सं० ०४-१८६ ।

नाना कवि कृति शंकरपचोसो→'शंकरपचीसी' ।

नानार्थ नव संग्रहावली (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० दृष्टिकूट, पहेली आदि ।
(क) लि० का० सं० १६२५ ।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६-२६७ आई ।
(ख) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, तालुकेदार, सीतापुर ।→२६-२६७ जे ।
(ग) लि० का० सं० १६३१ ।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) । →२३-२७४ ।
(घ) लि० का० सं० १६३१ ।
प्रा०—पं० कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा, डा० अजगरा (प्रतापगढ़) । → २६-२६७ के ।
(ङ) लि० का० सं० १६३१ ।
प्रा—पं० रामदुलारे दूबे, रामनगर, डा० औरंगाबाद (सीतापुर) । → २६-२६७ एल ।
(च) मु० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसठी (जौनपुर) ।→सं० ०४-२६३ घ।

नान्हूराम (कवि)—आमेरगढ़ के निवासी। सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है। →सं० ०४-४०६।

नापा—अन्य नाम नापै या नापौ। संभवतः दादूपंथी राघोदास के भक्तमाल में उल्लिखित नापा। जाति के माली।

पद (पद्य)→सं० ०७-१०२।

नापै या नापौ→'नापा' ('पद' के रचयिता)।

नाभादास—उप० नारायणदास। स्वामी अग्रदास के शिष्य। संभवतः ध्रुवदास के समकालीन। जनश्रुति के अनुसार डोम या क्षत्रिय। सं० १६३२-१६५२ के लगभग वर्तमान।→००-१५; ००-७७; ०६-१२१; १७-१; पं० २२-१; दि० ३१-३।

अष्टयाम (पद्य)→२०-१११; २३-२८६ ए।

भक्तमाल (पद्य)→०६-२११; २३-२८६ बी; १७-११७।

रामचरित के पद (पद्य)→०६-२०२; २३-२८६ सी।

नाभिकुँवरिजी की आरती (पद्य)—लालचंद कृत। वि० जैन देवी नाभि कुँवरि की आरती।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलंदशहर।→१७-१०६ ए।

नामउर्वशी→'नाममाला' (शिरोमणि मिश्र कृत)।

नाम कुसुममाला (पद्य)—नारायणसिंह (नृप) कृत। र० का० सं० १७२०। वि० कोश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याभाविग, काँकरोली।→सं० ०१-१६३।

नाम चक्र (पद्य)—लक्ष्मणप्रसाद (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १६००। वि० वैद्यक कोश।

प्रा०—बाबू मनोहरदास रस्तोगी वैद्य, ढुंढीकटरा, मिरजापुर।→०६-१६२।

नाम चिंतामणि (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १६०३। वि० कोश।

(क) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—लाला जगन्नाथ, कानूनगो, समथर।→०६-७६ जी।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-२६।

नाम चिंतामणि माला (पद्य)—नंददास कृत। वि० कृष्ण नाम माला।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०० सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-११८ ख।

नामदेव—जाति के छीपा। महाराष्ट्र के सतारा जिलांतर्गत नरसिवामणी गाँव के निवासी। पिता का नाम रामसेठ। माता का नाम गोणाबाई। सं० १३२७ में

पंढरपुर में बिसोबा खेचर या खेचरनाथ नामक नाथपंथी के शिष्य बने। ज्ञानदेव (जन्म सं० १३४७) के समकालीन।

नामदेव की बानी (पद्य)→०६–२०५; ४१–५११ (अप्र०); सं० ०७–१०४ घ।

नामदेव की साखी (पद्य)→०२–६५।

नामदेव की आरती (पद्य)→सं० ०७–१०४ क।

नामदेवजी (स्वामी) का पद (पद्य)→२६–२४३।

पद और साखी (पद्य)→सं० ०७–१०४ ख।

पद या सबद (पद्य)→सं० १०–७३।

शब्द या पद तथा साखी (पद्य)→सं० ०७–१०४ ग।

नामदेव—साध संप्रदाय के अनुयायी। संभवतः उदादास के शिष्य।

नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–१०३।

नामदेव—सं० १७८१ के पूर्व वर्तमान।

महाभारत (पद्य)→सं० ०४–१६०।

नामदेव—(?)

ककहरा (पद्य)→सं० ०१–१६०।

नमदेव आदि की परची संग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'नामदेव की कथा' तथा 'नामदेवजी की परिचयी'। अनंतदास कृत। र० का० सं० १६४५। वि० नामदेव, कबीर, रैदास, सेउसमन, त्रिलोचन, अंगद, राका, बाँका, तथा धनाभगत का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३ घ।

(ख) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३ ङ।

(ग) प्रा०—श्री ललितराम, जोधपुर।→०१–१३३।

(घ) प्रा०—पं० नरायणदत्त, नरायनपुर, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२३–१८ बी।

नामदेव की कथा→'नामदेव आदि की परची संग्रह' (अनंतदास कृत)।

नामदेव की परिचयी (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० नामदेव का वृत्त।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२११।

नामदेव की बानी (पद्य)—नामदेव कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५११ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१०४ घ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–२०५ ।

नामदेव की लीला (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८३५ (लगभग) । वि० नामदेव का चरित्र ।

प्रा०—पं० दीपचंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर) ।→४१–२१ ख ।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ में 'जालंधरयुद्ध' 'धर्मचरित्र' और 'ध्रुवचरित्र' भी संगृहीत हैं । 'जालंधरयुद्ध' का र० का० सं० १८३५ है ।

नामदेव की साखी (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० सं० १७४० । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६५ ।

नामदेव चरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नामदेव की कथा ।

प्रा०—श्री रामअनंद त्रिपाठी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद) । →सं० ०१–५२३ ।

नामदेवजी (स्वामी) का पद (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० सं० १७१० । वि० तत्वज्ञान ।

प्रा०—बाबा हरदास जी, छर्रा (अलीगढ़) ।→२६–२४३ ।

नामदेवजी की आरती (पद्य)—नामदेव कृत । वि० परमात्मा की आरती ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१०४ क ।

नामदेवजी की परिचयी→'नामदेव आदि की परची संग्रह' (नामदेव कृत) ।

नामनिधि (पद्य)—भगवानदास कृत । लि० का० सं० १८७६ । वि० नाम माहात्म्य ।

प्रा०—महंत रामदास जी, जिसिना ठाकुर, डा० इटवा (बस्ती) ।→ सं० ०४–२५० ग ।

नामनिरूपण (पद्य)—बनादास कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० रामनाम की जाप विधि, माहात्म्य और उससे परमपद प्राप्ति ।

प्रा०—महंत भगवानदास जी, भवहरण कुंज, अयोध्या ।→२०–११ एफ ।

नामपरत्व पचासिका (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० नीति के उपदेश और राम भजन की महिमा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ ङ ।

नामपहारा (पद्य)—भीखा साहब कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१७४ ख ।

नामपिंगल→'पिंगल नामार्णव' (रणधीरसिंह कृत) ।

नामप्रकाश (पद्य)—खंडन कृत । र० का० सं० १८१३ । लि०का० सं० १८७२ । वि० कोश ।

प्रा०—श्री गदाधर चौकसी, समथर ।→०६–५६ डी ।

नामप्रकाश (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत । वि० पर्याय शब्द कोष ।

प्रा०—श्री मदनलाल, आत्मज श्री पन्नालाल अग्रवाल, बलदेवगंज, डा० कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३५–१५ ।

नामप्रकाश (पद्य)—मदन साहब कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १६१५।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, बनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४–२७७ क।
(ख) प्रा०—श्री चंद्रभूषणदास, उदासीकुटी, जगनीपुर, डा० जमाताली (प्रतापगढ़)।→सं० ०४–२७७ ख।

नामप्रताप (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि० रामनाम की महिमा।
(क) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–१७५ पी।
(ख) प्रा०—पं० पूरनमल, बैजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी)।→३२–१७५ क्यू।
(ग) प्रा०—कुँवर गुलाबसिंह रईस, शेरपुर, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। →३२–१७५ आर।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६५ ङ, च।
(ङ) लि० का० सं० १८३४।→पं० २२–६१ डी।

नामबत्तीसी (पद्य)—जानकीदास कृत। र० का० सं० १८६६। वि० रामनाम की महिमा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–५३ बी।

नाममंजरी→'मानमंजरी' (नंददास कृत)।

नाम महातम की साखी (पद्य)—अन्य नाम 'नाममहिमा की साखी'। कबीरदास (?) कृत। वि० परमेश्वर के नाम की महिमा।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ ए।

नाम महिमा की साखी→'नाम महातम की साखी' (कबीरदास कृत)।

नाममाला (पद्य)—दुर्गालाल (कायस्थ) कृत। वि० पर्याय शब्द कोष।
प्रा०—श्री राधेविहारीलाल शायर, जूही, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ़)।→ २६–१११ सी।

नाममाला (पद्य)—अन्य नाम 'उर्वशी नाममाला' या 'उर्वशीमाला' और 'नाम-उर्वशी'। शिरोमणि (मिश्र) कृत। र० का० सं० १६८०। वि० कोश।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—पं० रामनिधि शुक्ल, लौहरपछिम, डा० बंधुवा कलाँ (सुलतानपुर)।→ सं० ०१–४१२।
(ख) लि० का० सं० १६११।
प्रा०—ठा० कान्हसिंह, मंत्री, राजपूत सभा, जंबू।→२०–१७८।
(ग) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–२३५ (विवरण अप्राप्त)।

नाममाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० निर्गुण साहित्य के पारिभाषिक शब्दों का तात्पर्य।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३८३।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२३७।
टि० खो० वि० ४१–३८३ के हस्तलेख में 'प्रश्नोत्तरी' और 'साध को ब्यौरा' भी संमिलित हैं।

नाममाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामनाम की महिमा।
प्रा०—पं० रामलाल, कौंढर, डा० जसराना (मैनपुरी)।→३५–२१५।

नाममाला→'मानमंजरी' (नंददास कृत)।

नाममाला (ग्रंथ) (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल, मँड़ियाहूँ बाजार, जौनपुर।→सं० ०४–२४ ङ।

नाममाला अनेकार्थ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० कोश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ फ।

नाम माहातम (पद्य)—कबीरदास (?) कृत। वि० परमेश्वर के नाम की महिमा।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ बी।

नाम माहात्म्य→'नामप्रताप' (स्वा० रामचरण कृत)।

नाम माहात्म्य योग ग्रंथ (पद्य)—सेवादास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२–६६ सी।

नाम रत्नमाला कोष→'अमरकोष (भाषा)' (गोकुलनाथ भट्ट कृत)।

नामरत्न स्तोत्र विवरण भाषा में (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० गो० विट्ठलनाथजी का यश वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३८६ झ।

नाम रत्नाकर (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १६००। वि० ईश्वर के अवतार और उनके नाम की महिमा।
प्रा०—पं० गनेशदत्त मिश्र, सहायक अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा।→०६–६५ ए।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—अवधविहारीलाल कृत। वि० विरह वर्णन। (फारसी मिश्रित हिंदी में)।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद मिश्र, भँगवा (प्रतापगढ़)।→२६–११ डी, ई।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—बलिराम कृत। वि० आध्यात्मिक ज्ञान।

प्रा०—पं० मुन्नीलाल, नंदगाँव, डा० नंदगाँव (मथुरा)।→४१-१५२ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—मुरलीदास कृत । वि० प्रार्थना ।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-११६ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—श्री नकछेदीराम चर्मकार, सरैयाँ, डा० कुरंटाडीह (बलिया)।→ ४१-२६३ छ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—हंस कृत । वि० निर्गुण ब्रह्म के प्रति विरह ।
प्रा०—पं० चंद्रशेखर, पानवाड़ी ।→१७-६७ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध कवियों का विविध विषयक संग्रह ।
प्रा०—पं० सालिगराम, जलाली (अलीगढ़)।→१७-११० (परि० ३) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जरासंध और कृष्ण युद्ध ।
प्रा०—श्री प्यारेलाल हलवाई, अतरौली, ।→१७-१११ (परि० ३) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध कवियों द्वारा लिखित होली वर्णन ।
प्रा—पं० सालिगराम, जलाली (अलीगढ़)।→१७-११२ (परि० ३) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—कुँवर जैरामसिंह, हरीपुर, डा० मानधाता (प्रतापगढ़)। → २६-१२८ (परि० ३)।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरवा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-१२८ (परि० ३) ।

नाम रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० कोश ।
(क) लि० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—लाला जगन्नाथ, कानूनगो, समथर ।→०६-७६ ए ।
(एक अन्य प्रति दतिया के कवि गौरीशंकर के पास है) ।
(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर ।→ ०५-३० ।

नामराशि लक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—पं० वासुदेव पांडे, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→ २६-४४ (परि० ३) ।

नामशतक (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि० रामनाम माहात्म्य ।
प्रा०—पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→२०-१४५ बी ।

नाम संकीर्तन (पद्य)—नरोत्तमदास कृत । वि० महाप्रभु कृष्ण चैतन्य की स्तुति ।

प्रा०—पं० रामनारायण गौड़, कोसी (मथुरा) ।→३२–१५५ ।

नामसागर (पद्य)—अचलदास कृत । र० का० सं० १६०५ । वि० भगवन्नाम महिमा और भक्तों की कथाएँ ।

प्रा०—बाबा साहबदास, मसानीदेवी का मंदिर, सआदतगंज (लखनऊ) ।→२६–२ सी ।

नामावली→'प्रियाजू की नामावली' (ध्रुवदास कृत) ।

नायक—(?)

दत्तात्रेय सत्संग उपदेश सागर (पद्य)→४१–१२८ क ।

सर्वसिद्धांत श्रीराममोक्ष परिचय (गद्यपद्य)→४१–१२८ ख ।

नायकनायिका भेद (पद्य)—नंददास कृत । वि० नाम से स्पष्ट । (भानुदत्त कृत 'रसमंजरी' के आधार पर) ।

प्रा०—नगरमहापालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–११८ क ।

नायकरायसा (रासो)→'अजीतसिंहफते ग्रंथ' (दुर्गाप्रसाद कृत) ।

नायिकादर्श (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० सं० १८७७ । वि० नायिका भेद, नखशिख आदि ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१७६ ई ।

नायिकादीपक (पद्य)—खरगराय कृत । र० का० सं० १६७५ । लि० का सं० १७८१ । वि० नायिका भेद ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६२ बी ।

नायिकाभेद (पद्य)—गिरधरलाल कृत । वि० नायिकाभेद ।

प्रा०-ठा० नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव) ।→२३–१२३ ।

नायिकाभेद (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर ।→०५–७७ ।

(ख) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–१०० जी ।

नायिकाभेद (पद्य)—यदुनाथ (बुध) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० विश्ववंभरनाथ पांडेय, जीवा, डा० बाँसी (बस्ती) ।→सं० ०७–१५७ ।

नायिकाभेद (पद्य) रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—मास्टर छिद्दूसिंह, सिहाना, डा० जैंत (मथुरा) ।→३८–१८६ ।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४६४ ।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री भारद्वाज मिश्र, बरगदवा, डा० मेंहदावल (बस्ती) ।→सं० ०४–४६५ ।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० छेदीलाल तिवारी, काकोरी (लखनऊ)।→सं० ०७-२३८।

नायिकाभेद (अनु०) (पद्य)—नीलकंठ (कंठ) कृत। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१६५।

नायिकाभेद (बरवाछंद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-७६।

नायिकाभेद और अलंकार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, उसरहा, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। → सं० ०४-४६६।

नायिका लक्षण (पद्य)—हरदेव कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हैड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०६-१७१ (विवरण अप्राप्त)।

नारदचरित्र (पद्य)—जेठमल (पंचोली) कृत। र० का० सं० १८४३। वि० नारद का चरित्र।
प्रा०—मुता जोधराज जी, जोधपुर।→०२-१००।

नारदनीति (गद्य)—देवीदास (व्यास) कृत। र० का० सं० १७२०। लि० का० सं० १८६८। वि० नीति।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, प्रयाग।→४१-१११।

नारद सनत्कुमार की कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → ००-१४८।

नारायण—श्रीकृष्ण के सेवक। किसी लक्ष्मीदास के पुत्र भीखादास के आग्रह पर इन्होंने टीका की। सं० १६२० के लगभग वर्तमान।
गीतगोविंद की टीका (गद्य)→सं० ०७-१०६।

नारायण—सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→२६-३२१ ए, बी; सं० ०७-१०५।
हरिचंद की कथा (पद्य)→०६-३०३।
हितोपदेश (पद्य)→०४-६०; २०-११५ ए, बी; २३-२६७ ए, बी, सी, डी; २६-३२२ ए, बी, सी।

नारायण—(?)
विवेकामृत (पद्य)→पं० २२-७३।

नारायण—बालमुकुंद के पुत्र और गोविंद के भतीजे। इन्हीं के लिये इनके चाचा ने 'गोविंदानंदघन' की रचना की थी। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।→ १२-६५।

नारायण (स्वामी)—वृंदावन निवासी। सं० १६२८ के पूर्व वर्तमान।
अनुरागरस (पद्य)→२३-२६६; २६-२४७ ए, बी।
गायन संग्रह (पद्य)→२६-२४७ सी।
गोपाल अष्टक (पद्य)→२६-३४७ डी।
ब्रजबिहार (पद्य)→२६-२४७ एफ।
संग्रह (पद्य)→२६-२४७ ई।

नारायणदास—रामानुजी वैष्णव। गुरु का नाम संभवतः श्रीनिवास। चित्रकूट निवासी सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।
छंदसार (पद्य)→०६-७८ ए; १७-१२३ ए, बी; सं० ०७-१०७।
पिंगलछंद (पद्य)→०६-७८ सी; २६-३२३।
भाषाभूषण की टीका (पद्य)→०६-७८ बी।

नारायणदास—पूर्व नाम उग्र। वशिष्ठ गोत्री ऋग्वेदी माथुर ब्राह्मण। इटावा निवासी। रामानुजी वैष्णव। सं० १७३६ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→सं० ०१-१६१।

नारायणदास—हरिचरणदास के समकालीन। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।
रहस्य प्रकाशिका (पद्य)→२०-११६।

नारायणदास—(?)
गोपीसागर (पद्य)→२३-२६८।

नारायणदास—(?)
पद (पद्य)→२६-३२०।

नारायणदास→'नाभादास' ('भक्तमाल' के रचयिता)।

नारायणदास→'रसमंजरी' ('अष्टयाम' के रचयिता)।

नारायणदास (ब्रजवासिया)—ब्रज के निवासी।
गोवर्द्धन लीला (पद्य)→सं० ०१-१६२ क।
स्वामिनीजी को ब्याह (पद्य)→सं० ०१-१६२ ख।

नारायणदेव—सं० १४५३ के लगभग वर्तमान।
हरिचंदपुराण कथा (पद्य)→००-८६।

नारायणप्रसाद—(?)
कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→३२-१५४।

नारायण लीला (पद्य)—जीवनदास कृत। वि० नारायण के अवतारों का वर्णन।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, महेगवा, डा० मरदह (गाजीपुर)। → सं० ०१-१३०।

नारायण लीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० अवतारों का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१७७ ए ।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२८६ ग ।

नारायण शैकुनावली (पद्य)—गोपाल कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० शकुन विचार ।

प्रा०—पं० देवीदयाल मिश्र, ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) ।→२०–५२ बी ।

नारायण श्रमस्वामी परम हंसकाचार्य—एक रमतेराम साधु । कुछ दिन खेरहमी पहाड़ गढ़ (रायबरेली) में रहे । सं० १६०४ के लगभग वर्तमान ।

त्रिकांडवल्ली ज्ञानदीपिका (गद्यपद्य)→सं० ०४–१६१ ।

नारायणसिंह (नृप)—सं० १७२० के लगभग वर्तमान ।

नामकुसुममाला (पद्य)→सं० ०१–१६३ ।

नारायण स्तोत्र (पद्य)—शंकराचार्य कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० स्तुति ।

प्रा०—श्री रामदयाल, पिहानी, डा० थानगाँव (सीतापुर) ।→२६–४२४ सी ।

नारिविरंजि→'विरंजिकुँवरि' ('सतीविलास' की रचयित्री) ।

नासकेत→'नासिकेत उपाख्यान' (स्वा० चरणदास कृत) ।

नासकेतपुराण (पद्य)—दयाल (जन) कृत । र० का० सं० १७३४ । लि० का० सं० १८३६ । वि० नासकेत मुनि की कथा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७७ ।

नासकेतपुरान (पद्य)—सेवाराम (सेवादास) कृत । लि० का० सं० १६१८ । वि० 'नासिकेत' की कथा ।

प्रा०—पं० मन्नालाल, कठैला, डा० श्री बलदेव (मथुरा) ।→३८–१३६ बी ।

नासकेतोपाख्यान (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६४ । वि० पौराणिक कथा ।

प्रा०—पं० खुशहालीराम, कुंडौल डा० डौह की (आगरा) ।→२६–४३८ ।

नासिकेत उपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेतपुराण' । चरणदास (स्वामी) कृत । वि० उद्दालक के पुत्र नासिकेत की कथा ।

(क) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५–१८ ।

(ख) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—पं० मुरलीधर मिश्र, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–६५ आर ।

(ग) लि० का० सं० १६१२ ।

प्रा०—श्री छिंगामल पुजारी, राधाकृष्ण मंदिर, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–६५ एस ।

(घ) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—पं० रूपनारायण, भज्जूपुरवा, डा० मल्लावाँ (हरदोई) ।→२६–६५ टी ।

(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-२६ सी ।

(च) प्रा०—श्री वंशीधर माथुर वैश्य, बमरौली कटारा (आगरा) । →२६-६५ क्यू ।

नासिकेत कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७६५ । वि० नासिकेत कथा का वर्णन ।

प्रा०—पं० गयादीन, जगन्नाथपुर, डा० रानीगंज कैथौला (प्रतापगढ़) । →सं० ०४-४६७ ।

नासिकेत कथा प्रसंग (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेत गरुड़पुराण' और 'नासिकेतोपाख्यान'। भगवतीदास (द्विज) कृत । र० का० सं० १६८८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—पं० चंद्रदीप पांडे, पिड़ोथ, डा० अमिला (आजमगढ़ ।→४१-१७० ।

(ख) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—पं० लालताप्रसाद, पंडित का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३-४८ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा० –पं० शिवदयाल, जौनपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-४८ बी ।

(घ) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-३८ ।

(ङ) प्रा०—पं० भागीरथी, पीपरपुर, सुलतानपुर ।→२३-४८ सी ।

(च) प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, झुकवारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६-५५ ।

नासिकेत की कथा (पद्य)—प्रेमदास कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-६३ बी ।

(ख) प्रा०—बा० रघुनंदनप्रसाद खरे, मुहल्ला हटवास (राज्य छतरपुर ।→ सं० ०१-२२१ ङ ।

नासिकेत गरुड़ पुराण→'नासिकेत कथा प्रसंग' (भगवतीदास द्विज कृत) ।

नासिकेत पुराण (पद्य)—घनश्याम कृत । र० का० सं० १६१५ । वि० ८४ नरकों का वर्णन ।

प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा सदावर्ती (आजमगढ़) ।→४१-६२ ।

नासिकेत पुराण (पद्य)—जवाहिर कृत । वि० नासिकेत ऋषि की कथा ।

प्रा०—श्री श्रीधर दूबे, वैष्णवपुर, डा० कलवारी (बस्ती) ।→सं० ०४-१८ ।

नासिकेत पुराण (पद्य)—रामप्रगाश (गिरि) कृत । र० का० सं० १८८३ । लि०

का० सं० १८८३। वि० नासकेत मुनि की कथा।

प्रा०—श्री रामनरेश गोसाईं, हुरहुरी, डा० केराकत (जौनपुर)।→ सं० ०१-३४६ ख।

नासिकेत पुराण→'ज्ञानचंद्रिका' (जीवनराम कृत)।

नासिकेत पुराण→'नासिकेत उपाख्यान' (स्वा० चरणदास कृत)।

नासिकेत पुराण→'नासिकेत की कथा' (प्रेमदास कृत)।

नासिकेत पुराण (भाषा) (गद्य)—नंददास (?) कृत। लि० का० सं० १८१३। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० प्यारेलाल, हिंदी अध्यापक, माधव विद्यालय, निमराना।→ ०६-२०८ ए।

नासिकेत पुराण (भाषा)→'नासिकेतोपाख्यान' (जयचंद कृत)।

नासिकेतु की कथा (पद्य)—माधवदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे दूबे, खजुहना, डा० बालामऊ (हरदोई)।→ २६-२१६ बी।

(ख) लि० का० सं० १९०८।

प्रा०—पं० भागवतप्रसाद, ककरामऊ, डा० बिलग्राम (हरदोई)।→ २६-२१६ ए।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेत पुराण (भाषा)'। जयचंद कृत। र० का० सं० १६१२। वि० नचिकेता द्वारा देखे गए नरक का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३३।

प्रा०—श्री दूधनाथ, छबौरा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-२०३।

(ख) लि० का० सं० १८७१।

प्रा०—पं० रामभरोसे, द्वारा पं० मनपोखनजी, दबहरा, डा० बड़ेपुरा (इटावा)।→दि० ३१-४४।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)—रणजीत कृत। वि० नासिकेत मुनि की कथा।

प्रा०—पं० दौलतराम पांडेय, सहिजादपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१-३१६।

नासिकेतोपाख्यान (गद्य)—सदल (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-३४।

नासिकेतोपाख्यान→'नासिकेत कथा प्रसंग' (भगवतीदास द्विज कृत)।

निंदक विंसतिका (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १९२५। वि० निंदकों की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ च।

निंदक विनोदाष्टक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १९२५। वि० निंदक वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२०६ छ।

निंब (कवि)—ग्वाल कवि के शिष्य। सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान।
अजीरनमंजरी (पद्य)→२९–२५२ बी।
रसरत्नाकर (पद्य)→२९–२५२ ए।

निकुंज रस माधुरी (पद्य)—सुंदरलाल (सुंदरसखि) कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति, चरित्र और विहारादि।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२८८ ख।

निकुंज विलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १७९४। वि० श्री राधाकृष्ण की निकुंजलीला।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–११६।
(ख) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ।→सं० ०४–१८६ ख।

निगुरी सगुरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भक्ति का उपदेश (निगुरी सगुरी दो स्त्रियों के माध्यम से)।
प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३५–२१६।

निघंट (पद्य)—लाड़िलीप्रसाद कृत। वि० औषधियों के गुणों आदि का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १९३२।
प्रा०—ठा० हरदनसिंह, कंजापुर, डा० पटियाली (एटा)।→२९–२०८ बी।
(ख) लि० का० सं० १९३६।
प्रा०—ठा० मानसिंह, पाली (हरदोई)।→२९–२०८ ए।

निघंट मदनोदै (पद्य)—महाराज (कवि) कृत। लि० का० सं० १९०२। वि० निघंटु।
प्रा०—श्री हरषनारायण द्विवेदी, बढ़ैया, ऊपरहार, डा० शंकरगढ़ (इलाहाबाद)।→सं० ०१–२७९।

निघंटु (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० भोजराज शुक्ल, एतमादपुर (आगरा)।→२९–४४०।

निघंटु (भाषा) (गद्य)—बालमुकुंद कृत। वि० मदनपाल कृत संस्कृत के प्रसिद्ध वैद्यक ग्रंथ 'मदनविनोद निघंटु' का अनुवाद।
प्रा०—श्री ललिताप्रसाद दीक्षित, जगनेर (आगरा)।→२९–२८।

निघंटु (भाषा) (गद्य)—अन्य नाम 'मदनविनोद निघंटु'। मदनपाल कृत। वि० औषधियों के नाम और गुण।
(क) लि० का० सं० १९१२।
प्रा०—लाला जोगनाथ, कुशहरी, डा० योहान (उन्नाव)।→२७–२७३ ए।
(ख) लि० का० सं० १९२२।

प्रा०—पं० शिवदुलारे, लखनपुर, डा० मगरैर (उन्नाव) ।→२६–२७१ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—सेठ गोविंदराम भगतराम मारवाड़ी' अमिलिहा (उन्नाव) । → २६–२७३ सी ।

(घ) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—महाराजा पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–२७३ डी ।

(ङ) प्रा०—राजा साहब बहादुर, प्रतापगढ़ ।→०६–१७६ ।

निघंटु हारीत (गद्यपद्य)—कटारमल्ल कृत । वि० औषधियों के पर्यायवाची शब्दों की सूची ।

प्रा०—पं० विट्ठलनाथ शर्मा वैद्य, पुराना शहर, शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२–१११ ।

निजउपाय (पद्य)—करमअली कृत । र० का० सं० १७३६ (१०६८हि०) । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य, हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा) ।→२६–१८४ ।

निजमत सिद्धांत (पद्य)—किशोरदास कृत । लि० का० सं० १८८३ । वि० निंबार्क संप्रदाय के सिद्धांत ।

प्रा०—महंत भगवानदास जी, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६३ ।

निजरूप लीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० परमात्मा के स्वरूप का दार्शनिक विवेचन ।

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा) । →३५–७४ एच ।

निजामत खाँ—संभवतः औरंगजेब बादशाह के सूबेदार । काशीराम के आश्रयदाता । →०३–७ ।

नितपद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६१७ । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—बाबू केदारनाथ अग्रवाल रईस, बाह (आगरा) →२६–४४२ ।

निता (त्या) नंद—मथुरा निवासी । संभवतः 'भ्रमनिवारण' के रचयिता नित्यानंद । →०५–४१ ।

निता (त्या) नंद के भजन (पद्य)→३२–१५८ ।

निता (त्या) नंद के भजन (पद्य)—निता (त्या) नंद कृत । लि० का० सं० १६०४ । वि० निर्गुण सिद्धांत और भक्ति ।

प्रा०—श्री ओंकारनाथ जैन, रुनकुता (आगरा) ।→३२–१५८ ।

नित्य कर्म (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३१ । वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार चंद्रमा मंदिर की नित्यपूजा विधि ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३८४ ।

नित्य कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (छीतस्वामी, रसिक, नंददास आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८४३ ।

प्रा०—श्री ध्यानदास, महाप्रभून की बैठक, करहेला, डा० बरसाना (मथुरा) । →३२-२६० ।

(ख) प्रा०-श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर, गोकुल (मथुरा) । → ३२-२६२ ।

नित्य कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप) कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० श्री कृष्णलीला ।

प्रा०—लाला छोटेलाल, पुस्तकविक्रेता, रंगीलदास का फाटक, वाराणसी । → ४१-४५३ (अप्र०) ।

नित्य (नित्त) कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के) कृत । वि० राधाकृष्ण की नित्य सेवा के भजन ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-४५२ (अप्र०) ।

नित्य कृत (पद्य)—विविध कवि (परमानंद, व्यास, विट्ठल आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री प्रेमबिहारी का मंदिर, प्रेमसरोवर, बरसाना (मथुरा) ।→३२-२६१ ।

नित्य कृत (गद्य)—हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार भगवान की सेवा का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१- ३२२ ।

नित्य के पद (पद्य)—व्रजाधीस (आदि) कृत । लि० का० सं० १८१२ वि० कृष्ण लीला ।

प्रा०—पं० परशुराम, चिमला, डा० राया (मथुरा) ।→३२-३२१ ।

नित्य के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । वि० श्रीकृष्ण लीलाएँ ।

प्रा०—पं० गोपाल जी गोस्वामी, नंदग्राम (मथुरा) ।→३२-२२६ सी ।

नित्य के पद (पद्य)—अष्टछाप के तथा श्रीभट्ट आदि विविध कवि कृत । लि० का० सं० १८६४ । वि० राधाकृष्ण की भक्ति और श्रृंगार ।

प्रा०—श्री हरिराम वैश्य, बिजौली, डा० माट (मथुरा) ।→३२-२२६ डी ।

नित्य के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, गोकुल (मथुरा) ।→३५-२२० ।

नित्य के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—ठा० करनसिंह, जमनामतो, डा० गोवर्धन (मथुरा) ।→३५-२१६ ।

नित्य के पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६३३ । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री अश्विनीकुमार वैद्य, बलदेव (मथुरा) ।→१७-४६ (परि० ३) ।

नित्य चरित्र के कीर्तन (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि० श्री कृष्ण का

जन्म, गोचारण और माखनचोरी आदि ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-४५४ (अप्र०) ।

नित्य चिंतामणि पारश्वनाथ पूजा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं १८२५ । वि० पार्श्वनाथ की पूजाविधि ।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-४८ (परि०३) ।

नित्यनाथ—रचयिता के कथनानुसार पार्वती पुत्र । सं० १६५६ के पूर्व वर्तमान ।

उड्डीसतंत्र (गद्य)→१७-१२६; २६-२५५ ई; सं० ०४-१६२ ।

रसरत्नाकर (गद्य)→२६-२५५ सी, डी; दि० ३१-६३ बी ।

वीरभद्र (गद्य)→२६-२५५ बी; दि० ३१-६३ ए ।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (छीत स्वामी, रसिक, विट्ठल, गिरधारी) आदि कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५ २१७ ।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (परमानंद, कुंभनदास, धोंधी, हितहरिवंश आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री गोकुलेश जी का मंदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा) । →३५-२१८ ।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (विट्ठल, गिरधर, दासगोपाल आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री गोकुलेशजी का मंदिर, वल्लभपुर, गोकुल (मथुरा) ।→ ३५-२२१ ।

नित्यपद (नि· · ·पद) (पद्य)—इच्छाराम कृत । वि भक्ति ।

प्रा०—पं० गोविंदराम, अधिष्ठाता मंदिर नंदबाबा, किला महावन (मथुरा) ।→ ३५-४२ ।

नित्यपदन की पुस्तक→'नित्यकीर्तन' (विविध कवि कृत) ।

नित्यपद संग्रह (पद्य)—परमानंददास कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री बहोरीलाल भारद्वाज, अछनेरा (आगरा) । →३२-१६२ सी ।

नित्यभावना (सेवा तथा स्वरूप की) (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । वि० पुष्टिमार्गी सेवा प्रकार ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१-४८६ ञ ।

नित्यभावना लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दानलीला ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→४१-३८५ ।

नित्यलीला (पद्य)—हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदायानुसार कृष्ण की सेवा विधि ।

(क) प्रा०—बाबू काशीप्रसाद जी, वाराणसी ।→००-३८ ।

(ख) प्रा०—ठा० नैनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-१६० ।

नित्यलीला और जन्माष्टमी आदि के पद (पद्य)—विविध कवि कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० नित्यकीर्तन, जन्माष्टमी, विजयादशमी, गोवर्द्धन और अन्नकूट आदि।
प्रा० डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७-२६२।

नित्यविहार युगल ध्यान (पद्य)—हित रूपलाल कृत। वि० राधाकृष्ण के शृंगार रूप आदि का वर्णन।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५८ जी।

नित्यविहारी जुगल ध्यान (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण की युगल मूर्ति तथा वृंदावन समाज का ध्यान।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००-३०।
(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-३०।

नित्यसेवा के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा प्रेमदास, गोकुलनाथ आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नवा मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२-२६३।

नित्यसेवा विधि (आन्हिक) (गद्य)—ब्रजराय (गोस्वामी) कृत। वि० नित्य कर्मों का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४०४।

नित्यसेवा शृंगार की भावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १९५९। वि० धर्म।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-८८ ञ।

नित्यानंद—श्यामशरण (भवभागी) के शिष्य। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान। संभवतः 'नित्यानंद के भजन' के रचयिता भी यही हैं।→३२-१५८।
भ्रमनिवारण (पद्य)→०५-४१।
संतविलास (पद्य)→पं० २२-७८।

नित्यानंद सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
कूर्मचक्रम (पद्य)→२६-३३७।

नित्यानंद—(?)
माया को अंग (पद्य)→सं० ०१-१६४।

नित्यानंद (सुकवि)—(?)
कवित्त सुकवि नित्यानंद के (पद्य)→४१-१२६ ग

निद्राविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४५। वि० राजकुमार मेक की कथा का वर्णन।
प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→४१-३८३; सं० ०१-५२४।

निधान--कान्यकुब्ज ब्राह्मण। अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी। नंदराम के पुत्र। घासीराम के छोटे भाई सुखानंद के शिष्य। अनूपशहर के धर्मसिंह के आश्रित। दीवान केव कृष्ण के कहने पर इन्होंने ग्रंथ की रचना की थी। सं० १८३३ में वर्तमान।
बसंतराज (भाषा) (पद्य)→१७-१२७।

निधान—राजा जसवंतसिंह (?) के आश्रित।
जसवंत विलास (पद्य)→१२-१२३।

निधान (सुकवि)—दीक्षित ब्राह्मण। सैयद अकबर अली (?) के आश्रित। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
शालिहोत्र (पद्य)→१२-१२४; २३-३०४ ए, बी; २६-३३४; सं० ०४-१६३; सं० ०७-१०६।

निधिरानी—रणजीत पुरवा (उन्नाव) के जमींदार राजा गिरिजाबख्शीसिंह की पत्नी। १८ वीं शताब्दी में वर्तमान। शालिग्राम परमहंस की शिष्या।→२६-४१७।
राममिलन (पद्य)→२६-३३५।

निपटनिरंजन—औरंगजेब (सं० १७१४-६४) के समकालीन।
कवित्त (निपटजी के) (पद्य)→१७-१२८।
निपटनिरंजन के छंद (पद्य)→२६-२५३।
शांतरस वेदांत (पद्य)→२३-३०६।
टि० खो० वि० १७-१२८ में ग्रियर्सन (मा० व० हिं०) के आधार पर इनका जन्म सं० १५६३ माना गया है। पर श्री किशोरीलाल गुप्त ने इसका खंडन किया है। (हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास; पृ० १३५; संख्या १२६ की टिप्पणी)।

निपटनिरंजन के छंद (पद्य) निपटनिरंजन कृत। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—डा० लक्ष्मीदत्त शर्मा, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२५३।

निरंजनदास—अयोध्या से चालीस मील दक्षिण गोमती नदी के किनारे आनंदपुर के निवासी। पिता का नाम वसंत। गुरु का नाम पीतांबर। सं० १७८५ के लगभग वर्तमान।
कृष्णकांड (पद्य)→१२-१२५।
हरिनाममाला (पद्य)→०६-३०२।

निरंजनपुराण—गोरखनाथ कृत।→पं० २२-३३ जे।

निरंजनपुराण (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० सृष्टि की उत्पत्ति आदि।
प्रा०—श्री महंत जी, डिडवाना (जोधपुर)।→२३-३८१ डी।

निरंजनलीला जोग ग्रंथ (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० निरंजन का स्वरूप वर्णन।
प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५-३६ एफ।

निरनैसार (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६४४। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सत्यनारायण उपाध्याय, नेवढिया, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)। →सं० ०४-२४ छ।

निरपषा मूल (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १५२० से १५४० के बीच में। वि० उपदेश।→पं० २२-३७ ई।

निरमल (कवि)– कायस्थ। चडेस (संभवतः चनेल, गोरखपुर) ग्राम के निवासी। सं० १७७३ के लगभग वर्तमान।

रसरत्नाकर (गद्यपद्य)→सं० ०१-१९५।

निरोधलक्षण (गद्य)—हरिराय कृत। वि० वल्लभ मतानुसार सांसारिक विषयों का निरोध।

प्रा०—पं० रामदत्त, हाँतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३१-३८ बी।

निर्गुणप्रकाश (पद्य)—बल्लूदास कृत। वि० विभिन्न देवताओं की कथाएँ।

प्रा०—श्री देवीदीन, बल्लूदास का पुरवा, सबलपुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। २३→-३५।

निर्गुन नहछुर→'नहछुर निर्गुन' (दूलनदास कृत)।

निर्गुनबानी (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० निर्गुणोपाख्यान।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल उपाध्याय पुजारी, नगला आसा मजरे, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→१५-१६ डी।

निर्गुन लीला (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९०७।

प्रा०—पं० राजनारायण आचार्य, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, डा० पीरनगर (गाजीपुर)।→सं० ०७-८६।

(ख) लि० का० सं० १९१०।

प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर (गोराबाजार) (गाजीपुर)। →सं० ०१-१७० ख।

निर्त विलास→'नृत्य विलास' (ध्रुवदास कृत)।

निर्त्य राघव मिलन (पद्य)—अन्य नाम 'नृत्यराघव (ग्रंथ)'। रामसखे कृत। र० का० सं० १८०४। वि० राम की महिमा, ज्ञान, भक्ति आदि।

(क) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५-७८।

(ख) लि० का० सं० १९४६।

प्रा०—लाल सूरजप्रसाद, तुलसीपुर, डा० मिल्लीपुर (बहराइच)।→२३-३५१।

(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१५८ डी।

निर्भयज्ञान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८९२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–२४ ज।

(ख) लि० का० सं० १६४५।

प्रा०—कबीर साहब का स्थान, मगहर (बस्ती।→०६–१४३ ओ।

(ग) प्रा० –महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर)।→०६–१७७ आर (विवरण अप्राप्त)।

निर्मलदास—सं० १८३६ में वर्तमान।

हरतालिका व्रत कथा (पद्य)→सं० ०१–१६६।

निर्मलप्रकाश→'उद्योतसिंह (महाराज)' (गोंडा के राजा)।

निर्वाणकांड (पद्य) भगौतीदास (भैया) कृत। र० का० सं० १७४१। वि० जैन धर्म के प्राकृत ग्रंथ निर्वाणकांड का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—लाला कपूरचंद, तिलोकपुर (बाराबंकी)।→२३–४७।

(ख) प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६४ क।

(ग) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६४ ख।

(घ) प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६४ ग।

निर्वाण रमैनी (पद्य)—लक्ष्मण (लछिमन) कृत। वि० तत्व ज्ञान।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२८३ (विवरण अप्राप्त)।

निर्वाण लीला (पद्य) परसुराम कृत। वि० संसार से विरक्ति और भगवद्भक्ति का उपदेश।

प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→३५–७४ आई।

निर्वाणि दुहा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८४।

निर्विरोध मन रंजन (पद्य)—भगवतीरसिक कृत। वि० उपदेश और वैष्णव मत के सिद्धांत।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–३३।

निवाज→'नेवाज (?)' ('छत्रसाल विरुदावली' के रचयिता)।

निशि भोजन त्याग व्रत कथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत। वि० जैनधर्म के अनुसार रात में भोजन न करने का उपदेश।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–५१ ए।

निश्चयदास—(?)

श्री महाप्रभुजी के स्वरूप चिंतन को पद (पद्य)→सं० ०१–१६७।

निश्चयात्मक ग्रंथ (उत्तरार्ध)→'अनन्य निश्चयात्मक (ग्रंथ)' (भगवतरसिक कृत)।

निश्चलदास—दादूपंथी साधु। किहडौली (दिल्ली) के निवासी। सं० १६०५ के पूर्व वर्तमान।

विचार सागर (पद्य)→२६–२५४।

टि० श्री मुनिकांतिसागर (उदयपुर) के अनुसार ये सं० १८८५–१६१५ तक वर्तमान थे।

निष भोजन की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० धर्म।

प्रा०—जैनमंदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६–४४१।

निह्चलसिंह—बेनी कवि के आश्रयदाता। सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।→०३–६२।

निहारूदास—गो० विट्ठलनाथ के शिष्य और नंददास के गुरु भाई। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।→पं० २२–१६।

निहाल (कवि)—पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह और नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं० १८६३–१६१६ के लगभग वर्तमान।

महाभारत (भाषा) (पद्य)→०४–६७।

साहित्य शिरोमणि (पद्य)→०३–१०५।

सुनीतिपंथ प्रकाश (पद्य)→०३–१०६।

सुनीति रत्नाकर (पद्य)→०३–१०७।

निहालदास—विंध्याचल (मिरजापुर) के निकट के निवासी। सं० १८५२ के लगभग वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→२३–३०५।

निहालदास—(?)

राधाकृष्ण रासलीला (पद्य)→२६–३३६ बी।

राधाकृष्ण हिंडोला (पद्य)→२६–३३६ ए।

संग्रह (पद्य)→२६–३३६ सी।

नीति की बात—उत्तमचंद (भंडारी) कृत।→०१–६६ (तीन); ०२–१८ (चार)।

नीति कुंडलियाँ (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८१०। वि० नीति।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ ग।

नीति के दोहे (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नीति।

प्रा०—नगरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५२५।

नीतिनिधान (पद्य)—खुमान (मान) कृत। लि० का० सं० १६५७। वि० दीवान पृथ्वीसिंह का गुण गान।

प्रा०—श्री राव साहब बहादुर, चरखारी ।→०६–७० एफ।

नीतिपचीसी (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि० नीति।

प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी) ।→३८–८४ आर।

नीतिप्रकाश (पद्य)—बलदेव (माथुर) कृत। वि० शेखसादी कृत 'करीमा' का अनुवाद।

प्रा०—श्री रामचंद्र वकील, ढोलपुरा, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→३२–१४।

नीतिमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० सं० १८५२। वि० भर्तृहरि के 'नीतिशतक' का अनुवाद।

(क) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६–२०५ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२१२ ख।

नीतिरत्नाकर (पद्य)—दिग्विजयसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १९२०। वि० राजनीति, रस और अलंकार।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० स्कूल, बलरामपुर (गोंडा) ।→सं० ०१–१५८।

नीतिविनोद (भाषा) (गद्य)—व्रजभूषण (गोस्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४०२ ग।

नीतिविलास (पद्य)—मथुरादास (कवि) कृत। लि० का० सं० १९२६। वि० नीति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२७०।

नीतिसंदोह (पद्य)—महादेवसिंह कृत। र० का० सं० १९२४। वि० नीति और उपदेश।

(क) लि० का० सं० १९३७।

प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाईं खेड़ा, डा० चामयानी (उन्नाव) ।→२६–२८१।

(ख) मु० का० सं १९३७ ।→सं० ०४–२९१।

नीलकंठ—वास्तविक नाम जटाशंकर। उप० कंठ। चिंतामणि, भूषण और मतिराम के भाई। तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। सं० १६९८ के लगभग वर्तमान। →००–४०।

अमरेश विलास (पद्य)→०३–१।

नायिकाभेद (अनु०) (पद्य)→सं० ०४–१९४।

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)—बैजनाथ कृत। वि० नीलकंठ महादेव की स्तुति।

प्रा०—श्री महादेव मिश्र, बटसरा, डा० कसिया (गोरखपुर) ।→सं० ०१–२४१।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।

प्रा०—वैद्य गुलजारीलाल जी विशारद, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२९–४४३।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।

प्रा०—पं० रामेश्वरदयाल, दतावली (इटावा) ।→३५–२२५।

नुस्खे (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० औषधि।

प्रा०—पं० ख्यालीराम, सहायक अध्यापक, चमरौला, ठा० बरहन (आगरा)। →२६–४४४।

नुस्खों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।

प्रा०—पं० राजाराम शर्मा, साहूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–२२४।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।

प्रा०—पं० रामचंद्र वैद्य, करहल (मैनपुरी)।→३५–२२२।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।

प्रा०—श्री रामजी दूबे, भदान (मैनपुरी)।→३५–२२३।

नूरमुहम्मद—भादों गाँव (आजमगढ़) के निवासी। इनके वंशज अब भी उक्त गाँव में रहते हैं।

इंद्रावत (पद्य)→०२–१०६; सं० ०१–१६८।

नृगोपाख्यान (पद्य)—चंक्राकित कृत। वि० राजा नृग का चरित्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२०–२४।

नृत्यराघव (ग्रंथ)→'नित्य राघव मिलन' (रामसखे कृत)।

नृत्य विलास (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी। →००–१३ (आठ)।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर (मिरजापुर)। →०६–७३ बी।

नृपनीति शतक (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६०१। वि० राजनीति।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–६५ ए।

नृसिंह कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० नृसिंह अवतार की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१४१।

नृसिंह चरित्र (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८३६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—पं० हरीशंकर, खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२–१४० सी।

(ख) लि० का० सं० १६५४।

प्रा०—लाला हीरालाल, चौकीनवीस, चरखारी।→०६–७० एच।

(ग) लि० का० सं० १६५४।

प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, चरखारी।→२६–२३७ सी।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४–४५।

नृसिंहजू को अष्टक→'नरसिंहजू को अष्टक' (मोहन कवि कृत) ।

नृसिंह पचीसी (पद्य)—खुमान (मान) कृत । लि० का० सं० १६५३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला हीरालाल, चौकी नवीस, चरखारी ।→०६–७० आई ।

नृसिंह लीला→'नरसिंह लीला' (राजा देवीसिंह कृत) ।

नेतसिंह—भाट । नयनसिंह (नाथन जी) के पुत्र । सं० १८०८ के लगभग वर्तमान ।

सारंगधर संहिता (पद्य)→००–१३८ ; ०६–२१५ ।

नेतिदास—कबीरपंथी । गिगला (मथुरा) निवासी । वंशज अभी भी उक्त स्थान में वर्तमान हैं ।

भ्रमविध्वंस मन रंजन (पद्य)→३२–१५७ ।

नेमचंद्रिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७६१ । लि० का० सं० १८८६ ।

वि० नेमिनाथ तीर्थंकर की कथा ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारतीय महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→सं० ०७–२३६ ।

नेमधर (पंडित)—सं० १८०१ के लगभग वर्तमान ।

वसंतराज ज्योतिष (पद्य)→२३–३०२ ।

नेमनाथजी के कड़े (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भजन ।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग साहित्यरत्न, १०, खटीकान, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१६४ ।

नेमनाथजी को बारामासो (पद्य)—विनोदीलाल कृत । वि० जैन तीर्थंकर नेमिनाथ का वृत्त ।

(क) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—पं० रेवतीनंदन, बेरी, डा० बरारी (मथुरा) ।→३८–१६० ।

(ख) लि० का० सं० १८४४ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२४६ ।

नेमनाथ ब्याहला (पद्य)—मोहनलाल (जैन) कृत । वि० नेमिनाथ के ब्याह का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०३ ।

नेमनाथ राजमती मंगल (पद्य)—जिनदास कृत । लि० का० सं० १८०६ । वि० नेमनाथ और राजमती का विवाह तथा वैराग्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–८१ ।

नेमनाथ री धमाल (पद्य)—गजानंद कृत । वि० जिन भगवान नेमिनाथ के विरक्त होने पर उनकी पत्नी राजमती का विरह वर्णन ।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४६ ।

नेमपुराण को कथा वचनिका (गद्य)—भागचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १६०७ । लि० का० सं० १६५६ । वि० नेमिनाथजी का जीवन चरित्र ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपूरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०—६६ ख।

नेमबत्तीसी (पद्य)—दामोदरदास कृत । र० का० सं० १६८७। वि० वृंदावन माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—बाबा वंशीदास, श्री नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा)।→४१–५०३ ग (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८३४।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५०३ क (अप्र०)।

(ग) प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२–४६ डी।

(घ) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, श्री राधारमण का घेरा, वृंदावन (मथुरा)।→२६–७४।

नेमिचंद्रिका (पद्य)—मनरंगलाल (पल्लीवाल) कृत। र० का० सं० १८८३। वि० नेमिनाथ जी की जीवन कथा।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ़।→२६–२६१।

नेमिनाथ के रेखते (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि० नेमिकुँवर के वियोग में राजकुल का शोक प्रकाश।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-२०२ बी।

नेमिनाथजी का मंगल (पद्य)—अन्य नाम 'नौमंगल (नवमंगल)'। विनोदीलाल कृत। र० का० सं० १७४२ (१७००)। वि० नेमिनाथ जी और राजमती के विवाह तथा वैराग्य का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४० क।

(ख) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०-नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४० ख।

(ग)→पं० २२–५६ ए।

नेमिनाथजी के छंद (पद्य)—झुनकलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८४३। लि० का० सं० १६१३। वि० नेमिनाथजी के रथ आदि की शोभा का वर्णन।

प्रा०—जैनमंदिर, नगला सिकंदर, डा० नारखी (आगरा)।→२६–१७६।

नेमिनाथ पुराण (पद्य)—जिनेंद्रभूषण कृत। र० का० सं० १८००। लि० का० सं० १८६०। वि० नेमिनाथ पुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१६३ बी।

नेमिनाथ राजुल विवाह (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि० का० सं० १८२४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–२०२ सी।

नेवजीलाल (दीक्षित)→'लाल' ('विक्रमविलास' के रचयिता)।

नेवलसिंह—क्षत्रिय। सं० १६८८ के पूर्व वर्तमान। संभवतः ये नवलसिंह प्रधान हैं।

मंगलगीता (पद्य)→३५–७० ए।

शब्दावली (पद्य)→३५–७० बी।

नेवाज—उप० विवाज। त्रिपाठी ब्राह्मण। आगरा निवासी। औरंगजेब के पुत्र आजमशाह के आश्रित। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान।

छत्रसाल विरुदावली (पद्य)→१७–१२६ बी।

शकुंतला नाटक (पद्य)→०३–७५ ; १७–१२६ ए; २०–१२०; २३–३०३।

नेवाज—ब्राह्मण। बुंदेलखंड निवासी। संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं० १८२० के लगभग वर्तमान।

अखरावती (पद्य)→०६–२१७।

नेवाजदास—संभवतः बुंदेलखंड निवासी नेवाज।→०६–२१७।

भेग्रंथ लीला (पद्य)→सं० ०४–१६५।

नेहतरंग (पद्य)—चंद्रदास कृत। लि० का० सं० १८२३। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—निमराना राज्य का पुस्तकालय, निमराना।→०६–३८ ए।

नेहनिदान (पद्य)—नवीन कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० स्नेह का स्वरूप वर्णन।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–३६।

नेहनिधि (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८१७। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)।→०१–६७।

नेहप्रकाश (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। र० का० सं० १७४६। वि० राम जानकी की श्रृंगारिक लीलाओं का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२३८।

(ख) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१६ बी।

(ग) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→००–३५।

(घ) प्रा०—पं० सरजूप्रसाद, सरेठी (फैजाबाद)।→२०–६।

टि० खो० वि० ००–३५ में भूल से पुस्तक को चरणदास कृत मान लिया गया है।

नेहप्रकाशिका→'नेहप्रकाश' (बालकृष्ण नायक कृत)।

नेहप्रकाशिका (टीका)→'रसिक विनोदिनी' (जनकलाड़िलीशरण कृत)।

नेहमंजरी (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण की प्रेमलीला।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→००–११।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ एम।

नैंनूदास—वैरागी। संभवतः पंजाब के निवासी।

पद (पद्य)→सं० ०७–११०।

नैकाव्य कथा (सपतविचार) (पद्य)—सर्वेश्वरदास (गोसाँईं) कृत। र० का० सं० १८८७ वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क, लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर, गोरा बाजार (गाजीपुर)।→ सं० ०१–४४४ क।

(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—आचार्य पं राजनारायण जी, पत्रहारी बाबा की कुटी, कुरथा, गाजीपुर। →सं० ०७–१६०।

(ग) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर गोराबाजार (गाजीपुर)।→ सं० ०१–४४४ ख।

नैन (कवि)—(?)

अंगदरावण संवाद (पद्य)→४१–१३० ख।

कवित्त हजरत अली साह मरदान सेरे खुदा सलदातुलाह अले हवाल ही वोसलम की हाल गढ़ खैबर की लड़ाई का तथा कवित्त हजरत अली के माजिजा के (पद्य)→४१–१३० क।

नैनकवेस्वर→'नयनसुख' ('वैद्यमनोत्सव' के रचयिया)

नैननामो (पद्य) वाजिद (बाबा) कृत। वि० तत्वज्ञान।

प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)।→ ३२–२२७ बी।

नैनागढ़ की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आल्हा का विवाह।

प्रा०—धर्मपत्नी स्व० पं० रामनारायण दूबे, नगराम (लखनऊ)।→२६–४३६।

नैनायोगिनी—(?)

साँबरतंत्र (गद्यपद्य)→०६-२०६।

नैमिषारण्य माहात्म्य (पद्य)—गोकरणनाथ कृत। र० का० सं० १६११। लि० का० सं० १६१८। वि० नैमिषारण्य तीर्थ का माहात्म्य।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ़)।→ २६–१२६।

नैषध (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८०३। लि० का० सं० १६३४। वि० संस्कृत नैषध के आधार पर नलदमयंती की कथा।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, राज नीलगाँव (सीतापुर)।→२३–१४१ बी।

नैषध (ग्रंथ)→'नलचरित्र' (सेवासिंह कृत)।

नौनाथ रछ्या (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५६। वि रक्षा के लिये नौ नाथों की स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२४०।

नोने (व्यास)—बंधोर के राजा दुर्जनसिंह के आश्रित। सं० १७०८ के लगभग वर्तमान।

धनुष विद्या (पद्य)→०६–८१।

नोनेशाह—कायस्थ। खुर्ज ग्राम (झाँसी) निवासी। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।

मूरिप्रभाकर (पद्य)→०६–८० बी।

वैद्यमनोहर (पद्य)→०६–८० ए।

संजीवनसार (पद्य)→०६–८० सी।

नोसेरवा के दास्तान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उपदेश।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५२६।

नोहरदास—साधु। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

अनुभवज्ञान (पद्य)→२०–१२२।

सतीबानी (पद्य)→१७–१३०।

नौनिद्धी (पद्य)—तेजराय कृत। वि० संत मतानुसार ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–७५ क, ख, ग।

नौनिधि (पद्य)—उदादास कृत। वि० संत मतानुसार ज्ञानोपदेश।

(क) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–६ क।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–६ ख, ग, घ।

नौनिधि (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–११ ट।

नौनिधि (पद्य)—कान्हजी कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१५।

नौनिधि (पद्य)—दरजोधन कृत। वि० शब्द और सतनाम माहात्म्य।

(क) प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–७८ क, घ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-७८ ख, ग।

नौनिधि (पद्य)—दीपाजी कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–८३।

नौनिधि (पद्य)—देवीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–८६।

नौनिधि (पद्य)—नामदेव कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–१०३।

नौनिधि (पद्य)—परसजी कृत। वि० संत मतानुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–११३ क, ख ।

नौनिधि (पद्य)—बिंद्रावन कृत । वि० जगत की उत्पत्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–१३४ ।

नौनिधि (पद्य)—मना जी कृत । वि० सतगुरु और भक्ति की महिमा ।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–१४४ ।

नौबतिराय—(?)

भजन महाभारत (उद्योगपर्व) (पद्य)→३५–६८ ।

नौमंगल (नवमंगल)→'नेमिनाथजी का मंगल' (विनोदीलाल कृत) ।

नौमसमय प्रबंध श्रृंखला पचीसी (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं १८३० । वि० कृष्ण भक्ति आदि ।

प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७–३४ ई ।

नौरता की कथा (पद्य)—पंचमसिंह कृत । र० का० सं० १७६६ । वि० नवरात्र व्रत की कथा ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–८६ ।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है ।

नौसेर पातसाह की दस ताज को बात (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नौसेर (नौशेरवाँ ?) बादशाह के दस ताजों पर लिखे नीति वाक्यों का वर्णन ।

प्रा०—पं० परमानंद, नौनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर) ।→३८–१८७ ।

न्यामत खाँ→'जान (कवि)' ('कंद्रपकलोल' आदि के रचयिता) ।

न्याय निरूपण ककहरा (पद्य)—भागवतदास कृत । लि० का० सं० १६५६ । वि० ईश्वर भक्ति और राम की महिमा आदि ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, शिवगढ़, डा० सिसइया (बहराइच) ।→२३–४६ ।

पंच उपनिशद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० पंच उपनिषदों का संस्कृत से अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—पं० शिववंश शुक्ल, जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६–७८ एल ।

(ख) प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा) ।→२६–६५ यू ।

पंचकदहाई (पद्य)—जीवन (मस्ताने) कृत । वि० आत्मज्ञान और उपदेश ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५–३३ ।

पंचकल्याणक (पद्य)—अन्य नाम 'पंचमंगल' । रूपचंद (जन) कृत । वि० जैन तीर्थंकर की स्तुति ।

(क) प्रा०—श्री जैनमंदिर, कटरा मेदिनीगंज, प्रतापगढ़ ।→२६–४१० ।

(ख) प्रा०—पं० रामदत्त जी, कोसी (मथुरा) ।→३८–१२८ बी ।

पंचकल्याणक पूजा (पद्य)—वृंदावन कृत । वि० जैनधर्म के विभिन्न देवताओं की पूजा ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–४४७ ।

पंचकल्याणक व्रत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८२५ । वि० जैन मतावलंबियों के चौबीस गुरुओं के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और निर्वाणकाल की तिथ्यात्मक सूची ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–५४ (परि०३) ।

पंचकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७८ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—बाबा रामसनेहीदास, कुटी सेखमल, खानपुर वोहना, डा० जहानागंजरोड (आजमगढ़) ।→सं० ०१–५२७ ।

पंचदशी (भाषा)→'नाटकदीप' (स्वा० अनेमानंद कृत) ।

पंचपरमेष्ठी गुण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७४ । वि० जैन दर्शन ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–१६५ ।

पंचपरमेष्ठी की पूजा (पद्य)—टेकचंद (जैन) कृत । लि० का० सं० १६२५ । वि० पंचपरमेष्ठी की पूजा का विधान और माहात्म्य ।

प्रा०—श्री सुखचंद जैन साधु, नहटौली; डा० चंद्रपुर (आगरा) ।→३२–२१५ ।

पंचपरमेष्ठी पूजा (पद्य)—डालूराम कृत । र० का० सं० १८६२ । लि० का० सं० १६४६ । वि० जैनियों की पूजा विधि ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–८३ ।

पंचमंगल→'पंचकल्याणक' (रूपचंद जन कृत) ।

पंचमसिंह—महाराज छत्रसाल के भतीजे । पन्ना नरेश हृदयसाहि के समकालीन । प्राणनाथ के शिष्य । सं० १७६२ के लगभग वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→०६–८५ ।

पंचमसिंह—कायस्थ । ओड़छा नरेश पृथ्वीसिंह के आश्रित । सं० १७६६ के लगभग वर्तमान ।

नौरता की कथा (पद्य)→०६–८६ ।

पंचमात्रा (गद्य)—रामनंद (स्वामी) कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० मंत्रादि ।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४–३४६ ख ।

पंचमात्रीजोग – गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।→०२–६१ (आठ) ।

पंचमुद्रा (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १८४७ । वि० पँचमुद्रा के सिद्धांत ।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी ।→३५–४६ एस ।

पंचमुद्रा (पद्य)—जोगजीत कृत । वि० ब्रह्म ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—पं० रंगनाथ, मछलीगाँव (गोंडा) ।→२०–७३ ।

(ख) प्रा०—श्री देवगिरि, तिलोई (रायबरेली) ।→सं० ०४–१३६ ।

पंचमुद्रा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०६। वि० ज्ञान आध्यात्म।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–५५ (परि० ३)।

पंचमेरु जयमाल (पद्य)—विनोदीलाल द्वारा अनूदित। वि० जैनधर्म विषयक भूधर कृत प्राकृत के ग्रंथ का अनुवाद।
प्रा०—पं० रामगोपाल, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–२०२ डी।

पंचमेरु पूजा (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैन धर्म की एक पूजन विधि।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२–५८ एफ।

पंचयज्ञ (पद्य)—उमादास कृत। वि० राजधर्म का उपदेश।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, राममगर (वाराणसी)।→०४–६७।

पंचयज्ञ विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गो ग्रास, हंतकार, अतिथिपूजन, अपसव्यम, स्वावबलि और वैश्य, देव कर्म विधि का वर्णन।
प्रा०—ठा० बद्रीनाथसिंह, खरौंही, डा० मानधाता (प्रतापगढ़)।→ २६-४५ (परि० ३)।

पंचरत्न (पद्य) – उमादास कृत। वि० नीति और सिद्धांत।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६६।

पंचरत्न (पद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० राजा ईश्वरीनारायणसिंह की वीरता तथा ग्रूस साहब की प्रशंसा संबंधी पाँच पाँच कवित्तों का संग्रह।
प्रा०—श्री भवदत्त शर्मा, एकाउंटेंट, रियासत सुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी)। →३८–८४ के, एल।

पंचरत्न (ग्रंथ) (पद्य)—ज्ञानदास कृत। र० का० सं० १६३३। लि० का० सं० १६३३। वि० गणेश, दुर्गा आदि की स्तुति।
प्रा०—बाबा साहबदास जी, गणेशमंदिर, डा० सहादतगंज (लखनऊ)।→ २६–२०६ बी।

पंचविंशति (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्मानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→ सं० ०४–४६८।

पंच सहेली रा दूहा (पद्य)—छीहल (कवि) कृत। र० का० सं० १५७५। वि० पाँच स्त्रियों का विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८४४।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३५।
(ख) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–६३।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–४६७ (अप्र०)।

पंचांग दर्पण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६–४६ (परि० ३)।

पंचांग दर्शन (गद्य)—यदुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८५७। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–११६।
(ख) लि० का० सं० १६०५।
प्रा०—पं० देवीदत्त शुक्ल, संपादक 'सरस्वती', प्रयाग।→४१–५४८ (अप्र०)।
(ग) प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६–३३३ ए।

पंचाध्यायी (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। र० का० सं० १८६६। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–७३।

पंचाध्यायी ? (पं० ध्या०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की रासलीला।
प्रा०—पं० जवाहरलाल चतुर्वेदी, कुँआवाली गली, मथुरा।→३८–१६०।

पंचाध्यायी→'रासपंचाध्यायी' (कृष्णदास कायस्थ कृत)।

पंचाध्यायी→'रासपंचाध्यायी' (नंददास कृत)।

पंचाध्यायी (भाषा)→'रासपंचाध्यायी सटीक' (गोपालराय भाट कृत)।

पंचाध्यायी (रासलीला) (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १८४०। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों के रास का वर्णन।
प्रा०—ठा० फतेहबहादुरसिंह, क्षत्रियपुर, डा० मझगवाँ (जौनपुर)।→सं० ०१–४६१ झ।

पंचायत का न्यायपत्र (गद्य)—फणींद्र (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७०१। लि० का० सं० १७०१। वि० पंचायत निर्णय वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२२५।

पंचासिका→'त्रिवेणीजू के कवित्त' (गणेश कवि कृत)।

पंचास्तिकाय (गद्य)—अन्य नाम 'पंचास्तिका वचनिका'। हेमराज पांडेय (जैन) कृत। वि० जैन दर्शन विषयक कुंदकुंदाचार्य कृत प्राकृत के 'पंचास्तिका' की टीका।
(क) लि० का० सं० १६५३।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१४८।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, जैन मंदिर, खुर्जा।→१७–७५।

पंचास्तिका वाचनिका→'पंचास्तिकाय' (हेमराज पांडेय जैन कृत।

पंचीकरण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–५६ (परि० ३)।

पंचीकरण मनबोध (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० अष्टांग-योग वर्णन।
प्रा०—श्री महाराज महेंद्रमानसिंह जी, भदावर राज्य, नौगवाँ (आगरा)।→३२–१७० ए।

पंचेंद्रिय निर्णय (पद्य)—सुंदरदास कृत। र० का० सं० १६६१। लि० का० सं० १८६०। वि० वेदांत।

प्रा०—पं० ब्रजनाथ, मियाँ साहब की गली, मुरादाबाद।→१२-१८४ ए।

पंचोली देवकर्ण—महाराणा जगतसिंह के आमात्य। लच्छीराम के शिष्य। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान।

वाराणसी विलास→सं० ०१-१६६।

पंछीचरित्र→'पंछीचेतवनी' (रचयिता अज्ञात)।

पंछीचोतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण के श्रृंगार के साथ साथ पक्षियों का नामोल्लेख।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नगरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५२८।

पंछीचेतवनी (पद्य)—अन्य नाम 'पंछीचरित्र'। रचयिता अज्ञात। वि० विरह श्रृंगार के साथ साथ पक्षियों का नामोल्लेख।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१-५२६।

पंछी वेतावनी (पद्य)—हरिवंशराय कृत। वि० पक्षियों के माध्यम से नायिकाभेद।

प्रा०—पं० गोविंदप्रसाद, हिंगोटखिरिया, डा० बमरौली कटारा (आगरा)।→ २६-१४८ जी।

पंछीनामा (पद्य)—बाजिंद (वजदी) कृत। वि० सूफी रहस्यवाद।

प्रा०—डा० एम० एच० सैयद साहब, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१-२५०।

पंडित→'देवीदत्त (शुक्ल ,' 'हनुमत वीर रक्षा' के रचयिता)।

पंडित कवि गंगा→'गंगाराम (यति)' ('भावनिदान' आदि के रचयिता)।

पंथपारख्या (पद्य)—दास कृत। वि० दादूपंथ के सिद्धांतों का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१५६।

पंदनामा लुकमान का (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सं० १७२१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग।→सं० ०१-१२६ थ[१]।

पंद्रह तिथि (ग्रंथ) (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८१६। वि० योगी को प्रत्येक तिथि के उपयोग का ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।।→सं० ०७-३६ ज।

पंद्रहपात्र की चौपाई (पद्य)—बनारसी कृत। वि० पंद्रह पात्रों, कुपात्रों और ज्ञान आदि का वर्णन।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कठवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२-१८ ए।

पक्षीचेतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रृंगार वर्णन।

प्रा० - चौ० केहरीसिंह, नयाबाँस (इटावा)।→ ३८-१८६।

पक्षीचेतावनी (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि० विरह वर्णन एवं श्लेष से पक्षियों का नामोल्लेख।

प्रा०—ठा० यदुनाथसिंह, महेरी, डा० कटरा मेदिनीगंज (प्रतापगढ़)।→ २६-२३५ ।

पक्षीप्रश्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८८। वि० शकुन।

प्रा०—श्री प्रभुनाथ पांडेय, मऊ, डा० बेलवार (जौनपुर)।→सं० ०४-४६६ ।

पक्षीमंजरी (पद्य)—बोधा कृत। र० का० सं० १६३६। वि० पक्षियों के श्लेष से नायिका का विरह वर्णन।

प्रा०—मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२-३१ डी।

पक्षीविलास (पद्य)—गुरुदत्त (शुक्ल) कृत। वि० पक्षियों के रूप गुण का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक', लखनऊ।→२३-१४५ ए।

(ख) प्रा०—पं शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-१४५ बी।

पक्षीविलास (पद्य)—घासीराम कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद, लक्ष्मी, चंपक, कोकिल, मराल आदि का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६४४।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक', लखनऊ।→२३-१२२।

(ख) प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)। →सं० ०४-८७।

(ग) प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६-६१।

(घ) प्रा०—कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-१३६।

पचीसी (पद्य)—किशोरदास कृत। लि० का० सं० १६६६। वि० समस्या पूर्ति।

प्रा०—बाबा अयोध्याप्रसाद, मौदा, डा० काकोरी (लखनऊ)।→२३-२१३।

पजनकुँवरि—बुंदेलखंड की रहनेवाली।

बारहमासी (पद्य)→०६-८३।

पजन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)—पजनसिंह कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६-८४।

पजनसिंह—कायस्थ। मदनसिंह के पुत्र।

पजन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)→०६-८४।

पजनेस—सुप्रसिद्ध कवि। जन्मकाल सं० १८७३। पन्ना निवासी।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)→०५-६३।

पठान् (मिश्र)—

मदनाष्टक (पद्य)→३१-७६।

पतित→'युगलप्रसाद' ('विनयवाटिका' के रचयिता)।

पतितदास (स्वामी)—गिरिधरपुर (बैसवाड़ा, रायबरेली) के निवासी। अंतिम समय अयोध्या में बीता, जहाँ इनके नाम का एक मंदिर है। संभवतः १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

गंगाजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ डी ।
गुप्तगीता (पद्य)→१७–१३३ ।
ज्योतिष (पद्य)→२६-३४६ ई ।
ज्योतिषरासि दिन रजस्वला विचार (गद्यपद्य)→२६–३४६ जी ।
ज्ञानयोगतत्व सार (पद्य)→२३–३१४ ए ।
तंत्रमंत्र जंत्रावली (पद्य)→२६–३४६ एम ।
देवीजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ बी ।
दोहावली (पद्य)→२६–३४६ सी ।
नक्षत्र राशि चरण कुंडली फलाफल ज्योतिष (पद्य)→२३–३१४ सी; २६–३४६ एफ ।
भजन सर्व संग्रह (पद्य)→२०–१२७ ।
महावीरकवच (पद्य)→२३–३१४ बी ।
यात्रागुण (पद्य)→६–१३४६ पी ।
रंजस्वला रोग दोष (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन, आई ; २६–१६७ ।
रमल (पद्य)→२६–३४६ के ।
विश्वरूप विनय (पद्य)→२६–३४६ ओ ।
वैद्यककल्प (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन ; सं० ०४–१६६ क ।
शरीर भोग सार गीता (पद्य)→२३–३१४ डी ।
शिवस्तुति (पद्य)→२६–३४६ एल ।
सर्व ग्रंथोक्ति (गद्य)→सं० ०४–१६६ ख ।

पतितदास, दासपतित या पतितानंद→'पतितपावनदास' ('पतितपावनदास की कविता' के रचयिता) ।

पतितपावनदास—क्षत्रिय । चकौली ग्राम के निवासी । सं० १६३६ के पूर्व वर्तमान ।
पतितपावनदास की कविता (पद्य)→२६–२६८ बी ।
विवेकसार (पद्य)→२६–२६८ ए ।

पतितपावनदास की कविता (पद्य)—पतितपावनदास कृत । वि० गुरु महिमा आदि ।
प्रा०—मुंशी जानकीप्रसाद मुख्तार, बाबू बिहारीलाल नंबरदार, समेसी, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६–२६८ बी ।

पतिमिलन (पद्य)—वृंद (कवि) कृत । वि० बिदेश से पति के आने पर पत्नी का श्रृंगार वर्णन ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→०१–२५६ क ।

पत्तल (पद्य)—कुंजमणि (कुंजजन) कृत । र० का० सं० १८३३ । लि० का० सं० १६१५ । वि० राम विवाह ज्योनार ।
प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–२५२ ए ।

पत्तलि (पद्य)—मोहनलाल (द्विज) कृत। र० का० सं० १८००। वि० श्रीकृष्ण जी के विवाह की ज्योनार का वर्णन।
प्रा०—पं० श्यामलाल शर्मा, मंत्री श्री व्रजराज पुस्तकालय, बलदेव (मथुरा)। →१७-११३।

पथरीगढ़ की लड़ाई (पद्य)—अन्य नाम 'मलिखान का ब्याह'। भोलानाथ कृत। र० का० सं० १६०७। लि० का० सं० १६१३। वि० गजमोतिन और मलिखान के ब्याह का वर्णन।
प्रा०—लाला गेंदालाल, सोरों (एटा)। →२६-४७ ई।

पथैनारासो →'गढ़पथैनारासो' (चतुरराय कृत)।

पथ्यापथ्य विचार (गद्यपद्य)—केशवप्रशाद (दूबे) कृत। र० का० सं० १६३२। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—पं० कुंदनलाल, सफीपुर (उन्नाव)। →२६-२३० ई।
(ख) लि० का० सं० १६३२।
प्रा०—पं० रामदुलारेलाल, भरपुरवा, डा० बेथर (उन्नाव)। →२६-२३० एफ

पद (पद्य)—अंगद जी कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-१।

पद (पद्य)—अग्रदास कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-२।

पद (पद्य)—अयोध्या (गिरि) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री मुन्नी चौबे, हुरभुजपुर डा० सादात (गाजीपुर)। →सं० ०१-६।

पद (पद्य)—आसानंद कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० १०-७।

पद (पद्य)—उमा कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० घूरेमल जी, राजेगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा) →३८-१५७।

पद (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १७७१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० १०-६ ख।
(ख) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-११ ठ।

पद (पद्य)—कमाल कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १७७१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० १०-११।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७-१२।

पद (पद्य)—कान्हाँ जी कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६ ।

पद (पद्य)—कीता कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१५ ।

पद (पद्य)—कृष्णानंद कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१६ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२२ ।

पद (पद्य)—कोविद कृत । वि० राम और सीता का श्रृंगार एवं विहार ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३७ ।

पद (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२४ ग ।
(ख) लि० का० सं० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३० ख ।

पद (पद्य)—गैबी जी कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा० नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३५ ख ।

पद (पद्य)—गोविंददास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–४० ।

पद (पद्य)—ग्याँनतिलोक कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२८

पद (पद्य)—चतुर्भुज (स्वामी) कृत । वि० रास और सिद्धांत निरूपण ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४० ।

पद (पद्य)—चत्रदास कृत । लि० का० सं० १८५६ वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–४४ ।

पद (पद्य)—छाजु जी कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–४८ ।

पद (पद्य)—छीतम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–३८ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारीणी सभा, वाराणसी । सं० ०७–४६ ख ।

पद (पद्य)—छोटेलाल कृत । लि० का० सं० १६५० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । →
सं० ०४–१०४ ।

पद (पद्य)—जंगी जी कृत । लि० का० सं० १८१६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–५१ ।

पद (पद्य)—जगजीवनदास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–५२ ख ।

पद (पद्य)—जगन्नाथ (जन) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–५६ ग ।

पद (पद्य)—जनगोपाल कृत । लि० का० सं० १७६७ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३६ झ ।

पद (पद्य)—जैदेव (जयदेव) कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० रामभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–४५ ।

पद (पद्य)—तिलोचन कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । सं० १०–५० ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–६६ ।

पद (पद्य)—अन्य नाम 'तुरसीदास के पद' । तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८३८ ।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदूविश्वविद्यालय, वाराणसी ।→३५–१०० ए ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७० घ ।

पद (पद्य)—दरसणदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–७६ ।

पद (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि० होली आदि राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

(क) प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४६ एफ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०२ क ।

पद (पद्य)—दास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । सं० ०७–८२ क ।

पद (पद्य)—देवाराम (बाबा) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—पं० साधुशरण तिवारी, सिहाकुंड (सीताकुंड), डा० हलदी (बलिया) ।→४१–११० ।

पद (पद्य)—धना जी कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–६३ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८८ ।

पद (पद्य)—अरनीदास कृत। वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-११४ घ ।

पद (पद्य)—धरमसी जी कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-९० ।

पद (पद्य)—ध्यानदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-९२ ग ।

पद (पद्य)—नरसी (मेहता) कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७० ।

पद (पद्य)—नरीदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-९६ ।

पद (पद्य)—नापा कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१०२ ।

पद (पद्य)—नारायणदास कृत । लि० का० सं० १८६६ । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—श्री बरगदिया बाबा, हिंडोलने का नामा, लखनऊ ।→२६-३२० ।

पद (पद्य)—नैंनूदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११० ।

पद (पद्य)—पदमदास (पदम स्वामी) कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह और कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१६७ ।

पद (पद्य)—परमानंद कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११२ ।

पद (पद्य)—परस जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७५ क ।

पद (पद्य)—परसन (विप्र या द्विज) कृत । र० का० और लि० का० सं० १८८० से १८९० तक । वि० राम, कृष्ण और शिवभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२०३ क, ख, ग, घ ।

पद (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । → सं० ०४-२०५ ।

पद (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७८ क ।

पद (पद्य)—पूरणदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–११७ ।

पद (पद्य)—फरस जी कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० संतमतानुसार भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१२४ ।

पद (पद्य)—बछनागर जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–८३ ।

पद (पद्य)—बनारसी कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१२८ ।

पद (पद्य)—बहावदी (सेख) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–८६ ।
(ख) लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१३० ।

पद (पद्य)—बाजिंद कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१३१ घ ।

पद (पद्य)—बीसा जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति अर ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–९० ।

पद (पद्य)—भांगचंद (जैन) कृत । वि० जैन धर्म ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३२–१९ ।

पद (पद)—भीम जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–९९ ।

पद (पद्य)—मगनानंद कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–२७५ ।

पद (पद्य)—मछींद्रनाथ कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१०३ ।
(ख , लि० का० सं० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१४२ ।

पद (पद्य)—मतसुंदर कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१४३ ।

पद (पद्य)—महम्मद (काजी) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१४९ ।

पद (पद्य)—माधोदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१५० ।

पद (पद्य)—मुकुंदभारती कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० योगानुकूल ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१५२ ।

पद (पद्य)—मुरारीदास (मुरार जी) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१५४ ।

पद (पद्य)—मोहनदास (भंडारी) कृत । वि० ईश्वर स्तुति ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६६ (विवरण अप्राप्त) ।

पद (पद्य)—रहोबा जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-११२ ।

पद (पद्य)—राणा जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-११३ ।

पद (पद्य)—रामचरण कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—पं० घूरेमल, राजेगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३८-११६ बी ।

पद (पद्य)—रामदास (मौनी) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६७ ख ।

पद (पद्य)—रामसखे कृत । वि० रामचंद्र की स्तुति ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५-६६ ।

पद (पद्य)—रामानंद (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-११५ ।

(ख) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६८ ख ।

पद (पद्य)—लैलीनराम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१७७ ग ।

पद (पद्य)—वंशीअली कृत । वि० राधा जी की वंदना ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६ ।

पद (पद्य)—वनचंद (गोस्वामी) कृत । वि० शांतरस के पद ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५ ।

पद (पद्य)—विद्याधर (विद्यादास) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा० - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१७६ ।

पद (पद्य)—वेणी कृत । लि० का० सं० १८५६ । भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१८१ ।

पद (पद्य)—शिवदीनदास कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—ठा० जगदंबासिंह, गंगापुर, डा० कोहडौर (प्रतापगढ़) । → सं० ०४-३८३ ख ।

पद (पद्य)—शीतलदीन कृत। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—श्री हरिनारायण मिश्र, सिकंदरा (इलाहाबाद)।→सं० ०१-४२०।

पद (पद्य)—श्रीभट्ट कृत। वि० राधाकृष्ण विषयक प्रेम, शृंगार और भक्ति।

प्रा०—पं० वसंतलाल, नौहझील (मथुरा)।→३२-२०४ बी।

पद (पद्य)—सधना कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१२८।

पद (पद्य)—सीहा जी कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६२।

पद (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६३ ठ।

(ख)→०२-२५ (पंद्रह)।

पद (पद्य)—सुखानंद कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१३१।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६७।

पद (पद्य)—सूरतराम (जन) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०१ ग।

पद (पद्य)—सेवादास कृत। वि० निर्गुण ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६६ ट।

(ख)→पं० २२-६६ डी।

पद (पद्य)—सैंना जी कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१३५।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०५ ख।

पद (पद्य)—सोझा जी कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१३७।

पद (पद्य)—सोम जी कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १७७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१३८।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०६।

पद (पद्य)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१४४क ।

पद (पद्य)—हरिदास (जन) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४८४ ।

पद (पद्य)—हरिनाम कृत । लि० निर्गुण भक्ति और ज्ञान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३२० ग ।

पद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति ।
(क) प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७–३४ एन ।
(ख) प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोत्तीगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२–२३२ डी ।
(ग) प्रा०—शाह जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→३२–२३२ ई ।

पद (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि० राधाकृष्ण का गुणानुवाद ।
प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोत्तीगढ़ी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२–२२६ जे ।

पद (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० होरी आदि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–५० (परि० ३) ।

पद (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० कृष्ण भक्ति आदि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–५१ (परि० ३) ।

पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाकृष्ण की रासलीला और होली ।
प्रा०—चतुर्वेदी उमरावसिंह पांडेय विशारद, टंकक (टाइपिस्ट), कलेक्टरी कचेहरी, मैनपुरी ।→३५–२२६ ।

पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम और कृष्ण की भक्ति ।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५–२२७ ।

पद→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत) ।

पद→'नागरीदास के पद' (नागरीदास कृत) ।

पद और कवित्त (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० आरती, झूलना, ज्ञान और होली आदि ।
प्रा०—पं० मूलचंद, बुखरारी, डा० छाता (मथुरा) ।→३८–२५ ई ।

पद और रमैणी→'ग्रंथ माँझ्यो' (हरिदास कृत) ।

पद और साखी (पद्य)—काजी महमूद कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–१३ ।

पद और साखी (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० सं० १८७२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१०४ ख ।

पद और साखी या शब्द (पद्य)—रैदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६६६ ।

प्रा०—बाबा हरिदास, छर्रा (अलीगढ़) ।→२६–२७६ बी ।

(ख) लि० का० सं० १७०६ ।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६७ ।

(ग) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–११६ ।

(घ) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१७१ क ।

(ङ) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१७१ ख ।

(च) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–५५ ।

पद कबीरजी का अरथ सहित टीका (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५५ । वि० कबीर के १२१ पदों की टीका ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–२४१ ।

पद गुटका (पद्य) –लक्ष्मीदास कृत संग्रह । लि० का० सं० १६०५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–३६७ ।

पद चयन (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । वि० अष्टछाप तथा अन्य वैष्णव कवियों के पदों का संग्रह ।

प्रा०—श्री जी का मंदिर, बरसाना (मथुरा) ।→३२–२२६ ई ।

पद चयन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री खचेरमल ब्राह्मण, डहरोली, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३५–२२८ ।

पद नामावली (पद्य)—हरिदास (?) कृत । वि० भक्ति के पद ।

प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी, दुली, फिरोजाबाद (आगरा) । → २६–१४० एफ ।

पद परमानंदजी के→'परमानंद सागर' (परमानंददास कृत ।

पद पुथलिया (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—पंडा मुरलीधर सनाढ्य, कानूनगो की गली, रामदास की मंडी, मथुरा । →३५–२३५ ।

पद प्रसंग माला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि० वैष्णव कवियों के पदों तथा जीवन वृत्तों का संग्रह ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६८ सी (विवरण अप्राप्त) ।

पदमदास—अन्य नाम पदस्वामी और पदुमभगत या पदमैया। जाति के तेली। संभवतः राजस्थान के निवासी। सं० १६६६ के लगभग वर्तमान।

पद (पद्य)→सं० ०४–१६७।

रुक्मिणीजी को ब्याहलो (पद्य)→००–२४; ००–६२; पं० २२–८०; २६–२५६

पदमाड्या (पद्य)—बखना जी कृत। लि० का० सं० १७६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१२६ ख।

पदमाला (पद्य)—ललितकिशोरी (दास) कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति और प्रेम।

प्रा०—पं० रामलाल, गिंड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२–१३४ डी।

पदमाला (पद्य)—श्रीभट्ट कृत। लि० का० सं० १८११। वि० राधा कृष्ण की भक्ति।

प्रा०—श्री नत्थाराम पुजारी, गढ़ी परसोत्ती, डा० सुरीर (मथुरा)। →३२–२०४ ए।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ में नंददास, मीरा, वल्लभरसिक, शिवराम, सदानंद, सूरदास और परमानंद के भी पद संगृहीत हैं।

पदमाला (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्ण विषयक प्रातः काल, मंगला, शृंगार आदि के गीतों का संग्रह।

प्रा०—श्री जयरामदास बनिया, सौंख, डा० माट (मथुरा)।→३५–२३१।

पदमाला (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण का शृंगार और प्रेमलीला।

प्रा०—श्री अमोलकराम, द्योसेरस, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–२३०।

पदमाला श्री जगन्नाथजी (पद्य)—सिपहदार खाँ (बेगुनदास) कृत। र० का० सं० १६१२। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४१०।

पदमालिका (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (गोविंदप्रभु, जगजीवन, भगवान, हितरामराय आदि) कृत। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, मंदिर गोकुलनाथजी, गोकुल (मथुरा)। →३५–२३२।

पदमावत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रानी पदमावती की कथा।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडलहाउस, अमीनाबाद पार्क, लखनऊ। →२६–४७ (परि० ३)।

पदमावती→'पद्मावत' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत)।

पदमावती समयो खंड→'पृथ्वीराजरासो' (चंदबरदाई कृत)।

पदमुक्तावली (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला।

(क) लि० का० सं० १८२८ ।

प्रा०—गो० राधाचरन जी, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-११८ ।

(ख) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ । →सं० ०४-१६८ क ।

पदमैया→'पदमदास' ('रुक्मिणीजी को ब्याहलो' के रचयिता) ।

पद या शब्द (पद्य)—दादूदयाल कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६६० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८१ ख ।

(ख) लि० का० सं० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-५७ ख ।

(ग) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८१ ग ।

(घ) लि० का० सं० १८०६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-८१ घ ।

(ङ) प्रा०—श्री राधा गोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) । →३२-४७ बी ।

(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-५७ क ।

पद या शब्द (पद्य)—नामदेव जी कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-७३ ।

पद रत्नावली (पद्य)—छत्रनृपति कृत । वि० संगीतशास्त्र ।

प्रा०—बाबू नवलकिशोर, द्वारा श्री मुरारीदास पुस्तक विक्रेता, सुलतानपुर ।→ सं० ०४-१०० ।

पद रत्नावली (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-१३५ डी ।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-५१६ ख (अप्र०) ।

पद रागमालावली (पद्य)—लघुजन (विक्रमाजीत) कृत । वि० भक्ति । (मुकुंद ब्रह्मचारी के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद) ।

प्रा०—टीकनगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-६७ सी ।

पद रामायण (पद्य)—कान्हरदास (बाबा) कृत । वि० राम महिमा ।

(क) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—बाबा अमरदास, हुसेनगंज, लखनऊ ।→२६-२२३ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६५३ ।

प्रा०—लाला ज्ञानचंद वैश्य, मौरिया, डा० सफीपुर (उन्नाव) ।→२६-२२३ बी ।

(ग) प्रा०—पं० ठाकुरप्रसाद शर्मा, फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६-२२३सी ।

पद वधावणा (पद्य)—सूरतराम कृत। वि० गुरु की स्तुति।

प्रा०—पं० भूदेव शर्मा, छौली, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३५–६७ सी।

पद विलास (पद्य)—छेमकरन (मिश्र) कृत। वि० रामकथा।

प्रा०—पं० अवधविहारी मिश्र, धनौली (बाराबंकी)।→२३–२२७ बी।

पद विलास निकुंज→'महाबानी अष्टकाल सेवासुख' (हरिव्यासदेव कृत)।

पद संग्रह (पद्य)—इंद्रदत्त कृत। वि० कृष्ण चरित्र।

प्रा० - नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–१३।

टि० प्रस्तुत ग्रंथ में सूरदास के पद भी संगृहीत हैं।

पद संग्रह (पद्य)—कृष्णदास आदि कवियों के राधाकृष्ण संबंधी विविध पदों का संग्रह।

प्रा०—पं० वसंतलाल, नोहझील (मथुरा)।→३२–२२६ के।

पद संग्रह (पद्य)—जगराम कृत। वि० जिनदेव की भक्ति।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–७५।

पद संग्रह (पद्य) - जनप्रसाद कृत। वि० राम भक्ति।

प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सोराँव (इलाहाबाद)।→४१–७६।

पद संग्रह (पद्य)—बलिहारी कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम तथा दान मान और रासादि लीलाएँ।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१–१५३।

पद संग्रह(पद्य)—व्यास जी कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–२५६ ग।

पद संग्रह (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२४४ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—ठा० रामलाल, जावरा, डा० माट (मथुरा)।→३२–२१२ ई।

पद संग्रह (पद्य)—सूरदास आदि अनेक कवियों के कृष्णभक्ति विषयक पदों का संग्रह।

प्रा०—बाबा मानदास, रिठौरा, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–२१२ एफ।

पद संग्रह (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—श्री प्रेमविहारी जी का मंदिर प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–२३२ एफ।

(ख) प्रा०—पं० रामदत्त रहसधारी, हाँतिया, डा० बरसाना (मथुरा)। ३२–२३२ जी।

(ग) प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→४१–२५७ ज।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (स्वामी हरिदास, हितहरिवंश, कृष्णदास, कुंभनदास, घासीराम, अग्रस्वामी, व्यास, परमानंद, सूरदास, गोविंदप्रभु, गदाधर, कल्याण, नंददास, माधवदास, राघवदास, लछिराम, कुंजलाल, रामराई, कमलनैन तथा जगन्नाथराइ) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—पं० रामदत्त, सुरीर (मथुरा) ।→३२-७८ सी ।

पद संग्रह (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात । वि० हरिदास, ध्रुवदास, बिहारीदास, सूरदास, नवलदास, नरहरिदास, कृष्णदास, रसिकदास, ललितकिशोरी, नागरीदास, किशोरीदास आदि कवियों के भक्ति विषयक पदों का संग्रह ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-४५६ (अप्र०) ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (जयदेव, हितहरिवंश और कृष्णदास आदि) कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, बिहारीपुरा, डा० कोसीकलाँ (मथुरा) । →३२-२६४ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त) कृत । वि० भक्ति और शृंगार ।

प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवा मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२६५ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्णभक्त कवि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री जमुनादास कीर्तनिया, नवामंदिर गुजरातियों का, गोकुल (मथुरा) । →३२-२६६ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा धोंधी, रामदास और रसिक प्रीतम आदि) कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—कीर्तनमंडल, द्वारकाधीश जी का मंदिर, मथुरा ।→३२-२६७ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (नंददास, हरिदास और व्रजपति आदि) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२६८ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा कृष्णजीवन, लछिराम आदि) कृत । वि० हिंडोला और मल्हार ।

प्रा०—पं० नंदराम, सादाबाद (मथुरा) ।→३२-२६९ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (हित कृष्णदास, हितध्रुव, दामोदरहित आदि) कृत । वि० होरी, रासोत्सव, चाँदनी वर्णन और जलविहार आदि ।

प्रा०—पं० इंद्र मिश्र, ब्रह्मपुरी, डा० कोसी (मथुरा) ।→३२-२७० ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५-२४१ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति विषयक मल्हार गीतों का संग्रह।
प्रा०—श्री भगवानदास वैश्य, सिहोरा, डा० राया (मथुरा)।→३५–२४३।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—पं० रामचरण, भरतिया, डा० विसावर (मथुरा)।→३५–२४५।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५–२४८।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (परमानंद, तुलसीदास, अग्रदास आदि) कृत। वि० रामकृष्ण भक्ति।
प्रा०—पं० कृष्णमुरारी वकील, परिगवाँ (मैनपुरी)।→३५–२४६।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद, छपैटी इटावा।→३५–२५०।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, मीरा आदि) कृत। वि० राम कृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—पं० बंगालीलाल, अहलादपुर (इटावा)।→३५–२५१।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण के बाल चरित्र।
प्रा०—श्यामाचरण कंपाउंडर, अजीतमल (इटावा)।→३५–२५२।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य की वंदना आदि।
प्रा०—श्री गोकुल विहारी का मंदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा)।→ ३५–२५३।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—मा० छिद्दूसिंह, सिहाना, डा० जैंत (मथुरा)।→३५–२५६।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (कबीर, ग्वाला, देवदास, आदि) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद ब्रह्मभट्ट, लाल दरवाजा, लक्ष्मी देवी की गली, मथुरा।→ ३५–२६०।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (नागरीदास, व्यासदास, हितहरिवंश, आनंदघन, नंददास और गरीबदास आदि) कृत। वि० सोहर, झूलना और कजली।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४५५ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (गोविंदप्रभु, कृष्णदास, आनंदघन, विहारिनदास और नागरियादास आदि) कृत। वि० राधाकृष्ण संबंधी उत्सव वर्णन।
प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। → ४१–४५६ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (भवानीदास, सूरदास, बैजूबावरा, औरंगजेब और चतुर्भुजदास आदि) कृत। वि० विविध।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१६६।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (ज्ञानदास, कृष्णजीवन, लछीराम, सूरदास, स्वामीदास आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१६७।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कवि) कृत। वि० हिंडोरा, होली, फाग और रामनवमी आदि का वर्णन।

(क) प्रा०—श्री तुलसीराम गुसाईं, नंदलाल का मंदिर, नंदग्राम (मथुरा)।→ ३२–२२६ जी।

(ख) प्रा०—श्री शिवचरणलाल वैश्य, शेरगढ़ (मथुरा)।→२३–२२६ एल।

पद संग्रह (पद्य)—विविध भक्त कवियों का संग्रह। वि० रामकृष्ण की भक्ति।

प्र०—पं० जगन्नाथ मिश्र, गौसपुर, डा० निजामाबाद (आजमगढ़)। → ४१–४५७ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—राधावल्लभी तथा टट्टी संप्रदाय के कवियों का संग्रह। वि० नित्य सेवा, उत्सव और ऋतु वर्णन।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–४५८ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। लि० का० सं० १८७८। वि० नित्य के पद, यमुना जी, राजभोग, संध्यकीर्तन और आरती वर्णन।

प्रा०—बाबा गोपालदास, चैतन्यरोड, वाराणसी।→४१–४६० (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।

प्रा०—गो० राधाचरण जी, वृंदावन (मथुरा)।→१७–५२ (परि० ३)।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह जी, महाराजा भदावर, नौगवाँ (आगरा)। →२६–४४५।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, हितहरिवंश, वृंदावन आदि) कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—ठा० किशनलाल, परसोत्तीगढ़ी, सुरीर (मथुरा)।→३२–२७१।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०-श्री मूला बोहरे, मढ़ौरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३५–२४२।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० विविध।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२४४।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—मथुरेश जी का मंदिर, कन्नावर, डा० महावन (मथुरा)।→३५–२४६।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णलीला।

प्रा०—श्री गोकुलिया ब्राह्मण, कोयला, डा० महावन (मथुरा)।→३५–२४७।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री विहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, गोकुल (मथुरा)।→३५–२५४।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, कल्यान, परमानंद आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री चंद्रधमंडी, धनिगाँव, डा० भैंसई (मथुरा)।→३५–२५५।

पद संग्रह (गुटका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण का शृंगार एवं लीलाएँ।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२५७।

पद संग्रह (गुटका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२५८।

पद समुच्चय (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, पुरुषोत्तम, देवदास आदि) कृत। वि० कृष्ण विषयक होरी, फाग, बाँसुरी, शृंगार आदि।
प्रा०—श्री हीरालाल बोहरा, पालई, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–२४०।

पद सागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति विषय होरी धमार आदि।
प्रा० - पं० शिवचरण, सीही, डा० राधाकुंड (मथुरा)।→३५–२३८।

पद सागर (पद्य) - विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० राम और कृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—पं० रामकुमार, धरवार, डा० फरै (मथुरा)।→३५–२३६।

पद सागर (अनु०) (पद्य—विविध कवि (हरिदास, विहारीदास, नागरीदास आदि) कृत। लि० का० सं० १७१७। वि० कृष्णभक्ति विषयक होरी, धमार, वसंत आदि।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२३६।

पद सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (छीत, चतुर्भुज, कृष्णदास, परमानंद आदि) कृत। वि० कृष्ण की बाललीला, बसंत सौंदर्य अदि।
प्रा०—श्री मुंशीलाल कायस्थ, मितावली, डा० राया (मथुरा)।→३५–२३७।

पद सिद्धांत के (पद्य)—हित रूपलाल कृत। वि० राधावल्लभी संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५८ बी।

पद सिद्धांत के→'सिद्धांत के पद' (कृष्णचंद्र हित कृत)।

पद स्वयंवर के (पद्य)—जीराम कृत। वि० सीताजी का स्वयंवर।
प्रा०—श्री विश्वनाथ तिवारी, नंदना, डा० बरहज बाजार (गोरखपुर)। → सं० ०१–१२६।

पदस्वामी→'पदमदास' ('पद' के रचयिता)।

पद हिंडोरा (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—पं० पूर्ना, कोनई, डा० राधाकुंड (मथुरा)।→३५–२२६।

पदार्थतत्व दीपिका (गद्य)—लेखराजसिंह कृत। वि० भूगोल, रसायन और पाकशास्त्र आदि।
प्रा०—पं० चतुर्भुज जी, भोजापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)।→२६–२६८।

पदावली (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८६७। लि० का० सं० १८६८। वि० बालकांड आदि सात कांडों में रामकथा वर्णन।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१–१४।

पदावली (पद्य)—केवलराम वृंदावन जीवन कृत। वि० राधाकृष्ण तथा अन्य देवताओं की भक्ति।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–३३।

पदावली (पद्य)—गोविंद स्वामी (गोविंदप्रभु) कृत। वि० राधा कृष्ण की लीला।
प्रा० - श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१–६० ख।

पदावली (पद्य)—जीवाराम महंत (युगलप्रिया) कृत। वि० सीताराम का प्रेम।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६० ए।

पदावली (पद्य)—दयाकृष्ण कृत। वि० बलदेव जी की स्तुति।
प्रा०—लाला कामताप्रसाद, बिजावर।→०६–२६ बी।

पदावली (पद्य)—परसराम कृत। वि० उपदेश तथा परमात्मा की अनन्य भक्ति।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→३५–७४ बी।

पदावली (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ।→सं० ०१–२०५ घ।

पदावली (पद्य)—प्राणनाथ और इंद्रमती कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–२२५।

पदावली (पद्य)—माधोदास कृत। लि० का० सं० १८०७। वि० रामकृष्ण भक्ति।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–१६७।

पदावली (पद्य)—अन्य नाम 'राम पदावली'। रामचरणदास कृत। वि० राम का बाल्य जीवन और नायिका भेद।
(क) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या।→०६–२४५ एम।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१४३ सी।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२३–३३६ डी।

पदावली (पद्य)—रामप्रकाश (गिरि) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री रामनरेश गिरि, हुरहुरी, डा० केराकत (जौनपुर)। → सं० ०१-३४६ ग।

पदावली (पद्य)—रामसखे कृत। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-२५७ बी।

(ख) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—पंचायती ठाकुर द्वारा, खजुहा (फतेहपुर)।→२०-१५८ बी।

पदावली (पद्य)—वैकुंठ (जन) कृत। वि० रावण की कथा का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३६६।

पदावली (पद्य)—व्यास जी कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० कृष्णभक्ति और कृष्णलीला।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना।→०६-३३२ बी।

पदावली (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत। वि० कजरी और मल्हार आदि।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१६६ ए।

पदावली (पद्य)—हरिदास (बैन) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० भक्ति।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद, सिहोरा, डा० महावन (मथुरा)।→३५-३७ बी।

पदावली (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० भक्ति।

(क) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—पं० राधेकृष्ण, जाव, डा० कोसी (मथुरा)।→३२-२३२ आई।

(ख) प्रा०—पं० हरिदत्त, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा)। → ३२-२३२ एच।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल, जमो, डा० सुरीर (मथुरा)।→३२-२७२ जे।

पदावली (पद्य)—विविध कवि (सूर, वृंदावनहित, कृष्णदास आदि) कृत। वि० भक्ति।

प्रा०—पं० केशवदेव, माट (मथुरा)।→३२-२७२।

पदावली (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री गुलजारीलाल अग्रवाल, आँजनो, डा० छाता (मथुरा) ।→ ३५-१०८।

पदावली रामायण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० राम कथा।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-३२३ जी।

पदितनामा (गद्य)—फरीद (सेख) कृत। वि० संतमतानुसार ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१४८।

(ख) लि० का० सं०-१८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१२५ ।

पदुम कृत विवाहलो→'रुक्मिणीजी को व्याहलो (पदमदास कृत) ।

पदुमनदास—कायस्थ । दामोदरदास के पुत्र । हरिशंकर, लालमणि और कृष्णमणि के भाई । वादपनगर के राजा दलेलसिंह के आश्रित । सं० १७३६ के लगभग वर्तमान ।

काव्यमंजरी (पद्य)→०४–१४ ।

भक्ति कल्पतरु (पद्य)→४१–१३१ ।

हितोपदेश (पद्य)→२६–३३६ ।

पदुमभगत→'पदमदास' ('रुक्मिणीजी को व्याहलो' के रचयिता) ।

पदुम सागर (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि० का० सं० १६०१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महंत श्री अज्ञारामदास, कुटी गूँगदास, पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं० ०७–७३ ।

पदों का वृहत चयन (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—श्री गोपाल गोस्वामी जी, नंदगाँव (मथुरा) ।→३२–२२६ एफ ।

पदों का संग्रह (पद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत । वि० विविध ।

प्रा०—मुं० सुधरसिंह जी, वर्नाक्यूलर मिडिल स्कूल, करहल (मैनपुरी) ।→ ३८–८४ एफ ।

पदों का संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८५ । वि० कृष्णलीला ।

प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५–२३४ ।

पदों का सार (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (परमानंद, आनंदघन, सूरदास आदि) कृत । वि० कृष्णजन्म, छठी, पालना आदि ।

प्रा०—पं० रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२–२७३ ।

पदों की पोथी (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० रामकथा ।

प्रा०—ठा० फूलनसिंह, रजौरा, डा० मदनपुर (मैनपुरी) ।→३५–२३३ ।

पदों की पोथी (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, चतुर्भुजदास, परमानंद आदि) कृत । लि० का० सं० १७८६ । वि० वर्षोत्सव, जन्माष्टमी की बधाई आदि ।

प्रा०—श्री प्रेमविहारी जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) । →३२–२७४ ।

पदों की बानी (पद्य)—नंददास कृत । वि० होली और धमार ।

प्रा०—पं० केशवदेव, माट (मथुरा) ।→३२–१५२ ।

पद्मनंद पंच विंशति (गद्य)—जौहरीलाल जोमनालाल (जैन) कृत । लि० का० सं० १६३१ । वि० संस्कृत ग्रंथ पंचविंशतिका का अनुवाद ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–४७।

पद्मनाभ—संभवतः वल्लभाचार्य के अनुयायी।

पद्मनाभजी के पद (पद्य)→३२–१५६।

पद्मनाभजी के पद (पद्य)—पद्मनाभ कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति और प्रेम।

प्रा० –श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर गुजरातियों का, गोकुल (मथुरा)। →३२–१५६।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)—गुलालकीर्ति (भट्टारक) कृत। वि० 'पद्मनाभि' नामक भावी तीर्थंकर के अवतार का वर्णन तथा ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१३६।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)—मनशुद्धसागर (जैन) कृत। लि० का० सं० १६१३। वि० जैन तीर्थंकर महापद्मनाभि का चरित्र वर्णन।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४–२८१ क।

पद्मपुराण→'गीतामाहात्म्य' (भगवानदास निरंजनी कृत)।

पद्मपुराण (भाषा) (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १७८३। लि० का० सं० १८४८। वि० राम कथा।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–२० ख।

पद्मपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)—दौलतराम (जैन) कृत। र० का० सं० १८२३। वि० राम कथा।

(क) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–६० ग।

(ख) लि० का० सं० १६१४।

प्रा० –श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४–१६८ ग।

(ग) लि० का० सं० १६२२।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–८५ सी।

(घ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–६० घ, ङ।

पद्मरंग–(?)

रामविनोद (पद्य)→२६–२५८।

टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये श्री जिनराजसूरि के प्रशिष्य तथा पद्मकीर्ति के शिष्य थे। पद्मचंद्र और रामचंद्र के गुरु थे और सं० १७२० के पूर्व वर्तमान थे।

पद्माकर—तैलंग ब्राह्मण। सं० १८१० में सागर (-बाँदा) में जन्म। मृत्यु सं० १८६०। मोहनलाल भट्ट के पुत्र। पूर्वज मथुरा निवासी। जयपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह सवाई और महाराज जगतसिंह सवाई के आश्रित। अनूपगिरि हिम्मतबहादुर और ऊदा जी भी इनके आश्रयदाता थे।

ईश्वरपच्चीसी (पद्य)→०१–८५; ४१–५१२ (अप्र०)।
गंगालहरी (पद्य)→०६–२२० बी; २६–३३८ ए; २६–२५७ ए, बी।
जगद्विनोद (पद)→०२–६; ०६–८२ ए; २०–१२३ ए बी; २३–३०७ ए, बी, सी, डी; २६–३३८ सी; २६–२५७ सी, डी।
जमुनालहरी (पद्य)→०६–८२ सी।
पद्माभरण (पद्य)→ ०५–४४; ०६–७२ बी; २३–३०७ ई।
प्रबोधपचाशिका (पद्य)→०६–२२० ए।
राजनीति (गद्यपद्य)→०५–४३।
रामरसायन रामायण (पद्य)→०१–१; ०१–२; ०१–३; ०१–४; ०१–५।
लिलहारी लीला (पद्य)→२६–२५७ ई।
विरुदावली (पद्य)→०६–८२ डी।
हिम्मतबहादुर विरुदावली (पद्य)→०५–४२; २६–३३८ बी।

पद्माभरण (गद्यपद्य)—पद्माकर कृत। र० का० सं० १८७७। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया।→०६–८२ बी।
(ख) लि० का० सं० १६३५।
प्रा०—ठा० रामसिंह, रामकोला(सीतापुर)।→२३–३०७ ई।
(ग) लि० का० सं० १६५६।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→ ०५–४४।

पद्मावत (पद्य)—नत्थासिंह कृत। र० का० सं० १८६५। वि० चित्तौड़ की रानी पद्मिनी की कथा।
प्रा०—श्री मुकुंदलाल हकीम, हापुड़ (मेरठ)।→१२–१२२।

पद्मावत (पद्य) मलिकमुहम्मद जायसी कृत। र० का० सं० १५६७ (१५८७)। वि० चित्तौड़ के राजा रत्नसेन और सिंहलद्वीप की राजकुमारी पद्मावती की कथा।
(क) लि० का० सं० १७५८।
प्रा०—महामहोपाध्याय पं० सुधाकर द्विवेदी, वाराणसी।→०१–२५।
(ख) लि० का सं० १८४२।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–५३।
(ग) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर) । → २३–२८४ ए ।

(घ) लि० का० सं० १८५८ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६–२२५ ।

(ङ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—महामहोपाध्याय पं० सुधाकर द्विवेदी, वाराणसी ।→०१–२४ ।

(च) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—बाबू कुंजविहारी, बिहटा (रायबरेली) ।→२३–२८४ बी ।

(छ) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—पं० प्रयागदत्त शुक्ल, चौक बाजार, अयोध्या ।→२०–१०६ ।

(ज) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—अहमद मिर्जा साहब, गढ़ी सँजर खाँ, मलीहाबाद (लखनऊ) । → २६–२८६ बी ।

(झ) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—श्री अहमद मिरजा साहब, गढ़ी सँजर खाँ, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →सं० ०७–१४८ ।

(ञ) प्रा —श्री कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ ।→००–५४ ।

(ट) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–११५ ।

(ठ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५३७ (अप्र०) ।

(ड) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४–२८७ ख । टि० खो० वि० सं० ०४–२८७ ख में 'अखरावती', 'कहरानामा' और 'मसला' भी संगृहीत हैं ।

पद्मावती→'पद्मावत' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत) ।

पद्मिनी चरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'गोराबादल रणजय' । लालचंद (लब्धोदय) कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० पद्मिनी की कथा ।

(क) लि० का० सं० १७५७ ।

प्रा०—पं० मयाशंकर जी अधिकारी, गोकुल (मथुरा) ।→३२–१३१ ।

(ख) लि० का० सं० १७५७ ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३७६ ।

पद्य की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार वर्णन ।

प्रा० – पं० रामचंद्र वैद्य, करहल (मैनपुरी) ।→३५–२५६ ।

पद्यावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि० का० सं० १८५० । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधवल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–५२ ए ।

पद्यावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृंगार, प्रेम, उपालंभ आदि।

प्रा०—पं० रघुवरदयाल, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा)।→३५–२६१।

पनघट की रंगत लँगड़ी (पद्य)—नंदलाल कृत। लि० का० सं० १९३६। वि० पनघट पर कृष्ण का गोपियों से परिहास।

प्रा०—लाला रामभरोसे, खड़कीखेड़ा, डा० चामयानी (उन्नाव)।→२६–३१८।

पनाहअली (मीर)—दिल्ली निवासी। सं० १९४५ के पूर्व वर्तमान।

व्यजंन प्रकार (गद्य)→२६–३०४।

पनिहारिन वर्णन (पद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० नायिका की प्रेमकथा का वर्णन।

प्रा०—पं० भवदत्त शर्मा, अर्थलेखक (एकाउंटेंट), रियासत सुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी)।→३८–८८ सी।

पन्ना बीरमदे की बात (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पन्ना की कहानी।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–५३ (परि०३)।

पन्नालाल—जैन मतावलंबी। पिता का नाम रत्नचंद। गुरु का नाम सदासुख (कासलीवाल)। सं० १९३१ के लगभग वर्तमान।

रत्नकरंड (वचनिका सहित) (गद्य)→सं० ०४–१९८।

पन्नालाल—नूरीदरवाजा (आगरा) निवासी।

ख्याल (पद्य)→३२–१६०।

पन्नालाल (वैश्य)—(?)

हंसदूत (पद्य)→३२–१६१।

परखबोध (पद्य)—देवीप्रसाद कृत। र० का० सं० १८९२। लि० का० सं० १९१४। वि० कबीर पंथ के सिद्धांतों का वर्णन

प्रा०—श्री संतान मुराऊ, आइरिया, पिपरी (बहराइच)।→२३–९८।

परख विलास (पद्य)—रामरहस्यदास कृत। लि० का० सं० १८७८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा रामसनेहीदास, कुटी सेमरवल (खानपुर बोहना), डा० जहानागंज रोड (आजमगढ़)।→सं० ०१–३५६।

परचुरण पद (पद्य)—आत्माराम कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद पांडेय, अध्यापक मिडिल स्कूल, कुंडा (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४–१२ क।

परतत्व प्रकाश (पद्य)—गणेश कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १९२८।

प्रा०—बाबा मनोहरदास, दकरोर, डा० मवई (उन्नाव)।→२६–१२४ ए।

(ख) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—पं० दीनानाथ मिश्र, फतेहपुर चौरासी, डा० सफीपुर (उन्नाव)।→ २६–१२४ बी।

(ग) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—पं० रामदत्त ज्योतिषी, नील का पुरा, डा० सिढ़पुरा (एटा)। → २६–१०५ बी ।

(घ) प्र०—पं० शिव शर्मा, धूमरा, डा० सरोढ़ (एटा) ।→ २६–१०५ ए ।

परतीत परीक्षा (पद्य)–बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० कृष्ण का स्त्री वेष में राधा के प्रेम की परीक्षा लेना ।

(क) प्रा० दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–६ डी ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६–२४८ ।

(ग)→पं० २२–६३ ए ।

परदवन चरित्र (भाषा) (पद्य)—बूलचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८४३ । लि० का० सं० १६०८ । वि० प्रद्युम्न जी का चरित्र ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६२ ।

परधान—संभवतः रामनाथ प्रधान ।→सं० ०१–३४८; सं० ०४–३३४ ।

अंगद रावण संवाद (पद्य)→सं० ०१-२१३ ।

परधाम बोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१४४ ए, सी ।

परबत—'फुटकर कवित्त' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२-५६ (तीन) ।

परब्रह्म की बारहमासी (पद्य)—सेवादास कृत । वि० परमात्मा के मिलने की उत्कंठा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३२७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

परम ग्रंथ (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानी कटरा (बाराबंकी)। →सं० ०४-१०५ भ ।

(ख) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६–१६२ पी ।

(ग) प्रा०—मुंशी जंगबहादुर अध्यापक, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →२३–१७५ ई ।

परमतत्व प्रकाश (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १८६२ । वि० ज्ञान, योग, भक्ति आदि ।

(क) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मण किला, अयोध्या ।→२०–२०५ ए ।

(ख) प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राजकीय पुस्तकालय), रीवाँ। → ००–४८ ।

परमदास—जैसवार कुनबी। बड़ागाँव (गोरखपुर) के निवासी। अकाल पड़ने पर पश्चिम के सहस्रनाम में जा बसे। अकबर के समकालीन।

जैमिनिपुराण (पद्य)→४१-१३२।

परमधर्म निर्णय (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०५। वि० उपचार, व्यवहार, और धर्म आदि (प्रथम खंड, द्वितीय खंड, चतुर्थ खंड)।

प्रा०—दरबार पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-१६; ०१-१७; ०१-१८।

परमल्ल या परमल्लदेव→'परिमल्ल (कवि)' ('श्रीपाल चरित्र' के रचयिता)।

परमसुख कायस्थ। उरई निवासी। सं० १६०५ के पूर्व वर्तमान।

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→००-१३७; ४१-५१३ (अप्र०)।

परमसुख दैवज्ञ—किसी विष्णुदास के आश्रित। सं० १८६८ में वर्तमान।

पाराशरी जातक (गद्य)→सं० ०१-२००; सं० ०७-१११।

परमाणंद ब्राह्मण। बड़ोदा निवासी। सं० १५१२ के लगभग वर्तमान।

ओषाहरण (पद्य)→सं० ०४-१६६।

परमात्म प्रकाश टीका बालाबोध (गद्य)—रचयिता अज्ञात। (मूल लेखक जोगिंद्राचार्य)। लि० का० सं० १८६७। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१६८।

परमात्मा प्रकास (गद्य)—दौलतराम कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० जैन दृष्टिकोण से आत्मज्ञान।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७-८७।

परमादि विनती (पद्य)—गोपालदास कृत। वि० ईश्वर की प्रार्थना।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-६४।

परमानंद—निरंजनी पंथ के प्रवर्तक हरिदास जी के शिष्य अथवा उनकी शिष्य परंपरा में निरंजनी पंथानुयायी।

पद (पद्य)→सं० ०७-११२।

परमानंद—संभवतः विक्रम की १६वीं शती के उत्तरार्द्ध में वर्तमान। किसी रामावतार की सहायता से ग्रंथों की टीकाएँ कीं।

आत्मबोध टीका (गद्य)→सं० ०१-२०१ क।

तत्वबोध टीका (गद्य)→सं० ०१-२०१ ख।

परमानंद—कन्नौज निवासी। सं० १८१८ के पूर्व वर्तमान।

लवकुश पर्व (पद्य)→३८-१०७।

परमानंद—अजयगढ़ (बुंदेलखंड) निवासी। ब्रजचंद के पुत्र।

हनुमन्नाटक दीपिका (पद्य)→०६-८८।

परमानंद—(?)

दानलीला (पद्य)→४१-१३३।

परमानंद (हित)—हित हरिवंश के अनुयायी। हित खुलाब के शिष्य। मथुरा निवासी। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।
गुरुभक्ति विलास (पद्य)→०६–२०४ बी।
गुरुप्रताप महिमा (पद्य)→०६–२०४ सी।
जमुनामंगल (पद्य)→०६–२०४ एफ।
जमुनामाहात्म्य (पद्य)→०६–२०४ जी।
रसविवाह भोजन (पद्य)→०६–२०४ ई।
राधाष्टक (पद्य)→०६–२०४ डी।
हितहरिवंश की जन्म बधाई (पद्य)→०६–२०४ ए।

परमानंदकिशोर—(?)
कृष्ण चौंतीसी (पद्य)→०६–३०६।

परमानंददास—उप० विष्णुदास। अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। कन्नौज निवासी। बाद में गोकुल में रहने लगे थे। संभवतः कान्यकुब्ज ब्राह्मण। सं० १६०६ के लगभग वर्तमान। 'ख्याल टिप्पा' और 'दयालजी का पद,' नामक संग्रह ग्रंथों में भी संगृहीत।→०२-५७ (सात); ०२–६४ (छै)।
छठी के पद (पद्य)→३५–७२ ए।
दधिलीला (पद्य)→२३–३१० ए, बी; २६–३४१ ए, बी, सी, डी; ४१–५१४ (अप्र०)।
ध्रुवचरित्र (पद्य)→०६–२०६।
नित्यपद संग्रह (पद्य)→२३–१६२ सी।
परमानंददासजी का पद (पद्य)→०२–६२।
परमानंद विलास (पद्य)→२६–३४२ ए, बी; २६–२६३ ए, बी।
परमानंद सागर (पद्य)→३५–७२ बी; सं० ०१–२०३ क, ख, ग, घ।
ब्रजलीला के पद (पद्य)→३२–१६२ ए।
लालजी को जनमचरित (पद्य)→३२–१६२ बी।
विरह के पद (पद्य)→सं० ०१–२०२ ङ।

परमानंददास—मुक्तसर (पंजाब) के निकट दौदा ग्राम के निवासी। सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।
कबीरभानु प्रकाश (पद्य)→२६–२६२।

परमानंददासजी का पद (पद्य)—परमानंददास कृत। लि० का० सं० १७६३। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६२।

परमानंद प्रकाशिका टीका (गद्य)—आनंदगिरि (स्वामी) कृत। र० का० २०वीं शताब्दी। वि० गीता की टीका।

प्रा०—श्री हरिशंकर वैद्य, कैराना कायस्थ बाड़ा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–५ ।

परमानंद प्रबोध→भगवद्गीता सटीक (आनंदराम कृत) ।

परमानंद विलास (गद्य)—अन्य नाम 'बहुरंगीसार' । परमानंददास कृत । र० का० सं० १८६० । वि० भजन और स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६०० ।

प्रा०—लाला सीताराम, विनोदगंज, डा० छर्रा (अलीगढ़) ।→२६–२६३ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—ठा० विजयसिंह, रामपुर, डा० सरौधा (एटा) ।→२६–२६३ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६३० ।

प्रा०—बाबा मनोहरदास, दकरोर, डा० मवई (उन्नाव) ।→२६–३४२ ए ।

(घ) लि० का० सं १६३६ ।

प्रा०—पं० दीनानाथ मिश्र, फतेहपुर चौरासी, डा० सफीपुर (उन्नाव) । → २६–३४२ बी ।

परमानंद सागर (पद्य)—अन्य नाम 'पद परमानंदजी के' । परमानंददास कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

(क) प्रा०—पं० फतेहराम जी, नंद ग्राम (मथुरा) ।→३५–७२ बी ।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली । → सं० ०१–२०२ क, ख, ग, घ ।

परमार्थ उदित प्रकास (भाषा) (पद्य)—छत्र (जैन) कृत । र० का० सं० १६२२ । लि० का० सं० १६२२ । वि० परमार्थ संबंधी उपदेश ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–३७ ।

परमार्थ गारी (पद्य)—विनोदीलाल कृत । र० का० सं० १७४७ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–२०२ ए ।

परमार्थ रमैनी (पद्य)—सेवादास कृत । वि० ईश्वर भक्ति ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–३२७ बी (विवरण अप्राप्त) ।

परमेश्वरदत्त—ब्राह्मण । पिता का नाम कुंजविहारी । पितामह का नाम शीतल । परमा का पुरवा (ग्राम गौरा, प्रतापगढ़) के निवासी । सं० १६३१ के लगभग वर्तमान ।

वर्षप्रदीप (पद्य)→सं० ०४–२०० ।

परमेश्वरीदास—कायस्थ । कालिंजर (बाँदा) निवासी । प्राणसुख के पुत्र । शिवप्रसाद के पिता । जन्म सं० १८६० । मृत्यु सं० १६१२ ।

कवितावली (पद्य)→१७–१३२ ।

दस्तूर सागर (पद्य)→०५–४५ ।

परमोघ लीला या जखड़ी (पद्य)—हरिकेस या रषीकेस कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वराणसी।→सं० ०७–२०८।

परशुराम—संभवतः काँगड़ा निवासी। सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।
शिवस्मरण (पद्य)→पं० २२–८२।

परशुराम—(?)
भागवत (षष्ठ और सप्तम स्कंध) (पद्य)→३५–७३।

परशुराम (?)
सगुनौती प्रश्न (पद्य ?)→पं० २२–८१।

परशुराम→'परसुराम (देव)' ('अमरबोध शास्त्र' आदि के रचयिता)।

परशुराम (परसराम)—सं० १६६० के लगभग वर्तमान।
उषाचरित्र (पद्य)→१२–१२७; २३–३११; २६–३४४; २६–२६४ ए, बी।

परशुराम संवाद (पद्य)—काशीराम कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० धनुष टूटने पर राम और परशुराम का संवाद।
प्रा०—ठा० गणेशसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–२०३।

परशुराम सागर (पद्य)—परसुराम(देव) कृत। लि० का० सं० १८३७। वि० राम, कृष्ण, सुदामा, प्रह्लाद आदि के चरित्र और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत बालकृष्णदास, आचार्य निंबार्क संप्रदाय, वृंदावन (मथुरा)। → १२–१२६।

परस जी—बढ़ई। पीपा जी के शिष्य। राजस्थान के अंतर्गत कलरू गाँव के निवासी। →सं० १०–७८।
पद (पद्य)→सं० १०–७५ क।
साखी (पद्य)→सं० १०–७५ ख।

परस जी—साध संप्रदाय के प्रवर्तक ऊदादास के शिष्य। संभवतः राजस्थानी।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–११३ क, ख।

परसन (विप्र या द्विज)—भार्गव गोत्रीय चौबे ब्राह्मण। चौबोली (फूलपुर, आजमगढ़) गाँव के निवासी। इनके वंशज अभी तक उक्त गाँव में रहते हैं। सं० १८८० से १८६० के लगभग वर्तमान।
कवित्त (पद्य)→सं० ०१–२०३ ङ, च।
पद (पद्य)→सं० १०–२०३ क, ख, ग, घ।

परसनदास (पांडेय)—पंडितपुर (अयोध्या के निकट) के निवासी। सं० १६२० के लगभग वर्तमान।
सोनबीजक (पद्य)→२६–३४३; सं० ०४–२०१।

परसराम→'पशुराम' ('उषाचरित्र' के रचयिता) ।

परसराम कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० परशुरामावतार की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। →००-१४३।

परसुराम (देव)—ब्राह्मण। ब्रज निवासी। श्रीभट्ट और हरिव्यास के शिष्य। निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। निर्गुण मत से भी प्रभावित। जन्म सं० १६६०।

अमरबोध शास्त्र (पद्य)→३२-१६३ ए।

जोड़ा (पद्य)→३२-१६३ बी।

तिथि लीला (पद्य)→३५-७४ जे।

नक्षत्र लीला (पद्य)→३५-७४ जी।

नाथलीला (पद्य)→३५-७४ ए।

निजरूप लीला (पद्य)→३५-७४ एच।

निर्वाण लीला (पद्य)→३५-७४ आई।

पदावली (पद्य)→३५-७४ बी।

परशुराम सागर (पद्य)→१२-१२६।

बावनी लीला (पद्य)→३५-७४ एल।

रागसागर (पद्य)→३२-१६३ सी।

रोगरथ नाम लीला निधि (पद्य)→३५-७४ सी।

लीला समझनी (पद्य)→३५-७४ एफ।

वार लीला (पद्य)→३५-७४ के।

विप्रमतीसी (पद्य)→३५-७४ एम।

वैराग्य निर्णय (पद्य)→००-७५।

साँचनिषेध लीला (पद्य)→३५-७४ डी।

साखी (पद्य)→२०-१२६।

हरि लीला (पद्य)→३५-७४ ई।

परिक्रमा प्रकरण (पद्य)—महामति (प्राणनाथ) कृत। वि० धामी पंथ के सिद्धांत।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१०८ ए।

(ख) लि० का० सं० १६५५।

प्रा०—श्री हरिवंशराज, नजरौली, डा० सिरसी (बस्ती)।→सं० ०४-२१८ क।

(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१०८ बी।

परिचयी बाबा मलूकदासजो (पद्य)—सुथरादास कृत। वि० बाबा मलूकदास का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १७८४।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–४१७ क ।

(ख) प्रा—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→१७–१६० ।

(ग) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–४१७ ख ।

(घ) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–४१७ ग ।

परिपूरनदास—कबीरपंथी साधु ।

तिरजा टीका (पद्य)→०६–२२३ ।

परिमल्ल (कवि)—जैन मतावलंबी । पिता का नाम आसकरन । पितामह का नाम रामदास । प्रपितामह का नाम चंदन । आगरा निवासी । मूल स्थान ग्वालियर । जाति के बरहिया । अकबर बादशाह के समकालीन । इन्होंने ग्वालियर के राजा मान का भी उल्लेख किया है । सं० १६५१ के लगभग वर्तमान ।

श्रीपाल चरित्र (पद्य)→२३–३०६; २६–२६१; सं० ०४–२०२ क, ख, ग, घ, ङ; सं० ०१–७४ क, ख ।

परीक्षा बोधिनी (गद्यपद्य)—रूपकिशोर (मुंशी) कृत । र० का० सं० १६२५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री दरबारीलाल प्रधानाध्यापक, कागारोल (आगरा) ।→३२–१६२ ।

परीक्षित (राजा)—दतिया नरेश । राज्यकाल सं० १८५७-१८६६ । शिवप्रसादराय, जानकीदास, गणेश कवि, खेतसिंह और सीताराम के आश्रयदाता ।→०६–३२; ०६–५३; ०६–६०; ०६–१०६; ०६–१११ ।

पर्मल—(?)

कोकशास्त्र (पद्य)→सं० ०१–२०४ ।

पर्वतदास—सुनार । ओड़छा निवासी । राजा सुजानसिंह के समकालीन । सं० १७२१ के लगभग वर्तमान ।

जानकी व्याह चतुर्थ रहस्य (पद्य)→२६–२६५ सी ।

दशावतार कथा (पद्य)→०६–८७ ए ।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)→०६–८७ बी; २०–१२५ ए; २३–३१२ ए, बी; २६–३४५ ए, बी; २६–२६५ डी ।

विनय नव पंचक (पद्य)→२०–१२५ बी ।

षटरहस्य (पद्य)→२३–३१२ सी, डी, ई; २६–३४५ सी, डी, ई; २६–२६५ ए, बी ।

पर्वत धर्मार्थी (जैन)—(?)

समाधतंत्र बालाबोध (गद्य)→सं० १०–७६ ।

पलटूदास—बावरी पंथी । जयगोविंद या गोविंद साहब के शिष्य । अंत समय में

अयोध्या में रहने लगे थे। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान। →२०-१८; २०-७१।

आत्मकर्म (पद्य)→२०-१२४ ए; सं० ०४-२०३ क।

ककहरा अरल के (पद्य)→सं० ०४-२०३ ख।

कुंडलिया (पद्य)→ ०६-२२२।

पलटू साहब की बानी (पद्य)→२०-१२४ बी; ३८-१०६; सं० ०१-२०५।

राम कुंडलिया (पद्य)→ ०६-१२४ सी।

पलटू साहब→'पलटूदास' (बावरीपंथी प्रसिद्ध संत)।

पलटू साहब की बानी (पद्य)—पलटूदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) प्रा०—महंत त्रिबेनीदास, पलटूदास का मंदिर, अयोध्या।→२०-१२४ बी।

(ख) प्रा०—ठा० लक्ष्मणसिंह, डा० छाता (मथुरा)।→३८-१०६।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२०५।

पवंगम (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७८। वि० शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ छ।

पवनपचीसी (पद्य)—वृंद (कवि) कृत। वि० षट्ऋतु वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-२५६ ख।

पवनपरीक्षा (पद्य)—शिवबखशराय कृत। र० का० सं० १८७५। वि० संक्षिप्त राम कथा।

(क) लि० का० सं० १८७६।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६-४४२।

(ख) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६५।

पवनविजय स्वरोदय (पद्य)—मोहनदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० योग प्राणायाम आदि।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१६७ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह साहब, कालाकाँकर, प्रतापगढ़।→२६-३०६।

(ग) प्रा०—भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी।→ ००-५।

पवनविजय स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्वरोदय।

प्रा०—ठकुराइन जानकी कुँवरि, धर्मपत्नी स्व० ठा० विश्वनाथसिंह, अग्रेसर, डा० त्रिसुंडी (सुलतानपुर)।→सं० ०१-५३०।

पवित्रामंडल (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८७४ । वि० वल्लभ संप्रदाय के संस्कृत ग्रंथ 'पवित्रामंडल' का अनुवाद ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नईगोकुल, गोकुल (मथुरा) ।→३५-२६४ ।

पशु चिकित्सा (पद्य)—केशवसिंह कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० पशुओं विशेषतः बैलों की चिकित्सा ।

(क) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—लाला गेंदालाल, सोरों (एटा) ।→२६-१६४ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—ठा० रामदेवसिंह, कुकुरादेव, डा० धूमरी (एटा) ।→२६-१६४ डी ।

(ग) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—ठा० जैरामसिंह, वजीरनगर, डा० माधोगंज (हरदोई) ।→२६-१६४ ए।

(घ) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—बाबा रामदास, रामकुटी, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ़) । →२६-१६४ बी ।

पशु जाति नायिका नायक मथन (पद्य)—बोधा कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० नायक नायिकाभेद ।

प्रा०—मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी) ।→३२-३१ ई ।

पशुमर्दन (भाषा) (गद्य)—सुखानंदनाथ कृत । लि० का० सं० १८८७ । वि० शैव दर्शन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४५५ ।

पहरा (पद्य)—रैदास कृत । लि० का० सं० १८८५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१७१ घ ।

पहलवानदास—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । जन्म स्थान बल्दू पांडे का पुरवा (सुलतानपुर) । पिता का नाम दुजई पांडेय । बाबा सिध्यादास के शिष्य और दूलनदास के पोता शिष्य । भीखीपुर (रस्तामऊ, रायबरेली) निवासी । सं० १८५१ के लगभग वर्तमान ।

अरिल्ल (पद्य)→२६-३४० ए ।

उपाख्यान विवेक (पद्य)→०६-२२१; १७-१३१; २३-३०८; २६-३४० सी; सं० ०४-२०४ क, ख, ग ।

ख्याल पचासा (पद्य)→२६-२६० ए ।

गुरुमहातम (पद्य)→३५-७१ ।

भजन पचासा (पद्य)→२६-२६० बी ।

मुक्तायन (पद्य)→२६-३४० बी ।

विरहसार (पद्य)→०६-३४० डी; सं० ०४-२०४ घ ।

शब्द (पद्य)→सं० ०४-२०४ ङ ।

पहाड़ (कवि)—कायस्थ। सुलताँपुरी (चंदेरीवाला)। इन्होंने रामदास कृत 'उषा अनिरुद्ध की कथा (उषाचरित्र)' में ग्रंथ को सरस बनाने के लिये बीच बीच में विश्राम छंद मिलाए हैं।→२६–२५६।

पहाड़सिंह—ओड़छा नरेश सुजानसिंह के पिता। राघवदास और चिंतामणि के आश्रयदाता। राज्यकाल सं० १६६८-१७१० तक।→०५–८७; ०६–६७; १७–४१।

पहाड़ सैयद→'सैयद पहाड़' ('रसरत्नाकर' के रचयिता)।

पहिलमान (द्विज)→'पहलवानदास' (सतनामी संप्रदाय के अनुयायी)।

पहेली संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पहेलियाँ और उनके उत्तर।
प्रा०—पं० देवताप्रसाद, बामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२–२७५।

पहौप प्रकाश (पुष्प प्रकाश) (पद्य)—देवेश्वर (माथुर) कृत। र० का० सं० १८३६। लि० का० सं० १८३६। वि० कृष्ण राधिका का गुणगान।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१६६।

पहौपमंजरी→'फूलमंजरी' (पुरुषोत्तम कृत)।

पहौपसिंह—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के पुत्र। देवेश्वर माथुर और सुजानसिंह गौड़ के आश्रयदाता।→सं० ०१–१६६।

पांडवगीता की टीका (गद्य)—हरिवंश (?) कृत। लि० का० सं० १६३३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० सभाराम शर्मा, बिरथुआ, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२–८५ ए।

पांडवगीता सटीक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश (गीता)।
प्रा०—पं० बासुदेवसहाय मुनीम, फतहपुरसीकरी (आगरा)→२६–४४६।

पांडवचरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–३८७।

पांडवपुराण (गद्य)—शुभचंद्राचार्य कृत। र० का० सं० १६०८। लि० का० सं० १६८६। वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४–३६१।

पांडवपुराण कथा (पद्य)—बुलाकीदास कृत। र० का० सं० १७५४। वि० जैन धर्मानुसार पांडवों का चरित्र वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, अछनेरा (आगरा)।→३२–३४ सी।
(ख) लि० का० सं० १८८४।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६१ क।
(ग) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४–२४१।

पांडव यशेंदु चंद्रिका (पद्य)—स्वरूपदास (रसाल) कृत। र० का० सं० १८६२। वि० अलंकार, पिंगल और महाभारत की संक्षिप्त कथा।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-४७६।
(ख) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३०७।
(ग) प्रा०—श्री गनेशबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-४२३।

पांडवसत (पद्य)-बिसनदास (जन) कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—पं० चिरंजीवलाल, राधाकुंड (मथुरा)।→३८-१६१।

पांडुचरित्र (पद्य)—राघवदास कृत। लि० का० सं० १७३६। वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—पं० मोहनवल्लभ पंत, किशोरीरमण कालेज, मथुरा।→३८-११३।

पांडेलीला (पद्य)—मानिक कृत। लि० का० सं० १७११। वि० श्रीकृष्ण लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२६३।

पा० (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अकबर और बीरबल के चुटकुले।
प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, कामा (भरतपुर)।→४१-३८८।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख शिवराम कृत 'कवित्त' के साथ लिपिबद्ध है।

पाक संग्रह (पद्य)—कामदानाथ कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६००। वि० पाकशास्त्र।
प्रा०—पं० शिवप्रसाद मिश्र, मजूमाबाद, फतेहपुर।→२०-७६।

पाखंड खंडिनी (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० कबीरदास के कुछ ग्रंथों की टीका।
प्रा०—कबीर स्थान, सुहावल।→०८-२४६ सी (विवरण अप्राप्त)।

पाखंड दलन (पद्य)—जानकीदास (गोसाईं) कृत। लि० का० सं० १६४४। वि० कंठी लेने और मांस मछली न खाने का उपदेश।
प्रा०—बाबू शिवप्रतापसिंह, मोहनगंज, डा० सलोन (रायबरेली)। → सं० ०४-१२८ ख।

पाठकदास (द्विज)—रूकमनगर निवासी। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।
शालिहोत्र (पद्य)→४३-३१३।

पातंजलि (भाषा) (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८४६। वि० योग।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-१६५ डी।

पातंजलि टीका (गद्यपद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८४६। वि० योग।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-१६५ ई।

पातशाही कवित्त शाहिजहाँ के (पद्य)—मनीराम कृत। वि० शाहजहाँ और उसके दरबारियों की प्रशंसा।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१–८५ ख।

पाताल खंड (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सीता का पाताल गमन।
(क) लि० का० सं० १७६३।
प्रा०—श्री गोरख पांडेय, मझोली, डा० सादात (गाजीपुर)। → सं० ०१–५३१ क।
(ख) लि० का० सं० १८०२।
प्रा०—श्री सूर्य पंडित, विंछे, डा० जयसिंहपुर (सुलतानपुर)।→सं० ०१–५३१ ख।

पातीराम—सरैंधी (आगरा) निवासी। ज्वालाप्रसाद के पिता। छत्रपाल के पितामह। सं० १९३० के लगभग वर्तमान।
गूढ़लीला (पद्य)→३२–१६४ बी।
पातीराम के भजन (पद्य)→२६–२६६ बी।
भजनावली (पद्य)→३२–१६४ ए।
रणसागर (पद्य)→२६–२६६ ए।

पातीराम के भजन (पद्य)—पातीराम कृत। र० का० सं० १९३०। वि० गणेश, शारदा, राजा हरिश्चंद्र, परीक्षित आदि विषयक भजन।
प्रा०—श्री सोनवाल पारासर, सरैंधी, डा० जगनेर (अगरा)।→२६–२६६ बी।

पानपदास—नगीनाधामपुर (बिजनौर) की ओर के निवासी। निर्गुणमार्गी संत। पानपदासीपंथ के प्रवर्तक। संभवतः १८वीं शताब्दी में वर्तमान।
इश्कगर्क (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०४–२०५ क।
कड़खे (पद्य)→सं० ०४–२०५ ख।
पद (पद्य)→सं० ०४–२०५ ग।
पदावली (पद्य)→सं० ४०–२०५ घ।
वाणी या शब्दी (पद्य)→सं० ०४–२०५ ङ।
शब्द (पद्य)→सं० ०४–२०५ च।
सोरठे (पद्य)→सं० ०४–२०५ छ।
होली (पद्य)→सं० ०४–२०५ ज।

पायंदबेग—संगीबेग के पुत्र। ख्वाजा खिजरी संप्रदाय के अनुयायी। औरंगजेब के आश्रित। १७वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।
औरंगजेब विलास (पद्य)→पं० २२ ८२

पारबती—कोई सिद्ध। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१-५६; ४१–१३४।
सबदी (पद्य)→सं० १०–७७।

पारस पुराण→'पार्श्वनाथ पुराण' (भूधरदास जैन कृत)।

पाराशरी (भाषा)→'लघुपाराशरी सटीक' (सुखराम कृत)।

पाराशरी जातक (गद्य)—अन्य नाम 'उडुदायप्रदीप'। परसुख दैवज्ञ कृत। र० का० सं० १८६८। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२००।

(ख) प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)। →२०-२०४ ए।

(ग) प्रा०—पं० पुत्तूलाल, अटवाँ, डा० संडीला (हरदोई)। → सं० ०७-१११।

टि० खो० वि० २०-२०४ ए पर रचयिता को भूल से विष्णुदास माना गया है।

पारासरी (भाषा)—अन्य नाम 'उड़दायप्रदीप'। हनुमंत (कवि) कृत। र० का० सं० १६३५। वि० ज्योतिष (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद)।

पाराशरी जातक की भाषा टीका (गद्य)—रामगुलाम कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० ज्योतिष ग्रंथ पाराशरी की टीका।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद तिवारी, रहीमाबाद (लखनऊ)।→सं० ०७-१५४।

पार्वती पुत्र→'नित्यनाथ' ('उड्डीसतंत्र' के रचयिता)।

पार्वती मंगल (पद्य)—अन्य नाम 'मंगल रामायण'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६३६ (?)। वि० महादेव पार्वती विवाह।

(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—ठा० महाराज दीनसिंह, प्रतापगढ़।→०६-३२३ एफ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-१२७।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य) —धर्मदेव कृत। र० का० सं० १७८६। लि० का० सं० १८५५। वि० जैन पुराण।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ़।→२६-१०४।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य)—भूधरदास (जैन) कृत। र० का० सं० १७८६। वि० पार्श्वनाथ पुराण का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८१८।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-२६६ क।

(ख) लि० का० सं० १८७७।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१०० ग।

(ग) लि० का० सं० १८८२।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखऊ। →सं० ०४–२६६ घ।

(घ) लि० का० सं० १६८० ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ। →सं० ०४–२६६ ङ ।

(ङ) लि० का० सं० १६६२ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१०० घ।

(च) लि० का० सं० १६७१ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०–१०० ङ।

(छ) लि० का० सं० १६७६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१०० च।

(ज) लि० का० सं० १६७७ ।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं १०–१०० छ।

(झ) प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)। → २६–४६ सी।

(ञ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४–२६६ ख, ग।

पार्श्वनाथ स्तुति (पद्य)—द्यानतराय कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—स्व० रविदत्त शर्मा, नरेला, दिल्ली।→दि० ३१–३१।

पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा) (टीका) (गद्य)—जिनवर्धमान सूरि कृत। लि० का सं१ १७०१। वि० पार्श्वनाथ जी की स्तुति।

प्रा०—महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ४१–४६।

पार्श्वपुराण (भाषा)→'पार्श्वनाथ पुराण' (भूधरदास जैन कृत)।

पालने के पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण को सुलाने की लोरियाँ।

प्रा०—श्री विहारीलाल ब्राह्मण, नईगोकुल, गोकुल (मथुरा)।→३५–२६२।

पावस (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० वर्षा वर्णन।

(क) प्रा०—पं० रुस्तमसिंह मुनीम, दिखतौली, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। →३२–१६६ आई।

(ख) प्रा०—पं० सियाराम शर्मा, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→ ३२–१६६ जे।

पावस (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर, वृंद, घनानंद आदि) कृत। वि० वर्षा वर्णन।

प्रा०—पं० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→३५–२६३।

पावस पचीसो (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० पावस में कृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-१२१ (दस)।

पावस पच्चीसी (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० सं० १६३७। वि० वर्षा ऋतु वर्णन।
प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी एम० ए०, एल० एल० बी०, वकील, बलिया। →४१-१२६।

पाँसाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८६०। वि० शकुन।
प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा)। →२६-४५०।

पासाकेवलो (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८१५। लि० का० सं० १८१५। वि० शकुन।
प्रा०—पं० द्वारकाप्रसाद प्रधानाध्यापक, बमरोली कटारा (आगरा)।→२६-४४७।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८७५। वि० शकुन।
प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४४६।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१७। वि० शकुन।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-४४८।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६६६। वि० शकुन विचार।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-३८६।

पाहन परीछ्या (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० मूल्यवान पत्थरों की परीक्षा का वर्णन।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१-१२६ थ।

पिंगल (पद्य)—गंगदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।→पं० २२-३०।

पिंगल (पद्य)—गंगादास कृत। लि० का० सन् १२७६ साल। वि० छंद शास्त्र।
प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→सं० ०४-५४ ख।

पिंगल (पद्य)—चंद्र (चंद्रदास) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर।→०५-२०।

पिंगल (?) (पद्य)—चतुर्भुज कृत। वि० छंद शास्त्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-६२।

पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'छंदविचार', 'पिंगल छंदविचार' और पिंगल भाषा'। चिंतामणि कृत। वि० छंद शास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि० का० सं० १८८५।
प्रा०—पं० रामाधीन, गंगादीन का पुरवा, डा० चरदा (बहराइच)। →२३-८० डी।

(ग) लि० का० सं० १९५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-३६ ।

(घ) प्रा०—निमराना राज पुस्तकालय, निमराना ।→०६-५० ।

(ङ) प्रा०—महाराज राजेंद्रप्रसादसिंह, भिनगा नरेश, भिनगा (बहराइच) । →२३-८० ए ।

(च) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-८० ई ।

(छ) प्रा०—महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-२२ ।

(ज)→पं० २२-२१ ।

पिंगल (पद्य)—छबिराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-३० ।

पिंगल (पद्य)—दयाकृष्ण कृत । र० का० सं० १८६८ । लि० का० सं० १८८० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० परमानंद शर्मा, बलदेव (मथुरा) ।→१७-४६ बी ।

पिंगल (पद्य)—नाग कृत । लि० का० सं० १७३० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, अश्विनीकुमार का मंदिर, असनी (फतेहपुर) । →२०-११२ ।

पिंगल (पद्य)—प्रवीणराय (खरगराय) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१३२ ।

पिंगल (पद्य)—व्रजनाथ कृत । र० का० सं० १७३२ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८६७ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-१४२ (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, उसरहा, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३७२ ।

पिंगल (पद्य)—मकरंद कृत । लि० का० सं० १९१८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १० खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-१०५ ।

पिंगल (पद्य)—मुकुंदलाल कृत । वि० छंद शास्त्र ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१-२९८ ।

पिंगल (पद्य)—रसिकगोविंद कृत । वि० छंद शास्त्र ।

प्रा०—बाबू रामनारायण, बिजावर ।→०६-१२२ ई (विवरण अप्राप्त) ।

पिंगल (पद्य)—राम (कवि) कृत । वि० छंद शास्त्र ।

प्रा०- याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३३७ क ।

पिंगल (पद्य)—रामचरणदास कृत । र० का० सं० १८४१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत जानकीसरन, अयोध्या ।→०६-२४५ ए ।

पिंगल (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८७७ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री राधाकृष्ण शास्त्री, भदौसी, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६–४६५ एफ।

पिंगल (पद्य)—सुवंस (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—श्री ब्रजभूषण, दानपालपुर, डा० तंबौर (सीतापुर)।→२६–४७१ सी।
(ख) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–४७१ डी।
(ग) प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६–३०६।

पिंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४७०।

पिंगल (पद्य)–रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४७१।

पिंगल→'छंदसार पिंगल' (मतिराम कृत)।

पिंगल→'छंदसार पिंगल' (शिवप्रसाद कृत)।

पिंगल→'पिंगल रामायण' (झामदास कृत)।

पिंगल→'वृत्तविचार' (दशरथ कृत)।

पिंगल (भाषा)→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र कृत)।

पिंगल काव्य विभूषण (गद्यपद्य)—समनसिंह बख्शी (समनेश) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० छंदशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—बख्शी हनुमानप्रसाद, रीवाँ।→००–४२।
(ख) प्रा०—श्री गयाप्रसाद कायस्थ, नौवस्ता, डा० लालगंज (प्रतापगढ़)। →सं० ०४–४०३।

पिंगल चिंतामणि→'पिंगल' (चिंतामणि कृत)।

पिंगल छंद (पद्य)—नारायणदास कृत। वि० छंदशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८४५।
प्रा०—पं० शिवरतन पांडे, रामनगर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–३२३।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–७८ सी।

पिंगल छंद विचार (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल हिम्मतसिंह' और 'वृत्तविचार'। सुखदेव (मिश्र) कृत। वि० पिंगल।
(क) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। →२३–४१२ के।
(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा, बहराइच ।→२३–४१२ एफ ।

(ग) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—ठा० लायकसिंह, नगवानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–४१२ एच ।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । → ०३–१२३ ।

(ङ) प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर ।→०६–२४० बी (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—श्री मगन जी उपाध्याय भट्ट, मथुरा ।→१७–१८३ डी ।

(छ) प्रा०—बकशी गयाप्रसाद जी, उपरहटी, रीवाँ ।→सं० १०–१३० ।

पिंगल छंद विचार→'पिंगल' (चिंतामणि कृत) ।

पिंगल छंद बोध (पद्य)—शिव (कवि) कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० पिंगल ।

प्रा०—ठा० जयरामसिंह, मिरजापुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर) ।→२३–३६१ ।

पिंगल नामार्णव (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १८६४ । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १८५१ ।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–३१६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह का विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–३५२ सी ।

(ग) मु० का० सं० १६२० ।

प्रा०—श्री नृसिंहनारायण शुक्ल, मीरजहाँपुर, डा० भिंडारा (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१–३१८ ।

पिंगल पीयूष (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८१३ । वि० छंदशास्त्र ।

(क) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→२३–२८८ बी ।

(ख) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं० ०४–३०३ ख ।

पिंगल प्रकरण (पद्य)—गोप (कवि) कृत । लि० का० सं० १६५८ । वि० छंदशास्त्र ।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ ।→०६–३६ बी ।

पिंगल प्रकाश (पद्य)—नंदकिशोर कृत । र० का० सं० १८५८ । वि० पिंगल ।

(क) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१२० ।

(ख) प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०–११४ ।

पिंगलबैल की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पंचाख्यान के अंतर्गत पिंगल बैल की कथा का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–५३२।

पिंगल मंजरी (पद्य)—रामसिंह (पंडित) कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८–१२३।

पिंगल मनहरन (पद्य)—बलवीर कृत। र० का० सं० १७४१। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—सेवक मदनमोहनलाल, जोधपुर।→०१–८२।

पिंगल मात्रा→'पिंगलछंद' (नारायणदास कृत)।

पिंगलमात्रा प्रस्तार (पद्य)—गुरुदीन कृत। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—श्री देवीप्रसाद मिश्र, मोहनलालगंज, लखनऊ।→सं० ०४–६६।

पिंगल रामायण (पद्य)—झामदास कृत। र० का० सं० १८१८। वि० रामायण की कथा और छंदशास्त्र।

(क) लि० का० सं० १६०१।

प्रा०—पं० शिवदत्त बाजपेयी, मोहनलाल गंज (लखनऊ)।→२६-२०८ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेजी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६–२०८ बी।

(ग) प्रा०—पं० शिवदयाल दीक्षित, द्वारा पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३–१६२।

पिंगल रूपदीप (पद्य)—जयकृष्ण (भोजग) कृत। लि० का० सं० १७७६। वि० पिंगल।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →४१–४६८ (अप्र०)।

पिंगलवृत्त विचार→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र)।

पिंगलसार (पद्य)—गिरिधारीलाल कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचोराघाट (आगरा)।→२६–११८।

पिंगल हिम्मतसिंह→'पिंगल छंद विचार' (सुखदेव मिश्र कृत)।

पिंड (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अध्यात्म रूपक में ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१६६।

पिय पहचानबे को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ सी।

पीतमदास—किसी बैजनाथ के आश्रित। सं० १८८८ के लगभग वर्तमान।

अंककौतूहल (पद्य)→सं० ०४–२०६।

पीतमवीर विलास (पद्य)—चंदन कृत। र० का० सं० १८६५। वि० नायिकाभेद और रस।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, सीतापुर ।→१२–३४ डी ।

पीतांबर—नंदलाल के पुत्र । छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) निवासी । सं० १७०२ के लगभग वर्तमान ।

रसविलास (पद्य)→१२–१२८ ।

पीतांबर—सं० १८०१ के लगभग वर्तमान ।

जैमिनिपुराण (गद्यपद्य)→०५–४६ ।

पीतांबर—(?)

रामककहरा (पद्य)→सं० ०४–२०७ ।

पीतांबरदास—स्वा० हरिदास के शिष्य । वृंदावन निवासी । सं० १८०१ के पूर्व वर्तमान ।→पं० २२–३७ ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)→०५–४७; १२–१२६; २३–३१५ बी ।

रसपद (पद्य)→३२–१६५ बी ।

समयप्रबंध (पद्य)→२३–३१५ सी ।

हरिदासजी के पदन की टीका (पद्य)→२३–३१५ ए; ३२–१६५ ए ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)—पीतांबरदास कृत । वि० गुरुमहिमा, राधाकृष्ण का अष्टयाम, सेवा, लीला और प्रेम आदि ।

(क) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । →०५–४७ ।

(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) । →१२–१२६ ।

(ग) प्रा०–बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली ।→२३–३१५ बी ।

पीतांबरराय—सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान ।

स्वप्न विचार (पद्य)→सं० ०४–२०८ ।

पीपा—स्वामी रामनंद के शिष्य । गांगरौनगढ़ के राजा । विरक्त भक्त । १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।

चिंतावणी जोग (ग्रंथ)→सं० ०७–११४ क ।

पद (पद्य)→सं० १०–७८ क ।

पीपाजी की बानी (पद्य)→०६–२२४; ४१–५१३ (अप्र०); सं० ०७–११४ ख ।

साखी (पद्य)→सं० १०–७८ ख ।

पीपाजी की कथा (पद्य)—प्रियादास कृत । र० का० सं० १७६६ । लि० का० सं० १८७६ । वि० पीपा जी की जीवनी ।

प्रा०—ठा० डालसिंह, गंगागंज, डा० राजा का रामपुर (एटा) । →२६–२७३ सी ।

पीपाजी की कथा→'पीपाजी की परिचई (अनंतदास कृत) ।

पीपाजी की परिचई (पद्य)—अन्य नाम 'पीपाजी की कथा'। अनंतदास कृत। र० का० सं० १६४५। वि० पीपा जी का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १७४०।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३ च।

(ख) लि० का० सं० १७८६।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-६।

(ग) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-१२८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३ छ।

(ङ) प्रा०—श्री ज्ञानसिंह, माधोपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-१८ सी।

पीपाजी की बानो (पद्य)—पीपा कृत। वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५१५ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-११४ ख।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२२४।

पीयूष प्रवाह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पशु चिकित्सा और वैद्यक।

प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद त्रिगुणायत, तरदहा, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)। → २६-४८ (परि० ३)।

पीयूष रत्नाकर (पद्य)—जगन्नाथ (सुखसिंधु) कृत। वि० नायिकाभेद।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२-८०।

(ख) प्रा० श्री घुर्रीमल लट्टूरचंद मोदी, गोकुल (मथुरा)।→३८-६८।

पुकार (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ डी।

पुकारपचीसी (पद्य)—देवीदास कृत। वि० जिनराज की स्तुति।→२६-६६।

पुण्यपचीसी→'पुन्यपचीसिका' (भगौतीदास भैया कृत)।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (पद्य)—जियराज भाधसिंह (जैन) कृत। र० का० सं० १७६२। वि० जैनग्रंथ 'पुण्याश्रव कथा कोश भाषा' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १७६६।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-४४।

(ख) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४-१३३ ग।
(ग) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—उपर्युक्त।→सं० ०४-१३३ क।
(घ) लि० का० सं० १९१३।
प्रा०—उपर्युक्त।→सं० ०४-१३३ ख।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (गद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १७७७। वि० जैन रचना। पुण्याश्रव कथा कोश का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १७८६।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-१६८ घ।
(ख) लि० का० सं० १९१०।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६० छ।
(ग) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—उपर्युक्त।→सं० ०४-१६८ ङ।
(घ) प्रा०—उपर्युक्त।→सं० ०४-१६८ च।
(ङ) प्रा०—उपर्युक्त।→सं० ०४-१६८ छ।
(च) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→ सं० १०-६० च, ज।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (गद्यपद्य)—रामचंद्र (मुमुक्षु) कृत। र० का० सं० १७६२। वि० जैनधर्म की विविध कथाएँ।
(क) लि० का० सं० १९१४।
प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-३३८।
(ख) प्रा०—श्री जैनमंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)। → ३२-१७४ ए।

पुन्यपचीसिका (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत। र० का० सं० १७३३। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा०— श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ०४-२५३ ख।
(ख)→२६-५४।

पुन्यशतक (पद्य)—गोपालदास (चाणक) कृत। वि० राजाओं को प्रजा पर न्याय पूर्वक राज्य करने का उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५७ ग।

पुन्याश्रव वचनका→'पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा)' (दौलतराम कृत)।

पुरंदर (कवि)—रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह और उनके पुत्र राजा रघुराजसिंह के आश्रित। सं० १६१०-४१ के लगभग वर्तमान।

रघुराजविनोद (पद्य)→सं० ०४-२०६।

पुरंदरमाया (पद्य)—मणिमंडन (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १६४७। वि० इंद्रजाल

प्रा०—बाबू सीताराम समारी, कला अध्यापक, हाई स्कूल, पन्ना। → ०६-२६१ (विवरण अप्राप्त)।

पुरातन कथा (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। वि० यशोदा का श्रीकृष्ण को रामावतार की कथा सुनाना।

(क) प्रा०—लाला देवीराम पटवारी, अगसौली (अलीगढ़)।→२६-४६०।

(ख) प्रा०—पं० छोटेलाल, भाऊपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)। →३५-१०६।

टि० प्रस्तुत पुस्तक को खो० वि० २६-४६० में भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है।

पुराने समय की प्रारंभिक शिक्षा की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लाड़िलीप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-२७३।

पुरुषविलास रमैनी (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१६४ सी (विवरण अप्राप्त)।

पुरुष स्त्री की परीक्षा (गद्य)—अन्य नाम 'सामुद्रिक की टीका'। रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। वि० सामुद्रिक।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५३३।

पुरुष स्त्री संवाद→'चारों दिशाओं के सुखदुख' (गोपाललाल कृत)।

पुरुषार्थ सिध्युपाय टीका (गद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८२७। वि० मोक्ष प्राप्ति का उपाय।

(क) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६० झ।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—श्री सुखचंद, जैन साधु, बहरौली, डा० चंद्रपुर (आगरा)।→३२-४८ ए।

पुरुषोत्तम—वल्लभ संप्रदाय के गोस्वामी। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।

उत्सवनिर्णय (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ ङ।

उत्सवमालिका (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ क।

उत्सव सेवा प्रणाली (उत्सवनिर्णय सहित) (गद्य)→१२-१३६ ए; सं० ०१-२०७च।

ख्याल (पद्य)→सं० ०७-११६।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ ख।

द्वारिकाधीश के श्रृंगार (गद्य)→सं० ०१-२०७ घ।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)→१२-१३६ बी।

वनयात्रा (पद्य)→सं० ०१-२०७ ग।

टि० संभव है ये सभी रचनाएँ एक ही पुरुषोत्तम की न हों।

पुरुषोत्तम—फतेहचंद कायस्थ के आश्रित। सं० १७१५ के लगभग वर्तमान।

रागविवेक (पद्य)→०३-४८।

पुरुषोत्तम—(?)

फूलमंजरी (पद्य)→सं० ०१-२०६।

पुरुषोत्तम—(?)

गिषिद्धय तथा स्फुट रसायन (पद्य)→सं० ०१-२०६; सं० ०४-२१०।

पुरुषोत्तम (शुक्ल)—भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र की आज्ञा से इन्होंने सं० १९२६ में एक संग्रह तैयार किया था।

सुंदरीतिलक (पद्य)→२६-३६४।

पुरुषोत्तमदास—क्षेमानंद के पुत्र। अयोध्यांतर्गत गोमती के किनारे स्थित दादर के निवासी। किसी रघुनाथ के शिष्य। दादर ग्राम के वैसवंशी क्षत्री राजा रूपमाल के समकालीन। सं० १६५८ के लगभग वर्तमान।

जैमिनिपुराण (पद्य)→२३-३२५ ए, बी, सी; २६-३६३; २९-२७४; सं० ०४-२११; सं० ०७-११५।

वैद्यकसार (पद्य)→२६-२७५।

पुरुषोत्तमदास—संभवतः मानदास के गुरु।

रागबसंत (पद्य)→२०-१३६।

पुरुषोत्तमदास—सं० १६५० के पूर्व वर्तमान।

दोहा (पद्य)→सं० ०४-२१२।

पुरुषोत्तमदास—(?)

सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→सं० ०१-२०८।

पुष्टिदृढ़ा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८३३। वि० भक्ति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→२०-१०।

पुष्टि दृढ़ाव की वार्ता (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९१६।

प्रा०—श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-८३ बी।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४८६ ट, ठ।

पुष्टिप्रवाह मर्यादा (गद्य)—हरिराय कृत। वि० वल्लभीय सिद्धांतों का वर्णन।

प्रा०—श्री प्रेमविहारी जी का मंदिर, प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा)। →३२-८३ सी।

पुष्टि भगवद्दीय गुण मणिमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० ८६७ । वि० चौरासी वैष्णवों की वार्ता ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५३४ ।

पुष्टिमार्ग के वचनामृत (गद्य)—गोकुलनाथ कृत । लि० का० सं० १६०५ । वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांत ।
प्रा०—श्री राधेश्याम पुजारी, चौकी मोवर, डा० एतमादपुर (आगरा) । → ३२–६५ ए ।

पुष्टिमार्गीय सेवा विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबा गोपालदास अग्रवाल, मंदिर चैतन्य महाप्रभु, चैतन्य रोड, वाराणसी ।→४१–४३८ ।

पुष्पदंत पूजा (पद्य)—भाऊ (कवि) कृत । वि० जैन धर्म के तीर्थंकर पुष्पदंत की पूजा ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, किरावली (आगरा) ।→३२-२२ ।

पुष्पवाटिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४७२ ।

पुष्पांजलि पूजा जपमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जैन मतानुसार पंचपूजा विधान ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–११३ ।

पुहकर—कायस्थ । प्रतापपुर (मैनपुरी) निवासी । मोहनदास के पुत्र । इनके छै भाई थे—सुंदर, राघवरत्न, मुरलीधर, शंकर, मकरंदराय और सकतसिंह । सं० १६७३ के लगभग वर्तमान ।
रसरतन (पद्य)→०५–४८; ०६–२०८; १७–१४०; २०–१२८; पं० २२-८४ ।

पुहुपावती (पद्य)—दुखहरन कृत । र० का० सं० १७२६ । लि० का० सं० १८६७ । वि० प्रेम कथा ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०५ ग ।

पुहुपावती (पद्य)—हुसेनअली कृत । र० का० सं० ११३८ । वि० सूफी शैली पर लिखी गई प्रेम कथा ।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, मेरठ ।→सं० ०७-२१५ ।

पूजाजोग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत । र० का० सं० १५२०–४० के बीच । वि० आत्मिक ज्ञान ।→पं० २२–३७ जी ।

पूजाविधि (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भगवत पूजा विधान ।
प्रा०—पं० खेमचंद, मेहरारा, डा० जलेसररोड (मथुरा) ।→३५–२७२ ।

पूजाविधि (रामानुजीय संप्रदाय की) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८५५ । वि० रामानुजीय संप्रदाय की सेवा पद्धति का वर्णन ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५३५ ।

पूजा विभास→'पूजाविलास' (रसिकदास कृत)।

पूजा विलास (पद्य)—अन्य नाम 'पूजाविभास'। रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० पूजा, भावना आदि के नियम।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२१८ डी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—पं० राधाचंद्र, बड़े चौबे, मथुरा।→१७–१६०।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६६।

पूजा विस्वास→'पूजा विलास' (रसिकदास कृत)।

पूतना विधान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्त्रियों एवं बालकों की चिकित्सा।

(क) लि० का० सं० १९४२।

प्रा०—पं० रामप्रसाद पांडे, घुरहा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २६-४६ (परि० ३)।

(ख) प्रा०—पं० वासुदेवसहाय, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)। २६–४६ (परि० ३)।

पूरणदास—बुरहानपुर के महंत के शिष्य। कबीरपंथी साधु। नगझिरिया निवासी। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।

कबीर के बीजक की टीका (गद्यपद्य)→०६–२०६।

पूरणदास—खेड़ापा के महंत। दयाल जी के पश्चात् सं० १८८५ में गद्दी पर बैठे थे।

पूरणदास की बानी (पद्य)→०१–६५।

पूरणदास—निरंजनी पंथी। भंभोर निवासी।

पद (पद्य)→सं० ०७–११७।

पूरणदास की बानी (पद्य)—पूरणदास कृत। वि० भक्ति, ज्ञान, उपदेश आदि।

प्रा०—श्री भाऊदास, जोधपुर।→०१–६५।

पूरन—(?)

वाणीभूषण (गद्यपद्य)→२६–३६२ ए, बी।

पूरन (कवि)—सं० १६७६ के लगभग वर्तमान।

जैमुनिपुराण (पद्य)→३२–१७१।

पूरन (कवि)—(?)

यमुना नवरत्न (पद्य)→सं० ०१–२१०।

पूरन (मिश्र)—सं० १७७० के लगभग वर्तमान। कोई दत्त नामक व्यक्ति इनके पुत्र के शिष्य थे।

नादार्णव (पद्य)→०४–४३; सं० ०४–२१३।

राग निरूपण (पद्य)→०४–४२।

पूरनप्रताप (खत्री)—जमालपुर (पंजाब) निवासी। चरणदास के शिष्य। सं० १८२४ के लगभग वर्तमान।

आनंदसागर (पद्य)→२३–३२४।

पूर्णब्रह्म—पिता का नाम नागेश। सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान।

चिन्ह चिंतामणि (पद्य)→३२–१७२।

पूर्णमासी और शुक की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री पूर्णमासी और श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु के एक सेवक शुक पक्षी की वार्ता।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–५७ (परि०३)।

पूर्णमासी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गुरुमाता के यहाँ राधाकृष्ण मिलन और विवाह का वर्णन।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२७४।

पूर्वश्रृंगार खंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १६५५। वि० राम विहार।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–७६ (एए)।

पृथुकथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि० राजा पृथु की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राज पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१४७।

पृथ्वीचंद→'पृथ्वीसिंह (राजा)' (दतियानरेश दलपतिराव के पुत्र)।

पृथ्वीचंद गुणसागर गीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म के ऋषि पृथ्वीचंद गुणसागर का चरित्र।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–६५।

पृथ्वोजस (पृथुयश)—वराहमिहिर के पुत्र।

षट्पंचाशिका ज्योतिष (पद्य)→२६–३५६।

पृथ्वोनाथ—गोरखपंथी। दरजी (सूत्रधार)। नामदेव और कबीर के पश्चात् वर्तमान। ये 'सिद्धों की बाणी' में भी संग्रहीत हैं।→४१–५६; ४१–१३५।

भक्तिबैकूँठ जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–११८ क।

सबदी (पद्य)→सं० १०–७६ क।

साधप्रष्या (पद्य)→सं० ०७–११८ ख; सं० १०–७६ ख।

पृथ्वीपालसिंह—पटियाला नरेश। जैकेहरि कवि के आश्रयदाता। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।→०३–११७।

पृथ्वीराज—चौहान वंश के अंतिम भारत सम्राट। दिल्ली और अजमेर में इनकी राजधानी थी। चंदबरदाई इनके मंत्री और राजकवि थे। महोबा के चंदेल राजा

परमान और खजूरपुर तथा कलिंजर के राजाओं को इन्होंने पराजित किया था। सं० १२५० में मुहम्मद गोरी के द्वारा ये पराजित हुए थे और उसी के साथ युद्ध में इन्हें वीरगति प्राप्त हुई थी।→००-५६; ००-६२; ००-६३; ०१-३८; ०१-३९; ०१-४०; ०१-४१; ०१-४२; ०१-४३; ०१-४६; ०१-४७; ०२-७१; ०६-१४६।

पृथ्वीराज—दतिया के राजा दलपतिराय के पुत्र। अक्षर अनन्य के आश्रयदाता। सं० १७५४-१७६६ तक वर्तमान।→०५-१; ०६-२।

पृथ्वीराज (प्रधान)– बुंदेलखंड निवासी।
शालिहोत्र (पद्य)→०६-९४।

पृथ्वीराज (राठौर)—बीकानेर नरेश कल्याणमल के पुत्र। महाराज रामसिंह के भाई। जन्मकाल सं० १६०६। बादशाह अकबर के दरबारी। इन्होंने महाराणा प्रतापसिंह को अकबर की अधीनता स्वीकार न करने के लिए कहा था। सं० १६३७ के लगभग वर्तमान।
श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी बेलि (पद्य)→००-८७; दि० ३१-६६; सं० ०१-२११।

पृथ्वीराज (साँदू)—चारण। डिंगल भाषा के प्रवीण कवि। जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' में भी संगृहीत।→०२-७२ (पंद्रह)।
अभयविलास (पद्य)→४१-१३६।

पृथ्वीराजराव पद्मावती समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत)।

पृथ्वीराजरासो (पद्य)—चंदवरदाई कृत। वि० भारत के अंतिम हिंदू सम्राट महाराज पृथ्वीराज चौहान का जीवन वृत्त। (इस ग्रंथ में ६९ खंड हैं, जो समयो के नाम से प्रसिद्ध हैं)।

(क) लि० का० सं० १८५९।
प्रा०—पं० मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा।→००-१२।

परमाल और पदमावती समयो

(ख) लि० का० सं० १९३९।
प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, हरिहरपुर के पास, नरायनपुर तपरा, डा० चिलबलिया (बहराइच)।→२३-७२ सी।

पदमावती समयो

(ग) लि० का० सं० १८२२।
प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर)।→१०-२५ बी।

(घ) लि० का० सं० १९१५।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ। →२६-७५ बी।

(ङ) लि० का० सं० १९२४।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३-७२ बी ।

(च) लि० का० सं० १६२६ ।

प्रा०—श्री बाबूलाल प्यारेलाल, माखन जी का पुस्तकालय, सतगढ़ (मथुरा) । →१७-३५ ।

(छ) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१४६ डी (विवरण अप्राप्त) ।

कैमासवध समयो

(ज) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ । →०६-१४६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

कन्नौज समयो

(झ) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-४७ ।

(ञ) लि० का० सं० १६३६ ।

प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, नरायनपुर तपरा, हरिहरपुर के पास, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३-७२ ई ।

(ट) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-७१ ।

धीर को समयो

(ठ) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१४६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

बड़ी बेड़ी को समयो

(ड) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१४७ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(ढ) लि० का० सं० १८२२ ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-२५ ए ।

महोबा को समयो

(ण) लि० का० सं० १८७८ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ा बाजार, कालपी ।→००-५६ ।

(त) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३-७२ ए ।

(थ) प्रा०—श्री रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ, पन्ना ।→०६-१४६ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

आल्हाखंड समयो

(द) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ । → २६-७५ ए ।

ओरछा समयो

(ध) प्रा० टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–१४६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

गाजर युद्ध समयो

(न) प्रा०—श्री रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ पन्ना ।→०६–१४६ जी (विवरण अप्राप्त) ।

रासो के अंतिम सात खंड

(प) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४४ ।

पीरान खंड

(फ) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, नरायनपुर तपारा, हरिहरपुर के पास, डा० चिलबिलिया (बहराइच) ।→२३–७२ डी ।

पैंसठ पर्व

(ब) लि० का० सं० १६४० ।
प्रा०—पं० मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या, मथुरा ।→००–६३ ।

अड़तालीस पर्व

(भ) प्रा०—एशियाटिक सोसायटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४६ ।

पैंतीस पर्व

(म) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४५ ।

बत्तीस पर्व

(य) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४३ ।

छब्बीस पर्व

(र) प्रा० - एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४२ ।

बीस पर्व

(ल) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता । →०१–४१

अठारह पर्व

(व) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–३८ ।

(श) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–४६३ क (अप्र०) ।

बारह पर्व

(ष) लि० का० सं० १८७६ ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–४० ।

दस पर्व

(स) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-३६ ।

तेईस प्रस्ताव

(ह) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ग (अप्र०) ।

बारह प्रस्ताव

(क[1]) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ घ (अप्र०) ।

आठ प्रस्ताव

(ख[1]) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ख (अप्र०) ।

तीन प्रस्ताव

(ग[1]) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ङ (अप्र०) ।

पृथ्वीलाल—कायस्थ । भिंड (ग्वालियर) के निवासी । सं० १६१७ के लगभग वर्तमान ।

धन्वंतरि स्तुति (पद्य)→२६-३६० ।

पंचीकरन मन बोध (पद्य)→३२-१७० ए ।

वंशविख्यात (पद्य)→३२-१७० बी ।

वृत्तरत्नाकर (पद्य)→३२-१७० सी ।

पृथ्वीसिंह—अन्य नाम पृथ्वीराज । महाराज उद्योतसिंह के पुत्र । ओड़छा नरेश । राज्यकाल सं० १७६२-१८०६ । दिग्गज, गोप कवि, कोविद और हरिसेवक मिश्र के आश्रयदाता ।→०३-३८; ०५-६०; ०६-३६; ०६-६२ ।

पृथ्वीसिंह—सोमवंशी क्षत्री । अरवर (प्रतापगढ़) के राजा । भिखारीदास के आश्रयदाता हिंदूपति के भाई । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।→२०-१७ ।

पृथ्वीसिंह—कोटा नरेश । छत्रसाल के वंशज । बदन कवि के आश्रयदाता । सं० १८०८ के लगभग वर्तमान ।→०५-५७ ।

पृथ्वीसिंह (राजा)—अन्य नाम पृथ्वीचंद । उप० रसनिधि । दतिया के राजा दलपतिराव के पुत्र । सेउँढ़ा के जागीरदार । अक्षर अनन्य के आश्रयदाता । सं० १७१७ में वर्तमान ।→२०-४ ।

अरिल्लें (पद्य)→०५-७३; ०६-६५ एल ।

कवित्त (पद्य)→०६-६५ बी, एम ।

गीत संग्रह (पद्य)→०६-६५ डी ।

दोहा (पद्य)→०५-७४; ०५-७५; ०६-६५ ई, जे, ओ ।

बारहमासी (पद्य)→०६-६५ सी ।

रतनहजारा (पद्य)→०३-६४; २६-४०२ ।

रसनिधि की कविता (पद्य)→०६-६५ एच, आई ।

रसनिधि सागर (पद्य)→०६-६५ एफ, जी, पी ।

रससागर (पद्य)→१२-१५३ ।

विष्णुपद (पद्य)→०६-६५ के ।

विष्णुपद और कीर्तन (पद्य)→०६-६५ ए ।

हिंडोरा (पद्य)→०६–६५ एन ।

पेम—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (पचास) ।

पैमसागर (पैद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ कृत । र० का० सं० १६६४ । लि० का० सं० १७७६ । वि० प्रेम की विवेचना ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ ठ । ।

पैमुनम्मा (प्रेमनामा) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० सं० १६७५ । वि० प्रेम बर्णन ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ प । ।

पोथी औषधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६२ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद, खारे, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) ।→सं० ०४–४७३ ।

पोथी नासकेत→'नासिकेत कथा प्रसंग (भगवतीदास द्विज कृत) ।

पोथी प्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८७ । वि० शुभाशुभ फल निर्णय ।

प्रा०— श्री रतिपाल द्विवेदी, पश्चिम विसारा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) । →सं० ०४–४७४ ।

पोथी मैनसत के उत्तर (पद्य)—गंगाराम कृत । लि० का० सं० १८३२ । वि० प्रेम कथानक ।

प्रा०—श्री रामअनंद तिवारी, दरवेशपुर, डा० भरवारी (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-७१ ।

पोह्कर→'पुष्कर' ('रसरतन' के रचयिता) ।

प्यारेलाल (कश्मीरी)—कश्मीरी ब्राह्मण ।

जोगवासिष्ठ (गद्य)→२६–२७६ ए ।

शिवपुराण (भाषा) (गद्य)→२६–२७६ बी, सी ।

प्रकरण सागरन का (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→ ०७-१०८ ई ।

(ख) प्रा०—बाबू राममनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, डा० कटनी मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६–३४६ ई ।

प्रकाशनिवास→'कृपानिवास' ('झूलना' आदि के रचयिता) ।

प्रकाशभक्ति रहस्य (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० रामनाथ की महिमा और उपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ ज ।

प्रगटज्ञान (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० ज्ञान और वैराग्य । (संस्कृत ग्रंथानुवाद) ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन संग्रहालय, इलाहाबाद ।→ ४१–१८८ ।

प्रगट बानी (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत। वि० कृष्ण लीला।
(क) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–६० बी।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१०८ सी।
(ग) प्रा०—मुं० वंशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ)। → २६–२६६ सी।
(घ) प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ४६५ कूचा शरीफबेग, मुक्ताराम जी का मंदिर, दिल्ली।→दि० ३१–६५ ए।

प्रगटविहार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण की व्रज लीलाएँ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३६१।

प्रताप—कायस्थ। झाँसी निवासी। राव रामचंद्र के समकालीन। सं० १८७५ के लगभग वर्तमान।
चित्र गुप्त प्रकाश (पद्य)→०६–६२ ए।
श्रीवास्तवन के पटा को अष्टक (पद्य)→०५–६२ बी।

प्रताप (जैन)—(?)
मोक्षमार्ग निरूपण (पद्य)→२६–३५०।

प्रतापकुँवर (बाई)—(?)
रामपदावली (पद्य)→४१–१३७।

प्रतापनारायण सेन→'मानसिंह (द्विजदेव)' ('शृंगार लतिका' के रचयिता)।

प्रतापराय—सं० १७७२ के लगभग वर्तमान।
वैद्यकविधान (वैगद्य)→२६–२७१।

प्रतापविनोद (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत। र० का० सं० १६२६। वि० पिंगल।
(क) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर, डा० जैनबाजार (बहराइच)। →२३–३१ बी।
(ख) प्रा०—श्री रामनाथबख्शसिंह, परसेडी (सीतापुर)।→२३–३१ सी।

प्रतापशाह—धर्मदास के आश्रयदाता। सं० १७११ के लगभग वर्तमान।→१७–४८।

प्रतापसाहि—बंदीजन। रतनेश कवि के पुत्र। र० का० सं० १८८२-१८६६। चरखारी (बुंदेलखंड) नरेश विक्रमसाहि और रत्नसिंह के आश्रित।
अलंकार चिंतामणि (पद्य)→०६–६१ ई।
काव्यविनोद (पद्य)→०६–६१ एच।
काव्यविलास (पद्य)→०५–४६; ०६–६१ बी; २६–३५१ ए, बी; सी, डी, ई; ४१–५१६ (अप्र०)।

जुगल नखशिख (पद्य)→०५-५०; ०६-६१ आई; ०६-२२७।

जैसिंहप्रकाश (पद्य)→०६-६१ ए।

नखशिख (पद्य)→०६-६१ के।

रतनचंद्रिका (गद्य)→०६-६१ एफ।

रसराज तिलक (गद्यपद्य)→ ०६-६१ जी।

व्यंग्यार्थ कौमुदी (गद्यपद्य)→०३-५२; ०६-६१ जे; २०-१३२; २३-३२१ ए, बी, सी, डी।

शृंगारमंजरी (पद्य)→०६-६१ सी।

शृंगार शिरोमणि (पद्य)→०६-६१ डी।

प्रतापसाहि (सेंगर)—डहारदेश (बघेलखंड) के राजा धर्मदास और आसानदेव के आश्रयदाता। इनके पुत्र का नाम महासिंह था।→सं० ०१-१७२।

प्रतापसिंह—छतरपुर (बुंदेलखंड) नरेश। फाजिलशाह के आश्रयदाता। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।→०५-५६

प्रतापसिंह (महाराज)—भरतपुर नरेश। महाराज बदनसिंह के पुत्र। सोमनाथ, चुन्नीलाल, रामराय और कृष्ण भट्ट (कलानिधि) के आश्रयदाता। सं० १७६६-१७६४ के लगभग वर्तमान।→०६-२६८; १२-१११; १७-६३; पं० २२-१०३; २३-३६६।

प्रतापसिंह (राजा)—(?)

राधागोविंद संगीतसार (पद्य)→१७-१३६।

प्रतापसिंह (सवाई)—उप० ब्रजनिधि। जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के पौत्र और महाराज जगतसिंह के पिता। राज्यकाल सं० १८३५-१८६० तक।

अनंतराम, पद्माकर और रामनारायण (रसराशि) के आश्रयदाता→०१-१; ०१-६३; ०६-६।

अमृतसागर (गद्य)→२३-३२२ ए; २६-३५२ ए, बी, सी, डी; २६-२७२।

नीतिमंजरी (पद्य)→०६-२०५ बी; सं० ०१-२१२ ख।

प्रेमप्रकाश (पद्य)→सं० ०१-२१२ क।

भरथरीशतक (पद्य)→२३-३२२ बी।

वैराग्यमंजरी (पद्य)→०६-२०५ सी; सं० ०१-२१२ ग।

शृंगारमंजरी (पद्य)→०६-२०५ ए; सं० ०१-२१२ ङ।

सनेह संग्राम (पद्य)→००-७८।

स्नेहविहार (पद्य)→पं० २२-८६; सं० ०१-२१२ घ।

प्रतापसिंह (सवाई)—भरतपुर नरेश। शिवराम के आश्रयदाता। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।→१७-१७६।

प्रतिमाँ वहतरी (पद्य)—द्यानतराय कृत। र० का० सं० १७८१। लि० का० सं० १८८०। वि० मूर्तिपूजा मंडन और फल।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६१ ग ।

प्रतीत परीक्षा→'परतीत परीक्षा' (बालकृष्ण नायक कृत) ।

प्रदोषव्रत कथा (पद्य)—शंभुनाथ (द्विज) कृत । लि० का० सं० १६१४ । वि० प्रदोष की कथा का वर्णन ।

प्रा०—पं० दशरथप्रसाद, बेलघाट, डा० पैकवलिया (बस्ती) ।→सं० ०४–३७६ ।

प्रद्युम्नचरित्र (पद्य) - अगरवाल कृत । र० का० सं० १४११ । लि० का० सं० १७६५ । वि० प्रद्युम्न की कथा ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–२ ।

प्रद्युम्नचरित्र (गद्य)—चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन) कृत । वि० प्रद्युम्न कुमार मुनि की जीवनी ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–३३ ।

प्रद्युम्न चरित्र (भाषा)→'परदवनचरित्र (भाषा)' (बूलचंद जैन कृत) ।

प्रद्युम्नदास→'पदुमनदास' (काव्यमंजरी' आदि के रचयिता) ।

प्रधान—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–२१४ ।

प्रधान→'रामनाथ (प्रधान)' (रीवाँ नरेश के आश्रित) ।

प्रधान नीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत) ।

प्रनालिका (गद्यपद्य)—प्राणनाथ कृत । लि० का० सं० १६५५ । वि० धामी पंथानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री हरवंशराय,रजनौली, डा० सिरसी (बस्ती)→सं० ०४–२१८ ख ।

प्रपन्न गणेशानंद→'प्रपन्न गैसानंद' ('भक्तिभावती' के रचयिता) ।

प्रपन्न गैसानंद—अन्य नाम प्रपन्न गणेशानंद । स्वामी रामानंद की शिष्य परंपरा में अनंतानंद के शिष्य । मथुरा निवासी । सं० १६०६ के लगभग वर्तमान ।

भक्तिभावती (पद्य)→०१–१३६; २६–२७०; सं० ०७–११६ ।

प्रपन्न प्रेमावली (पद्य)—इच्छाराम कृत । र० का० सं० १८२२ । वि० भक्तों की कथाएँ और ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१२? ए ।

प्रबंध रामायण (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत । लि० का० सं० १६३७ । वि० राम चरित्र ।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१४७ बी ।

प्रबलसिंह—भोजपुर के राजा अमरसिंह के अनुज । दिनेश पाठक के आश्रयदाता । सं० १७२४ के लगभग वर्तमान ।→४१–१०३ ।

प्रबोधचंद्र नाटक→'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' (नानकदास कृत) ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—अन्य नाम 'सर्वसार उपदेश' । अनाथदास कृत । र० का० सं० १७२६ । वि० संस्कृत के 'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १७२६।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→४१-३ ख।

(ख) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-१३१।

(ग) लि० का० सं० १६०५।

प्रा०—महंत श्री रामचरित भगत, मनिअर (मठिया), बलिया।→४१-३ क।

(घ) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरनकुंज, अयोध्या।→२०-८ ए।

(ङ) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—श्री श्रवणलाल हकीम वैश्य, वसई, डा० ताँतपुर (आगरा)।→ २६-१५ एच।

(च) लि० का० सं० १६५८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-४ क।

(छ) प्रा०—पं० संकठाप्रसाद अवस्थी, कटरा (सीतापुर)।→१२-७।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—आनंद कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८४१। वि० संस्कृत नाटक का अनुवाद।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-४ सी।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि० चंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-२२।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—जेतसिंह कृत। र० का० सं० १७६२। वि० संस्कृत के 'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-८५ घ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—धौंकल (मिश्र) कृत। वि० संस्कृत ग्रंथ प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१७३।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—नानकदास कृत। र० का० सं० १७४६। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१२७।

(ख)→पं० २२-७१।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र० का० सं० १८१६-१७। वि० संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-८।

(इसी पुस्तकालय में दो प्रतियाँ और हैं—एक सं० १९१३ की और दूसरी अपूर्ण)।

(ख) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, बख्तावरसिंह का पुरवा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३–६६ ।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१४१ (विवरण अप्राप्त) ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १८८६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, चिटबड़ागाँव मठ रामशाला, डा० चिटबड़ा गाँव (बलिया) ।→४१–२६३ क ।

प्रबोध चिंतामणि (मोह) विवेक (पद्य)—धर्ममंदिरगणि कृत । र० का० सं० १७४१ । लि० का० सं० १८७४ । वि० जैनधर्म का ज्ञान ।

प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर ।→००–१२० ।

प्रबोध पचाशिका (पद्य)— अन्य नाम 'प्रबोध पचासा' । पद्माकर कृत । वि० ईश्वर विनय ।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, नवाबगंज, कानपुर ।→०६–२२० ए ।

प्रबोध पचासा→'प्रबोध पचाशिका' (पद्माकर कृत) ।

प्रबोध पारिजात (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत । र० का० सं० १९०७ । वि० दुर्गाचरित्र ।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरासंसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती) ।→ सं० ०४–३७८ च ।

प्रबोधरस सुधा सागर (पद्य)- अन्य नाम 'सुधारस' या 'सुधासर' । नवीन कृत । र० का० सं० १८९५ । वि० शृंगार वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८९६ ।

प्रा०—श्री लालराम, जनरल मर्चेंट्स, छत्ताबाजार (मथुरा) ।→३५–६६ बी ।

(ख) लि० का० सं० १९१० ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–६६ ए ।

(ग) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ । →सं० ०४–१८५ ।

प्रभाती (पद्य)—हुकुमराज कृत । वि० धामी संप्रदाय के सिद्धांत ।

प्रा०—बाबू रामनोहर विचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर) । →२६–१८१ ।

प्रभाती भजन (पद्य)—सीताराम (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० सुप्रसिद्ध कवियों के प्रभात में गाने योग्य भजन।

प्रा०—पं० रामशंकर वैद्य, धनराजपुर, डा० मल्लाँवा (एटा)।→२६–३०८।

प्रभानाथ—सं० १८३८ के लगभग वर्तमान।

प्रवीणसागर (पद्य)→४१–१३८।

प्रभुचंद्रगोपाल (गोस्वामी)—अकबर के समकालीन। रामराय के छोटे भाई। बंग देशीय राजा रसिकमोहन राय के गुरु। गीतगोविंद के कर्ता जयदेव के वंशज। →३८–१२५।

चंदचौरासी (पद्य)→३८–२३।

प्रभुता रैदास गोष्ठी (पद्य)—सैनदास (सैंना) कृत। वि० कबीर रैदास के संवाद में निर्गुण भक्ति वर्णन।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–४२६।

प्रभुदयाल—गुलहरे महाजन (कलवार)। मैनपुरी जिलांतर्गत सिरसागंज निवासी। सं० १९३७ के लगभग वर्तमान।

कवित्त विरह (पद्य)→३५–७७ डी।

ज्ञानदर्पण (पद्य)→३२–१६६ एच।

ज्ञानसतसई (दोहावली) (पद्य)→३२–१६६ के; ३५–७७ ए, बी, सी।

दंडक संग्रह (पद्य)→३२–१६६ एफ।

पावस (पद्य)→३२–१६६ आई, जे।

प्रभुदयाल के कवित्त (पद्य)→३२–१६६ एल।

प्रभुदयाल के पद (पद्य)→३२–१६६ एम।

प्रभुदयाल के फुटकर कवित्त (पद्य)→३२–१६६ एन।

बारहखड़ी (पद्य) ३२–१६६ ए।

बारहमासी (पद्य)→३२–११६ बी।

बारहमासी (पूर्वी में) (पद्य)→३२–१६६ डी।

बारहमासी (पूर्वी) भरतजी की (पद्य)→३२–१६६ ई।

बारहमासी लावनी की (पद्य)→३२–१६६ सी।

मानकवित्त (पद्य)→३८–१०८ ए।

सद्गुरु स्तोत्र (पद्य)→३८–१०८ सी।

होलीउषादि (पद्य)→३८–१०८ बी।

होली गजल आदि (पद्य)→३२–१६६ जी।

प्रभुदयाल—रिसालगिरि के शिष्य। अहमद खाँ, गोपालसिंह और भवानीसिंह के मित्र।

ख्याल वियोग (पद्य)→दि० ३१–६४ बी।

ख्याल हफ्तजबान (पद्य)→दि० ३१–६४ ए।

प्रभुदयाल के कवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश, भक्ति, मान, स्तुति, विरह, पावस आदि।
प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२–१६६ एल।

प्रभुदयाल के पद (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० भक्ति, द्रौपदी, राधा, चीरलीला तथा रुक्मिणी आदि का वर्णन।
प्रा०—ठा० महिपालसिंह, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२–१६६ एम।

प्रभुदयाल के फुटकर कवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० नखशिख, षट्‌ऋतु आदि।
प्रा०—श्री बलदेव पुस्तकालय, सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२–१६६ एन।

प्रभुपूर्ण पुरुषोत्तम को रूप तथा गुण नाम वर्णन (पद्य)—व्रजाभरण (दीक्षित) कृत। लि० का० सं० १८३०। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४०३ क।

प्रभुलाल—(?)
बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१–२१५।

प्रभुसुजस पचीसी (पद्य)—रामदास कृत। वि० भगवान का सुयश वर्णन।
(क) प्रा०—पं० मवासीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→३५–८० ए।
(ख) प्रा०—पं० बच्चूलाल अध्यापक, कुरावली (मैनपुरी)।→३५–८० बी।

प्रमसार (पद और साखी) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२१० ख।

प्रमादास (?)
दधिलीला (पद्य)→सं० ०१–२१६।

प्रयाग (सेवक)—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकर पचीसी' में संगृहीत।→०२–७२ (तीन)।

प्रयागदत्त—त्रिपाठी ब्राह्मण। संभवतः बाहाजोत (बस्ती) के निवासी। जदुनाथसिंह के आश्रित।
कवित्त (पद्य)→सं० ०४–२१४ क।
सरजूशतक (पद्य)→सं० ०४-२१४ ख।

प्रयागदत्त—(?)
रामचंद्र के विवाह का बारहमासा (पद्य)→१२–१३३।

प्रयागदत्त (पाठक)—बिल्हौर (कानपुर) निवासी। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।
काशिराज वंशावली (गद्यपद्य)→२६–३५४।

प्रयागदास—भाट। बसरी (छतरपुर राज्य) निवासी। मानदास के पुत्र। चरखारी

नरेश राजा खुमानसिंह और विजय विक्रमाजीत तथा बिजावर नरेश महाराजा रतनसिंह के आश्रित। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।

भौंजन विलास (पद्य)→०६–८६ बी।

शब्द रत्नावली (पद्य)→०६–८६ ए; ०६–२२८।

हितोपदेश (पद्य)→०३–६६।

प्रयागदास (स्वामी)—फैजाबाद के निकट रामपुर के निवासी। अंत समय सई नदी (प्रतापगढ़) के तट पर रहने लगे थे।

प्रयागविज्ञानविजय (पद्य)→२६–३५३।

प्रयागविज्ञान विजय (पद्य)—प्रयागदास (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।

प्रा०—बाबू सुंदरप्रसाद, नायब रजिस्ट्रार, तहसीलसदर, प्रतापगढ़।→२६–३५३।

प्रयागशतक (भाषा) (पद्य)—भगवतदास (भागवतदास) कृत। वि० प्रयाग माहात्म्य।

(क) मु० का० सं० १६१६।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद त्रिपाठी, जूड़ापुर वीहर, डा० होलागढ़ (इलाहाबाद)। →सं० ०१–२४८।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–२५६।

प्रयागीलाल—उप० तीर्थराज। कायस्थ टीकमगढ़ निवासी। माणिकलाल के पुत्र। इंद्रजीतलाल के पौत्र और दुर्गाप्रसाद के पिता। चरखारी नरेश के आश्रित। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।

रसानुराग (पद्य)→०५–५१।

प्रयोग (प्रयाग) द्विज—(?)

नागलीला (पद्य)→४१–१३३।

प्रवचनसार परमागम अध्यात्म विद्या भाषा छंद (पद्य)—वृंदावन अग्रवाल (जैन) कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० सं० १६१७। वि० अध्यात्म।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१२४।

प्रवचनसार सिद्धांत की बालाविबोध टीका (गद्य)—हेमराज कृत। र० का० सं० १७०६। लि० का० सं० १८४६। जैन सिद्धांत सार।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। सं० ०७–२१६ ख।

प्रवीणराय (?)—संभवतः 'बलदेवविलास' के रचयिता भी यही हैं।

एकादशी माहात्म्य (भाषा) (पद्य)→३५–७५।

प्रवीणराय→'खरगराय' ('नायिकादीपक' आदि के रचयिता)।

प्रवीण सागर (पद्य)—प्रभानाथ कृत। र० का० सं० १८३८। वि० विविध।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–१३८।

प्रवीन→'कलाप्रवीन' ('प्रवीन सागर' के रचयिता)।

प्रवीन→'लालू (भट्ट)' ('कवित्तसवैया संग्रह' के रचयिता)।

प्रवीन→'वेणीमाधव (भट्ट)' ('विचित्रालंकार' के रचयिता)।

प्रवीन (कवि)—हित हरिवंश जी के वंश में गो० चतुरशिरोमणि के पुत्र गो० आनंदलाल के आश्रित। सं० १६६० के लगभग वर्तमान।

सार संग्रह (पद्य)→सं० ०४–२१५।

प्रवीन (कवि)—सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।

कृष्णवृत्त चंद्रावली (पद्य)→सं० ०१–२१७ ख।

द्वारिकाधीश के विचित्र विलास (पद्य)→सं० ०१–२१७ क।

प्रवीन सागर (पद्य)—प्रवीन (कलाप्रवीन) कृत। र० का० सं० १८३८। वि० अलंकार।

प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय, अजयगढ़।→०६-३०७ (विवरण अप्राप्त)।

प्रश्न (गद्य)—व्यास कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० शकुन विचार।

प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, बिसवाँ (सीतापुर)।→१२–१६७।

प्रश्नचौर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९४५। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रामकरण पांडे, पुरेसनाथ, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)। → २६–५४ (परि० ३)।

प्रश्नज्ञान (गद्य)—भटोत्पल कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा)।→३८–११।

प्रश्नतंत्रमाला (पद्य)—श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—आनंनभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–४५७।

प्रश्नपोथी (गद्य)—रामाधार (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १८१७। वि० शकुन विचार।

प्रा०—श्री लल्लूलाल मिश्र, मवइया (फतेहपुर)।→२०–१४७।

प्रश्नपोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४८। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर पांडे, बाम्हनपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ़)। → २६–५० (परि० ३)।

प्रश्नफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–५३ (परि० ३)।

प्रश्न मनोरमा (भाषा टीका) (गद्य)—जनज्वाला कृत। र० का० सं० १९२७। वि० शकुन वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–११२।

प्रश्नरमल भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५०। वि० जैन धर्म।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)→२६–४५६।

प्रश्नरमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७२। वि० ज्योतिष।

प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६–४५७।

प्रश्नरमल (रमली प्रथमः) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रमल।
प्रा०—पं० गणेशप्रसाद, पुरा कनेरा, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६-४५८।

प्रश्नविचार (पद्य)—कृष्णजू (मिश्र) कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० बाँकेलाल, ताडूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१२४ बी।

प्रश्नविचार (गद्य)—ज्तोतिषराज कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० रामस्वरूप मिश्र, अर्जुनपुर, डा० अंतू (प्रतापगढ़)।→२६-२१३।

प्रश्नसंहार→'प्रसणसीधार' (सेवादास कृत)।

प्रश्न सब कारज (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७२। वि० ज्योतिष।
प्रा० राजा अवधेशसिंह रईस ताल्लुकेदार, कालकाँकर (प्रतापगढ़)।→ २६-५५ (परि० ३)।

प्रश्नावली (गद्यपद्य)—रघुनाथ (जन) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० शकुन विचार।
प्रा०—पं० रामभरोसे, देवकाल कलाँ, डा० मारहरा (एटा)।→२६-२७८ डी।

प्रश्नावली (पद्य)—हरीसिंह कृत। र० का० सं० १८२८। वि० प्रश्नोत्तर।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६-२५६ (विवरण अप्राप्त)।

प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शकुन।
प्रा०—पं० लिलनप्रसाद दीक्षित, जगनेर (आगरा)।→२६-४५६।

प्रश्नोत्तर (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल जी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१३०।

प्रश्नोत्तर विदग्ध मुखमंडन (पद्य)—चंदनराम कृत। र० का० सं० १८६७। वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-६१ क।

प्रश्नोत्तर सार्द्धशतक (गद्य)—क्षमाकल्याण गणि (वाचक) कृत। र० का० सं० १८५३। वि० सार्द्धशतक (जैनधर्म) विषयक प्रश्नोत्तर।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-८।

प्रश्नोत्तरी→'नाममाला' (रचयिता अज्ञात)।

प्रश्नोत्तरी प्रकाश (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० अध्यात्म विषयक संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ झ।

प्रश्णोत्तर रत्नमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६१७ (?) लि० का० सं० १६१७। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। → सं० ०७-२४२।

प्रश्नोत्तरी माला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५६। वि० प्रश्नोत्तर रूप में ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२४३।

प्रसंगपारिजात (गद्यपद्य)—चेतनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १५१७। लि० का० सं० १९९९। वि० स्वामी रामानंद जीवन वृत्त।
प्रा०—श्री केवलबहादुर श्रीवास्तव, उप 'मलूक', पूरेविंधाप्रसाद दीवान, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०४-९८।

प्रसणसीधार (प्रश्नसंहार) (पद्य)—सेवादास कृत। वि० नाम माहात्म्य।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०४।

प्रसाद→'बेनीप्रसाद' ('रसशृंगार समुद्र' के रचयिता)।

प्रसाद (कवि)—संभवतः सं० १८१९ के लगभग वर्तमान।
मदनविनोद (पद्य)→२०-१३१।

प्रसादलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० विष्णु के प्रसाद का फल।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१८ ए (विवरण अप्राप्त)।

प्रसिद्ध—सं० १८१३ के लगभग वर्तमान।
जानकीविजय रामायण (पद्य)→३८-११०; सं० ०४-२१६ क से ङ तक; सं० ०७-१२०।

प्रस्तारप्रकाश (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० पिंगल शास्त्र।
प्रा०—पं० बालमकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८-५५ ए।

प्रस्तावक कवित्त→'कवित्त संग्रह' (ग्वाल कवि कृत)।

प्रस्ताव रत्नाकर (गद्य)—हरिदास कृत। वि० ईश्वर स्तुति, राजनीति और उपदेश आदि तथा सामाजिक विषयों की निंदा और स्तुति।
प्रा०—डी० ए० वी कालेज, लाहौर।→२०-६०।

प्रहलाद—संभवतः सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
बैतालपचीसी (पद्य)→पं० २२-८५।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—आनंद (दुर्गासिंह) कृत। र० का० सं० १९१७। लि० का० सं० १९२०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, दिकोलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-१०६।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—गोपाल (जनगोपाल) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १७४०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ ञ।
(ख) लि० का० सं० १७९७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०७-३६ ट।
(ग) लि० का० सं० १८०६।
प्रा०—ठा० रामसिंह पँवार, दौदापुर, डा० सलेमपुर (अलीगढ़)। → २९-१२३ डी।

(घ) लि० का० सं० १८३५ ।

प्रा०—पं० जनार्दन, भिटौरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३–१८० डी ।

(ङ) लि० का० सं० १८७२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–३६ ठ ।

(च) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→००–२३ ।

(छ)→पं० २२–४४ ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—चोखन कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० किशोरीशरण, धाढ़ू, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→३८–३३ ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—दुखहरण कृत । वि० प्रह्लाद की कथा ।

(क) लि० का० सन् १२४० हि० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१५६ ख ।

(ख) लि० का० सं० १९३४ ।

प्रा०—श्री विंद्राप्रसाद राजाराम, मुहम्मदाबाद गोहना (आजमगढ़) । →सं० ०१–१५६ क ।

(ग) प्रा०—श्री अवधनारायण त्रिपाठी, बलभरनपुर, डा० महगाँव (इलाहाबाद) →सं० ०१–१५६ ग ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—देवसिंह कृत । र० का० सं० १८८० । लि० का० सं० १९४६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामआसरे, मझगवाँ, डा० केसरगंज (बहराइच ।→२३–९२ ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—प्राणचंद (चौहान) कृत । लि० का० सं० १८८० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा० लाला सरजूप्रसाद श्रीवास्तव, रक्सराई, डा० सरायअकिल (इलाहाबाद) । →सं० ०१–२१८ ।

प्रा०—लाला सरजूप्रसाद श्रीवास्तव, रक्सराई, डा० सरायअकिल (इलाहाबाद) । →सं० ०१–२१८ ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—भगवान हितुरामराय कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–२५२ ख ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'प्रहलाद संगीत' । लछिमनदास कृत । र० का० सं० १९०० । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९१५ ।

प्रा०—पं० गंगागणेश, दुर्गापुर, डा० ओयल (खीरी) ।→२६–२५५ सी ।

(ख) लि० का० सं० १९२६ ।

प्रा०—लाला सीताराम, सांगीतशाला, दीनापुर, डा० गोलागोकरननाथ (खीरी) । →२६–२५५ डी ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—लोकीदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८४८ । लि० का० सं० १९५१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—ठा० ईश्वरी मुराऊ, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। →
२३–२४८ डी।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत ब्रजलाल, जमीदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६–३५ ए।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—सहजराम कृत। वि० प्रहलाद की कथा।
(क) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—श्री पुत्तूलाल शुक्ल एम० ए०, पैंदापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। →
सं० ०४–४०५ क।
(ख) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०—ठा० जगदीशसिंह, महरूडीह, डा० मलाक हरहर (इलाहाबाद)। →
४१–२७६।
(ग) लि० का० सं० १९०६।
प्रा०—श्री शिवराम, माधोपुर, डा० खैराबाद (सीतापुर)।→२६–४१५ बी।
(घ) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, गंगापुरवा, डा० औरंगाबाद (सीतापुर)। →
२६–४१५ सी।
(ङ) लि० का० सं० १९१७।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गंधौली (सीतापुर)।
→सं० ०४–४०५ ख।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६४। वि० प्रहलाद की कथा।
प्रा०—श्री वासुदेव त्रिपाठी, चौखड़ा (बस्ती)।→सं० ०४–४७६।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९०८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० शाहमऊ (रायबरेली)। →
सं० ०४–४७५।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९४२। वि० प्रहलाद की कथा।
प्रा०—श्री कल्पनाथ दूबे, गजहड़ा, डा० मुबारकपुर (आजमगढ़)। →
सं० ०४–५३७।

प्रहलादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रहलाद की कथा।
(क) प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद दीक्षित, कोपा, डा० दुधौड़ा (जौनपुर)।→
सं० ०१–५३६ क।
(ख) प्रा०—श्री पतरू उपाध्याय, रैनी, डा० मऊ (आजमगढ़)। →
सं० ०१–५३६ ख।

प्रहलादचरित्र (रघुवंशदीपक)→'प्रहलादचरित्र' (सहजराम कृत)।

प्रहलादचरित्र इतिहास (पद्य)—सहजराम कृत। वि० प्रहलाद की कथा।
(क) लि० का० सं० १८००।

प्रा०—श्री रघुनंदन पांडेय, चौकिया, डा० लँभुआ (सुलतानपुर)। → सं० ०४-४०५ ग।

(ख) लि० का० सं० १६११।

प्रा०—श्री राममनोरथ पांडेय, धवरहरा, डा० अमरगढ़ (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४-४०५ घ।

(ग) लि० का० सं० १६५५।

प्रा० – लाला तुलसीराम श्रीवास्तव रायबरेली।→२३-३६७ बी।

(घ) प्रा०—भैया संतबख्शसिंह, गुठवा (बहराइच)→२३-३६७ सी।

(ङ) लि० का० सं० १८६२।→१२-१६२।

प्रहलादचरित्र नाटक (गद्यपद्य)—केदारनाथ (और लक्ष्मणदास) कृत। वि० प्रहलाद की कथा।

प्रा०—श्री बढ़कऊ वैश्य, सींगारघाट, अयोध्या।→२०-८०।

प्रहलाददास पाठक (जन)—ब्राह्मण।

हनुमतजस लीला (पद्य)→४१-१३६।

प्रहलादलीला (पद्य)—घनश्याम (स्यामदास) कृत। लि० का० सं० १८०२। वि० प्रहलादचरित्र।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१०४।

पहलादलीला (पद्य)—रामदास कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० प्रहलाद चरित्र।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६-२१२ बी (विवरण अप्राप्त)।

(सं० १७८२ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

प्रहलादलीला (पद्य)—रैदास कृत। वि० प्रहलाद चरित्र।

प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→२६-२७६ ए।

प्रहलादसांगीत→'प्रहलादचरित्र' (लक्ष्मणदास कृत)।

प्रहलादोपाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विश्वामित्र का रामचंद्र से सांसारिक दुःखों से मुक्ति पाने के उपाय का वर्णन।

प्रा०—श्री माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००-७०।

प्राकृतपंचाख्यान (भाषा पंचतंत्र) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८२५। वि० पंचाख्यानक की टीका।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५३६।

प्राणदास—कोई कबीरपंथी।

कबीर स्वरोदय (पद्य)→३२-१६७ बी।

शब्द कामना बंद (पद्य)→३२-१६७ ए।

प्रागन (प्रागनि)—(?)

भँवरगीत (पद्य)→२३-३१६ ए से ई तक; २६-३४७ ए, बी; ४१-५१७ क, ख (अप्र०); सं० ०४-२१७ क, ख, ग, घ।

प्राणविलास (पद्य) — चंदन कृत । र० का० सं० १८२५ । वि० तत्वज्ञान ।
(क) प्रा०—कुँवर दिलीपसिंह, बड़गवाँ (सीतापुर) ।→१२–३४ सी ।
(ख) प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–७३ सी ।

प्राणकिशन—कश्मीरी ब्राह्मण । दिल्ली निवासी । सं० १९२१ के लगभग वर्तमान ।
मोहिनीचरित्र (गद्य)→२६–३४८ ए, बी ।

प्राणचंद (चौहान)—चौहान क्षत्रिय । सं० १६६७ के लगभग वर्तमान ।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→सं० ०१–२१८ ।
रामायण महानाटक (पद्य)→०३–९५; १७–१३४; २३–३१७ ।

प्राणनाथ—उप० श्रीजी, इंद्रावती और महामति (महामंत)। धामीपंथ के प्रवर्तक । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के गुरु। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान ।→ ०५–३३; ०६–८५; २६–१८१ ।
अंर्जररास (पद्य)→२०–१२६; २३–३१८; सं० ०१–२१९ ।
कीर्तन (पद्य)→०६–९० ए ।
जंबूरकलश (पद्य)→२६–३४९ सी ।
तारतम्य (गद्य)→२६–३४९ जी; २९–२६६ डी, दि० ३१–६५ सी ।
तीनों स्वरूपों की बृत्तक (पद्य)→२६–३४९ एच ।
धनीजी के चेले की चौपाई (पद्य)→२६–३४९ ए ।
पदावली (पद्य)→०९–२२५ ।
परिक्रमा प्रकरण (पद्य)→१७–१०८ ए, बी; सं० ०४–२१८ क ।
प्रकरण सागरन का (पद्य)→१७–१०८ ई; २६–३४९ ई ।
प्रगट बानी (पद्य)→०६–९० बी; १७–१०८ सी; २९–२६६ सी; दि० ३१- ६५ ए ।
प्रनालिका (गद्यपद्य)→सं० ०४–२१८ ख ।
प्रेमपहेली (पद्य)→२९–२६६ ए; दि० ३१–६५ बी ।
फरमान (पद्य)→सं० २६–२४९ बी ।
बीतक (पद्य)→सं० ०४–२१८ ग ।
बीस गिरोहों का बाब (पद्य)→०६–९० सी ।
ब्रह्मबानी (पद्य)→०६–९० डी ।
रसतरंगिणी (पद्य)→३२–१६८ ।
राजविनोद (पद्य)→०६–९० ई ।
रामत रहस की (पद्य)→२६–३४९ एफ ।
लीला नौतनपुरी (पद्य →२६–३४९ डी ।
विराट चरितामृत (पद्य)→३८–१०९ ।
वेदांत कीर्तन (पद्य)→१७–१०८ एफ ।

वेदांत के प्रश्न (गद्य)→२६–२६६ ई।
श्रीधाम की पहेली (गद्य)—२६–२६६ बी।
श्रीप्रकाश किताब की प्रकरण (पद्य)→सं० ०४–२१८ घ।
संबंध (पद्य)→१७–१०८ डी।

प्राणनाथ—गो० दामोदरदास के शिष्य। रसिक सुजान के गुरु भाई। सं० १७२४ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नोत्तर (पद्य)→१२–१३०।

प्राणनाथ—राजाराम के पुत्र। महोबा (बुंदेलखंड) निवासी। सं० १८७० के पूर्व वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→०५–५३।

प्राणनाथ—(?)
जोवनाथ कथा (पद्य)→०६–२२६।

प्राणनाथ (त्रिवेदी)—कान्यकुब्ज त्रिवेदी ब्राह्मण। सं० १७६५ के लगभग वर्तमान।
कल्किअवतार कथा (पद्य)→०३–२६; २३–३२०।
बभ्रुवाहन कथा (पद्य)→१२–१३१; ४१–१४०; सं० ०४–२१६।

प्राणनाथ (भट्ट)—कल्याण भट्ट के पुत्र। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।
रसप्रदीप (गद्य)→२०–१३० ए।
वैद्यदर्पण (गद्यपद्य)→१७–१३५; २०–१३० बी; २३–३१६ ए, बी।

प्राणनाथ (सोतो)—(?)
जेहलीजवाहिर (पद्य)→सं० ०१–२२०।

प्राणप्यारी (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० कृष्ण विवाह का वर्णन।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–१८६ एफ।

प्राणसाँकली—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२–११ (सोलह)।

प्राणसुख—श्रीप्रधान (कठेरावारे) या प्रानसुकवि नाम से भी प्रसिद्ध। वत्स गोत्री। कठेरा (ओड़छा) के निवासी। ओड़छा नरेश राजा विक्रमाजीत के आश्रित। सं० १८५७ के लगभग वर्तमान।
तरंगभेषमालिन (पद्य)→सं० ०४–२२०।

प्राणसुख (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७११ (?)। वि० वैद्यक।
प्रा०—भट्ट दिवाकरराय, गुलेर (काँगड़ा)।→०३–३।

प्रात रसमंजरी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२१ (एक)।

प्रान (सुकवि)→'प्राणसुख' ('तरंगभेषमालिन' के रचयिता)।

प्रानचंद—(?)
भरथविलाप (पद्य)→सं० ०७–१२१।

प्रार्थना (पद्य)—आनंदीदीन कृत। वि० राम स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६–११ बी।

प्रार्थना (पद्य)—मोतीराम कृत। वि० विष्णु की स्तुति।
प्रा०—पं० गजाधर महाराज, नकती, डा० चुलवारिया (बहराइच)। → २३–२८३ ए।

प्रार्थना पचीसी (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० राधाकृष्ण की स्तुति।
प्रा०—लाला नान्हकचंद जी, मथुरा।→१७–३४ जे।

प्रियाजी की बधाई (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० राधा जी का जन्मोत्सव।
प्रा०—गो० गोवर्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६–३१ जे।

प्रियाजू की नामावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत। र० का० सं० १७वीं शताब्दी। वि० राधा के विभिन्न नाम।
(क) लि० का० सं० १८३१।
प्रा०– नारायण दंडी, नारायणगढ़ तथा श्रीनगर, डा० श्रीनगर (बलिया)।→ ४१–११७ च।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–११७ ङ।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–११७ छ।

प्रियादास—वृंदावन निवासी। रसजानिदास के गुरु। वैष्णवदास के पिता। गौड़ीय संप्रदाय के अनुयायी। ये वृंदावन में राधारमण जी के मंदिर में रहते थे। सं० १७६९–१९१३ के लगभग वर्तमान।
अनन्यमोदिनी (पद्य)→२९–२७३ ए; ४१–५१९ क (अप्र०)।
पद रत्नावली (पद्य)→२०–१३५ डी; ४१–५१९ ख (अप्र०)।
पीपाजी की कथा (पद्य)→२९–२७३ सी।
प्रियादास संग्रह (पद्य)→२६–३६१ सी।
भक्तमाल रसबोधिनी टीका (पद्य)→०१–५५; १७–१३८; २०–१३५ ए, बी; २३–३२३ ए, बी, सी, डी; २६–३६१ ए, बी; २९–२७३ बी; दि० ३१–६७।
भक्तिप्रभा की सुलोचनी टीका (पद्य)→२०–१३५ सी।
भागवत सुलोचना टीका (पद्य)→४१–१४१।
रसिकमोदिनी (पद्य)→२९–२७३ डी; ४१–५१९ घ (अप्र०)।
संग्रह (पद्य)→२९–२७३ जी।
सांगीतमाला (पद्य)→२९–२७३ एफ।
सांगीतरत्नाकर (पद्य)→२९–२७३ ई।

प्रियादास—राधावल्लभ संप्रदाय के साधु। स्वामी हितहरिवंश के अनुयायी। सं० १९०५ के लगभग वर्तमान।
चाहबेलि (पद्य)→१७–१३९।
तिथि निर्णय (पद्य)→०६–२३१ डी।

प्रियादास की बानी (पद्य)→०६–२३१ ए।
वर्षोत्सव निर्णय (भाषा) (पद्य)→०६–२३१ ई।
सेवकजू की जन्म बधाई (पद्य)→४१–१४२।
सेवादर्पन (पद्य)→०६–२३१ बी।
स्फुटपद टीका (पद्य)→०६–२३१ सी।

प्रियादास—संभवतः बीकानेर नरेश महाराज सूरतसिंह के पुत्र। सं० १८७५–८० के लगभग वर्तमान।
जलकेलि पचीसी (पद्य)→१२–१३८ ए।
झूलापचीसी (पद्य)→१२–१३८ बी।
दानलीला (पद्य)→१२–१३८ सी।
सीतामंगल (पद्य)→१२–१३८ डी।

प्रियादास—डंकौर (बुलंदशहर) के निवासी। श्रीनाथ तिवारी के पुत्र। माता का नाम ब्रज कुँवरि। हितदास जी के छोटे भाई। स्वामी रसिकानंदलाल के शिष्य। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
अष्टक (पद्य)→१२–१३७ बी।
सेवकचरित (पद्य)→१२ १३७ ए।

प्रियादास (?)—सं० १६०४ के पूर्व वर्तमान।
व्यवहारपाद (गद्य)→सं० ०४–२२१।

प्रियादास—उप० कृष्णदत्त। महाराष्ट्र ब्राह्मण। वासुदेव के पुत्र। रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह और द्रोणाचार्य के गुरु। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।→०१–१६।

प्रियादास की बानी (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० हित हरिवंश जी की वंदना।
प्रा०—गो० गिरधरलाल जी, हरदीगंज, झाँसी।→०६–२३१ ए।

प्रियादास चरितामृत (पद्य)—द्रोणाचार्य कृत। र० का० सं० १६१०। वि० प्रियादास जी का जीवनचरित।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१–१६।

प्रियादास संग्रह (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १६१३। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० जयंतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा, डा० चामयानी (उन्नाव)। → २६–३६१ सी।

प्रियाध्यान (पद्य)—हितरूपलाल कृत वि० श्री राधिका जी का शृंगार।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंबा, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५८ ई।

प्रियाभक्ति रसबोधिनी राधामंगल (पद्य)—रसिकसुंदर कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० राधा चरित्र।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण श्रीधर, कुंदीगरान का रास्ता, जयपुर।→००–१२८।

प्रियासखी—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ समाज के सखी संप्रदाय के अनुयायी।

प्रियासखी की गारी (पद्य)→०६–२०७ बी।

प्रियासखी की बानी (पद्य)→०६–२०७ ए।

प्रियासखी→'जानकीचरण' ('प्रेमप्रधान' आदि के रचयिता)।

प्रियासखी→'बखतकुँवरि' ('बानी' की रचयित्री)।

प्रियासखी की गारी (पद्य)—प्रियसखी कृत। लि० का० सं० १८५४। वि० उत्सवों में गाये जानेवाले पदों का संग्रह।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०७ बी (विवरण अप्राप्त)।

प्रियासखी की बानी (पद्य)—प्रियासखी कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०७ ए (विवरण अप्राप्त)।

प्रीतम→'अलीमुहिब्ब खाँ' ('खटमल बाईसी' के रचयिता)।

प्रीतिचौवनी लीला (पद्य)—अन्य नाम 'प्रीतिचिवनी'। ध्रुवदास कृत। वि० राधा-कृष्ण विषयक प्रेम वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। → ४१–५०७ च (अप्र०)।

(ख) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००–१६।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–७३ जे।

(घ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ छ (अप्र०)।

प्रीतिपावन (पद्य)—आनंदघन कृत। वि० पावस और कृष्ण क्रीड़ा।

(क) लि० का० सं० १६५८।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–८।

(ख) प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा)। →२६–११५ ए।

प्रीतिप्रार्थना (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० ईश्वर विनय और उपदेश।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६–१५४ सी।

प्रेतमंजरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अंत्येष्ठि और श्राद्धकार्य का वर्णन।

प्रा०—श्री गोकुलसिंह जमींदार, अदियापुरा, डा० बनकटी (इटावा)।→ ३५–२७१।

प्रेम—संभवतः गुरुगोबिंदसिंह के अनुयायी। सं० १८५२ के पूर्व वर्तमान।

उत्पत्ति अगाध बोध (पद्य)→३२–१६६।

प्रेमगीतावली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६२४। वि० कृष्णलीला और राग रागनियाँ।

प्रा०—मौलाना रसूल खाँ काजी, गाँगीरी, डा० सलेमपुर (अलीगढ़)। → २६–१०७ एच।

प्रेमचंद (सेवक)—जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित। विचित्र कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–७२ (दस)।

प्रेमचंद्र—नागपुर निवासी। गौड़ सुलतान के आश्रित। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।
चंद्रकला (पद्य)→१२–१३४।

प्रेमचंद्रिका (पद्य)—रसिकवल्लभशरण कृत। लि० का० सं० १६३३। वि० वंदना।
प्रा०—सद्गुरु सदन, अयोध्या।→१७–१५६ बी।

प्रेमचंद्रिका→'प्रेमतरंग चंद्रिका' (देव कृत)।

प्रेमजंजीर (पद्य)—नंदकुमार (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम।
प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र, दीनदारपुर (मुरादाबाद)।→१२–१२१।

प्रेमतरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि० प्रेम और नायिकाभेद।
प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६–६४ बी।

प्रेमतरंग चंद्रिका (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि० राधाकृष्ण प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८५७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–२८।
(ख) लि० का० सं० १६०२।
प्रा०—राजा ललिताबक्ससिंह का पुस्तकालय, नीलगाँव (सीतापुर)। → २३–८६ एस।
(ग) लि० का० सं० १६४१।
प्रा०—श्री युगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→१२–५० बी।
(घ) लि० का० सं० १६४१।
प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३–८६ टी।
(ङ) प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–६५ एफ।

प्रेमतरंगिणी (पद्य)—लक्ष्मीनारायण कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० ऊधो और गोपियों का संवाद।
प्रा०—राजा साहब बहादुर, प्रतापगढ़।→०६–१६६; १७–१०४।

प्रेमदर्शन (पद्य)—अन्य नाम 'प्रेमपचीसी'। देव (देवदत्त) कृत। वि० श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—महंत मनोहरप्रसाद, बड़ी जगह, अयोध्या।→२०–३६ एफ।
(ख) लि० का० सं० १६६१।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–६४ ए।
(ग)→पं० २२–२४ ए।

प्रेमदास—अग्रवाल वैश्य। अजयगढ़ (बुंदेलखंड) निवासी। रामानुज संप्रदाय के अनुयायी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
कृष्णलीला (पद्य)→०६–६३ डी।
गेंदलीला (पद्य)→०६–६३ सी; ४१–५२० (अप्र०); सं० ०१–२२१ ग,घ।

नासिकेत की कथा (पद्य)→०६–६३ बी; सं० ०१–२२१ ङ।
प्रेमपरिचय (पद्य)→०६–२२६ ए।
प्रेमसागर (पद्य)→०६–६३ ए; सं० ०१–२२१ ख।
फूलचेतनी (पद्य)→२०–१३३।
बिसातिन लीला (पद्य)→०६-२२६ बी; २६–३५५ ए, बी।
भगवतविहार लीला (पद्य)→०६–२२६ सी।
मनमोहन लीला (पद्य)→सं० ०१–२२१ क।

प्रेमदास—राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
अरिल्लें (पद्य)→०६–२२० बी।
रससार संग्रह (पद्य)→१२–१३५।
हितचौरासी की टीका (गद्य)→०६–२२० ए; सं० ०४–२२२।

प्रेमदास—बड़ागाँव (गोरखपुर) के निवासी।
जैमिनीपुराण (पद्य)→२६–३५६; ४१–१४३।

प्रेमदास (प्रेम)—निरंजनी पंथी।
सिद्धवंदना (पद्य)→सं० ०७–१२३।

प्रेमदास (प्रेम)—(?)
कवित्त (पद्य)→सं० ०७–१२२।

प्रेमदासचरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रेमदास जी का चरित्र वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३६२।

प्रेमदासि→'प्रेमदास' (अरिल्लें' आदि के रचयिता)।

प्रेमदीपिका (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० ऊधो के ब्रज आगमन की कथा।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—पं० शिवकंठ गौड़, आरागढ़ (एटा)।→२६–७ एफ।
(ख) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–२ सी।
(ग) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, चंदियाना, फतेहपुर।→२०–४ ए।
(घ) लि० का सं० १८७०।
प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–१४ बी।
(ङ) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, चौगवाँ, डा० मल्लावाँ (हरदोई)।→२६–७ जी।
(च) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, टड़वा, डा० इंदामऊ (उन्नाव)।→२६–१४ सी।
(छ) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर।→०५- १।

(ञ) प्रा०—लाला गंगाधरप्रसाद, कुंडील, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६-१४ डी ।

(झ) प्रा०—पं० शिवकुमार शर्मा, द्वारा श्री बद्रीप्रसाद वकील, बाह (आगरा) । →२६-७ एच ।

प्रेमदीपिका (पद्य)—वीर (कवि) कृत । र० का० सं० १८१८ । लि० का० सं० १८३६ (प्रथम खंड का), लि० का० सं० १८४० (तृतीय खंड का) । वि० रुक्मिणी और कृष्ण का बिवाह आदि वर्णन ।

प्रा०—श्री रामकृष्ण ज्योतिषी, गौरहार ।→०६-१४० (विवरण अप्राप्त) ।

प्रेमधार→प्रेमधार सागर' (रघुबरसखा कृत) ।

प्रेमधार सागर (पद्य)—रघुवरसखा (रघुवरदास) कृत । वि० श्रीकृष्ण चरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२१० क, ख ।

प्रेमनाथ (पांडे)—सं० १८२७ के लगभग वर्तमान ।

महाभारत (आदिपर्व) (पद्य)→१२-१३६ ।

प्रेमनामा→'पैमुनामा' (जान कवि कृत) ।

प्रेमनामौ जोग (ग्रंथ) (पद्य)—जगजीवनदास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-५२ ग ।

प्रेमनिधि--(?)

करुणापचीसी (पद्य)→२६-३५७ ।

कवित्त (पद्य)→३८-१११ ।

प्रेमपंचासिका (पद्य)—युवराजसिंह कृत । लि० का सं० १६२६ । वि० भक्ति और प्रेम वर्णन (तुलसी तथा जायसी आदि के उदाहरणों से युक्त) ।

प्रा०—ठा० गुरुप्रसादसिंह, गुठवा (बहराइच) ।→२३-१६७ सी ।

प्रेमपचीसी (पद्य)—शिवराम कृत । वि० उद्धव और गोपियों का संवाद ।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर ।→१७-१७६ ।

प्रेमपचीसी→'प्रेमदर्शन' (देव कृत) ।

प्रेमपच्चीसी (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४७१ ख ।

प्रेमपदारथ (पद्य)—भगवानदास कृत । वि० कृष्ण भक्ति की महिमा, फल और लक्षण ।

प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६७ ।

प्रेमपयोनिधि (पद्य)—मृगेंद्र कृत । र० का० सं० १६१२ । लि० का० सं० १६१८ । वि० जगत प्रभाकर और राजा सहपाल की कन्या की कथा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-४६ ।

प्रेमपरिचय (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० राधा का कृष्ण की प्रेम परीक्षा लेना ।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगंज, फतेहपुर ।→०६-२२६ ए ।

प्रेमपरीक्षा (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० राधा द्वारा कृष्ण की प्रेम परीक्षा।
(क) प्रा०—श्री विद्याधर, होरीपुर (दतिया) ।→०६–६ सी।
(ख)→पं० २२–६३ बी।

प्रेमपहेली (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीधाम को वर्णन'। प्राणनाथ कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
(क) प्रा०—श्री मुंशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ)। → २६–२६६ ए।
(ख) प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ६३५, कूचा शरीफ बेग, बा० मुक्ताराम जी का मंदिर, दिल्ली।→दि० ३१–६५ बी।

प्रेमपियूष (पद्य)—छेदीलाल कृत। लि० का० सं० १६४४। वि० शृंगार।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६–८४।

प्रेमप्रकाश (पद्य)—छत्रसाल कृत। र० का० सं० १८३३। लि० का० सं० १८३६। वि० राधा और कृष्ण का प्रेम।
प्रा०—लाला छोटेलाल, कुंडर, समथर।→०६–२०।

प्रेमप्रकाश (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० सं० १८४८। वि० प्रेम।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२१२ क।

प्रेमप्रधान (पद्य)—जानकीचरण कृत। र० का० सं० १८७६। लि० का० सं० १८६०। वि० सीताराम विवाह, विहार और भक्ति आदि।
प्रा०—लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–८४ ए।

प्रेमप्रबोध (पोथी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७८०। वि० प्रेम, भक्ति और कबीर रैदास आदि की परिचयी।
प्रा०—अनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–५७ (परि० ३)।

प्रेमप्रमोद (पद्य)—रघुवर कृत। र० का० सं० १६२६। वि० राधाकृष्ण के प्रेम का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२०६।

[प्रे]मबत्तीसी (पद्य)—दयालाल कृत। वि० गोपी उद्धव संवाद।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–६८।

[प्रे]मबोध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७५०। वि० भगवद्भक्ति।
प्रा०—पं० गोपालप्रसाद उपाध्याय, सिरसागंज (मैनपुरी)। → २६–५६ (परि० ३)।

[प्रे]ममंजरी (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० का० सं० १७१६। लि० का० सं० १७४०। वि० प्रेमभक्ति का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२६ क।

[प्रे]ममंजरी (पद्य)—सामरथी (द्विज) कृत। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० रामआनंद, चिलबिला रंजीतपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–३२०।

प्रेमरंग—नागर ब्राह्मण। ये काशी में रामघाट पर स्थित राममंदिर में ठाकुर जी को गाना सुनाया करते थे तथा हनुमान जी के भी भक्त थे। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

आभास रामायण (पद्य)→४१–१४४; सं० ०१–२२२ क, ख।

गरबावली रामायण (पद्य)→सं० ०१–२२२ ग।

प्रेमरत्न (पद्य)—फाजिलशाह कृत। र० का० सं० १६०५। लि० का० सं० १६३७। वि० नूरशाह और माहमुनीर की कथा।

प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह, छतरपुर।→०५–५६।

प्रेमरत्न (पद्य)—रत्नकुँवरि कृत। र० का० सं० १६४४। वि० राधा और कृष्ण का कुरुक्षेत्र में मिलन।

(क) लि० का० सं० १८५७ (?)।

प्रा०—बाबू पद्मबक्शसिंह, लवेदपुर, भिनगा (बहराइच)।→२३–३५६।

(ख) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—लाला रामस्वरूप, लभौरा, डा० रामपुर (एटा)।→२६–२६७ ए।

(ग) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—पं० शिवदीन गंगापुत्र, कटका, डा० भरावन (हरदोई)।→२६–२६७ बी।

(घ) लि० का० सन् १२८१ साल (?)

प्रा०—पं० रामनारायण, डा० कोहरा (बस्ती)।→सं० ०७–१६१।

(ङ) प्रा०—पं० बद्रीनाथ शर्मा वैद्य, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६–२६७।

(च) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२१३।

टि० खो० वि० २३–३५६; २६–२६७ ए, बी पर प्रस्तुत पुस्तक को भूल से रतनदास कृत मान लिया गया है।

प्रेमरत्नाकर (पद्य)—देवीदास कृत। र० का० सं० १७४२। वि० प्रेम की विविधता।

(क) लि० का० सं० १८०१।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२२० (विवरण अप्राप्त)। (सं० १८२६ की एक प्रति इसी पुस्तकालय में और है।)

(ख) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६–६८।

(ग) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—श्री रमणलाल हरिचंद चौधरी, कोसी (मथुरा)।→१७–४७ बी।

(घ) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। → २३–६६ बी।

(ङ) प्रा०—बाबू छोटेलाल जी गुप्त, डी० टी० एस० कार्यालय, दिल्ली। → दि० ३१–२५।

प्रेमरस सागर (पद्य)—अखैराम कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० कृष्ण विरह (सात्विक, राजसी तथा तामसी नायिकाओं का)।
प्रा०—पं० रेवतीरमण (रेवतीनंदन मिश्र), बेरी, डा० बरारी (मथुरा)।→ ३८–१ सी।

प्रेमरसाल (पद्य)—गुलाम मुहम्मद कृत। वि० प्रेम कथा।
प्रा० – याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी, वाराणसी।→सं० ०१–८५।

प्रेमराय—चंदन कवि के पुत्र। इन्होंने अपने पिता कृत 'कृष्णकाव्य' की प्रतिलिपि की थी। →१२–३४।

प्रेमलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हित संप्रदायानुसार कृष्णभक्ति और लीला का वर्णन।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी। → ००-१३ (बारह)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६–७३ एफ।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१७४ ग।

प्रेमलता→'चौरासीपद' (हितहरिवंश कृत)।

प्रेमलीला (पद्य)—दयाल (जन) कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० कौशल्य का सीता और राम के प्रति प्रेम।
प्रा०—श्री रामप्रसाद गौतमियाँ, अजयगढ़।→०६–२६८ (विवरण अप्राप्त)।

प्रेमलीला (पद्य)—मुहम्मदजान (मिरजा) कृत। लि० का० सं० १६०६। वि० प्रेम वर्णन।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर।→सं० ०१–१२७।

प्रेमविनोद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रेम वर्णन।
प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृंदावन (मथुरा)। →३५–२७०।

प्रेमविलास प्रेमलता कथा (पद्य)—जटलमल (नाहर) कृत। र० का० सं० १६६३। लि० का० सं० १६६६। वि० प्रेम विलास और प्रेमलता की प्रेमकथा।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग।→सं० ०१–१२४।

प्रेमविहारी (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत। र० का० सं० १६३२। लि० का० सं० १६३६। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों का विहार।
प्रा०—बाबा हरिदास, सरावल, डा० गंजडुड़वारा (एटा)।→२६–६० सी।

प्रेमसंपुट (पद्य)—सुंदरिकुँवरि कृत। र० का० सं० १८४५। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—साधु निर्मलदास, वेरू (जोधपुर)।→०१–६५।

प्रेमसखी—सखी संप्रदाय के वैष्णव। जन्म सं० १७९१ के लगभग। अयोध्या निवासी। कवित्तादि प्रबंध (पद्य)→१७–१३७ बी।

नखशिख (पद्य)→०६–२३० ए, बी; १७–१३७ सी, डी; २०–१३४ बी।

प्रेमसखी की कविता (पद्य)→००–३६।

होरी (पद्य)→०६–३०८; १७–१३७ ए; २०–१३४ ए।

प्रेमसखी की कविता (पद्य)—प्रेमसखी कृत। वि० सीताराम की लीला।

प्रा०—बाबू काशीप्रसाद जी, वाराणसी।→००–३६।

प्रेमसागर (पद्य)—जयदयाल कृत। र० का० सं० १६०६। वि० कृष्णावतार एवं कृष्णलीलाओं का वर्णन (गर्गसंहिता का अनुवाद)।

विज्ञान खंड (कृष्णप्रेम सागर)

(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय, वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१७२ ए।

(ख) प्रा०—पं० माधवमनोहर, दाऊ जी की गली, गोकुल (मथुरा)। → १७ ८६।

बलभद्र खंड

(ग) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—बाबा माधवदास महंत, निंबार्क पुस्तकालय, नानपारा (बहराइच)।→ २३ १८८।

(घ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ बी।

विश्वजित खंड

(ङ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा० –पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१७२ सी।

द्वारिका खंड

(च) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ डी।

मथुरा खंड

(छ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ ई।

माधुर्य खंड

(ज) प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–१७२ एफ।

गोवर्द्धन खंड

(झ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१७२ जी।

वृंदावन खंड

(ञ) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ एच।

गोलोक खंड

(ट) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ आई।

प्रेमसागर (पद्य)—प्रेमदास कृत। र० का० सं० १८२७। वि० ऊधो और गोपियों का संवाद।

(क) लि० का० सं० १६५५।

प्रा०—श्री रामप्रसाद गौतमियाँ, अजयगढ़।→०६–६३ ए।

(ख) प्रा०—सेठ गुलाबचंद, सुहावे, छतरपुर।→सं० ०१–२२१ ख।

प्रेमसागर (गद्यपद्य)—लल्लूलाल कृत। र० का० सं० १८६७। वि० कृष्ण लीला।

(क) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६–१६२ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—लाला भोजराज, रुद्रपुर, डा० बमनोई (अलीगढ़)।→२६–२१२ ए।

(ग) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–२१२ बी।

प्रेमसागर—(?)

कुबरीसंग विहार (बारहमासा) (पद्य)→२६–३५८।

प्रेमसागर→'पैमसागर' (जान कवि कृत)।

प्रेमसुमनमाला (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि० प्रेम वर्णन।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या। →०६–२७४।

प्रेमा (कवि)—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। किसी कल्याणदास के शिष्य

राधाकृष्ण विवाह विनोद (पद्य)→४१–१४५।

प्रेमापराभक्ति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७६। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५३८।

प्रेमावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत। र० का० सं० १६७१। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी। → ००–१३ (तेरह)।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–७३बी।

प्रेमो→'अब्दुर्रहमान (मिर्जा)' ('नखशिख' के रचयिता)।

फकीरदास (बाबा)—जाति के मुराई या मुराऊ। नरोत्तमपुर (बहराइच) निवासी। संभवतः रामानद के शिष्य और सुरजीदास के गुरु। सं० १८७५ के लगभग वर्तमान।

आनंदवर्द्धिनी (पद्य)→२३–१११ ए; ०६–११६ ए; २६–६७ बी।

गारी ज्ञान की (पद्य)→२६–११६ बी, डी।

ज्ञान का बारहमासा (पद्य)→२६–११६ जी ।

बीजग्रंथ (पद्य)→२३–१११ बी ।

शब्दकहरा (पद्य)→२६–२७ सी ।

होरी ज्ञान की (पद्य)→२६–११६ ई, एफ; २६–२७ ए ।

फकीरशाह— दिल्ली निवासी । यारी साहब के शिष्य । निर्गुण मतानुयायी ।

शाहफकीर के शब्द (पद्य)→४१–१४६ ।

फकीरसिंह— नगरा नगर (गाजीपुर) के राजा । संभवतः वैस क्षत्रिय । कवि मनिकंठ (मनि) के आश्रयदाता । खो० वि० सं० ०१–२२३ में इन्हें भूल से 'बैतालपच्चीसी' का रचयिता मान लिया गया है ।→४१–१४७; सं० ०१–२२३; सं० ०१–२७३ ।

फकीरेदास—सरयूपारी ब्राह्मण । जन्मस्थान दुबे का पुरवा (सुलतानपुर) । माधोदास के शिष्य । सं० १८५७ में ६५ वर्ष की अवस्था में इनकी मृत्यु हुई ।

ज्ञानउद्योत (पद्य)→२६–६८ ।

फगुवा (पद्य)—विविध कवि (तुलसीदास आदि) कृत । वि० रामकथा ।

प्रा०—लाला शंकरलाल, मलाजनी (इटावा) ।→३५–२६५ ।

फणि (नृपति)—(?)

वाक्भूषण (?) (पद्य)→सं० ०१–२२४ ।

फणींद्र (मिश्र)—संभवतः नेवादा (आजमगढ़) ग्राम के निवासी । सं० १७०१ के लगभग वर्तमान ।

पंचायत का न्यायपत्र (गद्य)→सं० ०१–२२५ ।

फतेचंद (जैन)—कुस जांगल देश के अंतर्गत सहारनपुर निवासी । बड़े भाई का नाम तेजराम ।

सूक्तावली (भाषा) (पद्य)→सं० १०–८० क, ख ।

फतेहअली प्रकाश (पद्य)— मुरलीधर (कविराज और कवित्र) कृत । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री दूधनाथ गुसाईं, राइबीगो गुसाईं का पुरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर) →सं० ०४–३०४ ।

फतेहचंद—कायस्थ । भागचंद पंचोली के पुत्र । पुरुषोत्तम के आश्रयदाता । सं० १७१५ लगभग वर्तमान ।→०३–४८ ।

फतेहप्रकाश (पद्य)—छेमराम (?) कृत । र० का० सं० १६८५ (?) वि० अलंकार ।

(क) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोधनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव) ।→२६–४०६ ।

(ख) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर ।→०६–२६६ ।

(ग) लि० का० सं० १६१० ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२०–३६० ए ।

(घ) प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर)। → १२–४२ ।

(ङ) प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह तालुकेदार, कोथराकलाँ (सुलतानपुर)। →२३–६० बी ।

टि० खो० वि० १२–४२ के अतिरिक्त रतन कवि को ही सर्वत्र रचयिता माना गया है। पर वह संभवतः रचयिता का उपनाम है।

फतेहशाह—अन्य नाम फतेहसिंह। पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के वंशज। श्रीनगर (गढ़वाल) के राजा। छेमराम (रतन कवि) के आश्रयदाता। सं० १८०० के लगभग वर्तमान।→०६–२६६; १२–४२; २३–३६०; २६–४०६ ।

फतेहसिंह—कायस्थ। कौंच (जलौन) निवासी। पन्ना नरेश महाराज सभासिंह के आश्रित। सं० १८१३ के लगभग वर्तमान।

गुणप्रकाश (पद्य)→०६–११ बी; २०–२८ बी ।

दस्तूरमालका (पद्य)→०५–५४; २०–४८ ए ।

मतचंद्रिका (पद्य)→०५–५५; ०६–३१ ए; ०६–८० ।

फतेहसिंह—उप० हितराम। कछवाहा क्षत्रिय। रामसाहि नरेश के पुत्र। हितहरिवंश के अनुयायी। सं० १७२२ के लगभग वर्तमान।

हरिभक्ति सिद्धांत समुद्र (पद्य)→२६–१२० ।

फतेहसिंह—टिकारी (गया) के राजा। दत्त कवि के आश्रयदाता। सं० १८०४ के लगभग वर्तमान।→०३–३६ ।

फतेहसिंह→'फतेहशाह' (पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के वंशज)।

फतेहसिंह (राजा)—भरतपुर के अंतर्गत घन (घम) के राजा मानसिंह के पुत्र। राम कवि के आश्रयदाता।→पं० २२–८८ ।

फतेहसिंह प्रकाश (पद्य)→राम (कवि) कृत। विं० कुलपति मिश्र के 'रस रहस्य' की टीका।→पं० २२–८८ ।

फरजंदखेला (पद्य)—देवमुकुंदलाल कृत। लि० का० सं० १८२१। वि० राम की बाललीला तथा कृष्ण की ब्रजलीला।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-२६ ।

फरमान (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि० खुदा का फरमान और उसके न मानने वालों की बुराई।

प्रा०—बाबू रामनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, डा० कटनीमुड़वारा (जबलपुर)। →२६–१४६ बी ।

फरसजी—कोई संत।

पद (पद्य)→०७–१२४।

फरीद (सेख)—पूरा नाम शेख इब्राहीम फरीद। चिश्ती वंश के पीर। पंजाब और राजस्थान की सीमा पर किसी स्थान के निवासी। कबीर के पश्चात् और कमाल के पहले विद्यमान। दादू पंथी मुसलमान संत। बारहवीं शताब्दी के लगभग वर्तमान।

पदितनामा (पद्य)→४१–१४८; सं० ०७–१२५।

साखी (पद्य)→सं० १०–८१।

फर्रुखसियर—दिल्ली के बादशाह। राज्यकाल सं० १७७०–१७७६। मिर्जा अब्दुर्रहमान (प्रेमी) के आश्रयदाता।→०३–५०।

फलग्रंथ (पद्य)—दीनदास कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० पिंगल।

प्रा०—श्री देवराज, थुकरौली, डा० जगदीशपुर (बस्ती)।→सं० ०४–१५८।

फलचिंतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० फलों के माध्यम से शृंगार वर्णन।

प्रा०—लाला गुलजारीलाल, रीतौर (इटावा)।→३८–१६१।

फलित (भाषा) (पद्य)— माया (विप्र) कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० सं० १६१५। वि० फलित ज्योतिष।

प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिश्रवलिया, रुद्रनगर (बस्ती)। → सं० ०४–२६७।

फाग तरंगिणी (पद्य)—हंसराज (बख्शी) कृत। लि० का० सं० १६०२। वि० राधाकृष्ण का फाग खेलना।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–४५ डी।

टि० प्रस्तुत पुस्तक 'सनेहसागर' का एक अंश है।

फागविलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्ण का फाग खेलना।

(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२१ (आठ)।

(ख प्रा०—पं० भूपदेव शर्मा, सिहाना, डा० भरनाखुर्द (मथुरा)। → ३८–१०३ ई।

फागशिरोमणि चौताल (पद्य)—जगन्नाथप्रसाद (पंडित) कृत। वि० राम कृष्ण की लीलाएँ।

प्रा०—महंत रामवल्लभशरण, अयोध्या।→२०–६३।

फागु (पद्य)—हरिचरन (द्विज) कृत। वि० वियोग शृंगार।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४८१।

फागुनलोला (पद्य)—वीरभद्र कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० श्रीकृष्ण की फागलीला।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–२६।

फाजिलअली (मिर्जा)—नवाब इनायतखाँ के पुत्र। औरंगजेब वजीर। सुखदेव के आश्रयदाता। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।→०६–३०७; दि० ३१–८०; सं० १०–१३०।

फाजिलअली प्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७३३। वि० पिंगल।

(क) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६–३०७ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० शिवदयाल, औनपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–४१२ एम।

(ग) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—राजा बलरामपुर का पुस्तकालय, गोंडा।→२०–१८७ सी।

(घ) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—ठा० हरिबख्ससिंह, जमींदार, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)। → २६–४६५ डी।

(ङ) प्रा०—श्री दुर्गादत्त अवस्थी, कंपिला, फरुखाबाद।→१७–१८३ सी।

(च) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। → २३–४१२ एन।

(छ) प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटेला, डा० फखरपुर (बहराइच)। → २३–४१२ ओ।

(ज) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६–४६५ ई।

फाजिलशाह—शाह करीम के पुत्र और करम करीम के पौत्र। छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। मदारबख्श और अलाबख्श इनके भाई थे। छतरपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह के आश्रित। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।

प्रेमरत्न (पद्य)→०५–५६।

फारसी वरनमय मूलना (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामचरित्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२०६ अ।

फीरोजशाह—मुगल बादशाह बहादुरशाह के द्वितीय पुत्र। सं० १६०० के लगभग वर्तमान। बाजनामा (दौलतनामा) इन्हीं की आज्ञा से लिखा गया था। → ०३–६६।

फीलनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६। वि० गज चिकित्सा।

प्रा०—महाराजा पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-५८ (परि०३)।

फुटकर कविता (पद्य)—दयाकृष्ण कृत। वि० विविध।
प्रा०—लाला कामताप्रसाद, विजावर।→०६-२६ ए।

फुटकर कविता (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विनय, भक्ति, प्रेम आदि।
प्रा०—पं० लल्लूमल शर्मा, बाउथ, डा० बलरई (इटावा)।→३५-२६७।

फुटकर कवित्त (पद्य)—गंगाराम (तिवारी) कृत। वि० विविध।
प्रा०— पं० देवीदत्त शुक्ल, 'सरस्वती' संपादक, प्रयाग।→४१-४५ क।

फुटकर कवित्त (पद्य)—रामदयाल (रामानंद) कृत। वि० देव स्तुति आदि।
प्रा०—पं० वागीश्वरानंद पांडेय, चंदनशहर (इटावा)।→३२-१७७।

फुटकर कवित्त (पद्य)—विविध कवि (मकरंद, रघुनाथ, पर्वत, किशोरी, महाराज, गंग, देव) कृत। वि० श्रृंगार।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-५६।

फुटकर कवित्त (पद्य)—विविध कवि (देव, चैन, आलम आदि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० छोटेलाल उपाध्याय, भाऊपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)। → ३५-२६६।

फुटकर कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।
प्रा०—मु० भूपसिंह, डिठवारा, डा० किरावली (आगरा)।→२६-४५२।

फुटकर कवित्त→'कवित्त संग्रह' (ग्वाल कवि कृत)।

फुटकर छंद (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।
प्रा०—भट्ट श्री मगन उपाध्याय, तुलसीचौतरा, मथुरा।→१७-१४ (परि०३)।

फुटकर दोहे (पद्य)—व्यास जी कृत। वि० ज्ञान, वैराग्य और वृंदावन माहात्म्य आदि।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-२५६ घ।

फुटकर नुस्खों की किताब (गद्य)– रचयिता अज्ञात। वि० चिकित्सा।
प्रा०—पं० वंशीधर शर्मा, सिरौली (इटावा)।→३५-३६८।

फुटकर पद (पद्य)—विविध कवि (कृष्णजीवन, लछिराम, आनंदघन, हीरालाल आदि कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-२६६।

फुटकर पदों का संग्रह (पद्य)— विविध कवि (घनानंद, गोविंद, छीतमस्वामी, नंददास, नागरीदास, तुलसी, अनन्यदास, जीवन गिरधर, मुरलीधर, दयासखी, विजयसखी, राधाकृष्ण, भगवानहित, मधुकर और प्रद्युम्न) कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→४१-४६१ (अप्र०)।

फुटकर बानी (पद्य)—हितहरिवंश कृत। वि० राधावल्लभी संप्रदाय के सिद्धांत और श्रृंगार।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। →०६–१२०।

(ख) प्रा०—श्री चंद्रभान विद्यार्थी एम० ए०, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–४४३ ख।

फुटकर बानी की भावना बोधिनी टीका (गद्यपद्य)—व्रजगोपालदास कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६६६। वि० हित हरिवंश के ग्रंथ 'फुटकर बानी' की टीका।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३१।

फुटकर रचनाएँ (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० विविध।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१५७ ख।

फुटकर संग्रह (पद्य)—गणेशशंकर कृत। सं० का० सं० १८४२। लि० का० सं० १८४२। वि० विविध।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३–११३।

फुटकर साखी और कायाबेली (पद्य)—रज्जब कृत। वि० निर्गुण ब्रह्म निरूपण।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२११।

फूल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० फूलों के व्याज से शृंगार वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—श्री देवनाथ चौबे, पौउरअलवारा, डा० पछिम सरीरा (इलाहाबाद)। →सं० ०१–५४० ख।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → सं० ०१–५४० क।

फूलकुँवर फूलमति की वार्ता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १८५२। वि० फूलमती और फूलकुँवर का प्रेम वार्तालाप।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–३६३।

फूलचरित्र (पद्य)—मनोहरदास कृत। वि० शृंगार।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—पं० आद्याप्रसाद मिश्र, अचकारी, डा० बेलवार (जौनपुर)। → सं० ०४–२८५।

(ख) प्रा०—पं० कनौजीलाल, कटरा गोलीखैन, फरुखाबाद।→०६–१६२।

(ग) प्रा०—श्री वासुदेव, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६–२६६।

फूलचरित्र (पद्य)—विश्वंभरदास कृत। लि० का० सं० १८८२। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पूरे गरीबदास, डा० गड़वारा बाजार (प्रतापगढ़)। →सं० ०४–३६५।

फूलचिंतनो (पद्य)—मिट्ठूलाल कृत। वि० गोपियों का विरह वर्णन।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर, जगसोरा (इटावा)।→३५–६३।

फूलचिंतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१६। वि० शृंगार।
प्रा०—पं० गोकुलचंद प्रधानाध्यापक, मलपुरा (आगरा)।→२६–४५१।

फूलचेतनी (पद्य)—अन्य नाम 'रसप्रसून'। गुरुदास कृत। लि० का० सं० १८३०। वि० नायिका भेद।
प्रा०—श्री भगीरथप्रसाद दीक्षित, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२०-५६।

फूलचेती (पद्य)—प्रेमदास कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—पं० लल्लूलाल मिश्र, मवैया (फतेहपुर)।→२०–१३३।

फूलबत्तीसी (पद्य)—मोहनसुंदर कृत। वि० वसंत आदि ऋतुओं के फूलों और कृष्ण रुक्मिणी संवाद तथा राधा का अंग वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२०४।

फूलमंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'पहौपमंजरी'। पुरुषोत्तम कृत। वि० राजा कृष्ण की भक्ति और शृंगार।
(क) प्रा०—पं० श्रीराम, भीखनपुर, डा० फतेहाबाद (आगरा)। → २६–२४४ एच।
(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२०६।
टि० प्रस्तुत पुस्तक को खो० वि० २६–२४४ एच पर भूल से नंददास कृत मान लिया गया है।

फूलमंजरी (पद्य)—मोहनलाल कृत। र० का० सं० १८४५। वि० शृंगार।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३१० क।

फूलमाला (पद्य)—बोध कृत। वि० वियोग शृंगार।
(क) प्रा०—मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ़ (मैनपुरी)।→३२–३१ सी।
(ख) प्रा०—महंत रामशरणदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४–२४७।

फूलविलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२१ (चार)।

फेक (द्विज) –किसी राज सभा के कवि।
चिरईचेतनी (पद्य)→सं० ०१–२२६।

बंका—बुंदेलखंड निवासी।
कृष्णविलास (पद्य)→०६–१०।

बंगश खाँ—मालवा के सूबेदार। विचित्र कवि के आश्रयदाता। सं० १७८० के लगभग वर्तमान।→०६–३४२।

बंजारानामा (पद्य)—नजीर कृत। वि० बंजारे के व्याज से ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० शालिग्राम अध्यापक, देवखेड़ा, डा० अहारन (आगरा)। → २६–२५१ सी

बंदावली (बाँदावली) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
खो० सं० वि० ७८ (११००–६४)

(क) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—श्री रामदत्त दूबे, भटेहरा, डा० घनश्यामपुर (जौनपुर) । → सं० ०४–४७७ ।

(ख) प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा) । → २६–३४३ ।

बंदीमोचन (पद्य)—रघुवरसिंह कृत । र० का० सं० १६०४ । वि० देवी माहात्म्य और और स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १६२० ।

प्रा०—ठा० रामदौर, भिठौरा, डा० केशरगंज (बहराइच) ।→२३–४११ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६५३ ।

प्रा०—पं० यशोदानंद तिवारी, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३६१ बी ।

बंदीमोचन→'बजरंगबान' (तुलसीदास ? कृत) ।

बंशीवीसा (पद्य)– ग्वाल (कवि) कृत । वि० वंशी के प्रति गोपियों की निंदा ।

(क) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्राम घाट, मथुरा ।→१७–६५ डी ।

(ख) प्रा०—पं० जवाहरलाल चतुर्वेदी, कुँआवाली गली, मथुरा । → ३२–७३ ई ।

बकस (कवि)—(?)

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→२६–२१ ए, बी ।

बखतकुँवरि—उप० प्रियासखी । दतिया की रानी । श्रीकृष्ण की भक्त सं० १८४७ के लगभग वर्तमान ।

बानी (पद्य)→०६–८ ।

बखतविलास (पद्य)—भोगीलाल कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का० सं० १८५७ । वि० रस, नायिका भेद आदि ।

प्रा०—पं० मातादीन द्विवेदी, कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२६–६३ ।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है ।

बखतसिंह (राजा)—कोई राजा । पिता का नाम उम्मेदसिंह ।

इश्कशतक (पद्य)→सं० ०१–२२८ ।

बखनाजी—दादूदयाल के शिष्य । राजस्थानी । भक्तमाल के अनुसार तुक और तान के तत्ववेत्ता ।

आरती (पद्य)→सं० ०७–१२६ क ।

पदमाख्या (पद्य)→सं० ०७–१२६ ख ।

वाणी (पद्य)→सं० ०७–१२६ ग ।

बख्तराम—जैन । जयपुर के निवासी । सं० १७२१ के लगभग वर्तमान ।

मिथ्यात्व खंडननाटक (पद्य)→२३–२६ ।

बख्तसिंह—जोधपुर नरेश महाराज अजीतसिंह के पुत्र और अभयसिंह के भाई । दिल्ली

के बादशाह मुहम्मदशाह के संकेत पर अभयसिंह ने अपने भाई इन्हीं बख्तसिंह को मार डाला था। ज्ञानमल सिंगी इनके दीवान थे। सं० १७७६ के लगभग वर्तमान।→०२-४०; ०२-८६; ०२-८६।

बख्ता (खड़िया)—चारण। राजस्थान निवासी। संभवतः जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित।
अभयसिंघ रा कवित्त (पद्य)→४१-४०।

बख्तावर—हाथरस (अलीगढ़) निवासी। पंडित दयाराम के आश्रित और शिष्य। सं० १८६० के लगभग वर्तमान।
शून्यसार (पद्य)→०१-५६; १७-१२।

बख्तावर (चतुर्वेदी)—वैद्य। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
औषधियों के नुसखे (गद्य)→२३-२७।

बख्तावरमल या रतनलाल (जैन)—अग्रवाल। मीतल गोत्रीय। संघ काष्ठ, आमनाय, लोहाचारज और गछ पुष्करगण। मित्र का नाम जुगल। प्रथम नाम बख्तावर और दूसरा नाम रतनलाल। छोटे भाई का नाम रामप्रसाद।
आराधना कथा कोश (पद्य)→सं० १०-८२ क, ख।

बख्तेश—राजा रतनेश के भाई। शत्रुजीत के आश्रित। सं० १८२२ के लगभग वर्तमान।
रसराज की टीका (गद्यपद्य)→०६-७; पं० २२-१०।

बघेलवंश वर्णन (पद्य)—अजवेश कृत। र० का० सं० १८६२। वि० रीवाँ के राजा विश्वनाथसिंह का (बघेल) वंश वर्णन।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ।→०१-१५।

बचऊदास—ब्राह्मण। सलेथू (रायबरेली) निवासी। महात्मा रामबकसदास के शिष्य। जन्म सं० १८८० के लगभग। मृत्यु सं० १९६० के लगभग।
जन्मचरित्र श्री गुरुदत्तदासजी का (पद्य)→३५-६।

बछनागर जी—(?)

पद (पद्य)→सं० १०-८३।

बजरंगचालीसा→'हनुमानचालीसा' (तुलसीदास?) कृत।

बजरंगचालीसी (पद्य)-लोकमणिदास कृत। वि० हनुमान जी की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२४८।

बजरंगबान (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० हनुमान स्तुति।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद, अजगराखुर्द, डा० अजगरा (प्रतापगढ़)। → २६-४८४ एच।

बजरंगसाठिका→'बकरंगबान'। (तुलसीदास ? कृत)।
बजरंगसाठिका→ हनुमानसाठिक' (तुलसीदास ? कृत)।

बज्रनाभ की कथा (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० हरिवंश की संस्कृत रचना के आधार पर राजा बज्रनाभ की कथा।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० आई।

बटुकबहादुरसिंह—कमौली (वाराणसी) जमींदार। सतीप्रसाद के आश्रयदाता।→ ०६-२३०।

बटुनाथ या बटुकनाथ—ऋषिराम के पुत्र। श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार भरतपुर निवासी, भरतपुर नरेश बलवंतशिंह के आश्रित तथा सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
आनंदरसवल्ली (पद्य)→४१-२५१ ख।
शनिचरित्र (पद्य)→४१-२५१ क।

बटेश्वर माहात्म्य (पद्य)—गंगाप्रसाद (माथुर) कृत। र० का० सं० १९०३। लि० का० सं० १९१०। वि० बटेश्वर नामक धार्मिक स्थान का माहात्म्य।
प्रा०—बाबू रामबहादुर अग्रवाल, बाह (आगरा)।→२६-११० ए।

बड़ोओनम (पद्य)—माधोदास कृत। वि० ब्रह्मनिरूपण, नाम माहात्म्य, भक्ति, गुरु महिमा आदि।
(क) लि० का० सं० १८९९।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा)।→३८-९३ बी।
(ख) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद कारिंदा, बसरेहर (इटावा)।→३८-९३ ए।

बड़ी बेड़ी को समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत)।
बड़े छप्पनभोग को क्रम (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५०। वि० पुष्टि मार्गी संप्रदाय में छप्पन भोगों का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५४१।

बत्तीसअक्षरी (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह वर्मा, असवाई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)। → ३२-६६ ए।

बत्तीसलक्षण (भगवदीय वैष्णवों के लक्षण)→'वैष्णवलक्षण (ग्रंथ)' (गो० गोकुलनाथ कृत)।

बत्तीसलक्षण—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२-६१ (बाईस)।

बदन (कवि)—अग्निहोत्री ब्राह्मण। दामोदर के पुत्र। दयाराम के पौत्र और मनीराम के प्रपौत्र। गिरवाँ (गिरिग्राम) जिला बाँदा के निवासी। गढ़कोटा के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं० १८०८ के लगभग वर्तमान।

रसदीपक (पद्य)→०५–५७ ।

बदनराउ—जाति के बासोढ़िया भाट । अवध के समीप इडहा परगना के अंतर्गत अकबरपुर के निवासी । गुरु का नाम दयाराम । संभवतः पिता का नाम छन परवीना, पितामह का खेमकरन और परपितामह का नाम महीप (महीपा) भाट । सं० १८४६ के लगभग वर्तमान ।

रामश्वमेध (पातालखंड) (पद्य)→सं० ०४–२२५ ।

बदनसिंह (महाराज)—भरतपुर नरेश । महाराज प्रतापसिंह के पिता । कलानिधि के आश्रयदाता । सं० १७६६ के लगभग वर्तमान । →०६–२६८; १७–६३; पं० २२–१०३ ।

बदरा (पद्य)—रिसालगिरि कृत । वि० वियोग वर्णन ।

प्रा०—श्री प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा (दिल्ली) ।→दि० ३१–७६ ।

बदलीदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । स्वा० जगजीवनदास के पुत्र जलालीदास के शिष्य । ये लखनऊ में कुटी बनाकर रहते थे । सं० १८००-६१ के लगभग वर्तमान ।

अनभौप्रकाश (पद्य)→३५–७; सं० ०१–२२६; सं० ०४–२२६ क, ख ।

भक्तिविलास (पद्य)→सं० ०४–२२६ ग ।

बद्रीनाथ स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्तुति ।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–८ (परि०३) ।

बद्रीयात्रा कथा (पद्य)—सुखदानि कृत । र० का० सं० १८८८ । वि० यात्रा विवरण ।

प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, धेनुगाँवाँ (बस्ती) ।→सं० ०४–२२४ ।

बद्रीलाल—सं० १८६७ के पूर्व वर्तमान ।

षट्पंचाशिका (गद्य)→२६–२३ ए, बी, सी; दि० ३१–६ ।

बद्रीलाल (गुसाइँ)—(?)

भगवद्गीता की भाषा टीका (गद्य)→४१–१४६ ।

बधाईगीतसार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त) कृत । वि० कृष्णलीला आदि ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्रीगोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३५–१२१ ।

बधाई संग्रह (पद्य)—विविध कवि (ब्रजलाल, कृष्णदास, कुंजलाल, दामोदरहित, प्रेमदास, कमलनैन, रूपलाल, भोरीसखी, हित गुलाब, हित वल्लभ) कृत । वि० हित हरिवंश जी की जन्म बधाई ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–४६२ ।

बधाई सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–१२२।

बधाईसार (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (गिरधर, ब्रजपति, रसिकप्रीतम आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—पं० मयाशंकर यात्रिक, अधिकारी, मंदिर गोकुलनाथ जी, गोकुल (मथुरा)। →३५–१२३।

बनजन प्रशंसा पद प्रबंध (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १८१६। वि० वृंदावन की भूमि, गुल्म, लता, पक्षी आदि की प्रशंसा।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–११७।

बनमाली—राठौर क्षत्रिय। महुली परगना (दशरथपुर मंडल, बस्ती) के घोरांग ग्राम के निवासी। पुत्र का नाम भवानीशंकर। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०४–२२७।

बनमाली—(?)

द्वादस महावाक्य विचार (पद्य)→३२–१७; ३८–४ बी।

षटशास्त्रवेद द्वादस महावाक्य विचार (पद्य)→३८–४ ए।

बनवारीदास (बनवारीलाल)—(?)

दंपति रसिकतरंग (बारहमासा) (पद्य)→सं० ०४–२२८।

बनविनोद लीला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० कृष्ण का चने के खेतों से चने चुराकर खाना।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१–१२२।

बना (पद्य)—रघुवरशरण कृत। वि० रामचंद्र जी के वर रूप का वर्णन।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०६ बी (विवरण अप्राप्त)।

बनादास—क्षत्रिय। जिला गोंडा के निवासी। विरक्त होकर अयोध्या में रहने लगे थे। काव्यकाल सं० १९०० से १९४७ तक।

अनुराग विवर्द्धक रामायण (पद्य)→सं० ०१–२३० क।

अर्जपत्रिका (पद्य)→२०–११ ए।

आत्मबोध (पद्य)→२०–११ बी।

उभयप्रबोधक रामायण (पद्य)→२०–११ सी।

खंडनखंग (पद्य)→२०–११ डी।

नामनिरूपण (पद्य)→२०–११ एफ।

ब्रह्मायण तत्व निरूपण (पद्य)→२०–११ एच।

ब्रह्मायणद्वार (पद्य)→२०–११ आई; सं० ०१–२३० ग।

ब्रह्मायण पराभक्ति परत्तु (परत्व) (पद्य)→२०–११ जे।

ब्रह्मायण परमातम बोध (पद्य)→२०–११ के।

ब्रह्मायण विज्ञान छत्तीसा (पद्य)→२०-११ एल ।
ब्रह्मायण शांति सुषुप्ति (पद्य)→२०-११ एम ।
मात्रामुक्तावली (पद्य)→२०-११ एन; सं० ०१-२३० ख ।
रामछटा (पद्य)→२०-११ ओ ।
विज्ञान मुक्तावली (पद्य)→२०-११ जी; सं० ०१-२३० घ ।
विवेकमुक्तावली (पद्य)→२०-११ पी ।
समस्यावली (छमिछावली) (पद्य)→२०-११ ई ।
सार शब्दावली (पद्य)→२०-११ क्यू ।
हनुमत विजय (पद्य)→२०-११ आर ।

बनारसी—कोई संत ।
पद (पद्य)→सं० ०७-१२८ ।

बनारसी→'काशीगिरि' (लावनी बाज) ।

बनारसीदास (जैन ,—मूल निवास स्थान जौनपुर । पश्चात आगरा निवासी । पिता का नाम खड्गसेन । सं० १६४३ में जन्म । लगभग सं० १६६३ तक वर्तमान ।
अर्द्धकथानक (पद्य)→सं० १०-८४ क ।
कल्याणमंदिर (भाषा) (पद्य)→००-१०४; दि० ३१-११ ए; सं० १०-८४ ख ।
ज्ञानपच्चीसी (पद्य)→३५-१० ए ।
दीतवार की कथा (पद्य)→३२-१८ बी ।
पंद्रहपात्र की चौथाई (पद्य)→३२-१८ ए ।
बनारसी विलास (पद्य)→२३-३६ ए; सं० ०४-२२६ सं० १०-८४ ग, घ ।
बावन सवैया (पद्य)→२६-३६ ए ।
मार्गनाविधान (पद्य)→१७-१६ डी ।
मोक्षमार्ग पैड़ी (पद्य)→००-१०६; १७-१६ बी ।
वेदनिर्णय पंचाशिका (पद्य)→१७-१६ सी; २६-३६ सी ।
वेदांत अष्टावक्र (भाषा) (पद्य)→३५-१० डी ।
शिवपच्चीसी (पद्य)→३५-१० बी ।
समयसार नाटक (पद्य)→००-१३२; २३-३६ बी; दि० ३१-११ बी; ४१-५१२ (अप्र०); सं० ०७-१२७ क, ख; सं० १०-८४ ङ, च, छ, ज ।
साधुवंदना (पद्य)→००-१०५; १७-१६ ए ।
सूक्ति मुक्तावली (पद्य)→२६-३६ बी ।

बनारसी विलास (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत । सं० का० सं० १७७१ । वि० बावनी, सवैया, वेदनिर्णय, शिवपच्चीसी, ज्ञानपच्चीसी और कल्याण मंदिर, आदि फुटकर रचनाओं का संग्रह ।

(क) लि० का० सं० १८४१ ।

प्रा—जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–३६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–८४ ग ।

(ग) लि० का० सं० १९६२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–८४ घ ।

(घ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०४–२२६ ।

बबुरवाहन कथा (पद्य)—कृष्णदेव कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० वभ्रुवाहन की कथा का वर्णन ।

प्रा०—श्री विंध्येश्वरी तिवारी, बड़गहन, डा० बरदह (आजमगढ़) । → सं० ०१-५३ ।

बबुरवाहन कथा→'वभ्रुवाहन कथा' (कनकसिंह कृत) ।

बबुरवाहन की कथा (जैमिनिपुराण)→'वभ्रुवाहन कथा' (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत) ।

बयालीस लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । र० का० सं० १६८६ । लि० का० सं० १९४८ । वि० कृष्ण लीला ।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मोरावाँ (उन्नाव ।→सं० ०४–१७५ ।

बरजोरसिंह (राजा)—हरिशंकर द्विज के आश्रयदाता । सं० १६५१ के लगभग वर्तमान ।→०६–२५८; २६–१७२ ।

बरनउमंग (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० सीताकुंड (अयोध्या) की महिमा का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ ढ ।

बरनचरित्र (पद्य)—मनोहरदास कृत । लि० का० सं० १९३५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री छोटकधर द्विवेदी, अढ़नी, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद) → सं० ०१–२७४ ।

बरनबोध (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १९२२ । वि० रामभक्ति महिमा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ द ।

बरनमाला (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । वि० राम माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ ण ।

बरनविचित्र (पद्य) –युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १९२२ । वि० राम चरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ त ।

बरनविहार (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १९२१ । वि० रामभक्ति का उपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ थ ।

बरवा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि० का० सं० १७७८ । वि० शृंगार ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं० ०१–१२६ छ ।

बरवा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० स्त्रियों का स्वभाव, सौंदर्य और विरहोक्तियाँ ।

प्रा०—पं० हीरालाल शर्मा, कुसुमरा (मैनपुरी) ।→३८–१६८ ।

बरबाविलास भावना रहस्य (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० सं० १६२२ । वि० श्री सीताराम का प्रेम और रहस्य वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०६ ध ।

बरवै (पद्य)—गोरेलाल पुरोहित (उप० लाल कवि) कृत । वि० स्फुट ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ०६–४३ ए ।

बरवै (पद्य)—भावन (भवानीप्रसाद) कृत । लि० का० सं० १८७३ के लगभग । वि० शृंगार ।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–२६० ख ।

बरवै नखशिख (पद्य)—सेवकराम कृत । लि० का० सं० १६५३ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–२८६ ।

बरवै नायिकाभेद (पद्य)—मतिराम कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) लि० का० सं० १६०४ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ३१८, मिर्जालेन, लखनऊ ।→२३–२७६ ई ।

(ख) प्रा०—श्री प्रसिद्धिधर द्विवेदी, अजगरा, डा० मदियापार (आजमगढ़) । सं० ०१–२६६ ।

टि० खो० वि० २३–२७६ ई में रहीम के बरवै भी संमिलित हैं ।

बरवै नायिकाभेद (पद्य)—रहीम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी ।→०६–१ ।

बरवै रामायण (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि० रामायण की संक्षिप्त कथा ।

(क) लि० का० सं० १७६७ ।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–४७४ एम ।

(ख) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३–८० ।

(ग) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—बाबू पद्मवख्शसिंह, लवेदपुर, बहराइच ।→२३–४३२ बी ।

(घ) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–४३२ सी ।

(ङ) लि० का० सं० १६४७।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→०६–२४५ ए (विवरण अप्राप्त)।

(च) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१६६ बी।

(छ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३–४३२ ए।

बरवै षटऋतु (पद्य)—सबलस्याम कृत। वि० षट्ऋतु और गोपियों का विरह वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४३८।

बरस दिन के उत्सव को भाव (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १६५६। वि० पुष्टि मार्गी उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४८६ ढ।

बरसाना वर्णन (पद्य)—मुरलीधर कृत। र० का० सं० १८१२। वि० बरसाने की महिमा।

प्रा०—ठा० उमरावसिंह रईस, उड़ियामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)। → ३२–१४७।

बराटिका प्रश्न (पद्य)—हरिवंश (द्विज) कृत। वि० शकुन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–४४०।

बरारी मुगल→'वारण (कवि) ('रत्नाकर' के रचयिता)।

बरिबंड विनोद (पद्य)—जीवन (कवि) कृत। र० का० सं० १८७३। वि० नायिका-भेद और नवरस।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर)।→१२–८६।

बरिबंडसिंह—नेरी (सीतापुर) के रईस। जीवन कवि के आश्रयदाता। सं० १८७३ के लगभग वर्तमान।→१२–८६।

बरिबंडसिंह→'बलवंतसिंह' (काशी नरेश)।

बलख की पैज (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और शाह बलख के प्रश्नोत्तर।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ आई।

बलदेव—सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।

कादंबरी (पद्य)→०५–५८।

बलदेव—संभवतः हाथरस निवासी बलदेवदास जौहरी।

हनुमानस्तोत्र (पद्य)→३२–१३।

बलदेव (कवि)—राजा विक्रमसाहि बघेल (बघेलखंड) के आश्रित।

दशकुमारचरित (पद्य)→सं० ०१–२३१।

बलदेव (द्विज)—वास्तविक नाम बलदेवप्रसाद अवस्थी। द्रसपुर (सीतापुर) के निवासी। हथिया राज्य (नैमिषारण्य से ईशानकोण की ओर चार योजन पर) के राजा दलथंभनसिंह के आश्रित। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।

प्रतापविनोद (पद्य)→२३–३१ बी, सी।

मुक्तमाल (पद्य)→२३–३१ ए।

ब्रजराज विहार (पद्य)→२३-३१ ई।

शृंगार सुधाकर (पद्य)→२३-३१ डी; सं० ०४-२३१।

बलदेव (माथुर)—मथुरा निवासी। रामपुर के नबाब के आश्रित।

नीतिप्रकाश (पद्य)→३२-१४।

बलदेव (मिश्र)—औरंगजेब के समकालीन। आजमगढ़ के संस्थापक राजा अजमति खाँ और आजम खाँ के पुरोहित।

अजमति खाँ यश वर्णन (पद्य)→४१-१५० ख।

स्फुट रचना (गद्य)→४१-१५० क।

बलदेव (सनाढ्य)—सं० १८११ के पूर्व वर्तमान।

गरुड़पुराण (भाषा) (पद्य)→३५-८

बलदेव कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० श्रीकृष्ण के भाई बलदेव जी की कथा।

प्रा०—बांधवेश भारती भंडार, (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → ००-१५३।

बलदेवदास—श्रीवास्तव कायस्थ। कल्यानपुर परगनांतर्गत दौलतपुर (फतेहपुर) निवासी। दीनदयाल के पुत्र। सं० १६३६ के लगभग वर्तमान।

जानकीविजय (पद्य)→२६-३२ ए, बी; २६-२५।

बलदेवदास—कनौड़ (पटियाला) निवासी। संभवतः सं० १७८८ के लगभग वर्तमान।

बलदेवप्रकाश (गद्य)→पं० २२-१२।

बलदेवदास (जौहरी)—अग्रवाल वैश्य। जन्म स्थान हाथरस (अलीगढ़)। पिता का नाम जयगोपाल। राधारमणी (माध्व संप्रदाय) के वैष्णव। धौलपुर नरेश कीरतसिंह के आश्रित। सं० १६०३-१६ के लगभग वर्तमान।

कृष्णलीला (पद्य)→२६-३३।

कृष्णलीला (पद्य)→२६-३३।

रामचंद्र हनुमान की नामावली (पद्य)→२३-३० बी।

विचित्र रामायण (पद्य)→१७-१५; ३२-१५।

श्रीकृष्ण जन्मखंड (पद्य)→२३-३० ए; सं० ०४-२३०।

बलदेवप्रकाश (गद्य)—बलदेवदास कृत। लि० का० सं० १७८८। वि० वैद्यक। → पं० २२-१२।

बलदेवप्रसाद—अग्रवाल वैश्य। अमरोहा (कानपुर) निवासी। राय शिवसहाय और चरखारी के मलिखान के आश्रित। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।

विरहिणी बारहमासा (पद्य)→२६-३४।

बलदेवप्रसाद (अवस्थी)→'बलदेव (द्विज)' ('प्रतापविनोद' आदि के रचयिता)।

बलदेव रासमाला (पद्य)—श्रृंगार (सिंगार) कृत। वि० बलदेव जी की रासलीला।
प्रा०—लाला कामताप्रसाद, विजावर।→०६–३३२ (विवरण अप्राप्त)।

बलदेवविलास (पद्य)—दयाकृष्ण कृत। र० का० सं० १८६८। लि० का० सं० १९००। वि० अलंकार।
प्रा०—पं० परमानंद शर्मा, बलदेव (मथुरा)।→१७–४६ सी।

बलदेवषटक (पद्य)—रसनिधि कृत। वि० बलरामजी के यश और महिमा का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३२२।

बलबीर—दूबे ब्राह्मण। भगीरथ के पुत्र। कन्नौज निवासी। शाह आलम बादशाह के पुत्र शाहजादा अजीम के सेवक। मुहम्मद अनवर एवं नवाब हिम्मतखाँ के आश्रित। सं० १७४१-१७५६ के लगभग वर्तमान।
उपमालंकार नखशिख वर्णन (पद्य)→०२–२७; २३–३४ बी; २६–३८ ए, बी; २६–२२ सी।
रससागर (पद्य)→०२–२८; २३–३४ ए; २६–३८ सी, डी, ई; २६–२२ ए, बी।
पिंगल मनहर (पद्य)→०१–८२।

बलबीर—तिरहुत के क्षत्री। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।
डंगौपर्व (पद्य)→१७–१३।

बलभद्र—ओड़छा के सनाढ्य ब्राह्मण। काशीनाथ के पुत्र। प्रसिद्ध कवि केशवदास के बड़े भाई। वृंदावन निवासी। सं० १६४१ के लगभग वर्तमान।→०२–६८ (सात)।
कवित्त भाषा दूषण विचार (पद्य)→०६–१६; २३–२६।
नखशिख (पद्य)→००–१११; ०२–४५; ०६–१५; २३–२८; २६–२६ ए, बी; २६–२३।

बलभद्र—क्षत्रिय। केशवदास के पुत्र। संवत् १६६५ के लगभग वर्तमान।
वैद्यविद्या विनोद (पद्य)→१२–६; सं० ०४–२३२ क, ख।

बलभद्र—(?)
षटनारी षट वर्णन (पद्य)→३२–११।

बलभद्र—जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' नामक ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२–६८ (सात)।

बलभद्र नखशिख→'नखशिख टीका' (प्रतापसाहि कृत)।

बलभद्रपचीसी (पद्य)—दामोदरदेव कृत। र० का० सं० १६२३। लि० का० सं० १६२३। वि० बलराम जी की स्तुति।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़।→०६–२४ ई।

बलभद्रप्रकाश (पद्य)—करणेश (महापात्र) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० जसवंतसिंह कृत 'भाषाभूषण' की टीका।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, राज्य मल्लाँपुर (सीतापुर)।→०६–२२५।

बलभद्रप्रकाश (पद्य)—राम (कवि) कृत। र० का० सं० १८६३। लि० का०

सं० १९६६ । वि० पृथ्वीखंड वेदपुराण आदि का वर्णन ।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, राज्य मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–३७३ ।

बलभद्रशतक (पद्य)—दामोदरदेव कृत । वि० बलदेव जी की स्तुति ।

प्रा०—श्री रामनेत, मंत्री, टीकमगढ़ राज्य, टीकमगढ़ ।→०६–२४ बी ।

बलभद्रसिंह—नागौड़ (मध्य प्रदेश) नरेश । सं० १८७८ के लगभग वर्तमान ।

बारहमासी (पद्य)→००–५० ।

बलभद्रसिंह—मल्लाँपुर निवासी । राम कवि के आश्रयदाता । सं० १८६३ के लगभग वर्तमान ।→२६–३७३ ।

बलभद्रसिंह (राजा)—करणेश महापात्र के आश्रयदाता । सं० १७१७ के लगभग वर्तमान ।→२६–२२५ ।

बलराम कथामृतांतर्गत विदुरनीति (पद्य)—गिरिधरदास (गोपालचंद) कृत । वि० नीति (महाभारत, उद्योग पर्व का अनुवाद) ।

प्रा०—पं० शिवमूर्ति शर्मा, गहरी, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–१४० ।

बलराम जी—संभवतः बँधुआ हसनपुर (सुलतानपुर) के उदासी (नानकपंथी) महंत । ये वैष्णव सिद्धांतों को विशेषरूप से मानते थे ।

रामधाम (पद्य)→३५–६ ।

बलरामदास—नीलगिरि (उड़ीसा) के राजा जगन्नाथ के मंत्री सोमनाथ महापात्र के पुत्र ।

गीता ग्रंथ सार (गद्यपद्य)→सं० ०१–२३२ ।

बलवंतप्रकाश (पद्य)—लोकसिंह (बाबू) कृत । वि० बिसेन क्षत्रियों का इतिहास ।

प्रा० - श्री रामप्रसाद मुराऊ, पुरा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २६–२७० ।

बलवंतसिंह—उप० ब्रजेंद्र । भरतपुर नरेश । राज्यकाल सं० १८६२-१९१० । रसानंद भट्ट, गणेश, चतुर्भुज मिश्र, मोतीराम और बलदेव के आश्रयदाता । → ०६–२६०; १७–१५; १७–५४; १७–११४; पं० २२–६५; ३८–२७ ।

बलवंतसिंह—अलवर नरेश बख्तावरसिंह के अनौरस पुत्र । भोगीलाल के आश्रयदाता । सं० १८५६ के लगभग वर्तमान ।→२६–६३ ।

बलवंतसिंह—रामपुर निवासी । इन्हीं के कहने पर बाबू लोकसिंह के 'बलवंतप्रकाश' की रचना की थी ।→२६–२७० ।

बलवंतसिंह (बरिबंडसिंह)—काशी नरेश । महाराज उदितनारायणसिंह के पिता । रघुनाथ बंदीजन, भीष्म कवि और गोकुलनाथ भट्ट के आश्रयदाता । सं० १७३०-१७७० के लगभग वर्तमान ।→०३–१२; ०३–३५; ०६–६६; २०–१३८; २३–३२६; दि० ३१–६८ ।

बलवीर—(?)

शारंगधर वैद्यक (गद्यपद्य)→४१–१५१ ।

बलिचरित्र (पद्य)—केशव कृत। वि० राजा बलि और वामन अवतार की कथा।
प्रा०—भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४६ ए।

बलिचरित्र (पद्य)—हृदयराम कृत। वि० बलि और बामन की कथा।
प्रा०—पं० बाबूलाल शर्मा, लिपिक (क्लर्क), विद्यालय तिरीक्षक का कार्यालय, मेरठ।→१२–७५।

बलिदेवदास—संभवतः बलदेवदास जौहरी।→सं० ०४–२३०।
कृष्णचंद्रिका (पद्य)→सं० ०४–२३३।

बलिराम—उप० बली। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
अद्वैतप्रकाश (पद्य)→१७–१७; ३८–१५६ ए; ४१–५२२ (अप्र०); ४१–५२३ (अप्र०)।
झूलना (पद्य)→०६–१७।
नामरहित ग्रंथ (पद्य)→४१–१५२।
वस्तुविचार (पद्य)→३८–१५६ सी।
षट्शास्त्र विचार (पद्य)→३८–१५६ बी।

बलिराम—संभवतः नंदराम के पिता। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।→००–१२६।
रसविवेक (पद्य)→०४—२५।

बलिराम—(?)
विवेककली (पद्य)→सं० ०१–२३३।

बलिवामन की कथा (पद्य)—लालदास कृत। वि० राजा बलि और वामनावतार की कथा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१६१ (विवरण अप्राप्त)।

बलिहारी—संभवतः पंजाब निवासी कोई वैष्णव।
पद संग्रह (पद्य)→४१–१५३।

ली या बलीराम→'बलिराम' ('अद्वैतप्रकाश' आदि के रचयिता)।

लूकिया विरही की कथा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सन् १०४४ हि०। लि० का० सं० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ घ।

लूदास—तमोली। वंशज सतलापुर का पुरवा (बहराइच) में वर्तमान।
निर्गुणप्रकाश (पद्य)→२३–३५।

ंत विहार नीति (पद्य)—ऋतुराज कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६११। वि० गुलिस्ताँ का भाषानुवाद (मौलवी अब्दुलहादी की सहायता से)।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१।

बसंतराज (पद्य)—कालिदास कृत । वि० शकुन विचार ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–४० क ।

(ख) प्रा०—पं० रामदयाल तिवारी, संडवापर, डा० करारी (इलाहाबाद) । →सं० ०१–४० ख ।

बसिष्टबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–३२ ङ ।

बहबलदास या बहमलदास→'बहमल जी' ('जखड़ी' के रचयिता) ।

बहमन—हीरापुर हिंडोन के निवासी । अवलियाखान के शिष्य । बहादुरशाह बादशाह और हीरापुर हिंडोन के नवाब राकराह्या खाँ के समकालीन । सन् ११२१ हिजरी के लगभग वर्तमान ।

रमल (?) (पद्य)→सं० ०४–२३४ ।

बहमल जी—अन्य नाम बहबलदास या बहमलदास । संभवतः पंजाबी ।

जखड़ी (पद्य)→सं० १०–८५ ।

बहादुरराज→'बहादुरसिंह' (रूपनगर, कृष्णगढ़ नरेश) ।

बहादुरशाह—अन्य नाम मुअज्जमशाह । मुगल बादशाह औरंगजेब के पुत्र । आलम के आश्रयदाता । राज्यकाल सं० १७६४-१७६६ ।→०३–३३; ०४–६ ।

बहादुरसिंह—उप० बहादुरराज । रूपनगर (कृष्णगढ़) नरेश । महाराज राजसिंह के पुत्र । सुंदरि कुँवरि के भाई । इन्हीं के व्यवहारों से दुखी होकर इनके भाई महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) अपने लड़के को राज्य देकर वृंदावन चले गए थे । बाद में इन्होंने महाराज सावंतसिंह के पुत्र को गद्दी से उतार दिया था । चाचा हितवृंदावनदास के आश्रयदाता । सं० १८२३ के लगभग वर्तमान ।→ ०१–१०३; ०४–५८; १७–३४ ।

बहादुरसिंह—महाराज बदनसिंह के पुत्र । भरतपुर नरेश । सोमनाथ के आश्रयदाता । सं० १८०६ के लगभग वर्तमान ।→०४–४७; ०६–२६८ ।

बहादुरसिंह—बलरामपुर (गोंडा) के राजकुमार । शिवनाथ के आश्रयदाता । सं० १८५४ के लगभग वर्तमान ।→२०–१८३ ।

बहादुरसिंह (भैया) का रासा (पद्य)—शिवनाथ कृत । र० का० सं० १८५४ । वि० एक शरणागत की रक्षा के लिये युद्ध का वर्णन ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→२०–१८३ ।

बहाव—किसी मुहम्मद के शिष्य ।

बारहमासा (पद्य)→२६–४८६ ए, बी, सी; सं० ०४–२३५ क, ख; सं० ०७–१२६ ।

बहावदी (सेख)—सेख जाति के मुसलमान । रावोदास के भक्तमाल में जिवन दर्शन (यवन दर्शन) के अंतर्गत उल्लिखित दादूपंथी संत 'सेखबहावदी' । राजस्थान, पंजाब और कुरु जांगल प्रदेशों की सीमा पर किसी स्थान के निवासी ।

पद (पद्य)→सं० ०७–१३०; सं० १०–८६ ।

बहुरंगीसार→'परमानंद विलास' (परमानंददास कृत)।

बहुला कथा (पद्य)—अन्त नाम 'बहुलाव्याघ्र संवाद'। मानसिंह (सिंह) कृत। र० का० सं० १८०५। वि० भविष्योत्तर पुराणांतर्गत बहुला व्याघ्र संवाद।

(क) लि० का० सं० १८३५।

प्रा०—पं रामअवतार, नोगहाँ, डा० शाहमऊ (रायबरेली) →२३–२६१।

(ख) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—पं० रामेश्वरदत्त शर्मा, सहायक अध्यापक, हाईस्कूल, रायबरेली।→ १७–११०।

बहुला कथा (पद्य)—लोना कृत। लि० का० सं० १७०३। वि० बहुला व्याघ्र कथा।

प्रा०—श्री बटेश्वरी तिवारी, बसुका, डा० नवली (गाजीपुर)।→सं० ०१–३८०।

बहुला लीला (पद्य)—कल्यानदास कृत। लि० का० सं० १८४८। वि० एक पौराणिक कथा।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३६।

बहुलाव्याघ्र संवाद→'बहुला कथा' (मानसिंह कृत)।

बहोरन (द्विज)—(?)

अद्भुत रामायण (पद्य)→सं० ०१–२३६।

———